

प्रतियोगिता दर्पण

फरवरी 2024 मूल्य ₹ 125.00

हिन्दी मासिक

शिक्षित युवा वर्ग के स्वर्णिम भविष्य के लिये



9770974639001

For e-magazine:
<http://emagazine.pdgroup.in>

साथ में
रंगीन
कलैण्डर



ओमान के सुल्तान व कीनिया के राष्ट्रपति की भारत यात्राएं

- राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व मिजोरम में नई सरकारें
- गुजरात का गरबा नृत्य यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में
- उच्च गति वाले स्वदेश विकसित मानव रहित फ्लाइटिंग विंग का परीक्षण
- मेरा गाँव मेरी धरोहर: संस्कृति मंत्रालय की परियोजना
- मौद्रिक नीति: 2023-24 की पाँचवीं द्वैमासिक समीक्षा
- वंदे भारत के बाद अब अमृत भारत रेलगाड़ियाँ
- विदेशों से सम्प्रेषित धन प्राप्तियों में भारत का पहला स्थान: विश्व बैंक रिपोर्ट
- साहित्य अकादमी पुरस्कार, राष्ट्रीय खेल पुरस्कार (2023)
- खेल जगत् के प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार (2023) • कॉप 28 दुबई में सम्पन्न
- आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर वैश्विक भागीदारी शिखर सम्मेलन, नई दिल्ली
- पुरुषों व महिलाओं की राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप, राष्ट्रीय बैडमिंटन चैम्पियनशिप

मॉडल हल

- सिविल सेवा प्रा. परीक्षा
- छत्तीसगढ़ पीएससी राज्य सेवा (प्रा.)
- हरियाणा सिविल सेवा (प्रा.)

हल प्रश्न-पत्र

- उ.प्र. पी.सी.एस. (मुख्य), 23
- यू.जी.सी.-नेट/जेआरएफ, 22



Drishti IAS



IAS GS फाउंडेशन कोर्स

• प्रिलिम्स + मेन्स | ऑफलाइन व लाइव ऑनलाइन •



500+ कक्षाएँ
1200+ घंटे



संशय निवारण
क्वालिटी मेंटरशिप



निशुल्क अध्ययन सामग्री
पुस्तकें + प्रिंटेड नोट्स



कोर्स की वैधता तक
असीमित बार देखने की सुविधा

मुखर्जी नगर

करोल बाग

प्रयागराज

लखनऊ

जयपुर

IAS प्रिलिम्स GS कोर्स

लाइव ऑनलाइन
(दृष्टि लर्निंग ऐप द्वारा)

- 400+ घंटों की 170+ कक्षाएँ
- पाठ्य-सामग्री + 25 टेस्ट्स की टेस्ट सीरीज़
- 1 वर्ष की कोर्स वैधता

एडमिशन आरंभ

IAS प्रिलिम्स CSAT कोर्स

लाइव ऑनलाइन
(दृष्टि लर्निंग ऐप द्वारा)

- 150+ घंटों की 60+ कक्षाएँ
- पाठ्य-सामग्री + 5 टेस्ट्स की टेस्ट सीरीज़
- 1 वर्ष की कोर्स वैधता

एडमिशन आरंभ

UPPCS फाउंडेशन कोर्स

लाइव ऑनलाइन
(दृष्टि लर्निंग ऐप द्वारा)

- 600+ घंटों की 300+ कक्षाएँ
- पाठ्य-सामग्री + 32 टेस्ट्स की टेस्ट सीरीज़
- 2 वर्षों की कोर्स वैधता

एडमिशन आरंभ

UP - RO/ARO - कोर्स (प्रिलिम्स+मेन्स)

लाइव ऑनलाइन
(दृष्टि लर्निंग ऐप द्वारा)

- 200+ घंटों की 100+ कक्षाएँ
- 1 वर्ष की कोर्स वैधता

एडमिशन आरंभ

UPPSC प्रिलिम्स टेस्ट सीरीज़ 2024

ऑफलाइन व ऑनलाइन

- कुल 16 टेस्ट्स की टेस्ट सीरीज़
- फ्लेक्सी फॉर्मेट की सुविधा
- दृष्टि सेंटर पर ऑफलाइन सीरीज़ की व्यवस्था

एडमिशन आरंभ

UPSC मेन्स व वैकल्पिक टेस्ट सीरीज़ 2024

ऑफलाइन व ऑनलाइन

- सामान्य अध्ययन की टेस्ट सीरीज़ में 24 टेस्ट्स
- वैकल्पिक विषय की टेस्ट सीरीज़ में 16 टेस्ट्स
- फ्लेक्सी फॉर्मेट की सुविधा

एडमिशन आरंभ



अभी डाउनलोड करें
Drishti Learning App



विंडोज़ पर भी उपलब्ध

☎ 87501 - 87501

📍 मुखर्जी नगर

641, डॉ. मुखर्जी नगर,
दिल्ली - 110009

📍 करोल बाग

21, पूसा रोड, करोल बाग,
नई दिल्ली - 110005

📍 प्रयागराज

ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स,
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश - 211001

📍 लखनऊ

बलिंगटन चौराहा, विधानसभा मार्ग,
लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226001

📍 जयपुर

हर्ष टावर 2, टोंक रोड, जयपुर,
राजस्थान - 302015

प्रतियोगिता दर्पण

हिन्दी मासिक

के पाठकों से...

प्रिय पाठको !

आपकी सर्वाग्रगण्य एवं लोकप्रिय पत्रिका 'प्रतियोगिता दर्पण' का **फरवरी 2024 अंक** आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष एवं सन्तोष की अनुभूति हो रही है. पत्रिका के प्रस्तुत अंक को आपकी आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक-से-अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है. प्रकाशन से सम्बन्धित सभी लोगों के सामूहिक प्रयास एवं सहयोग से यह अंक इतना अधिक परीक्षोपयोगी बन पाया है.

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी बनाने की दृष्टि से इस अंक में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित एवं विश्लेषणात्मक लेख दिए गए हैं. इनमें से कुछ लेख इस प्रकार हैं—सिल्वयारा-बड़कोटा सुरंग दुर्घटना : राहत और बचाव कार्य दुर्लभतम प्रयास, हरित हाइड्रोजन भविष्य का सर्वाधिक स्वच्छ ईंधन, भारत-मालदीव द्विपक्षीय सम्बन्धों में बढ़ती दूरियाँ, कृषि अर्थव्यवस्था और ऋण ग्रस्तता के बीच अन्तर्सम्बन्ध.

पत्रिका के सर्वाधिक महत्वपूर्ण भाग में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के चयनित हल प्रश्न-पत्र आवश्यक व्याख्या एवं संकेतों के साथ दिए गए हैं. इनमें से कुछ प्रश्न-पत्र इस प्रकार हैं—

हल प्रश्न-पत्र—उ.प्र. लोक सेवा आयोग (मुख्य) परीक्षा, 2023 का हल प्रश्न-पत्र—सामान्य अध्ययन-IV.

ऐच्छिक विषय—भूगोल—यू.जी.सी.—नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2022.

हम आपको स्मरण कराना चाहते हैं कि "कठिन परिश्रम एवं उचित और सामयिक मार्गदर्शन सफलता प्राप्त करने का मूलमंत्र है." प्रतियोगिता दर्पण आपका सही एवं सामयिक मार्गदर्शन करने में बेजोड़ है. आप प्रयास कीजिए, आपकी सुनिश्चित सफलता के लिए प्रतियोगिता दर्पण आपके साथ है.

नियमित रूप से एवं समझदारी के साथ प्रतियोगिता दर्पण पढ़िए.
यह आपको अभीष्ट सफलता दिलाने एवं आपके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने में पूर्णतः सक्षम है.

आपकी चतुर्दिक सफलता एवं स्वर्णिम भविष्य की हार्दिक शुभकामनाओं सहित

राहुल जैन
(सम्पादक)

संस्थापक सम्पादक

स्व. श्री महेन्द्र जैन

सम्पादक

राहुल जैन

प्रधान सलाहकार

डॉ. रवि कान्त

रजिस्टर्ड ऑफिस

2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा—282 002

सम्पादकीय ऑफिस

1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी,
आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा—282 005
फोन—2531101, 2530966
ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in
कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

दिल्ली ऑफिस

4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली—110 002
फोन—011-23251844, 43259035

हैदराबाद ऑफिस

16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(यूनियन बैंक के बगल में), हैदराबाद—500 036
(तेलंगाना) मो.—09391487283

पटना ऑफिस

पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड,
पटना—800 004
मो.—09334137572

हल्द्वानी ऑफिस

8-310/1, ए.के. हाउस हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला—नैनीताल—263 139
(उत्तराखण्ड) मो.—07060421008

All rights reserved. No part of this Magazine may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form by any means, Electronic, Mechanical, Photocopying, Recording or otherwise, without the prior written permission of the publisher. While every effort has been made to ensure accuracy of the information published in this edition, neither publisher nor any of its employees accept any responsibility for any error or omission. Articles that cannot be used are returned to the authors if accompanied by a self addressed and sufficiently stamped envelope. But no responsibility is taken for any loss or delay in returning the material. Pratiyogita Darpan assumes no responsibility for statements and opinions advanced by the authors nor for any claims made in the advertisements published in the Magazine.

544^{वाँ}सफलतम
अंक

प्रतियोगिता दर्पण

हिन्दी मासिक

इस अंक में...

7 सम्पादकीय

9 राष्ट्रीय घटनाक्रम



18 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम



कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर वैश्विक भागीदारी
शिखर सम्मेलन 2023

25 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य



प्रमुख राज्यों में बागवानी उत्पादन

30 नवीनतम सामान्य ज्ञान

39 खेलकूद

43 पहले खेलो इंडिया पैरा खेल नई दिल्ली में सम्पन्न : पदक तालिका में हरियाणा का शीर्ष स्थान

44 रोजगार समाचार

46 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

48 दिव्य दर्पण



54 करियर लेख : सिविल सेवा परीक्षा : व्यक्तित्व परीक्षण
2023 रखता है आपकी किस्मत बदलने की शक्ति

अनुप्रेरक युवा प्रतिभाएं

57 प्रिया भारती

67वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में
चयनित (232वाँ स्थान)



59 कन्हैया कुमार

67वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में
चयनित (318वाँ स्थान)



61 ऋचा प्रियदर्शनी

67वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में
चयनित (393वाँ स्थान)



64 स्मरणीय तथ्य

विश्व परिदृश्य



66 भारत व जापान : वैश्विक व सामरिक साझेदारी की नई
सम्भावनाएं

68 भारत की मृदुल शक्ति (Soft Power) : नए आयाम

फोकस

70 (1) सीओपी (COP) 28 : प्रमुख परिणाम एवं
चुनौतियाँ

75 (2) जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35(ए) पर
सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय : संवैधानिक एकीकरण की
दिशा में एक सही कदम

78 (3) विशुद्ध शून्य (नेट जीरो) : लेकिन कैसे ?

विविधा

- 81 ▶ ऐतिहासिक व्यक्तित्व एवं ऐतिहासिक स्थल
85 ▶ वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

लेख

- 91 आपदा प्रबंधन लेख—सिल्क्यारा-बड़कोट सुरंग दुर्घटना : राहत और बचाव कार्य दुर्लभतम प्रयास



- 94 ऊर्जा लेख—हरित हाइड्रोजन भविष्य का सर्वाधिक स्वच्छ ईंधन
97 अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध लेख—भारत मालदीव द्विपक्षीय सम्बन्धों में बढ़ती दूरियाँ
99 कृषि लेख—कृषि अर्थव्यवस्था और ऋणग्रस्तता के बीच अन्तर्सम्बन्ध
103 डिजिटल प्रौद्योगिकी लेख—‘डीपफेक’ का सामाजिक खतरा
105 भौगोलिक-वैज्ञानिक लेख—जल संकट : परिमाणात्मक एवं गुणात्मक क्षरण

108 सार संग्रह

हल प्रश्न-पत्र

- 111 उ.प्र. लोक सेवा आयोग (मुख्य) परीक्षा, 2023 का हल प्रश्न-पत्र : सामान्य अध्ययन-IV

ऐच्छिक विषय

- 118 यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, दिसम्बर 2022 (3.3.2023) 2022 का हल प्रश्न-पत्र : भूगोल

मॉडल हल प्रश्न

- 132 यूपीएससी सिविल सेवा (प्रा.) परीक्षा 2024 हेतु विशेष हल प्रश्न : सामान्य अध्ययन
149 छत्तीसगढ़ पीएससी राज्य सेवा (प्रा.) परीक्षा हेतु विशेष हल : सामान्य अध्ययन
161 हरियाणा सिविल सेवा (प्रा.) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न : सामान्य अध्ययन

वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान

- 174 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता
175 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न
179 आर्थिक घटनाचक्र : बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न

विविध/सामान्य

- 183 वर्षात समीक्षा-2022 : मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय



ज्ञानार्जन के नवीन क्षितिज

186

क्या आप जानते हैं ?

187

अपना ज्ञान बढ़ाइए

श्रेष्ठतर प्रतिभागी

- 188 प्रथम पुरस्कृत निबन्ध—“गलतियाँ खोज का स्रोत”
191 निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक-533 का परिणाम
193 सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक-217

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. -सम्पादक



सुधार का भी सही तरीका अपनाना बेहद जरूरी है.

हम सुधरेंगे तो जग सुधरेगा.

— स्वामी रामतीर्थ

'सुधार' (Reformation) की महत्ता व आवश्यकता जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सदा रहती ही है. चाहे वह अपने भीतर भावात्मक व मानसिक स्तर पर हो अथवा बाहरी परिवेश से सम्बन्धित विषय क्षेत्र हो. जिस तरह हम जिस मकान या वास्तु में निवास करते हैं उसकी साफ-सफाई प्रतिदिन करना जरूरी समझते हैं, ठीक इसी तरह हमें अपने प्रत्येक कार्यक्षेत्र में भी सफाई-स्वच्छता व सुधार की प्रक्रिया को अपनाना जरूरी है.

अक्सर हम लोग अन्य लोगों से सुधार की अपेक्षा रखते हैं. अभिभावक अपने बच्चों में सुधार करना चाहते हैं. मालिक कर्मचारी-गण में व कर्मचारीगण कार्यक्षेत्र में. सरकार प्रजा के जीवन स्तर में सुधार चाहती है तो प्रजा सरकारी तन्त्र में, उसकी नीतियों में व उसकी कार्यप्रणाली में सुधार चाहती है. हम समस्त लोग परस्पर एक-दूसरे में तो सुधार चाहते हैं किन्तु स्वयं में सुधार चाहने वाले लोग प्रायः कम मिलते हैं. तो यहाँ एक बात जानना व स्वीकारना जरूरी है कि जब तक हम स्वयं में ही सुधार नहीं ला पाते तब तक अन्यो से उम्मीद रखना भी नादानी ही होगी क्योंकि हमारा सबसे ज्यादा अधिकार क्षेत्र हमारे स्वयं पर है फिर किसी अन्य पर.

सुधार की स्वस्थ प्रक्रिया के कुछ महत्वपूर्ण कदम —

1. डॉट-फटकार की नहीं सकारात्मक प्रेरणा की उपयोगिता समझें—

अक्सर हम अपनी संतान या अधीनस्थ कार्यकर्ताओं में सुधार लाने के लिए उन्हें डॉटते हैं, फटकारते हैं. उनकी कमियाँ व कमजोरियाँ हाईलाईट करते हैं और परिणाम-स्वरूप वे हमसे मन ही मन दूरी बनाने लगते हैं. हमें देखते ही कन्नी काटने लगते हैं. हमारे समक्ष कुछ अलग रुख अपनाते हैं और हमारी गैर हाजिरी में अलग. इस प्रकार उन्हें झूठा, औपचारिक व कामचोर बनाने में कहीं न कहीं हमारा रवैया भी जिम्मेदार होता है. अतः यदि आप उन्हें ऐसा नहीं बनाना चाहते हो तो उनको डॉटो-फटकारो नहीं. उन्हें अपमानित न करो. न ही स्वयं को दीन-हीन मानो अथवा मैं तो कमजोर ही हूँ, मेरी कोई सुनता नहीं है, मेरा कोई महत्व नहीं है—ऐसी ही कहो. सतत् आत्म

प्रेरित बनो और अन्यो के लिए भी प्रेरणास्पद. उन्हें जीवन के सुन्दर पहलुओं को देखने व उन्हें सृजित करने के लिए उत्साहित करो. उनके भीतर छुपे अच्छाई व सच्चाई के प्रति प्रेम को जगाओ. उन्हें हर एक विषय की महत्ता बताते हुए उनकी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका की बार-बार स्मृति दिलाओ.

जरूरत लगने पर आदर्श कहानियाँ भी सुनाओ. सफल लोगों के दृष्टान्तों को इतने अच्छे तरीके से प्रस्तुत करो कि वे भी सफल होने के लिए अपनी सोच व प्रणाली में सुधार लाने के लिए स्वयं तैयार हो सकें.

2. रूढ़िवादी बातें न करके व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान दें

प्रायः सुधारवादी लोग पुरानी रूढ़ि को बरकरार रखने के लिए नई पीढ़ी को प्रेरित करते रहते हैं. हर पुरानी बात में कोई न कोई अच्छाई जरूर होगी, इसकी हम मनाही नहीं करते हैं किन्तु आज किसी को पुराने दिनों के अनुसार बनने की प्रेरणा देना व्यावहारिक नहीं हो सकता है. आज के संदर्भ में सर्वोत्तम बन जाना शक्य है, किन्तु पुराने पैमानों से तुलना किया जाना इंसानों को बेहतर बनाने का नाकामयाब तरीका ही सिद्ध होगा.

आज का परिवेश पूर्णतः बदल चुका है. शिक्षा, संस्कार, राजनीति, धर्म-दर्शन सब पर मीडिया का बहुत व्यापक प्रभाव है. इसके सादृश्य ही वर्तमान पीढ़ी में त्याग, परोपकार, दयाभाव, पारस्परिक सहायता द्वारा आत्म-सहायता का भाव विकसित किए जाने का प्रयास ही श्रेयस्कर होगा.

आज की समस्याओं के संदर्भों को समझकर उसी के अनुरूप सुधार के उपाय अपनाया जाना बेहद जरूरी है. जिसको जो सुधारात्मक निर्देश देने हैं, सीधे उसी को कहना ज्यादा उपयुक्त रहेगा ताकि वे आप पर भरोसा कर सकें व आपके हितचिंतन को समझकर स्वीकार कर सकें.

3. सुधार के लिए न गर्मजोशी दिखाओ, न ही उतावले बनो

एक दृष्टान्त से हम इस बात को जानेंगे. एक बार एक धनी व्यापारी ने अपने घर के साथ एक सुन्दर बाग लगवाया. बगीचा बहुत सुन्दर व विविध वृक्षों से शोभित था. माली बेहद प्यार से उसकी देखभाल किया करता था. उस धनी व्यापारी का युवा

बेटा जब कई सालों तक विदेश में अध्ययन कर अपने घर लौटा तो वह उस बगीचे को देखकर बहुत हर्षित हुआ. वह बगीचे में टहल रहा था कि संयोगवश बबूल का काँटा उसके पैर में बहुत तेजी से चुभ गया. काँटा लगते ही क्रोध से आविष्ट वह तरुण जोर से चिल्लाते हुए माली को डॉटने लगा और कहने लगा कि ऐसा निकम्मा बाग मुझे नहीं चाहिए जिसमें ऐसे-ऐसे तीखे व नुकीले काँटे हैं. जल्दी से जल्दी इन वृक्षों को उखाड़ कर फेंक दो.

यों आज्ञा देकर पैर के दर्द से रोता-चीखता वह अपने घर के भीतर चला गया. जब अपने लड़के की इस हरकत का पता उस धनी व्यापारी को लगा तो वह माली को बुलाकर कहने लगा कि—खबरदार जो इस बाग को उजाड़ा तो. इस पर मेरा बहुत धन खर्च हो चुका है. अगर बाग में काँटे हैं तो चलने वाला देखकर क्यों नहीं चलता है? मला यह कहाँ का न्याय है कि गलती अपनी; दोष बगीचे पर.

अब वह माली असमंजस में था. पिता की माने या पुत्र की. उसने अपनी समझ से काम लिया. कुछ को काटा और कुछ को छाँटा. काँटेदार वृक्षों की जगह अन्य फूलों व फलों से भरपूर वृक्षों का रोपण हुआ.

कुछ समय बाद जब पिता व पुत्र दोनों बाग देखने आए तो जहाँ एक के दिमाग में जवानी का जोश था, गर्म खून था, उतावलापन था वहीं दूसरे के दिमाग में वस्तु के विनाश पर आक्रोश था किन्तु जब दोनों ने बाग में प्रवेश करने पर यह पाया कि काँटों वाले वृक्ष अब वहाँ नहीं हैं. उनके स्थान पर अन्य रसीले फलों वाले वृक्ष शोभित हो रहे हैं. बाग की शोभा अत्यंत मनोहर है तो पिता और पुत्र दोनों का ही दिल बाग-बाग हो गया. दोनों ही माली की बुद्धि को सराह रहे थे. क्योंकि वह न तो पिता की तरह रूढ़िवादी था न ही पुत्र की तरह क्रान्तिवादी वरन् वह एक सुधारवादी नजरिए का धनी था.

उसकी सही अप्रोच ने सुन्दर सृजन किया. जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में कुछ काट-छाँट की जरूरत लगे तो यह दृष्टान्त हमें सही मार्ग दर्शन करेगा.

सुधार की सकारात्मक विवेक सम्मत प्रक्रिया अपना कर हम सभी अपने भीतर-बाहर को सुन्दर आकार दे सकते हैं.

सुधार और सुधारवादी का व्यवहार दोनों ही अनुकरणीय होने चाहिए ताकि लोग उन्हें अपनाने के लिए सहर्ष तैयार हो जाएँ साम-दाम-दण्ड-भेद की नीति अपनाकर न तो व्यक्ति को सुधारा जा सकता है और न समाज को. सुधार की प्रक्रिया बहुआयामी है, जिसके प्रत्येक फलक को उज्ज्वलमय बनाना होता है. ●●●

आगामी प्रतियोगिता परीक्षाएं

2024

- जनवरी—स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया पी.ओ. मुख्य परीक्षा, 2023
- 5, 6, 11 & 12 जनवरी—स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया जूनियर एसोसिएट (कस्टमर सपोर्ट एण्ड सेल्स) प्रारम्भिक परीक्षा, 2023
- 6-7 जनवरी—बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा, 2023
- 7 जनवरी—इग्नू (IGNOU) बी.एड. प्रवेश परीक्षा, 2024
- 20 जनवरी—जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, 2024 (कक्षा-6)
- 21 जनवरी—अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा, 2024-25
- 21 जनवरी—केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (CTET) जनवरी, 2024
- 21 जनवरी—राजस्थान एस.एस.सी. सूचना सहायक सीधी भर्ती परीक्षा, 2023
- 28 जनवरी—आई.बी.पी.एस. बैंक विशेषज्ञ अधिकारी मुख्य परीक्षा, 2024-25
- 31 जनवरी—उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग समूह 'ग' भर्ती परीक्षा, 2023
- फरवरी—स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया जूनियर एसोसिएट (कस्टमर सपोर्ट एण्ड सेल्स) मुख्य परीक्षा, 2023
- 3 फरवरी—राजस्थान एस.एस.सी. संविदा महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता भर्ती परीक्षा, 2023
- 3 फरवरी—राजस्थान एस.एस.सी. संविदा नर्स (GNM) सीधी भर्ती परीक्षा, 2023
- 4 फरवरी—राजस्थान एस.एस.सी. कृषि पर्यवेक्षक सीधी भर्ती परीक्षा, 2023
- 11 फरवरी—उत्तर प्रदेश पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा, 2024
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 16 जनवरी, 2024)
- 11 फरवरी—उत्तर प्रदेश पीसीएस समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी प्रारम्भिक परीक्षा, 2023
- 11 फरवरी—राजस्थान एस.एस.सी. कनिष्ठ लेखाकार एवं तहसील राजस्व लेखाकार संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा, 2023
- 11 फरवरी—छत्तीसगढ़ पीएससी राज्य सेवा प्रारम्भिक परीक्षा, 2023
- 11 फरवरी—हरियाणा सिविल सेवा प्रारम्भिक परीक्षा, 2023
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 21 फरवरी, 2024)
- 16-18 फरवरी—भारतीय वायुसेना कॉमन एडमिशन टेस्ट (AFCAT), 2024
- 20-29 फरवरी, 1-12 मार्च—एस.एस.सी. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल, एसएसएफ कॉन्स्टेबल (जीडी) व राइफलमैन (जीडी) असम राइफल परीक्षा, 2024
- 3 मार्च—राजस्थान एस.एस.सी. संगणक (Sanganak) सीधी भर्ती परीक्षा, 2023
- 11-16 मार्च—म.प्र. पी.एस.सी. राज्य सेवा मुख्य परीक्षा, 2023
- 21 अप्रैल—राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एवं नौसेना अकादमी परीक्षा (I), 2024
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 9 जनवरी, 2024)
- 21 अप्रैल—सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (I), 2024
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 9 जनवरी, 2024)
- अप्रैल—जून—राजस्थान एस.एस.सी. पशु परिचर (Animal Attendant) सीधी भर्ती परीक्षा, 2023

निबन्ध प्रतियोगिता

विषय—“मनोवृत्ति ही महानता का निर्धारक तत्व”

अन्तिम तिथि—28 फरवरी, 2024.

शब्द संख्या—लगभग 2000 शब्द.

- निबन्ध कागज के एक ओर ही टंकित अथवा स्वहस्तलिखित होना चाहिए.
- निबन्ध के साथ प्रतियोगी अपना पासपोर्ट आकार का छायाचित्र भेजे. प्रथम तीन निबन्धों पर क्रमशः ₹ 2000, ₹ 1500 व ₹ 1000 चेक के माध्यम से व प्रमाण-पत्र पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे. अन्य 5 अनुशंसित निबन्धों को आकर्षक प्रमाण-पत्र व उपकार प्रकाशन की ₹ 300 मूल्य तक की वांछित पुस्तक पुरस्कारस्वरूप दी जाएगी.
- प्रत्येक प्रविष्टि पर अपना नाम English के Capital Letter में लिखें जिस नाम से आपका बैंक खाता हो, बैंक का नाम, खाता नम्बर व बैंक का IFSC कोड नं. भी अवश्य लिखें.

|| वार्षिक सदस्यता शुल्क ||

प्रतियोगिता दर्पण

| | हिन्दी | अंग्रेजी |
|---------------------|---------|----------|
| एक प्रति मूल्य | 125.00 | 125.00 |
| वार्षिक मूल्य : | | |
| साधारण डाक से | 1130.00 | 1125.00 |
| रजिस्टर्ड डाक से | 1350.00 | 1345.00 |
| द्विवार्षिक मूल्य : | | |
| साधारण डाक से | 2105.00 | 2100.00 |
| रजिस्टर्ड डाक से | 2545.00 | 2540.00 |

सामान्य ज्ञान सक्सेस दर्पण मिस्ट

| | | |
|---------------------|-----------|--------|
| एक प्रति मूल्य | ₹ 45.00 | 25.00 |
| वार्षिक मूल्य : | | |
| साधारण डाक से | ₹ 405.00 | 225.00 |
| रजिस्टर्ड डाक से | ₹ 620.00 | 440.00 |
| द्विवार्षिक मूल्य : | | |
| साधारण डाक से | ₹ 755.00 | 420.00 |
| रजिस्टर्ड डाक से | ₹ 1185.00 | 850.00 |

वार्षिक सामूहिक सदस्यता शुल्क

| | |
|------------------------------|----------|
| प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी) | ₹ 2520/- |
| Pratiyogita Darpan (English) | |
| सामान्य ज्ञान दर्पण (हिन्दी) | ₹ 2950/- |
| प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी) | |
| Pratiyogita Darpan (English) | ₹ 3200/- |
| सामान्य ज्ञान दर्पण (हिन्दी) | |
| प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी) | ₹ 3200/- |
| सक्सेस मिस्ट (हिन्दी) | |
| Pratiyogita Darpan (English) | |

QR कोड को स्कैन करें



अथवा ऑनलाइन पेमेंट के लिए हमारी वेबसाइट www.pdgroup.in पर विजिट करें

- कृपया अपना सदस्यता-शुल्क मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट द्वारा ही प्रेषित करें. चेक स्वीकार नहीं होंगे. आप हमारी Website: www.pdgroup.in द्वारा भी सदस्यता शुल्क अदा कर सकते हैं.
- अपने स्पष्ट पते के साथ यह भी सूचित करें कि आप किस माह से किस माह तक के लिए ग्राहक बन रहे हैं.
- पुराने ग्राहक कृपया अपनी ग्राहक संख्या का उल्लेख अवश्य करें.
- मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट 'प्रतियोगिता दर्पण' के नाम से आगरा में देय ही स्वीकार किए जाएंगे.

प्रतियोगिता दर्पण

1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास आगरा—282 005
फ़ोन : 2531101, 2530966
Website : www.pdgroup.in
E-mail : care@pdgroup.in



राष्ट्रीय घटनाक्रम

- नए चुनावों के पश्चात् भारी बहुमत के साथ राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकारें : तेलंगाना में कांग्रेस व मिजोरम में स्थानीय दल की सरकार
- देश में 12 राज्य अब पूर्णतः भाजपा शासित, पूर्णतः कांग्रेस शासित राज्यों की संख्या 3
- संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने का केन्द्र सरकार का निर्णय वैध : सर्वोच्च न्यायालय का फैसला
- तेलंगाना में सम्मक्का सरवक्का केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु केन्द्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक पारित
- गुजरात का पारम्परिक गरबा नृत्य यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल
- विश्व में मलेरिया के मामले में वृद्धि जबकि भारत में गिरावट : विश्व मलेरिया रिपोर्ट (2023)
- स्वदेश निर्मित सबसे बड़ा सर्वेक्षण पोत आईएनएस संधायक नौसेना में शामिल
- मालदीव से वापस प्राप्त किया गया युद्धपोत आईएनएस तारमुगली नाम से भारतीय नौसेना में शामिल
- कोचीन शिपयार्ड में निर्माणाधीन तीन पनडुब्बी रोधी युद्धपोतों का जलावतरण व दो अन्य युद्धपोतों की कील लेइंग
- उच्च गति वाले स्वदेश विकसित मानव रहित विमान फ्लाईंग विंग का सफल परीक्षण
- सतह से सतह पर मार करने वाली अग्नि-I मिसाइल का एक और प्रशिक्षण प्रक्षेपण
- मेरा गाँव मेरी धरोहर : संस्कृति मंत्रालय की नई परियोजना
- डीआरडीओ ने राज्य सरकार के अनुरोध पर ओडिशा के तट पर मार्च 2024 तक मिसाइल परीक्षण टाले
- मुख्य चुनाव आयुक्त व चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों के लिए विधेयक संसद के दोनों सदनों में पारित
- संसद की सुरक्षा व्यवस्था में चूक के पश्चात् विपक्ष का हंगामा : 146 सांसदों का निलम्बन

नए चुनावों के पश्चात् भारी बहुमत के साथ राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकारें : तेलंगाना में कांग्रेस व मिजोरम में स्थानीय दल की सरकार

राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व मिजोरम सहित पाँच राज्यों में अक्टूबर-नवम्बर 2023 में विभिन्न चरणों में सम्पन्न विधान सभाई चुनावों के परिणामों में भारतीय जनता पार्टी की स्थित और ज्यादा मजबूत की है. 2024 के लोक सभा चुनावों के लिए परीक्षण के तौर पर माने जा रहे इन चुनावों ने उत्तर के तीनों चुनावी राज्यों—राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों को भारी पराजय का मुँह देखना पड़ा है, जबकि भाजपा ने मजबूती दिखाते हुए राजस्थान व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को सत्ता से विस्थापित कर सरकार बनाने में सफलता प्राप्त की तथा मध्य प्रदेश में पहले से भी अधिक मजबूती के साथ सत्ता पर कब्जा बरकरार रखा है.

राजस्थान

राजस्थान में विगत 30 वर्षों से चला आ रहा 'हर चुनाव में सरकार बदलने का

'रिवाज' इस बार भी कायम रहा. 'रिवाज' बदलने के लिए कांग्रेस द्वारा घोषित सात गारंटियाँ भी मतदाताओं को लुभा नहीं सकी. विधान सभा की 200 सीटों में से 199 के लिए ही मतदान 23 नवम्बर, 2023 को सम्पन्न हुए थे. 75-45 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग इस चुनाव में किया. (श्रीगंगानगर में एक सीट पर एक प्रत्याशी के निधन के कारण वहाँ चुनाव स्थगित कर दिया गया था) कांग्रेस की गारंटियों पर भारी पड़े मोदी मैजिक ने 115 सीटों पर विजय भाजपा को दिलाई जो पिछले चुनाव की तुलना में 42 सीटों के लाभ को दर्शाता है. कांग्रेस की सीटों की संख्या 100 से घटकर 69 ही इस चुनाव में रह गई. बहुजन समाज पार्टी ने 184 सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए थे, जिनमें से 2 ही विजयी रहे. प्रदेश विधान सभा हेतु 20 महिलाएं इस चुनाव में निर्वाचित हुए हैं, जबकि पिछले 2018 के चुनाव में 24 महिलाएं निर्वाचित हुई थीं.

राजस्थान विधान सभा में दलगत स्थिति

| पार्टी | वर्ष | |
|-----------------------|------------|-------------|
| | 2018 | 2023 |
| भारतीय जनता पार्टी | 73 | 115 |
| कांग्रेस | 100 | 69 |
| राष्ट्रीय लोकदल | 1 | |
| भारतीय आदिवासी पार्टी | 2 | 3 |
| बहुजन समाज पार्टी | 6 | 2 |
| अन्य | 5 | 2 |
| निर्दलीय | 13 | 8 |
| | 200 | 199* |

* एक सीट पर चुनाव स्थगित

राजस्थान के मुख्यमंत्री

| | | |
|--|---|--|
| हीरालाल शास्त्री (कांग्रेस) 7 अप्रैल, 1949 से 6 जनवरी, 1951 | हरि देव जोशी (कांग्रेस) 11 अक्टूबर 1973 से 30 अप्रैल 1977 | भैरों सिंह शेखावत (बीजेपी) 4 मार्च 1990 से 15 दिसंबर 1992 |
| सी.एस. वेंकटचारी (कांग्रेस) 6 जनवरी 1951 से 26 अप्रैल 1951 | राष्ट्रपति शासन 30 अप्रैल 1977 से 22 जून 1977 | राष्ट्रपति शासन 15 दिसंबर 1992 से 4 दिसंबर 1993 |
| जय नारायण व्यास (कांग्रेस) 26 अप्रैल 1951 से 3 मार्च 1952 | भैरों सिंह शेखावत (जनता पार्टी) 22 जून 1977 से 17 फरवरी 1980 | भैरों सिंह शेखावत (बीजेपी) 4 दिसंबर 1993 से 1 दिसंबर 1998 |
| टीका राम पालीवाल (कांग्रेस) 3 मार्च 1952 से 1 नवंबर 1952 | राष्ट्रपति शासन 17 फरवरी 1980 से 6 जून 1980 | अशोक गेहलोत (कांग्रेस) 1 दिसंबर 1998 से 8 दिसंबर 2003 |
| जय नारायण व्यास (कांग्रेस) 1 नवंबर 1952 से 13 नवंबर 1954 | जगन्नाथ पहाड़िया (कांग्रेस) 6 जून 1980 से 14 जुलाई 1981 | वसुधरा राजे (बीजेपी) 8 दिसंबर 2003 से 13 दिसंबर 2008 |
| मोहन लाल सुखाड़िया (कांग्रेस) 13 नवंबर 1954 से 11 अप्रैल 1957 | शिवचरण माथुर (कांग्रेस) 14 जुलाई 1981 से 23 फरवरी 1985 | अशोक गेहलोत (कांग्रेस) 13 दिसंबर 2008 से 13 दिसंबर 2013 |
| 11 अप्रैल 1957 से 12 मार्च 1962 | हीरालाल देवपुरा (कांग्रेस) 23 फरवरी 1985 से 10 मार्च 1985 | वसुधरा राजे (बीजेपी) 13 दिसंबर 2013 से 16 दिसंबर 2018 |
| 12 मार्च 1962 से 13 मार्च 1967 | हरि देव जोशी (कांग्रेस) 10 मार्च 1985 से 20 जनवरी 1988 | अशोक गेहलोत (कांग्रेस) 16 दिसंबर 2018 से 15 दिसंबर 2023 |
| राष्ट्रपति शासन 13 मार्च 1967 से 26 अप्रैल 1967 | शिवचरण माथुर (कांग्रेस) 20 जनवरी, 1988 से 4 दिसंबर 1989 | भजन लाल शर्मा (बीजेपी) 15 दिसंबर 2023 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली |
| मोहन लाल सुखाड़िया (कांग्रेस) 26 अप्रैल 1967 से 9 जुलाई 1971 | हरि देव जोशी (कांग्रेस) 4 दिसंबर 1989 से 4 मार्च 1990 | |
| बरकतुल्लाह खान (कांग्रेस) 9 जुलाई 1971 से 11 अक्टूबर 1973 | | |

KBK Infographics

विधान सभा में विभिन्न दलों की उपर्युक्त स्थिति देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने ही नई सरकार का गठन वहाँ किया है. पार्टी हाईकमान की पसंद पर इस बार पहली बार ही विधायक बने श्री भजन लाल शर्मा को विधायक दल का नेता 12 दिसम्बर को जयपुर में विधायक दल की बैठक में चुना गया.



राजस्थान के नए मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करते श्री भजन लाल शर्मा

विभिन्न जातिगत समीकरणों एवं पहलुओं पर विचार के पश्चात् पार्टी आलाकमान ने सांगानेर से विधायक तथा पार्टी के प्रदेश महामंत्री रहे भजन लाल शर्मा को मुख्यमंत्री पद का दायित्व सौंपा है. राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने 15 दिसम्बर को मुख्यमंत्री पद की शपथ इन्हें ग्रहण कराई.

मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश की 16वीं विधान सभा की सभी 230 सीटों के लिए मतदान 17 नवम्बर को एक ही चरण में कराया गया. इस बार राज्य में मतदान का प्रतिशत 77.15 प्रतिशत रहा जो पिछले 2018 के चुनाव से 1.5 प्रतिशत अधिक था. सभी 230 सीटों के लिए मतगणना 3 दिसम्बर को हुई. निवर्तमान मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के प्रभावी प्रशासन व मोदी लहर के चलते पहले से भी अधिक शक्ति के साथ भाजपा ने सत्ता में वापसी इस राज्य में की. राज्य में 15 वर्षों से सत्तारूढ़ रही भाजपा को पिछले 2018 के चुनाव में अपदस्थ कर सरकार का गठन कांग्रेस ने दिसम्बर 2018 में किया था, किन्तु कुछ विधायकों के त्यागपत्र के पश्चात् कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेसी सरकार बहुमत कायम नहीं रख सकी तथा 15 माह पश्चात् मार्च 2020 में ही शिवराज सिंह चौहान के ही नेतृत्व में भाजपा सरकार की वापसी राज्य में हो गई. भाजपा ने अब 163 सीटों के साथ सत्ता में वापसी 2023 के चुनाव में की है. पिछले 2018 के चुनाव में 109 सीटें भाजपा को प्राप्त हुई थी. कांग्रेस जिसने 114 सीटें जीत कर थोड़े ही समय के लिए ही सरकार का

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

| मुख्यमंत्री | राष्ट्रपति शासन | राष्ट्रपति शासन |
|---|---|---|
| रविशंकर शुक्ल (कांग्रेस) 1 नवंबर 1956 से 31 दिसंबर 1956 | राष्ट्रपति शासन 30 अप्रैल 1977 से 24 जून 1977 | राष्ट्रपति शासन 16 दिसंबर 1992 से 7 दिसंबर 1993 |
| भगवतराव मण्डलोई (कांग्रेस) 9 जनवरी 1957 से 31 जनवरी 1957 | कैलाश जोशी (जनता पार्टी) 24 जून 1977 से 18 जनवरी 1978 | दिग्विजय सिंह (कांग्रेस) 7 दिसंबर, 1993 से 1 दिसंबर 1998 1 दिसंबर 1998 से 7 दिसंबर 2003 |
| कैलाशनाथ काटजू (कांग्रेस) 31 जनवरी 1957 से 15 अप्रैल 1957 15 अप्रैल 1957 से 12 मार्च 1962 | वीरेन्द्र सखलेचा (जनता पार्टी) 18 जनवरी 1978 से 20 जनवरी 1980 | उमा भारती (बीजेपी) 8 दिसंबर 2003 से 23 अगस्त 2004 |
| भगवतराव मण्डलोई (कांग्रेस) 12 मार्च 1962 से 30 सितंबर 1963 | सुंदरलाल पटवा (जनता पार्टी) 20 जनवरी 1980 से 18 फरवरी 1980 | बानूनाल गौर (बीजेपी) 23 अगस्त 2004 से 29 नवंबर 2005 |
| द्वारिका प्रसाद मिश्र (कांग्रेस) 30 सितंबर 1963 से 9 मार्च 1967 9 मार्च 1967 से 30 जुलाई 1967 | राष्ट्रपति शासन 18 फरवरी 1980 से 9 जून 1980 | शिवराज सिंह चौहान (बीजेपी) 29 नवंबर 2005 से 12 दिसंबर 2008 12 दिसंबर 2008 से 14 दिसंबर 2013 14 दिसंबर 2013 से 17 दिसंबर 2018 |
| गोविन्द नारायण सिंह (एसबीडी) 30 जुलाई 1967 से 13 मार्च 1969 | अर्जुन सिंह (कांग्रेस) 9 जून 1980 से 11 मार्च 1985 11 मार्च 1985 से 13 मार्च 1985 | कमलनाथ (कांग्रेस) 17 दिसंबर 2018 से 23 मार्च 2020 |
| नरेशचंद्र सिंह (एसबीडी) 13 मार्च 1969 से 26 मार्च 1969 | मोतीलाल वोरा (कांग्रेस) 13 मार्च 1985 से 14 फरवरी 1988 | शिवराज सिंह चौहान (बीजेपी) 23 मार्च 2020 से 13 दिसंबर 2023 |
| श्यामाचरण शुक्ल (कांग्रेस) 26 मार्च 1969 से 29 जनवरी 1972 | अर्जुन सिंह (कांग्रेस) 14 फरवरी 1988 से 25 जनवरी 1989 | मोहन यादव (बीजेपी) 13 दिसंबर 2023 को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली |
| प्रकाश चन्द्र सेठी (कांग्रेस) 29 जनवरी 1972 से 23 मार्च 1972 23 मार्च 1972 से 23 दिसंबर 1975 | मोतीलाल वोरा (कांग्रेस) 25 जनवरी 1989 से 9 दिसंबर 1989 | श्यामाचरण शुक्ल (कांग्रेस) 9 दिसंबर 1989 से 5 मार्च 1990 |
| श्यामाचरण शुक्ल (कांग्रेस) 23 दिसंबर 1975 से 30 अप्रैल 1977 | सुंदरलाल पटवा (बीजेपी) 5 मार्च 1990 से 15 दिसंबर 1992 | श्यामाचरण शुक्ल (कांग्रेस) 23 दिसंबर 1975 से 30 अप्रैल 1977 |

गठन दिसम्बर 2018 में किया था, इस बार 66 सीटों पर ही सिमट कर रह गई. इनके अतिरिक्त भारत आदिवासी पार्टी को ही एक सीट इस चुनाव में मिली.

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के साथ गठबंधन कर 181 उम्मीदवार बसपा ने इस चुनाव में खड़े किए थे (+ 37 गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के). इन दोनों पार्टियों का कोई उम्मीदवार चुनाव नहीं जीत सका. समाजवादी पार्टी के 71 तथा आम आदमी पार्टी के 66 उम्मीदवार भी कोई सीट नहीं जीत सके. जनता दल (यू.), माकपा, भाकपा, आजाद समाज पार्टी व ऑल

मध्य प्रदेश विधान सभा में दलगत स्थिति

| पार्टी | वर्ष | |
|---------------------|------------|------------|
| | 2018 | 2023 |
| भारतीय जनता पार्टी | 109 | 163 |
| कांग्रेस | 114* | 66 |
| भारत आदिवासी पार्टी | | 1 |
| बहुजन समाज पार्टी | 2 | — |
| सपा | — | 1 |
| निर्दलीय | 4 | — |
| योग | 230 | 230 |

* मार्च 2020 में कांग्रेस के श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में शामिल हो जाने के पश्चात् अनेक कांग्रेस विधायकों ने विधान सभा से त्यागपत्र दे दिए थे, जिससे श्री कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार अल्पमत में रह गई थी तथा शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में ही भाजपा सरकार का गठन मार्च 2020 में वहाँ हुआ था. शिवराज सिंह चौहान 2005-2018 तक पहले भी मुख्यमंत्री रह चुके थे.

इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन का पत्ता भी इस चुनाव में साफ रहा. विधान सभा हेतु निर्वाचित महिलाओं की संख्या पिछले 2018 के चुनाव में 21 थी, जो इस बार 27 रही है.



मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते श्री मोहन यादव

चुनाव में पहले से भी अधिक सीटों के साथ भाजपा की विजय के पश्चात् सरकार में नेतृत्व परिवर्तन भी पार्टी आलाकमान ने कराया है तथा 16 वर्ष से भी अधिक समय तक मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान के स्थान पर उनकी सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री रहे मोहन यादव को नया मुख्यमंत्री वहाँ बनाया गया है. पार्टी के केन्द्रीय पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में विधायक दल की भोपाल में 11 दिसम्बर को सम्पन्न बैठक में सर्वसम्मति से उन्हें विधायक दल का नेता चुना गया. उज्जैन दक्षिण विधान सभा सीट से तीन बार (2013, 2018 व 2023 में) निर्वाचित श्री मोहन यादव को राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने मुख्यमंत्री पद की शपथ 13 दिसम्बर, 2023 को ग्रहण कराई है. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व गृहमंत्री श्री

■ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कन्याकुमारी से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा लगभग 4 हजार किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद श्रीनगर में समाप्त हुई, **30 जनवरी**

भारत जोड़ो यात्रा



■ सीबीआई ने शराब नीति मामले में दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया, **26 फरवरी**

■ एक महीने तक लुका छुपी के बाद खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ता अमृतपाल सिंह को पंजाब के मोगा जिले से गिरफ्तार किया गया, **23 अप्रैल**

■ चीन को पीछे छोड़ भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बना, **24 अप्रैल**



■ भारतीय रिजर्व बैंक ने सितंबर के अंत तक 2000 रुपये के नोट वापस लेने की घोषणा की, **19 मई**

■ पीएम मोदी द्वारा नए संसद भवन का उद्घाटन, **28 मई**



■ ओडिशा के बालासोर जिले में तीन ट्रेनों की भीषण दुर्घटना में 290 से अधिक लोगों की मौत और लगभग 1,200 लोग घायल, **2 जून**



■ शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी से अलग होकर अजित पवार ने महाराष्ट्र में शिवसेना-भाजपा सरकार का समर्थन करके उप-मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, **2 जुलाई**



■ 2024 के लोक सभा चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए से मुकाबले के लिए 26 पार्टियों के समूह ने एकजुट होकर 'इंडिया' गठबंधन बनाया, **18 जुलाई**

भारत 2023

■ मणिपुर हिंसा के बीच पुरुषों के समूह द्वारा दो महिलाओं को नग्न घुमाने और उनके साथ खुलेआम यौन उत्पीड़न करने का एक वीडियो वायरल होने से पूरे देश में आक्रोश फैल गया, **20 जुलाई**



■ सूत्र की एक अदालत द्वारा मानहानि मामले में दो साल की जेल की सजा सुनाए जाने के बाद जनवरी से सांसद के रूप में अयोग्य घोषित राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाने के बाद उनकी लोक सभा सदस्यता बहाल कर दी गई, **7 अगस्त**



■ चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास पहली बार सफेद लैंडिंग करके चंद्रयान 3 ने इतिहास रचा, **23 अगस्त**



■ इसरो ने देश का पहला सौर अवलोकन मिशन आदित्य एल 1 लन्च किया, **2 सितंबर**

■ "वसुधैव कुटुम्बकम्—एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" थीम के तहत नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया, **9-10 सितंबर**



■ लोक सभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% सीटें आरक्षित करने वाला ऐतिहासिक विधेयक संसद में पारित, **21 सितंबर**

■ सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को वैध बनाने से इंकार करते हुए इसे संसद पर छोड़ा, **17 अक्टूबर**

■ 17 दिनों तक फंसे रहने के बाद उत्तराखण्ड में एक ध्वस्त सुरंग से 41 निर्माण श्रमिकों को बचाया गया, **28 नवंबर**



■ सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाने के केंद्र सरकार के फैसले को वैध करार दिया, **11 दिसंबर**



■ 2001 में संसद पर हुए आतंकी हमले की 22वीं बरसी के दिन संसद की सुरक्षा में जबरदस्त चूक; दो लोगों ने दर्शक दीर्घा से कूदकर लोक सभा कक्ष में नारे लगाते हुए पीला धुआं फैला दिया, **13 दिसंबर**

■ कई नामी गिरामी महिला पहलवानों द्वारा कुश्ती संघ के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के लंबे सिलसिले और कई प्रमुख पहलवानों के कड़े विरोध के चलते केंद्रीय खेल मंत्रालय ने हाल में निर्वाचित भारतीय कुश्ती महासंघ की समिति को निलंबित कर दिया, **24 दिसंबर**



विधान सभा चुनाव परिणाम मार्च

■ मेघालय में एनपीपी बहुमत से दूर, भाजपा और अन्य दलों के समर्थन से दूसरी बार सरकार बनाई

■ नगालैंड में एनडीपीपी-बीजेपी गठबंधन ने लगातार दूसरी बार जीत हासिल की

■ त्रिपुरा में बीजेपी-आईपीएफटी गठबंधन ने सत्ता बरकरार रखी

■ कर्नाटक विधान सभा चुनाव में कांग्रेस की बड़ी जीत

■ बीजेपी ने हिंदी पट्टी के राज्यों छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में जीत हासिल की

■ तेलंगाना में कांग्रेस ने सत्ता हासिल की

■ मिजोरम में जेडपीएम सत्ता में आई



खेल

■ एशियाई खेल: हांग्जो के एशियाई खेलों में भारतीय दल 107 पदक (28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य) के रिकॉर्ड के साथ वापस आया

■ एथलेटिक्स: ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने इतिहास रच दिया क्योंकि वह पुरुषों के

भाला फाइनल में 88.17 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने



■ एशियाई पैरा खेल: भारतीय दल ने एशियाई पैरा खेलों को 111 पदक (29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य) के साथ समाप्त किया

■ बैडमिंटन: सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेटी विश्व रैंकिंग में नंबर 1 बनने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनी



■ क्रिकेट: भारत ने ICC U19 महिला T20 विश्व कप का पहला संस्करण जीता; विराट कोहली, सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 50 वनडे शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने; भारत ने विश्व कप की मेजबानी की और अस्ट्रेलिया से फाइनल हारने तक टूर्नामेंट में अजेय रहा

■ आईपीएल: एमएस धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने मौजूदा चैंपियन गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराकर पाँचवाँ आईपीएल खिताब जीता



जो नहीं रहे

■ प्रमुख समाजवादी नेता और राजनीतिक दिग्गज शरद यादव, 12 जनवरी ■ मशहूर वॉलिवुड अभिनेता और निर्देशक सतीश कौशिक, 9 मार्च ■ उद्योग जगत् के दिग्गज केशुब महिंद्रा, 12 अप्रैल ■ पंजाब के पाँच बार पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल, 25 अप्रैल ■ हिंदुजा ग्रुप के चेयरमैन एसपी हिंदुजा, 17 मई ■ मशहूर थिएटर अभिनेता और निर्देशक आमिर रजा हुसैन, 3 जून ■ वरिष्ठ कार्टूनिस्ट अजीत निनान, 8 सितंबर ■ भारत की हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन, 28 सितंबर ■ महान् स्पिनर और पूर्व भारतीय कप्तान बिशन सिंह बेदी, 23 अक्टूबर ■ आतिथ्य उद्योग आइकन पीआरएस ओबेरॉय, 14 नवंबर ■ सहारा समूह के संस्थापक सुब्रत रय, 14 नवंबर

KBK Infographics

अमित शाह सहित भाजपा शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री व अन्य वरिष्ठ नेता शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थे. प्रदेश में लाडली बहना व लाडली लक्ष्मी योजना सहित पूर्ववर्ती शिवराज सिंह चौहान सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं को जारी रखने की घोषणा नए मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने कार्यभार संभालने के पश्चात् की है.

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ की 90 सदस्यीय छठी विधान सभा की इन सीटों के लिए मतदान दो चरणों में 7 व 17 नवम्बर को क्रमशः 20 व 70 सीटों के लिए कराया गया था. मतदान का कुल प्रतिशत 76.31 प्रतिशत इस चुनाव में रहा, जो पिछले 2018 के चुनाव से 0.6 प्रतिशत कम था. सभी 90 सीटों के लिए मतगणना 3 दिसम्बर, 2023 को ही कराई गई. पिछले 2018 के चुनाव में केवल 15 सीटें जीतकर पाँच वर्ष तक सत्ता से बाहर रही भारतीय जनता पार्टी ने इस चुनाव में 54 सीटें जीतकर एक बार पुनः सत्ता में वापसी की है, जबकि पिछले चुनाव में 68 सीटें जीतने वाली कांग्रेस को 35 सीटें ही इस चुनाव में मिली हैं. एक सीट गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के खाते में इस बार गई है.

छत्तीसगढ़ विधान सभा में दलगत स्थिति

| पार्टी | वर्ष | |
|-------------------------|-----------|-----------|
| | 2018 | 2023 |
| भारतीय जनता पार्टी | 15 | 54 |
| कांग्रेस | 68 | 35 |
| गोंडवाना गणतंत्र पार्टी | — | 1 |
| जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ | 5 | — |
| बसपा | 2 | — |
| योग | 90 | 90 |



छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करते श्री विष्णु देव साय

छत्तीसगढ़ में ऋण माफी व मुफ्त शिक्षा आदि के वायदों के बाद भी विकास की मूल

जरूरतों की उपेक्षाओं से घिरी कांग्रेस सरकार मतदाताओं का भरोसा नहीं जीत पाई. निवर्तमान मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की सरकार के तीन मंत्रियों को छोड़कर उपमुख्यमंत्री सहित 9 मंत्रियों को पराजय का सामना इस चुनाव में करना पड़ा. विधान सभा हेतु निर्वाचित महिला विधायकों की संख्या इस बार 19 रही है, जो पिछले 2018 के चुनाव में 13 थी.

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री



अजीत जोगी (कांग्रेस)
1 नवंबर 2000 से
7 दिसंबर 2003



रमन सिंह (बीजेपी)
7 दिसंबर 2003 से
17 दिसंबर 2018
(तीन कार्यकाल)



भूपेश बघेल (कांग्रेस)
17 दिसंबर 2018 से
13 दिसंबर 2023



विष्णु देव साय (बीजेपी)
13 दिसंबर 2023 को
मुख्यमंत्री के रूप में
शपथ ली

KBK

विधान सभा में दलों की इस स्थिति के चलते भारतीय जनता पार्टी ने ही नई सरकार का गठन वहाँ 13 दिसम्बर को किया है. पार्टी के केन्द्रीय पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में 59 वर्षीय आदिवासी नेता विष्णु देव साय को विधायक दल का नेता सर्वसम्मति से 10 दिसम्बर को रायपुर में चुना गया. राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंद्रन ने रायपुर में साइंस कॉलेज मैदान में एक समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ उन्हें दिलाई. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थे. चार बार सांसद, एक बार केन्द्र में मंत्री तथा तीन बार विधायक व दो बार प्रदेश पार्टी अध्यक्ष रह चुके विष्णु देव साय राज्य के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री हैं. राज्य के जसपुर जिले की कुनकुरी सीट से विधान सभा के लिए निर्वाचित साय अजीत जोगी, रमन सिंह व भूपेश बघेल के बाद इस राज्य के चौथे मुख्यमंत्री हैं. राज्य के पहले मुख्यमंत्री श्री अजित जोगी भी स्वयं को आदिवासी मुख्यमंत्री होने का दावा करते थे, किन्तु उनका आदिवासी प्रमाण-पत्र चार वर्ष पूर्व भूपेश बघेल सरकार ने रद्द कर दिया था. इस दृष्टि से श्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री हैं.

तेलंगाना

तेलंगाना की 119 सदस्यीय विधान सभा की सभी सीटों के लिए मतदान एक ही चरण में 30 नवम्बर, 2023 को कराया गया था. राज्य में मतदान का प्रतिशत 71.34 प्रतिशत था, जो पिछले 2018 के चुनाव से 2.4 प्रतिशत कम था. राज्य में सत्ता विरोधी लहर के चलते पिछले दो कार्यकालों में सत्ता में रही भारत राष्ट्र समिति (BRS— पूर्व नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति) की भारी पराजय का सामना इस चुनाव में करना पड़ा तथा कांग्रेस ने 64 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत प्राप्त करके नई सरकार का गठन वहाँ 7 दिसम्बर, 2023 को किया है. निवर्तमान मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव (KCR) के नेतृत्व वाली बीआरएस (तत्कालीन नाम TRS) ने 88 सीटों पर विजय पिछले 2018 के चुनाव में प्राप्त की थी, किन्तु इस बार इसकी सीटों की संख्या 39 ही रही. स्वयं केसीआर जिन्होंने 2 सीटों से चुनाव लड़ा था एक सीट पर भाजपा प्रत्याशी से पराजित हुए. 2018 के चुनाव में कांग्रेस की सीटों की संख्या 19 ही थी, जो इस बार 64 रही. भारतीय जनता पार्टी ने सहयोगी जनसेना पार्टी के 8 उम्मीदवारों सहित सभी 119 सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए थे, किन्तु 8 सीटों पर ही विजय इसे प्राप्त हो सकी.

तेलंगाना विधान सभा में दलगत स्थिति

| पार्टी | वर्ष | |
|--|------------|------------|
| | 2018 | 2023 |
| कांग्रेस | 19 | 64 |
| भारत राष्ट्र समिति (BRS) | 88 | 39 |
| भाजपा | 1 | 8 |
| ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तिहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) | 7 | 7 |
| अन्य पार्टियाँ | 3 | 1 |
| निर्दलीय | 1 | — |
| योग | 119 | 119 |

विधान सभा में दलों की उपर्युक्त स्थिति को देखते हुए कांग्रेस ने ही सरकार का गठन वहाँ किया. पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष 54 वर्षीय रेवंत रेड्डी को मुख्यमंत्री पद की शपथ 7 दिसम्बर को हैदराबाद के एल वी स्टेडियम में तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने ग्रहण कराई. 2014 में आन्ध्र प्रदेश से अलग हुए तेलंगाना के वह दूसरे मुख्यमंत्री हैं. मुख्यमंत्री बनने के पश्चात् लोक सभा की सदस्यता से त्यागपत्र श्री रेवंत रेड्डी ने 6 दिसम्बर को दे दिया है. 11 अन्य

विधायकों ने भी उनके साथ ही शपथ ग्रहण की है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी अन्य वरिष्ठ नेता राहुल गांधी व प्रियंका गांधी आदि भी शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थे.



तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करते कांग्रेस के श्री रेवंत रेड्डी

मिजोरम

पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में भी सभी 40 सीटों के लिए मतदान एक ही चरण में 7 नवम्बर को सम्पन्न हुए थे. उत्तर भारत के चारों अन्य राज्यों की तरह वहाँ भी मतगणना 3 दिसम्बर को ही कराने का मूल कार्यक्रम था, किन्तु रविवार को मिजो लोगों के लिए पूजा का दिन होने के कारण लोगों की ही मांग पर वहाँ मतगणना 4 दिसम्बर को चुनाव आयोग द्वारा कराई गई.

राज्य में सम्पन्न ताजा चुनावों में विगत 5 वर्षों से सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (MNF) को 10 सीटें ही इस बार प्राप्त हो सकी है तथा पिछले 2018 के चुनाव में 8 सीटों पर विजयी रही भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी पूर्व वर्षों में कांग्रेसी सांसद रहे लालदुहोमा के नेतृत्व वाली स्थानीय पार्टी जोरम पीपुल्स मूवमेंट (Zoram People's Movement) ने 27 सीटों पर विजय दर्ज करके सत्ता पर कब्जा इस बार किया है. 2018 से पूर्व 10 वर्षों तक सत्ता में रही कांग्रेस को पिछले 2018 के चुनाव में 5 सीटें प्राप्त हो सकी थी, इस बार ताजा चुनाव में केवल एक सीट कांग्रेस के खाते में गई है, जबकि 2 सीटें भाजपा को मिली हैं.

विधान सभा में दलगत स्थिति

| पार्टी | वर्ष | |
|----------------------------|-----------|-----------|
| | 2018 | 2023 |
| जोरम पीपुल्स मूवमेंट (ZPM) | 8 | 27 |
| मिजो नेशनल फ्रंट (MNF) | 26 | 10 |
| भाजपा | 1 | 2 |
| कांग्रेस | 5 | 1 |
| योग | 40 | 40 |



मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते जोरम पीपुल्स मूवमेंट के लालदुहोमा

चुनाव के इन परिणामों के चलते मिजो नेशनल फ्रंट के जोरामथांगा, जो 2018 से मुख्यमंत्री थे, ने इस पद से त्यागपत्र 4 दिसम्बर को ही दे दिया था. जैडपीएम के नेता लालदुहोमा (Lalduhoma), जिन्हें 5 दिसम्बर को पार्टी विधायक दल का नेता सर्वसम्मति से चुना गया, को नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ राज्यपाल हरिबाबू ने 8 दिसम्बर को राजधानी आईजॉल (Aizawl) में दिलायी. मिजोरम को वित्तीय संकट से बाहर निकालने को अपनी सरकार की पहली प्राथमिकता उन्होंने बताया है. केन्द्र के साथ अच्छे सम्बन्ध बनाए रखने तथा अगले 100 दिनों के लिए सर्वोच्च प्राथमिकताएं निर्धारित करने की बात उन्होंने कही है. साथ ही किसी राजनीतिक पार्टी में शामिल नहीं होने की बात भी नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री ने कही है.

मिजोरम में निवर्तमान मुख्यमंत्री जोरामथांगा के नेतृत्व वाली मिजो नेशनल फ्रंट (MNF) तीन बार 1998, 2003 व 2018 में चुनाव जीतकर सत्ता में रही थी. ताजा 2023 के चुनाव में केवल 10 सीटें जीतने वाली मिजो नेशनल फ्रंट के अध्यक्ष स्वयं आइजोल पूर्व सीट से चुनाव में पराजित हुए हैं. चुनाव में करारी हार के पश्चात् पार्टी अध्यक्ष पद से त्यागपत्र उन्होंने 5 दिसम्बर को दे दिया है. वह 33 वर्षों से (1990 से) इस क्षेत्रीय पार्टी के अध्यक्ष थे.

देश में 12 राज्य अब पूर्णतः भाजपा शासित, पूर्णतः कांग्रेस शासित राज्यों की संख्या 3

पाँच राज्यों में अक्टूबर-नवम्बर 2023 के चुनावों के पश्चात् देश में भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों का दायरे में वृद्धि हुई है अब 12 राज्य ऐसे हैं, जो पूर्णतः भाजपा शासित हैं, जबकि कांग्रेस शासित राज्यों की संख्या घटकर 3 ही रह गई है. 2 राज्य आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा शासित हैं. इन राज्यों की सूची निम्नलिखित है—

पूर्णतः भाजपा शासित 12 राज्य—

(1) उत्तर प्रदेश (2) उत्तराखण्ड (3) गुजरात (4) गोवा (5) असम (6) त्रिपुरा

(7) मणिपुर (8) अरुणाचल प्रदेश (9) मध्य प्रदेश (10) राजस्थान (11) छत्तीसगढ़, (12) हरियाणा.

पूर्णतः कांग्रेस शासित 3 राज्य—

(1) कर्नाटक (2) हिमाचल प्रदेश (3) तेलंगाना

पूर्णतः आप शासित राज्य—

(1) पंजाब व केन्द्रशासित क्षेत्र, दिल्ली राज्य जहाँ सहयोगी पार्टियों के साथ भाजपा सत्ता में है—

(1) महाराष्ट्र (2) मेघालय (3) नगालैण्ड (4) सिक्किम

राज्य जहाँ कांग्रेस सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है—

(1) बिहार (2) झारखण्ड (तमिलनाडु में कांग्रेस सत्तारूढ़ डीएमके के साथ गठबंधन में है, किन्तु सरकार में शामिल नहीं है.)

उल्लेखनीय है कि देश में वर्तमान में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा 6 पार्टियों को ही प्राप्त है. इनमें भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी, नेशनल पीपुल्स पार्टी, माकपा व आप शामिल हैं.

संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने का केन्द्र सरकार का निर्णय वैध : सर्वोच्च न्यायालय का फैसला

अनुच्छेद 370 क्या था ?

जम्मू-कश्मीर के भारत में औपचारिक विलय के बावजूद इस राज्य को अधिकाधिक स्वायत्तता प्रदान करने के उद्देश्य से एक अस्थायी प्रावधान के तौर पर अनुच्छेद 370 को भारतीय संविधान में 17 अक्टूबर, 1949 को जोड़ा गया था, जो इस राज्य को एक विशेष दर्जा प्रदान करता था. इस अनुच्छेद के प्रावधानों के चलते भारत की संसद को जम्मू-कश्मीर के मामले में रक्षा, विदेश मामले व संचार के विषयों में कानून बनाने का अधिकार तो था, किन्तु अन्य किसी मामले में कानून लागू कराने के लिए राज्य सरकार के अनुमोदन की आवश्यकता पड़ती थी. इस अनुच्छेद की वजह से संविधान की धारा-356 भी जम्मू-कश्मीर में लागू नहीं हो सकती थी.

इसी से सम्बन्धित एक अन्य अनुच्छेद 35ए के तहत 14 मई, 1954 से पहले से कश्मीर में बसे लोगों को ही वहाँ का स्थायी निवासी माना जाता था. दूसरे अन्य किसी भारतीय को राज्य में जमीन लेने का अधिकार भी नहीं था तथा वहाँ सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन का अधिकार भी नहीं था.

अनुच्छेद 370 समाप्त करने की घोषणा

5 अगस्त, 2019 को ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा प्रदान करने वाले अनुच्छेद 370 को समाप्त करने की घोषणा नरेन्द्र मोदी सरकार ने संसद में की। इसके लिए जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक 5 व 6 अगस्त को राज्य सभा व लोक सभा में पारित कराया गया। अनुच्छेद 370 के रद्द होने के साथ ही अनुच्छेद 35ए स्वतः ही अमान्य हो गया है। इससे भूमि रोजगार व कारोबार के मामलों में वहाँ के लोगों के विशेषाधिकार भी समाप्त हो गए हैं।

अनुच्छेद 370 समाप्त करने के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में याचिकाएं खारिज

अनुच्छेद 370 हटाए जाने के विरुद्ध दायर याचिकाओं को सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ ने 11 दिसम्बर, 2023 के अपने ऐतिहासिक फैसले में खारिज कर दिया है तथा इस मामले में केन्द्र सरकार के 5 अगस्त, 2019 के फैसले को संविधान पीठ ने वैध ठहराया है। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के सरकार के फैसले के विरुद्ध 2019 में दायर ऐसी 23 याचिकाओं पर 16 दिन सुनवाई के पश्चात् 5 सितम्बर, 2023 को इन पर अपना फैसला पीठ ने सुरक्षित रख लिया था, जो 11 दिसम्बर, 2023 को सुनाया गया है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और सूर्यकांत सहित पाँच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने तीन हिस्सों में यह फैसला सुनाया। अटोर्नी जनरल आर वेंकटरमाणी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे, राकेश द्विवेदी, वी गिरी और अन्य कोर्ट में केन्द्र सरकार की तरफ से पेश हुए। वहीं, याचिकाकर्ताओं की ओर से कपिल सिब्बल, गोपाल सुब्रमण्यम, राजीव धवन, जफर शाह, दुष्यंत दवे और अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अपनी दलीलें पेश कीं।

पीठ के 11 दिसम्बर, 2023 के फैसले में कहा गया है कि अनुच्छेद 370 के मामले में 5 अगस्त, 2019 को जो फैसला केन्द्र सरकार ने किया वह सही था और बरकरार रहेगा। मुख्य न्यायाधीश के फैसले में कहा गया है कि अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान था तथा जम्मू-कश्मीर जब भारत का हिस्सा बना तभी से जम्मू-कश्मीर की सम्प्रभुता समाप्त हो गई थी, ऐसे में राष्ट्रपति के पास जम्मू-कश्मीर को लेकर फैसला सुनाने का पूरा अधिकार था।

अपने इस फैसले में जम्मू-कश्मीर को शीघ्र ही राज्य का दर्जा प्रदान करने तथा 30 सितम्बर, 2024 तक वहाँ चुनाव कराने के निर्देश भी शीर्ष अदालत ने दिए हैं।

तेलंगाना में सम्मक्का सरक्का केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु केन्द्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक पारित

तेलंगाना में केन्द्रीय जनजातीय विश्व-विद्यालय की स्थापना मुलुगु (Mulugu) में की जाएगी। सम्मक्का सरक्का केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय नाम के इस विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु केन्द्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक संसद के दोनों सदनों ने दिसम्बर 2023 में पारित किया है। लोक सभा में 7 दिसम्बर को तथा राज्य सभा में 13 दिसम्बर को इसे पारित किया गया। तेलंगाना में केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना आन्ध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2014 के तहत करना अनिवार्य है।

गुजरात का पारम्परिक गरबा नृत्य यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (Intangible Cultural Heritage—ICH) से तात्पर्य ऐसी प्रथाओं, व्यवहारों, कलाओं व उत्पादों आदि से है, जिन्हें किसी सामाजिक समूहों द्वारा अपनी सांस्कृतिक विरासत के रूप में स्वीकार किया जाता है। ऐसी अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों की सुरक्षा का फैसला यूनेस्को (UNESCO—United Nations Educational, Scientific and Cultural Organisation) द्वारा 2003 में किया गया था। ऐसी विरासतों की सूची का निर्माण यूनेस्को द्वारा 2008 में शुरू किया गया था तथा तीन श्रेणियों में इन्हें रद्द रखा गया है।

यूनेस्को ने गुजरात का पारम्परिक गरबा नृत्य अमूर्त सांस्कृतिक विरासतें (Intangible Cultural Heritages) की सूची में दिसम्बर 2023 में शामिल किया है। इस आशय का निर्णय अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों की सुरक्षा के लिए यूनेस्को की अंतरसरकारी समिति की बोत्सवाना में कसाने (Kasane) में 5-9 दिसम्बर, 2023 को सम्पन्न बैठक में लिया गया। गुजरात का गरबा नृत्य यूनेस्को की इस सूची में शामिल की जाने वाली भारत की 15वीं अमूर्त सांस्कृतिक विरासत है। इससे पूर्व कोलकाता की दुर्गा पूजा को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में स्वीकार करते हुए दिसम्बर 2021 में यूनेस्को की इस सूची में शामिल किया गया था। भारत के, जो अन्य पर्व एवं कलाएं यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल हैं। उनमें रामलीला, केरल का कुट्टीयत्तम नृत्य, उत्तराखण्ड के सलूर एवं डूंगरा की रम्मन पूजा, पूर्वी भारत का छऊ नृत्य, राजस्थान के कालबेलिया समुदाय के कालबेलिया लोक नृत्य एवं गीत, केरल का मेदियेतु रंगमंच लहाख के बौद्ध जप (Chanting), मणिपुर का परम्परागत संकीर्तन, पंजाब के एक समुदाय विशेष की पीतल व तौंबे के बर्तन बनाने की परम्परागत कला, योग आदि शामिल हैं।

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों की सूची में भारत की 15 सांस्कृतिक विरासतें (सूची में शामिल किए जाने का वर्ष कोष्ठक में)

- गुजरात का गरबा (2023)
- कोलकाता की दुर्गा पूजा (2021)
- इलाहाबाद, हरिद्वार, उज्जैन व नासिक के कुम्भ मेले (2017)
- नवरोज, नोवरुज, नॉरयुग व नवरुज आदि (2016)
- योग (2016)
- पीतल व तौंबे के बर्तन बनाने की पंजाब के एक समुदाय विशेष की कला (2014)
- मणिपुर का परम्परागत नृत्य एवं संकीर्तन (2013)
- लहाख के बौद्ध जप (2012)
- पूर्वी भारत का छऊ नृत्य (2010)
- राजस्थान के लोकगीत एवं नृत्य कालबेलिया (2010)
- केरल का डांस ड्रामा मुदियेतु (2010)
- गढ़वाल क्षेत्र की रम्मन पूजा एवं उत्सव (2009)
- केरल का कुट्टीयत्तम रंगमंच एवं नृत्य (2008)
- रामलीला (2008)
- वेदों की चैटिंग (2008)

नोट—यूनेस्को द्वारा ऐसी सूची वर्ष 2008 से ही बनाई गई है।

इस विश्वविद्यालय का नाम माँ और बेटा सम्मक्का व सरलाम्मा (सरक्का), जिन्हें तेलंगाना में आदिवासी समुदायों की रक्षा के लिए भेजी गई देवियाँ माना जाता है, के नाम पर रखा गया है।

विश्व में मलेरिया के मामले में वृद्धि जबकि भारत में गिरावट : विश्व मलेरिया रिपोर्ट (2023)

विश्व में मलेरिया के प्रसार की मौजूदा स्थिति के सम्बन्ध में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की वर्ष 2023 की विश्व मलेरिया रिपोर्ट दिसम्बर 2023 में जारी हुई। इसमें बताया गया है कि—

विश्व में मलेरिया के कुल मामलों की संख्या वर्ष 2000 में 243 मिलियन दर्ज की गई थी, जो घटकर 2019 में 233 मिलियन रही। रिपोर्ट के अनुसार 2020 में इसमें

11 मिलियन की वृद्धि के पश्चात् 2021 में यथास्थिति रही. बाद में 2022 में पुनः 5 मिलियन की वृद्धि इसमें 2022 में दर्ज की गई. इस प्रकार 2022 में विश्व में मलेरिया के मामलों की संख्या 249 मिलियन दर्ज की गई.

रिपोर्ट के अनुसार मलेरिया के कारण विश्व में मौतों की संख्या 2019 में 5,76,000 थी, जो बढ़कर 2022 में 6,08,000 रही.

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार इस मामले में भारत में स्थिति तुलनात्मक से बेहतर रही.

रिपोर्ट के अनुसार 2021 की तुलना में 2022 में विश्व में मलेरिया के मामलों में जहाँ 5 मिलियन की वृद्धि हुई, भारत में मलेरिया के

मामला व उनके कारण हुई मौतों, दोनों में ही कमी इस अवधि में दर्ज की गई. विश्व मलेरिया रिपोर्ट 2023 के अनुसार भारत में 2022 में मलेरिया के कुल 33.8 लाख मामले दर्ज किए गए, जबकि मलेरिया के कारण मौतों की संख्या 5511 रही. यह पूर्व वर्ष की तुलना में क्रमशः 30 प्रतिशत व 34 प्रतिशत कम थी. मच्छरों से बचाव के लिए किए जा रहे निवेश में वृद्धि, मच्छरदानियों के इस्तेमाल में वृद्धि, मलेरिया से बचाव की दवाओं के उपयोग में वृद्धि आदि को भारत में मलेरिया पर नियंत्रण के कारणों में रिपोर्ट में बताया गया है. देश में शहरीकरण में हो रही वृद्धि मच्छरों के फैलाव में रोक को भी इस दिशा में एक बड़ा कारण रिपोर्ट में बताया गया है.

उच्च गति वाले स्वदेश विकसित मानव रहित विमान फ्लाईंग विंग का सफल परीक्षण

भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने देश में ही विकसित उच्च गति वाले मानव रहित फ्लाईंग विंग (Unmanned Aerial Vehicle-UAV) की उड़ान का सफल परीक्षण कर्नाटक में चित्रदुर्ग स्थित एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज से 15 दिसम्बर, 2023 को किया. इस सफलता के साथ ही भारत टेललैस कॉन्फिगरेशन में फ्लाईंग विंग तकनीक के नियंत्रण में महारथ हासिल करने वाले देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है.

स्वदेश निर्मित सबसे बड़ा सर्वेक्षण पोत आईएनएस संघायक नौसेना में शामिल

देश में ही निर्मित सबसे बड़े सर्वेक्षण पोत (Survey Ship) आईएनएस संघायक को 4 दिसम्बर, 2023 को नौसेना दिवस के अवसर पर भारतीय नौसेना में शामिल किया गया. नौसेना के लिए ऐसे चार सर्वेक्षण पोतों के निर्माण के लिए रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एण्ड इंजीनियर्स लि. (GRSE) कोलकाता के साथ रक्षा मंत्रालय द्वारा अनुबंध पर हस्ताक्षर 30 अक्टूबर, 2018 को किए गए थे. जीआरएसई कोलकाता द्वारा इस शृंखला का पहला पोत नौसेना को अब 4 दिसम्बर, 2023 को सौंपा गया है. इस युद्धपोत की प्राथमिक भूमिका बंदरगाह तक पहुँचने वाले मार्गों का तटीय एवं डीप वाटर सर्वेक्षण करना है. आपातकालीन स्थिति में अस्पताल के रूप में भी यह कार्य करेगा.

चार सर्वेक्षण पोतों की शृंखला के इस पहले युद्धपोत संघायक का जलावतरण 5 दिसम्बर, 2021 को किया गया था. इसके बाद से ही इसके परीक्षण चल रहे थे. इस पोत का यह नामकरण भारतीय नौसेना के पहले हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण पोत आईएनएस संघायक जिसे 40 वर्षों तक नौसेना की सेवा के पश्चात् 4 जून, 2021 को डिकमीशन किया गया था, के नाम पर किया गया है.

मालदीव से वापस प्राप्त किया गया युद्धपोत आईएनएस तारमुगली नाम से भारतीय नौसेना में शामिल

भारतीय नौसेना के विशाखापत्तनम स्थित नौसेना डॉकयार्ड में 14 दिसम्बर, 2023 को आयोजित एक औपचारिक कमीशनिंग समारोह में आईएनएस तारमुगली, जोकि तेज गति से हमला करने वाला जलपोत (फास्ट अटैक क्रॉफ्ट) है, को नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया. वाइस एडमिरल सदीप नैथानी के त्रिकेट श्रेणी के इस फास्ट अटैक क्रॉफ्ट को नौसेना में कमीशन किया. इस युद्धपोत को अब तक अपनी सेवा के दौरान तीन नामों के साथ दो देशों के झंडे के तले काम करने का गौरव प्राप्त है. भारतीय नौसेना में आईएनएस तिलचांग नाम से इस युद्धपोत को 2001 में कमीशन किया गया था जहाँ यह 2006 तक सक्रिय सेवा में था. वर्ष 2006 में भारत सरकार द्वारा इसे मालदीव नेशनल डिफेन्स फोर्स (MNDF) को उपहार में दिया गया था. 16 अप्रैल, 2006 को इस युद्धपोत को एमसीजीएस हुरावी (MCGS Haravee) नाम से एमएनडीएफ में शामिल किया गया था. वहाँ इसने मई 2023 तक सेवा प्रदान की थी. मई 2023 में मालदीव ने इस युद्धपोत को भारत को वापस कर दिया. लौटाए गए जहाज की विस्तृत जाँच के बाद उसका नवीनीकरण व मरम्मत करने और भारतीय नौसेना में फिर से शामिल करने का निर्णय लिया गया. पिछले छह महीनों के दौरान विशाखापत्तनम के नौसेना डॉकयार्ड में भारतीय नौसेना द्वारा इस जहाज की व्यापक मरम्मत और उन्नयन किया गया है और 14 दिसम्बर, 2023 को विशाखापत्तनम में आईएनएस तारमुगली नाम से इसे नौसेना के बेड़े में 14 दिसम्बर को शामिल किया गया है. इसका यह नामकरण अंडमान समूह के एक सुरम्य द्वीप के नाम पर किया गया है. 46 मीटर लम्बाई का यह पोत 320 टन का भार विस्थापित कर सकता है तथा 30 नॉटिकल मील से अधिक की गति प्राप्त करने में सक्षम है.

कोचीन शिपयार्ड में निर्माणाधीन तीन पनडुब्बी रोधी युद्धपोतों का जलावतरण व दो अन्य युद्धपोतों की कील लेइंग

भारतीय नौसेना के लिए 8 एंटी सबमरीन वारफेयर शैलोवाटर क्रॉफ्ट्स (ASW SWC) परियोजना के तहत 8 पनडुब्बीरोधी युद्धपोतों के निर्माण के लिए कोचीन शिपयार्ड लि. (CSL) के साथ रक्षा मंत्रालय ने अनुबंध पर हस्ताक्षर 30 अप्रैल, 2019 को किए थे. इस परियोजना के तहत पाँच युद्धपोतों के ढाँचे कोचीन शिपयार्ड लि. में तैयार किए जा चुके हैं. इनमें ये तीन माहे (Mahe), मालवन (Malvan) व मंग्रोल (Mangrol) नाम के इन युद्धपोतों का जलावतरण 30 नवम्बर, 2023 को किया गया. जबकि दो अन्य युद्धपोतों मालपे (Malpe) व मुल्की (Mulki) के निचले तल की ढलाई (Keel Laying) 8 दिसम्बर, 2023 को हुई.

इस शृंखला के पहले तीनों पोतों का जलावतरण नौसैनिक परम्परानुसार नौसेना के उच्च पदाधिकारियों की पत्नियों द्वारा ही अथर्ववेद के मंगलाचरण के बीच किया गया. माहे का जलावतरण जहाँ वाइस एडमिरल पुनीत बहल (कमांडेंट आईएनए) की उपस्थिति में उनकी पत्नी श्रीमती अंजलि बहल ने किया. मालवन को वाइस एडमिरल सूरज बेरी (सी-इन-सी) की उपस्थिति में उनकी पत्नी श्रीमती कंगना बेरी द्वारा लॉन्च किया गया. मंग्रोल का जलावतरण वाइस एडमिरल संजय जे. सिंह (नौसेना उप-प्रमुख) की उपस्थिति में उनकी पत्नी श्रीमती जरीन लॉर्ड सिंह ने किया.

कोचीन शिपयार्ड द्वारा पूरी तरह से तैयार किए जाने के पश्चात् इन युद्धपोतों को आईएनएस माहे, आईएनएस मालवन, आईएनएस मंग्रोल, आईएनएस मानपे व आईएनएस मुल्की नाम से नौसेना में शामिल किया जाएगा. इनमें पहला युद्धपोत 2024 में नौसेना को सौंपे जाने की सम्भावना है. इन पोतों का यह नामकरण भारत के समुद्री तट से सटे रणनीतिक महत्व के बंदरगाहों के नाम पर रखा गया है.

माहे श्रेणी के इन युद्धपोतों को स्वदेशी रूप से विकसित, अत्याधुनिक अंडरवाटर सेंसर से लैस किया जाएगा जिससे पानी में छिपी पनडुब्बियों को खोजकर मारने में यह सक्षम होंगे. तटीय जल में पनडुब्बी रोधी अभियानों के साथ-साथ कम तीव्रता वाले समुद्री संचालन और खदान बिछाने परिचालनों के लिए यह उपयोगी होंगे. एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी जहाज 78 मीटर लम्बे हैं और 25 समुद्री मील अधिकतम गति सहित इनका विस्थापन लगभग 900 टन है. रक्षा मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार समान श्रेणी के तीन जहाजों का एक साथ लॉन्च 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में स्वदेशी जहाज निर्माण में हमारी प्रगति को उजागर करता है. एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी जहाजों में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री होगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि बड़े पैमाने पर रक्षा उत्पादन भारतीय विनिर्माण इकाइयों द्वारा किया जाएगा, जिससे देश के भीतर रोजगार और सामर्थ्य में वृद्धि होगी.

रडार से बचने में सक्षम इस गोपनीय मानव रहित विमान को रक्षा अनुसंधान एवं



ऑटोनोमस फ्लाईंग विंग टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर विकास संगठन के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (Aeronautical Development Establishment) बेंगलुरु द्वारा विकसित किया गया है। इसकी पहली सफल उड़ान जुलाई 2022 में की गई थी, जिसके पश्चात् विभिन्न विकासत्मक विन्यासों में इसकी 6 और उड़ानों की गईं। इन उड़ान परीक्षणों में जीपीएस एडेड जीईओ ऑगमेंटेड नेविगेशन (GAGAN) रिसीवर का उपयोग करके जीपीएस नेविगेशन में सुधार किया गया है।

उच्च गति वाले स्टील्थ ड्रोन यूएवी की उड़ान की सफलता के साथ ही भारत ने स्वदेशी लड़ाकू ड्रोन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। इस प्रणाली के सफल उड़ान परीक्षण के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और रक्षा उद्योग जगत को बधाई दी है। रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी कामत ने भी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और इस सफल उड़ान परीक्षण से जुड़ी टीमों को इस सफल परीक्षण के लिए बधाई दी है।

सतह से सतह पर मार करने वाली अग्नि-I मिसाइल का एक और प्रशिक्षण प्रक्षेपण

भारत ने ओडिशा के तट के निकट डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-I का सफल परीक्षण 7 दिसम्बर, 2023 को किया। अग्नि-I मिसाइल रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित सतह से सतह पर मार करने वाली परमाणु क्षमता सम्पन्न मिसाइल है। 7 दिसम्बर के प्रशिक्षण प्रक्षेपण के तहत यह मिसाइल बहुत उच्च स्तर की सटीकता के साथ लक्ष्य को भेदने में सक्षम रही तथा इस परीक्षण ने मिसाइल के सभी मानकों और तकनीकी मापदंडों को सफलतापूर्वक हासिल किया। इसके अनेक परीक्षण पहले भी किए जा चुके हैं। इस मिसाइल की मारक क्षमता 700 किमी से लेकर 2500 किमी तक है। 15 मीटर लम्बी और 12 टन वजनी यह मिसाइल 1000

किलोग्राम तक परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। इस मिसाइल को मोबाइल लांचर से लॉन्च किया जा सकता है। इस मिसाइल का पिछला परीक्षण 1 जून, 2023 को एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से ही किया गया था।

मेरा गाँव मेरी धरोहर : संस्कृति मंत्रालय की नई परियोजना

देश के सभी राज्यों व केन्द्रशासित क्षेत्रों में फैले भारत के 6-5 लाख गाँवों के सांस्कृतिक मानचित्रण के उद्देश्य से मेरा गाँव मेरी धरोहर (MGMD) नाम से संस्कृति मंत्रालय द्वारा शुरू की गई अखिल भारतीय परियोजना है। जुलाई 2023 में शुरू की गई इस परियोजना के तहत सभी गाँवों की मैपिंग एवं प्रलेखन का कार्य इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स (IGNCA) के सहयोग से किया जाना है। इसके लिए एक वेब पोर्टल भी लॉन्च किया गया है। एमजीएमडी कार्यक्रम के तहत भारतीय गाँवों के जीवन, इतिहास व लोकाचार की जानकारी एकत्र करने की संस्कृति मंत्रालय की योजना है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य एक व्यापक आभासी मंच देश के सभी 6-5 लाख गाँवों का सांस्कृतिक मानचित्रण करना है। सात व्यापक श्रेणियाँ यथा—कला एवं शिल्प गाँव, पर्यावरणीय दृष्टि से उन्मुख गाँव, भारत की पाठ्य एवं शास्त्र सम्मत परम्पराओं से जुड़ाव, रामायण/महाभारत या अन्य पौराणिक किंवदंतियों व मौखिक महाकाव्यों से जुड़ाव, स्थानीय व राष्ट्रीय इतिहास से जुड़ाव वास्तुकला विरासत या अन्य कोई विशेषता जिसे उजागर करने की आवश्यकता हो, आदि के अन्तर्गत जानकारी इस परियोजना के तहत एकत्र की जाती है।

डीआरडीओ ने राज्य सरकार के अनुरोध पर ओडिशा के तट पर मार्च 2024 तक मिसाइल परीक्षण टाले

ओडिशा के तट पर व्हीलर द्वीप (एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप) से अग्नि-I का परीक्षण डीआरडीओ द्वारा 7 दिसम्बर, 2023 को किया गया था। इसके पश्चात् अब मार्च 2024 तक इस द्वीप पर कोई मिसाइल परीक्षण न करने का डीआरडीओ से अनुरोध राज्य सरकार द्वारा किया गया है। द्वीप के आस-पास कछुओं के प्रजनन पर कोई नकारात्मक प्रभाव पड़ने से रोकने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा किए गए अनुरोध को ध्यान में रखते हुए डीआरडीओ ने अपने मिसाइल परीक्षणों को मार्च तक के लिए टाल दिया है।

उल्लेखनीय है कि ओडिशा के समुद्री तटों पर इस मौसम में देश-विदेश से बड़ी संख्या में आए ओलिव रिडले कछुए (Olive Ridley Turtles) अण्डे देते हैं। ओडिशा के प्रधान वन संरक्षक के अनुसार सैकड़ों किमी

की दूरी तय करके ओलिव रिडले कछुए ओडिशा के समुद्र तट पर बालू के ऊपर घोंसले बनाकर अण्डे देने पहुँचते हैं। राज्य सरकार का मानना है कि मिसाइल परीक्षण से होने वाली तेज रोशनी, गड़गड़ाहट तथा मशीनीकृत नौकाओं की तेज आवाजों से कछुओं के प्रजनन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसी परिप्रेक्ष्य में मार्च तक इन परीक्षणों को रोकने का अनुरोध राज्य सरकार द्वारा डीआरडीओ से किया गया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त व चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों के लिए अधिनियम संसद द्वारा सदनों में पारित

देश के मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) व चुनाव आयुक्तों (ECs) की नियुक्तियों व सेवा शर्तों के लिए एक वैधानिक प्रावधान संसद द्वारा दिसम्बर 2023 में किया गया है। इन पदों पर नियुक्तियों के लिए चयन अब प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय समिति द्वारा किया जाएगा। लोक सभा में विपक्ष के नेता (नेता विपक्ष न होने की स्थिति में सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता) तथा एक कैबिनेट मंत्री इस समिति के दो अन्य सदस्य होंगे। चयन समिति के विचार के लिए विधि मंत्री एवं दो केन्द्रीय सचिवों की समिति द्वारा पाँच नाम अल्पसूचीबद्ध किए जाएंगे। चयन समिति के पास उन उम्मीदवारों को चुनने का भी अधिकार होगा, जिन्हें अल्पसूचीबद्ध नहीं किया गया है। इस चयन प्रक्रिया के लिए वांछित विधेयक मुख्य चुनाव आयुक्त व अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और पदावधि) विधेयक 2023 [Chief Election Commissioner and Other Election Commissioners (Appointment, Conditions of Service and Terms of Office) Bill 2023 (संक्षिप्त नाम CEC-EC Bill)] को लोक सभा द्वारा 21 दिसम्बर, 2023 को मंजूरी प्रदान की गई थी तथा राज्य सभा इसे पहले ही 12 दिसम्बर, 2023 को पारित कर चुकी थी। राष्ट्रपति के 28 दिसम्बर के अनुमोदन के पश्चात् यह विधेयक अधिनियमित हो गया है तथा चुनाव आयोग में नियुक्तियाँ आगे अब इसी अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप होंगी। 14 फरवरी, 2024 को एक चुनाव आयुक्त अनूपचंद पांडेय की सेवानिवृत्ति के पश्चात् आयोग में एक स्थान रिक्त होना है।

ज्ञातव्य है कि मुख्य चुनाव आयुक्त व चुनाव आयुक्तों की सेवा शर्तें अभी तक चुनाव आयोग (चुनाव आयुक्तों की सेवा शर्तें व कार्य संचालन) अधिनियम, 1991 [Election Commission (Conditions of

Service of Election Commissioners and Transaction of Business) Act, 1991 के तहत ही होती रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त व चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों के सम्बन्ध में कोई प्रावधान इस अधिनियम में नहीं था। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति के एम. जोसेफ की अध्यक्षता वाली 5 सदस्यीय संविधान पीठ ने 2 मार्च, 2023 के एक फैसले द्वारा इस व्यवस्था को रद्द करते हुए नियुक्तियों के लिए कानून बनाने का निर्देश सरकार को दिया था। चुनाव सुधार पर दिनेश गोस्वामी समिति (1990) व विधि आयोग की 255वीं रिपोर्ट के परिप्रेक्ष्य में कानून बनने तक के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक चयन समिति का प्रावधान सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने 2 मार्च, 2023 को किया था, जिसमें प्रधानमंत्री के अतिरिक्त दो अन्य सदस्य लोक सभा में विपक्ष के/सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता तथा सर्वोच्च न्यायाधीश को शामिल किया गया था।

सर्वोच्च न्यायालय के 2 मार्च, 2023 के निर्देशों के अनुरूप ही, चयन समिति के गठन के लिए ही मुख्य चुनाव आयुक्त व अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और पदावधि) विधेयक 2023 (संक्षिप्त नाम—CEC-EC Bill, 2023) को संसद में पारित कराया गया है, किन्तु सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सुझाए गए एक प्रावधान को

इसमें बदल दिया गया है। मुख्य न्यायाधीश के स्थान पर एक कैबिनेट मंत्री को समिति में शामिल करने का प्रावधान संसद द्वारा बनाए गए अधिनियम में किया गया है।

संसद की सुरक्षा व्यवस्था में चूक के पश्चात् विपक्ष का हंगामा : 146 सांसदों का निलम्बन

संसद पर आतंकी हमले की 22वीं बरसी के दिन संसद परिसर एवं लोक सभा की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बड़ा प्रश्न-चिह्न 13 दिसम्बर, 2023 को उस समय लग गया जब दोपहर लगभग 1 बजे दर्शक दीर्घा से दो युवकों ने लोक सभा में कूद कर, छुपा कर लाए कलर स्मोक क्रेकर के जरिए हल्के पीले रंग का स्मोक सदन में ऐसे समय में कर दिया, जब सदन में प्रश्न काल की कार्यवाही चल रही थी। इस दुस्साहसिक घटना से सदन में अफरा-तफरी मच गई। इस घटना के कुछ ही मिनट पश्चात् संसद भवन की बाउण्ड्री के बाहर एक अन्य युवक व एक युवती, जिनके नाम अमोल शिंदे व नीलम बताए गए हैं, ने नारेबाजी के साथ वैसा ही स्मोक किया। दर्शक दीर्घा से सदन के भीतर कूदने वाले युवक सागर शर्मा व मनोरंजन गौड़ थे। इन चारों के साथ इस साजिश में शामिल दो अन्य युवक विक्रम व ललित झा थे। सभी को गिरफ्तार कर लिया गया।

संसद भवन परिसर में, विशेषतः कार्यशील लोक सभा में स्मोक गन के जरिए धुआँ फैलाने की यह घटना संसद भवन परिसर में 13 दिसम्बर, 2023 को हुए भीषण आतंकी हमले, जिसमें पुलिस के पाँच जवानों सहित 9 लोगों की मौत हुई थी, की बरसी पर हुई इस घटना से संसद परिसर की सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी चूक सामने आई है। इसमें किसी गहरे षड्यंत्र की सम्भावना होने आदि सभी पहलुओं की गहन जाँच यद्यपि सुरक्षा बलों द्वारा की जा रही है। गिरफ्तार किए गए युवाओं से भी गहन पूछताछ की जा रही है। आरोपितों को हवाला या किसी अन्य माध्यम से फंडिंग की इटेलीजेंस ब्यूरो व रॉ को आशंका है। 13 दिसम्बर, 2023 की उपर्युक्त घटना देश की सबसे सुरक्षित कही जाने वाली इमारत की सुरक्षा में चूक का एक चिन्तनीय उदाहरण है।

इस चिन्ताजनक कांड के पश्चात् सरकार की चूक के लिए विपक्ष ने भारी हंगामा संसद में किया, जिससे संसद की कार्यवाही बाधित हुई। वांछित विधेयकों को पारित कराने के लिए हंगामा कर रहे विपक्षी सांसदों को दोनों सदनो में निलंबित भी किया गया। लोक सभा के 100 तथा राज्य सभा के 46 सांसद शीतकालीन सत्र में निलंबित किए गए। संसद भवन की बेहतर सुरक्षा के लिए केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) को यह जिम्मा सौंपने का निर्णय गृह मंत्रालय ने किया है। ●●●

उपकार Just Released
बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग
प्रैक्टिस सैट
पुलिस सब-इंस्पेक्टर
प्रारम्भिक परीक्षा

नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित
सामान्य ज्ञान के नवीनतम प्रश्न
2700 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का संग्रह

Code No. 2678
₹ 140/-

सम्पादक मण्डल : प्रतियोगिता दर्पण

उपकार
बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग
प्रैक्टिस सैट
पुलिस सब-इंस्पेक्टर
प्रारम्भिक परीक्षा

नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित
सामान्य ज्ञान के नवीनतम प्रश्न
2700 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का संग्रह

BSI
उपकार
बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग
प्रैक्टिस सैट
पुलिस सब-इंस्पेक्टर
प्रारम्भिक परीक्षा

उपकार प्रकाशन, आगरा-5
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

Just Released **प्रतियोगिता दर्पण**
पुलिस सब-इंस्पेक्टर के अतिरिक्त 100 प्रश्न

10 वर्षों का UPSC सिविल सर्विसेज IAS MAINS

नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा एवं अभिरुचि
Ethics, Integrity & Aptitude

Includes :

- Previous Years' Solved Papers (2013-22)
- 2 मॉडल पेपर्स
- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का Exam.-Oriented Notes

प्रतियोगिता दर्पण | E-mail : sales@pdgroup.in | Website : www.pdgroup.in

सामान्य अध्ययन PAPER-IV
नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा एवं अभिरुचि
Ethics, Integrity & Aptitude

10 वर्षों का UPSC सिविल सर्विसेज IAS MAINS SOLVED PAPERS
सामान्य अध्ययन PAPER-IV

Code No. 852 ₹ 185.00



अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

- गाजा में युद्ध विराम के लिए सुरक्षा परिषद् में लाए गए प्रस्ताव को अमरीका का वीटो : महासभा में प्रस्ताव 153-10 के मतांतर से पारित (महासभा में भारत द्वारा भी युद्ध विराम प्रस्ताव का समर्थन)
- विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं की फोर्ब्स सूची (2023) में भारत की 4 महिलाएं : यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन विश्व की सबसे शक्तिशाली महिला
- विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं में भारत की 4 महिलाएं
- कॉप 28 दुबई में सम्पन्न : जीवाश्म ईंधन से दूरी बनाने पर सहमति
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर वैश्विक भागीदारी शिखर सम्मेलन
- कीनिया के राष्ट्रपति विलियम रूतो की भारत यात्रा
- अल्जीरिया, सिएरा लियोन, द. कोरिया, गुयाना व स्लोवेनिया 1 जनवरी, 2024 से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के नए अस्थायी सदस्य
- भारत के साथ हाइड्रोग्राफिक सर्वे समझौते को आगे नहीं बढ़ाने की मालदीव की घोषणा
- अब्देह फतह अल सीसी लगातार तीसरे कार्यकाल हेतु मिस्र के राष्ट्रपति निर्वाचित
- ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक की भारत यात्रा

गाजा में युद्ध विराम के लिए सुरक्षा परिषद् में लाए गए प्रस्ताव को अमरीका का वीटो : महासभा में प्रस्ताव 153-10 के मतांतर से पारित (महासभा में भारत द्वारा भी युद्ध विराम प्रस्ताव का समर्थन)

गाजा में फलस्तीनी हमास व इजरायली सेना के बीच 7 अक्टूबर, 2023 से चल रहे भीषण युद्ध जिसमें अब तक लगभग 20,000 से अधिक सैनिक और लोग मारे जा चुके हैं. स्थायी युद्ध विराम के तमाम प्रयास विफल रहे हैं. मिस्र व कतर की मध्यस्थता से 24-30 नवम्बर के अस्थायी युद्ध विराम के दौरान युद्ध बन्दियों का आदान-प्रदान किया गया जिसके पश्चात् युद्ध ने पुनः तेजी पकड़ ली.

युद्ध रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में 8 दिसम्बर, 2023 को लाया गया एक और युद्ध विराम प्रस्ताव अमरीका के वीटो के कारण नाकाम हो गया. 15 सदस्यीय (5 स्थायी, 10 अस्थायी) परिषद् में तत्कालीन अस्थायी सदस्य संयुक्त अरब अमीरात (UAE) द्वारा लाए गए युद्ध विराम प्रस्ताव का 13 देशों ने समर्थन किया, जबकि स्थायी सदस्य अमरीका ने वीटो कर प्रक्रिया को रोक दिया. वही ब्रिटेन ने मतदान में भाग नहीं लिया. युद्ध विराम प्रस्ताव का समर्थन करने, आमजनों को सुरक्षा देने तथा उनके लिए राहत सामग्री भेजने का अनुरोध संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस द्वारा भी किया गया था, किन्तु प्रस्ताव को वीटो करने वाली अमरीकी राजदूत रॉबर्ट बुड का कहना था कि प्रस्ताव में हमास के 7 अक्टूबर के इजरायल पर हमले की निंदा न करके उसे एकतरफा बना दिया था. इजरायल पर हमास के 7 अक्टूबर के वीभत्स हमले की निन्दा करने वाली भाषा के प्रस्ताव में इस्तेमाल किए जाने को अमरीकी राजदूत ने समझ से परे बताया. युद्ध विराम प्रस्ताव के इस तरह से विफल होने पर संयुक्त अरब अमीरात के राजदूत ने चिन्ता व्यक्त की है.

अमरीकी वीटो के कारण सुरक्षा परिषद् में विफलता के पश्चात् एकबार पुनः युद्ध विराम प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र महासभा में विशेष सत्र में 12 दिसम्बर, 2023 को स्वीकार किया गया है.

- 193 सदस्यीय महासभा में 153-10 के मतांतर से पारित इस युद्ध विराम प्रस्ताव में तत्काल मानवीय युद्ध विराम (Immediate Humanitarian Ceasefire) सभी बंधकों की तत्काल एवं बिना शर्त रिहाई तथा विस्थापितों तक मानवीय पहुँच सुनिश्चित करने की माँग की गई है.
- इजरायल के स्थायी प्रतिनिधि द्वारा 'पाखंडी प्रस्ताव' कहे गए इस प्रस्ताव के पक्ष में 153 मत पड़े (प्रस्ताव के पक्ष में मत देने वालों में भारत भी शामिल था. इससे पूर्व अक्टूबर 2023 में महासभा में पारित युद्धविराम प्रस्ताव पर मतदान में अनुपस्थिति भारत ने दर्ज की थी), जबकि अमरीका, इजरायल, ऑस्ट्रिया, चैक गणराज्य, ग्वाटेमाला, लाइबेरिया, माइक्रोनेशिया, पापुआ न्यू गिनी, नौरू, और पराग्वे (10 देशों) ने इसके विरोध में मत दिया.
- यूक्रेन, यूके, जर्मनी, इटली, हंगरी, अर्जेंटीना, मलावी, नीदरलैण्ड्स, द. सूडान व उरुग्वे सहित 23 देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया था.

महासभा में मिस्र द्वारा पेश प्रस्ताव में गाजा में अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों के अनुसार कार्य किए जाने और अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के तहत आमजनों को सुरक्षा देने की सिफारिश की गई है, लेकिन प्रस्ताव में हमास का उल्लेख नहीं किया गया है. मिस्र द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में संशोधन के लिए ऑस्ट्रिया और अमरीका ने प्रस्ताव रखे थे. इन संशोधन प्रस्तावों में इजरायल पर हमास के हमले की निंदा थी. भारत ने दोनों संशोधन प्रस्तावों के समर्थन में मत दिया, लेकिन दोनों ही प्रस्ताव महासभा का दो तिहाई बहुमत नहीं जुटा सके, इसलिए उन्हें मूल प्रस्ताव में शामिल नहीं किया जा सका.

विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं की फोर्ब्स सूची (2023) में भारत की 4 महिलाएं : यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन विश्व की सबसे शक्तिशाली महिला

अमरीकी पत्रिका फोर्ब्स (Forbes) के वर्ष 2023 के आकलन में यूरोपीय आयोग (EC) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन (Ursula Von der Leyen) विश्व की सबसे शक्तिशाली महिला हैं, जबकि यूरोपीय केन्द्रीय बैंक की अध्यक्ष क्रिस्टीन



उर्सुला वॉन डेर लेयेन : लगाई (Christine Lagarde) का उनके पश्चात् दूसरा तथा अमरीका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का तीसरा स्थान है. पिछले वर्ष फोर्ब्स की वर्ष

2022 की इस सूची में भी पहले तीनों स्थान इन्हीं तीनों के थे. फोर्ब्स की विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं की सूची 6 दिसम्बर, 2023 को जारी हुई, जिसमें भारत की 4 महिलाओं को स्थान दिया गया है.

फोर्ब्स की वर्ष 2023 की इस सूची में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी (Georgia Meloni) का चौथा, अमरीकी पोप सिंगर टेलर स्विफ्ट का पाँचवाँ, जनरल मोटर्स की मैरी बारा (Mary Bara) का नौवाँ व बिल एण्ड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की सह-संस्थापिका मेलिंडा गेट्स का दसवाँ स्थान है. वर्ष 2023 की फोर्ब्स सूची में पहले 10 स्थानों पर निम्नलिखित महिलाओं के नाम हैं—

| रैंक | महिला | श्रेणी |
|------|---|-------------------------|
| 1 | उर्सुला वॉन डेर लेयेन (बेल्जियम), (यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष) | पॉलिटिक्स एण्ड पॉलिसी |
| 2 | क्रिस्टीन लार्गार्ड (फ्रांस), (यूरोपीय केन्द्रीय बैंक की अध्यक्ष) | पॉलिटिक्स एण्ड पॉलिसी |
| 3 | कमला हैरिस (अमरीका), (अमरीका की उपराष्ट्र-पति) | पॉलिटिक्स एण्ड पॉलिसी |
| 4 | जॉर्जिया मेलोनी (इटली), (इटली की प्रधानमंत्री) | पॉलिटिक्स एण्ड पॉलिसी |
| 5 | टेलर स्विफ्ट (अमरीका) (पोप सिंगर एवं साँग राइटर) | मीडिया एण्ड एंटरटेनमेंट |
| 6 | कारेन लिंच (अमरीका), (सीवीएस हेल्थ की सीईओ) | व्यापार |
| 7 | जेन फ्रेजर (अमरीका), (सिटी ग्रुप की सीईओ) | वित्त |
| 8 | अविगेल जॉन्सन (अमरीका), (फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट्स की सीईओ) | वित्त |
| 9 | मैरी बारा (अमरीका), (जनरल मोटर्स की सीईओ) | व्यापार |
| 10 | मेलिंडा फ्रैंच गेट्स (अमरीका), (बिल एण्ड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की सह-संस्थापिका) | फिलेन्थोपी (लोकोपकार) |

फोर्ब्स (Forbes) ने विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं की वर्ष 2023 की सूची में भारत की जिन 4 महिलाओं को स्थान दिया गया है. इनमें केन्द्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के अतिरिक्त एचसीएल की चेयरपर्सन रोशनी नाडर मल्होत्रा तथा स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAIL) की पूर्व

चेयरपर्सन सोमा मंडल तथा बायोकॉन की एक्जीक्यूटिव चेयरपर्सन किरण मजूमदार शॉ शामिल हैं. यह लगातार पाँचवाँ वर्ष है जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं की फोर्ब्स सूची में स्थान दिया गया है. वर्ष 2023 की ताजा सूची में उनको 32वाँ स्थान दिया गया है, जबकि पिछले वर्ष 2022 की सूची में 36वाँ तथा उससे पूर्व 2021 की सूची में

37वाँ स्थान उनका था. इस प्रकार उनकी इस रैंकिंग में चार पायदान का सुधार इस वर्ष हुआ है.

एचसीएल कॉर्पोरेशन की रोशनी नाडर मल्होत्रा, भारतीय इस्पात प्राधिकरण (SAIL) की तत्कालीन चेयरपर्सन सोमा मंडल व बायोकॉन की किरण मजूमदार शॉ के नाम भी पिछले वर्ष की 100 शक्तिशाली महिलाओं की इस सूची में शामिल थे तथा उनका

विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं में भारत की 4 महिलाएं



श्रीमती निर्मला सीतारमण : भारत की वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री

रोशनी नाडर मल्होत्रा

विश्व की सबसे शक्तिशाली 100 महिलाओं की फोर्ब्स की वर्ष 2023 की सूची में 60वाँ स्थान पाने वाली 42 वर्षीय रोशनी नाडर मल्होत्रा एचसीएल के संस्थापक चेयरमैन शिव नाडर की इकलौती संतान हैं. वह आईटी क्षेत्र की इस मल्टीनेशनल कम्पनी की चेयरपर्सन हैं. वर्ष 2010 में शिखर मल्होत्रा के साथ उनका विवाह हुआ था. शिखर मल्होत्रा एचसीएल के वाइस चेयरमैन हैं. श्रीमती रोशनी नाडर मल्होत्रा को पहले एक आकलन में देश की सर्वाधिक सम्पन्न महिला बताया गया था. फोर्ब्स ने विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं की वर्ष 2018, 2019, 2020, 2021 व 2022 की सूची में भी उन्हें स्थान प्रदान किया था. 2019 की सूची में इनका 54वाँ स्थान था, जो 2020 में 55वाँ, 2021 में 52वाँ तथा 2022 में 53वाँ था.



रोशनी नाडर मल्होत्रा



सोमा मंडल

सोमा मंडल

'क्वीन ऑफ स्टील' के रूप से विख्यात श्रीमती सोमा मंडल सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय इस्पात प्राधिकरण (SAIL) की चेयरपर्सन रही हैं तथा फोर्ब्स की विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली महिलाओं की वर्ष 2023 की सूची में 70वाँ स्थान उन्हें प्रदान किया गया है. इस सूची में उनका यह लगातार दूसरा वर्ष है. 2022 की फोर्ब्स सूची में 67वें स्थान पर वह थीं. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (NIT), राउरकेला से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में उपाधि प्राप्त श्रीमती सोमा मंडल को धातु उद्योग में कार्य का 35 वर्षों से अधिक अनुभव है. एल्युमिनियम क्षेत्र की कम्पनी नाल्को (NALCO) से अपने कैरियर की शुरुआत उन्होंने की थी बाद में भारतीय इस्पात प्राधिकरण (SAIL) के साथ निदेशक (वाणिज्यिक) के रूप में वह जुड़ी. 1 जनवरी, 2021 से 30 अप्रैल, 2023 तक सार्वजनिक क्षेत्र की इस कम्पनी की चेयरपर्सन वह रहीं तथा इस महारत्न कम्पनी की चेयरपर्सन बनने वाली वह पहली महिला हैं. 'सेल' (SAIL) से सेवानिवृत्ति के पश्चात् पब्लिक एंटरप्राइज़ सिलेक्शन बोर्ड की सदस्य उन्हें बनाया गया है.

किरण मजूमदार शॉ

70 वर्षीय किरण मजूमदार शॉ (Kiran Mazumdar-Shaw) बायो टेक्नोलॉजी क्षेत्र की बेंगलूरु स्थित कम्पनी बायोकॉन की चेयरपर्सन हैं. वह बेंगलूरु स्थित इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (IIM) की चेयरपर्सन भी रह चुकी हैं. फोर्ब्स ने वर्ष की सर्वाधिक शक्तिशाली महिलाओं की वर्ष 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021 व 2022 की सूची में भी स्थान उन्हें प्रदान किया था. वर्ष 2019 में फोर्ब्स की इस सूची में उनका 65वाँ स्थान था, जो 2020 में 68वाँ, 2021 में 72वाँ व 2022 में 77वाँ था. वर्ष 2023 की फोर्ब्स सूची में 76वाँ स्थान उन्हें प्रदान किया गया है. उद्योग व्यापार जगत् के अनेक पुरस्कारों से वह सम्मानित किरण मजूमदार शॉ को भारत सरकार ने पद्मश्री (1989) व पद्म भूषण (2005) से सम्मानित किया था.



किरण मजूमदार शॉ

क्रमशः 53वाँ, 67वाँ व 77वाँ स्थान इस सूची में था. वर्ष 2023 की ताजा सूची में रोशनी नाडर मल्होत्रा 60वें, सोमा मंडल 70वें व किरण मजूमदार शॉ 76वें स्थान पर हैं. वर्ष 2021 की सबसे शक्तिशाली महिलाओं की फोर्ब्स सूची में भारत की 4 महिलाएं ही शामिल की गई थीं, जबकि 2020 में भारत की 3 महिलाएं ही इस सूची में स्थान पा सकी थीं.

अमरीकी पत्रिका फोर्ब्स (Forbes) द्वारा विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं (Most Powerful Women) की सूची वर्ष 2004 से प्रतिवर्ष जारी की जाती रही है. इस सूची के लिए 6 विभिन्न श्रेणियों में शक्तिशाली महिलाओं का चिह्नकन किया जाता है. इनमें वित्त (Finance), व्यापार, फिलेन्थोपी मीडिया एण्ड एंटरटेनमेंट, टेक्नोलॉजी तथा पॉलिटिक्स एण्ड पॉलिसी शामिल हैं. विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली महिलाओं की फोर्ब्स की वर्ष 2023 की यह सूची इस शृंखला में फोर्ब्स की 20वीं वार्षिक सूची है.

कॉप 28 दुबई में सम्पन्न : जीवाश्म ईंधन से दूरी बनाने पर सहमति

जलवायु परिवर्तन के ग्लोबल वार्मिंग जैसे दुष्प्रभावों से निपटने के लिए यूनाइटेड



नेशंस फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (UNFCCC) में शामिल लगभग 200 देशों का 28वाँ वार्षिक सम्मेलन कॉप 28 (CoP Conference of Parties) संयुक्त अरब अमीरात (UAE दुबई) में 30 नवम्बर-13 दिसम्बर, 2023 को सम्पन्न हुआ. यह शिखर सम्मेलन मूलतः 12 दिसम्बर को समाप्त होना था, किन्तु जीवाश्म ईंधन से सम्बन्धित समझौते पर बहस लम्बी चलने के कारण यह 13 दिसम्बर को समाप्त हुआ. ऐसा पिछला शिखर सम्मेलन कॉप 27 मिस्र में शर्म अल शेख (Sharm El Sheikh) में 6-22 नवम्बर, 2022 को हुआ था.

यूएई के उद्योग एवं उच्च प्रौद्योगिकी मंत्री सुल्तान अल जाबेर (Sultan Al Jaber) की अध्यक्षता में सम्पन्न जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन कॉप 28 में 150 से अधिक वैश्विक नेताओं सहित लगभग 90 हजार प्रतिनिधियों, विशेषज्ञों, बैंकों व संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल रहे. सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधि-मण्डल का नेतृत्व केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री श्री

भूपेन्द्र यादव ने किया. भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सम्मेलन को 1 दिसम्बर को सम्बोधित किया. अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडेन व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस वर्ष इस शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लिया. भारतीय प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 1 दिसम्बर को सम्मेलन में एक सत्र को सम्बोधित करते हुए तापमान वृद्धि पर अंकुश के लिए कार्बन उत्सर्जन घटाने पर बल दिया तथा इसके लिए विकासशील देशों की समुचित मदद की आवश्यकता पर बल उन्होंने दिया. वर्ष 2028 में कॉप 33 का आयोजन भारत की मेजबानी में करने की पेशकश भी श्री मोदी ने अपने इस सम्बोधन में की.

दुबई प्रवास के दौरान कॉप 28 सम्मेलन से इतर कतर के अमीर शेख अमीर शेख तमीम बिन हमद बहरीन के राजा हमद बिन ईसा अल खलीफा, उज़्बेकिस्तान के राष्ट्रपति, जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय, नीदरलैण्ड्स के प्रधानमंत्री मार्क रूटे, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, तुर्किये के राष्ट्रपति रीसेप मोइज्जु एर्दोगन, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जु, स्वीडिश प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन विश्व के कई नेताओं से भी मुलाकात की.

वैश्विक तापमान में वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने तथा स्वास्थ्य एवं जलवायु के लिए ग्रीन हाउस गैसों, विशेषतः



कॉप 28 के एक सत्र को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

मीथेन के उत्सर्जन पर अंकुश, वैश्विक ऊर्जा उत्पादन में जीवाश्म ईंधन की हिस्सेदारी में कटौती, अक्षय ऊर्जा व परमाणु ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि आदि मुद्दों पर विस्तृत चर्चा सम्मेलन में हुई. दो सप्ताह के गहन एवं व्यापक उतार चढ़ाव के पश्चात् सम्मिलित देश डीजल-पेट्रोल जैसे जीवाश्म ईंधन, जिसे ग्लोबल वार्मिंग का सबसे बड़ा कारण माना जाता है, से दूरी बनाने पर सहमत हुए हैं. एक दिन बढ़ाई गई तिथि, 13 दिसम्बर को ही यह ऐतिहासिक समझौता हो सका जिसमें यह तय किया गया है कि न्यायोचित व संगत तरीके से विश्व जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करते हुए इसका उपयोग घटाएगा. दो सप्ताह की मैराथन बहस के पश्चात् अपनाया गया यह स्टॉकटोक समझौता है जिसे यूएई कन्सेंसस भी कहा गया है. इसे जीवाश्म ईंधन युग की समाप्ति के लिए पहला ऐतिहासिक समझौता भी कहा जा रहा है.

इसके समर्थकों ने इसे पेरिस समझौते (2015) के बाद का सबसे महत्वपूर्ण समझौता करार दिया है. जीवाश्म ईंधन से दूर हटने से सम्बन्धित इस समझौते को जीवाश्म ईंधन युग के "अंत की शुरुआत" (beginning of the end) सम्मेलन के अध्यक्ष सुल्तान अल जाबेर ने बताया है. इससे वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने में मदद मिलेगी. इस ऐतिहासिक समझौते के तहत आठ सूत्रीय योजना दी गई है. कोयले से बिजली बनाने वाले देशों से इसमें यह अनुरोध किया गया है इस शिखर सम्मेलन के पहले ही सप्ताह में शर्म अल शेख में कॉप 27 सम्मेलन में तय किए गए 'लॉस एण्ड डैमेज फण्ड' को क्रियाशील करने पर सहमति विकसित और विकासशील देश में बनी कि कोयले के इस्तेमाल में वे चरणबद्ध तरीके से कटौती करेंगे. भारत व चीन के विरोध के बाद इसकी भाषा में कुछ बदलाव भी किया गया है. कॉप 28 सम्मेलन में 100 से अधिक देश जहाँ जीवाश्म ईंधन के उपयोग को बंद करने के लिए समय सीमा तय करने की बात करा रहे थे, वहीं विश्व के बड़े तेल उत्पादक देशों ने इसका विरोध भी किया.

कॉप 28 सम्मेलन में कोयले का उपयोग कम करने के प्रयासों को तेज करने के साथ-साथ वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को 2030 तक तीन गुना करने तथा मीथेन उत्सर्जन में कमी लाने को भी कहा गया है. संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन का आगामी शिखर सम्मेलन कॉप 29 अजरबैजान के बाकू (Baku) में नवम्बर 2024 में होगा.

जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के 1992 में हस्ताक्षरित व मार्च 1994 में लागू हुए समझौते (कन्वेंशन), जिसे United Nations Framework Convention on Climate Change-UNFCCC नाम से जाना जाता है. में जलवायु परिवर्तन पर अंकुश के लिए हानिकारक मानवीय हस्तक्षेपों को रोकने की बात कही गई है. इस कन्वेंशन को स्वीकार करने वाले सभी 198 देश 'Parties to the Convention' कहलाते हैं तथा इनके वार्षिक सम्मेलन को Conference of Parties (CoP) के नाम से जाना जाता है. ऐसा पिछला जलवायु सम्मेलन CoP 27 6-22 नवम्बर, 2022 को मिस्र में शर्म अल शेख (Sharm-El-Sheikh) में सम्पन्न हुआ था. ग्लोबल वार्मिंग के खतरनाक प्रभावों से मानवता की रक्षा के लिए विभिन्न उपायों एवं प्रयासों पर चर्चा कॉप के विभिन्न संस्करणों में होती रही है. इस सम्बन्ध में वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व औद्योगिक युग की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का संकल्प पेरिस में कॉप 21 में तथा नवम्बर 2021 में ग्लासगो में कॉप 26 में लिया गया था.

विश्व 2023

जनवरी

- 1 क्रोएशिया ने यूरो अपनाया और शेंगेन क्षेत्र में शामिल हुआ
- 8 ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा को हटाने के प्रयास में पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के समर्थक राजधानी ब्राजीलिया स्थित कांग्रेस इमारत में घुस गये

फरवरी

- 4 अमेरिका में प्रमुख सैन्य स्थलों पर जासूसी के शक के चलते अमेरिकी लडाकू जेट ने विशाल चीनी गुब्बारे को मार गिराया
- 5 हिंद महासागर में इतिहास के सबसे लंबे समय तक चलने वाले उष्णकटिबंधीय 'फ्रेडी' चक्रवात से भीषण तबाही; दक्षिणपूर्वी अफ्रीका में 1,400 से अधिक लोगों की जान गई
- 6 तुर्की और सीरिया में विनाशकारी भूकंप से लगभग 60 हजार लोग मारे गए और 20 लाख लोग बेघर हो गए

मार्च

- 10 शी जिनपिंग पांच साल के कार्यकाल के लिए तीसरी बार फिर से चीनी राष्ट्रपति चुने गए
- 10 सात साल से खराब रिश्तों के बाद ईरान और सऊदी अरब, चीनी मध्यस्थता से राजनयिक संबंधों को बहाल करने पर सहमत हुए
- 17 रूस द्वारा यूक्रेन के कब्जे वाले क्षेत्रों से बच्चों को अवैध तौर से रूस भेजने के आरोप में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट जारी

अप्रैल

- 4 31वें सदस्य के तौर पर फिनलैंड के जुड़ने से नाटो संगठन की रूस के साथ सटी सीमा दोगुनी हो गई
- 20 अब तक का सबसे बड़ा और सर्वाधिक शक्तिशाली रॉकेट, स्पेसएक्स का स्टारशिप, अपनी पहली परीक्षण उड़ान के दौरान चार मिनट में फट गया
- 24 चीन को पीछे छोड़ भारत दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बना

मई

- 5 विश्व स्वास्थ्य संगठन ने घोषणा की कि कोविड-19 महामारी अब 'ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी' नहीं रही
- 6 लंदन में ब्रिटेन के राजा और रानी के रूप में चार्ल्स तृतीय और कैमिला का राज्याभिषेक हुआ
- 28 रेसेप तैयप एर्दोगन तीसरी बार तुर्की के राष्ट्रपति बने

जून

- 2 भारतीय राज्य ओडिशा में तीन ट्रेनों की टक्कर में 290 से अधिक लोगों की मौत
- 7 कनाडा के जंगल की आग का धुआँ अमेरिका के पूर्वी राज्यों में फैलने से लाखों को घर में रहने की चेतावनी
- 18 टाइटेनिक के मलबे को देखने निकली 'टाइटन पनडुब्बी' में विस्फोट के कारण उसमें सवार सभी पांच लोगों की मौत
- 23 भाड़े के सैनिक समूह 'वैगनर' के प्रमुख येवगेनी प्रिगोशिन ने रूस के खिलाफ अपना सशस्त्र विद्रोह अगले ही दिन बेलारूस की मध्यस्थता के बाद वापस लिया. दो महीने बाद विमान दुर्घटना में प्रिगोशिन की मृत्यु हो गई

जुलाई

- 4 पृथ्वी पर अब तक का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड किया गया, जब औसत तापमान 17.18° सेल्सियस पहुंच गया
- 23 एलन मस्क ने ट्विटर का नाम बदलकर X के रूप में पुनः ब्रांड किया
- 26 नाइजर के राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम को गिरफ्तार कर सेना द्वारा तख्तापलट

अगस्त

- 5 राजकीय उपहारों की बिक्री से जुड़े मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान गिरफ्तार
- 23 चंद्रयान 3 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पास सफलतापूर्वक उतारकर भारत ने रचा इतिहास
- 24 डोनाल्ड ट्रम्प अटलांटा जेल जाकर मग शट लिए जाने वाले पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बने
- 30 सैन्य तख्तापलट में गैबन के राष्ट्रपति अली बोंगो को उखाड़ फेंकने से उनके परिवार की 56 साल की सत्ता समाप्त

सितंबर

- 8 मोरक्को में विनाशकारी भूकंप से लगभग 3 हजार लोग मारे गए
- 9-10 नई दिल्ली में आयोजित G20 शिखर सम्मेलन में अफ्रीकी संघ को 21वें स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किया गया

10 लीबिया के डर्ना शहर में शक्तिशाली तूफान 'डेनियल' के चलते 4 हजार से अधिक लोग मारे गए

12 उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने बख्तरबंद ट्रेन से रूस जाकर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्ता की

18 कनाडा में अलगाववादी सिख नेता की हत्या में कथित रूप से भारत की संलिप्तता को लेकर कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोप से कूटनीतिक विवाद छिड़ गया; भारत ने पलटवार करते हुए इस आरोप को 'बेतुका' और 'प्रेरित' बताकर कनाडा पर भारत विरोधी तत्वों को पनाह देने का आरोप लगाया

अक्टूबर

- 3 केविन मैक्कार्थी अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के स्पीकर पद से हटाये जाने वाले पहले व्यक्ति बने
- 7 अफगानिस्तान के हेरात में भूकंप से लगभग 2 हजार लोग मारे गये



7 हमास ने इजराइल पर आश्चर्यजनक ढंग से मिसाइल हमला करते हुए घुसपैठ की, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए और वे 240 से अधिक लोगों को बंधक बनाकर ले गये; इस हमले का बदला लेने के लिए इसराइल ने हमास को 'नष्ट' करने की कसम लेते हुए युद्ध की घोषणा की. गाजा की पूर्ण नाकाबंदी से मानवीय संकट पैदा हो गया

नवंबर

- 1 कोलिनस डिवशानरी ने 2023 में AI को सबसे उल्लेखनीय शब्द घोषित किया
- 14 चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने राष्ट्रपति जो बाईडेन के साथ एक महत्वपूर्ण सम्मेलन में भाग लेने के लिए 2017 के बाद पहली बार अमेरिका का दौरा किया
- 19 दक्षिणपंथी उदारवादी जेवियर माइली अर्जेटीना के राष्ट्रपति चुने गए
- 22 गीर्ट वाइल्डर्स की दक्षिणपंथी 'पार्टी फॉर फ्रीडम' ने नीदरलैंड चुनाव में अधिकांश सीटें जीतीं

दिसंबर

- 13 दुबई में हुए COP28 जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन में ऐतिहासिक तौर पर पहली बार सभी देश जीवाश्म ईंधन से दूर जाने के समझौते पर सहमत हुए
- 18 अब्देल फतह अल सिसी तीसरी बार मिस्र के राष्ट्रपति चुने गये
- 22 इजरायल हमास युद्ध में गाजा में मरने वालों की संख्या 20 हजार के पार

KBK Infographics

कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर वैश्विक भागीदारी शिखर सम्मेलन

Global Partnership on Artificial Intelligence-GPAI Summit आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (AI) क्या है?

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (AI) से तात्पर्य कम्प्यूटर अथवा कम्प्यूटर द्वारा नियंत्रित रोबोट्स एवं मशीनों में मानव बुद्धि आधारित निर्णय लेने की क्षमता के समावेश से है। कम्प्यूटर नियंत्रित मशीनें अथवा रोबोट्स पहले से तय किए प्रोग्रामिंग के आधार पर ही कार्य करते हैं तथा कोई अलग परिस्थिति सामने आने पर मानव बुद्धि की तरह निर्णय नहीं ले सकते, किन्तु वर्तमान समय में कम्प्यूटर्स में तथा कम्प्यूटर नियंत्रित रोबोट्स में ऐसी बुद्धि का समावेश भी अब किया जाने लगा है जिसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence-AI) कहा जाता है। तमाम विकास होने के बावजूद आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस द्वारा वह सभी कार्य नहीं कराए/ किए जा सकते, जो मनुष्य अपनी बुद्धि से कर सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस 21वीं सदी में विकास एवं तबाही दोनों के लिए ही साधन बन सकता है। इसके लाभ व हानियों पर चर्चा आज का ज्वलंत विषय है।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर वैश्विक भागीदारी (GPAI) के तात्पर्य

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के प्रतिभागी देशों के एआई से सम्बन्धित अनुभवों एवं विविधता से जुड़ी चुनौतियों और अवसरों की बेहतर समझ विकसित करने की एक पहल के तहत आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर वैश्विक भागीदारी (Global Partnership for Artificial Intelligence-GPAI) की शुरुआत 15 संस्थापक सदस्यों द्वारा 15 जून, 2020 को की गई थी। इसका उद्देश्य एआई से जुड़ी प्राथमिकताओं पर अत्याधुनिक अनुसंधान एवं व्यावहारिक गतिविधियों में मदद करके एआई पर थ्योरी एवं प्रैक्टिस के बीच अन्तर को पाटना है। भारत इसके संस्थापक सदस्यों में है। वर्तमान में इसके 29 सदस्यों में यूरोपीय संघ व 28 देश शामिल हैं। टोकियो में नवम्बर 2022 में जीपीएआई के तीसरे शिखर सम्मेलन में भारत को 2022-23 के लिए इसका इनकमिंग सपोर्ट चेंबर चुना गया था, जबकि 12 दिसम्बर, 2023 से भारत 2023-24 के लिए इसका लीड चेंबर है तथा 2024-25 में यह इस समूह का हाउट गोंगिंग सपोर्ट चेंबर होगा।

12 दिसम्बर को नई दिल्ली में प्रगति मैदान में नवनिर्मित भारत मंडपम में जीपीएआई शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि एआई के साथ हम एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का विस्तार टेक्नोलॉजी के एक टूल से कहीं ज्यादा है। उन्होंने कहा कि एआई हमारे नए भविष्य को गढ़ने का सबसे बड़ा आधार बन रही है। भारत को एआई के रिसोर्सिबल व एथिकल उपयोग के लिए प्रतिबद्ध बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 'AI for All' की भावना से प्रेरित होकर सरकार की नीतियाँ व प्रोग्राम हमने तय किए हैं। हमारा प्रयास है कि सामाजिक विकास एवं समावेशी बुद्धि के लिए एआई की क्षमताओं का पूरा लाभ हम उठा सकें। इसके साथ ही यह चेतावनी भी प्रधानमंत्री ने दी कि एआई 21वीं सदी में विकास का सबसे बड़ा टूल बन सकता है, साथ ही 21वीं सदी को तबाह करने में भी सबसे बड़ी भूमिका निभा सकता है। इसी सन्दर्भ में डीप फेक (Deep Fake) की चुनौती को पूरी दुनिया के सामने बताते हुए साइबर सिक्योरिटी, डेटा थैफ्ट तथा आतंकियों के हाथ में एआई टूलस के जाने का भी बहुत बड़ा खतरा प्रधानमंत्री ने बताया। एआई के नैतिक उपयोग के लिए मिलकर ग्लोबल फेमवर्क बैठक करने की आवश्यकता उन्होंने बताई।

भारत की मेजबानी में 12-14 दिसम्बर, 2023 को आयोजित जीपीएआई शिखर सम्मेलन में एआई और सम्बन्धित विषय पर अनेक सत्र आयोजित किए गए। एक अनुसंधान संगोष्ठी, एआई गेमचेंजर्स अवार्ड तथा इंडिया एआई एक्सपो का आयोजन भी हुआ है। सदस्य देशों के 50 से अधिक विशेषज्ञों व 150 से अधिक वक्ताओं ने अपने विचार सम्मेलन में व्यक्त किए। इंटेल, रिलायंस जियो, गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट, भाषिनी आदि सहित विश्व के शीर्ष एआई गेमचेंजर्स ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया तथा अपने एआई मॉडल प्रदर्शित किए।

कीनिया के राष्ट्रपति विलियम रूटो की भारत यात्रा

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के निमंत्रण पर कीनिया के राष्ट्रपति विलियम समाई रूटो



नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ कीनिया के राष्ट्रपति विलियम समाई रूटो

(William Samoei Ruto) ने अपने देश के उच्चस्तरीय शिष्टमण्डल के साथ भारत की आधिकारिक यात्रा 4-6 दिसम्बर, 2023 को की। राष्ट्रपति के रूप में भारत की अपनी इस पहली ही यात्रा के लिए 4 दिसम्बर को वह नई दिल्ली पहुँचे। 6 वर्ष के अन्तराल के पश्चात् कीनिया के किसी राष्ट्रपति की भारत की यह यात्रा थी। राष्ट्रपति भवन में गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनका औपचारिक स्वागत 5 दिसम्बर को हुआ, जिसके पश्चात् प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ मेहमान राष्ट्रपति रूटो की द्विपक्षीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दे पर वार्ता हैदराबाद हाउस में हुई। दोनों देशों के हिन्द महासागर से जुड़े देश होने के नाते समुद्री सुरक्षा (Maritime Security), समुद्री डकैती (Piracy) एवं मादक

पदार्थों की तस्करी वार्ता में साझी प्राथमिकता के विषय रहे। आतंकवाद को मानवता के लिए गम्भीर चुनौती मानते हुए इसके विरुद्ध लड़ाई में आपसी सहयोग बढ़ाने का निर्णय वार्ता में किया गया। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को जनकल्याण के लिए इस्तेमाल करने पर भी विचार-विमर्श वार्ता में किया गया। इस क्षेत्र में भारत के सफल अनुभवों को कीनिया के साथ साझा करने को सहमति वार्ता में बनी। साझा सैन्य अभ्यासों के साथ-साथ दोनों देशों के रक्षा उद्योगों को भी आपस में जोड़ने पर बल वार्ता में दिया गया। कीनिया के ग्लोबल वायोफ्यूल्स एलायंस (GBA), इंटर-नेशनल बिग कैट एलायंस (IBCA) व इंटर-नेशनल सोलर एलायंस (ISA) से जुड़ने के निर्णय का भारत ने स्वागत किया। दोनों देशों के बीच बढ़ रहे व्यापार एवं निवेश पर चर्चा करते हुए आर्थिक सहयोग के पूरी क्षमता के लाभ उठाने के लिए नए अवसर तलाशने की सहमति दोनों पक्षों में रही। खेल, शिक्षा एवं सूचना प्रौद्योगिकी सहित कीनिया के लम्बी दूरी के धावक व मैराथन धावक जहाँ विश्व विख्यात हैं, वहीं भारत में क्रिकेट लोकप्रिय है। ऐसे में खेलों के क्षेत्र में आपसी सहयोग संवर्धन की प्रबल सम्भावनाएँ हैं। विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के 5 समझौतों पर हस्ताक्षर इस अवसर पर किए गए।

मेहमान राष्ट्रपति के साथ वार्ता के पश्चात् टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत ने अपनी विदेश नीति में हमेशा अफ्रीका को प्राथमिकता दी है तथा पिछले एक दशक में मिशन मोड में इस महाद्वीप के साथ अपने समग्र सम्बन्धों का विस्तार किया है। उन्होंने कहा कि अफ्रीकन यूनियन (AU) के जी-20 में शामिल होने के पश्चात् कीनियाई राष्ट्रपति के भारत दौरे से कीनिया के साथ-साथ अफ्रीकी संघ के साथ भारत के सम्बन्धों को नई मजबूती मिलेगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ वार्ता के पश्चात् उद्यमियों की एक बैठक में भी कीनियाई राष्ट्रपति ने भाग लिया। बाद में उसी शाम उनके सम्मान में रात्रिभोज की मेजबानी राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने की।

कीनियाई राष्ट्रपति एवं प्रतिनिधिमण्डल के स्वागत में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि कीनिया को अपना दूसरा घर मानने वाले लगभग 80 हजार भारतीय मूल के लोग हमारे सम्बन्धों की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि 2023 में दोनों देश राजनयिक सम्बन्धों की 60वीं वर्षगांठ यद्यपि मना रहे हैं, दोनों देशों के सम्बन्धों का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। मुम्बई और मोम्बासा को आपस में जोड़ता हुआ विशाल हिन्द महासागर दोनों देशों के प्राचीन सम्बन्धों का साक्षी रहा है। उन्होंने कहा कि भारत व कीनिया ऐसे देश हैं, जिनका अतीत भी साझा है और भविष्य भी।

अल्जीरिया, सिएरा लियोन, द. कोरिया, गुयाना व स्लोवेनिया 1 जनवरी, 2024 से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के नए अस्थायी सदस्य

अल्बानिया, ब्राजील, गेबॉन, घाना व संयुक्त अरब अमीरात (UAE) की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की 2 वर्षीय सदस्यता 31 दिसम्बर, 2023 को समाप्त हो गई है तथा इनके स्थान पर अब अल्जीरिया, सिएरा लियोन, द. कोरिया, गुयाना व स्लोवेनिया 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद् के नए अस्थायी सदस्य 1 जनवरी, 2024 से बने हैं। परिषद् की 2 वर्ष (2024-25) की सदस्यता के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा में इनका चुनाव 6 जून, 2023 को किया गया था। नए सदस्य बने इन देशों में अल्जीरिया व सिएरा लियोन को अफ्रीकी क्षेत्र से, द. कोरिया को एशिया प्रशांत क्षेत्र से तथा गुयाना को लैटिन अमरीकी व कैरीबियाई क्षेत्र से जहाँ निर्विरोध ही सुरक्षा परिषद् के लिए चुना गया है। वहीं पूर्वी यूरोप क्षेत्र की सीट के लिए स्लोवेनिया ने बेलारूस को 153-38 मतों के अन्तर से पराजित किया था।



- 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद् में यह 5 देश अल्बानिया, ब्राजील, गेबॉन, घाना व संयुक्त अरब अमीरात का स्थान लेंगे, जो 1 जनवरी, 2022 से सुरक्षा परिषद् के सदस्य बनाए गए थे तथा परिषद् में इनका 2 वर्षीय कार्यकाल 31 दिसम्बर, 2023 को पूरा हो गया।
- 1 जनवरी, 2024 से नए सदस्य बने उपर्युक्त 5 देशों के अतिरिक्त 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद् में 5 अन्य अस्थायी सदस्य जापान, ईक्वेडोर, माल्टा, मोजाम्बिक व स्विट्जरलैण्ड हैं। यह पाँचों देश सुरक्षा परिषद् के अस्थायी सदस्य जून 2022 में निर्वाचित हुए थे तथा परिषद् में उनका 2 वर्षीय कार्यकाल 1 जनवरी, 2023 से शुरू हुआ था। यह पाँचों देश 31 दिसम्बर, 2024 तक सुरक्षा परिषद् के सदस्य रहेंगे।
- 2024-25 के लिए नए पाँचों सदस्य पहले भी सुरक्षा परिषद् के अस्थायी सदस्य रह चुके हैं। अल्जीरिया को 3 बार, गुयाना व द. कोरिया को 2-2 बार तथा सिएरा लियोन व स्लोवेनिया को 1-1 बार यह अवसर पहले भी मिल चुका है।
- सुरक्षा परिषद् की 2 वर्ष की अस्थायी सदस्यता हेतु चयन आम सभा में दो-तिहाई मत (129 मत) प्राप्त करना आवश्यक होता है, भले ही सम्बन्धित देश का अपने क्षेत्र से निर्विरोध चुनाव हो रहा हो।
- जापान रिकॉर्ड 12 बार सुरक्षा परिषद् का अस्थायी सदस्य चुना जा चुका है, जबकि ब्राजील को 11 बार तथा भारत को 8 बार यह अवसर प्राप्त हुआ है। भारत अब 2028-29 के लिए भी सुरक्षा परिषद् की अस्थायी सीट के लिए दावेदार है। (भारत 1950-51, 1967-68, 1972-73, 1977-78, 1984-85, 1991-92, 2011-12 तथा 2021-22 के दौरान 8 बार 2-2 वर्ष के लिए सुरक्षा परिषद् का अस्थायी सदस्य रहा है।)

1 जनवरी, 2024 से 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद् की संरचना

- 5 स्थायी सदस्य—अमरीका, रूस, फ्रांस, ब्रिटेन व चीन।
- 5 अस्थायी सदस्य जिनकी द्विवर्षीय सदस्यता 31 दिसम्बर, 2024 को समाप्त होगी—जापान, ईक्वेडोर, माल्टा, मोजाम्बिक व स्विट्जरलैण्ड।
- 5 अस्थायी सदस्य जिनकी द्विवर्षीय सदस्यता 31 दिसम्बर, 2025 को समाप्त होगी—अल्जीरिया, सिएरा लियोन, गुयाना, द. कोरिया व स्लोवेनिया।

भारत के साथ हाइड्रोग्राफिक सर्वे समझौते को आगे नहीं बढ़ाने की मालदीव की घोषणा

भारत विरोधी विचारधारा रखने वाले मोहम्मद मोइज्जू (Mohammad Moijju) के मालदीव के नए राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार सँभालने के साथ ही भारत के साथ मालदीव के द्विपक्षीय सम्बन्धों पर प्रतिकूल प्रभाव परिलक्षित होने लगे हैं। चीन समर्थक माने-जाने वाले मोहम्मद मोइज्जू ने राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण करने के साथ ही मालदीव से अपनी सेनाएं हटाने का अनुरोध भारत सरकार से नवम्बर 2023 में किया था। इसके एक माह के भीतर ही भारत को एक और झटका देते हुए मालदीव ने दिसम्बर 2023 में कहा है कि वह भारत के साथ किए गए हाइड्रोग्राफिक सर्वे समझौते

को आगे नहीं बढ़ाएगा। जल विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग और खोज के लिए दोनों देश के बीच यह समझौता जून 2019 में हुआ था, जो 7 जून, 2024 को समाप्त हो रहा है। लगातार भारत विरोधी रुख दिखा रही मोहम्मद मोइज्जू सरकार ने इसे रद्द करने का फैसला किया है।

मालदीव के नए मंत्रिमण्डल की 15 दिसम्बर, 2023 की एक बैठक के पश्चात् उपर्युक्त आशय की जानकारी पत्रकारों को देते हुए मोइज्जू कैबिनेट के एक मंत्री ने कहा कि मालदीव के राष्ट्रपति और उनके मंत्रिमण्डल ने भारत-मालदीव के बीच हाइड्रोग्राफी समझौते को नवीनीकृत नहीं करने का फैसला किया है।

उल्लेखनीय है कि हाइड्रोग्राफिक सर्वे समझौते पर हस्ताक्षर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मालदीव यात्रा के दौरान 8 जून, 2019

को किए गए थे। हाइड्रोग्राफिक सर्वे के जरिए समुद्री नेविगेशन, निर्माण, तेल अन्वेषण सम्बन्धित जानकारियाँ जुटाई जाती हैं। समझौते की शर्तों के अनुसार दोनों में से कोई भी एक पक्ष जून 2024 में समाप्त होने से छह महीने पहले वर्तमान समझौते को नवीनीकृत नहीं करने का निर्णय ले सकता है।

अब्देल फतह अल सीसी लगातार तीसरे कार्यकाल हेतु मिस्र के राष्ट्रपति निर्वाचित

वर्ष 2014 से मिस्र में राष्ट्रपति पद पर रहे अब्देल फतह अल सीसी (Abdel Fattah El-Sisi) लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए मध्य पूर्व के सबसे अधिक जनसंख्या वाले



अब्देल फतह अल सीसी : लगातार तीसरे कार्यकाल हेतु मिस्र के राष्ट्रपति

इस देश के राष्ट्रपति दिसम्बर 2023 में निर्वाचित हुए हैं। 10-12 दिसम्बर को इस पद के लिए वहाँ हुए मतदान में 89-6 प्रतिशत मत अल सीसी को प्राप्त हुए। इससे वह लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए छह वर्ष और सत्ता में रहेंगे। सेना में जनरल रहे अल सीसी ने पहली बार 2014 में व पुनः 2018 में चुनाव जीता था। निरंकुश शासन करते रहे अल सीसी ने 97 प्रतिशत मत 2018 के चुनाव में प्राप्त किए थे, जिसके बाद 2019 में संविधान संशोधन के जरिए राष्ट्रपति के कार्यकाल को चार वर्ष से बढ़ा-कर छह वर्ष कर दिया गया था।

2023 के ताजा चुनाव में राष्ट्रपति अल सीसी को किसी गम्भीर चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा। मिस्र की धीमी अर्थव्यवस्था को लेकर लोगों में यद्यपि असंतोष था, किन्तु गाजा में लड़ाई छिड़ जाने से राष्ट्रपति को इससे निपटने में सफलता मिली। गाजा के संघर्ष ने भी मतदाताओं को राष्ट्रपति अल सीसी की इस सोच के साथ फिर से वोट देने के लिए प्रेरित किया कि इससे हिंसा प्रभावित क्षेत्र में देश की स्थिरता को बल मिलेगा। राष्ट्रपति के रूप में अल सीसी का तीसरा कार्यकाल अप्रैल 2024 में प्रारम्भ होगा।

ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक की भारत यात्रा

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के निमंत्रण पर ओमान के शासक सुल्तान हैथम बिन तारिक (Sultan Haitham bin Tarik) ने अपने देश के उच्चस्तरीय शिष्टमंडल के साथ भारत की राजकीय यात्रा 15-17 दिसम्बर, 2023 को की थी। उनकी कैबिनेट के वरिष्ठ मंत्रियों के अतिरिक्त ओमान के उच्चाधिकारियों एवं उद्यमियों का दल भी इस यात्रा पर उनके साथ था। 2020 में ओमान की राजगद्दी संभालने के पश्चात् उनकी भारत की यह पहली ही यात्रा थी। उल्लेखनीय है कि यह यात्रा विशेष महत्व रखती है, क्योंकि यह 1997 में तत्कालीन महामहिम सुल्तान काबूस की यात्रा के बाद 25 वर्षों में किसी ओमानी शासक की पहली भारत की यात्रा है।



हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ वार्ता के लिए ओमान के सुल्तान

तीन दिन की इस यात्रा पर 15 दिसम्बर को नई दिल्ली पहुँचने पर हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी विदेश राज्य मंत्री एम. मुरलीधरन ने की। अगले दिन राष्ट्रपति भवन में गार्ड ऑफ ऑनर के साथ औपचारिक स्वागत के पश्चात् प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ ओमान के सुल्तान की महत्वपूर्ण वार्ता हैदराबाद हाउस में सम्पन्न हुई। मेहमान सुल्तान के सम्मान में दोपहर भोज की मेजबानी भी श्री मोदी ने की। सुरक्षा, रक्षा, व्यापार, सांस्कृतिक लोगों से लोगों के बीच के सम्बन्ध व अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर ध्यान वार्ता में केन्द्रित किया गया। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार जो 2020-21 में 5.4 अरब डॉलर का था तथा जो बढ़कर 2022-23 में 12.3 अरब डॉलर का रहा, की प्रगति पर दोनों शासन प्रमुखों ने संतोष व्यक्त किया। व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (Comprehensive Economic Partnership Agreement—CEPA) के लिए दोनों देशों के बीच चल रही वार्ता की समीक्षा भी वार्ता में की गई। अक्टूबर 2022 में ओमान में भारत का रुपये डेबिट कार्ड लॉन्च किया गया था। नागरिक उड्डयन व एयर कनेक्टिविटी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने में रुचि दोनों पक्षों

ने व्यक्त की। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने, विशेषतः आयुर्वेद के क्षेत्र में सहयोग सम्बन्धन में रुचि ओमान की ओर से व्यक्त की गई। रिमोट सेंसिंग, उपग्रह प्रक्षेपण तथा संचार के क्षेत्रों में सहयोग के विस्तार पर बल वार्ता में दिया गया। दोनों देशों के बीच पर्यटन के क्षेत्र में विस्तार के प्रति प्रतिबद्धता दोनों पक्षों ने व्यक्त की। दोनों देशों के बीच समुद्री व्यापार के इतिहास को देखते हुए आकर्षक समुद्री यात्राओं के भारत के प्रस्ताव का ओमान की ओर से स्वागत किया गया। मांडवी (गुजरात) से मस्कट (ओमान) के बीच ऐसी पहली यात्रा 2025-26 में सम्भावित है। ओमान में रह रहे 7 लाख से अधिक भारतीय प्रवासियों की समुचित देखरेख के लिए भारत की ओर से प्रशंसा जहाँ की गई, वहीं ओमान के विकास में प्रवासी भारतीयों के योगदान की सराहना ओमान पक्ष ने की।



राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के साथ ओमान के सुल्तान

इजरायल हमस युद्ध सहित क्षेत्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचार दोनों पक्षों ने साझा किए। क्षेत्रीय शान्ति को महत्व प्रदान करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय नियमों के अनुपालन सभी राष्ट्रों की सम्प्रभुता के सम्मान तथा अन्य राष्ट्रों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने पर बल दोनों पक्षों ने दिया। विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के 8 समझौता ज्ञापनों (MOUs) एवं समझौतों पर हस्ताक्षर वार्ता के पश्चात् किए गए। दोनों देशों के बीच सहयोग सम्बन्धन के लिए भविष्य के लिए साझेदारी (A Partnership for the Future) शीर्षक से एक साझा दस्तावेज, जिसमें भारत के 'अमृत काल विजन' और 'ओमान विजन 2040' का समावेश है, को इस अवसर पर स्वीकार किया गया। इन्वेस्ट इंडिया में एक ओमान डेस्क और इन्वेस्ट ओमान में एक इंडिया डेस्क बनाने पर सहमति साथ ही भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् की 'हिन्दी पीठ' की स्थापना की घोषणा।

मेहमान सुल्तान के सम्मान में रात्रिभोज की मेजबानी राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने की। इस अवसर पर वार्ता में दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि ओमान के सुल्तान की भारत की यह यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय सम्बन्धों को और मजबूत करने, क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने तथा सहयोग एवं प्रगति के एक नए युग की शुरुआत के लिए ठोस आधार के रूप में काम करेगी।

ओमान के साथ भारत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व आर्थिक सम्बन्धों का पुराना इतिहास है। दोनों देशों के बीच राजनयिक सम्बन्ध 1955 में स्थापित हुए थे तथा द्विपक्षीय सम्बन्धों का सामरिक सम्बन्धों में प्रोन्नयन नवम्बर 2008 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की ओमान यात्रा के दौरान किया गया था। खाड़ी क्षेत्र में ओमान ही भारत के साथ सबसे घनिष्ठ रक्षा सम्बन्ध वाला देश है। पश्चिम एशिया में ओमान ही अकेला ऐसा देश है, जिसके साथ भारत की तीनों सेनाएं अलग-अलग द्विपक्षीय अभ्यास एवं वार्ता सम्पन्न करती हैं। उदाहरण के लिए 'अल नजाह', 'ईस्टर्न ब्रिज' और नसीम अल बह आदि।

द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (Comprehensive Economic Partnership Agreement—CEPA) के लिए दोनों देशों के बीच वार्ता प्रगति पर है। आपसी सम्बन्धों की घनिष्ठता एवं महत्व को देखते हुए ही भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन में मेहमान देश के रूप में भाग लेने के लिए ओमान को विशेष निमंत्रण प्रेषित किया था।



UPKAR'S Just Released

Bare Acts for Civil Judge

(Junior Division)

Code 3060 ₹ 380.00

By : Raman V. .
Law of Contract

Criminal Procedure Code

Indian Evidence Act

Civil Procedure Code

Indian Penal Code

Transfer of Property Act

Indian Constitution

International Organizations

UPKAR PRAKASHAN

• E-mail : sales@upkar.in • Website : www.upkar.in



अनाज की 100 प्रतिशत पैकिंग जूट की बोरियों में ही करना अनिवार्य

- 2018-19 से 2022-23 के दौरान देश में अन्तर्देशीय मत्स्य उत्पादन में 34.9 प्रतिशत की वृद्धि
- अनाज की 100 प्रतिशत पैकिंग जूट की बोरियों में ही करना अनिवार्य
- प्रमुख राज्यों में बागवानी उत्पादन
- मौद्रिक नीति की 2023-24 की पाँचवीं द्वैमासिक समीक्षा में भी रेपो दर अपरिवर्तित
- वंदे भारत के बाद अब अमृत भारत रेलगाड़ियाँ
- रहन सहन की लागत में सिंगापुर व ज्यूरिख का विश्व में पहला स्थान : इकोनॉमिक इंटेलीजेंस यूनिट की रिपोर्ट
- वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन एजेंसी का 27वाँ विश्व निवेश सम्मेलन नई दिल्ली में सम्पन्न
- बिहार में दीघा व सोनपुर के बीच गंगा नदी पर सिक्स लेन पुल को मंजूरी
- ₹ 2000 मूल्य के 97-26 प्रतिशत करेंसी नोट 30 नवम्बर, 2023 तक रिजर्व बैंक को वापस : आरबीआई रिपोर्ट
- सत्र 2024 हेतु कोपरा के नए न्यूनतम समर्थन मूल्य
- विदेशों से सम्प्रेषित धन प्राप्तियों में भारत का पहला स्थान : विश्व बैंक रिपोर्ट
- 2023 के अंत में आरबीआई के पास आरक्षित विदेशी मुद्रा कोष 21 माह के सर्वोच्च स्तर पर (22 दिसम्बर, 2023 की स्थिति के अनुसार)

2018-19 से 2022-23 के दौरान देश में अन्तर्देशीय मत्स्य उत्पादन में 34.9 प्रतिशत की वृद्धि

देश में मत्स्य उत्पादन में वृद्धि के लिए केन्द्र सरकार के मत्स्य पालन विभाग द्वारा शुरू किए गए विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रोत्साहनों के चलाने 2018-19 से 2022-23 के दौरान देश में अन्तर्देशीय मत्स्य उत्पादन (Inlands Fish Production) में 34.9 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है. केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री परशोत्तम रूपाला द्वारा राज्य सभा में 8 दिसम्बर, 2023 को प्रदत्त एक जानकारी के अनुसार 2018-19 में देश में अन्तर्देशीय मत्स्य उत्पादन 97.20 लाख टन था, जो बढ़ कर 2022-23 में 131.13 लाख टन रहा है. इस प्रकार इस अवधि में 34.9 प्रतिशत की वृद्धि अन्तर्देशीय मत्स्य उत्पादन में हुई.

केन्द्र सरकार के मत्स्य पालन, पशु पालन एवं डेयरी मंत्रालय के आँकड़ों के अनुसार हाल ही के इन पाँच वर्षों में देश में अन्तर्देशीय मत्स्य उत्पादन निम्नलिखित रहा है—

| वर्ष | अन्तर्देशीय मछली उत्पादन | वार्षिक वृद्धि (प्रतिशत) |
|---------|--------------------------|--------------------------|
| 2018-19 | 97.2 | 8.62 |
| 2019-20 | 104.37 | 7.37 |
| 2020-21 | 112.49 | 7.8 |
| 2021-22 | 121.21 | 7.76 |
| 2022-23 | 131.13 | 8.18 |

कृषि मंत्रालय की 8 दिसम्बर, 2023 की विज्ञप्ति में बताया गया है कि मंत्रालय द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं यथा— प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (PMMSY), सतत् प्रयासों से नीली क्रांति लाने की योजना तथा मछुआरों व मछली किसानों की पूँजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) का मत्स्य पालनों के लिए विस्तार आदि देश में मत्स्य उत्पादन वृद्धि में सहायक रही हैं.

जूट उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जूट पैकेजिंग सामग्री अधिनियम (Jute Packaging Material Act), 1987 के तहत अनाजों की 100 प्रतिशत पैकिंग जूट की बोरियों में ही करने के प्रावधान को 2023-24 के लिए भी बरकरार रखा गया है. 2023-24 के लिए इस आशय का निर्णय आर्थिक मामलों पर मंत्रिमण्डलीय समिति (CCEA) की प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में 8 दिसम्बर, 2023 की बैठक में बरकरार रखा गया. इस निर्णय के अनुसार अनाजों की 100 प्रतिशत पैकिंग जूट की बोरियों में ही करनी होगी, जबकि चीनी के मामले में 20 प्रतिशत पैकिंग जूट की बोरियों में ही किया जाना बरकरार रखा गया है. वर्ष 2018 तक अनाज की 90 प्रतिशत पैकिंग ही जूट बैग्स में करना अनिवार्य था. चीनी के मामले में यह अनिवार्यता 20 प्रतिशत की ही थी, अनाजों की 100 प्रतिशत पैकिंग जूट की बोरियों में ही करने की अनिवार्यता का निर्णय नवम्बर 2018 में किया गया था.

उल्लेखनीय है कि जूट पैकेजिंग सामग्री अधिनियम के प्रावधान देश में कच्चे जूट और जूट पैकेजिंग सामग्री के घरेलू उत्पादन के हितों की रक्षा करते हैं. पैकेजिंग सामग्री में जूट पैकेजिंग के लिए आरक्षण से देश में उत्पादित कच्चे जूट (2022-23 में) के लगभग 65 प्रतिशत हिस्से की खपत होती है. इस प्रकार जेपीएम अधिनियम के प्रावधान को लागू करके, सरकार जूट मिलों व सहायक इकाइयों में कार्यरत 4 लाख श्रमिकों को राहत प्रदान करती है और साथ ही लगभग 40 लाख किसान परिवारों की आजीविका में सहायता करती है. इसके अलावा, यह पर्यावरण की रक्षा में मदद करता है, क्योंकि जूट प्राकृतिक, जैविक रूप से अपघटित होने योग्य, नवी-करणीय एवं पुनः उपयोग योग्य रेशा है और इसलिए यह टिकाऊ होने के सभी मानकों को पूरा करता है.

जेपीएम अधिनियम के तहत पैकेजिंग के लिए आरक्षण सम्बन्धी मानदण्ड जूट के क्षेत्र में 4 लाख श्रमिकों और 40 लाख किसानों को सीधे रोजगार प्रदान करते हैं. जूट उद्योग के कुल उत्पादन का 75 प्रतिशत हिस्सा जूट के थैले (Bags) हैं, जिसमें से 85 प्रतिशत हिस्से की आपूर्ति भारतीय खाद्य निगम एवं राज्य खरीद एजेंसियों को की जाती है और शेष को सीधे निर्यात/बेचा जाता है. एजेंसियों को पैकेजिंग हेतु आपूर्ति के लिए प्रतिवर्ष लगभग, ₹ 12,000 करोड़ के जूट बैग भारत सरकार द्वारा ही खरीदे

जाते हैं, जो जूट उत्पादों के लिए सुनिश्चित बाजार की गारंटी प्रदान करता है।

प्रमुख राज्यों में बागवानी उत्पादन

केन्द्र सरकार व राज्य सरकारों की सक्रिय नीतियों व पहलों तथा फसल उत्पादन की बेहतर प्रौद्योगिकी व प्रबंधन प्रथाओं के चलते देश में विगत एक दशक में (2013-14 से 2023-24 के दौरान) खाद्यान्न उत्पादन के साथ-साथ बागवानी उत्पादन (Horticulture Production) में भी निरन्तर वृद्धि दर्ज की गई है। कृषि मंत्रालय द्वारा लोक सभा में एक जानकारी देते हुए 12 दिसम्बर, 2023 को बताया गया कि 2014-15 में देश में खाद्यान्नों का कुल उत्पादन 253.03 मिलियन

टन था, जो बढ़ कर 2022-23 में 329.69 मिलियन टन हो गया। इसी के साथ बागवानी उत्पादन, जिसमें फलों, सब्जियों, फूलों आदि का उत्पादन शामिल है, 2022-23 में 351.92 मिलियन टन (दूसरे अग्रिम अनुमान) रहा है, जो कि खाद्यान्न उत्पादन से भी अधिक है।

कृषि मंत्रालय द्वारा इसके साथ ही लोक सभा में बताया गया कि सब्जियों व फलों का उत्पादन के मामले में भारत का विश्व में दूसरा स्थान है, जबकि केला, पपीता, नींबू व भिण्डी आदि कई फसलों के उत्पादन में देश पहले स्थान पर है।

देश के प्रमुख राज्यों में विगत 10 वर्षों में बागवानी उत्पादन में हुई वृद्धि के आँकड़े तालिका में दर्शाए गए हैं।

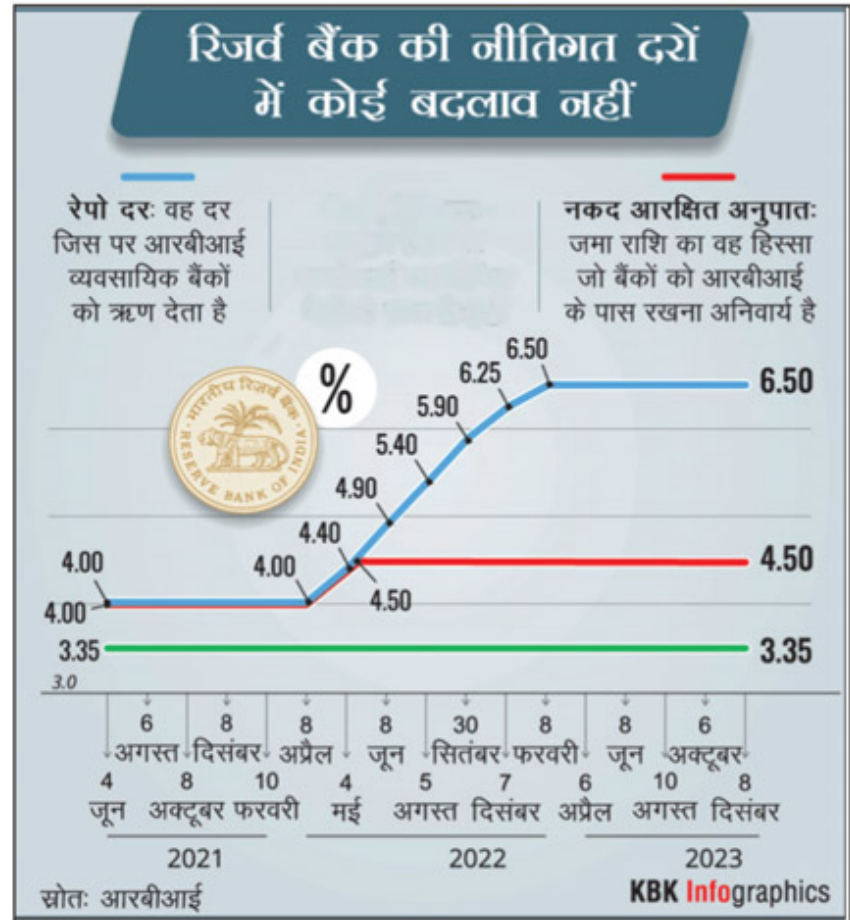
मौद्रिक नीति की 2023-24 की पाँचवीं द्वैमासिक समीक्षा में भी रेपो दर अपरिवर्तित

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान लगातार 6 द्वैमासिक समीक्षाओं में रेपो दर में वृद्धियों से मुद्रास्फीति पर काबू पाने के पश्चात् इस वर्ष 2023-24 में दिसम्बर 2023 तक लगातार पाँच द्वैमासिक समीक्षाओं में रेपो दर व अन्य प्रमुख बैंकिंग दरों में कोई परिवर्तन आरबीआई

ने नहीं किया है। वर्ष 2023-24 की 6 अप्रैल, 2023 की पहली, 8 जून की दूसरी, 10 अगस्त की तीसरी तथा 6 अक्टूबर, 2023 की चौथी द्वैमासिक समीक्षा में रेपो दर को स्थिर रखने के पश्चात् 8 दिसम्बर, 2023 की पाँचवीं द्वैमासिक समीक्षा में भी रेपो दर को रिजर्व बैंक ने अपरिवर्तित रखा है, जिससे यह नीतिगत दर अभी 6.50 प्रतिशत ही बनी हुई है। रेपो दर में कोई परिवर्तन न होने से अन्य सम्बद्ध दरों में भी कोई परिवर्तन दिसम्बर 2023 में नहीं हुआ है, जिससे बैंक दर व सीमान्त स्थायी सुविधा दर (Marginal Standing Facility Rate) 6.75-6.75 प्रतिशत के अपने पूर्व स्तर पर ही बने हुए हैं। स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी दर भी 6.25 प्रतिशत के पूर्व स्तर पर बरकरार है। रिवर्स रेपो दर (3.35 प्रतिशत), नकद आरक्षण अनुपात (4.50 प्रतिशत) तथा सांविधिक तरलता अनुपात (18.00 प्रतिशत) में भी कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। मुद्रास्फीति की दर को 4 ± 2 प्रतिशत के लक्षित स्तर में ही बनाए रखने को मौद्रिक नीति में पहली प्राथमिकता दी गई है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में मुद्रास्फीति 5.2 प्रतिशत के स्तर पर रहने का अनुमान आरबीआई ने पहली द्वैमासिक समीक्षा में अप्रैल 2023 में व्यक्त किया था, जिसे घटाकर 5.1 प्रतिशत आरबीआई ने जून 2023

| राज्यों में बागवानी उत्पादन | | |
|-----------------------------|---------------|-------------------------------|
| उत्पादन (मिलियन टन) | | |
| राज्य/केन्द्र-शासित क्षेत्र | 2013-14 | 2022-23 (दूसरे अग्रिम अनुमान) |
| आन्ध्र प्रदेश | 20.97 | 27.69 |
| अरुणाचल प्रदेश | 0.53 | 0.19 |
| असम | 5.55 | 6.90 |
| बिहार | 19.24 | 23.20 |
| छत्तीसगढ़ | 7.53 | 9.50 |
| गुजरात | 20.81 | 25.64 |
| हरियाणा | 6.29 | 6.48 |
| हिमाचल प्रदेश | 2.56 | 2.70 |
| जम्मू-कश्मीर | 3.48 | 4.43 |
| झारखण्ड | 5.17 | 5.58 |
| कर्नाटक | 18.69 | 19.78 |
| केरल | 10.89 | 10.45 |
| मध्य प्रदेश | 19.78 | 37.29 |
| महाराष्ट्र | 24.27 | 29.98 |
| मणिपुर | 0.81 | 0.91 |
| मेघालय | 0.98 | 1.04 |
| मिजोरम | 0.84 | 0.71 |
| नगालैण्ड | 0.95 | 0.88 |
| ओडिशा | 12.17 | 13.48 |
| पंजाब | 5.58 | 9.09 |
| राजस्थान | 2.50 | 4.46 |
| सिक्किम | 0.23 | 0.33 |
| तमिलनाडु | 21.97 | 21.35 |
| तेलंगाना | 8.73 | 3.77 |
| त्रिपुरा | 1.62 | 1.78 |
| उत्तर प्रदेश | 25.79 | 46.21 |
| उत्तराखण्ड | 1.75 | 1.79 |
| प. बंगाल | 26.68 | 35.48 |
| अन्य | 1.03 | 0.85 |
| योग | 277.35 | 351.92 |



में तथा 5-4 प्रतिशत अगस्त व अक्टूबर 2023 में किया था. अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति व उसे प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों को देखते हुए 2023-24 में मुद्रा-स्फीति 5-4 प्रतिशत ही रहने का आरबीआई का ताजा 8 दिसम्बर, 2023 का अनुमान है. 2023-24 की तीसरी तिमाही Q₃ में यह 5-6 प्रतिशत तथा चौथी अन्तिम तिमाही Q₄ में यह 5-2 प्रतिशत रहने का रिजर्व बैंक का अनुमान है. अगले वित्तीय वर्ष 2024-25 में मानसून सामान्य मानते हुए इसकी (2024-25 की) पहली तीन तिमाहियों में यह क्रमशः 5-2 प्रतिशत, 4-0 प्रतिशत तथा 4-7 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने 6 दिसम्बर की समीक्षा में व्यक्त किया है.

वित्तीय वर्ष 2023-24 में देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 6-4 प्रतिशत वृद्धि का पूर्वानुमान रिजर्व बैंक ने फरवरी 2023 में द्वैमासिक समीक्षा के समय व्यक्त किया जिसे बढ़ाकर 6-5 प्रतिशत अप्रैल 2023 में आरबीआई ने किया था तथा जून, अगस्त व अक्टूबर 2023 में भी यही अनुमान बरकरार रखा था. ताजा परिस्थितियों में इस अनुमान को 6-5 प्रतिशत से बढ़ा कर 7-0 प्रतिशत हुआ. आरबीआई ने 8 दिसम्बर, 2023 को किया है. इस वित्तीय वर्ष की 2023-24 की तीसरी तिमाही Q₃ में जीडीपी में वृद्धि 6-5 प्रतिशत तथा चौथी तिमाही Q₄ में यह 6-0 प्रतिशत रहने का आरबीआई का ताजा अनुमान है. 2024-25 की पहली तीन तिमाहियों Q₁, Q₂ व Q₃ में जीडीपी में वृद्धि क्रमशः 6-7 प्रतिशत, 6-4 प्रतिशत व 6-5 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान 8 दिसम्बर, 2023 की समीक्षा में आरबीआई ने व्यक्त किया है.

मौद्रिक नीति की 2023-24 की छठी द्वैमासिक समीक्षा के लिए मौद्रिक नीति समिति

(MPC) की आगामी बैठक 6-8 फरवरी, 2024 को होगी. इससे मौद्रिक नीति की अगली द्वैमासिक समीक्षा (2023-24 की छठी द्वैमासिक समीक्षा) 8 फरवरी, 2024 को जारी की जाएगी.

वंदे भारत के बाद अब अमृत भारत रेलगाड़ियाँ

मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की श्रेणी में एक और नई रेलगाड़ी का प्रचालन रेलवे ने दिसम्बर 2023 में शुरू किया है. अत्याधुनिक वंदे भारत एक्सप्रेस की तर्ज पर अब आम यात्रियों की सुविधा के लिए 22 कोचों वाली इस रेलगाड़ी को वंदे साधारण कहा जा रहा है तथा औपचारिक रूप से इन्हें अमृत भारत एक्सप्रेस नाम दिया गया है. अयोध्या व दरभंगा के बीच ऐसी पहली रेलगाड़ी को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 दिसम्बर, 2023 को झंडी दिखाकर रवाना किया. साथ ही एक अन्य अमृत भारत रेलगाड़ी बंगलूरु व मालदा को भी वर्चुअल तरीके से हरी झण्डी उन्होंने दिखाई. 22 कोच वाली इस मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ी में द्वितीय श्रेणी तथा स्लीपर श्रेणी के कोचों का प्रावधान किया गया है. पुश-पुल तकनीक पर चलने वाली इस रेलगाड़ी में दोनों छोरों पर लोकोमोटिव लगाया गया है. पुश-पुल तकनीक के तहत एक इंजन आगे रहते हुए रेलगाड़ी को खींचता है, जबकि दूसरा रेलगाड़ी को पीछे से धकेलता है. यह रेलगाड़ियाँ 130 किमी प्रति घण्टा की गति से चल सकती हैं.

अन्य मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की तुलना में अमृत भारत रेलगाड़ियों के कोचों को अधिक आरामदायक व आकर्षक बनाया गया है. इन रेलगाड़ियों में यात्री किराया अन्य मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की तुलना में

15-17 प्रतिशत अधिक रखा गया है. रियायती टिकट तथा मुफ्त पास से बने टिकट अमृत भारत एक्सप्रेस में स्वीकार्य नहीं होंगे.

रहन सहन की लागत में सिंगापुर व ज्यूरिख का विश्व में पहला स्थान : इकोनॉमिक इंटेलीजेंस यूनिट की रिपोर्ट

रहन सहन की लागत के आधार पर विश्व के सबसे महँगे शहरों की सूची का निर्धारण इकोनॉमिस्ट इंटेलीजेंस यूनिट (EIU) द्वारा किया जाता है. इस शृंखला में 173 प्रमुख शहरों के लिए रहन सहन की लागत ईआईयू की वर्ष 2023 की वर्ल्ड वाइड कॉस्ट ऑफ लिविंग रिपोर्ट (World Wide Cost of Living 2023) रिपोर्ट 30 नवम्बर, 2023 को जारी की गई, जिसमें विश्व के 173 प्रमुख शहरों को रहन-सहन की लागत के आधार पर रैंकिंग प्रदान की गई है. 200 से अधिक वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्यों के आधार पर यह रैंकिंग प्रदान की गई है. वर्ष 2023 की इस रिपोर्ट में रहन सहन की लागत की दृष्टि से सिंगापुर व ज्यूरिख (Zurich) को संयुक्त रूप से पहले स्थान पर दर्शाया गया है. स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख शहर ने रहन सहन की लागत के मामले में न्यूयॉर्क, जेनेवा व हॉंगकॉंग को पीछे छोड़ दिया है. वर्ष 2022 की रैंकिंग में ज्यूरिख छठे स्थान पर था. सिंगापुर ने पिछले 11 वर्षों में 9वाँ बार सबसे महँगे, शहर के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है.

इकोनॉमिस्ट इंटेलीजेंस यूनिट की वर्ष 2023 की रिपोर्ट के अनुसार सबसे महँगे शहरों में सिंगापुर व ज्यूरिख के पश्चात् तीसरा संयुक्त स्थान जेनेवा व न्यूयॉर्क का है. वर्ष 2022 की रिपोर्ट में न्यूयॉर्क सिंगापुर के साथ

2022-23 व 2023-24 में प्रमुख बैंकिंग दरें (प्रतिशत)

| | 2022-23 | | | | | | | 2023-24 | | | | |
|---------------------------------------|--------------------------|----------------------|-----------------------|-------------------------|----------------------------|---------------------------|-------------------------|--------------------------|-----------------------|--------------------------|---------------------------|---------------------------|
| | 8 अप्रैल, 2022 की स्थिति | 4 मई, 2022 की स्थिति | 8 जून, 2022 की स्थिति | 5 अगस्त, 2022 की स्थिति | 30 सितम्बर, 2022 की स्थिति | 7 दिसम्बर, 2022 की स्थिति | 8 फरवरी, 2023 की स्थिति | 6 अप्रैल, 2023 की स्थिति | 8 जून, 2023 की स्थिति | 10 अगस्त, 2023 की स्थिति | 6 अक्टूबर, 2023 की स्थिति | 8 दिसम्बर, 2023 की स्थिति |
| रेपो दर | 4-00 | 4-40 | 4-90 | 5-40 | 5-90 | 6-25 | 6-50 | 6-50 | 6-50 | 6-50 | 6-50 | 6-50 |
| रिवर्स रेपो दर | 3-35 | 3-35 | 3-35 | 3-35 | 3-35 | 3-35 | 3-35 | 3-35 | 3-35 | 3-35 | 3-35 | 3-35 |
| स्टैंडिंग डिपॉज़िट फैसिलिटी (SDF) रेट | 3-75 | 4-15 | 4-65 | 5-15 | 5-65 | 6-00 | 6-25 | 6-25 | 6-25 | 6-25 | 6-25 | 6-25 |
| मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (MSF) रेट | 4-25 | 4-65 | 5-15 | 5-65 | 6-15 | 6-50 | 6-75 | 6-75 | 6-75 | 6-75 | 6-75 | 6-75 |
| बैंक रेट | 4-25 | 4-65 | 5-15 | 5-65 | 6-15 | 6-50 | 6-75 | 6-75 | 6-75 | 6-75 | 6-75 | 6-75 |
| नकद आरक्षण अनुपात (CRR) सांविधिक | 4-00 | 4-50* | 4-50 | 4-50 | 4-50 | 4-50 | 4-50 | 4-50 | 4-50 | 4-50 | 4-50 | 4-50 |
| तरलता अनुपात | 18-00 | 18-00 | 18-00 | 18-00 | 18-00 | 18-00 | 18-00 | 18-00 | 18-00 | 18-00 | 18-00 | 18-00 |

* यह दर 21 मई, 2022 से 4-50 प्रतिशत की गई थी.

संयुक्त रूप से पहले स्थान पर था. हॉंगकॉंग, जो 2022 में चौथे स्थान पर था, 2023 की रिपोर्ट में पाँचवें स्थान पर दर्शाया गया है.

कॉस्ट ऑफ लिविंग (2023) रिपोर्ट के अनुसार विश्व के सबसे महँगे 10 शहर

| रैंक | शहर |
|------|--------------------------|
| 1 | सिंगापुर (सिंगापुर) |
| 1 | ज्यूरिख (स्विट्जरलैण्ड) |
| 3 | जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड) |
| 3 | न्यूयॉर्क (अमरीका) |
| 5 | हॉंगकॉंग (हॉंगकॉंग, चीन) |
| 6 | लॉस एंजिल्स (अमरीका) |
| 7 | पेरिस (फ्रांस) |
| 8 | कोपेनहेगन (डेनमार्क) |
| 9 | तेल अवीव (इजराइल) |
| 10 | सैन फ्रांसिस्को (अमरीका) |

इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट के वर्ष 2023 के सर्वे में जिन 173 शहरों को शामिल किया गया है, उनमें सबसे सस्ता शहर सीरिया का दमिश्क है, जिसे 173वाँ स्थान रैंकिंग में दिया गया है. उससे 3 स्थान पहले 170वें स्थान पर पाकिस्तान का कराची है. भारत के दो शहर चेन्नई व अहमदाबाद इन 173 शहरों में सबसे कम रहन सहन की लागत वाले शहरों में शामिल हैं. इनमें चेन्नई 163वें तथा अहमदाबाद 166वें स्थान पर है. इन 10 शहरों की सूची निम्नलिखित है—

सबसे कम रहन सहन की लागत वाले 10 शहर

(ईआईयू के घयनित 173 शहरों में रैंक)

| रैंक | शहर |
|------|-----------------------------|
| 163 | ब्यूनेस आयर्स (अर्जेन्टीना) |
| 163 | चेन्नई (भारत) |
| 165 | लागोस (नाइजीरिया) |
| 166 | अहमदाबाद (भारत) |
| 167 | लुसाका (जाम्बिया) |
| 168 | ट्यूनिस (ट्यूनीशिया) |
| 169 | ताशकंद (उज्बेकिस्तान) |
| 170 | कराची (पाकिस्तान) |
| 171 | त्रिपोली (लीबिया) |
| 172 | तेहरान (ईरान) |
| 173 | दमिश्क (सीरिया) |

विभिन्न शहरों में रहन सहन की लागत के लिए ईआईयू का यह सर्वेक्षण इजराइल-हमास युद्ध से पहले का है. इस युद्ध के कारण तेल अवीव या अन्य शहरों में वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमतों पर आए प्रभाव इसमें समाहित नहीं हैं.

वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन एजेंसी का 27वाँ विश्व निवेश सम्मेलन नई दिल्ली में सम्पन्न

वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन एजेंसी (WAIPA) के 27वें विश्व निवेश सम्मेलन (World Investment Conference) का आयोजन नई दिल्ली में इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एण्ड एक्सपो सेंटर—यशोभूमि में 11-14 दिसम्बर, 2023 को हुआ. भारत सरकार की राष्ट्रीय निवेश सम्बर्द्धन और सुविधा एजेंसी (National Investment Promotion and Facilitation Agency) तथा उद्योग एवं आंतरिक व्यापार सम्बर्द्धन विभाग (Department of Promotion of Industry and Internal Trade—DPIIT) की मेजबानी में आयोजित इस सम्मेलन में 1000 से अधिक प्रतिनिधियों, 50 से अधिक निवेश सम्बर्द्धन एजेंसियों (Investment Promotion Agencies—IPAs) व अन्य विविध बहुपक्षीय एजेंसियों ने भागीदारी दर्ज की. इस प्रकार यह अब तक का सबसे बड़ा विश्व निवेश सम्मेलन (WIC) था. यह पहला ही अवसर था जब इस सम्मेलन का आयोजन भारत में किया गया. सम्मेलन का थीम—निवेशकों को सशक्त बनाना : आईपीए भविष्य के विकास में अग्रणी (Empowering Investors : IPAs Pioneering Future Growth) था.

भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा टेक्सटाइल्स मंत्री श्री पीयूष गोयल ने इस सम्मेलन को मुख्य दिवस 13 दिसम्बर को सम्बोधित किया तथा कार्यवाही के दशक में व्यापार एवं निवेश की भूमिका Rule of Trade and Investment in the Decade of Action) विषय पर सम्बोधन प्रस्तुत किया.

वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन एजेंसी (डब्ल्यूआईपीए) क्या है ?

- वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन एजेंसी की स्थापना 1995 में जेनेवा में एक गैर-सरकारी संगठन के रूप में की गई थी. इसका मुख्यालय 2015 में इस्तांबुल, तुर्की में स्थापित किया गया था. 100 से अधिक देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली 120 से अधिक एजेंसियाँ वतौर सदस्य इसमें शामिल हैं.
- डब्ल्यूआईपीए का उद्देश्य निवेश प्रोत्साहन एजेंसियों के माध्यम से अर्थव्यवस्थाओं को विकसित करना है.
- विश्व निवेश सम्मेलन, डब्ल्यूआईपीए का एक प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम है.

- यह पहला ही अवसर था जब डब्ल्यू-एआईपीए का विश्व निवेश सम्मेलन दिसम्बर 2023 में भारत में आयोजित किया गया.

बिहार में दीघा व सोनपुर के बीच गंगा नदी पर सिक्स लेन पुल को मंजूरी

बिहार में गंगा नदी पर दीघा व सोनपुर को जोड़ने वाले 4-56 किमी लम्बे 6 लेन वाले पुल के निर्माण को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमण्डलीय समिति (CCEA) ने मंजूरी 27 दिसम्बर, 2023 को प्रदान की है. दोनों ओर पहुँच मार्ग को भी मंजूरी इसके साथ ही प्रदान की गई है. दीघा (पटना में गंगा नदी के दक्षिणी तट पर स्थित) व सोनपुर (सारण जिले में गंगा नदी के उत्तरी तट पर स्थित) वर्तमान में केवल हल्के वाहनों की आवाजाही के लिए ही रेल सह सड़क पुल से जुड़े हैं. माल और वस्तुओं के परिवहन के लिए इसका उपयोग नहीं किया जा सकता. नए 6 लेन पुल के निर्माण से पटना व सारण के बीच यह बड़ी आर्थिक नाकाबंदी दूर हो जाएगी तथा माल एवं वस्तुओं को लाने ले जाने के लिए मार्ग प्रशस्त होगा तथा क्षेत्र की आर्थिक क्षमताओं का विस्तार हो सकेगा. साथ ही यह उत्तर व दक्षिण बिहार के बीच राजधानी (पटना) के रास्ते सीधा सम्पर्क स्थापित करेगा. इसके साथ ही बुद्ध सर्किट का हिस्सा भी यह बनेगा. इस रूट पर वाहनों की तेज व सुगम आवाजाही क्षेत्र के, विशेषतः उत्तरी बिहार के समग्र आर्थिक विकास में सहायक होगी. इस समस्त परियोजना की लागत ₹ 3064.45 करोड़, जिसमें ₹ 2233.81 करोड़ सिविल निर्माण लागत शामिल है, आकलित की गई है. यह कार्य 42 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य है.

₹ 2000 मूल्य के 97-26 प्रतिशत करेंसी नोट 30 नवम्बर, 2023 तक रिजर्व बैंक को वापस : आरबीआई रिपोर्ट

₹ 2000 मूल्य के करेंसी नोटों का वैध मुद्रा (Legal tender) का दर्जा बरकरार रखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने इन नोटों को वापस लेने की घोषणा 19 मई, 2023 को की थी. ऐसे नोटों को सभी बैंकों के माध्यम से बदलने या उन्हें बैंक खातों में जमा करने के लिए 30 सितम्बर की समय-सीमा आरबीआई द्वारा निर्धारित की गई थी, जिसे बाद में 7 अक्टूबर, 2023 तक के लिए बढ़ा दिया गया था, जो लोग 7 अक्टूबर, 2023 तक भी इन नोटों को बदल नहीं सके

थे. (अथवा अपने बैंक खातों में जमा नहीं करा सके थे), उन्हें सीधे ही रिजर्व बैंक के निर्गम कार्यालयों से बदलने की सुविधा आरबीआई ने दी हुई है.

भारतीय रिजर्व बैंक की 1 दिसम्बर, 2023 की विज्ञप्ति में बताया गया है कि वापस लिए जाने की घोषणा से पूर्व, 19 मई, 2023 को कुल ₹ 3-56 लाख करोड़ मूल्य के ₹ 2000 के करेंसी नोट चलन में थे, जो 30 नवम्बर, 2023 को ₹ 9,760 करोड़ के ही रह गए थे. इस प्रकार 97-26 प्रतिशत ऐसे करेंसी नोट आरबीआई को वापस किए जा चुके थे. आरबीआई की विज्ञप्ति के अनुसार ₹ 2000 मूल्य के करेंसी नोटों का वैध मुद्रा (Legal tender) का दर्जा अभी भी बरकरार है.

सत्र 2024 हेतु कोपरा के नए न्यूनतम समर्थन मूल्य

केन्द्र सरकार ने सत्र 2024 के लिए कोपरा (नारियल) के न्यूनतम समर्थन मूल्यों को मंजूरी 27 दिसम्बर, 2023 को प्रदान की. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमण्डल की समिति (CCEA) द्वारा लिए गए निर्णय के तहत औसत गुणवत्ता वाले मिलिंग कोपरा (Milling Copra) का न्यूनतम समर्थन मूल्य ₹ 10860 प्रति क्विंटल से बढ़ाकर ₹ 11160 प्रति क्विंटल किया गया है, जबकि बाल कोपरा का समर्थन मूल्य ₹ 11750 प्रति क्विंटल से बढ़ाकर ₹ 12000 प्रति क्विंटल किया गया है. इस प्रकार मिलिंग कोपरा के समर्थन मूल्य में ₹ 300 प्रति क्विंटल तथा बाल कोपरा के समर्थन मूल्य में ₹ 250 प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है.

कोपरा के समर्थन मूल्य से यह वृद्धियाँ कृषिगत लागत एवं मूल्य आयोग (Commission for Agricultural Costs and Prices-CACP) की संस्तुतियों के आधार पर की गई हैं. नए घोषित किए गए समर्थन मूल्य मिलिंग कोपरा की अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत (All India weighted average cost of production) पर 51-84 प्रतिशत तथा बॉल कोपरा के मामले में 63-26 प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करेंगे. यह अखिल भारतीय औसत लागत के कम-से-कम डेढ़ गुना स्तर पर न्यूनतम समर्थन मूल्य रखने के सिद्धान्त, जिसकी घोषणा सरकार ने 2018-19 के बजट में की थी, के अनुरूप है.

मिलिंग कोपरा व बॉल कोपरा के न्यूनतम समर्थन मूल्य 2014-15 में क्रमशः ₹ 5250 प्रति क्विंटल व ₹ 5500 प्रति क्विंटल थे, जो अब 2024-25 के लिए ₹ 11160 व ₹ 12000 प्रति क्विंटल किए गए

हैं. इस प्रकार मिलिंग कोपरा के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 113 प्रतिशत तथा बॉल कोपरा के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 118 प्रतिशत की वृद्धि इन 10 वर्षों में हुई है.

ज्ञातव्य है कि मिलिंग कोपरा का उपयोग तेल निकालने के लिए तथा बॉल कोपरा का उपयोग सूखे फल के रूप में खाने के लिए तथा धार्मिक उद्देश्यों के लिए मुख्यतः किया जाता है. भारत में मिलिंग कोपरा के प्रमुख उत्पादक राज्य केरल व तमिलनाडु हैं, जबकि बॉल कोपरा का उत्पादन मुख्यतः कर्नाटक में होता है. नारियल के कुल उत्पादन व उत्पादकता के मामले में भारत का विश्व में पहला स्थान है.

विदेशों से सम्प्रेषित धन प्राप्तियों में भारत का पहला स्थान : विश्व बैंक रिपोर्ट

विदेशों में रह रहे परिजनों, सम्बन्धियों व अन्य प्रवासियों द्वारा सम्प्रेषित धन की प्राप्तियों में भारत का विश्व में पहला स्थान कई वर्षों से बना हुआ है. इस मामले में भारत की यही स्थिति 2023 में भी रही है. विश्व बैंक की दिसम्बर 2023 में जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार विदेशों से सम्प्रेषित धन की भारत की प्राप्तियाँ 2023 में 125 अरब डॉलर अनुमानित हैं, जो किसी भी वर्ष में अब तक की सर्वोच्च प्राप्तियाँ हैं. पूर्व वर्ष 2022 की तुलना में यह 12-4 प्रतिशत अधिक अनुमानित है. 2022 में भारत की विदेशों से सम्प्रेषित धन प्राप्तियाँ (Remittances from abroad) लगभग 111 अरब डॉलर रही थी. विभिन्न देशों में धन सम्प्रेषण के सम्बन्ध में विस्तृत आँकड़े विश्व बैंक की Migration and Development Brief रिपोर्ट में जारी किए जाते हैं. बैंक की ऐसी ताजा रिपोर्ट दिसम्बर 2023 में जारी हुई.

इस रिपोर्ट के अनुसार सम्प्रेषित धन प्राप्त करने वाले पहले पाँच देश 2023 में क्रमशः भारत, मैक्सिको, चीन, फिलीपींस व मिस्र रहे. वर्ष 2023 में भारत की यह प्राप्तियाँ 125 अरब डॉलर, मैक्सिको की 67 अरब डॉलर, चीन की 50 अरब डॉलर, फिलीपींस की 40 अरब डॉलर तथा मिस्र की 24 अरब डॉलर इस रिपोर्ट में बताई गई है. जीडीपी के प्रतिशत के रूप में सर्वाधिक प्राप्तियों वाले 5 देश क्रमशः ताजिकिस्तान (सम्प्रेषित धन प्राप्तियाँ जीडीपी की 48 प्रतिशत), टोंगा (41 प्रतिशत), समोआ (32 प्रतिशत), लेबनान (28 प्रतिशत) तथा निकारागुआ (जीडीपी की 27 प्रतिशत) रहे.

रिपोर्ट के अनुसार 2023 के दौरान विदेशी धन सम्प्रेषण का सबसे प्रमुख स्रोत

अमरीका रहा. 2023 के दौरान भारत को प्राप्त सम्प्रेषणों में भी सर्वाधिक योगदान अमरीका का था, जिसके पश्चात् संयुक्त अरब अमीरात (UAE) का दूसरा स्थान था.

विश्व बैंक की दिसम्बर 2023 की इस रिपोर्ट के अनुसार लेटिन अमरीका व कैरेबियाई देशों में 2023 में धन सम्प्रेषण 8 प्रतिशत वृद्धि के साथ 156 अरब डॉलर, मध्य पूर्व व उत्तरी अफ्रीका में 5-3 प्रतिशत गिरावट के साथ 61 अरब डॉलर, सब-सहारा अफ्रीका में 1-9 प्रतिशत वृद्धि के साथ 54 अरब डॉलर तथा द. एशिया में 7-2 प्रतिशत वृद्धि के साथ 189 अरब डॉलर रहने का अनुमान है. दक्षिण एशिया में यह वृद्धि मुख्यतः भारत में 14 अरब डॉलर की वृद्धि के कारण है.

रिपोर्ट के अनुसार विकसित देशों और खाड़ी सहयोग परिषद् (GCC) में लचीले श्रम बाजारों ने प्रवासियों को घर पैसे भेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. वैश्विक मुद्रास्फीति और कम विकास संभावनाओं के चलते 2024 में प्रवासियों की वास्तविक आय में गिरावट की आशंका रिपोर्ट में व्यक्त की गई है. इसका धन सम्प्रेषणों पर भी प्रभाव पड़ेगा.

2023 के अंत में आरबीआई के पास आरक्षित विदेशी मुद्राकोष 21 माह के सर्वोच्च स्तर पर (22 दिसम्बर, 2023 की स्थिति के अनुसार)

बीते वर्ष 2023 में देश में आरक्षित विदेशी मुद्रा कोषों में तीव्र वृद्धि का सिलसिला एक बार पुनः वर्ष के अंतिम सप्ताहों में बना जिससे 2023 के अंत में (22 दिसम्बर, 2023 की स्थिति) भारतीय रिजर्व बैंक के पास आरक्षित विदेशी मुद्रा कोष 620-441 अरब डॉलर के हो गए थे, जो विगत 21 माह में इनका सर्वोच्च स्तर था. इस प्रकार पूरे वर्ष 2023 के दौरान विदेशी मुद्रा कोषों में लगभग 58 अरब डॉलर की वृद्धि हुई. वर्ष 2022 के अंत में विदेशी मुद्रा कोष 562-808 अरब डॉलर के थे. इससे पूर्व दिसम्बर 2021 के अंत में यह 635-080 अरब डॉलर के थे. इस प्रकार 2022 के दौरान यह कोष 72 अरब डॉलर घटे थे.

भारतीय रिजर्व बैंक की 29 दिसम्बर, 2023 की रिपोर्ट के अनुसार 22 दिसम्बर, 2023 को कुल 620-441 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा कोष में 549-747 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा परिसम्पत्तियाँ (Foreign Currency Assets) थी, जो पूर्व वर्ष की तुलना में 51-257 अरब डॉलर अधिक थी.

शेष पृष्ठ 43 पर



शब्द संक्षेप (Abbreviation)

आईईसीसी—इंटरनेशनल एक्जिहिबीशन कम कन्वेंशन सेंटर.

IECC—International Exhibition - cum - Convention Centre.

व्याख्या—नई दिल्ली में प्रगति मैदान में यह पुनर्विकसित आधुनिक प्रदर्शनी केन्द्र सह सम्मेलन परिसर है। इसे विश्व के शीर्ष 10 प्रदर्शनी सह सम्मेलन परिसरों में से एक माना जाता है। प्रगति मैदान परिसर के केन्द्रीय स्थल के रूप में विकसित इस केन्द्र को भारत मंडपम नाम दिया गया है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जुलाई 2023 में किया था।

नियुक्तियाँ (Appointments)

संतोष झा श्रीलंका में भारत के नए उच्चायुक्त

वरिष्ठ राजनयिक संतोष झा ने अब श्रीलंका में भारत के नए उच्चायुक्त के रूप में कार्यभार दिसम्बर 2023 में सँभाला है। इस पद पर विदेश सेवा के गोपाल बागले, जिन्हें अब आस्ट्रेलिया में भारतीय उच्चायुक्त बनाया गया है, का स्थान श्री झा ने लिया है। इस नियुक्ति से पूर्व बेल्जियम लक्जेमबर्ग व यूरोपीय संघ में भारतीय राजदूत के रूप में सेवाएं वह दे रहे थे।

रूवेन अज़ार भारत में इजरायल के नए राजदूत

इजरायल ने अपने वरिष्ठ राजनयिक रूवेन अज़ार (Reuven Azar) को भारत में अपना नया राजदूत दिसम्बर 2023 में नियुक्त किया है। भारत के अतिरिक्त भूटान व श्रीलंका में राजदूत के रूप में कार्यभार भी वह देखेंगे।

2014-2018 के दौरान अमरीका में इजरायल के दूतावास में उपराजदूत रहे अज़ार भारत में नियुक्ति से पूर्व रूमानिया में इजरायल के राजदूत थे।

अनीश दयाल सिंह केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के नए महानिदेशक

भारत तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के महानिदेशक रहे अनीश दयाल सिंह अब केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के नए महानिदेशक दिसम्बर 2023 में नियुक्त किए गए हैं। भारतीय पुलिस सेवा के 1988 बैच के मणिपुर कैडर के अनीश दयाल सिंह अपनी सेवानिवृत्ति (31 दिसम्बर, 2024)

अथवा अगले आदेश तक इस पद पर रहेंगे। इस नियुक्ति से पूर्व आईटीबीपी के महानिदेशक रहने के साथ-साथ सीआरपीएफ महानिदेशक का कार्यभार भी अतिरिक्त प्रभार के रूप में वह सँभाले हुए थे।

महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा समूह के अनीश शाह 'फिक्की' के नए अध्यक्ष

महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा ग्रुप के चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर (CEO) अनीश शाह ने उद्योग व्यापार जगत् के देश के प्रमुख संगठन 'फिक्की' (FICCI-Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry) के नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार दिसम्बर 2023 में सँभाला है। इस पद पर इंडियन मेटल्स एण्ड फैरो एलॉयज लि. (IMFA) के सुभ्रकांत पंडा का स्थान श्री अनीश शाह ने 9 दिसम्बर, 2023 को संगठन की 96वीं वार्षिक आम बैठक में नई दिल्ली में लिया है। इस नियुक्ति/निर्वाचन से पूर्व वह इस संगठन के 'वरिष्ठ उपाध्यक्ष' थे। एक वर्ष से फिक्की के उपाध्यक्ष रहे इमामी लि. के हर्षवर्द्धन अग्रवाल को अब सत्र 2023-24 के लिए संगठन में वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में प्रोन्नत किया गया है, जबकि आरपीजी ग्रुप के अनंत गोएनका को सत्र 2023-24 के लिए फिक्की का उपाध्यक्ष चुना गया है।



अनीश शाह : फिक्की के नए अध्यक्ष

राहुल रसगोत्रा अब भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक

भारतीय पुलिस सेवा की 1989 बैच के राहुल रसगोत्रा अब भारत तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के महानिदेशक दिसम्बर 2023 में नियुक्त किए गए हैं। इस पद पर अनीश दयाल सिंह, जिन्हें अब सीआरपीएफ

का महानिदेशक बनाया गया है, का स्थान उन्होंने लिया है। मणिपुर कैडर के राहुल रसगोत्रा अपनी सेवानिवृत्ति (30 सितम्बर, 2025) तक अथवा अगले आदेश तक इस पद पर रहेंगे। इस नियुक्ति से पूर्व वह इंटेलीजेंस ब्यूरो (IB) में विशेष निदेशक थे।

तीन मंत्रियों के संसद की सदस्यता से त्यागपत्र के पश्चात् केन्द्रीय मंत्रियों के विभागों में मामूली फेरबदल

राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में अक्टूबर-नवम्बर 2023 के विधान सभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के 12 सांसद इन विधान सभाओं के लिए निर्वाचित हुए हैं। इनमें तीन मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल व रेणुका सिंह भी शामिल हैं। इन सभी 12 सांसदों ने विधान सभा की सदस्यता स्वीकार करते हुए संसद से त्यागपत्र दिसम्बर 2023 में ही दे दिए हैं (इनमें लोक सभा के 11 व राज्य सभा के एक सांसद शामिल हैं) उपर्युक्त तीनों मंत्रियों के लोक सभा से त्यागपत्र के पश्चात् इनके मंत्रिमण्डलीय प्रभार प्रधानमंत्री की संस्तुति पर निम्नलिखित अन्य मंत्रियों को राष्ट्रपति द्वारा 7 दिसम्बर से सौंपे गए हैं। कृषि मंत्री एवं किसान कल्याण मंत्री रहे नरेन्द्र सिंह तोमर का यह प्रभार अब जनजातीय मामलों के मंत्री श्री अर्जुन मुंडा को अतिरिक्त प्रभार के रूप में सौंपा गया है।

- श्री प्रहलाद सिंह पटेल का खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का प्रभार कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे को तथा जलशक्ति मंत्रालय का प्रभार इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य-मंत्री राजीव चन्द्रशेखर को राज्यमंत्री के अतिरिक्त प्रभार के रूप में सौंपा गया है।
- इन्हीं के साथ, रेणुका सिंह का जनजातीय मामलों की राज्य मंत्री का प्रभार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार को अतिरिक्त प्रभार के रूप में सौंपा गया है।

नीना सिंह केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की पहली महिला प्रमुख

भारतीय पुलिस सेवा की 1989 बैच की राजस्थान कैडर की श्रीमती नीना सिंह को



नीना सिंह : सीआईएसएफ की महानिदेशक

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) के महानिदेशक पद पर नियुक्ति दिसम्बर 2023 में प्रदान की गई है। सीआईएसएफ के महानिदेशक पद से शीलवर्द्धन सिंह की अगस्त 2023 में सेवानिवृत्ति के पश्चात् वह ही इस बल की विशेष महानिदेशक के रूप में कार्यभार सँभाले हुई थीं। अब दिसम्बर 2023 में उन्हें महानिदेशक पद पर नियुक्ति प्रदान की गई

है. इस अर्द्ध सैन्य बल के महानिदेशक पद पर वह पहली महिला हैं. इस पद पर अपनी सेवानिवृत्ति (31 जुलाई, 2024) अथवा अगले आदेश तक वह रहेंगी.

पुरस्कार/सम्मान (Awards/Honours)

अल्बानिया की द्रिता जिरी को मिस अर्थ-2023 का ताज

वर्ष 2023 की (23वीं) मिस अर्थ प्रतियोगिता का फाइनल वियतनाम में हो ची मिन्ह



द्रिता जिरी : मिस अर्थ-2023

सिटी में 22 दिसम्बर, 2023 को हुआ. भारत सहित 85 देशों की प्रतिभागियों ने वर्ष 2023 की इस प्रतियोगिता में भाग लिया, जिनमें अल्बानिया की 18 वर्षीय द्रिता जिरी (Drita Ziri) को मिस अर्थ-2023 का ताज मिला. गत वर्ष (2022 की) मिस अर्थ मीना सुइ चौइ (द. कोरिया) ने उन्हें यह ताज पहनाया. फिलीपींस की यलाना एडुआना को मिस अर्थ-एयर, वियतनाम की डू थी लान आन्ह को मिस अर्थ-वाटर तथा थाइलैण्ड की कोरा बिलौल्ट को मिस अर्थ-फायर के ताज इस प्रतियोगिता में मिले. प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व मिस अर्थ-इण्डिया प्रियन सेन ने किया था.

विजेताओं के नाम एक दृष्टि में-

| | | |
|---------------|---|-------------------------------------|
| मिस अर्थ | - | द्रिता जिरी (Drita Ziri), अल्बानिया |
| मिस अर्थ-एयर | - | यलाना एडुआना (फिलीपींस) |
| मिस अर्थ-वाटर | - | डू थी लान आन्ह (वियतनाम) |
| मिस अर्थ-फायर | - | कोरा बिलौल्ट (थाइलैण्ड) |

थाइलैण्ड की सुंदरी को मिस इंटरकॉन्टि-नेंटल खिताब (2023)

मिस में शर्म अल शेख (Sharm El Sheikh) में 15 दिसम्बर, 2023 को सम्पन्न वर्ष 2023 की (51वीं) मिस इंटरकॉन्टिनेंटल

प्रतियोगिता दर्पण/फरवरी/2024/31

प्रतियोगिता का ताज थाइलैण्ड की चैटनेलिन चोटजीरा वाराचैट (Chatnalin Chotjira-warachat) के नाम रहा. वर्ष 2022 की मिस इंटरकॉन्टिनेंटल बाओ-गॉक (वियतनाम) ने उन्हें उसका ताज पहनाया. मेक्सिको की क्रिस्टीना विलेगास मुर्जिलो प्रथम उपविजेता तथा सर्बिया की गॉक हांग द्वितीय उपविजेता इस प्रतियोगिता में रहीं. कुल 64 देशों की प्रतिभागियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया था. प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व भावना वैष्णव ने किया था.

अमरीका की पॉप सुपर स्टार टाइम पर्सन ऑफ द ईयर (2023)

अमरीकी पत्रिका टाइम ने पॉप सुपर स्टार टेलर स्विफ्ट (Taylor Swift) को वर्ष 2023 के लिए पर्सन ऑफ द ईयर घोषित करते हुए अपने कवर पेज पर स्थान दिया है. टाइम द्वारा यह सम्मान प्रति वर्ष किसी ऐसे व्यक्ति को दिया जाता है जिसका वैश्विक घटनाओं एवं गतिविधियों पर विगत एक वर्ष में सर्वाधिक प्रभाव रहा है.

पॉप गायिका एवं गीतकार टेलर स्विफ्ट को यह सम्मान देते हुए टाइम पत्रिका ने कहा है कि संगीत जगत् की

वह एक बड़ी पर्सनैलिटी हैं. विश्वभर में उन्हें एक इंटरनेशनल आइकन के रूप में देखा जाता है. स्पीक नाउ (Speak Now) फियरलैस (Fearless), मिडनाइट्स (Midnights) व लवर (Lover) जैसे उनके एलबम काफी सफल रहे हैं. टाइम के अनुसार स्विफ्ट एक दुर्लभ व्यक्ति हैं, जो अपनी कहानी की लेखिका व नायक दोनों हैं. उन्हें वर्ष 2023 के लिए पर्सन ऑफ द ईयर घोषित करते हुए टाइम ने लिखा है कि वर्ष 2023 में स्विफ्ट ने जो हासिल किया, वह कल्पना से परे है, उन्होंने अपना स्वयं का डिजाइन तैयार किया और परिणामों को दुनिया के साथ साझा किया.

ज्ञातव्य है कि टाइम का पर्सन ऑफ द ईयर सम्मान पिछले वर्ष (2022 में) यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेन्स्की व यूक्रेन की आत्मा (Spirit of Ukrainians) को दिया गया था.



टेलर स्विफ्ट : टाइम पर्सन ऑफ द ईयर (2023)



सीम एल्टमैन : टाइम सीईओ ऑफ द ईयर



लियोनेल मेसी : टाइम एथलीट ऑफ द ईयर

हाल ही के वर्षों में टाइम पर्सन ऑफ द ईयर

| | |
|------|--|
| 2023 | टेलर स्विफ्ट (अमरीकी पॉप सिंगर) |
| 2022 | वलोडिमिर जेलेन्स्की (यूक्रेन के राष्ट्रपति) व यूक्रेन की आत्मा |
| 2021 | एलन मस्क |
| 2020 | जो बाइडन व कमला हैरिस |
| 2019 | ग्रेटा थनबर्ग (स्वीडन) |
| 2018 | उत्पीड़न के शिकार चार पत्रकार (गार्डियंस) |
| 2017 | द साइलेंस ब्रेकर्स |
| 2016 | डोनाल्ड ट्रम्प |
| 2015 | एजेला मर्केल |
| 2014 | इबोला फाइटर्स |
| 2013 | पोप फ्रांसिस |
| 2012 | बराक ओबामा |
| 2011 | द प्रोटेस्टर्स |
| 2010 | मार्क जुकरबर्ग (फेसबुक नेटवर्किंग साइट के संस्थापक) |
| 2009 | वेन बर्नाके (फेडरल रिजर्व के तत्कालीन प्रमुख) |
| 2008 | बराक ओबामा |
| 2007 | व्लादिमीर पुतिन |

टाइम के सीईओ ऑफ द ईयर व एथलीट ऑफ द ईयर (2023)

टाइम पत्रिका के दिसम्बर 2023 के उपर्युक्त अंक में अमरीका की ओपन एआई (Open AI) के सीईओ सैम एल्टमैन (Sam Altman) को वर्ष 2023 के लिए सीईओ ऑफ द ईयर तथा अर्जेन्टीना के फुटबालर लियोनेल मेसी (Lionel Messi) को एथलीट ऑफ द ईयर चुना गया है.

साहित्य अकादमी पुरस्कार (2023)

साहित्य अकादमी ने वर्ष 2023 के अपने मुख्य पुरस्कारों (साहित्य अकादमी पुरस्कार) की घोषणा 20 दिसम्बर, 2023 को की। 24 भाषाओं की उत्कृष्ट कृतियों के लिए यह पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। इनमें 9 कविता संग्रह, 6 उपन्यास, 5 लघु कहानी संग्रह, 3 निबंध संग्रह, तथा 1 साहित्यिक रचना शामिल है। हिन्दी भाषा के लिए संजीव को उनके उपन्यास 'मुझे पहचानो' के लिए पुरस्कार हेतु चुना गया है।

इस वर्ष 2023 के साहित्य अकादमी पुरस्कारों के लिए विगत पाँच वर्षों (1 जनवरी, 2017 से 31 दिसम्बर, 2021) के दौरान पहली बार प्रकाशित पुस्तकों पर ही विचार ज्यूरी द्वारा किया गया था। पुरस्कार हेतु चुने गए साहित्यकारों को ताम्रपत्र व शॉल के साथ ₹ 1-1 लाख की राशि 12 मार्च, 2024 को नई दिल्ली में एक समारोह में प्रदान की जाएगी।

जमनालाल बजाज पुरस्कार (2023)

वर्ष 2023 के (45वें) जमनालाल बजाज पुरस्कारों का मुम्बई में एक समारोह में दिसम्बर 2023 में किया गया। चार विभिन्न श्रेणियों में यह पुरस्कार निम्नलिखित को प्रदान किए गए।

भारत से बाहर गांधीवादी विचारों व जीवन मूल्यों के प्रसार के लिए—बांग्लादेश के गांधी आश्रम ट्रस्ट के निदेशक एवं सीईओ राहा नबा कुमार।

रचनात्मक कार्यों के लिए—डॉ. रेगी जॉर्ज व डॉ ललिता रेगी (ट्राइबल हेल्थ इनीशिएटिव, तमिलनाडु के ट्रस्टी)।

ग्रामीण विकास हेतु विज्ञान और तकनीकी के इस्तेमाल के लिए—डॉ. रामालक्ष्मी दत्ता (विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, प. बंगाल की संयुक्त निदेशक)।

महिलाओं व बच्चों के कल्याण व उन्नयन के लिए जानकी देवी पुरस्कार—सुधा वर्गीज (नारी गुंजन, बिहार की सचिव)।

● जमनालाल बजाज फाउण्डेशन के इन पुरस्कारों के तहत पुरस्कृतों को ₹ 10-10 लाख की राशि अब तक प्रदान की जाती रही है, किन्तु जमनालाल बजाज फाउण्डेशन के संस्थापक रामकृष्ण बजाज का जन्म शताब्दी वर्ष होने के कारण इस वर्ष ₹ 20-20 लाख पुरस्कृतों को पुरस्कार में प्रदान की गई।

● जमनालाल बजाज पुरस्कारों की स्थापना 1977 में गठित जमनालाल बजाज फाउण्डेशन द्वारा 1978 में की गई थी।

● यह पुरस्कार प्रतिवर्ष चार श्रेणियों—रचनात्मक कार्यों (Constructive work), ग्रामीण विकास हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग (Application of Science and Technology for Rural Development), महिलाओं एवं बच्चों का कल्याण एवं विकास (Development and Welfare of Women and Children, जानकी देवी बजाज पुरस्कार) तथा भारत के बाहर गांधीवादी मूल्यों के प्रोन्नयन हेतु अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार (International Award for Promoting Gandhian Values Outside India) दिए जाते हैं।

वर्ष 2023 के साहित्य अकादमी पुरस्कार हेतु चुने गए साहित्यकारों व उनकी रचनाओं के नाम

| भाषा | पुस्तक/रचना | लेखक |
|-----------|---|-----------------------|
| असमी | डॉ. प्रणव ज्योति देकर श्रेष्ठ गल्प (लघु कहानी संग्रह) | प्रणव ज्योति देकर |
| बांग्ला | जलेर उपर पानी (उपन्यास) | स्वप्नमय चक्रवर्ती |
| बोडो | जिज—सफरनि दाखवन (लघु कथा संग्रह) | नंदेश्वर दइमारी |
| डोगरी | दऊं सदियां इक सीर (कविता-गजल) | विजय वर्मा |
| अंग्रेजी | रेक्विम इन राग जानकी (उपन्यास) | नीलम शरण गौड़ |
| गुजराती | सैरन्धी (महाकाव्य) | विनोद जोशी |
| हिन्दी | मुझे पहचानो (उपन्यास) | संजीव |
| कन्नड़ | महाभारत अनुसंधानदा भारत यात्रे (निबंध) | लक्ष्मीशा तोलपडी |
| कश्मीरी | येथ वावेह हलय, हेले कौस जेले (कविता) | मशूर बनिहाली |
| कोंकणी | वर्सल (लघु कथा संग्रह) | प्रकाश एस. पर्येकार |
| मैथिली | बोधा संकेतन (निबंध संग्रह) | बासुकी नाथ झा |
| मलयालम | मलयाला नोवलिते देशकालंगठ (साहित्यिक कृति) | ई. वी. राम कृष्णन |
| मणिपुरी | याचंगवा नांग हालो (कविता) | सोरोखबैबम गम्भीनी |
| नेपाली | नेपाली लोक साहित्य रा लोक संस्कृति को परिचय (निबंध) | जुधवीर राणा |
| ओडिया | अप्रजुता मृत्यु (कविता) | आशुतोष परिदा |
| मराठी | रिंगान (उपन्यास) | कृष्णात खोत |
| पंजाबी | मन दी विप (कविता) | स्वर्ण जीत सावी |
| राजस्थानी | पलाकति प्रीत (कविता) | गजेसिंह राजपुरोहित |
| संस्कृत | शून्ये मेघगानम् (कविता) | अरुण रंजन मिश्र |
| संथाली | जाबा बाहा (लघु कथा संग्रह) | तुरिया चंद बासकी |
| सिन्धी | हाथू पाकिदिजैन (कविता-गजल) | विनोद आसुदानी |
| तमिल | नीर वाझी पादुवुम (उपन्यास) | राजशेखरन (देवी भारती) |
| तेलुगु | रामेश्वरम काकुलु मरिकोन्नि कथालु (लघु कथा संग्रह) | टी. पतंजलि शास्त्री |
| उर्दू | राजदेव की अमराइ (उपन्यास) | सादिका नवाब साहेद |

* साहित्य अकादमी पुरस्कार सविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं के अतिरिक्त अंग्रेजी व राजस्थानी सहित कुल 24 भाषाओं के लिए दिए जाते हैं।

भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाएं

(i) असमी, (ii) बांग्ला, (iii) गुजराती, (iv) हिन्दी, (v) कन्नड़, (vi) कश्मीरी, (vii) कोंकणी, (viii) मलयालम, (ix) मणिपुरी, (x) मराठी, (xi) नेपाली, (xii) ओडिया, (xiii) पंजाबी, (xiv) संस्कृत, (xv) सिन्धी, (xvi) तमिल, (xvii) तेलुगु, (xviii) उर्दू, (xix) बोडो, (xx) संथाली, (xxi) मैथिली तथा (xxii) डोगरी।

खेलकूद के क्षेत्र के प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार (2023)

एथलेटिक्स

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ एथलीट (2023) : तीन श्रेणियों में 6 एथलीट्स को वर्ल्ड एथलेटिक्स का पुरस्कार

विश्व में एथलेटिक्स की सर्वोच्च संस्था वर्ल्ड एथलेटिक्स (पूर्व नाम IAAF) ने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ एथलीट (पुरुष व महिला) का वर्ष 2023 के लिए अपना पुरस्कार एथलेटिक्स में तीन अलग-अलग श्रेणियों में प्रदान किए हैं। इनमें ट्रैक (Track), फील्ड (Field) तथा आउट ऑफ स्टेडिया शामिल हैं। तीन ही श्रेणियों सर्वश्रेष्ठ पुरुष व सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट्स को वर्ष 2023 के एथलीट्स ऑफ द ईयर दिसम्बर 2023 में घोषित किया गया है। पुरस्कृत एथलीट्स के नाम निम्नलिखित हैं—

वर्ष 2023 के सर्वश्रेष्ठ एथलीट

| | पुरुष | महिला |
|-----------------|---|--|
| ट्रैक | नोआह लायल्स, (अमरीका) (Noah Lyles) | फेथ किपयोगेन (कीनिया) (Faith Kipyegon) |
| फील्ड | मोंडो डुप्लांटिस (स्वीडन) (Mondo Duplantis) | यूलीमार रोजास (वेनेजुएला) (Yulimar Rojas) |
| आउट ऑफ स्टेडिया | केल्विन किप्टम (कीनिया) (Kelvin Kiptum) | टिगिस्ट अस्सेफा, (इथियोपिया) (Tigist Assefa) |

पूर्व वर्षों में पुरुष व महिला एथलीट्स में से एक-एक को ही वर्ष का सर्वश्रेष्ठ एथलीट घोषित किया जाता रहा है। वर्ष 2022 के लिए पुरुषों में यह पुरस्कार स्वीडन के पोल वाल्टर डुप्लांटिस को तथा महिलाओं में अमरीका की तेज धाविका सिडनी मैक्लॉफलिन को दिया गया था।

वर्ल्ड एथलेटिक्स के वर्ष 2023 के राइज़िंग स्टार

कीनिया के मध्यम दूरी के धावक इमैनुएल वानयोन्यी (Emmanuel Wanyonyi) को पुरुषों में तथा कीनिया की ही धाविका फेथ चेरोटिक (Faith Cherotich) को महिलाओं में वर्ष 2023 के राइज़िंग स्टार वर्ल्ड एथलेटिक्स के दिसम्बर 2023 में घोषित किया है।

टेनिस

टेनिस खिलाड़ियों के वर्षात डब्ल्यूटीए व एटीपी पुरस्कार (2023)

टेनिस खिलाड़ियों के लिए वर्ष 2023 के दौरान उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर विमन्स टेनिस एसोसिएशन (WTA) तथा एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स (ATP) के वर्षात पुरस्कार निम्नलिखित खिलाड़ियों को दिसम्बर 2023 में दिए गए हैं—

पुरुष खिलाड़ियों के एटीपी पुरस्कार

- | | |
|--|--|
| (i) प्लेयर ऑफ द ईयर | — नोवाक जोकोविच (सर्बिया) |
| (ii) युगल टीम ऑफ द ईयर | — इवान डोडिग (क्रोएशिया) व ऑस्टिन क्राजिसेक (अमरीका) |
| (iii) मोस्ट इम्प्रूव्ड प्लेयर | — जननिक सिनर (इटली) |
| (iv) न्यू कमर ऑफ द ईयर | — ऑर्थर फिल्स (फ्रांस) |
| (v) कमबैक प्लेयर ऑफ द ईयर | — जॉन-लेनार्ड स्ट्रुफ (जर्मनी) |
| (vi) कोच ऑफ द ईयर | — डैरेन काहिल व सिमोन वाग्रोजी (जननिक सिनर के कोच) |
| (vii) स्टीफन एडवर्ग स्पोट्समैनशिप अवार्ड | — कार्लोस अल्कराज (स्पेन) |

महिला खिलाड़ियों के डब्ल्यूटीए पुरस्कार

- | | |
|-------------------------------|--|
| (i) प्लेयर ऑफ द ईयर | — इगा स्वियाटेक (पोलैण्ड) |
| (ii) युगल टीम ऑफ द ईयर | — स्टॉर्म हंटर (आस्ट्रेलिया) व एलिसे मर्टेन्स (बेल्जियम) |
| (iii) मोस्ट इम्प्रूव्ड प्लेयर | — झेंग किनमेन (चीन) |
| (iv) न्यू कमर ऑफ द ईयर | — मीरा एंड्रीवा (रूस) |
| (v) कमबैक प्लेयर ऑफ द ईयर | — एलिना स्वितोलीना (यूक्रेन) |
| (vi) कोच ऑफ द ईयर | — तोमाज़ विक्टोरोस्की (इगा स्वियाटेक के कोच) |

वर्ष 2023 के लिए आईटीएफ के विश्व चैम्पियन

टेनिस की संचालक संस्था आईटीएफ (International Tennis Federation) ने टेनिस खिलाड़ियों के वर्ष भर के प्रदर्शन को देखते हुए निम्नलिखित खिलाड़ियों को विभिन्न श्रेणियों में वर्ष 2023 के लिए विश्व चैम्पियन दिसम्बर 2023 में घोषित किया है—

पुरुष एकल—नोवाक जोकोविच (Novak Djokovic)

(सर्बिया के नोवाक जोकोविच को रिकॉर्ड आठवीं बार यह सम्मान प्राप्त हुआ है।)

महिला एकल—आर्यना सवालेंका (Aryna Sabalenka)

(बेलारूस की आर्यना सवालेंका को पहली बार ही यह सम्मान प्राप्त हुआ है।)

पुरुष युगल—राजीव राम (अमरीका) व जो सैलिसवरी (ब्रिटेन)

महिला युगल—स्टॉर्म हंटर (आस्ट्रेलिया) व एलिसे मर्टेन्स (बेल्जियम)

बैडमिंटन

विश्व बैडमिंटन महासंघ के पुरस्कार (2023) : भारत की मनीषा रामदास विश्व की सर्वश्रेष्ठ पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी

वर्ष 2023 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए विश्व बैडमिंटन महासंघ (Badminton World Federation-BWF) ने 2023 के अपने पुरस्कारों की घोषणा दिसम्बर 2023 में की. वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष व महिला बैडमिंटन खिलाड़ी के पुरस्कार द. कोरिया के खिलाड़ियों को बैडमिंटन महासंघ ने इन पुरस्कारों के तहत दिए हैं. वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार द. कोरिया के सियो सेउंग जे. को तथा सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार द. कोरिया की ही एन से-यंग को दिया गया है.

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी (Player of the Year Male)—सियो सेउंग जे (Seo Seung Jae) द. कोरिया.

वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी (Player of the Year Female)—एन से-यंग (An Se Young) द. कोरिया.

हॉकी

अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के वर्ष 2023 के स्टार पुरस्कार : भारत के हार्दिक सिंह वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी, जबकि सविता पूनिया वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला गोल कीपर

अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) के वर्ष 2023 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के लिए अपने स्टार पुरस्कारों की घोषणा 19 दिसम्बर, 2023 को की.

भारत की पुरुषों की हॉकी टीम के उप कप्तान हार्दिक सिंह को वर्ष 2023 के लिए वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (पुरुष) का पुरस्कार इन पुरस्कारों के तहत दिया गया है.

भारत की महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया को महिला वर्ग में वर्ष 2023 की सर्वश्रेष्ठ गोल कीपर का पुरस्कार इन पुरस्कारों के तहत दिया गया है. यह लगातार तीसरा वर्ष है, जब वर्ष की सर्वश्रेष्ठ गोल कीपर का अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ का पुरस्कार उन्हें दिया गया है. इससे पूर्व 2021 व 2022 में भी एफआईएच का यह पुरस्कार उन्हें दिया गया था.

एफआईएच के वर्ष 2023 के पुरस्कारों की पूरी सूची निम्नलिखित है—



हार्दिक सिंह : वर्ष के सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ी



सविता पूनिया वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला गोल कीपर

पुरुष वर्ग

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (Player of the year)

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोल कीपर (FIH Goalkeeper of the Year)

वर्ष के उभरते सितारे (FIH Rising Star)

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कोच (FIH Coach of the year)

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अम्पायर (FIH Umpire of the year)

हार्दिक सिंह (भारत)

पिरमिन ब्लैक (डच)

गैसपार्ड जेवियर (फ्रांस)

आन्द्रे हेनिंग (André Henning) (जर्मन की पुरुष टीम के कोच)

बेन गान्टगेन (जर्मनी)

महिला वर्ग

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (Player of the year)

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोल कीपर (FIH Goalkeeper of the year)

वर्ष के उभरते सितारे (FIH Rising Star)

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कोच (FIH Coach of the year)

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अम्पायर (FIH Umpire of the Year)

जैन डे वार्ड (Xan De Ward) नीदरलैण्ड्स

सविता पूनिया (भारत)

टेरेस लीमा (स्पेन)

एलिसन अन्नान (Alyson Annan)

अयाना मैकलीन (त्रिनिडाड एवं टुबेगो)

व्यास सम्मान (2023)

हिन्दी की प्रसिद्ध लेखिका पुष्पा भारती को वर्ष 2016 में प्रकाशित उनके संस्मरण यादें, यादें और यादें के लिए के. के. बिड़ला फाउंडेशन का वर्ष 2023 का (33वाँ) व्यास सम्मान प्रदान किया जाएगा चार लाख रुपए का यह पुरस्कार हिन्दी भाषा में विगत 10 वर्षों में प्रकाशित किसी उत्कृष्ट रचना के लिए 1991 से प्रदान किया जाता है.

इससे पूर्व वर्ष 2022 के लिए के. के. बिड़ला फाउंडेशन का यह (32वाँ) व्यास सम्मान प्रसिद्ध लेखक डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी को उनके उपन्यास पागलखाना के लिए दिया गया था.



पुष्पा भारती : व्यास सम्मान (2023)

तानसेन सम्मान (2022)

शास्त्रीय संगीत में उत्कृष्ट योगदान के लिए मध्य प्रदेश शासन का राष्ट्रीय तानसेन सम्मान कर्नाटक के हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के मूर्धन्य गायक पं. गणपति भट्ट हसनगी (Pandit Ganapati Bhatt Hasanagi) को 25 दिसम्बर, 2023 को ग्वालियर में तानसेन समारोह में प्रदान किया. इसके साथ ही मध्य प्रदेश शासन का राजा मानसिंह तोमर सम्मान उज्जैन के मालव लोक कला केन्द्र को उसी समारोह में प्रदान किया गया. इस पुरस्कार के तहत ₹ 5 लाख की राशि राज्य सरकार की ओर से संस्था को प्रदान की गई.

इस 99वें तानसेन समारोह में संगीत सम्राट तानसेन को श्रद्धांजलि देते हुए देशभर के 50 से अधिक शहरों से आए 1500 तबला वादकों ने एक साथ तबला

वादन कर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया. इस उपलक्ष्य में 25 दिसम्बर को तबला दिवस के रूप में मनाने की घोषणा मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने की.

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार (2023)

(मेजर ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार, लाइफटाइम एचीवमेंट के ध्यानचंद पुरस्कार व मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी)

खेलों के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए वर्ष 2023 के मेजर ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार, ध्यानचंद पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार व मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी (2023) की घोषणा केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा 20 दिसम्बर, 2023 को की गई. (तेनजिंग

नोर्गे राष्ट्रीय एडवेंचर पुरस्कारों व राष्ट्रीय प्रोत्साहन पुरस्कारों) की घोषणा बाद में की जाएगी. इन पुरस्कारों का वितरण राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा बाद में 9 जनवरी, 2024 को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में किया जाएगा.

इन पुरस्कारों के लिए पात्र खिलाड़ियों के चयन हेतु सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए. एम. खानविलकर की अध्यक्षता में चयन समिति का गठन खेल मंत्रालय द्वारा किया गया था. समिति की संस्तुति के आधार पर निम्नलिखित खिलाड़ियों/प्रशिक्षकों का चयन इन पुरस्कारों के लिए किया गया है. (प्रत्येक पुरस्कार के साथ उल्लेखित पुरस्कार राशि वह है, जो अभी तक उनके साथ दी जाती रही है. इन राशियों में परिवर्तन सम्भव है)

(i) मेजर ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार (2023)

देश का यह सर्वोच्च खेल पुरस्कार वर्ष 2023 के लिए बैडमिंटन खिलाड़ियों की जोड़ी सात्विकसाईराज रैकीरेड्डी व चिराग शेट्टी को दिया गया है. एशियाई खेलों में स्वर्ण, विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य तथा राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक विजेता यह जोड़ी विश्व रैंकिंग में नम्बर एक युगल जोड़ी रह चुकी है. पिछले वर्ष (2022 में) यह पुरस्कार टेबल टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी शरत कमल अचंत को दिया गया था.



सात्विकसाईराज रैकीरेड्डी व चिराग शेट्टी देश का सर्वोच्च खेल पुरस्कार

देश के इस सर्वोच्च खेल पुरस्कार मेजर ध्यानचंद खेल पुरस्कार को पहले राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार नाम से जाना जाता था. वर्ष 2021 से इसका नाम बदलकर 'मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार' कर दिया गया. यह पुरस्कार पिछले चार वर्षों की अवधि में खिलाड़ी द्वारा खेल के क्षेत्र में शानदार और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है. पुरस्कार के तहत ₹ 25 लाख की राशि पुरस्कृत खिलाड़ी को प्रदान की जाती है.

मेजर ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार से अब तक सम्मानित सभी खिलाड़ियों की सूची

| वर्ष | पुरस्कृत खिलाड़ी |
|------|--|
| 1992 | विश्वनाथन आनंद (शतरंज) |
| 1993 | गीत सेठी (विलियर्ड्स) |
| 1994 | (किसी को नहीं दिया गया) |
| 1995 | होमी डी मोतीवाला व पी.के. गर्ग (याचिंग) |
| 1996 | कर्णम मल्लेश्वरी (भारोत्तोलन) |
| 1997 | एन. कुंजारानी (भारोत्तोलन) व लिंएंडर पेस (टेनिस) |
| 1998 | सविन तेंदुलकर (क्रिकेट) |
| 1999 | ज्योतिर्मयी सिकंदर (एथलेटिक्स) |
| 2000 | धनराज पिल्लै (हॉकी) |
| 2001 | पुलेला गोपीचंद (बैडमिंटन) |
| 2002 | अभिनव बिन्दा (निशानेबाजी) |
| 2003 | अंजलि भागवत (निशानेबाजी) व के.एम. बीनामोल (एथलेटिक्स) |
| 2004 | अंजू बॉबी जॉर्ज (एथलेटिक्स) |
| 2005 | ले. कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौर (निशानेबाजी) |
| 2006 | पंकज आडवाणी (विलियर्ड्स एवं स्नूकर) |
| 2007 | मानवजीत सिंह संघु (निशानेबाजी) |
| 2008 | महेन्द्र सिंह धोनी (क्रिकेट) |
| 2009 | मैरीकॉम (मुक्केबाजी), विजेन्द्र सिंह (मुक्केबाजी) व सुशील कुमार (कुश्ती) |
| 2010 | साइना नेहवाल (बैडमिंटन) |
| 2011 | गगन नारंग (निशानेबाजी) |
| 2012 | विजय कुमार (निशानेबाजी) व योगेश्वर दत्त (कुश्ती) |
| 2013 | रॉजान सोडी (निशानेबाजी) |
| 2014 | (किसी को नहीं) |
| 2015 | सानिया मिर्जा (टेनिस) |
| 2016 | पी.वी. सिंधु (बैडमिंटन), साक्षी मलिक (कुश्ती), दीपा कर्माकर (जिमनास्टिक) व जीतू राय (निशानेबाजी) |
| 2017 | देवेन्द्र झांझरिया (पैराएथलीट) व सरदार सिंह (हॉकी) |
| 2018 | एस. मीराबाई चानू (भारोत्तोलन) व विराट कोहली (क्रिकेट) |
| 2019 | वजरंग पुनिया (कुश्ती) व दीपा मलिक (पैराएथलीट) |
| 2020 | रोहित शर्मा (क्रिकेट), मरियप्पन थंगवेलु (पैराएथलेटिक्स), मनिका बत्रा (टेबल टेनिस), विनेश फोगट (पहलवान) व रानी रामपाल (हॉकी) |
| 2021 | नीरज चोपड़ा (एथलेटिक्स), रवि कुमार (कुश्ती), लवलीना बोरगोहेन (मुक्केबाजी), पी.आर. श्रीजेश (हॉकी), अबनि लेखारा (पैरा शूटिंग), सुमित अंतिल (पैरा एथलेटिक्स), प्रमोद भगत (पैरा बैडमिंटन), कृष्णा नागर (पैरा बैडमिंटन), मनीष नरवाल (पैरा शूटिंग), मिताली राज (क्रिकेट), सुनील छेत्री (फुटबाल), मनप्रीत सिंह (हॉकी) |
| 2022 | शरत, कमल अचंत (टेबल टेनिस) |
| 2023 | सात्विकसाईराज रैकीरेड्डी व चिराग शेट्टी (दोनों बैडमिंटन) |

(ii) अर्जुन पुरस्कार (2023)

'खेल' में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अर्जुन पुरस्कार पिछले चार वर्षों की अवधि में अच्छे प्रदर्शन, नेतृत्व खेल और अनुशासन की भावना दिखाने के लिए दिया जाता है. इस पुरस्कार के तहत ₹ 15-15 लाख की राशि पुरस्कृत खिलाड़ियों को दी जाती है. वर्ष 2023 के इस पुरस्कार के लिए विभिन्न खेलों के 26 खिलाड़ियों को चुना गया है. इनमें एथलीट पारुल चौधरी, शतरंज स्टार आर. वैशाली, क्रिकेटर मोहम्मद शमी, पैरा तीरंदाज शीतल देवी व हॉकी खिलाड़ी कृष्ण बहादुर पाठक आदि शामिल हैं. सभी पुरस्कृत 26 खिलाड़ियों की सूची—

| क्र. | खिलाड़ी का नाम | क्षेत्र |
|------|-----------------------------|-----------------|
| 1. | ओजस प्रवीण देवताले | तीरंदाजी |
| 2. | सुश्री अदिति गोपीचंद स्वामी | तीरंदाजी |
| 3. | श्रीशंकर एम | एथलेटिक्स |
| 4. | सुश्री पारुल चौधरी | एथलेटिक्स |
| 5. | मोहम्मद हुसामुद्दीन | मुक्केबाजी |
| 6. | सुश्री आर. वैशाली | शतरंज |
| 7. | मोहम्मद शमी | क्रिकेट |
| 8. | अनुष अग्रवाल | घुड़सवारी |
| 9. | सुश्री दिव्यकृति सिंह | घुड़सवारी |
| 10. | सुश्री दीक्षा डागर | गोल्फ |
| 11. | कृष्ण बहादुर पाठक | हॉकी |
| 12. | सुश्री पुखरामवम सुशीला चानू | हॉकी |
| 13. | पवन कुमार | कबड्डी |
| 14. | सुश्री रिंतु नेगी | कबड्डी |
| 15. | सुश्री नसरीन | खो-खो |
| 16. | सुश्री पिंकी | लॉन बाल्स |
| 17. | ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर | निशानेबाजी |
| 18. | सुश्री ईशा सिंह | निशानेबाजी |
| 19. | हरिंदर पाल सिंह संघु | स्क्वॉश |
| 20. | सुश्री अयहिका मुखर्जी | टेबल टेनिस |
| 21. | सुनील कुमार | कुश्ती |
| 22. | सुश्री अंतिम पंधाल | कुश्ती |
| 23. | सुश्री नाओरेम रोशिविना देवी | बुशू |
| 24. | सुश्री शीतल देवी | पैरा तीरंदाजी |
| 25. | इल्लूरी अजय कुमार रेड्डी | ब्लाइंड क्रिकेट |
| 26. | सुश्री प्राची यादव | पैरा केनोइंग |



आर. वैशाली (शतरंज)



शीतल देवी (पैरा तीरंदाज)



मोहम्मद शमी (क्रिकेट)



पारुल चौधरी (एथलेटिक्स)



सुनील कुमार
(कुरती)



मोहम्मद हुसामुद्दीन
(मुक्केबाजी)

(iii) खेलों में उत्कृष्ट प्रशिक्षकों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार 2023

खेलों में उत्कृष्ट प्रशिक्षकों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार कोचों के लगातार उत्कृष्ट और सराहनीय कार्य के साथ-साथ खिलाड़ियों को अन्तर्राष्ट्रीय आयोजनों में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए दिया जाता है।

यह पुरस्कार दो श्रेणियों—(i) नियमित श्रेणी, (ii) लाइफटाइम श्रेणी में दिया जाता है। पुरस्कार के तहत देय राशि नियमित श्रेणी में ₹ 10-10 लाख तथा लाइफटाइम श्रेणी में ₹ 15-15 लाख है। इस वर्ष निम्नलिखित 8 प्रशिक्षकों को यह पुरस्कार दिया गया है (इनमें 5 को यह पुरस्कार नियमित श्रेणी में व 3 प्रशिक्षकों को यह लाइफटाइम श्रेणी में दिया गया है)।

(क) नियमित श्रेणी

| क्र. | कोच का नाम | खेल |
|------|-----------------------|----------------|
| 1. | ललित कुमार | कुरती |
| 2. | आर. वी. रमेश | शतरंज |
| 3. | महावीर प्रसाद सैनी | पैरा एथलेटिक्स |
| 4. | शिवेन्द्र सिंह | हॉकी |
| 5. | गणेश प्रभाकर देवरुखकर | मल्लखांब |

(ख) आजीवन श्रेणी

| क्र. | कोच का नाम | खेल |
|------|---------------------|------------|
| 1. | जसकीरत सिंह ग्रेवाल | गोल्फ |
| 2. | भास्करन ई | कबड्डी |
| 3. | जयन्त कुमार पुशीलाल | टेबल टेनिस |

(iv) खेल और खेलों में जीवनपर्यंत उपलब्धि के लिए ध्यानचंद पुरस्कार 2023

'खेल और स्पर्धाओं में लाइफटाइम अचीवमेंट के लिए ध्यानचंद पुरस्कार' उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है, जिन्होंने अपने प्रदर्शन से खेल में योगदान दिया है और सेवानिवृत्ति के बाद भी खेल को बढ़ावा देने में योगदान देना जारी रखा है।

इस पुरस्कार के तहत देय पुरस्कार राशि ₹ 10-10 लाख है। इस वर्ष यह पुरस्कार अग्रलिखित खिलाड़ियों को दिया गया है—

| क्र. | खिलाड़ी का नाम | खेल |
|------|-----------------------|----------|
| 1. | सुश्री मंजूषा कवर | बैडमिंटन |
| 2. | विनीत कुमार शर्मा | हॉकी |
| 3. | सुश्री कविता सेल्वराज | कबड्डी |

(v) मौलाना अबुल कलाम आजाद (MAKA) ट्रॉफी 2023

अन्तर्विश्वविद्यालयी टूर्नामेंटों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालय के लिए 1956-57 में स्थापित इस पुरस्कार के तहत ट्रॉफी के साथ ₹ 15 लाख की राशि विजेता विश्वविद्यालय को प्रदान की जाती है। इस वर्ष इस ट्रॉफी के लिए पहले तीन स्थानों पर रहे विश्वविद्यालयों के नाम निम्नलिखित हैं—

| | | |
|----|--|---|
| 1. | गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर | समग्र रूप से शीर्ष प्रदर्शन के विजेता विश्वविद्यालय |
| 2. | लवली प्रोफेशनल यूनीवर्सिटी, पंजाब | प्रथम उपविजेता विश्वविद्यालय |
| 3. | कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र | द्वितीय उपविजेता विश्वविद्यालय |

उपर्युक्त पुरस्कारों के अतिरिक्त तेनजिंग नॉर्गे राष्ट्रीय एडवेंचर पुरस्कार तथा राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार भी राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के साथ ही दिए जाते हैं। इन पुरस्कारों की घोषणा अभी 20 दिसम्बर, 2023 को नहीं की गई है।

उपर्युक्त सभी पुरस्कारों के साथ उल्लेखित पुरस्कार राशियाँ वह हैं, जो अभी पिछले वर्ष तक इन पुरस्कारों के साथ दी जाती रही हैं। इस वर्ष 9 जनवरी, 2024 को पुरस्कारों के वितरण के समय पुरस्कार राशियाँ वृद्धियाँ सम्भव हैं।

शांति, निःशस्त्रीकरण और विकास हेतु इंदिरा गांधी पुरस्कार (2023)

शांति, निःशस्त्रीकरण एवं विकास हेतु वर्ष 2023 का इंदिरा गांधी पुरस्कार अर्जेन्टीना मूल के इजरायली पियानो वादक



डेनियल बरेन बोइम



अली अबु अव्वाद

व संगीत निदेशक डेनियल बरेन बोइम (Daniel Barenboim) व फिलीस्तीनी शांति कार्यकर्ता अली अबु अव्वाद (Ali Abu Awwad) को संयुक्त रूप से दिया जाएगा।

इंदिरा गांधी स्मारक ट्रस्ट के अनुसार इन दोनों ने अपनी संगीत कला तथा शांति संवाद के जरिए इजरायल फिलीस्तीन युद्ध के दौरान शांति एवं सद्भावना बनाए रखने में अहम भूमिका इन दोनों ने निभाई तथा सामाजिक व सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने का काम किया।



हेनरी किस्सिंजर

अमरीका के पूर्व विदेश मंत्री हेनरी किस्सिंजर (Henry Kissinger) का 29 नवम्बर, 2023 को कनेक्टिकट में कैंट में निधन हो गया। दो माह पूर्व ही अपना 100वाँ जन्म दिवस उन्होंने मनाया था। 1973-77 के दौरान दो राष्ट्रपतियों



हेनरी किस्सिंजर

रिचर्ड निक्सन व गेराल्ड फोर्ड के साथ सम्बद्ध रहे हेनरी किस्सिंजर की गणना अमरीकी विदेश नीति को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वालों में की जाती है। अमरीका के सबसे तेज तर्रार विदेश मंत्रियों में से एक रहे हेनरी किस्सिंजर अमरीका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी रहे थे। अमरीका की कई नीतियों के कारण वह अत्यधिक विवादित भी रहे थे। अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किस्सिंजर को 1973 में नोबेल शांति पुरस्कार भी प्रदान किया गया था।

शेख नवाफ अल-अहमद अल सबा

कुवैत के (अमीर शासक) शेख नवाफ अल-अहमद अल-जबर (Sheikh Nawaf al-Ahmad al-Sabah) का, 16 दिसम्बर,



शेख नवाफ अल-अहमद अल-जबर अल-सबा

2023 का 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। शेख नवाफ ने सितम्बर 2020 में अपने सौतेले भाई शेख सबा अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के निधन के बाद सत्ता सँभाली थी। शेख नवाफ के निधन के बाद अब उनके 83 वर्षीय सौतेले भाई क्राउन प्रिंस शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा कुवैत के नए (अमीर शासक) घोषित किए गए हैं।

शेख नवाफ की अस्वस्थता के चलते क्राउन प्रिंस शेख मेशाल ही 2021 से देश के शासक के अधिकांश दायित्व सँभाले हुए थे।

कुवैत के अमीर शेख नवाफ के निधन पर एक दिन (17 दिसम्बर) का राजकीय शोक भारत में घोषित किया गया.

जूनियर महमूद

बीते वर्षों के प्रसिद्ध चरित्र अभिनेता जूनियर महमूद, जिनका मूल नाम नईम सैयद था, का 8 दिसम्बर, 2023 को मुम्बई में निधन हो गया. वह 67 वर्ष के थे. हाथी मेरे साथी, कटी पतंग व कारवाँ आदि फिल्मों में भूमिकाओं से विशेष ख्याति उन्होंने प्राप्त की थी.

वर्ष/दिवस/सप्ताह

(Year/Days/Week)

दिसम्बर 2023

1 दिसम्बर-विश्व एड्स दिवस

वर्ष 2023 की थीम-“समुदायों को नेतृत्व करने दें” (“Let Communities Lead”)

(एड्स के प्रति जागरूकता लाने के लिए जेम्स डब्ल्यू. बुन व थॉमस नैटर की पहल पर 1 दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस के रूप में मनाने का निर्णय यूएन एड्स (UN AIDS) द्वारा 1988 में किया गया था.)

3 दिसम्बर-दिव्यांग जनों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दिवस

(संयुक्त राष्ट्र संघ की पहल पर वर्ष 1992 से 3 दिसम्बर को दिव्यांग जनों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है.)

3 दिसम्बर-पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती

4 दिसम्बर-नौसेना दिवस (भारत)

(1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भारतीय नौसेना की उपलब्धियों की स्मृति में 4 दिसम्बर को प्रतिवर्ष नौसेना दिवस के रूप में मनाया जाता है. इस दिन कराची बन्दरगाह पर हमला करके शानदार सफलता प्राप्त की थी.)

5 दिसम्बर-विश्व मृदा दिवस (World Soil Day)

(वैश्विक खाद्य समस्या से निपटने में मृदा के महत्व को देखते हुए खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) की पहल पर वर्ष 2013 से 5 दिसम्बर को विश्व मृदा दिवस के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है.)

6 दिसम्बर-नागरिक सुरक्षा दिवस (Civil Defence Day) (होमगार्ड स्थापना दिवस)

(नागरिक सुरक्षा के लिए भारत में होमगार्ड की स्थापना 6 दिसम्बर, 1946 को सर्वप्रथम मुम्बई में की गई थी. 1962 में चीन के आक्रमण के समय पूरे देश के ऐसे

विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों को एकजुट करके अखिल भारतीय स्तर पर इस स्वयंसेवी संगठन को मूर्त रूप दिया गया था.)

6 दिसम्बर-बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस

(भारतरत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का निधन 6 दिसम्बर, 1956 को हुआ था. उनकी पुण्यतिथि, 6 दिसम्बर को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाई जाती है)

7 दिसम्बर-सशस्त्र बलों का झण्डा दिवस

(यह भारतीय सशस्त्र बलों के कर्मियों के कल्याण हेतु देश की जनता से धनसंग्रह को समर्पित दिन है, जोकि 1949 से प्रतिवर्ष 7 दिसम्बर को मनाया जाता है. सशस्त्र सेना के प्रतीक चिह्न झण्डे का वितरण कर धन संग्रह इस दिन किया जाता है.)

9 दिसम्बर-संयुक्त राष्ट्र भ्रष्टाचार निरोधी दिवस

(संयुक्त राष्ट्र संघ की पहल पर प्रतिवर्ष 9 दिसम्बर को भ्रष्टाचार निरोधी दिवस के रूप में वर्ष 2003 से मनाया जाता है.)

10 दिसम्बर-अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस

(संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र 10 दिसम्बर, 1948 को स्वीकार किया गया था. इस उपलक्ष्य में इस दिन को अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है. उल्लेखनीय है कि इस वर्ष (2023) मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा की 75वीं वर्षगांठ है.)

11 दिसम्बर-अन्तर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस

(पर्वतों के सतत् विकास पर ध्यान केन्द्रित करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रतिवर्ष 11 दिसम्बर को अन्तर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव 2003 में पारित किया था.)

14 दिसम्बर-राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस

(विद्युत् मंत्रालय के ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशियेंसी के तत्वावधान में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस का आयोजन वर्ष 1991 से प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को किया जाता है.)

16 दिसम्बर-विजय दिवस

(1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की विजय की स्मृति में यह दिन विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है. 13 दिन तक चले इस युद्ध में पराजय के बाद 16 दिसम्बर, 1971 को पाकिस्तानी सेना ने तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में भारतीय सेना के समक्ष समर्पण किया था. इसके साथ ही बांग्लादेश अस्तित्व में आया था. इस युद्ध में भारत की विजय का 50वाँ विजय दिवस

16 दिसम्बर, 2021 को मनाया गया था. यह दिवस भारत व बांग्लादेश दोनों में ही मनाया जाता है.)

19 दिसम्बर-गोवा, दमन व दीव मुक्ति दिवस

(भारतीय सेनाओं ने गोवा, दमन व दीव को पुर्तगाली शासन से 19 दिसम्बर, 1961 को मुक्त कराया था.)

20 दिसम्बर-विश्व मानव एकता दिवस (इंटरनेशनल ह्यूमन सॉलिडैरिटी डे)

(विविधता में एकता दर्शाने के लिए प्रतिवर्ष 20 दिसम्बर को विश्व मानव एकता दिवस के रूप में मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा 2005 में की गई थी.)

22 दिसम्बर-राष्ट्रीय गणित दिवस

(प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवासन रामानुजान का जन्म 22 दिसम्बर, 1887 को हुआ था. उनके जन्म दिन को राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाने की घोषणा 26 फरवरी, 2012 को तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने उनकी 125वीं जयंती के एक कार्यक्रम में की थी.)

23 दिसम्बर-राष्ट्रीय किसान दिवस

(23 दिसम्बर पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह का जन्म दिवस है. इस दिन को किसान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा वर्ष 2001 में श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा की गई थी.)

24 दिसम्बर-राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस

(उपभोक्ताओं को शोषण से बचाने के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 को 24 दिसम्बर, 1986 से लागू किया गया था, जिसके उपलक्ष्य में इस दिन को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के रूप में मनाया जाता है.)

25 दिसम्बर-भारतरत्न महामना मदन मोहन मालवीय की जयंती

(महामना मदन मोहन मालवीय का जन्म 25 दिसम्बर, 1861 को हुआ था.)

25 दिसम्बर-सुशासन दिवस

(पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस 25 दिसम्बर को सुशासन दिवस के रूप में मनाने की घोषणा नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने 2014 में की थी.)

26 दिसम्बर-वीर बाल दिवस

(सिखों के गुरु गोविंद सिंह के साहेब-जादों की शहादत की स्मृति में 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 9 जनवरी, 2022 को गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश उत्सव के अवसर पर की थी.)

28 दिसम्बर-कांग्रेस पार्टी का स्थापना दिवस

(28 दिसम्बर, 2023 को कांग्रेस का 139वाँ स्थापना दिवस था. इस पार्टी की स्थापना 28 दिसम्बर, 1885 को हुई थी.)

पुस्तकें

(Books)

बर्निंग रोजेज इन माई गार्डन (Burning Roses in My Garden)—तसलीमा नसरीन
वेलकम टु पैराडाइज (Welcome to Paradise) —टिवकल खन्ना
वी आल्सो मेक पॉलिसी (We Also Make Policy) —सुभाष चन्द्र गर्ग
रोमन स्टोरीज (Roman Stories)

—झुम्मा लाहिरी

ब्रेकिंग द मोल्ड (Breaking The Mould)
—रघुराम जी. राजन व रोहित लाम्बा
प्रणव, माई फादर : ए डॉटर रिमेंबर्स
(Pranab, My Father : A daughter Remembers) —शर्मिष्ठा मुखर्जी

दुर्घटना

(Accident)

वायु सेना का प्रशिक्षु विमान मेडक जिले में दुर्घटनाग्रस्त : दो पायलट्स की मृत्यु

भारतीय वायु सेना का एक प्रशिक्षु विमान आन्ध्र प्रदेश के मेडक जिले में 4 दिसम्बर, 2023 को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। स्विस मूल के प्रशिक्षु विमान पिलाट्स पीसी-7 एम.के.-11 ने वायु सेना अकादमी से नियमित प्रशिक्षण हेतु उड़ान प्रातः भरी थी। उड़ान भरने के कुछ ही देर पश्चात् मेडक जिले में यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एक प्रशिक्षक के साथ एक-एक प्रशिक्षु पायलट विमान पर सवार थे, जो दोनों इस दुर्घटना में मारे गए।

चक्रवाती तूफान मिचाँग से आन्ध्र प्रदेश व तमिलनाडु में तबाही

बंगाल की खाड़ी से 1-2 दिसम्बर, 2023 को उठे भीषण चक्रवाती तूफान मिचाँग (Michaung) ने आन्ध्र प्रदेश के नेल्लोर व मछलीपट्टनम जिलों के तट से टकराने से पूर्व चेन्नई सहित तमिलनाडु के तटवर्ती जिलों में भारी तबाही मचाई। तट से टकराने के पश्चात् तूफान यद्यपि कमजोर पड़ गया था, तथापि भूस्खलन से पहले ही भारी वर्षा ने तबाही की स्थिति चेन्नई व तमिलनाडु के अन्य शहरों में उत्पन्न की। अकेले एक दिन 4 दिसम्बर को हुई 24 सेमी वर्षा दिसम्बर 2015 के जलप्लावन के पश्चात् अब तक की सर्वोच्च बताई गई है। दीवारें ढहने, पानी में डूबने, करंट लगने व पेड़ गिरने आदि से ही कम-से-कम 17 लोगों की जानें अकेले चेन्नई में ही गईं। आन्ध्र प्रदेश व तमिलनाडु के पश्चात् ओडिशा के तटवर्ती क्षेत्रों पर भी तूफान ने कुछ क्षति पहुँचाई।

प्रतियोगिता दर्पण/फरवरी/2024/38

तूफान एवं वर्षा के कारण आन्ध्र प्रदेश व तमिलनाडु को ₹ 493-60 करोड़ व ₹ 450 करोड़ की दो-दो समान राहत राशियाँ केन्द्र की ओर से प्रदान की गई हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने इस आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने तथा ₹ 200 करोड़ की राहत राशि की माँग केन्द्र से की है।

विविध

(Miscellaneous)

आसियान महिला सैन्य कर्मियों के साथ भारतीय सेना का टेबल टॉप अभ्यास एक्सरसाइज (TTX)

एक ऐतिहासिक पहल के तहत भारतीय सेना ने 'आसियान' देशों की महिला सैन्य अधिकारियों के साथ एक टेबल टॉप एक्सरसाइज (TTX) नई दिल्ली के मानेकशाँ सेंटर में 4-8 दिसम्बर, 2023 को सम्पन्न की। संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभ्यास पर व्याख्यानों एवं प्रदर्शनों का आयोजन इस 'टेबल टॉप' अभ्यास में किया गया।

यह अभ्यास शांति मिशनों में अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग एवं क्षमता निर्माण को मजबूत करने के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केन्द्र (Centre for United Nations Peace Keeping—CUNPK) के प्रयासों के तहत सम्पन्न किया गया था।

भारत-अमरीका का विशेष सशस्त्र बलों का संयुक्त अभ्यास वज्र प्रहार 2023

भारत व अमरीका का संयुक्त विशेष सशस्त्र बल अभ्यास (Special Forces Exercise) वज्र प्रहार 2023 मेघालय में उमरोइ (Umroi) में 21 नवम्बर-11 दिसम्बर, 2023 को सम्पन्न हुआ। अमरीका के विशेष सैन्य बल की टुकड़ी दोनों देशों के बीच इस वार्षिक अभ्यास में शामिल होती है।

दोनों देशों के बीच वज्र प्रहार अभ्यास का यह 14वाँ संस्करण था। इसका पहला संस्करण 2010 में भारत में सम्पन्न हुआ था, जबकि पिछला 13वाँ संस्करण हिमाचल प्रदेश में बकलोह (Bakloh) में सम्पन्न हुआ था।

भारत व अमरीका की थल सेनाओं के बीच एक अन्य वार्षिक युद्धाभ्यास (Yudh Abhyas) बारी-बारी से एक-दूसरे में प्रतिवर्ष होता है। युद्ध अभ्यास का हाल ही में 19वाँ संस्करण 25 सितम्बर-8 अक्टूबर, 2023 को अमरीका में अलास्का में सम्पन्न हुआ था, जबकि पिछला 18वाँ संस्करण उत्तराखण्ड में ऑली में 19 नवम्बर-3 दिसम्बर, 2022 को सम्पन्न हुआ था।

विनबैक्स 2023 : भारत एवं वियतनाम का संयुक्त सैन्य अभ्यास

भारत एवं वियतनाम की सेनाओं के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास विनबैक्स 2023 (VINBAX 2023) वियतनाम की राजधानी हनोई में 11-21 दिसम्बर, 2023 को सम्पन्न हुआ है। 11 दिन के इस संयुक्त अभ्यास में भारत के 45 सैन्य कर्मी शामिल रहे। वियतनाम की ओर से भी इतने ही सैनिक इस संयुक्त अभ्यास में शामिल रहे।

भारत एवं वियतनाम के बीच बारी-बारी से आयोजित किए जाने वाले इस वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का पिछला संस्करण अगस्त 2022 में भारत में चंडी मन्दिर सैन्य स्टेशन पर आयोजित किया गया था।

रिज़ ऑक्सफोर्ड यूनीवर्सिटी प्रेस का वर्ष 2023 का वर्ड ऑफ द ईयर

ऑक्सफोर्ड यूनीवर्सिटी प्रेस प्रति वर्ष एक शब्द को 'वर्ष के शब्द' (Word of the year) के रूप में चुनती है। वर्ष 2023 के लिए ऐसा चुना गया शब्द रिज़ (Rizz) है। यह शब्द शैली, सौंदर्य, रोमांटिक या यौन साथी को आकर्षित करने की क्षमता को सन्दर्भित करता है।

सूरत को अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा

गुजरात स्थित सूरत हवाई अड्डे को अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा दिसम्बर 2023 में प्रदान किया गया है। इस आशय का निर्णय केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में 15 दिसम्बर, 2023 की बैठक में लिया गया। अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा घोषित होने से सूरत विमान-पत्तन न केवल अन्तर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार बनेगा, बल्कि राज्य के समृद्ध हीरा एवं वस्त्र उद्योगों के लिए आयात-निर्यात की उच्च स्तरीय सुविधा उपलब्ध कराएगा।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, गोवा के पहले स्थापना दिवस पर स्मारक डाक टिकट

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (All Indian Institute of Ayurveda) ने गोवा में एक वर्ष हाल ही में पूरा किया है। इसके पहले स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट डाक विभाग द्वारा 20 दिसम्बर, 2023 को जारी किया। केन्द्रीय आयुष मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल ने विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में यह स्मारक डाक टिकट जारी किया।

शेष पृष्ठ 42 पर

खेलकूद



मुक्केबाजी

पुरुषों की राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप (2023)

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (Boxing Federation of India) के तत्वावधान में पुरुषों की सातवीं राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप शिलॉंग में 25 नवम्बर-1 दिसम्बर, 2023 को सम्पन्न हुई. इसमें ओवरऑल टीम चैम्पियनशिप सेना (SSCB) के नाम रही. सेना के ही आकाश सांगवान को सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज घोषित किया गया. विभिन्न वर्गों में वैयक्तिक विजेताओं के नाम निम्नलिखित हैं-

| | |
|-------------|--------------------------|
| 48 किग्रा | बरुन सिंह (सेना) |
| 51 किग्रा | अमित पंधाल (सेना) |
| 54 किग्रा | ललित (एआईपी) |
| 57 किग्रा | सचिन सिवाच जूनियर (सेना) |
| 60 किग्रा | आकाश कुमार (सेना) |
| 63.5 किग्रा | शिव थापा (असम) |
| 67-0 किग्रा | रजत (सेना) |
| 71-0 किग्रा | आकाश सांगवान (सेना) |
| 75-0 किग्रा | दीपक (सेना) |
| 80-0 किग्रा | लक्ष्य चाहर (सेना) |
| 86-0 किग्रा | जुगनू (सेना) |
| 92-0 किग्रा | संजीत (सेना) |

महिलाओं की सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप (2023)

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (BFI) के तत्वावधान में महिलाओं की सीनियर राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप का आयोजन ग्रेटर



बैडमिन्टन

अन्तर्राज्यीय अन्तर्क्षेत्रीय एवं सीनियर राष्ट्रीय बैडमिन्टन चैम्पियनशिप (2023)

76वीं अन्तर्राज्यीय अन्तर्क्षेत्रीय एवं 85वीं सीनियर राष्ट्रीय बैडमिन्टन चैम्पियनशिप का आयोजन गुवाहाटी (असम) में 18-24 दिसम्बर, 2023 को हुआ. इसमें पुरुषों का टीम खिताब भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (Airports Authority of India-AAI) ने फाइनल में कर्नाटक को 3-0 से हरा कर जीता, जबकि महिला वर्ग की चैम्पियनशिप के लिए महाराष्ट्र ने एयरपोर्ट्स अथॉरिटी को फाइनल में 3-0 से पराजित किया.

वैयक्तिक खिताबों के लिए बाद में सम्पन्न 85वीं सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में पुरुष व महिला वर्ग के एकल खिताब क्रमशः रेलवे के चिराग सेन व हरियाणा की अनमोल खर्ब ने जीते. पुरुषों की एकल चैम्पियनशिप के लिए रेलवे के चिराग सेन ने फाइनल मुकाबले में तेलंगाना के थारून एम को हरा कर खिताब जहाँ जीता, वहीं महिलाओं के एकल खिताब के लिए फाइनल में चोटिल हुई तनवी शर्मा (पंजाब) को फाइनल में 16 वर्षीय अनमोल खर्ब (हरियाणा) ने हराया.



चिराग सेन

पुरुषों का युगल खिताब रेलवे के पृथ्वी रॉय व असम के सूरज गोला की जोड़ी ने फाइनल में कृष्ण प्रसाद गरगा व विष्णु वर्द्धन गौड़ की पंजाब की जोड़ी को हरा कर जहाँ जीता. वहीं महिलाओं के युगल खिताब के लिए प्रिया देवी (मणिपुर) व श्रुति

मिश्रा (उत्तर प्रदेश) की जोड़ी ने रितिका थाकर व सिमरन सिंह की महाराष्ट्र की जोड़ी को फाइनल में हराया. इस टूर्नामेंट



अनमोल खर्ब
बैडमिन्टन के नए
राष्ट्रीय चैम्पियन (2023)

का मिश्रित युगल खिताब ध्रुव कपिला (पंजाब) व तनीषा क्रैस्टो (गोवा) की जोड़ी ने नितिन कुमार व नवधा मंगलम की दिल्ली की जोड़ी को फाइनल में हरा कर जीता.

सभी विजेताओं व उपविजेताओं के नाम तालिका में दर्शाए गए हैं-

85वीं सीनियर राष्ट्रीय बैडमिन्टन चैम्पियनशिप (2023)

(18-24 दिसम्बर, 2023 गुवाहाटी, असम)

विजेता एवं उपविजेता

| | | |
|--------------|--------------------|---|
| पुरुष एकल | विजेता उपविजेता | चिराग सेन (रेलवे) थारून एम (तेलंगाना) |
| महिला एकल | विजेता उपविजेता | अनमोल खर्ब (हरियाणा) तनवी शर्मा (पंजाब) |
| पुरुष युगल | विजेता उपविजेता | के. पृथ्वी रॉय (रेलवे) व सूरज गोला (असम) कृष्ण प्रसाद गरगा व विष्णुवर्द्धन गौड़ (पंजाब) |
| महिला युगल | विजेता उपविजेता | प्रिया देवी कोंजेंग बाम (मणिपुर) व श्रुति मिश्रा (उ. प्र.) रितिका थाकर व सिमरन सिंह (महाराष्ट्र) |
| मिश्रित युगल | विजेता उपविजेता | ध्रुव कपिला (पंजाब) व तनीषा क्रैस्टो (गोवा) नितिन कुमार व नवधा मंगलम (दिल्ली) |

76वीं अन्तर्राज्यीय व अन्तर्क्षेत्रीय चैम्पियनशिप (2023)

(टीम चैम्पियनशिप)

| | | |
|------------|-----------------------------------|-----------------------------------|
| पुरुष वर्ग | भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) | कर्नाटक |
| महिला वर्ग | महाराष्ट्र | भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) |

नोएडा में 22-27 दिसम्बर, 2023 को हुआ. 5 स्वर्ण, 1 रजत व 2 कांस्य सहित कुल 8 पदक जीतकर इसमें ओवरऑल चैम्पियनशिप रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (RSPB) ने ही जीती. यह लगातार चौथा वर्ष है, जब ओवर-ऑल चैम्पियनशिप रेलवे के नाम रही. 3 स्वर्ण, 3 रजत व 1 कांस्य के साथ हरियाणा का दूसरा स्थान रहा.

फेयरप्ले ट्रॉफी उत्तर प्रदेश को प्रदान की गई. सेना की जैसमीन को इस आयोजन की सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज का, उत्तर प्रदेश की सोनिया को सर्वश्रेष्ठ चैलेंजर का तथा राज-स्थान की ललिता को सर्वश्रेष्ठ प्रॉमिसिंग मुक्केबाज का पुरस्कार मिला.

| विभिन्न वर्गों में स्वर्ण पदक विजेता | |
|--------------------------------------|-----------------------|
| वर्ग | विजेता |
| 48 किग्रा | मीनाक्षी (पुलिस) |
| 50 किग्रा | अनामिका (रेलवे) |
| 52 किग्रा | ज्योति (रेलवे) |
| 54 किग्रा | शिक्षा (रेलवे) |
| 57 किग्रा | सोनिया लेदर (रेलवे) |
| 60 किग्रा | जैसमीन (सेना) |
| 63 किग्रा | प्राची (हरियाणा) |
| 66 किग्रा | अरुंधति चौधरी (सेना) |
| 70 किग्रा | ललिता (राजस्थान) |
| 75 किग्रा | पूजा रानी (हरियाणा) |
| 81 किग्रा | स्वीटी बूरा (हरियाणा) |
| 81 किग्रा + | नूपुर (रेलवे) |



चेन्नई की वैशाली देश की 84वीं ग्रांड मास्टर : ग्रांड मास्टर खिताब जीतने वाली भारत की तीसरी महिला भी बनीं : आर प्रगनानंद व आर. वैशाली ग्रांड मास्टर का खिताब जीतने वाली भाई-बहन की विश्व की पहली जोड़ी

चेन्नई की 22 वर्षीय आर. वैशाली, जिन्होंने फिडे ग्रांड स्विस् शतरंज खिताब जीत कर वर्ष 2024 के कैडिडेड्स टूर्नामेंट में भाग लेने की अर्हता नवम्बर 2023 में ही प्राप्त की थी, ने ग्रांड मास्टर (GM) खिताब के लिए आवश्यक ईलो (Elo) रेटिंग दिसम्बर माह में 2500 से अधिक कर ली. वैशाली ने यह उपलब्धि स्पेन के एल लोब्रेगाट ओपन में एक मुकाबले में 1 दिसम्बर, 2023 को प्राप्त की. ग्रांड

मास्टर खिताब के लिए आवश्यक तीसरा ग्रांड मास्टर नॉर्म वैशाली ने अक्टूबर 2023 में कतर मास्टर्स टूर्नामेंट में प्राप्त कर लिया था.



आर. प्रगनानंद व आर. वैशाली ग्रांड मास्टर खिताब प्राप्त करने वाली भाई-बहन की पहली जोड़ी

चेन्नई की आर. वैशाली भारत की 84वीं ग्रांड मास्टर हैं. इनमें तीन महिलाएं—आर. वैशाली, कोनेरु हम्पी, तथा डी. हरिका शामिल हैं. वैशाली जहाँ अब दिसम्बर 2023 में ग्रांड मास्टर बनी हैं, कोनेरु हम्पी ने 2002 में तथा डी. हरिका ने 2011 में यह उपलब्धि प्राप्त की थी.

22 वर्षीय वैशाली के 18 वर्षीय भाई आर. प्रगनानंद को शतरंज ग्रांड मास्टर खिताब पहले ही प्राप्त है. इस प्रकार प्रगनानंद व वैशाली की जोड़ी शतरंज में ग्रांड मास्टर का खिताब हासिल करने वाली भाई-बहन की पहली जोड़ी है.

शतरंज के ग्रांड मास्टर (GM) व महिला ग्रांड मास्टर (WGM) के खिताब अलग-अलग हैं. महिला ग्रांड मास्टर केवल महिलाओं के लिए ही हैं, जबकि ग्रांड मास्टर खिताब पुरुषों व महिलाओं दोनों द्वारा प्राप्त किया जा सकता है. ग्रांड मास्टर खिताब महिला ग्रांड मास्टर खिताब से उच्च दर्जे का खिताब है. भारत में ग्रांड मास्टर खिताब जहाँ तीन महिलाओं को ही प्राप्त है, महिला ग्रांड मास्टर खिताब 25 महिलाओं को प्राप्त है. (दिसम्बर 2023 की स्थिति)



विजय हजारे ट्रॉफी (2023-24)

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की लिस्ट ए क्रिकेट की विजय हजारे ट्रॉफी की 31वें संस्करण के लिए मैच 12 नवम्बर - 16 दिसम्बर, 2023 को खेले गए. कुल मिलाकर 38 टीमों इस टूर्नामेंट में शामिल थीं, जिनमें फाइनल मुकाबला हरियाणा व राजस्थान की टीमों के बीच हुआ. राजकोट में 16 दिसम्बर को खेले गए फाइनल में राज-

स्थान को 30 रनों से हरा कर हरियाणा ने यह ट्रॉफी जीतने में सफलता प्राप्त की. एकदिवसीय क्रिकेट की विजय हजारे ट्रॉफी के लिए हरियाणा का यह पहला ही खिताब है.

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में राहुल द्रविड़ के कार्यकाल में वृद्धि

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में राहुल द्रविड़, जिन्हें 2 वर्ष के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच 2021 में नियुक्त किया गया था, का यह कार्यकाल आईसीसी विश्व कप (2023) की समाप्ति के साथ ही समाप्त हो गया था. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने इस पद पर उनके कार्यकाल



राहुल द्रविड़ : भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच

में वृद्धि विश्वकप के पश्चात् की है. इससे वह फिलहाल भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे. उनके कार्यकाल में यह वृद्धि कब तक के लिए की गई है, यह खुलासा अभी नहीं किया गया है, किन्तु मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह समझा जाता है कि वर्ष 2024 में होने वाले आईसीसी के टी-20 विश्व कप तक वह इस पद पर बने रहेंगे.

राहुल द्रविड़ के साथ ही तीनों सहायक कोचों—पारस महाब्रे (गेंदबाजी कोच) विक्रम राठौर (बल्लेबाजी कोच) तथा टी. दिलीप (फील्डिंग कोच) के कार्यकाल में भी वृद्धि वीसीसीआई द्वारा की गई है.

भारत के विरुद्ध इंग्लैण्ड ने महिला टी-20 शृंखला 2-1 से जीती

दिसम्बर 2023 में भारत के दौरे पर इंग्लैण्ड की महिलाओं की क्रिकेट टीम ने तीन टी-20 मैचों व एकमात्र टेस्ट मैच की शृंखलाएं मेजबान टीम के विरुद्ध खेलीं. यह सभी मैच मुम्बई में ही खेले गए. इसमें तीन टी-20 मैचों की यह शृंखला इंग्लैण्ड ने 2-1 से जीती.

टी-20 शृंखला के पहले दोनों मैच इंग्लैण्ड की टीम ने व तीसरा मैच भारतीय टीम ने जीता.

बाद में 14-17 दिसम्बर को खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में भारतीय टीम रिकॉर्ड 347 रनों से विजयी रहीं. इससे एक टेस्ट मैच की शृंखला भारत ने तीसरे दिन ही 1-0 से जीती.

इन दोनों ही शृंखलाओं में भारतीय टीम का नेतृत्व हरमन प्रीत कौर ने किया.

महिला टेस्ट में रनों की दृष्टि से सबसे बड़े अन्तर से जीत का भारत की महिला क्रिकेट टीम का रिकॉर्ड

हरमन प्रीत कौर के नेतृत्व वाली भारत की महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड की टीम के विरुद्ध नवी मुम्बई में डी. वाई. पाटिल स्टेडियम पर 14-17 दिसम्बर, 2023 का टेस्ट मैच तीसरे ही दिन 347 रन से जीत कर सर्वाधिक रनों से जीत का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया। इस मामले में श्रीलंका की महिला टीम का 309 रनों से जीत का 25 वर्ष पुराना रिकॉर्ड भारतीय टीम ने भंग किया।

महिला टेस्ट क्रिकेट में रनों की दृष्टि से पाँच बड़ी जीतें

| विजय का अन्तर (रन) | विजयी टीम | बनाम | वर्ष | स्थान |
|--------------------|-------------|------------|------|---------|
| 347 | भारत | इंग्लैंड | 2023 | मुम्बई |
| 309 | श्रीलंका | पाकिस्तान | 1998 | कोलम्बो |
| 188 | न्यूजीलैंड | द. अफ्रीका | 1972 | डरबन |
| 186 | आस्ट्रेलिया | इंग्लैंड | 1949 | एडीलेड |
| 185 | इंग्लैंड | न्यूजीलैंड | 1949 | ऑकलैंड |

आस्ट्रेलिया-भारत महिला शृंखला का एकमात्र टेस्ट भारत की महिला टीम ने जीता

दिसम्बर-जनवरी 2024 में भारत के दौरे पर एक टेस्ट मैच तथा 3 टी-20 व



आस्ट्रेलिया के विरुद्ध महिला टेस्ट में पहली विजय के पश्चात् भारतीय महिला क्रिकेट टीम ट्रॉफी के साथ

3 एकदिवसीय मैच खेलने का आस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम का कार्यक्रम था। 21-24 दिसम्बर, 2023 को मुम्बई में वानखेड़े स्टेडियम पर खेला गया टेस्ट मैच हरमन प्रीत कौर के नेतृत्व वाली भारतीय टीम ने 8 विकेट से जीता। महिलाओं के टेस्ट क्रिकेट में भारत की आस्ट्रेलिया के विरुद्ध यह पहली ही टेस्ट विजय थी।

भारत-आस्ट्रेलिया शृंखला (2023)

सितम्बर-दिसम्बर 2023 के दौरान 3 एकदिवसीय मैचों व 5 टी-20 मैचों की शृंखलाएं खेलने के लिए आस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम ने भारत का दौरा किया।

- 3 ओडीआई मैचों की शृंखला सितम्बर 2023 में खेली गई थी, जो भारत ने 2-1 से जीती थी। ओडीआई शृंखला में भारतीय टीम के कप्तान के. एल. राहुल थे।
- 5 टी-20 मैचों की शृंखला नवम्बर-दिसम्बर 2023 में खेली गई। भारत ने यह शृंखला 4-1 से जीती। टी-20 शृंखला में भारतीय टीम के कप्तान सूर्य कुमार यादव थे।

बांग्लादेश-न्यूजीलैंड टेस्ट शृंखला (2023)

बांग्लादेश के दौरे पर न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम ने दो टेस्ट मैचों की शृंखला नवम्बर-दिसम्बर 2023 में खेली। इनमें पहला मैच बांग्लादेश ने जीता, जबकि न्यूजीलैंड की टीम दूसरे टेस्ट मैच में 4 विकेट से विजयी रही। इससे दोनों देशों के बीच 2 टेस्ट मैचों की यह शृंखला 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुई।

इंग्लैंड-वेस्टइंडीज शृंखला (2023)

दिसम्बर 2023 में वेस्टइंडीज के दौरे पर इंग्लैंड की क्रिकेट टीम ने तीन एक-दिवसीय व 5 टी-20 मैचों की शृंखलाएं मेजबान टीम के विरुद्ध खेलीं। इनमें तीन

टी-20 क्रिकेट का नौवाँ विश्व कप जून 2024 में

अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (ICC) के एकदिवसीय क्रिकेट प्रारूप के 13वें विश्व कप का आयोजन 5 अक्टूबर - 19 नवम्बर, 2023 को भारत की मेजबानी में हुआ है। इसके पश्चात् अब टी-20 क्रिकेट के नौवें विश्व कप की बारी है। टी-20 क्रिकेट के विश्व का आयोजन 2-2 वर्ष के अन्तराल पर होता है तथा ऐसे नौवें विश्व कप का आयोजन अमरीका एवं वेस्टइंडीज की मेजबानी में 4-30 जून, 2024 को होना है।

टी-20 प्रारूप के नौवें विश्व कप में कुल 20 टीमों शामिल होंगी। इनमें दो टीमों अमरीका व वेस्टइंडीज को मेजबान होने के नाते यह अर्हता प्राप्त हुई है। 8 टीमों (आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड-भारत, नीदरलैंड्स, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, द. अफ्रीका व श्रीलंका) पिछले टी-20 विश्व कप (2022) के आधार पर तथा 2 टीमों-अफगानिस्तान व बांग्लादेश टीमों को टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय टीम रैंकिंग के आधार पर यह अर्हता प्राप्त हुई है। शेष 8 टीमों को क्षेत्रीय क्वालिफायर आयोजनों के जरिए चुना गया। इनमें आयरलैंड, स्कॉटलैंड, पापुआ न्यू गिनी, कनाडा, नेपाल, ओमान, नामीबिया व युगांडा शामिल हैं।

इस प्रकार आईसीसी के जून 2024 में होने वाले टी-20 विश्व कप में निम्नलिखित 20 टीमों शामिल होंगी।

भारत, अमरीका, वेस्टइंडीज, आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, नीदरलैंड्स, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, पापुआ न्यू गिनी, कनाडा, नेपाल, ओमान, नामीबिया व युगांडा।

टी-20 विश्व कप (2024) का फाइनल मैच 30 जून, 2024 को खेला जाएगा।

पुरुषों के ट्वेंटी-20 विश्व कप के विजेता

| क्र. | वर्ष | मेजबान | विजेता | उपविजेता | टीमों की संख्या |
|------|------|---|-------------|-------------|-----------------|
| 1. | 2007 | द. अफ्रीका | भारत | पाकिस्तान | 12 |
| 2. | 2009 | इंग्लैंड | पाकिस्तान | श्रीलंका | 12 |
| 3. | 2010 | वेस्टइंडीज | इंग्लैंड | आस्ट्रेलिया | 12 |
| 4. | 2012 | श्रीलंका | वेस्टइंडीज | श्रीलंका | 12 |
| 5. | 2014 | बांग्लादेश | श्रीलंका | भारत | 16 |
| 6. | 2016 | भारत | वेस्टइंडीज | इंग्लैंड | 16 |
| 7. | 2021 | संयुक्त अरब अमीरात | आस्ट्रेलिया | न्यूजीलैंड | 16 |
| 8. | 2022 | आस्ट्रेलिया | इंग्लैंड | पाकिस्तान | 16 |
| 9. | 2024 | अमरीका व वेस्टइंडीज की संयुक्त मेजबानी में प्रस्तावित | - | - | 20 |

मैचों की ओडीआई शृंखला वेस्टइंडीज ने 2-1 से जीती।

टी-20 शृंखला के पहले दोनों मैच, वेस्टइंडीज ने व अगले दोनों मैच इंग्लैंड ने जीते थे। 21 दिसम्बर को त्रिनिदाद एवं टोबैगो में पाँचवें अन्तिम मैच में वेस्टइंडीज के विजयी रहने से वेस्टइंडीज ने यह शृंखला 3-2 से जीती।



टेनिस

भारत के पूर्व वर्षों के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी लिंएंडर पेस व विजय अमृतराज टेनिस के इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम में शामिल किए जाने वाले भारत के ही नहीं एशिया के पहले पुरुष

भारत के पूर्व वर्षों के टेनिस स्टार लिंएंडर पेस (Leander Paes) व विजय अमृतराज तथा ब्रिटेन के पत्रकार रिचार्ड इवांस का चयन टेनिस के इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए किया गया है। हॉल ऑफ फेम में इन्हें शामिल करने के लिए समारोह का आयोजन 20 जुलाई, 2024 को अमरीका में न्यू पोर्ट में हॉल ऑफ फेम में किया जाएगा।



लिंएंडर पेस विजय अमृतराज

- 18 ग्रांड स्लैम युगल खिलाड़ियों के विजेता लिंएंडर पेस को खिलाड़ियों की श्रेणी में तथा विजय अमृतराज व रिचार्ड इवांस को टेनिस में योगदान देने वालों की श्रेणी (Contributors Category) में हॉल ऑफ फेम में शामिल किया जाएगा।
- 27 देशों के 262 खिलाड़ियों को (वर्ष 2023 तक) टेनिस के इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम में शामिल किया जा चुका है। भारत इस सूची में 2024 में 28वाँ देश होगा।
- लिंएंडर पेस व विजय अमृतराज टेनिस के इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम में शामिल किए जाने वाले भारत के ही नहीं, एशिया के पहले पुरुष हैं।

- टेनिस का इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम अमरीका में न्यूपोर्ट में स्थित है।



कुश्ती

भारतीय कुश्ती महासंघ की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी निलम्बित : भूपिंदर सिंह वाजवा की अध्यक्षता में तदर्थ समिति गठित

भारतीय कुश्ती महासंघ (Wrestling Federation of India—WFI) के 21 दिसम्बर, 2023 को सम्पन्न नए चुनावों में पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह, जिन पर यौन उत्पीड़न के आरोप ओलम्पिक पदक विजेताओं सहित कई महिला पहलवानों ने लगाए थे, के ही विश्वास पात्र संजय सिंह के अध्यक्ष चुने जाने के पश्चात् कुछ पहलवानों ने रोष के साथ-साथ नई कार्यकारिणी के नियम विरुद्ध निर्णयों को देखते हुए खेल मंत्रालय के नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को तीन दिन में ही निलम्बित कर दिया। कार्यकारिणी के कामकाज देखने के लिए भारतीय वृशू संघ के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह वाजवा की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय तदर्थ समिति का गठन भारतीय ओलम्पिक संघ (IOA) ने 27 दिसम्बर को किया है।



बिलियर्ड्स एवं स्नूकर

राष्ट्रीय बिलियर्ड्स एवं स्नूकर चैम्पियनशिप (2023)

नवम्बर-दिसम्बर 2023 में चेन्नई में राष्ट्रीय 6-रैड स्नूकर में पुरुषों का खिताब आरएसपीबी के मलकीत सिंह ने 9 दिसम्बर को फाइनल में अपने ही संस्थान के ई. पांडुरमैया को फाइनल में हरा कर अपने नाम किया। इस चैम्पियनशिप के लिए सेमीफाइनल मुकाबले में पंकज आडवानी को मलकीत सिंह ने पराजित किया था।

6 रैड स्नूकर में महिला वर्ग में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप मध्य प्रदेश की गत विजेता अमी कमानी ने फाइनल में चेन्नई की अनुपमा रामचन्द्रन को हरा कर अपने नाम बरकरार रखी।

विविध

भारतीय नौसेना अकादमी में इटली एडमिरल कप 2023 का विजेता

भारतीय नौसेना अकादमी (Indian Naval Academy—INA) के तत्वावधान में एडमिरल कप सेलिंग रेगाटा (Sailing Regatta) नौकायन नौका दौड़ प्रतियोगिता के 12वें संस्करण का आयोजन 5-8 दिसम्बर को एशिमाला स्थित भारतीय नौसेना अकादमी के एट्टिकुलम बीच (Ettikulam Beach) पर हुआ। 20 देशों के अतिरिक्त इंडियन नेवल एकेडमी (INA) व नेशनल डिफेंस एकेडमी (NDA) की टीमों इस वर्ष प्रतियोगिता में शामिल थीं।

इसमें चैम्पियनशिप का एडमिरल कप मिडशिपमैन एवलोन एंटोनियो व मिडशिपमैन क्रिएटी कार्लो लियो नार्डो के नेतृत्व वाली इटली की टीम ने जीता। भारतीय टीम इसमें उपविजेता रही। ब्रिटेन व जर्मनी की टीमों ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया।

- रूस के सीमैन गोकुनोव पेद्र पुरुष वर्ग की व्यक्तिगत स्पर्धा में पहले स्थान पर रहे। इटली के मिडशिपमैन एवलोन एंटोनियो दूसरे तथा भारत के मिडशिपमैन पीपीके रेड्डी तीसरे स्थान पर रहे।
- महिला वर्ग की व्यक्तिगत स्पर्धा में ब्रिटेन की ऑफिसर कैडेट लुसी बेल प्रथम, इंडोनेशिया की कैडेट सांग्ला एल्मा साल्सडिला द्वितीय तथा भारत की कैडेट जाह्नवी सिंह तृतीय रहीं।

शेष पृष्ठ 38 का

प्रेरणा देवस्थली भारतीय नौसेना के किसी युद्धपोत की कमान संभालने वाली पहली महिला कमांडिंग ऑफीसर

लेफ्टिनेंट कमांडर प्रेरणा देवस्थली को भारतीय नौसेना के पश्चिमी बेड़े के वाटरजैट



प्रेरणा देवस्थली : आईएनएस त्रिकंड की कमांडिंग ऑफीसर

एफएसी आईएनएस त्रिकंड (INS Trikand) की कमांडिंग ऑफीसर दिसम्बर 2023 में नियुक्त किया गया है। दिल्ली स्थित सेंट जेवियर्स कॉलेज की छात्रा रही प्रेरणा वर्ष 2009 में भारतीय नौसेना से जुड़ी थी। नौसेना के किसी युद्धपोत की कमांडिंग ऑफीसर नियुक्त की जाने वाली वह पहली महिला अधिकारी हैं।



पहले खेलो इंडिया पैरा खेल नई दिल्ली में सम्पन्न : पदक तालिका में हरियाणा का शीर्ष स्थान



एशियन पैरा खेल, 2023 में भारतीय खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए



अब राष्ट्रीय स्तर पर पहले खेलो इंडिया पैरा खेल (KIPG) नई दिल्ली में 10-17 दिसम्बर, 2023 को आयोजित किए गए. नई दिल्ली में तीन स्थानों पर इनका आयोजन किया गया. एक छोटे गौरैया पक्षी (Sparrow), जिसे उज्ज्वला नाम दिया गया था, को इन खेलों का शुभंकर (Mascot) बनाया गया था. खेलों का उद्घाटन केन्द्रीय खेल मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने किया. पहले खेलो इंडिया पैरा खेलों में सात पैरा खेल शामिल किए गए थे. इनमें पैरा एथलेटिक्स, पैरा शूटिंग, पैरा आर्चरी (तीरंदाजी), पैरा फुटबाल, पैरा बैडमिंटन, पैरा टेबल टेनिस तथा पैरा वेटलिफ्टिंग (भारोत्तोलन) शामिल थे.



उज्ज्वला : पहले खेलो इंडिया पैरा गेम्स की शुभंकर

32 राज्यों व केन्द्रशासित क्षेत्रों के 1450 से अधिक पैरा एथलीट्स ने इन खेलों में भाग लिया तथा कुल 173 स्वर्ण पदक इन खेलों में दाँव पर थे. इनमें से 25 राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र कोई न कोई पदक जीतने में सफल रहे. 40 स्वर्ण, 39 रजत व 26 कांस्य सहित कुल 105 पदकों के साथ हरियाणा ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया. 25 स्वर्ण, 23 रजत व 14 कांस्य सहित कुल 62 पदकों के साथ उत्तर प्रदेश का दूसरा स्थान रहा.

| पदक तालिका | | | | | |
|------------|--------------|--------|-------|--------|-------|
| क्रमांक | राज्य | स्वर्ण | रजत | कांस्य | योग |
| 1. | हरियाणा | 40 | 39 | 26 | 105 |
| 2. | उत्तर प्रदेश | 25 | 23 | 14 | 62 |
| 3. | तमिलनाडु | 20 | 8 | 14 | 42 |
| 4. | गुजरात | 15 | 22 | 20 | 57 |
| 5. | महाराष्ट्र | 12 | 7 | 16 | 35 |
| 6. | राजस्थान | 10 | 20 | 13 | 43 |
| 7. | पंजाब | 8 | 2 | 10 | 20 |
| 8. | दिल्ली | 7 | 10 | 19 | 36 |
| | | | | | |
| 13. | उत्तराखण्ड | 3 | 0 | 5 | 8 |
| 14. | मध्य प्रदेश | 3 | 0 | 3 | 6 |
| 15. | छत्तीसगढ़ | 2 | 3 | 0 | 5 |
| | | | | | |
| 22. | बिहार | 0 | 6 | 3 | 9 |
| | | | | | |
| 25. | झारखण्ड | 0 | 0 | 1 | 1 |

खेल मंत्रालय के 'खेलो इंडिया' खेलों की शृंखला में यह चौथे खेल थे, इससे पूर्व खेलो इंडिया यूथ गेम्स, खेलो इंडिया यूनीवर्सिटी गेम्स व खेलो इंडिया विंटर गेम्स का आयोजन हो चुका है.

शेष पृष्ठ 29 का

विदेशी मुद्रा कोष के तीन अन्य घटक स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (Special Drawing Right—SDR) तथा अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखा देश का मुद्रा भंडार (Tranche with IMF) हैं. आरबीआई की 29 दिसम्बर, 2023 की रिपोर्ट के अनुसार 22 दिसम्बर, 2023 को 620-441 अरब डॉलर के कुल विदेशी मुद्रा कोष में स्वर्ण भंडार 47-474 अरब डॉलर, एसडीआर

18-327 अरब डॉलर तथा आईएमएफ के पास सुरक्षित राशि 4-894 अरब डॉलर थी.

उल्लेखनीय है कि भारत के आरक्षित विदेशी मुद्रा कोष अक्टूबर 2021 में 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँच गए थे. इस प्रकार 22 दिसम्बर, 2023 को विदेशी मुद्रा कोष 645 अरब डॉलर के अपने पिछले शिखर स्तर से केवल 25 अरब डॉलर ही कम थे. इस सन्दर्भ में यह भी उल्लेखनीय है कि डॉलर की तुलना में रुपए के गिरते हुए मूल्य को संभालने के लिए रिजर्व बैंक द्वारा अपने आरक्षित कोषों से जब डॉलर की बिक्री खुले बाजार में की जाती है, तो उस समय विदेशी मुद्रा परिसम्पत्तियाँ घटने से यह कोष घटते हैं.

आरक्षित विदेशी मुद्रा कोष

(अरब डॉलर)

(22 दिसम्बर, 2023 की स्थिति)

| | |
|--|----------------|
| विदेशी मुद्रा परिसम्पत्तियाँ (Foreign Currency Assets) | 549-747 |
| स्वर्ण (Gold) | 47-474 |
| विशेष आहरण अधिकार (SDR) | 18-327 |
| अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास सुरक्षित राशि (Tranche with IMF) | 4-894 |
| कुल विदेशी मुद्रा कोष | 620-441 |

विगत पाँच वर्षों में आरबीआई के पास वर्षांत में विदेशी मुद्रा कोष

| वर्ष | विदेशी मुद्रा कोष (अरब डॉलर) |
|------------------|------------------------------|
| 20 दिसम्बर, 2019 | 454-948 |
| 25 दिसम्बर, 2020 | 581-131 |
| 31 दिसम्बर, 2021 | 635-080 |
| 23 दिसम्बर, 2022 | 562-808 |
| 22 दिसम्बर, 2023 | 620-441 |



रोजगार समाचार



यूनाइटेड इंडिया इश्योरेंस कम्पनी में सहायकों की रिक्तियाँ

सार्वजनिक क्षेत्र की यूनाइटेड इंडिया इश्योरेंस कम्पनी लि. में विभिन्न राज्यों में सहायकों के कुल मिलाकर 300 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन 6 जनवरी, 2024 तक आमन्त्रित किए गए हैं. उपलब्ध रिक्तियों में से कुछ रिक्तियाँ विभिन्न वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए नियमानुसार आरक्षित हैं. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता—(क) स्नातक तथा क्षेत्रीय भाषा का ज्ञान.

आयु सीमा (30 सितम्बर, 2023 को)—21-30 वर्ष. विभिन्न मामलों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती हेतु आवेदन के लिए अभ्यर्थियों को 6 जनवरी, 2024 तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा. भर्ती के लिए ली जाने वाली ऑनलाइन परीक्षा में अंग्रेजी भाषा, रीजनिंग, न्यूमेरिकल एबिलिटी जनरल नॉलेज/जनरल अवेयरनेस तथा कम्प्यूटर नॉलेज के 40-40 प्रश्न (कुल 200 प्रश्न) होंगे. इस ऑब्जेक्टिव ऑनलाइन परीक्षा के आधार पर क्षेत्रीय भाषा परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों को शॉर्ट लिस्ट किया जाएगा.

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी के लिए रोजगार समाचार तथा कम्पनी की वेबसाइट www.uiic.co.in देखें.

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी तथा नौसेना अकादमी परीक्षा (I) 2024

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) के थल सेना, नौसेना तथा वायु सेना स्कन्धों में प्रवेश हेतु 2 जनवरी, 2025 से आरम्भ होने वाले 153वें तथा नौसेना अकादमी के 115वें पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) द्वारा इस प्रतियोगिता परीक्षा 21 अप्रैल, 2024 को आयोजित की जाएगी. इस परीक्षा के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या नेशनल एकेडमी के लिए 400 (थल सेना के लिए 208, (महिला अभ्यर्थियों के लिए 10 सहित) नौसेना के लिए 42 (महिला अभ्यर्थियों के लिए 12 सहित) और वायु सेना की फ्लांगिंग विंग के लिए 92 (महिला अभ्यर्थियों के लिए 2 सहित) ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी) के लिए 18 (महिला अभ्यर्थियों के लिए 2 सहित), ग्राउंड ड्यूटी (गैर-तकनीकी) के लिए 10 (महिला

अभ्यर्थियों के लिए 2 सहित) तथा नौसैनिक अकादमी की 10+2 कैडेट एंट्री स्कीम के लिए 30 (महिला अभ्यर्थियों के लिए 9 सहित हैं.) [इस प्रकार कुल रिक्तियाँ 400]

परीक्षा में 2½-2½ घण्टे की अवधि के वस्तुनिष्ठ प्रश्नों वाले गणित तथा सामान्य योग्यता परीक्षण के दो प्रश्न-पत्र क्रमशः 300 व 600 अंकों के होंगे.

न्यूनतम योग्यता—राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) के थल सेना स्कन्ध के लिए 10+2 प्रणाली के तहत 12वीं कक्षा उत्तीर्ण, नौसेना व वायुसेना स्कन्धों तथा नौसैनिक अकादमी के लिए भौतिकी, रसायन व गणित विषय सहित 12वीं कक्षा उत्तीर्ण.

आयु सीमा—केवल अविवाहित पुरुष/महिला उम्मीदवार जिनका जन्म 2 जुलाई, 2005 से पहले का तथा 1 जुलाई, 2008 के बाद का न हो, इस परीक्षा में बैठने के पात्र हैं.

परीक्षा की विस्तृत योजना तथा अन्य विस्तृत जानकारी के लिए 'रोजगार समाचार' व संघ लोक सेवा आयोग की वेबसाइट www.upsc.gov.in देखें. ऑनलाइन आवेदन हेतु आयोग की सम्बन्धित वेबसाइट www.upsonline.nic.in पर लॉग इन करें. ऑनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि 9 जनवरी, 2024 है.

उक्त परीक्षा के लिए उपकार प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का अध्ययन करें.

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (I), 2024

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जनवरी 2025 से प्रारम्भ होने वाले भारतीय सैनिक अकादमी, नौसेना अकादमी तथा वायुसेना अकादमी के कोर्सेस तथा अप्रैल 2025 से प्रारम्भ होने वाले अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी, चेन्नई कोर्स में भर्ती हेतु 21 अप्रैल, 2024 को सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (II), 2024 आयोजित की जाएगी.

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या भारतीय सैनिक अकादमी के लिए 100 (एनसीसी 'सी' प्रमाण-पत्र धारक उम्मीदवारों के लिए 13 रिक्तियाँ सम्मिलित हैं), नौसेना अकादमी के लिए 32 [एनसीसी 'सी' (नौसेना स्कन्ध) प्रमाण-पत्रधारक उम्मीदवारों के लिए 6 रिक्तियाँ सम्मिलित हैं], वायुसेना अकादमी के लिए 32 तथा अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी के लिए 275 तथा अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (महिला-गैर-तकनीकी) के लिए 18 हैं.

पात्रता की शर्तें :

(क) आयु सीमा, लिंग तथा वैवाहिक स्थिति:

1. भारतीय सैनिक अकादमी के लिए—केवल ऐसे अविवाहित पुरुष उम्मीदवार ही पात्र हैं, जिनका जन्म 2 जनवरी, 2001 से पहले तथा 1 जनवरी, 2006 के बाद न हुआ हो.
2. नौसेना अकादमी के लिए—केवल ऐसे अविवाहित पुरुष उम्मीदवार ही पात्र हैं, जिनका जन्म 2 जनवरी, 2001 से पहले तथा 1 जनवरी, 2006 के बाद न हुआ हो.
3. वायुसेना अकादमी के लिए—केवल ऐसे अविवाहित पुरुष उम्मीदवार ही पात्र हैं, जिनका जन्म 2 जनवरी, 2001 से पहले तथा 1 जनवरी, 2005 के बाद न हुआ हो.
4. अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी के लिए—केवल ऐसे पुरुष उम्मीदवार (विवाहित या अविवाहित) ही पात्र हैं, जिनका जन्म 2 जनवरी, 2000 से पहले तथा 1 जनवरी, 2006 के बाद न हुआ हो.
5. अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (एसएससी-महिला गैर-तकनीकी पाठ्यक्रम) के लिए—अविवाहित/तलाकशुदा/विधवा महिलाएं जिनका जन्म 2 जनवरी, 2000 से पहले व 1 जनवरी, 2006 के बाद न हुआ हो.

(ख) शैक्षिक योग्यताएं :

1. भारतीय सैनिक अकादमी तथा अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी के लिए—किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता.
2. नौसेना अकादमी के लिए—इंजीनियरी में स्नातक.
3. वायुसेना अकादमी के लिए—भौतिकी और गणित विषयों के साथ 10+2 उत्तीर्ण करने के पश्चात् स्नातक डिग्री अथवा इंजीनियरी के स्नातक.

जो उम्मीदवार डिग्री परीक्षा के अन्तिम वर्ष में पढ़ रहे हैं तथा उन्हें डिग्री के अन्तिम वर्ष की परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा अभी उत्तीर्ण करनी है. वह भी इस परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं, लेकिन उन्हें आयोग के परीक्षा के नोटिस में निर्धारित तिथियों तक परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा.

इस प्रतियोगिता परीक्षा के सम्बन्ध में आवश्यक शारीरिक मानक, परीक्षा पाठ्यक्रम व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए एम्प्लॉयमेंट न्यूज/ रोजगार समाचार अथवा यूपीएससी

की वेबसाइट www.upsc.gov.in देखें। अभ्यर्थियों के आवेदन केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन आयोग की वेबसाइट www.upsonline.nic.in पर किए जा सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 9 जनवरी, 2024 है।

उत्तर प्रदेश पुलिस में उपनिरीक्षक (गोपनीय), सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक) व सहायक उपनिरीक्षक (लेखा) के रिक्त पद

उत्तर प्रदेश पुलिस में उपनिरीक्षक (गोपनीय), सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक) व सहायक उपनिरीक्षक (लेखा) के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु पात्र पुरुष व महिला उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा 28 जनवरी, 2024 तक आमंत्रित किए गए हैं। इस भर्ती के तहत उपलब्ध रिक्त पदों की कुल संख्या 921 है, जिनमें 268 पद उपनिरीक्षक (गोपनीय) के, 449 पद सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक) के तथा 204 पद सहायक उपनिरीक्षक (लेखा) के हैं। विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत उपलब्ध है। रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है।

शैक्षणिक योग्यता—स्नातक या समकक्ष [सहायक उपनिरीक्षक (लेखा) के पद हेतु वाणिज्य में स्नातक], टंकण एवं आशुलिपि की निर्धारित योग्यताएं तथा डीओईएसीसी (DOEACC)/ नाइलिट (NIELIT) सोसायटी से कम्प्यूटर में 'ओ' स्तर का प्रमाण-पत्र अथवा समकक्ष योग्यता।

आयु सीमा—(1 जुलाई, 2023 को) 21-28 वर्ष। विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है।

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली 400 अंकों की वस्तुनिष्ठ प्रश्नों वाली ऑनलाइन प्रतियोगिता परीक्षा में (i) सामान्य हिन्दी/कम्प्यूटर ज्ञान (ii) सामान्य ज्ञान जानकारी/सामयिक विषय (iii) संख्यात्मक एवं मानसिक योग्यता परीक्षा तथा (iv) मानसिक अभिरुचि परीक्षा/बुद्धिलब्धि परीक्षा/ तार्किक परीक्षा के 100-100 अंकों के प्रश्न होंगे। इस परीक्षा में प्राप्तियों के आधार पर अभ्यर्थियों को अभिलेखों की संवीक्षा एवं शारीरिक मानक परीक्षा में शामिल किया जाएगा। इसके पश्चात् अगला चरण कम्प्यूटर टंकण एवं आशुलिपि परीक्षा का होगा।

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी एवं आवेदन हेतु उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की वेबसाइट <http://upprpb.gov.in> देखें।

झारखण्ड आरक्षी प्रतियोगिता परीक्षा, 2023 (JCCE, 2023)

झारखण्ड में जिला स्तरीय आरक्षी सम्बर्ग के अन्तर्गत आरक्षी की नियमित एवं बैकलॉग रिक्तियों के विरुद्ध नियुक्ति हेतु इस प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग (राँची) द्वारा किया जाएगा। परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आयोग द्वारा आमंत्रित किए गए हैं। राज्य के प्रत्येक जिले के लिए नियमित एवं बैकलॉग रिक्तियों की संख्या की जानकारी हेतु विस्तृत विज्ञापन देखें। ऑनलाइन आवेदन सबमिट करने की अंतिम तिथि 14 फरवरी, 2024 है। परीक्षा शुल्क जमा करने के लिए ऑनलाइन आवेदन का लिंक 16 फरवरी, 2024 तक खुला रहेगा। विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत उपलब्ध है। रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है।

शैक्षणिक योग्यता—मैट्रिक/दसवीं कक्षा उत्तीर्ण।

आयु सीमा—18-25 वर्ष (न्यूनतम आयु की गणना हेतु सन्दर्भ तिथि 1 अगस्त, 2023 तथा अधिकतम आयु की गणना हेतु यह 1 अगस्त 2019 है) महिलाओं सहित। विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है।

यह प्रतियोगिता परीक्षा तीन चरणों में होगी। इसके पहले चरण में शारीरिक जाँच परीक्षा दूसरे चरण में विकित्सकीय जाँच तथा तीसरे चरण में लिखित परीक्षा होगी। तीसरे चरण की लिखित परीक्षा में दो प्रश्न-पत्र क्रमशः क्षेत्रीय भाषा ज्ञान तथा दूसरा (i) हिन्दी भाषा व (ii) सामान्य ज्ञान व न्यूमेरिकल एबिलिटी के होंगे। परीक्षा सम्बन्धी विस्तृत जानकारी आयोग की वेबसाइट www.jssc.nic.in पर उपलब्ध है। इस वेबसाइट पर ही अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में विभागीय/स्थानीय/स्वायत्त निकायों में एलडीसी, स्टेनोग्राफर, जूनियर असिस्टेंट आदि पदों पर भर्ती हेतु संयुक्त परीक्षा, 2023

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में विभिन्न विभागीय/स्थानीय/स्वायत्त निकायों लोअर डिवीजन क्लर्क, स्टेनोग्राफर (हिन्दी/अंग्रेजी), जूनियर असिस्टेंट व असिस्टेंट ग्रेड-I आदि की कुल मिलाकर 2354 विभिन्न रिक्तियों की भर्ती के लिए संयुक्त परीक्षा का आयोजन

दिल्ली सबोर्डिनेट सर्विस सिलेक्शन बोर्ड (DSSSB) द्वारा किया जाएगा। टियर-I की वस्तुनिष्ठ किस्म की इस परीक्षा में जनरल नॉलेज, मेंटल एबिलिटी व रीजनिंग, हिन्दी/अंग्रेजी भाषा व कम्प्यूटर आदि से सम्बन्धित वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। परीक्षा तिथि बाद में अधिसूचित की जाएगी इसके लिए इच्छुक अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन 7 फरवरी, 2024 तक आमंत्रित किए गए हैं। उपलब्ध रिक्तियों में से कुछ रिक्तियों विभिन्न वर्गों के लिए नियमानुसार आरक्षित हैं। इन पदों के लिए आवश्यक शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता, अलग-अलग पदों के लिए आयु सीमाओं एवं विभिन्न मामलों में इनमें मिलने वाली छूटों आदि की जानकारी के लिए DSSSB की वेबसाइट <https://dsssonline.nic.in> देखें।

उत्तर प्रदेश पुलिस में कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए के रिक्त पद

उत्तर प्रदेश पुलिस में कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु पात्र पुरुष व महिला उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा 28 जनवरी, 2024 तक आमंत्रित किए गए हैं। इस भर्ती के तहत उपलब्ध रिक्त पदों की कुल संख्या 930 है, विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत उपलब्ध है। रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है।

शैक्षणिक योग्यता— भौतिकशास्त्र व गणित विषयों के साथ इण्टरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण तथा डीओईएसीसी (DOEACC)/ से कम्प्यूटर में 'ओ' स्तर का प्रमाण-पत्र अथवा समकक्ष योग्यता।

आयु सीमा—(1 जुलाई, 2023 को) 18-28 वर्ष। विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है।

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली 200 अंकों की वस्तुनिष्ठ प्रश्नों वाली ऑनलाइन प्रतियोगिता परीक्षा में (i) सामान्य ज्ञान, (ii) मानसिक अभिरुचि, (iii) तर्कशक्ति तथा (iv) कम्प्यूटर विज्ञान के कुल 160 प्रश्न होंगे। इस परीक्षा में प्राप्तियों के आधार पर अभ्यर्थियों को अभिलेखों की संवीक्षा में शामिल किया जाएगा।

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी एवं आवेदन हेतु उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की वेबसाइट <http://upprpb.gov.in> देखें।

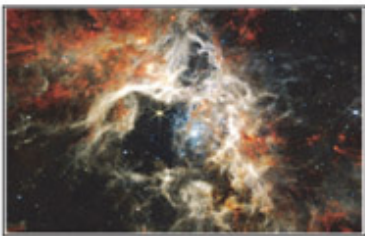




विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

मिली सितारों की नई अलौकिक दुनिया

नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने टारेंटयुला नेबुला (नीहारिका) का अति सुन्दर एवं स्पष्ट चित्र भेजा है. नासा के अनुसार यह सबसे गर्म और सबसे विशाल सितारों का घर है. ये ऐसे सितारे हैं, जो पहले कभी नहीं देखे गए.



यह अंतरिक्ष में मौजूद उस 'टारेंटयुला नेबुला' की तस्वीर है, जहाँ के सितारों को पहली बार देखा गया है.

अमरीकी अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा, लार्ज मैगेलैनिक् क्लाउड आकाश-गंगा में 161,000 प्रकाश-वर्ष दूर 'टारेंटयुला नेबुला' हमारी आकाशगंगा या गैलेक्सी 'मिल्की वे' की उन निकटतम आकाश-गंगाओं में से एक है, जहाँ सबसे बड़े और चमकीले सितारों का निर्माण हो रहा है.

नासा ने कहा, शोधकर्ताओं को इस क्षेत्र में एक नई रोशनी देखने में टेलीस्कोप के नियर-इन्फ्रारेड कैमरा (एनआईआरकेम) ने मदद की है, जहाँ ये विशालकाय तारे मौजूद हैं, जो पहले ब्रह्मांडीय धूल में डूबे हुए थे. नासा ने सोशल मीडिया पर कहा, 'चूँकि टारेंटयुला हमारे करीब है, इसलिए ब्रह्मांड के अतीत के बारे में अधिक जानकारी जुटाने में यह हमारी मदद कर सकता है.

गहराता ग्लोबल वार्मिंग-वर्ष भर में कई देशों के बराबर जंगल समाप्त

अमरीकी पर्यावरण संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में दुनिया भर में वनों की कटाई में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई. रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक वर्ष में 66 हजार वर्ग किमी वन समाप्त हो गए, अर्थात् श्रीलंका और आयरलैण्ड देश के क्षेत्रफल के बराबर जंगलों को काट दिया गया.

ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने व सन्तुलन बनाने में यह जरूरी घटक है. इनकी कटाई व क्षरण ग्रीनहाउस गैस के महत्वपूर्ण स्रोत हैं.

यह दावा न्यूयॉर्क की संस्था एनवाईडीएफ ने फॉरेस्ट डिक्लेरेशन एसेसमेंट 2023 में किया है. इसमें पर्यावरण संगठन ने वर्ष 2018 से 2020 की अवधि तक वनों की कटाई और वनरक्षण के आधार पर वार्षिक मूल्यांकन किया है. रिपोर्ट के अनुसार, अंधाधुंध जंगल के दोहन से दुनिया 2030 तक वनों की कटाई को समाप्त करने के लक्ष्य को हासिल करने से 21 प्रतिशत पीछे हो गई है. कटाई से वर्ष 2022 में कुल 4 बिलियन मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन भी हुआ.

पिछले वर्ष वनों की कटाई में आगे प्रमुख देश

| देश | वनों की कटाई (मिलियन हेक्टेयर) | लक्ष्य से अधिक कटाई |
|----------|--------------------------------|---------------------|
| ब्राजील | 2.34 | 51 प्रतिशत |
| बोलिविया | 0.53 | 40 प्रतिशत |
| पेरू | 0.17 | 23 प्रतिशत |
| लाओस | 0.28 | 18 प्रतिशत |

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 में अधिकांश वनों का नुकसान उष्णकटिबंध (कर्क और मकर रेखाओं के बीच स्थित) वाले क्षेत्रों में है. यहाँ लगभग दो-तिहाई हिस्सा प्राथमिक वनों को हानि हुई. वहीं 2022 के लक्ष्य 33 प्रतिशत तक पहुँचना भी सम्भव नहीं हो पाया. विशेषज्ञों के अनुसार अगर स्थिति को पुनः पटरी पर लाना है, तो 2023 में जंगलों की कटाई में 27 प्रतिशत से अधिक की कमी करनी होगी. वन, दुनिया भर में लाखों लोगों की आजीविका को बनाए रखते हैं. जंगल लगभग 70 हजार कशेरुकी प्रजातियाँ और 80 प्रतिशत स्थलीय पौधे व जानवरों का घर हैं.

2021 में 145 देशों ने इस दशक के अंत तक वन-कटाई को समाप्त करने के लक्ष्य का संकल्प लिया था, लेकिन इसमें से सिर्फ 50 देशों ने ही जंगल की कटाई दर में कमी की है. इसमें इंडोनेशिया और मलेशिया जैसे देश प्रतिबंध लगाने में कामयाब रहे हैं. इससे एशिया क्षेत्र में वनों का सन्तुलन बना हुआ है. द. अमरीका के ब्राजील में हालात ज्यादा खराब हैं. वहाँ पिछले वर्ष 51 प्रतिशत तक वनों को काट दिया गया, जिससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन

में 2021 की तुलना में 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई.

ओजोन परत में नया छिद्र-ब्राजील से तीन गुना बढ़ा

अंटार्कटिका के ऊपर ओजोन परत पर ब्राजील के क्षेत्रफल से करीब तीन गुना बढ़ा छिद्र हो गया है. यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) ने यह जानकारी दी है. एजेंसी ने आगाह किया है कि यह छिद्र लगातार तेजी से बढ़ रहा है. यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि 16 सितम्बर को जुटाए गए डेटा के अनुसार अंटार्कटिका के ऊपर ओजोन परत पर मौजूद छिद्र का आकार 2.6 करोड़ वर्ग किमी तक पहुँच गया. अन्तरिक्ष एजेंसी ने कहा कि ओजोन छिद्र में नियमित रूप से उतार-चढ़ाव होता रहता है. अगस्त से अक्टूबर तक इसका आकार बढ़ता है और सितम्बर और अक्टूबर के बीच यह अधिकतम-सीमा तक पहुँच जाता है.

100 वर्ष से अधिक जीने के रहस्य का पता चला

लम्बे समय तक जीवित रहने के रहस्यों को समझने का प्रयास मानव लम्बे समय से करता आ रहा है. योगियों ने बताया कि इसका रहस्य योग में छिपा है. वैज्ञानिकों का मानना है कि इसका रहस्य विज्ञान में छिपा है.



अब वैज्ञानिकों ने रक्त में पाए जाने वाले 10 ऐसे 'जैवसूचक' का पता लगाया है, जो 100 से अधिक उम्र के जीवन के लिए जरूरी होते हैं. विज्ञान पत्रिका *जीरो-साइंस* में प्रकाशित एक अध्ययन में इसका पता चला है.

शोधार्थियों ने कहा, शोध में 64 से 99 वर्ष के 44 हजार लोगों का स्वास्थ्य डेटा शामिल किया गया. इन प्रतिभागियों पर 35 वर्षों तक यह शोध चला. इनमें से 1224 या 2.7 प्रतिशत लोग 100 वर्ष तक जीवित रहे. इन लोगों में 85 प्रतिशत महिलाएँ थीं. हमने पाया कि रक्त में कुपोषण और एनीमिया के साथ किडनी की रक्षा करने वाले जैवसूचक होते हैं. शरीर जब कमजोर या उम्र बढ़ने लगती है, तो ये जैवसूचक भी कमजोर होने लगते हैं. पर कई लोगों में ये जैवसूचक लगातार बने रहते हैं और उनकी उम्र बढ़ाने का काम करते हैं. इनकी रक्षा से लम्बी उम्र तक जीना सम्भव हो सकता है.

शेष पृष्ठ 63 पर



दिव्य दर्पण

संघ एवं राज्य सिविल सेवा मुख्य परीक्षा हेतु अत्यन्त महत्वपूर्ण

निबन्ध लेखन में आपको किन-किन गलतियों से बचना चाहिए?

संघ लोक सेवा आयोग या विभिन्न राज्य लोक सेवा आयोगों द्वारा आयोजित परीक्षाओं के द्वितीयक चरण यानि मुख्य परीक्षा में 'निबन्ध' न सिर्फ महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, बल्कि सिविल सेवाओं के लिए समग्र रैंकिंग और अन्तिम रूप से चयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

एम.एच. अब्राम्स (अमरीकी आलोचक साहित्यिक) के अनुसार—निबन्ध “गद्य में कोई भी छोटी रचना है, जो किसी विषय पर चर्चा (Discuss) करने या दृष्टिकोण व्यक्त करने (Express a point of view) का माध्यम देता है”.

उल्लेखनीय है, कि सिविल सेवा मुख्य परीक्षा में निबन्ध पेपर के लिए 1000-1200 शब्द सीमा में 3 घण्टे के भीतर दो निबन्ध लिखने होते हैं. इस निबन्ध पेपर को दो खण्डों में विभाजित किया गया है. खण्ड-A और खण्ड-B, प्रत्येक खण्ड में 4 निबन्धों का विकल्प होता है, जिसमें से अभ्यर्थी को प्रत्येक खण्ड से केवल एक निबन्ध को लिखना होता है. प्रत्येक निबन्ध के लिए 125 अंक अर्थात् निबन्ध पेपर के लिए 250 अंक निर्धारित हैं.

निबन्ध पेपर वर्तमान में इतना महत्वपूर्ण है कि कुछ छोटी-छोटी गलतियों में सुधार कर इसमें हम अधिक-से-अधिक अंकों को प्राप्त कर सकते हैं.

- निबन्ध लेखन के समय किसी एक बिन्दु या आयाम (जैसे—ऐतिहासिक, आर्थिक या राजनीतिक) पर ही अत्यधिक ध्यान केन्द्रित न करके आपका निबन्ध विस्तृत और बहुआयामी होना चाहिए. निबन्ध लेखन के दौरान वही लिखें, जो प्रश्न के अन्तर्गत आपसे पूछा गया है, न कि वह, जो आप जानते हैं. ऐसा इसलिए, क्योंकि निबन्ध लेखन कोई आपके 'मन की बात' नहीं बल्कि आपके लेखन कौशल के विश्लेषणात्मक पक्ष की जाँच करना है. निबन्ध लेखन से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि आप कैसे निबन्धों (मूर्त या अमूर्त) में अधिक सहज है, क्योंकि आपके द्वारा चुने गए विषय का अंकों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है. अंततः जब आप किसी मुद्दे पर अपनी राय व्यक्त करते हैं, तो आपको अतिवादी या अत्यधिक अलोकप्रिय राय से बचना चाहिए. उदाहरण के लिए यदि आप कार्ल मार्क्स के समाजवाद के बहुत बड़े समर्थक हैं, और निबन्ध पूँजीवाद पर है, तो आपको पूँजीवाद के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्षों को लिखना होगा और अपने निबन्ध को सन्तुलित तरीके से समाप्त करना चाहिए. अन्तिम सुझाव कि किसी एक ही निबन्ध पर अपना अत्यधिक समय न खर्च कर आपको दोनों निबन्धों के लिए लगभग बराबर समय देना चाहिए, क्योंकि दोनों निबन्धों के अंक समान हैं.

राष्ट्रीय घटना

सि. से. मु. परीक्षा

प्रश्न—बिहार आरक्षण संशोधन विधेयक के सन्दर्भ में चर्चा करते हुए स्पष्ट करें कि क्या संवैधानिक तौर पर यह सम्भव है. साथ ही क्या यह प्रावधान 'पर्याप्त प्रतिनिधित्व' के स्थान पर 'आनुपातिक प्रतिनिधित्व' को बढ़ावा देता है? स्पष्ट करें?

उत्तर—हाल ही में बिहार विधान सभा द्वारा पारित आरक्षण विधेयक को बिहार के राज्यपाल द्वारा मंजूरी प्रदान की गई है. राज्यपाल ने राज्य में नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर 75% करने

प्रतियोगिता दर्पण/फरवरी/2024/48

वाले दो कानूनों को मान्यता दी है. इन कानूनों में 20% आरक्षण अनुसूचित जाति के लिए, 2% अनुसूचित जनजाति के लिए, 18% अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए, 25% अत्यंत पिछड़ा वर्ग के लिए और 10% आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया है.

उल्लेखनीय है कि 2 अक्टूबर, 2023 को जारी बिहार जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, बिहार में 215 जातियाँ शामिल हैं जिनकी कुल आबादी 13.7 करोड़ है. इसमें 36% ईबीसी, 27% ओबीसी, 19% अनुसूचित जाति और 1.68% अनुसूचित जनजाति है.

बिहार आरक्षण विधेयक और संवैधानिक प्रावधान

इन दोनों कानूनों ने एक बार फिर भारत में आरक्षण की अधिकतम सीमा के सम्बन्ध में बहस छेड़ दी है. यह कानून विशेष रूप से मण्डल आयोग मामले (इंद्रा साहनी, 1992) में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 50% आरक्षण सीमा के साथ-साथ आरक्षण के आधार वर्गों के 'पर्याप्त प्रतिनिधित्व' के विपरीत 'आनुपातिक प्रतिनिधित्व' पर जोर देता है.

बिहार आरक्षण विधेयक इन्हीं आधारों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा सम्भावित पुनर्मूल्यांकन के दायरे में आ सकता है, क्योंकि इससे पूर्व भी महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे राज्यों द्वारा आरक्षण की 50% सीमा का उल्लंघन करने के पिछले प्रयासों को अदालतों द्वारा पलट दिया गया था.

'आनुपातिक प्रतिनिधित्व' और 'पर्याप्त प्रतिनिधित्व'

वर्तमान में आरक्षण के सम्बन्ध में लागू प्रावधान को सुप्रीम कोर्ट के 9 न्यायाधीशों की पीठ ने 'इंद्रा साहनी बनाम भारत संघ मामले' (1992) में सुनाया था. इसी फैसले के अन्तर्गत सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि अनुच्छेद 16 का खण्ड (4) 'पर्याप्त प्रतिनिधित्व' की बात करता है, न कि आनुपातिक प्रतिनिधित्व की.

सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि आनुपातिक प्रतिनिधित्व के सिद्धान्त को स्वीकार करना सम्भव नहीं है. न्यायालय ने आगे यह भी माना कि कुल जनसंख्या में पिछड़े वर्गों की आबादी का अनुपात निश्चित रूप से प्रासंगिक होगा. अतः अनुच्छेद 16(4) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग निष्पक्ष तरीके से और उचित सीमा के भीतर किया जाना चाहिए ताकि आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक न हो. न्यायालय ने जोर देकर कहा कि यह एक बाध्यकारी नियम है, न कि केवल विवेक का मामला है.

हालाँकि, एक राज्य असाधारण परिस्थितियों में इस निर्धारित आरक्षण की सीमा को पार कर सकता है, यानि उन समुदायों को आरक्षण प्रदान कर सकता है, जो देश के दूर-दराज के इलाकों से आते हैं और उन्हें लम्बे समय से समाज की मुख्य धारा से बाहर रखा गया है. हालाँकि, इसका आधार भौगोलिक न होकर सामाजिक आधार होना चाहिए. इसके अतिरिक्त सर्वोच्च न्यायालय ने 103वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम को चुनौती देने वाली अपील को भी खारिज करते हुए ईडब्ल्यूएस को 10% अतिरिक्त आरक्षण को बरकरार रखा था. इसका तात्पर्य है, कि फिलहाल, 50% की सीमा केवल गैर-ईडब्ल्यूएस आरक्षण पर लागू होती है और

राज्यों को ईडब्ल्यूएस आरक्षण सहित कुल 60% सीटें/पद आरक्षित करने की अनुमति है।

वहीं दूसरी ओर 'आनुपातिक प्रतिनिधित्व' एक ऐसी प्रणाली है जहाँ किसी विशेष वर्ग के कुल जनसंख्या में प्रतिशत के आधार पर आरक्षण की माँग या प्रावधान किया जाता है। वर्तमान बिहार सरकार का निर्णय इसी आधार को स्पष्ट करता है।

अतः बिहार सरकार द्वारा पारित इन दो कानूनों के सन्दर्भ में दो महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है। पहला यह 50% (अब 60%) आरक्षण की सीमा का उल्लंघन है। अतः यदि इन कानूनों का अदालत में चुनौती दी जाती है, तो बिहार सरकार को यह साबित करना होगा कि यह आरक्षण संशोधन मण्डल आयोग मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए अपवाद के अन्तर्गत आता है। यानि जिस समुदाओं को आरक्षण दिया गया है। वे दूर-दराज के इलाकों से आते हैं या उन्हें सामाजिक मुख्य धारा से अलग रखा गया है। दूसरा आनुपातिक प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर स्पष्टीकरण, क्योंकि बिहार सरकार द्वारा सदन के पटल पर इस आरक्षण विधेयक को रखते समय कहा है कि जाति जनगणना के परिणामों के मद्देनजर आरक्षण की सीमा बढ़ाए जाने की आवश्यकता

है। हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार माना है, कि राज्य केवल आरक्षित वर्गों की जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण की सीमा तय नहीं कर सकते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि आरक्षण के पीछे एकमात्र वैध उद्देश्य पिछड़े वर्गों के 'पर्याप्त प्रतिनिधित्व' को सुरक्षित करना है, जो 'आनुपातिक प्रतिनिधित्व' से अलग है। अतः राज्य सरकार के आगे इन्हीं दो प्रमुख चुनौतियों का बचाव करना है।

सि. से. प्रा. परीक्षा

प्रश्न—राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. इसकी स्थापना के समय ही एक संवैधानिक निकाय के रूप में मान्यता दी गई थी।
2. 101वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत इसे कार्यकारी निकाय के रूप में परिवर्तित किया गया है।
3. वर्तमान में आयोग एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और 5 अन्य सदस्यों के माध्यम से कार्य करता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं ?

- (A) केवल 1
(B) केवल 2

(C) सभी तीनों

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(D)

व्याख्या—वर्ष 1993 में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग अधिनियम के तहत केन्द्र सरकार ने इस आयोग की स्थापना एक कार्यकारी या वैधानिक निकाय के रूप में की थी। वर्तमान में 102वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2018 द्वारा इसे संवैधानिक निकाय का दर्जा प्रदान किया गया है। उल्लेखनीय है कि आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और भारत सरकार के सचिव के पद और वेतन वाले तीन अन्य सदस्य होते हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा

सि. से. मु. परीक्षा

प्रश्न—दुनिया भर में हिंसक संघर्षों को रोकने में संयुक्त राष्ट्र की वर्तमान अप्रभाविता के पीछे के कारणों का उल्लेख करते हुए संयुक्त राष्ट्र शांति और संघर्ष को रोकने के लिए क्या उपाए अपनाता है विश्लेषण करें ?

उत्तर—वर्ष 1945 में अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों को प्रबंधित करने के उद्देश्य से स्थापित संयुक्त राष्ट्र वर्तमान में इजरायल-

नवीन पाठ्यक्रमानुसार अद्वितीय पुस्तक

नवीन आँकड़ों एवं तथ्यों सहित

उपकार

शाशिरिक शिक्षा

केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय

अन्य राज्यों के विद्यालयों में शिक्षक भर्ती हेतु

खेलकूद सम्बन्धी महत्वपूर्ण तथ्य विभिन्न खेलों के नियम-उपनियम खेल जगत् की प्रमुख स्पष्टाएं परीक्षोपयोगी वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Code 1234
₹ 210.00

डॉ. देवेन्द्र बालायण



उपकार प्रकाशन, आगरा-5

E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

नवीनतम आँकड़ों एवं तथ्यों सहित

उपकार

बिहार

सामान्य ज्ञान

बिहार जातिगत जनगणना (2023)

• आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 तथा बजट 2023-24

• बिहार सरकार की प्रमुख योजनाएं 2022-23

• टॉपिकवाइज परीक्षोपयोगी वस्तुनिष्ठ प्रश्न

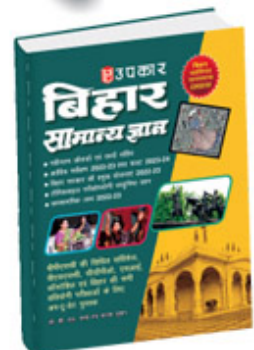
• समसामयिक तथ्य 2022-23

डॉ. बी. एल. शर्मा एवं संजय सुमन

उपकार प्रकाशन, आगरा-5

E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

बीपीएससी की सिविल सर्विसेज, बीएसएससी, सीडीपीओ, एसआई, कॉस्टेबिल एवं बिहार की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अप-टू-डेट पुस्तक



Code 109
₹ 150.00

फिलिस्तीन और रूस-यूक्रेन के बीच संघर्षों को रोकने और शांति बहाली में कोई विशेष हल न निकाल पाने के कारण आलोचकों ने इसे संयुक्त राष्ट्र की अप्रभाविता कहा है।

वर्तमान अप्रभाविता के पीछे निहित कारण

- आलोचकों का मानना है कि प्रमुख शक्तियों के बीच असहमति जहाँ एक और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् (यूएनएससी) के निर्णय सहमति को प्रभावित करता है वही दूसरी ओर देशों के बीच युद्ध या अन्य किसी संघर्ष में सार्थक कार्रवाई करने में भी बाधक बनता है।
- प्रति संतुलन शक्ति की कमी के कारण एक ध्रुवीयता—संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से शीत युद्ध के अंत और सोवियत संघ के विघटन से पूर्व तक जहाँ सोवियत संघ रूस प्रभावी भूमिका में रहा वही इसके बाद संयुक्त राज्य अमरीका अपनी भूमिका में प्रभावी रहा. अतः आलोचकों द्वारा कहा जाता है कि संयुक्त राष्ट्र प्रति संतुलन की कमी के कारण अधिक प्रभावी निर्णय लेने में असफल रहा है. उदाहरण के लिए, अफगानिस्तान और फिर इराक में संयुक्त राज्य अमरीका की कार्रवाई, संयुक्त राष्ट्र की अप्रभाविता को दर्शाती है और संयुक्त राज्य अमरीका ने वही किया जो वह चाहता था. इनमें से किसी भी संघर्ष के लिए संयुक्त राष्ट्र की कोई मंजूरी नहीं थी।
- यूएनएससी, अपने वर्तमान स्थायी सदस्यों (अमरीका, रूस, चीन, यूके और फ्रांस) को प्रदत्त वीटो मॉडल में, किसी भी अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दे को प्रभावी तरीके से सम्बोधित करने में स्थायी सदस्यों के बीच अपने राष्ट्रीय हितों के टकराव के कारण वीटो शक्ति के प्रयोग के कारण प्रभावी निर्णय निर्माण में असफल रहता है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा शांति और संघर्ष को रोकने के लिए उपाय

- संयुक्त राष्ट्र कूटनीति, कार्यालयों और मध्यस्थता का उपयोग करके संघर्ष की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- शांति रक्षा अभियानों का उद्देश्य शांति और सुरक्षा बनाए रखना, साथ ही राजनीतिक प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाना, नागरिकों की रक्षा करना, निरस्त्रीकरण में सहायता करना आदि है।
- शांति स्थापना प्रयास—इनका उद्देश्य संघर्ष से उभर रहे देशों की सहायता करना है।

- आतंकवाद का मुकाबला—अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ 18 सार्वभौमिक उपकरणों का विस्तार किया गया है।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा प्रस्तावों के रूप में सिफारिशें करती है. महत्वपूर्ण मुद्दों से सम्बन्धित निर्णय यहाँ लिए जाते हैं।
- यूएनएससी—सुरक्षा परिषद् अन्तर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखने या बहाल करने के लिए प्रवर्तन उपाय कर सकती है. ऐसे उपाय आर्थिक प्रतिबंधों से लेकर अन्तर्राष्ट्रीय सैन्य कार्रवाई तक हो सकते हैं।

निष्कर्ष

निसंदेह संयुक्त राष्ट्र की वर्तमान असफलता के पीछे आलोचकों के तर्कों के साथ हमें इसे पूर्णता स्वीकार नहीं कर लेना चाहिए ऐसा इसलिए क्योंकि इस संस्था ने अपने 75 वर्षों के कार्यकाल में विभिन्न अशांत क्षेत्रों में शांति मिशनों के माध्यम से शांति एवं संवैधानिक सरकारों की बहाली, आक्रामक राष्ट्रों पर प्रतिबंधों से नियंत्रण और विभिन्न आतंकवादी संगठनों व उनके प्रमुखों पर प्रतिबन्ध लगाकर समय समय पर अपनी उपयोगिता और प्रासंगिता को साबित किया है. हालाँकि, वर्तमान में इस संस्था के सम्बन्ध में रजालि सुधार योजना और वार्ता प्रक्रिया निर्णय 62/557 के प्रस्तावों को अपनाकर सदस्यता की श्रेणियाँ, वीटो के प्रश्न, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, कार्य पद्धति व सुरक्षा परिषद् और महासभा के बीच सम्बन्ध को स्थापित कर इसे वर्तमान आवश्यकता के अनुरूप पुनः पुनर्गठित किया जा सकता है।

सि. से. प्रा. परीक्षा

प्रश्न—संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के स्थायी सदस्यों में अमरीका, रूस, चीन, इजरायल और यूके सम्मिलित है।
2. यह संयुक्त राष्ट्र का एकमात्र ऐसा अंग है जिसके निर्णय सदस्य देशों पर बाध्यकारी होते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2
- (C) 1 और 2
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(B)

स्पष्टीकरण

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के स्थायी सदस्यों में अमरीका, रूस, चीन, यूके और फ्रांस

सम्मिलित हैं. उल्लेखनीय है कि सुरक्षा परिषद् द्वारा लिए गए निर्णय कानूनी रूप से बाध्यकारी होते हैं, जो संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों पर लागू होते हैं।

आर्थिकी

सि. से. मु. परीक्षा

प्रश्न—भारत में माल परिवहन के साधनों में रेलवे की स्थिति का उल्लेख करते हुए इसमें सुधार के प्रयासों का वर्णन कीजिए. साथ ही रेलवे के सम्बन्ध में विवेक देवराय समिति की सिफारिशों का उल्लेख कीजिए.

उत्तर—भारत में सबसे अधिक माल परिवहन या कार्गो स्थिति का उल्लेख करें तो वर्तमान में सबसे अधिक माल परिवहन लगभग 60-20% सड़क माध्यम से होता है. इसके बाद लगभग 32-10% हिस्सा रेलवे के माध्यम से और लगभग 7-60% हिस्सा जल मार्गों के माध्यम से होता है. भारत में वायु मार्ग यानि एयरलाइंस से 1% से भी कम माल परिवहन होता है. हालाँकि, रेलवे, सड़क माध्यम की तुलना में थोक माल ले जाने के लिए परिवहन के सस्ते साधनों में से एक है. उल्लेखनीय है कि भारत का सड़क नेटवर्क अमरीका के बाद दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा और विश्व स्तर पर चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है.

रेलवे माल परिवहन में सुधार के प्रयास

- राष्ट्रीय रेल योजना, विजन 2024 के तहत वर्ष 2024 तक रेलवे के 100% विद्युतीकरण और मल्टी-ट्रैकिंग मार्गों को सुनिश्चित करते हुए, दिल्ली-हावड़ा और दिल्ली-मुम्बई मार्गों पर माल परिवहन गाड़ियों की गति को 160 किमी प्रति घण्टा तक बढ़ाने का लक्ष्य. इसके अतिरिक्त स्वर्णिम चतुर्भुज मार्गों पर रेल गति को 130 किमी प्रति घण्टा तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है. रेल गति में सुधार के लिए 'मिशन रफ्तार' नामक प्रोग्राम चलाया जा रहा है.
- चार डेडिकेटेड फ्रंट कॉरिडोर के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें उत्तर-दक्षिण डेडिकेटेड फ्रंट कॉरिडोर (नई दिल्ली-चेन्नई, 2,343 किमी), पूर्व-पश्चिम गलियारा (कोलकाता-मुंबई, 2,330 किमी), पूर्वी तट गलियारा (खड़गपुर-विजयवाड़ा, 1,100 किमी) और दक्षिणी गलियारा (चेन्नई-गोवा, 899 किमी) सम्मिलित है.
- रोक संचलन नियमों में छूट प्रदान करते हुए रेलवे द्वारा अब किसी एक स्थान

विशेष से ही लोडिंग की अनुमति न देकर इसे कई स्थानों से लोडिंग की अनुमति देता है साथ ही निजी माल टर्मिनल (पीएफटी) की शुरुआत की भी अनुमति दी गई है.

- गति शक्ति टर्मिनल (जीसीटी) नीति— इस नीति का लक्ष्य सभी पीएफटी और निजी साइडिंग को जीसीटी में परिवर्तित करना है. निजी साइडिंग एक रेलवे लाइन है जिसका स्वामित्व किसी कम्पनी के पास होता है और वह रेलवे से जुड़ी होती है.

विवेक देवराय समिति और उनकी सिफारिशें

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में रेलवे के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने तथा रेलवे बोर्ड के पुनर्गठन हेतु विवेक देवराय समिति का गठन किया था. इस समिति ने वर्ष 2015 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर निम्नलिखित सिफारिशें प्रस्तुत की जिसमें प्रमुखता रेलवे के कार्यों को परिचालन, विनियमन और बुनियादी ढाँचे जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में विभक्त किया जाए, ट्रेन संचालन को निजी क्षेत्र के लिए खोला जाए जिसमें माल और यात्री दोनों प्रकार की गाड़ियाँ सम्मिलित हो, एक स्वतंत्र नियामक संस्था रेल डेवलपमेंट अथॉरिटी (आरडीए) का गठन किया जाए, क्षेत्रीय रेलवे की वाणिज्यिक और वित्तीय स्वायत्तता बढ़ाना, नई लाइनों के निर्माण में रेलवे को राज्य सरकारों के साथ मिलकर कार्य करना चाहिए, और लेखांकन पद्धति को अन्तर्राष्ट्रीय मानकों पर विकसित किया जाना चाहिए.

सि. से. प्रा. परीक्षा

प्रश्न—निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए.

1. भारत में माल दुलाई परिवहन में रेलवे के बाद सड़क कुल 32.10% प्रतिशत का हिस्सा रखता है.
2. भारत का सड़क नेटवर्क अमरीका के बाद दुनिया में चौथा सबसे बड़ा और विश्व स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है.
3. 'मिशन रफ्तार' के तहत तीव्र गति से कार्य करते हुए वर्ष 2024 तक रेलवे ने 100% विद्युतीकरण का लक्ष्य रखा है.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2 और 3
- (C) 1, 2 और 3
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(D)

प्रतियोगिता दर्पण/फरवरी/2024/51

स्पष्टीकरण

भारत में माल दुलाई परिवहन में सड़क के बाद रेलवे कुल 32.10% प्रतिशत का हिस्सा रखता है. भारत का सड़क नेटवर्क अमरीका के बाद दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा और विश्व स्तर पर चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है. 'मिशन रफ्तार' के तहत रेलवे का लक्ष्य माल दुलाई और यात्री गाड़ियों की प्रति किमी गति को बढ़ाना है.

पर्यावरण

सि. से. मु. परीक्षा

प्रश्न—हरित विकास अवधारणा का अर्थ समझाते हुए भारत के इस सम्बन्ध में प्रयासों और हाल ही में सम्पन्न जी-20 के अन्तर्गत इसके सम्बन्ध में लिए गए निर्णयों का उदाहरण सहित उल्लेख करें.

उत्तर—संयुक्त राष्ट्र के अनुसार हरित विकास का अर्थ ऐसे आर्थिक वृद्धि और विकास से है, जो पर्यावरणीय स्थिरता को ध्यान में रखता है. हरित विकास रणनीतियों का ध्यान यह सुनिश्चित करना है कि प्राकृतिक सम्पत्तियाँ स्थायी आधार पर अपनी पूर्ण आर्थिक-क्षमता प्रदान कर सकें. ऐसा इसलिए क्योंकि प्राकृतिक सम्पत्तियाँ असीमित रूप से प्रतिस्थापन योग्य नहीं होती है और हरित विकास नीतियाँ इसका ध्यान रखती है. अतः हरित विकास आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और पर्यावरण संरक्षण के बीच एक सन्तुलन बनाने का कार्य करता है.

वर्तमान में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के कारण हरित विकास को समय की आवश्यकता बताया जा रहा है, यही कारण है कि जी-20 से लेकर कॉप-28 तक हरित विकास देशों की प्राथमिक रणनीतियों में से सर्वप्रमुख रहा है. देशों, संगठनों, सिविल सोसाइटी, पर्यावरणीय एनजीओ आदि द्वारा अपनी नीतियों और कार्यों में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर क्षेत्र में स्थिरता को मुख्यधारा में लाया जाए.

हरित विकास के सम्बन्ध में भारत के प्रयास

भारत ने वर्ष 2023 के अपने बजट में 'सप्तर्षि' प्राथमिकताओं और बजट 'भारत @100 अवसरों' के अन्तर्गत 'हरित विकास' को एक प्रमुख प्राथमिकता के तौर पर चिह्नित किया है. भारत ने 'हरित विकास' को बढ़ावा देने के लिए 'मिशन लाइफ' की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य बिना सोचे-समझे उपभोग के बजाए संसाधनों के सोच-समझकर उपभोग की कार्यशैली को बढ़ावा देना है. इसके अतिरिक्त भारत ने हरित औद्योगिक और

नवीन संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण

उपकार हिन्दी साहित्य का तथ्यपरक अध्ययन

यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ./
सेट, असिस्टेंट प्रोफेसर, के.वी.
एस., एन. वी.एस., पी.जी.टी.,
टी.जी.टी., पी.एच.डी., राजभाषा
निदेशक, हिन्दी अधिकारी, हिन्दी
सहायक, संपादक, समाचार
वाचक एवं संघ/राज्य लोक सेवा
आयोग, कर्मचारी चयन आयोग
की परीक्षाओं और विभिन्न
विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के
लिए हिन्दी साहित्य की अनुपम
पुस्तक.

लेखक : ओंकार नाथ वर्मा



कोड 2129 ₹ 380/-

विभिन्न परीक्षाओं
के विगत 15 वर्ष के प्रश्नों
का भी समावेश.

प्रमुख आकर्षण

- आदिकाल → भक्तिकाल
- रीतिकाल आधुनिककाल
- नाटक → निबंध → कहानी
- उपन्यास → आलोचना
- हिन्दी गद्य की अन्य
विधाएँ → हिन्दी साहित्य की
नवीन प्रवृत्तियाँ → हिन्दी के
पत्र और पत्रिकाएँ → विविधा

उपकार प्रकाशन, आगरा-5

- E-mail : sales@upkar.in
- Website : www.upkar.in

हरित आर्थिक परिवर्तन की ओर जाने के लिए, वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है।

पीएम प्रणाम—इसका उद्देश्य रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देकर कृषि प्रबन्धन हेतु वैकल्पिक पोषक तत्वों का संवर्द्धन करना है। इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए उर्वरक विभाग ने सभी घरेलू उत्पादकों के लिए नीम लेपित यूरिया के रूप में 100 प्रतिशत यूरिया का उत्पादन अनिवार्य कर दिया है।

500 नए वेस्ट टू वेल्थ प्लांट—‘हरित विकास’ को बढ़ावा देने के लिए चक्रीय अर्थव्यवस्था को अपनाते हुए गोबरधन योजना के तहत 500 नए वेस्ट टू वेल्थ प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं। इसमें कुल ₹ 10,000 करोड़ के निवेश से 75 शहरी क्षेत्रों में 200 संपीड़ित बायोगैस संयंत्र और 300 क्लस्टर आधारित संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। उदाहरण के लिए, फरवरी 2022 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंदौर में एशिया के सबसे बड़े नगरपालिका ठोस अपशिष्ट आधारित संयंत्र का उद्घाटन किया, जिसका लक्ष्य 19,000 किग्रा जैव सीएनजी गैस उत्पन्न करना है।

इसके अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा अन्य प्रयास जैसे राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (2030 तक 5 एमएमटी उत्पादन का लक्ष्य), भारतीय प्राकृतिक खेती जैव-इनपुट संसाधन केन्द्र के माध्यम से 1 करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती में लाने का लक्ष्य, मिष्ठी कार्यक्रम के तहत तटरेखा वाले क्षेत्रों में मैंग्रोव रोपण को बढ़ावा देना, आर्द्र भूमि की सुरक्षा के लिए अमृत धरोहर नामक कार्यक्रम की घोषणा। इसके तहत जैव विविधता, कार्बन स्टॉक, इकोटूरिज्म, सम्भावनाओं और राजस्व उत्पादन में सुधार के लिए प्रयासों को बढ़ावा देना है।

जी-20 में हरित विकास के लिए निर्णय

- क्षरण तटस्थता को प्राप्त करने के लिए वर्ष 2040 तक भूमि क्षरण को 50 प्रतिशत तक कम करने के महत्वाकांक्षी निर्णय पर सदस्य देशों द्वारा समर्थन व्यक्त किया गया है।
- जी-20 ने टिकाऊ और लचीली नीली/महासागर आधारित अर्थव्यवस्था के लिए उच्चस्तरीय संसाधनों को अपनाने पर अपनी सहमति व्यक्त की है।
- जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और शमन के लिए विकासशील देशों को आवश्यक धन उपलब्ध कराने के लिए विकसित देशों ने 100 अरब डॉलर जुटाने की पुष्टि की है। इसके अतिरिक्त जी-20 ने बहुवर्षीय तकनीकी योग्यता कार्य योजना

(टीएएपी) को अपनाया है। यह योजना विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने पर केन्द्रित है।

- जी-20 ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) कार्य समूह को संस्थागत रूप दिया है। यह आपदाओं के खिलाफ लचीलापन लाने के लिए जी-20 के प्रयासों को सुव्यवस्थित करने में मदद करेगा।
- जी-20 के अन्तर्गत ही संसाधन दक्षता और चक्रीय अर्थव्यवस्था उद्योग गठबंधन (आरईसीईआईसी) लॉन्च किया गया है।
- सतत् विकास के लिए 2030 के एजेंडा के पूर्ण और प्रभावी कार्यान्वयन में तेजी लाना, इसके अन्तर्गत वर्ष 2030 तक वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना तक करने के समझौते पर सहमति बनी है।

निष्कर्षता वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों की समृद्धि और वर्तमान विकास और अन्य हरित विकास रणनीतियों को बढ़ावा देते हुए एकीकृत, समग्र और सन्तुलित तरीके से पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ाने की आवश्यकता है। देशों को अपनी नेतृत्वकारी भूमिका को ध्यान में रखते हुए पेरिस समझौते के पूर्ण और प्रभावी कार्यान्वयन को अपनी प्रतिबद्धताओं में सम्मिलित करते हुए यूएनएनएफसीसीसी के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण को अपनाते हुए हरित विकास को बढ़ावा देना चाहिए।

सि. से. प्रा. परीक्षा

प्रश्न—भारत सरकार द्वारा हरित विकास को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए गए ‘मिशन लाइफ’ कार्यक्रम के सम्बन्ध में कौनसा/से कथन सही नहीं है/हैं ?

1. ‘मिशन लाइफ’ कार्यक्रम को विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।
2. ‘मिशन लाइफ’ कार्यक्रम के तहत कुल 3 चरण निर्धारित हैं, जिसमें पहला चरण, माँग में परिवर्तन, दूसरा चरण, आपूर्ति में परिवर्तन और तीसरा चरण, नीति में परिवर्तन से सम्बन्धित है।

कूट :

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2
- (C) 1 और 2
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(A)

व्याख्या—‘मिशन लाइफ’ कार्यक्रम को भारत के थिंक टैंक नीति आयोग द्वारा विकसित और संचालित किया गया है, जिसे केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा। ‘मिशन लाइफ’ कार्यक्रम के तहत कुल 3 चरण निर्धारित हैं जिसमें पहला चरण, माँग में परिवर्तन पर आधारित है। इसके अन्तर्गत व्यक्तियों को अपने दैनिक जीवन में सरल, लेकिन प्रभावी पर्यावरण अनुकूलन कार्यों का अभ्यास करने के लिए प्रेरित करना है। दूसरा चरण आपूर्ति में परिवर्तन दृष्टिकोण पर आधारित है। इसके अन्तर्गत बड़े पैमाने पर व्यक्तिगत माँग में बदलाव से उद्योगों और बाजारों को धीरे-धीरे प्रतिक्रिया देने और संशोधित माँगों के अनुरूप आपूर्ति और खरीद के लिए प्रेरित करना है। तीसरा चरण, नीति में परिवर्तन पर आधारित है, इसके अन्तर्गत भारत और दुनिया की माँग और आपूर्ति की गतिशीलता को प्रभावित करके मिशन लाइफ का दीर्घकालिक दृष्टिकोण बड़े पैमाने पर औद्योगिक और सरकारी नीतियों में बदलाव लाना है, जो टिकाऊ खपत और उत्पादन दोनों का समर्थन करता है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

प्रश्न—भारतीय अन्तरिक्ष एजेंसी (इसरो) के भविष्य में आने वाले प्रमुख मिशनों का परिचय देते हुए इनकी प्रमुख विशेषता का उल्लेख करें ?

उत्तर—भारतीय अन्तरिक्ष एजेंसी (इसरो) के भविष्य में आने वाले प्रमुख मिशनों में गगनयान, एक्स-रे पोला रिमीटर सैटेलाइट (Xposat), निसार (NISAR) और स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट (Spadex) आदि प्रमुख हैं।

गगनयान

- इस मिशन के अन्तर्गत 3 सदस्यों के दल को 400 किमी की निचली कक्षा में पहुँचाकर उन्हें पुनः सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाकर मानव अन्तरिक्ष उड़ान क्षमता का विकास करना है।
- उल्लेखनीय है कि वास्तविक मानव मिशन उड़ान से पूर्व विभिन्न पूर्ववर्ती मिशनों की योजना बनाई गई जिसमें इंटीग्रेटेड एयर ड्राप टेस्ट (आईएडीटी), पैड एबॉर्ट टेस्ट (पीएटी) और टेस्ट व्हीकल उड़ाने शामिल हैं।

लॉन्च व्हीकल—HLVM3 इसे मानव रेटेड LVM3 नाम दिया गया है। इसमें ठोस चरण, तरल चरण और क्रायोजेनिक चरण शामिल है। इसमें क्रू एस्केप सिस्टम (CES) शामिल है। यह सुनिश्चित करता है कि लॉन्च पैड पर या प्रक्षेपण के दौरान किसी भी आपात

स्थिति के समय क्रू मॉड्यूल को चालक दल के साथ सुरक्षित दूरी पर ले जाया जा सके.

कक्षीय मॉड्यूल—यह सफल प्रक्षेपण के बाद HLVM3 से अलग होकर पृथ्वी की कक्षा की परिक्रमा करेगा. इसमें क्रू मॉड्यूल (सीएम) और सर्विस मॉड्यूल (एसएम) शामिल हैं. कक्षीय मॉड्यूल मानव सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त अतिरिक्त के साथ अत्याधुनिक एवियोनिक्स सिस्टम से सुसज्जित है. क्रू मॉड्यूल अन्तरिक्ष में चालक दल के लिए पृथ्वी जैसे वातावरण वाला रहने योग्य स्थान है.

● गगनयान के क्रू (उड़ान भरने वाले सदस्य) को बेंगलूरु स्थित अन्तरिक्ष यात्री प्रशिक्षण सुविधा केन्द्र में ट्रेनिंग दी जा रही है.

प्रक्षेपण चरण—इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट (IADT), टेस्ट व्हीकल मिशन (TVM), पैड अवॉर्ड टेस्ट (PAT), अनमैण्ड फ्लाइट, मानव अन्तरिक्ष उड़ान.

महत्व—प्रौद्योगिकी विकास, रोजगार और मानव संसाधन विकास, वैज्ञानिक कौशल और नवाचार को बढ़ावा, अन्तरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन आदि.

Xposat

● इस मिशन का उद्देश्य विषम परिस्थितियों में खगोलीय स्रोतों की विभिन्न गतिशीलता

का अध्ययन करना है. उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में नासा ने इमेजिंग एक्स रे पोलारिमेट्री एक्सप्लोरर (IXPE) लॉन्च किया था. यदि इसरो अपने Xposat मिशन में सफल रहता है, तो यह नासा के बाद दुनिया का दूसरा पोलारिमेट्री मिशन होगा.

● इसरो के इस मिशन में रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (RRI) बेंगलूरु, कर्नाटक एक सहयोगी के रूप में कार्य कर रहा है.

वैज्ञानिक पेलोड—दो वैज्ञानिक पेलोड का प्रयोग जिसमें एक प्राथमिक पेलोड Polix (एक्स-रे में पोलारिमेट्री उपकरण) खगोलीय मूल के 8-30 KeV फोटॉनों की मीडियम एक्स-रे ऊर्जा रेंज में पोलारिमेट्री मापदंडों (ध्रुवीकरण की डिग्री और कोण) को मापेगा. वही दूसरा XSPECT (एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी और टाइमिंग) पेलोड 0.8-15 KeV की ऊर्जा रेंज में स्पेक्ट्रोस्कोपिक की जानकारी देगा.

महत्व—विभिन्न खगोलीय स्रोतों जैसे—ब्लैकहोल, न्यूट्रॉन तारे, सक्रिय गैलेटिक नाभिक, पल्सर पवन निहारिका आदि से उत्सर्जन तंत्र जटिल भौतिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न होता है, जिसे समझना चुनौतीपूर्ण है. इन्हीं चुनौतियों का समाधान करते हुए पोलारिमेट्री माप विभिन्न खगोलीय स्रोतों

से उत्सर्जन प्रक्रियाओं को समझने के लिए एक उत्कृष्ट निदान उपकरण प्रदान करता है. पोलारिमेट्री माप हमारी समझ में दो और आयाम ध्रुवीकरण की डिग्री और ध्रुवीकरण का कोण जोड़ता है. यह मिशन पृथ्वी की ग्रहण अवधि के माध्यम से अपने पारगमन के दौरान एक्स-रे स्रोतों का निरीक्षण करेगा.

निसार (NISAR)

● यह नासा-इसरो की संयुक्त पहल के तहत पृथ्वी की निचली भू-कक्षा में स्थापित की जाने वाली वेधशाला है. उल्लेखनीय है कि इसके लिए दोनों अन्तरिक्ष एजेंसियों ने वर्ष 2014 में समझौते पर हस्ताक्षरित किए थे. यह वेधशाला अपने कार्यान्वयन के बाद 12 दिनों में पूरे ग्लोब का मानचित्रण तैयार करेगी और पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र, बर्फ के द्रव्यमान, वनस्पति बायोमास, समुद्र के स्तर में वृद्धि, भू-जल और भूकम्प, सुनामी, ज्वालामुखी और भूस्खलन सहित प्राकृतिक खतरों को समझने के लिए स्थानिक और अस्थायी रूप से सुसंगत डेटा प्रदान करेगा उम्मीद है कि इसे वर्ष 2024 में सतीश धवन अन्तरिक्ष केन्द्र से लॉन्च किया जाएगा.

शेष पृष्ठ 74 पर

Special Discount

Welcome

To

CHENNAI BOOK FAIR 2024

From 5th Jan. to 21st Jan., 2024

At Y.M.C.A. College of Physical Education
Nandanam, Chennai- 600 035

NEW DELHI

WORLD BOOK FAIR 2024

From 10th Feb. to 18th Feb., 2024

At Pragati Maidan, New Delhi

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी संस्करण

PRATIYOGITA DARPAN

UPKAR'S
CAREER BOOKS

India's Largest Selling
Competition Books

उपकार Just Released

धृतीसगढ़

पुलिस आरक्षक

चयन परीक्षा

(जनरल इयूटी)



नवीन संशोधित
एवं
परिवर्द्धित संस्करण

परीक्षा सम्बन्धी
सभी विषय

पिछले हल प्रश्न-पत्र

डॉ. लाल एवं जैन

कोड : 1098 मूल्य : ₹ 170/-

उपकार प्रकाशन, आगरा-5

E-mail : sales@upkar.in

Website : www.upkar.in

सिविल सेवा परीक्षा : व्यक्तित्व परीक्षण 2023 रखता है आपकी किस्मत बदलने की शक्ति

—अतुल कपूर

देश में किसी भी अन्य खुली प्रतियोगी परीक्षा की तुलना में सबसे अधिक कठिन, सिविल सेवा परीक्षा, वास्तव में इच्छुक युवा भारतीयों के बीच एक क्रेज है।

यह स्पष्ट है कि इस परीक्षा में शामिल होने वाले प्रत्येक उम्मीदवार के लिए यह बेहद चुनौतीपूर्ण और कठिन है और जो अंत तक टिके रहते हैं, उनके लिए प्रतिष्ठित भारतीय सिविल सेवा में शामिल होने का अवसर सदैव मौजूद है।

ऐसा ही एक अवसर उन उम्मीदवारों के लिए दरवाजे पर दस्तक दे रहा है, जिन्हें अभी-अभी मेन्स 2023 का परिणाम पता चला है।

सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा 2023 का परिणाम घोषित

यहाँ उन साहसी युवाओं के लिए अवसर है, जिन्हें सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा 2023 के हाल ही में घोषित परिणामों में विजयी होकर अन्तिम स्तर-व्यक्तित्व परीक्षण में शामिल होने का मौका मिला है।

अगर मैं 'साहसी' शब्द का उपयोग कर रहा हूँ तो आश्चर्यचकित न हों—पहला कदम उठाना सिविल सेवा में कॅरियर बनाने का सपना देखने, इस परीक्षा में शामिल होने का निर्णय, इस कठिन प्रतियोगिता प्रक्रिया से गुजरने के लिए पर्याप्त धैर्य बनाए रखना, हार माने बिना इस कठिन समय का सामना करना और असफलता के डर पर काबू पाना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है।

प्रत्येक कदम के लिए साहस और प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है जिसे इन सफल उम्मीदवारों ने परीक्षा के प्रत्येक चरण में प्रदर्शित किया है।

प्रारम्भिक परीक्षा के लिए 10 लाख से अधिक आवेदकों में से लगभग 2,500 अभ्यर्थियों के बीच साक्षात्कार-स्तर तक पहुँचना स्पष्ट रूप से इन अभ्यर्थियों द्वारा दिखाए गए साहस और प्रतिबद्धता के बारे में बताता है और उनकी क्षमता के बारे में एक साहसिक बयान देता है।

आपने अपना लक्ष्य तय कर लिया, उसे हासिल करने के लिए योजनाएं बना लीं, कभी-कभी चीजें सही दिशा में काम करती हैं, कभी-कभी नहीं। सिविल सेवा परीक्षा में शामिल होना ऐसी ही एक योजना है और कुछ भाग्यशाली लोगों के लिए, मुख्य परीक्षा 2023 के हालिया परिणाम ने बड़ी सफलता के द्वार खोल दिए हैं।

प्रतियोगिता दर्पण/फरवरी/2024/54

प्रारम्भिक परीक्षा की अनिश्चितताओं से निपटना और फिर मुख्य परीक्षा में बने रहने के लिए धैर्य और दृढ़ता ही सफलता की कुंजी है। अब, अन्तिम चरण में यह वास्तविक 'आप' है जो फोकस में है।

सपनों का कॅरियर अब साकार होता दिख रहा है क्योंकि लगभग '30 मिनट का एक अच्छा प्रदर्शन' आपको अपना भाग्य बदलने में मदद कर सकता है।

आपका निकट भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि आप स्वयं को किस पक्ष में पाते हैं

सफलता या असफलता; विभिन्न परिणामों के लिए विविध पथ, यदि सफल हो तो आप स्वयं को अपने सपनों के कॅरियर के करीब पहुँचते हुए पाते हैं; किसी भी निराशाजनक परिणाम का मतलब है, आपको एक नई शुरुआत करनी होगी।

मैं आपको बताता हूँ कि जब आपको अन्तिम परिणाम पता चलेगा, अगले प्रीलिम्स की तैयारी के लिए व्यावहारिक रूप से कोई समय नहीं होगा क्योंकि जब परिणाम घोषित किए जाएंगे तब आपके पास आगामी प्रीलिम्स से पहले एक सप्ताह से भी कम समय बचा होगा।

कुछ लोगों के लिए यह अवसर है, लेकिन कई लोगों के लिए झटका है; जैसाकि परीक्षा-योजना है, प्रत्येक चरण में सफलताएँ कम होती हैं और निराशाएँ उसकी तुलना में बहुत अधिक होती हैं।

मुख्य परीक्षा कोई अपवाद नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं है, मुख्य परीक्षा (लिखित) कठिन है और कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण सीमित सफलता मिलती है, लेकिन असफलताएँ कई गुना होती हैं।

अगले स्तर तक पहुँचने वाले सफल उम्मीदवारों की सूची में अपना नाम पाकर सबसे अधिक सन्तुष्टि मिलती है, कुछ लोगों के लिए यह आत्मविश्वास का प्रदर्शन होगा; साथ ही यह परिणाम कई उम्मीदवारों के लिए कुछ सुखद आश्चर्य लेकर आया होगा जो किसी विशेष पेपर में कुछ औसत प्रदर्शन से असन्तुष्ट थे।

व्यक्तित्व परीक्षण-आपके सपनों की मंजिल के करीब एक कदम

जब कोई यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के लिए तैयारी शुरू करता है, तो प्रत्येक चरण

को अच्छे अंकों से उत्तीर्ण करने का सपना सबसे बड़ी प्रेरणा होता है। आखिरकार, आपका सपना सच हो गया; आगामी साक्षात्कार सत्र में आपके पास ऐसा करने का मौका है।

सिविल सेवा परीक्षा का अंतिम चरण, साक्षात्कार केवल ज्ञान और जागरूकता की परीक्षा नहीं है; यह आपके, आपके व्यक्तित्व, आपकी विचार प्रक्रिया और पद के लिए उपयुक्तता के बारे में है जिसका मूल्यांकन विविध कॅरियर-स्ट्रीम से आए अनुभवी व्यक्तियों के सम्मानित पैनल द्वारा किया जाता है।

प्रारम्भिक परीक्षा से लेकर मुख्य परीक्षा तक, आपने अब तक जो कुछ भी किया है, उसने आपको इस स्थान तक पहुँचाया है। जिन अनुभवों और कौशलों ने आपको व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार) तक पहुँचाया, वे अब उतने प्रभावी नहीं हैं क्योंकि व्यक्तित्व परीक्षण एक मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन है। वास्तव में, आपको प्रभावोत्पादक बने रहने के लिए कौशल के एक नए सेट की आवश्यकता होगी, क्योंकि यह आपके जीवन की सीख है, जो परीक्षण में है।

वे आपके मानसिक कौशल और आपके दृष्टिकोण का मूल्यांकन करते हैं। वे आपके स्वभाव और धैर्य की परीक्षा लेते हैं।

इसके पीछे का गणित समझिए

कुल 2025 अंकों में से, मुख्य परीक्षा (लिखित) में 1,750 अंक होते हैं और साक्षात्कार से जुड़े 275 अंक मेरिट-सूची में स्थान हासिल करने और यहाँ तक कि अपनी पसंद का पद/सेवा प्राप्त करने में बड़ी भूमिका निभाते हैं।

इस इंटरव्यू का मकसद ही आपके समग्र व्यक्तित्व को देखना और उसका मूल्यांकन करना है। तदनुसार, हर कोई व्यक्तित्व परीक्षण की तैयारी करता है; लेकिन, प्रत्येक उम्मीदवार के लिए, परिणाम अप्रत्याशित हो सकते हैं।

जैसाकि देखा गया है, उम्मीदवारों को मेन्स (लिखित) की तुलना में साक्षात्कार स्तर पर स्कोर करने का बेहतर मौका मिलता है, जहाँ कुछ अपवादों को छोड़कर, अधिकांश उम्मीदवारों के स्कोर एक सीमा में होते हैं।

साक्षात्कार में उच्च अंक प्राप्त करना आसान है; आप कह सकते हैं कि इस स्तर पर बेहतर अंक प्राप्त करने की अधिक संभावना है। मुख्य परीक्षा (लिखित) में 50% से अधिक अंक प्राप्त करना भी कठिन है; लेकिन साक्षात्कार में 75% अंक प्राप्त करना अपेक्षाकृत काफी सम्भव है।

कुल मिलाकर साक्षात्कार के अंकों का प्रभाव आपके सपनों को बना या बिगाड़ सकता है।

साक्षात्कार की तैयारी-किस स्तर पर?

यदि आप यूपीएससी की परीक्षा-योजना और मंशा को समझते हैं, तो मुझे लगता है कि इससे इस सलाह को बल मिलता है कि किसी को सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी उल्टे क्रम में करनी चाहिए, यानी पहले साक्षात्कार (व्यक्तित्व परीक्षण) को देखें, फिर मुख्य परीक्षा की आवश्यकताओं को और अंत में प्रारम्भिक परीक्षा को देखें।

यदि आप यूपीएससी की मंशा को समझने में सक्षम हैं, तो आपके लिए दबाव को संभालना और पहले प्रयास में ही बांछित सफलता प्राप्त करना आसान हो जाता है।

इससे पहले कि आप तय करें कि साक्षात्कार बोर्ड का सामना करने के लिए तैयारी कैसे करें, यूपीएससी की आवश्यकताओं और इरादे—साक्षात्कार सत्र की आत्मा और प्रकृति को समझना आवश्यक है।

तार्किक रूप से सोचना सीखें और चीजों का तर्कसंगत विश्लेषण करें।

साक्षात्कार बोर्ड के रूप में संचार कौशल के माध्यम से मौलिकता, अखंडता और नेतृत्व गुणों की तलाश की जाती है और उसके आधार पर आपके समग्र व्यक्तित्व का आकलन किया जाता है।

सभी साक्षात्कार बोर्ड क्या मूल्यांकन करते हैं?

‘आपको पहली छाप छोड़ने का दूसरा मौका नहीं मिलता।’

आपकी साक्षात्कार की तैयारी आपकी तैयारी के साथ शुरू होनी चाहिए, फिर भी मेन्स (लिखित) समाप्त होने के तुरन्त बाद, आपकी साक्षात्कार की तैयारी शुरू होनी चाहिए। आप कुछ पूर्वानुमानित प्रश्नों पर काम कर सकते हैं और अपने उत्तरों में स्पष्टता विकसित कर सकते हैं और इसमें संतुलित दृष्टिकोण प्रतिबिंबित होना चाहिए।

यह व्यक्तित्व परीक्षण है और अनुभवी साक्षात्कार बोर्ड के सदस्य आपके संचार कौशल का विश्लेषण करते हैं, आपकी दिमाग की उपस्थिति की जाँच करते हैं, आपके निर्णय लेने के कौशल, समस्या सुलझाने की क्षमताओं का आकलन करते हैं और इन सबके अलावा, वे मौलिकता का पता लगाने का प्रयास करते हैं।

राष्ट्रीय और विश्व-मामलों पर जागरूकता का परीक्षण स्वाभाविक रूप से किया जाता है। आप कभी नहीं जान पाते कि बोर्ड के सदस्य कब और कैसे आपके दिमाग में प्रवेश करते हैं और आपकी मानसिक सतर्कता और तथ्यों को आत्मसात करने की महत्वपूर्ण शक्ति का पता लगाते हैं।

सामाजिक मुद्दों पर आपकी संवेदनशीलता, सच्चाई और नैतिक निष्ठा उन गुणों को आपको

प्रतिबिंबित करना चाहिए जो बोर्ड उम्मीदवारों में खोज रहा है।

कई उम्मीदवार यह समझने में असफल रहते हैं कि अंक कैसे दिए जाते हैं और बातचीत के कुछ मिनटों के भीतर ही वे ‘व्यक्तित्व’ मूल्यांकन में शामिल व्यक्तित्वपरकता के बारे में बात करने लगते हैं।

उम्मीदवारों के लिए यह समझना थोड़ा मुश्किल है कि व्यक्तित्व परीक्षण में अंक कैसे दिए जाते हैं, लेकिन, इस साक्षात्कार का उद्देश्य आपके समग्र व्यक्तित्व को देखना और उसका मूल्यांकन करना है और उसी के आधार पर अंक दिए जाते हैं।

व्यक्तित्व परीक्षण के महत्व को समझें

आईएएस इंटरव्यू उतना आसान नहीं है जितना कई उम्मीदवार सोचते हैं। अपने साक्षात्कार को गम्भीरता से लें, इसके लिए साहसिक प्रयासों की आवश्यकता होती है और पहले से की गई तैयारी निश्चित रूप से आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। उत्कृष्ट शैक्षणिक रिकॉर्ड या मुख्य परीक्षा में संतोषजनक प्रदर्शन इस बात की गारंटी नहीं देता कि आप साक्षात्कार में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

यदि आपकी मानसिकता सही है, सही प्रयास और तर्कसंगत तरीके से काम करें तो आप अपने सपनों को साकार कर सकते हैं।

विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के लिए तैयारी करें और अभ्यास करें, क्योंकि आपका साक्षात्कार आपके विस्तृत आवेदन पत्र (डीएएफ) द्वारा संचालित होने वाला है और आप निश्चित नहीं हैं कि इसमें आपकी व्यक्तिगत जानकारी या शैक्षणिक योग्यता शामिल होगी या यह वर्तमान मामलों से सम्बन्धित हो सकता है; कभी-कभी यह कुछ काल्पनिक/स्थितिजन्य प्रश्न हो सकते हैं, जिनका उद्देश्य कुछ कठिन परिस्थितियों से निपटने में आपकी क्षमता की जांच करना, लीक से हटकर सोचना, सभी आयामों/संभावनाओं का विश्लेषण करना और निर्णायक दृष्टिकोण दिखाते हुए समाधान तैयार करना है। यह साक्षात्कार इन सभी या कुछ घटकों का संयोजन हो सकता है।

प्रत्येक अवसर विशिष्ट है; प्रथम साक्षात्कार का सामना करना एक अनोखा अनुभव है

सिविल सेवा साक्षात्कार असाधारण है; नियमित साक्षात्कार सत्रों से बहुत अलग।

मेरी राय में, आईएएस साक्षात्कार 2023 में शामिल होने वाला आप में से प्रत्येक उम्मीदवार एक ही नाव में सवार है।

यह उन लोगों के लिए एक असाधारण अनुभव होगा जिन्हें पहली बार आईएएस साक्षात्कार में शामिल होने का अवसर मिल

रहा है। यह सच है कि इंटरव्यू बोर्ड को प्रभावित करना इतना आसान नहीं है। आपको यह कठिन लग सकता है, क्योंकि आप नहीं जानते होंगे कि आपसे क्या अपेक्षा है और पहले कभी ऐसा कोई अनुभव भी नहीं।

ऐसा नहीं है कि जिन्होंने पहले आईएएस साक्षात्कार का सामना किया है, उन्हें आसानी होगी; प्रत्येक साक्षात्कार प्रकृति में विशिष्ट होता है। जो उम्मीदवार पहले साक्षात्कार का सामना कर चुके हैं, जब वे दोबारा व्यक्तित्व परीक्षण में शामिल होते हैं, तो प्रश्नों की शृंखला और विविध परिस्थितियाँ उन्हें तर्कसंगत दृष्टिकोण अपनाने के लिए बाध्य करती हैं।

भले ही यह साक्षात्कार बोर्ड का सामना करने का अगला मौका हो, यह निश्चित नहीं है कि आपका प्रदर्शन बेहतर होगा या आपको बेहतर अंक दिए जाएंगे।

यह परीक्षा ऐसी होती है कि कभी-कभी आपको कुछ ऐसे अविश्वसनीय नतीजे देखने को मिलते हैं, जो आपको हैरान कर देते हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं है, प्रत्येक साक्षात्कार आपको आत्मविश्वास देता है, आप बढ़े हुए ज्ञान और बेहतर जागरूकता के साथ आते हैं और बेहतर साक्षात्कार कौशल दिखाने की उम्मीद करते हैं।

व्यक्तित्व परीक्षण-मुख्य टिप्पणियाँ

मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि आखिरी बाधा का आत्मविश्वास से सामना करने के लिए तैयार रहें और विजेता बनकर उभरें।

आपको परीक्षा व्यवस्था को समझने की आवश्यकता है और मुख्य परीक्षा (लिखित) और व्यक्तित्व परीक्षण में आपका प्रदर्शन आपके अंतिम परिणाम को कैसे निर्धारित करता है।

1. साक्षात्कार में उच्च अंक प्राप्त करने का लक्ष्य रखें—हाँ, जब आप व्यक्तित्व परीक्षण का सामना करने के लिए तैयार होते हैं तो आपको इसी मानसिकता की आवश्यकता होती है। आप इसे किसी भी तरह से हल्के में नहीं ले सकते। प्रत्येक वृद्धिशील अंक आपकी सफलता और यहाँ तक कि शीर्ष रैंक प्राप्त करने की संभावना बनाता है, जो आपकी पसंद का पद सुनिश्चित करता है।

2. कहा जाता है कि मेन्स में अच्छा प्रदर्शन करने से इंटरव्यू पर निर्भरता कम हो जाती है—हाँ, यदि आप अपने मेन्स प्रदर्शन के बारे में आश्वस्त हैं, तो इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

लेकिन जब आपका सामना इंटरव्यू बोर्ड से होता है तो न तो आपको अपने मार्क्स के बारे में पता होता है और न ही इंटरव्यू बोर्ड को। तो, इस परिदृश्य में आप यह कैसे मान सकते हैं कि आपको मेन्स (लिखित) में उच्च अंक प्राप्त होंगे?

3. आत्मसंतोष दिखाने के लिए कोई जगह नहीं—मेन्स में सफल होने के बाद, कई उम्मीदवार सोचते हैं कि साक्षात्कार के लिए गम्भीरता से तैयारी करने की कोई आवश्यकता नहीं है, वे आखिरी बाधा पार करने के लिए तैयार हैं और उन्हें बस कुछ जानकारियाँ ब्रश-अप की आवश्यकता है और बस इतना ही.

साक्षात्कार सबसे पुरस्कृत अनुभव हो सकता है, लेकिन वास्तव में उम्मीदवार व्यक्तित्व परीक्षण के लिए सबसे कम तैयारी करते हैं.

4. टॉपर्स के साक्षात्कार प्रतिलेख से पूछे जाने वाले कुछ सामान्य प्रश्नों का पता चलता है—अक्सर, पिछले वर्षों में सफल उम्मीदवारों के साक्षात्कार में उनके अनुभवों को पढ़ने के बाद उम्मीदवार अधिक सन्तुष्ट हो जाते हैं, क्योंकि कुछ सामान्य प्रश्न यह आभास देते हैं कि इसे संभालना आसान है.

हाँ, टॉपर्स के साक्षात्कार प्रतिलेख कुछ उपयोगी अंतर्दृष्टि देते हैं, लेकिन यह उद्देश्य पर्याप्त नहीं होगा.

5. साक्षात्कार बोर्ड एक निर्धारित टेम्पलेट का पालन करते हैं—कोई गलती न करें; प्रत्येक साक्षात्कार अपनी तरह का अनोखा होता है.

उत्साह कुंजी है, लेकिन संचित ज्ञान और जागरूकता को प्रस्तुत करने में महारत बहुत महत्वपूर्ण है.

6. साक्षात्कार में 170+ अंक प्राप्त करना आसान है—जैसाकि देखा गया है, व्यक्तित्व परीक्षण में प्राप्त अंकों की सीमा व्यापक रहती है. पिछले कुछ वर्षों के परिणामों पर नजर डालने से पता चलता है कि उम्मीदवारों को 110-210 के बीच अंक प्राप्त हुए हैं और अंतर वास्तव में बहुत बड़ा है.

7. कुछ उम्मीदवार सोचते हैं कि कभी-कभी, साक्षात्कार में पैंतरेबाजी करना आसान होता है—यहाँ गलती न करें और आपको बोर्ड के सदस्यों के ज्ञान, अनुभव, कौशल और सत्यनिष्ठा का सम्मान करना होगा. प्रायः, साक्षात्कार बोर्ड मैत्रीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण रहते हैं और अधिकांश समय, उम्मीदवारों को सहज बनाने के लिए शुरुआत मामूली प्रश्नों से होती है. इसे पूरी तस्वीर के तौर पर न लें, ये तो बस शुरुआत है.

इंटरव्यू की तैयारी कैसे करें?

सिविल सेवा परीक्षा का साक्षात्कार चरण कोई जटिल अवधारणा नहीं है; आपको बस यह पता लगाने की जरूरत है कि साक्षात्कार बोर्ड क्या अपेक्षा करता है और आप आत्मविश्वास से इसका सामना करने के लिए खुद को कैसे तैयार करते हैं.

यह सब आपकी मानसिकता के बारे में है और पिछले कई महीनों के दौरान सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करते समय, आप धीरे-धीरे साक्षात्कार बोर्ड का सामना करने के लिए खुद को तैयार करते हैं और अब, जब आपको वास्तव में इसकी आवश्यकता होती है; आपकी सकारात्मक मानसिकता आपके प्रदर्शन के साथ-साथ परिणाम को भी प्रेरित करेगी.

चाहे वह समसामयिक मामले हों, समसामयिक मुद्दे हों, वैकल्पिक विषय से सम्बन्धित तर्कसंगत समझ हो और यहाँ तक कि आपकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि से सम्बन्धित कुछ भी हो—आपको जो कुछ भी जानना है, उसके लिए स्पष्ट, संक्षिप्त, व्यावहारिक और उपयुक्त स्पष्टीकरण तैयार करें.

सबसे ज्यादा क्या मायने रखता है?

सिविल सेवा परीक्षा में सफलता कठिन है और इसका कोई त्वरित समाधान नहीं है; इसमें आवश्यकता है—कड़ी मेहनत और हार न मानने की.

साक्षात्कार चरण में सफल होने का कोई वास्तविक रहस्य नहीं है—यह केवल उन आदतों और कौशलों को सीखने का मामला है जिनकी आपको आवश्यकता है. व्यक्तित्व परीक्षण और कुछ नहीं बल्कि एक बहुत ही आरामदायक माहौल में बहुत ही गरिमामय और शालीन व्यवहार के साथ उम्मीदवार के सर्वोत्तम गुणों को सामने लाने के लिए की गई बातचीत है.

ताजा दृष्टिकोण—यह एक ऐसा मोड़ है जहाँ प्रीलिम्स और मेन्स में आपके पिछले प्रदर्शन की आपके साक्षात्कार की दिशा तय करने में कोई भूमिका नहीं होती है.

प्रक्रिया को आत्मविश्वास से पूरा करें—साक्षात्कार बोर्ड सिविल सेवा परीक्षा में आपके पिछले प्रदर्शन से प्रभावित नहीं होता है, बल्कि वे आपके द्वारा भरे गए विस्तृत आवेदन पत्र में दी गई जानकारी और जिस तरह से आप अपने प्रयास को अंतिम रूप देते हैं, उससे प्रभावित होते हैं. जब आप इस प्रक्रिया से गुजरते हैं तो लगभग 30 मिनट में निर्णय हो जाता है.

ईमानदार रहें—सत्य शक्ति प्रदर्शित करता है और आपके आत्मविश्वास को बढ़ाता है. साक्षात्कार का उद्देश्य व्यक्तिगत उपयुक्तता का आकलन करना और आपकी मानसिक क्षमता का आकलन करना है. आपका दृष्टिकोण और सकारात्मक मानसिकता आपकी क्षमता को प्रदर्शित करती है और विनम्रता दिखाकर आप कुछ विपरीत परिस्थितियों में भी जीत हासिल कर सकते हैं.

उन लगभग 30 मिनटों को नियंत्रित करें—यह केवल 25-35 मिनट की बातचीत का मामला है, जो आपकी विचारशीलता, निर्णय लेने की क्षमताओं और अपने बारे में, अपने

परिवेश और कुछ वर्तमान विकासों के बारे में स्पष्ट राय को उजागर करता है.

एक उदासीन-सी शुरुआत—आपके बारे में और अधिक जानने के लिए साक्षात्कार हमेशा आपके विस्तृत आवेदन पत्र (डीएएफ) पर आधारित कुछ सरल प्रश्नों के साथ शुरु होता है, ताकि आप इसे आगे ले जाने के लिए सहज और तनाव मुक्त हों.

सफल होने का कोई वास्तविक रहस्य नहीं—अवलोकन करते समय, दिमाग की उपस्थिति, मानसिक जागरूकता, धारणा का संतुलन, नेतृत्व गुण, नैतिक और बौद्धिक गुणों पर ध्यान दिया जाता है और साथ ही किसी भी व्यक्तित्व दोष, यदि कोई नजर आता है, तो उसे भी ध्यान में रखा जाता है.

उत्तर में स्पष्टता प्रतिबिंबित होनी चाहिए—जैसे-जैसे वे आगे बढ़ते हैं, यह इस तरह से किया जाता है कि कुछ मुद्दों और आसपास होने वाली घटनाओं के बारे में आपका ध्यान, जिज्ञासा और चिंताओं को तथ्यों, जानकारी और समझ के ज्ञान से मापा जा सके; आपके द्वारा साक्षात्कार बोर्ड के साथ साझा किए जाने वाले विचारों और राय की सीमा और गहराई सबसे अधिक मायने रखती है.

उद्देश्य और इरादे को समझें—जब आप उद्देश्य और इरादे को समझते हैं, तो चुनौती का आत्मविश्वास से सामना करने के लिए खुद को तैयार करना काफी आसान हो जाता है. मुझे पूरी उम्मीद है कि आप साक्षात्कार चरण तक पहुँचने का पूरा लाम उठाएंगे और अपने आप से किए गए वादों को पूरा करेंगे.

वे आपके दिमाग को पढ़ते हैं—बोलने से पहले सोचें; आपके चेहरे के भाव और आँखें अनुभवी बोर्ड सदस्यों द्वारा पढ़ी जा सकती हैं. उत्तर देते समय सटीक रहें; आपके उत्तर संक्षिप्त और पूर्ण होने चाहिए जो साक्षात्कार बोर्ड के सदस्यों को संतुष्ट कर सकें.

ध्यान से सुनें—यदि आपको प्रश्न समझ में नहीं आया है, तो प्रश्न दोहराने के लिए दोबारा पूछें.

फिलप-फ्लॉप न करें—यदि आप उत्तर नहीं जानते हैं, तो इसे स्वीकार करें और सीधे तौर पर कहें कि आपको इसके बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं है या आप नहीं जानते हैं.

कभी भी ऐसे क्षेत्र में प्रवेश न करें जहाँ आप बचाव नहीं कर सकते. यदि बोर्ड सदस्य आपसे अनुमान लगाने या अपने शब्दों में समझाने के लिए कहता है, तो इसे बहुत संक्षिप्त तरीके से समझाने का प्रयास करें.

सच्चे रहें और आप पाएंगे कि अधिकांश मामलों में, बोर्ड के सदस्य आपको अपडेट करते हैं और सटीक उत्तर साझा करते हैं.

मेरी सफलता का मूल मंत्र है, “अध्ययन की असाधारण रणनीति और दृढ़ता तथा धैर्य के साथ सतत कठिन परिश्रम”

—प्रिया भारती

67वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में चयनित (232वाँ स्थान)

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 67वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होकर सुश्री प्रिया भारती ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई की पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवात यहाँ मूल रूप में प्रस्तुत है.



प्र. द.—बिहार लोक सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

सुश्री प्रिया—जी, प्रतियोगिता दर्पण परिवार का बहुत-बहुत धन्यवाद.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट थीं और उच्च सफलता के प्रति आशावान थीं? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही?

सुश्री प्रिया—अपनी तैयारी को लेकर मैं पूरी तरह सन्तुष्ट नहीं थी. मुझे लग रहा था कि सामान्य अध्ययन, प्रश्न-पत्र-II में अभी और काम करने की जरूरत है, परन्तु परीक्षा में मैं अपने निष्पादन से सन्तुष्ट थी और मुझे आशा थी कि लिस्ट में मेरा नाम आएगा. सफलता का समाचार पाकर निश्चित रूप से मैं बहुत खुश हुई और सबसे पहले अपने पापा को इसके बारे में बताया.

प्र. द.—इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है और इसका कोई विशेष कारण?

सुश्री प्रिया—प्रथम स्थान पर मैंने बिहार प्रशासनिक सेवा को रखा था, परन्तु मैं ग्रामीण विकास पदाधिकारी के पद पर चयनित हुई हूँ और यह पद पाकर मैं खुश हूँ.

प्र. द.—आपका वैकल्पिक विषय क्या था?

सुश्री प्रिया—वैकल्पिक विषय-हिन्दी साहित्य.

प्र. द.—यह आपका कौनसा प्रयास था?

सुश्री प्रिया—यह मेरा प्रथम प्रयास था.

प्र. द.—अपना परिणाम जानने से पहले टॉपर्स के बारे में आप क्या सोचती थीं? क्या इनमें से किसी टॉपर से आप प्रभावित हुईं?

सुश्री प्रिया—मेरे ख्याल से टॉपर बहुत मेहनत करते हैं और उससे भी ज्यादा वे खुद को अनुशासित रखते हैं. मैं यूपीएससी 2015 बैच की टॉपर टीना डाबी मेम और 2021 बैच के रवि सिहाग सर से बेहद प्रभावित रही हूँ.

प्र. द.—नए कलेवर वाली प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही? आपकी प्रश्न-पत्र 1. सामान्य अध्ययन और 2. अभिवृत्ति परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही?

सुश्री प्रिया—प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु मैंने पिछले सालों के प्रश्न-पत्रों को आधार बनाया था. मैंने 40वीं बीपीएससी से 66वीं बीपीएससी तक के प्रश्नों का अभ्यास किया था.

प्र. द.—ऋणात्मक अंकन (नेगेटिव मार्किंग) से बचने के लिए क्या रणनीति अपनानी चाहिए?

सुश्री प्रिया—67वीं बीपीएससी तक प्रारम्भिक परीक्षा में नेगेटिव मार्किंग नहीं थी. 68वीं से यह लागू हुई है. मुझे लगता है कि परीक्षार्थियों को तुक्के लगाने से बचना चाहिए और तैयारी के दौरान गहन अध्ययन करना चाहिए ताकि आपके बेसिक्स क्लियर हों और बेहद करीबी ऑप्शंस में से भी आप सही उत्तर चुन पाएं.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है—कैसे तैयारी करें? कौनसा वैकल्पिक विषय लें? क्या, कहाँ से और कितना पढ़ें? इस तरह के अनेक प्रश्नों से मस्तिष्क घिरा रहता है—शुरु में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली?

सुश्री प्रिया—जब मैंने इस परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचा, तो मेरे निकट कोई ऐसा व्यक्ति नहीं था, जो मुझे इस परीक्षा की पूरी जानकारी दे पाए. इसलिए, मैंने इसके बारे में ऑनलाइन सर्च करना शुरु किया. सबसे ज्यादा मदद यू-ट्यूब से मिली. वहाँ टॉपर्स के इंटरव्यू देखकर शुरुआती किताबें खरीदी और पढ़ना शुरु किया. फिर धीरे-धीरे अपने हिसाब से रणनीति बनाई.

प्र. द.—वैकल्पिक विषय का चुनाव करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है?

सुश्री प्रिया—मेरे विचार से वैकल्पिक विषय का चुनाव करते समय दो मुख्य बातों का ध्यान रखना आवश्यक है—

पहला कि उस विषय में आपकी रुचि होनी चाहिए, क्योंकि आपको उस विषय के साथ पर्याप्त समय गुजारने हैं. ऐसे में यदि आपकी रुचि उस विषय में नहीं है, तो आप ऊबकर उसे छोड़ना चाहेंगे. दूसरा यह कि उस विषय पर पर्याप्त अध्ययन सामग्री उपलब्ध हो.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा?

सुश्री प्रिया—हिन्दी साहित्य चुनने का मेरा आधार रहा—हिन्दी साहित्य के प्रति मेरी रुचि. बचपन से ही कविताओं, कहानियों और उपन्यासों में मन लगता था. अपना स्नातकोत्तर भी मैंने हिन्दी साहित्य से ही किया है.

प्र. द.—मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना में क्या विशेष परिवर्तन किया?

सुश्री प्रिया—मैंने मुख्य परीक्षा की तैयारी प्रारम्भिक, परीक्षा का रिजल्ट आने के बाद शुरु की. अतः, मेरे पास ज्यादा समय नहीं था.

मैंने पुराने प्रश्न-पत्रों को आधार बनाकर अपनी रणनीति तैयार की. मैंने खुद के नोट्स बहुत ज्यादा नहीं बनाए. बाजार में जो नोट्स उपलब्ध थे, उनको ही अंडरलाइन करके पढ़ा और कुछ महत्वपूर्ण टॉपिक को गेस करके उनके लिए शार्ट नोट्स तैयार किए.

प्र. द.—समय-प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में कोई कठिनाई हुई ?

सुश्री प्रिया—समय-प्रबंधन ही इस परीक्षा में मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती रहा. चूँकि मैं पहले से CAG of India में Auditor के पद पर कार्यरत हूँ, तो नौकरी के साथ-साथ तैयारी करना एक मुश्किल सफर रहा. जॉब से लौटने के बाद मेरे पास जो भी समय बचता, उसमें मैं अपनी पढ़ाई करती थी.

प्र. द.—साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की, आपका साक्षात्कार किस बोर्ड में हुआ और आपका साक्षात्कार का अनुभव कैसा रहा ? आपसे साक्षात्कार में किस तरह के प्रश्न पूछे गए ?

सुश्री प्रिया—साक्षात्कार की तैयारी हेतु मैंने सीनियर्स की मदद ली थी, जो लोग बीपीएससी दे चुके हैं, उनकी मदद से मैंने अपने बायोडाटा से जुड़ी चीजें तैयार कीं.

मेरा साक्षात्कार श्री सर्व दयाल यादव सर के बोर्ड में हुआ और मेरा अनुभव ठीक रहा. सवाल जैसे पूछे गए, मैं उनको लेकर अपने निष्पादन से सन्तुष्ट थी.

सबसे पहले ग्रेजुएशन का वर्ष और विषय पूछा गया और जैसे ही मैंने बी.कॉम. कहा, सारे सदस्यों ने मुझसे अकाउंट्स यानी लेखाशास्त्र और ऑडिट पर प्रश्न पूछे. चूँकि मैं ऑडिट सेवा में कार्यरत हूँ, मैंने प्रश्नों को अच्छी तरह समझा और उत्तर दिया. बोर्ड के सदस्य मेरे उत्तरों से सन्तुष्ट नजर आए.

प्र. द.—सिविल सेवा—केवल यही एक मात्र लक्ष्य था या किसी और करियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रही थीं ?

सुश्री प्रिया—तैयारी के साथ मेरे पास एक नौकरी थी और इतना समय नहीं बचता कि कुछ और विकल्प की सोचा जा सके.

प्र. द.—आज के बदलते आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में, बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी, गम्भीरता से तैयारी में लगी रही. आखिर किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

सुश्री प्रिया—निजी क्षेत्र के शानदार पैकेज और बढ़िया सुविधाएं आकर्षित करती हैं, परन्तु सिविल सेवा में जो अवसर मिलते हैं, वे जमीनी स्तर पर काम करने के लिए ज्यादा आकर्षित करते हैं.

प्र. द.—किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

सुश्री प्रिया—सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में एक बच्चा भी सोच सकता

है, जो किसी स्कूल में है और एक वयस्क भी जो अधिकतम उम्र सीमा से कम है.

मुझे लगता है कि पूर्ण तैयारी के लिए एक से डेढ़ वर्ष पर्याप्त है.

प्र. द.—आपको लगता है कि इस परीक्षा में मानविकी विषयों की अपेक्षा विज्ञान विषयों के साथ अच्छे अंक प्राप्त करने की सम्भावनाएं ज्यादा हैं ?

सुश्री प्रिया—मैं इस बात से सहमत नहीं हूँ. विषय से ज्यादा यह बात मायने रखती है कि आप कितने स्मार्ट तरीके से पढ़ाई करते हैं और परीक्षा में आपका निष्पादन कैसा रहता है.

हाँ कुछ विषयों के अध्ययन सामग्री को लेकर कठिनाई हो सकती है, परन्तु कोशिश करके उसका समाधान ढूँढा जा सकता है.

प्र. द.—आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम से लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

सुश्री प्रिया—मैं खुद हिन्दी माध्यम से हूँ. स्कूल से लेकर कॉलेज तक और तैयारी के दौरान भी माध्यम हिन्दी ही रहा.

हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों को सामान्य अध्ययन और करंट अफेयर्स में सामग्री की थोड़ी कठिनाई आती है, परन्तु यह सफलता में बाधक नहीं है. हिन्दी माध्यम के लिए अब कई प्लेटफॉर्म तथा चैनल उपलब्ध हैं.

प्र. द.—आपको किस तरह और कब सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

सुश्री प्रिया—सन् 2008-09 में 'वंदना प्रेयसी' मेम हमारे जिले की कलेक्टर बनकर आई थी. मैं बहुत छोटी थी और पापा से 'कलेक्टर' शब्द पहली बार सुना. उसके बाद ग्रेजुएशन के दौरान मैंने सिविल सेवाओं के बारे में विस्तार से जाना.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व—मेरे पिताजी—गजब का धैर्य और सहनशीलता है उनमें.

सबल पक्ष—काम के प्रति लगन और समर्पण.

दुर्बल पक्ष—स्वास्थ्य पर ध्यान न दे पाना.

रुचियाँ—कविताएं लिखना, यात्रा करना.

प्र. द.—वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में करियर की सम्भावनाओं को तलाशने का फैसला लिया ?

सुश्री प्रिया—ग्रेजुएशन के दौरान ही मैंने यह फैसला कर लिया था, परन्तु परिवार को सपोर्ट करने के लिए मुझे ऑडिटर की नौकरी ज्वाइन करनी पड़ी. उसके बाद मैंने तैयारी शुरू की.

प्र. द.—क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रसासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

सुश्री प्रिया—मैंने कोई समय-सीमा तो तय नहीं की थी, परन्तु भगवान की कृपा से मेरा चयन पहले ही प्रयास में हो गया.

व्यक्ति परिचय

नाम—प्रिया भारती

पिता का नाम—श्री अखिलेश भारती

माता का नाम—श्रीमती चन्द्रावती देवी

जन्म तिथि—12 नवम्बर, 1995

शैक्षिक योग्यता—

10th 2010 : बीएसईबी, श्री गौरी शंकर, उच्च विद्यालय, उजाँय 70.3%

12th 2012 : बीएसईबी, राजेन्द्र कॉलेज, छपरा, 68%

B.Com. 2018 : जे.पी. यूनिवर्सिटी, राजेन्द्र कॉलेज, छपरा, 62%

MA/M. Sc. 2020 : IGNOU, 69%

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर यह आपके माता-पिता का ?

सुश्री प्रिया—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय मेरा अपना था. मेरे पिताजी को तो फाइनल रिजल्ट के दिन ही पता चला कि मैंने परीक्षा पास कर ली है.

प्र. द.—क्या अभ्यर्थी के शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

सुश्री प्रिया—थोड़ा-बहुत तो पड़ता ही है. इस बात को हम सिर से खारिज नहीं कर सकते. इसका उदाहरण मैं खुद हूँ तैयारी के लिए मैं नौकरी छोड़ नहीं सकती थी, क्योंकि परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, परन्तु ये बाधाएं हमें मजबूत बनाती हैं.

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

सुश्री प्रिया—मेरी सफलता का मूलमंत्र है—कड़ी मेहनत, समय-प्रबंधन और स्मार्ट स्टडी.

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

सुश्री प्रिया—मैं अपनी सफलता का श्रेय देना चाहूँगी अपने परिवार और दोस्तों को जो हर परिस्थिति में मेरे साथ खड़े रहे, अपने गुरुजनों और प्रतियोगिता दर्पण परिवार को, 'स्टडी लवर वीर' चैनल के वीर तालयान सर को और अपने नृपेंद्र भैया को जिनके मार्गदर्शन में मैंने अपनी पूरी तैयारी की.

शेष पृष्ठ 63 पर

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "अध्ययन एवं समय-प्रबन्धन की असाधारण रणनीति तथा लगन और दृढ़ता के साथ कठिन परिश्रम".

— कन्हैया कुमार

67वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में चयनित (318वाँ स्थान)

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होकर श्री कन्हैया कुमार ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.



प्र. द.—सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री कन्हैया—जी, बहुत-बहुत धन्यवाद.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट थे और उच्च सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री कन्हैया—मैं अपनी तैयारी से सन्तुष्ट था तथा सफलता के प्रति आशावान भी था. मेरा चयन ग्रामीण विकास अधिकारी पद पर हुआ है और इससे मैं पूरी तरह सन्तुष्ट हूँ.

प्र. द.—इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है और इसका कोई विशेष कारण ?

श्री कन्हैया—BAS, BPS, BES, BFS, RDO मेरी प्राथमिकता का आधार प्रत्येक सेवा की कार्य शैली और मेरी रुचि है

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय क्या थे ?

श्री कन्हैया—वैकल्पिक विषय—हिन्दी भाषा और साहित्य.

प्र. द.—यह आपका कौनसा प्रयास था ?

श्री कन्हैया—चौथा प्रयास था.

प्र. द.—अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ? क्या इनमें से किसी टॉपर से आप प्रभावित हुए ?

श्री कन्हैया—टॉपर्स जन्म से टॉपर्स नहीं होते हैं, बल्कि अपनी मेहनत के दम पर उस मुकाम को हासिल करते हैं. DSP सन्तोष पटेल सर से मैं प्रभावित रहा हूँ.

प्र. द.—नए कलेवर वाली प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ? आपकी प्रश्न-पत्र 1 (सामान्य अध्ययन) और 2 (अभिवृत्ति परीक्षण) की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

श्री कन्हैया—पिछले वर्षों के प्रश्नों का अवलोकन कर उसके आधार पर तैयारी करना मेरी रणनीति रही.

प्र. द.—ऋणात्मक अंकन (नेगेटिव मार्किंग) के लिए क्या सावधानी बरती ?

श्री कन्हैया—67वीं बीपीएससी तक निगेटिव मार्किंग का प्रावधान नहीं था.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है—कैसे तैयारी करें ? कौनसा वैकल्पिक विषय लें ? क्या, कहाँ से और कितना पढ़ें ? इस तरह के अनेक प्रश्नों से मस्तिष्क घिरा रहता है—शुरु में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

श्री कन्हैया—आज का युग तकनीक का युग है. ऐसे में इन सब प्रश्नों के लिए इंटरनेट, यू ट्यूब के साथ-साथ पूर्व चयनित सीनियर्स की मैंने सलाह ली.

प्र. द.—आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखते हैं ?

श्री कन्हैया—66वीं BPS में मुझे मुख्य परीक्षा लिखने का मौका मिला, परन्तु सफलता नहीं मिली, लेकिन उस प्रयास ने मेरे लिए एक आधार स्तम्भ का कार्य किया और सफलता का मार्ग प्रशस्त किया.

प्र. द.—वैकल्पिक विषय का चुनाव करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

श्री कन्हैया—वैकल्पिक विषय के चयन का आधार सिलेबस का गहनता से अवलोकन, प्रश्नों की प्रवृत्ति तथा अंकदायी होना रहा.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

श्री कन्हैया—हिन्दी साहित्य में रुचि, सिलेबस का अध्ययन, प्रश्नों की प्रवृत्ति और अंकदायी विषय होना मेरे चयन के आधार रहे.

प्र. द.—मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना में क्या विशेष परिवर्तन किया ?

श्री कन्हैया—मैं प्रारम्भिक परीक्षा में सफलता हेतु आश्वस्त था. फलतः, मैंने मुख्य परीक्षा की तैयारी प्रारम्भिक परीक्षा देने के उपरान्त ही शुरु कर दी. इससे मुख्य परीक्षा की तैयारी भी समय से पूरी कर ली. इसके लिए खुद बनाए गए नोट्स की सहायता ली तथा बार-बार लेखन का अभ्यास किया.

प्र. द.—आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार तैयारी की ? आपने इस प्रयास में निबन्ध लिखने के लिए कौनसा विषय चुना और क्यों ?

श्री कन्हैया—निबन्ध का 67वीं में प्रावधान नहीं था.

प्र. द.—समय-प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में कोई कठिनाई हुई ?

श्री कन्हैया—जॉब में रहते हुए समय-प्रबंधन में चुनौती तो हुई, लेकिन मेरा एक ध्येय रहता था कि ड्यूटी के उपरांत, जो भी समय मिले, उसका तैयारी में सदुपयोग हो.

प्र. द.—साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की. आपका साक्षात्कार किस बोर्ड में हुआ और आपका साक्षात्कार का अनुभव कैसा रहा ? आपसे साक्षात्कार में किस तरह के प्रश्न पूछे गए ?

श्री कन्हैया—साक्षात्कार हेतु मैंने अपने बायोडाटा पर अच्छी तरह कार्य किया. इसमें मैंने सीनियर्स की सहायता भी ली.

मेरा साक्षात्कार करीमी सर के बोर्ड में था. साक्षात्कार का अनुभव बहुत सकारात्मक रहा. बोर्ड में मेरे बायोडाटा से सम्बन्धित, वैकल्पिक विषय तथा मेरे कार्य क्षेत्र (रेलवे) से सम्बन्धित ज्यादातर सवाल पूछे गए.

प्र. द.— सिविल सेवा—केवल यही एक मात्र लक्ष्य था या किसी और कैरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे ?

श्री कन्हैया—मैं रेल सेवा में पहले से था, तो सिविल सेवा ही मेरा एक मात्र लक्ष्य था.

व्यक्ति परिचय

नाम—कन्हैया कुमार

पिता का नाम—श्री राजेश्वरी राय

माता का नाम—श्रीमती प्रतिमा देवी

आयु—25-08-1994

शैक्षिक योग्यता—

हाईस्कूल—2009, BSEB, पटना उच्च विद्यालय, धोरैया, 73.2%

इंटरमीडिएट—2009-11 BSEB, पटना SDMY, कॉलेज, धोरैया, 60%

B. Com.—2011-14, TMBU, भागलपुर, SDMY, डिग्री कॉलेज, धोरैया, 64%

प्र. द.—आज के बदलते आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में, बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी, गम्भीरता से तैयारी में लगे रहे. आखिर किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

श्री कन्हैया—निश्चित रूप से निजी क्षेत्र लोक-लुभावने अवसर देते हैं, लेकिन एक लोक सेवक के रूप में कार्य विविधता के साथ-साथ कार्य सन्तुष्टि का, जो अनुभव यह प्रदान करता है, वह जोश बरकरार रखता है.

प्र. द.—किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

श्री कन्हैया—'जब जागो तभी सवेरा', लेकिन हाँ, एक नए छात्र को सिविल सेवा की तैयारी स्नातक से ही प्रारम्भिक स्तर से शुरू करनी चाहिए. ऐसे में स्नातक के उपरांत एक-डेढ़ वर्ष का समय सफलता हेतु लगना चाहिए.

प्र. द.—आपको लगता है कि इस परीक्षा में मानविकी विषयों की अपेक्षा विज्ञान विषयों के साथ अच्छे अंक प्राप्त करने की सम्भावनाएं ज्यादा हैं ?

श्री कन्हैया—नहीं ! यह सिर्फ एक भ्रांति है. प्रतियोगी छात्र को इन सब दुविधा से दूर रहकर अपनी तैयारी को मजबूती देनी चाहिए.

प्र. द.—आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम लेकर तैयारी करने एवं

सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

श्री कन्हैया—माध्यम, बहुत ज्यादा फर्क पैदा नहीं करता है, बशर्तें हमारी लेखन शैली और शब्दों का चयन बेहतर हो.

प्र. द.—आपको किस तरह और कब सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

श्री कन्हैया—मैं ग्रामीण क्षेत्र से सम्बन्ध रखता हूँ और समाज के हर वर्ग के बीच एक लोक सेवक की भूमिका को मैंने देखा है. हाल ही में कोरोना महामारी की चुनौतियों से निपटने में सिविल सेवक की भूमिका को प्रत्यक्षतः देखा जा सकता है.

प्र. द.—वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कैरियर की सम्भावनाओं को तलाशने का फैसला लिया ?

श्री कन्हैया—रेल सेवा में आने के उपरांत मैंने सिविल सेवा में जाने हेतु अग्रसर हुआ. प्रत्यक्ष उदाहरण कोरोना महामारी में भीड़ प्रबन्धन हेतु एक लोक सेवक की ड्यूटी रेलवे परिसर में भी लगाई गई.

प्र. द.—क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

श्री कन्हैया—मैं जॉब में पहले से था, तो समय-प्रबंधन सम्बन्धी चुनौतियों को देखते हुए कोई समय-सीमा तो निर्धारित नहीं की, लेकिन यह जरूर सोचता था कि जितनी बेहतर तैयारी होगी, उतनी जल्दी सफलता मिलेगी.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर यह आपके माता-पिता का ?

श्री कन्हैया—निर्णय तो मेरा था, लेकिन एक लोक सेवक का समाज के हर तबके से जुड़ाव तथा पढ़ने की गरिमा से माता-पिता भी परिचित थे. जिस कारण मुझे मानसिक बल उनसे मिलता रहा.

प्र. द.—क्या अभ्यर्थी के शैक्षिक, आर्थिक और जनाकिकीय स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

श्री कन्हैया—कुछ तो पड़ता है, लेकिन पूरी तरह से नहीं. आज सूचना तकनीक का युग है, इसमें हर दुविधा का हल ढूँढा जा सकता है और आप एक सफल व्यक्ति हो सकते हैं. 'कीचड़ में कमल खिलता है' कहावत तो हमने सुनी ही है.

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री कन्हैया—समय-प्रबंधन के साथ दृढ़ संकल्पित होकर अपनी तैयारी को जारी रखना.

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

श्री कन्हैया—माता-पिता के साथ-साथ परिवारजन, गुरुजन तथा सभी शुभचिन्तकों को, जिन्होंने हर परिस्थिति में मेरा साथ दिया.

प्र. द.—इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखते हैं ?

श्री कन्हैया—सिविल सेवा की तैयारी करने वाले प्रतियोगी छात्र, पत्रिका से, परीक्षा के हर मानक से सम्बन्धित पाठ्य सामग्री की उम्मीद रखते हैं, जो प्रतियोगिता दर्पण हमें उपलब्ध कराता है.

व्यक्तिगत विशेषताएं

आपका पसंदीदा — दशरथ माँझी

व्यक्तित्व

सबल पक्ष — कठिन परिस्थिति में भी धैर्य न खोना

दुर्बल पक्ष — कभी-कभी ज्यादा भावुक हो जाना.

रुचियाँ — कविता, लेखन, पुराने गाने सुनना

प्र. द.—भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका, प्रतियोगिता दर्पण, को इन मानकों के कितना करीब पाया ?

श्री कन्हैया—अपनी तैयारी के दौरान मैंने प्रतियोगिता दर्पण पत्रिका को अनिवार्य बुक के रूप में प्रयोग किया, जिसने मेरी सफलता में अहम् भूमिका निभाई.

प्र. द.—क्या आपने सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तोंको की सीरीज का उपयोग किया, जो पिछले कई वर्षों से उम्मीदवारों के बीच बहुत पसंद की जा रही है ?

श्री कन्हैया—जी हाँ ! मुख्य परीक्षा-लेखन के समय यह सीरीज बहुत सहायक रही.

प्र. द.—क्या आपने प्रतियोगिता दर्पण-समसामयिकी वार्षिकी का उपयोग किया ?

श्री कन्हैया—जी, परीक्षा के प्रत्येक स्टेज पर बहुत उपयोगी साबित हुई, समसामयिकी वार्षिकी में हमें परिपूर्णता का आभास हुआ.

प्र. द.—कोई सुझाव या सन्देश भावी अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे ?

श्री कन्हैया—सबसे पहले अपना लक्ष्य निर्धारित करें और उसे प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर मेहनत करें. इस दौरान प्रेरणादायक पुस्तकें एवं सोशल मीडिया की सहायता ले सकते हैं.

प्र. द.—आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

श्री कन्हैया—जी, धन्यवाद.



मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "दृढ़ संकल्प, असीम धैर्य और अनवरत कठिन परिश्रम का समन्वय".

— ऋचा प्रियदर्शनी

67वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में चयनित (393वाँ स्थान)

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 67वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होकर सुश्री ऋचा प्रियदर्शनी ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई की पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.



..... प्रतियोगिता दर्पण समसामयिक घटनाओं के समालोचनात्मक विश्लेषण, तथ्यों के उपयोगी संकलन तथा सभी विषयों की सन्तुलित अध्ययन-सामग्री एक जगह उपलब्ध कराकर अभ्यर्थियों का सही मार्गदर्शन कर रही है. यह अभ्यर्थियों के लिए सदगुरु है.

प्र. द.—67वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

सुश्री ऋचा—जी, बहुत-बहुत धन्यवाद.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट थीं और उच्च सफलता के प्रति आशावान थीं? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही?

सुश्री ऋचा—मैंने इस परीक्षा के विभिन्न चरणों और विषयों के लिए अलग-अलग रणनीति बनाई और उनके अनुरूप काम किया. मैं तैयारी से सन्तुष्ट और सफलता के प्रति आशावान थी. सफलता के इस समाचार से पूरे परिवार में सुखद अनुभूति हुई, क्योंकि मुझे पहली बार समाज के लिए कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है.

प्र. द.—इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है और इसका कोई विशेष कारण?

सुश्री ऋचा—मेरी प्राथमिकता-प्रशासनिक सेवा थी. इनका मुख्य कारण सामाजिक विकास में इसका महत्वपूर्ण योगदान और सेवा की विविधता है.

प्र. द.—आपका वैकल्पिक विषय क्या था?

सुश्री ऋचा—एन्थ्रोपोलॉजी (मानव विज्ञान)

प्र. द.—यह आपका कौनसा प्रयास था?

सुश्री ऋचा—दूसरा प्रयास.

प्र. द.—अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचती थीं? क्या इनमें से किसी टॉपर से आप प्रभावित हुईं?

सुश्री ऋचा—परिणाम जानने से पूर्व मैं टॉपर्स के बारे में सोचती थी कि उन्होंने परीक्षा की विशेष तैयारी की होगी और उनमें विशेष प्रतिभा होगी, लेकिन परिणाम जानने के बाद ऐसा अनुभव हुआ कि कड़ी मेहनत और सच्ची लगन से कोई भी सफल हो सकता है.

मैं सहज और बहुमुखी प्रतिभा के धनी IAS निशान्त जैन सर से विशेष रूप से प्रभावित हुईं.

प्र. द.—नए कलेवर वाली प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही? आपकी प्रश्न-पत्र 1 (सामान्य अध्ययन) की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही?

सुश्री ऋचा—प्रारम्भिक परीक्षा में मैंने बुनियादी पुस्तकों जैसे NCERT की पुस्तकें तथा सामान्य ज्ञान के लिए विषयवार घटना चक्र, पिछली परीक्षाओं के प्रश्न पत्र तथा समसामयिकी के लिए प्रतियोगिता दर्पण तथा इसके अतिरिक्तांक का गहनता से अध्ययन किया.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है—कैसे तैयारी करें? कौनसा वैकल्पिक विषय लें? क्या, कहाँ से और कितना पढ़ें? इस तरह के अनेक प्रश्नों से मस्तिष्क घिरा रहता है—शुरु में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली?

सुश्री ऋचा—जब मैं कृषि विज्ञान में स्नातक कर रही थी, तभी मेरे दोस्त एवं मेन्टर डॉ. संजीव आर्यन ने मेरी प्रतिभा को पहचाना और प्रशासनिक सेवा की तैयारी के लिए प्रेरित किया. उन्होंने वैकल्पिक विषय के चयन से लेकर, उत्तर-लेखन अभ्यास एवं परीक्षा हेतु रणनीति बनाने में मेरी मदद की. उनके ही सुझाव और मार्गदर्शन से, मैं सफलता प्राप्त कर सकी.

प्र. द.—आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखती हैं?

सुश्री ऋचा—पहला प्रयास मेरे लिए अहम रहा. इस असफलता ने मुझे स्व-आकलन करने का अवसर दिया. उन कमियों को दूर कर मैंने अंततः इस बार सफलता प्राप्त की. इस प्रयास में मैंने उत्तर लेखन का अभ्यास किया और पाठ्यक्रम का अच्छी तरह रिवीजन किया.

प्र. द.—वैकल्पिक विषय का चुनाव करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है?

सुश्री ऋचा—वैकल्पिक विषय चुनते समय दो बातों का मुख्यतः ध्यान रखना चाहिए—पहला विषय में रुचि और दूसरा अध्ययन सामग्री की उपलब्धता. आपका वैकल्पिक विषय स्नातक का विषय है, तो ठीक, अन्यथा आप उस विषय की ओर जाएँ, जो कम समय में बेहतर अंक दे और वह विगत वर्षों में स्कोरिंग रहा हो.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा?

सुश्री ऋचा—मेरा एन्थ्रोपोलॉजी विषय में शुरु से रुचि रही है. मैंने 12वीं जीव विज्ञान विषय के साथ किया है और इस वैकल्पिक विषय के कुछ चैप्टर जीव विज्ञान से सम्बन्धित हैं. दूसरा यह विगत वर्षों में स्कोरिंग रहा है एवं अध्ययन सामग्री भी एन्थ्रोपोलॉजी की आसानी से उपलब्ध है.

प्र. द.—मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना में क्या विशेष परिवर्तन किया ?

सुश्री ऋचा—मुख्य परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के लिए उत्कृष्ट लेखन-शैली आवश्यक है. इसके लिए विगत वर्षों में पूछे गए प्रश्नों के खुद के स्तरीय नोट्स तैयार किए. मैंने उत्तर लेखन में प्रजेंटेशन पर ज्यादा काम किया. अपने उत्तर को प्रश्न की माँग के अनुसार सारगर्भित, रोचक, बिन्दुवार, चित्र एवं फ्लोचार्ट का उपयोग करने का अभ्यास किया. प्रतिदिन सांख्यिकी का भी अभ्यास किया.

व्यक्ति परिचय

नाम—ऋचा प्रियदर्शनी

पिता का नाम—श्री वेद प्रकाश पाठक

माता का नाम—श्रीमती मीना पाठक

जन्म तिथि—18-02-1993

शैक्षिक योग्यता—

10th—2009, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना, 80%

12th—2011, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना, 69-60%

B.Sc. (Ag.)—2014-2018, राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर, बिहार, 78-44%

प्र. द.—समय-प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में क्या कोई कठिनाई हुई ?

सुश्री ऋचा—परीक्षा की पूरी अवधि के दौरान समय-प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण है. मैंने तैयारी के दौरान विभिन्न विषयों के लिए अलग-अलग समय निर्धारित कर रखा था. मैंने उसी के अनुसार लेखन अभ्यास किया. अतः परीक्षा भवन में समय को लेकर कोई परेशानी नहीं आई.

प्र. द.—साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की. आपका साक्षात्कार किस बोर्ड में हुआ और आपका साक्षात्कार का अनुभव कैसा रहा ? आपसे साक्षात्कार में किस तरह के प्रश्न पूछे गए ?

सुश्री ऋचा—साक्षात्कार के लिए मैंने चार क्षेत्रों को तैयार किया, वैकल्पिक विषय स्नातक विषय, अपनी रुचियाँ एवं सम-सामयिकी इत्यादि. इसमें मैंने अपनी पृष्ठभूमि का काफी उपयोग किया, अपने साक्षात्कार को आकार देने के लिए. मैंने इसके लिए बी.पी.एस.सी. प्वाइन्ट एवं दृष्टि में माँक इंटरव्यू दिए.

मेरा साक्षात्कार सर्व नारायण यादव सर के बोर्ड में हुआ और काफी सकारात्मक रहा. मुझसे कृषि विज्ञान, समसामयिकी एवं रुचि से सम्बन्धित अत्यधिक सवाल पूछे गए.

प्र. द.—सिविल सेवा — केवल यही एक मात्र लक्ष्य था या किसी और कैरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रही थीं.

सुश्री ऋचा—मेरा लक्ष्य केवल सिविल सेवा में जाना था, लेकिन मैं अभ्यर्थियों को सलाह देना चाहूँगी कि दो-तीन प्रयास के बाद प्लान-B हमेशा तैयार रखें, जिससे मानसिक तनाव कम रहे, क्योंकि सिविल सेवा में सफलता अप्रत्याशित है. आपको परीक्षा में सफल होने के लिए विभिन्न चरणों से गुजरना पड़ता है. इसे जीवन-मरण का सवाल नहीं बनाएं. यह आपके जीवन का एक पड़ाव मात्र है.

प्र. द.—आज के बदलते आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में, बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी, गम्भीरता से तैयारी में लगी रहीं. आखिर किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

सुश्री ऋचा—यदि आप समाज में वास्तव में बदलाव लाना चाहते हैं, तो सिविल सेवा सबसे उचित माध्यम है. काम में विविधता और समाज में बदलाव लाने की चाहत ने मुझे इस क्षेत्र के लिए प्रभावित किया, जिससे कि मैं बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद निरन्तर प्रयासरत रही.

प्र. द.—किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

सुश्री ऋचा—मेरे अनुसार स्नातक के दौरान सिविल सेवा का लक्ष्य बनाकर बुनियादी पुस्तकें, जैसे NCERT, पढ़ना शुरू कर देना चाहिए, ताकि स्नातक के बाद कम-से-कम समय में सफल हो सकें. यदि आपने बुनियादी विषय में पकड़ बना रखी है, तो इस परीक्षा की तैयारी के लिए एक से दो वर्ष पर्याप्त हैं.

प्र. द.—आपको लगता है कि इस परीक्षा में मानविकी विषयों की अपेक्षा विज्ञान विषयों के साथ अच्छे अंक प्राप्त करने की सम्भावना ज्यादा है.

सुश्री ऋचा—गत वर्षों के परीक्षाफल को देखते हुए यह कहना गलत होगा कि किसी विशेष विषय में अच्छे अंक प्राप्त करने की सम्भावना ज्यादा है, क्योंकि अच्छे अंक प्राप्त करना आपकी, लेखन-शैली और विषय की गहन समझ के ऊपर निर्भर करता है. यदि आपने सारगर्भित प्रश्न की माँग के अनुसार, उत्तर दिया है, तो अच्छे अंक प्राप्त करने की सम्भावना ज्यादा है.

प्र. द.—आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

सुश्री ऋचा—सिविल सेवा परीक्षा में माध्यम से ज्यादा विषय की गहन समझ एवं

लेखन शैली मायने रखती है. जिस भी माध्यम में भाषा पर पकड़ हो और अपने ज्ञान को लेखन शैली के माध्यम से अच्छी तरह व्यक्त कर पाएँ, वही माध्यम अभ्यर्थी के लिए सर्वश्रेष्ठ है. माध्यम आपकी सफलता में बाधक नहीं है.

प्र. द.—आपको किस तरह और कब सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

सुश्री ऋचा—जब मैं दसवीं में जिला टॉपर बनी, तो मुझे जिलाधिकारी से सम्मानित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ. उसी समय मुझे सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ और सिविल सेवा की तैयारी की प्रेरणा मिली.

प्र. द.—वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कैरियर की सम्भावनाओं को तलाशने का फैसला लिया ?

सुश्री ऋचा—स्नातक के पश्चात् सिविल सेवा में कैरियर बनाने का फैसला किया.

व्यक्तिगत विशेषताएं

आपका पसंदीदा — स्वामी दयानन्द सरस्वती, व्यक्तित्व सचिन तेन्दुलकर

सबल पक्ष — तार्किक एवं आत्मविश्वास बनाए रखना

दुर्बल पक्ष — अति संवेदनशील हो जाना

रुचियाँ — हिन्दी कविताएं लिखना, वेब सीरीज देखना, गाने सुनना

प्र. द.—क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

सुश्री ऋचा—सिविल सेवा में सफलता अप्रत्याशित है और अत्यधिक स्पर्धा के कारण सम्भावनाएं कम होती हैं. इसलिए, मैंने कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या निर्धारित नहीं की थी.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर यह आपके माता-पिता का.

सुश्री ऋचा—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय स्वयं का था, जिसमें मेरे माता-पिता और मेन्टर ने सदैव प्रेरित किया. इन्होंने सकारात्मक सोच, धैर्य और आत्मविश्वास बनाए रखने में मदद की.

प्र. द.—क्या अभ्यर्थी के शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

सुश्री ऋचा—अभ्यर्थी के शैक्षिक तथा आर्थिक स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है. यदि आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के

कारण बुनियादी शिक्षा अच्छी नहीं हुई है, तो आपको सफल होने में ज्यादा वक्त और प्रयास लग सकता है, परन्तु वर्तमान परिप्रेक्ष्य में छोटे-से-छोटे शहर एवं गाँव तक कम खर्च में ऑनलाइन अध्ययन सामग्री उपलब्ध होने के कारण आर्थिक स्थिति सफलता में बाधक नहीं है। कड़ी मेहनत और लगन हो, तो विषम परिस्थिति में भी सफल हो सकते हैं।

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

सुश्री ऋचा—धैर्य, दृढ़ निश्चय, कठिन परिश्रम के साथ स्मार्ट स्टडी, आत्मविश्वास तथा कभी न हार मानने का जज्बा मेरी सफलता के मूलमंत्र रहे, जब संघर्ष दीर्घकाल तक चले, तो ऐसी स्थिति में धैर्य एवं दृढ़-निश्चय महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगी ?

सुश्री ऋचा—अपनी सफलता का श्रेय मैं अपने माता-पिता और अपने मेन्टर डॉ. संजीव आर्यन को देना चाहूँगी, जिन्होंने मेरी प्रतिभा को पहचाना एवं सफलता की ओर प्रेरित किया। उन्होंने प्रारम्भिक परीक्षा से लेकर साक्षात्कार तक मेरा मार्गदर्शन किया।

प्र. द.—इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखती हैं ?

सुश्री ऋचा—1. तथ्य सही हों (यह अत्यन्त महत्वपूर्ण है)।

2. परीक्षोपयोगी तथ्यों का संकलन हो।

3. पिछले प्रश्न पत्रों का प्रमाणिक हल मिले।

4. प्रासंगिक समसामयिकी और सफल लोगों के अनुभवों द्वारा मार्गदर्शन।

प्र. द.—भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका, प्रतियोगिता दर्पण, को इन मानकों के कितना करीब पाया ?

सुश्री ऋचा—किसी भी सामान्य प्रतियोगिता परीक्षा के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं इसके अतिरिक्तांक अपरिहार्य हो गए हैं। यह पत्रिका हमें भटकाव से बचाती है एवं प्रासंगिक सारगर्भित सामग्री सरलता से उपलब्ध कराती है। टॉपर्स के वास्तविक साक्षात्कार पढ़ उनके बताए रास्ते पर चलने की प्रेरणा मिलती है। मासिक अंक समसामयिकी के लिए बहुत लाभदायक हैं।

प्र. द.—क्या आपने प्रतियोगिता दर्पण के सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तांक की सीरिज का उपयोग किया, जो पिछले कई वर्षों से उम्मीदवारों के बीच बहुत पसंद की जा रही हैं ?

सुश्री ऋचा—हाँ, प्रतियोगिता दर्पण के अतिरिक्तांक गागर में सागर की तरह हैं। मैंने अर्थव्यवस्था अतिरिक्तांक का अध्ययन किया, जो काफी उपयोगी रहा। प्रत्येक विद्यार्थी को इसे पढ़ना चाहिए।

प्र. द.—क्या आपने प्रतियोगिता दर्पण के इंडियन इकोनॉमी के अतिरिक्तांक का कभी उपयोग किया ?

सुश्री ऋचा—हाँ, इंडियन इकोनॉमी का अतिरिक्तांक संक्षिप्त, सटीक एवं सारगर्भित है, जो मुख्य परीक्षा के साथ-साथ प्रारम्भिक वस्तुनिष्ठ परीक्षा में भी उपयोगी है।

प्र. द.—क्या आपने प्रतियोगिता दर्पण - समसामयिकी वार्षिकी का उपयोग किया ?

सुश्री ऋचा—वार्षिकी एक महत्वपूर्ण प्रकाशन है, जिसमें वर्ष भर की महत्वपूर्ण घटनाओं का संकलन उपलब्ध हो जाता है, इससे समय की बचत तो होती ही है, साथ ही रिवीजन करना आसान हो जाता है, जिससे अधिक-से-अधिक प्रश्न हल करने में सक्षम हो जाते हैं।

प्र. द.—कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगी।

सुश्री ऋचा—सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बर्बाद न करें। इसकी लत सफलता में बाधक है। इंटरनेट का सदुपयोग अपने विषय को मजबूत बनाने में करें। पढ़ाई में निरन्तरता जरूर बनाए रखें। सकारात्मकता एवं आत्मविश्वास के साथ सदैव अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए कठिन परिश्रम करते रहें। परीक्षा की माँग को समझें एवं सही मार्गदर्शक के साथ सही दिशा में तैयारी करें, तभी सफलता आपका कदम चूमेगी।

प्र. द.—आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

सुश्री ऋचा—धन्यवाद।

शेष पृष्ठ 46 का

जैवसूचक

यूरिक एसिड, एलानिन एमिनोटांस्फरेज, एस्पार्टेट एमिनोटांस्फरेज (एएसटी), एल्ब्यू-मिन, गामा-ग्लूटामाइल ट्रांसफरेज (जीजीटी), क्षारीय फॉस्फेट व लैक्टेट डिहाइड्रोजनेज (एलडी), कॉलेस्ट्रॉल, ग्लूकोज।

अध्ययन में पाया गया कि जो लोग सिर्फ 60 वर्ष तक जिए, उनमें ग्लूकोज, क्रिएटिनिन और यूरिक एसिड का स्तर कम होने लगा। वहीं, जो लोग 90 या 100 से अधिक वर्ष जिए, उनमें इन जैवसूचकों की मौजूदगी बेहतर बनी रही। अधिक जीने वालों में इनकी मात्रा भरपूर पाई गई। एलैट और एल्ब्यूमिन को छोड़कर सभी जैवसूचक दीर्घायु बनाने में मददगार साबित हुए। शोधार्थियों ने बताया कि 100 वर्ष से अधिक जीवित रहने वाले लोगों और कम

जीने वाले लोगों के जैवसूचक की तुलना करने वाला यह पहला अध्ययन है। भविष्य में रोगों के इलाज में यह अध्ययन काम आ सकता है। जरूरी जैवसूचकों की कमी की वजह से किसी अंग पर पड़ने वाले असर के बारे में जानने में इससे मदद ली जा सकेगी।

शेष पृष्ठ 58 का

प्र. द.—इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखती हैं ?

सुश्री प्रिया—परीक्षार्थी एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका से अपेक्षा रखते हैं कि समसामयिक घटनाओं का समस्त उपयोगी विवरण एक जगह मिल जाए तथा ज्वलंत मुद्दों पर सन्दर्भ सहित विश्लेषण उपलब्ध हो सके।

प्र. द.—भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका, प्रतियोगिता दर्पण, को आपने इन मानकों के कितना करीब पाया ?

सुश्री प्रिया—व्यक्तिगत रूप से मुझे प्रतियोगिता दर्पण के लेख ज्यादा पसंद आते हैं। इसके राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम एवं अद्यतन प्रासंगिक लेख वर्तमान प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरूप हैं। खासकर इसकी समसामयिक वार्षिक पूरे वर्ष की घटनाओं के संक्षिप्त नोट्स का काम करती है।

प्र. द.—क्या आपने प्रतियोगिता दर्पण-समसामयिकी वार्षिकी का उपयोग किया ?

सुश्री प्रिया—जी, परीक्षा से पहले मैंने यह पढ़ी थी, जो मेरे लिए काफी मददगार साबित हुई।

प्र. द.—कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगी ?

सुश्री प्रिया—अपनी तैयारी को स्मार्ट तरीके से लेकर चलिए। सही रणनीति बनाइए और उस पर अमल कीजिए। कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं है और इसमें समय लगता है। अतः, धैर्य रखिए।

प्र. द.—आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

उपकार

नवीन प्रस्तुति

वस्तुनिष्ठ
सामान्य हिन्दी

(विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए उपयोगी)

Code No. 2685

₹ 50/-

सम्पादक मण्डल

उपकार प्रकाशन, आगरा-5

E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

स्मरणीय तथ्य



राष्ट्रीय

- 8 दिसम्बर, 2023 को किस राजनीतिक दल के नेता ने मिजोरम के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की ? —जोरम पीपुल्स मूवमेंट (ZPM)
4 दिसम्बर, 2023 को मिजोरम राज्य के घोषित चुनाव परिणाम में जोरम पीपुल्स मूवमेंट (ZPM) को सर्वाधिक सीटें मिली हैं, जिसके नेता लालदुहोमा (Lalduhoma) पहली बार मुख्यमंत्री बने हैं।
- भारत की कौनसी महिला शतरंज खिलाड़ी 1 दिसम्बर, 2023 को भारत की तीसरी महिला एवं 84वीं ग्रैंड मास्टर बनीं ? —वैशाली रमेशाबाबू
वैशाली रमेशाबाबू के भाई आर प्रज्ञानंद भी ग्रैंड मास्टर हैं यह भाई-बहन की पहली जोड़ी है, जो एक साथ ग्रैंड मास्टर हैं. भारत की पहली महिला ग्रैंड मास्टर कोनेरु हम्पी तथा दूसरी डी. हरिका हैं.
- दिसम्बर 2023 के प्रथम सप्ताह में बंगाल की खाड़ी में आए किस तूफान के कारण आंध्र प्रदेश व तमिलनाडु में विशेष रूप से भारी बारिश के कारण तबाही हुई ? —मिचौंग (Michaung)
मिचौंग तूफान से सर्वाधिक प्रभावित चेन्नई हुआ जहाँ पानी भरने के कारण एअरपोर्ट 4 दिसम्बर को बंद किया गया. इसके कारण 17 लोगों की जानें चली गईं. यह तूफान आंध्र प्रदेश के बापट्ला के निकट तट से टकराया था.
- 1971 में पाकिस्तान के विरुद्ध किए गए ऑपरेशन ट्राइडेंट की याद में 4 दिसम्बर, 2023 को भारतीय नौसेना दिवस कहाँ मनाया गया ? —सिंधुदुर्ग फोर्ट, महाराष्ट्र
भारतीय नौसेना द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित सिंधुदुर्ग फोर्ट में पहली बार नौसेना दिवस मनाया गया तथा शिवाजी की मूर्ति स्थापित की गई.
- तेलंगाना में विधान सभा चुनावों में बहुमत प्राप्त करने के बाद कांग्रेस पार्टी के किस नेता ने 7 दिसम्बर, 2023 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली ? —रेवंत रेड्डी (Revanth Reddy)
राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने रेवंत रेड्डी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई. मल्लू बी. विक्रमार्क ने तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली.
- टीएमसी की पश्चिम बंगाल की किस महिला सांसद की पैसे लेकर प्रश्न पूछने के कारण लोक सभा सदस्यता 8 दिसम्बर, 2023 को समाप्त कर दी गई ? —महुआ मोइत्रा
महुआ मोइत्रा अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (AITC) पार्टी से पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर चुनाव क्षेत्र से 17वीं लोक सभा में सांसद चुनी गई थीं. धन लेकर प्रश्न पूछे जाने पर, लोक सभा की एथिक्स समिति की रिपोर्ट के आधार पर, इनकी लोक सभा की सदस्यता समाप्त की गई.
- भारत में गुजरात के नवरात्रि उत्सव में किए जाने वाले किस पारम्परिक नृत्य को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में 6 दिसम्बर, 2023 को सम्मिलित किया गया है ? —गरबा
गरबा एक गुजराती परम्परागत नृत्य है. गरबा गीत प्रायः नौ देवियों के विषयों से सम्बन्धित होते हैं. गरबा नृत्य पारम्परिक परिधानों में किया जाता है.
- फोर्ब्स पत्रिका द्वारा 5 दिसम्बर, 2023 को जारी विश्व की 100 शक्तिशाली महिलाओं की सूची में भारत सरकार की कौनसी मंत्री सम्मिलित हैं ? —निर्मला सीतारमण (वित्त मंत्री)
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण फोर्ब्स (Forbes) की सूची में 32वें स्थान पर हैं. फोर्ब्स की सूची में सम्मिलित तीन अन्य भारतीय महिलाएं रोशनी नादर मल्होत्रा, सोमा मंडल और किरण मजूमदार-शॉ हैं.
- किस भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी गेंदबाज को आईसीसी (ICC) टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में दिसम्बर 2023 में प्रथम स्थान दिया गया ? —रवि बिशनोइ
रवि बिशनोइ को भारत में नवम्बर-दिसम्बर 2023 में खेली गई भारत-आस्ट्रेलिया टी-20 सीरीज जिसमें भारत की विजय हुई थी, में प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था.
- 15 दिसम्बर, 2023 को केन्द्र सरकार ने किस हवाई अड्डे को अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का स्तर प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है ? —सूरत
गुजरात में सूरत के हवाई अड्डे को अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का स्तर प्रदान करने का निर्णय कैबिनेट ने लिया है. इससे सूरत के हिरा एवं वस्त्र व्यापार को लाभ मिलेगा.
- भारत के पहले खेले इंडिया पैरा गेम्स दिसम्बर 2023 में कहाँ आयोजित किए गए ? —नई दिल्ली
भारत में पहली बार पैरा गेम्स 10 से 17 दिसम्बर, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित किए गए. हरियाणा ने 40 स्वर्ण, 39 रजत और 26 कांस्य पदक सहित कुल 105 पदक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया. उत्तर प्रदेश ने दूसरा (कुल 62 पदक) तथा तमिलनाडु (कुल 42 पदक) ने तीसरा स्थान प्राप्त किया.
- 33वाँ व्यास सम्मान 2023 किस हिन्दी लेखक को देने की घोषणा दिसम्बर 2023 में की गई ? —पुष्पा भारती
के. के. बिड़ला फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2023 का व्यास सम्मान पुष्पा भारती के संस्मरण यादें, यादें और यादें को प्रदान करने की घोषणा की गई है. इस सम्मान के तहत ₹ 4 लाख दिए जाते हैं.
- विश्व के सबसे बड़े कार्यालय भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 16 दिसम्बर को कहाँ किया ? —सूरत
सूरत डायमंड बोर्स बिल्डिंग (Surat Diamond Bourse Building) हिरा व्यापार केन्द्र के रूप में बनाया गया है. 80 वर्षों तक, पेंटागन दुनिया की सबसे बड़ी कार्यालय इमारत थी. लेकिन, यह उपाधि अब गुजरात के सूरत में निर्मित इस इमारत ने ले ली है.
- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित किस मिसाइल का एक साथ चार टारगेटों को सफलतापूर्वक भेदने का सफल परीक्षण दिसम्बर 2023 में किया ? —आकाश मिसाइल
अस्त्रशक्ति 2023 अभ्यास में भारत के सतह से हवा में मार करने वाली आकाश वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली (Akash Air Defence Missile System) ने सिंगल फायरिंग यूनित से एक साथ 4 मानव रहित टारगेट्स को 12 दिसम्बर को भेदने में सफलता प्राप्त की. रक्षा अधिकारियों के अनुसार भारत ऐसा पहला देश बन गया है, जिसने ऐसी क्षमता हासिल की है.

15. भारत की किस महिला हॉकी खिलाड़ी को लगातार तीसरे वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी संघ स्टाटा अवार्ड 2023 प्राप्त हुआ ? —सविता पूनियाँ
 ✖ हार्दिक सिंह को सर्वश्रेष्ठ पुरुष हॉकी खिलाड़ी का पुरस्कार प्राप्त हुआ. वर्ष की सर्वश्रेष्ठ गोल कीपर का पुरस्कार भारतीय हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनियाँ को प्राप्त हुआ.

अन्तर्राष्ट्रीय

- भारत 1 दिसम्बर, 2023 को 2 वर्ष (2024-25) के लिए अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री व्यापार में सबसे अधिक रुचि वाले 10 देशों की श्रेणी में, किस संगठन के लिए पुनः निर्वाचित हुआ है ?
 —इंटरनेशनल मेरिटाइम ऑर्गनाइजेशन (IMO)
 ✖ 175 सदस्यीय इंटरनेशनल मेरिटाइम ऑर्गनाइजेशन (IMO) संयुक्त राष्ट्र संघ की एक विशेष एजेंसी है जिसका उद्देश्य समुद्र में जहाजों एवं जहाजों द्वारा किए गए प्रदूषण से समुद्र को बचाना है.
- ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी की प्रकाशक ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (OUP) ने 4 दिसम्बर, 2023 को किस बोलचाल के शब्द को वर्ष 2023 का शब्द घोषित किया है ?
 —रिज (Rizz)
 ✖ रिज शब्द का प्रयोग बोलचाल की भाषा में प्रायः आकर्षक जो अपने चार्म और स्टाइल से दूसरों को प्रभावित करता है, के लिए होता है.
- यूरोपीयन संघ व जापान के संयुक्त तत्वावधान में विश्व के सबसे बड़े किस फ्यूजन (Fusion) रिएक्टर को जापान में 1 दिसम्बर, 2023 को प्रारम्भ किया गया है ?
 —JT-60SA
 ✖ नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर क्वांटम साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, नाका, जापान में स्थित जापान व यूरोपीय संघ के संयुक्त एवं विश्व के प्रथम सबसे बड़े फ्यूजन JT-60SA उपकरण को 1 दिसम्बर को प्रारम्भ किया गया है.
- मिस ने चीन के सहयोग से किस रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट का सफल प्रक्षेपण 4 दिसम्बर, 2023 को चीन में जिउकुआन सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से लॉन्ग मार्च-2सी कैरियर रॉकेट द्वारा किया ?
 —मिससेट-2 (MisrSat-2)
 ✖ मिससेट-2 मिस की अंतरिक्ष एजेंसी और उसके चीनी समकक्ष के बीच एक संयुक्त परियोजना है. उपग्रह का मिशन पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए मिस की मिट्टी की तस्वीरें लेना है, साथ ही रिमोट सेंसिंग भी करना है.
- टाइम पत्रिका ने किस फुटबाल खिलाड़ी को वर्ष 2023 का एथलीट ऑफ द ईयर 6 दिसम्बर, 2023 को घोषित किया है ?
 —लियोनिल मेसी (Lionel Messi)
 ✖ अर्जेंटीना के विश्व प्रसिद्ध फुटबाल खिलाड़ी लियोनिल मेसी फुटबाल के इतिहास में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्हें टाइम पत्रिका का एथलीट ऑफ द ईयर चुना गया है. मेसी 2023 का तथा अपना 8वाँ वैलन 'डी' ओर अवार्ड भी प्राप्त कर चुके हैं.
- टाइम पत्रिका ने किस पॉप गायिका को वर्ष 2023 का पर्सन ऑफ द ईयर चुना है ?
 —टेलर स्विफ्ट (Taylor Swift)
 ✖ उ. अमरीका की पॉप गायिका, गीतकार, रिकॉर्ड निर्माता और अभिनेत्री टेलर स्विफ्ट को विश्व प्रसिद्ध टाइम पत्रिका ने 2023 का पर्सन ऑफ द ईयर चुना है.
- यूरोप के किस राष्ट्र ने चीन की विश्वव्यापी योजना बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव (BRI) से बाहर होने की घोषणा 6 दिसम्बर, 2023 को की है ? —इटली
 ✖ इटली बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव में सम्मिलित होने वाला जी-7 समूह का पहला देश है, मार्च 2024 में यह इससे बाहर हो जाएगा.
- भारतीय नौसेना ने अरब सागर में सोमालिया समुद्री डाकुओं द्वारा हाइजैक किए गए किस जहाज को बचाने के लिए दिसम्बर 2023 में अभियान चलाया ?
 —एम. वी. रूएन (M V Ruen)
 ✖ माल्टा के जहाज एम. वी. रूएन जो कि सोमालिया जा रहा था, का अपहरण 15 दिसम्बर, 2023 को समुद्री डाकुओं द्वारा कर लिया गया था. भारतीय नौसेना जो कि अन्तर्राष्ट्रीय साझेदारों और मित्र देशों के व्यापारी जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, इसे बचाने का प्रयास कर रही है.
- 2023 का इंदिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय शांति, निरस्त्रीकरण एवं विकास के लिए पुरस्कार किसे देने की घोषणा दिसम्बर 2023 में की गई ?
 —डैनियल बरेनबोइम, अली अबू अब्बाद
 ✖ संगीतज्ञ डैनियल बरेनबोइम (Daniel Barenboim) तथा शांति कार्यकर्ता अली अबू अब्बाद (Ali Abu Awwad) को इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष के अहिंसक समाधान के लिए प्रयास करने के लिए यह सम्मान दिया गया है.
- फोर्ब्स पत्रिका द्वारा दिसम्बर 2023 में जारी विश्व की शक्तिशाली महिलाओं की सूची में प्रथम स्थान किसका है ?
 —उर्सुला वॉन डेर लेयेन (Ursula Von Der Leyen)
 ✖ जर्मनी की उर्सुला यूरोपीयन आयोग की अध्यक्ष हैं. दूसरे स्थान पर जर्मनी की क्रिस्टीन लेगार्ड तथा अमरीका की कमला हैरिस तीसरे स्थान पर हैं.
- वेनेजुएला और गुयाना के मध्य सीमा पर स्थित किस क्षेत्र के स्वामित्व को लेकर विवाद के समाधान के प्रयास दिसम्बर 2023 में चर्चित रहे ?
 —एसेक्विबा क्षेत्र (Essequibo Region)
 ✖ एसेक्विबा क्षेत्र गुयाना (Guyana) के एक भाग के रूप में जाना जाता रहा है, लेकिन जब से वहाँ खनिजों एवं तेल के भंडार का पता लगा है वेनेजुएला ने इस पर अपना अधिकार जताना प्रारम्भ कर दिया है.
- भारत के किस पड़ोसी देश में 18 दिसम्बर, 2023 को आप भूकम्प से प्रभावित क्षेत्र में लगभग 580 व्यक्ति घायल हो गए और 120 से अधिक लोगों की मौत हो गई ?
 —चीन
 ✖ चीन के उत्तर पश्चिमी प्रांत गांसू (Gansu) में आए 6.2 तीव्रता के भूकम्प के कारण प्रभावित क्षेत्र में अनेक मकान गिरने के कारण लोगों की जान चली गई.
- यूरोपीयन कॉउंसिल (European Council) की 14-15 दिसम्बर, 2023 को बैठक कहाँ आयोजित की गई ?
 —ब्रुसेल्स (Brussels)
 ✖ यूरोपीयन यूनियन (EU) की कॉउंसिल की बैठक बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स में सम्पन्न हुई जिसमें यूक्रेन को समर्थन देने के साथ-साथ रक्षा, सुरक्षा एवं विदेशी मामलों पर चर्चा की गई.
- किस देश में लगातार आ रहे लगभग 800 भूकम्पों के बाद एक ज्वालामुखी (Volcano) 18 दिसम्बर, 2023 को फट गया ?
 —आइसलैण्ड (Iceland)
 ✖ आइसलैण्ड के दक्षिण-पश्चिम रेकजेन्स प्रायद्वीप (Reykjanes Peninsula) पर एक तीव्र भूकम्प के झटके के बाद ज्वालामुखी का विस्फोट हुआ जिससे धरती के अन्दर 3-5 किमी लम्बी दरार पड़ गई. यह ग्रिंडाविक शहर के समीप है जिसे पहले ही खाली करा दिया था.
- अमरीका के किस राष्ट्रपति को वहाँ के न्यायालय ने संविधान के प्रावधानों के अनुसार राष्ट्रपति का चुनाव लड़ने के लिए पहली बार अयोग्य घोषित किया है ?
 —डोनाल्ड ट्रम्प (Donald Trump)
 ✖ पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को उनके समर्थकों द्वारा 6 जनवरी, 2021 को कैपिटोल हिल पर आक्रमण करने को विद्रोह मानकर कोलोराडो (Colorado) के सर्वोच्च न्यायालय ने ट्रम्प को राष्ट्रपति चुनाव के लिए अयोग्य घोषित किया है.





डॉ. अरुणोदय बाजपेयी

भारत व जापान : वैश्विक व सामरिक साझेदारी की नई सम्भावनाएं

जापान, चीन तथा भारत की गणना विश्व में एशिया की आर्थिक शक्तियों के रूप में की जाती है. भारत व चीन के आर्थिक उदय की कहानी 21वीं शताब्दी की घटना है, लेकिन जापान की गणना शीत युद्ध काल से ही एक विकसित देश के रूप में होती रही है. द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका से निकलने के बाद जापान ने जिस तेजी से आर्थिक वैज्ञानिक विकास किया है, वह एक उल्लेखनीय उदाहरण है. जापान एशिया का एक मात्र देश है जो विकसित देशों के संगठन जी-7 का सदस्य है. वर्ष 2010 में चीन जापान को पीछे कर विश्व में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया था. इस प्रकार वर्तमान में जापान, अमरीका व चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है. विदेश नीति के मामलों में जापान सामान्यतया पश्चिमी देशों विशेषकर अमरीका के करीब रहा है.

जहाँ तक भारत व जापान के पारस्परिक सम्बन्धों की बात है दोनों के बीच ऐतिहासिक व सांस्कृतिक सम्बन्ध रहे हैं. भारत में प्राचीन काल से ही बौद्ध धर्म का अस्तित्व रहा है. जापान के नारा शहर में स्थित टोडाईजी बौद्ध मन्दिर में वर्ष 752 में धार्मिक उद्घाटन का काम भारत के बौद्ध धर्म गुरु बोधिसेन द्वारा किया गया था. यह जापान का सबसे बड़ा व प्राचीन मन्दिर है. आजादी के आन्दोलन के समय भी भारत व जापान के सम्बन्धों का विकास हुआ. रविन्द्रनाथ टैगोर ने 1916, 1924 तथा 1929 में तीन बार जापान की यात्रा की थी. सुभाष चन्द्र बोस की आजाद हिन्द फौज को भी जापान का भरपूर समर्थन मिला था. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब मित्र राष्ट्रों द्वारा जापान के विरुद्ध युद्ध अपराधों की जाँच के लिए टोकियो न्यायाधिकरण का गठन किया गया था तो उसमें भारत के न्यायाधीश राधा बिनोद पाल भी एक सदस्य थे. इस न्यायाधिकरण ने जापान के अधिकारियों को युद्ध अपराधों का दोषी पाया था, लेकिन राधा बिनोद पाल ने इससे अपनी असहमति व्यक्त करते हुए प्रतियोगिता दर्पण/फरवरी/2024/66

अलग निर्णय दिया था. इसी कारण न्यायमूर्ति राधाबिनोद पाल को जापान में सम्मानित किया गया था. आजादी के बाद भारत व जापान के आर्थिक व व्यापारिक सम्बन्ध अनवरत चलते रहे. भारत को सरकारी विकास सहायता (Official Development Assistance—ODA) देने वाले विकसित देशों में जापान का प्रथम स्थान है. जापान व भारत के बीच तकनीकी क्षेत्र में भी सहयोग का क्रम जारी रहा है. 1970 के दशक में जापानी तकनीकी से स्थापित मारुति उद्योग की स्थापना का इसका प्रमुख उदाहरण है. इस प्रकार शीत युद्ध काल में यद्यपि जापान पश्चिमी गुट का हिस्सा था तथा भारत गुटनिरपेक्षता की नीति का पालन कर रहा था, लेकिन दोनों के बीच आर्थिक व तकनीकी क्षेत्र में निरन्तर प्रगति होती रही है.

शीत युद्ध की समाप्ति के बाद बदली हुई परिस्थिति में दोनों देशों में एक नई साझेदारी का विकास हुआ. भारत ने उदारीकरण की नीति अपनाने के साथ ही अमरीका, पश्चिमी देशों के साथ अपने सम्बन्धों का तेजी से विकास किया. नई आर्थिक नीतियों तथा वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में भारत व जापान के बीच आर्थिक क्षेत्र विशेषकर व्यापार व निवेश में नए अवसर उपलब्ध हुए, लेकिन 21वीं शताब्दी में चीन का आर्थिक व सैनिक उदय तथा हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में उसकी आक्रामक नीतियों के कारण दोनों देशों के बीच रणनीति सहयोग की शुरुआत हुई. इस कारण यह था कि चीन के साथ भारत का जहाँ सीमा विवाद अब भी कायम है वहीं चीन प्रशान्त सागर के उत्तरी भाग में जापान के सेनकाकू द्वीप पर अपना नियंत्रण स्थापित करना चाहता है. कुल मिलाकर दोनों देश इस बात पर सहमत हैं कि चीन की आक्रामक नीतियाँ हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में शांति व स्थिरता तथा आवागमन की स्वतंत्रता के अनुकूल नहीं हैं. उल्लेखनीय है कि वर्ष 2007 में जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने ही भारतीय संसद में दिए गए अपने सम्बोधन में हिन्द महासागर व प्रशान्त सागर में साझा हितों की

बात कर हिन्द-प्रशान्त की नई अवधारणा को जन्म दिया था. इसके बाद भारत व जापान ने सामरिक क्षेत्र में अपनी साझेदारी को तेजी से आगे बढ़ाया. वर्तमान में दोनों देश न केवल क्वाड (QUAD) नामक सामरिक संगठन के सदस्य हैं वरन् 2017 से जापान निरन्तर भारत द्वारा आयोजित बहुपक्षीय मालाबार सैनिक अभ्यास में भाग ले रहा है. इसके अलावा दोनों देशों ने व्यापार व निवेश सम्बन्धों को गति देने के लिए मुक्त व्यापार व निवेश समझौते पर भी हस्ताक्षर किए हैं. दोनों देश अपने 2+2 मंत्री स्तरीय वार्ताओं (Ministerial Dialogue) के माध्यम से भी अपने राजनीतिक व सामरिक सम्बन्धों को मजबूत कर रहे हैं. 2+2 मंत्री स्तरीय वार्ताओं में दोनों देशों के विदेश मंत्री व रक्षा मंत्री एक साथ भाग लेते हैं. उल्लेखनीय है कि भारत ने 2+2 मंत्री स्तरीय वार्ताओं की व्यवस्था केवल चार देशों—जापान, रूस, अमरीका, तथा आस्ट्रेलिया के साथ ही की है, क्योंकि भारत इन देशों के साथ अपनी सामरिक साझेदारी को मजबूत करना चाहता है. वर्तमान में जापान, भारत में कई महत्वपूर्ण ढाँचागत यातायात परियोजनाओं में भारत में सहयोग कर रहा है. इनमें दिल्ली-मुम्बई औद्योगिक गलियारा तथा अहमदाबाद-मुम्बई हाई स्पीड रेल परियोजनाएं प्रमुख हैं. इसके अलावा भारत के उत्तरी-पूर्वी क्षेत्रों में जापान व भारत मिलकर ढाँचागत सुविधाओं के विकास में सहयोग कर रहे हैं.

भारत-जापान विशेष सामरिक व वैश्विक साझेदारी

उक्त सकारात्मक माहौल में दोनों देश वर्तमान में एक नई साझेदारी को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं. इस साझेदारी को भारत-जापान विशेष सामरिक व वैश्विक साझेदारी (Indo-Japan Special Strategic and Global Partnership) के नाम से जाना जाता है. इस साझेदारी फ्रेमवर्क के अन्तर्गत दोनों देश विभिन्न द्विपक्षीय, क्षेत्रीय तथा वैश्विक मामलों में अपने सहयोग को आगे बढ़ा रहे हैं. इनमें से साझेदारी के कुछ प्रमुख क्षेत्र निम्नलिखित हैं—

(अ) उच्च स्तरीय वार्ताएं—भारत और जापान की रणनीतिक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण पहलू उनके बीच शीर्ष स्तर की यात्राओं का आयोजन तथा नियमित विचार-विमर्श की व्यवस्था है. वर्ष 2000 में दोनों देशों ने जहाँ एक ओर नियमित वार्षिक शिखर सम्मेलनों की शुरुआत की वहीं दूसरी ओर अपने सम्बन्धों को 'वैश्विक साझेदारी' (Global Partnership) के स्तर तक स्थापित करने का निर्णय लिया. वर्ष 2006 में इसे 'सामरिक तथा वैश्विक साझेदारी' तक

पहुँचाया गया तथा 2014 में दोनों देशों ने अपने सम्बन्धों को 'विशेष सामरिक व वैश्विक साझेदारी' तक उठाने का निर्णय लिया. तब से लेकर दोनों देश इसी फ्रेमवर्क में अपने सम्बन्धों को मजबूती प्रदान कर रहे हैं. इस सम्बन्ध में जापान के प्रधानमंत्री की 2007 की यात्रा तथा इस दौरान उनका 'दो सागरों के संगम' (Confluence of Two Seas) शीर्षक वाला भाषण उल्लेखनीय है. उनके दो सागरों हिन्द महासागर तथा प्रशान्त महासागर के संगम वाले भाषण से ही हिन्द-प्रशान्त की नई अवधारणा का विकास हुआ. वर्ष 2013 में जापान के सम्राट अकिहितो तथा महारानी मिचिको की भारत यात्रा भी दोनों के सम्बन्धों की घनिष्ठता को दर्शाता है. जुलाई 2023 में जापान के विदेश मंत्री योशिमाशा हयासी ने वार्षिक विदेश मंत्री स्तर की सामरिक वार्ताओं में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा पर आए थे. इन वार्ताओं के दौरान उन्होंने 2022-27 के बीच भारत में 5 ट्रिलियन येन के निवेश के वायदे को दोहराया. इस अवसर पर भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि एक खुले व स्वतंत्र हिन्द-प्रशान्त के लक्ष्य को प्राप्त करने में जापान भारत का अपरिहार्य साझेदार देश है.

(ब) आर्थिक साझेदारी—आर्थिक साझेदारी में व्यापार निवेश तथा विकास साझेदारी शामिल है. यद्यपि दोनों देशों ने 2011 में व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (Comprehensive Economic Partnership Agreement—CEPA) पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन दोनों का व्यापार उसके बाद 18 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2022-23 में 22 बिलियन डॉलर तक ही पहुँच पाया है. इसका कारण यह है कि भारतीय उत्पाद जापान के मापदण्डों पर खरे नहीं उतरते. इसीलिए जापान के साथ भारत का व्यापार घाटा भी लगभग 8 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया है, लेकिन भारत में निवेश के मामले में जापान 5वाँ सबसे बड़ा निवेशक देश है. वर्ष 2000 से 2022 तक भारत में जापान का कुल निवेश 37 बिलियन डॉलर है. वर्तमान में जापान की 1,470 कम्पनियाँ भारत में कार्यरत हैं. इन कम्पनियों ने मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल, बिजली के सामान, रसायन तथा दवाएँ, दूर संचार, तथा बीमा आदि क्षेत्रों में निवेश किया है.

स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में दोनों के बीच सहयोग 2006 से ही चल रहा है. 2018 में भारत व जापान ने स्टार्ट अप तथा आई.टी. के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की थी. इसी प्रकार भारत, जापान तथा आस्ट्रेलिया ने 2021 में सप्लाय चैन के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की पहल की है. दोनों देशों ने 2021 में स्टील तथा टेक्सटाइल के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के समझौते भी किए हैं.

प्रतियोगिता दर्पण/फरवरी/2024/67

भारत व जापान की विकास साझेदारी भी उल्लेखनीय है, जिसकी शुरुआत 1958 में हुई थी. तब से लेकर अब तक जापान भारत का सबसे बड़ा विकास सहायता देने वाला देश रहा है. वर्ष 2022 में जापान ने 3.2 बिलियन डॉलर की विकास सहायता दी थी. विकास साझेदारी का एक अन्य पहलू यह है कि जापान भारत में ढाँचागत सुविधाओं के विकास में सहयोग कर रहा है. इस सम्बन्ध में अहमदाबाद-मुम्बई हाई स्पीड ट्रेन के अलावा जापान भारत में 6 मेट्रो रेल प्रोजेक्ट्स में भी सहायता दे रहा है. ये मेट्रो रेल प्रोजेक्ट्स हैं—अहमदाबाद, बंगलूरु, चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता तथा मुम्बई.

(स) सामरिक साझेदारी—हाल के दशकों में दोनों देशों के बीच सामरिक व प्रतिरक्षा साझेदारी का भी तेजी से विकास हुआ है. दोनों देश हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में चीन की आक्रामकता से चिन्तित हैं. दोनों देश इस क्षेत्र में शान्ति व स्थिरता स्थापित करने के लिए 2017 में बनाए गए 4 देशों के संगठन क्वाड के भी सदस्य हैं तथा इसमें अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं. वर्ष 2017 से ही जापान चीन के विरोध के बावजूद भारत द्वारा आयोजित मालाबार नौसैनिक अभ्यास में भी नियमित रूप से भाग ले रहा है.

प्रतिरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों ने 2008 में सुरक्षा सहयोग घोषणा-पत्र पर भी हस्ताक्षर किए थे. 2014 में प्रतिरक्षा सहयोग तथा आदान-प्रदान के समझौते पर दोनों देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे. 2015 में दोनों देशों ने महत्वपूर्ण प्रतिरक्षा सूचनाओं की सुरक्षा के लिए सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की थी. परमाणु इनर्जी के शान्तिपूर्ण प्रयोग में सहयोग के लिए दोनों देशों ने 2016 में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे. दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच भी सहयोग बढ़ाने के लिए 2018 में एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे. वर्ष 2020 में दोनों देशों की प्रतिरक्षा सेनाओं के बीच सेवाओं व सामान की आपूर्ति में सहयोग करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे.

भारत की पूरब की ओर देखों की नीति तथा जापान के स्वतंत्र व खुले हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र के विजन के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए दोनों देशों ने 2017 में एक ईस्ट फोरम की स्थापना की थी. इस फोरम के माध्यम से दोनों देश अपनी क्षेत्रीय नीतियों में समन्वय व सहयोग बढ़ा सकते हैं. इसी फोरम के अन्तर्गत जापान भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में ढाँचागत सुविधाओं के विकास में सहयोग कर रहा है. 2023 में स्पेस के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों ने लूप्लेक्स (LUPLEX)

नामक संयुक्त चन्द्र मिशन को लॉन्च करने का भी निर्णय लिया है.

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि राजनीतिक आर्थिक तकनीकी व सामरिक क्षेत्रों में जापान व भारत के बीच साझेदारी का तेजी से विकास हो रहा है.

जापान के प्रधानमंत्री किशिदा की भारत की यात्रा, 2023

जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा ने 20-21 मार्च, 2023 को भारत की राजकीय यात्रा की थी. वास्तव में दोनों देशों ने प्रतिवर्ष नियमित आधार पर शिखर सम्मेलनों की व्यवस्था की है. इसके अन्तर्गत दोनों देशों के शीर्ष नेता प्रतिवर्ष बदल-बदल कर एक दूसरे के यहाँ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेते हैं. किशिदा की यात्रा भी उन्हीं नियमित शिखर सम्मेलनों का हिस्सा है. किशिदा की यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है कि उन्होंने इसी यात्रा के दौरान ही अपनी हिन्द-प्रशान्त रणनीति का उद्घाटन किया है. इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में चीन की निरन्तर बढ़ती हुई आक्रामकता पर रोक लगाना है. इस रणनीति में हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में साझेदार देशों के साथ सहयोग बढ़ाना तथा समुद्री सुरक्षा, कोस्ट गार्ड पेट्रोलिंग तथा अन्य ढाँचागत सुविधाओं के विकास के लिए जापान द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान करना है. भारतीय प्रधानमंत्री ने भी शिखर सम्मेलन के दौरान इस बात पर जोर दिया कि भारत-जापान विशेष, सामरिक तथा वैश्विक साझेदारी दोनों के साझा लोकतांत्रिक मूल्यों तथा अन्तर्राष्ट्रीय कानून के सम्मान पर आधारित है. उन्होंने कहा कि भारत व जापान की साझेदारी केवल इन दोनों देशों के लिए ही लाभकारी नहीं है वरन् यह सम्पूर्ण हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में शांति, सम्पन्नता तथा स्थायित्व में सहायक है. उल्लेखनीय है कि जापान ने जी-7 समूह की अध्यक्षता की जहाँ वर्ष 2023 में वहीं भारत जी-20 समूह की अध्यक्षता किया है. जापान ने भारत को मई 2023 में सम्पन्न हुए जी-7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया था, वही किशिदा ने भी सितम्बर में भारत में सम्पन्न हुए जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था. इन दोनों अवसरों पर भी दोनों नेताओं को महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श का अवसर प्राप्त हुआ था.

चूँकि जापान के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा एक संक्षिप्त यात्रा थी, इसीलिए इस यात्रा के दौरान किसी संयुक्त वक्तव्य को जारी नहीं किया गया. लेकिन इस दौरान दोनों देशों ने दो महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं. पहला समझौता इस बात पर सहमति था कि जापान अहमदाबाद-मुम्बई हाई स्पीड

रेलवे परियोजना के लिए 300 मिलियन येन की तीसरी सहायता राशि निर्गत करेगा. दूसरे समझौते में दोनों देश भारत में जापानी भाषा के शिक्षण को प्रोत्साहित करने पर सहमत हुए हैं. इन समझौतों के अलावा किशिदा की यात्रा की मुख्य उपलब्धि दोनों के बीच हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना है.

निष्कर्ष

भारत व जापान के बीच ऐतिहासिक व सांस्कृतिक सम्बन्ध रहे हैं. ब्रिटिश शासन काल में दोनों देशों के सम्बन्धों में टैगोर तथा सुभाष चन्द्र बोस आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

है. आजादी के बाद भारत के विकास में जापान की भागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है. शीत युद्ध की समाप्ति के बाद दोनों देशों के बीच आर्थिक सम्बन्धों का तेजी से विकास हुआ है. लेकिन गत एक दशक में दोनों के सामरिक व प्रतिरक्षा सम्बन्धों में तेजी से विकास हुआ है. इसका प्रमुख कारण हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में चीन की बढ़ती हुई आक्रामकता है. दोनों देश हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में शांति व स्थायित्व तथा आवागमन की स्वतंत्रता के सम्बन्ध में साझा दृष्टिकोण रखते हैं तथा द्विपक्षीय बहुपक्षीय मंचों जैसे क्वाड आदि के माध्यम से सामरिक साझेदारी को निरन्तर मजबूत कर रहे हैं.

भारत की मृदुल शक्ति (Soft Power) : नए आयाम

लोक कूटनीति (Public diplomacy) के दृष्टिकोण से 2023 का वर्ष एक सफल वर्ष कहा जा सकता है. वर्ष 2023 में भारत ने सितम्बर 2023 में पहली बार जी-20 की मेजबानी के माध्यम से जहाँ एक ओर अपनी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का प्रदर्शन किया वहीं दूसरी ओर भारत ने अपनी सामंजस्यकारी नीति का परिचय देते हुए जी-20 की अन्तिम घोषणा में यूक्रेन युद्ध पर विरोधी गुटों के बीच आम सहमति विकसित करने में सफलता प्राप्त की. इसी तरह जुलाई 2023 में भारत ने एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय संगठन-शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन का भी पहली बार आयोजन किया. यद्यपि यह आयोजन ऑनलाइन मोड (वर्चुअल) में किया गया, लेकिन भारत ने अपनी मेजबानी से इस तरह के संगठनों में सक्रिय भूमिका निभाने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया. उल्लेखनीय है कि शंघाई सहयोग संगठन में चीन तथा रूस जैसे बड़े देश भी सदस्य हैं. इसी तरह भारत ने अपनी समावेशी नीति को गति देते हुए ग्लोबल साउथ के देशों को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया. भारत द्वारा इस सम्बन्ध में जनवरी 2023 तथा नवम्बर 2023 में ग्लोबल साउथ के दो वैश्विक सम्मेलनों का आयोजन किया गया है. भविष्य में ग्लोबल साउथ के शिखर सम्मेलन प्रतिवर्ष नियमित आधार पर भारत द्वारा आयोजित किए जाएंगे. इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वर्ष 2023 में भारत को अपनी मृदुल शक्ति का विस्तार करने व उसका प्रदर्शन करने के अनेक अवसर प्राप्त हुए तथा भारत ने इन अवसरों का भरपूर लाभ उठाया. अतः भारत की मृदुल शक्ति के स्रोतों का विश्लेषण किए जाने की आवश्यकता है.

लोक कूटनीति व मृदुल शक्ति क्या हैं?

किसी देश की लोक कूटनीति का उद्देश्य अपनी नीतियों, कार्यों व सिद्धान्तों के आधार पर वैश्विक समर्थन व प्रभाव अर्जित करना है. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में इसी प्रभाव को मृदुल शक्ति अथवा सॉफ्ट पॉवर के नाम से जाना जाता है. यही प्रभाव किसी देश को सैनिक शक्ति अथवा दबाव का प्रयोग किए बिना उसके हितों की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होता है. इस प्रकार हम कह सकते हैं कि लोक कूटनीति का एक प्रमुख उद्देश्य किसी देश की मृदुल शक्ति में विस्तार का उसके राष्ट्रीय हितों की पूर्ति करना है. अतः लोक कूटनीति में भी सभी उपाए तथा गतिविधियाँ शामिल हैं, जो किसी राष्ट्र की मृदुल शक्ति के विस्तार तथा उपयोग में सहायक होते हैं. आधुनिक संचार क्रान्ति के युग में लोक कूटनीति (Public diplomacy) तथा मृदुल शक्ति दोनों का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है. इन साधनों का समुचित प्रयोग कर कोई भी राष्ट्र अपनी मृदुल शक्ति को तेजी से विस्तार कर सकता है. लोक कूटनीति व मृदुल शक्ति के बढ़ते महत्व को देखते हुए भारत ने भी अपनी लोक कूटनीति को व्यवस्थित रूप देने का प्रयास किया है. वर्ष 2006 में भारतीय विदेश मंत्रालय में 'लोक कूटनीति' नामक एक अलग प्रभाग की स्थापना की गई थी.

लोक कूटनीति से सम्बन्धित एक महत्वपूर्ण अवधारणा मृदुल शक्ति (Soft Power) का विचार है. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों में मृदुल शक्ति का विचार लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है. मृदुल शक्ति शब्द का सबसे पहले प्रयोग अमरीका के विद्वान् जोसेफ न्ये (Joseph Nye) ने अपनी पुस्तक 'बाउन्ड टू लीड : द चेन्जिंग नेचर ऑफ अमरीकन

पॉवर' में किया था, जिसका प्रकाशन 1990 में हुआ था. जोसेफ न्ये ने इस धारणा का विधिवत् विश्लेषण 2004 में प्रकाशित अपनी एक अन्य पुस्तक 'सॉफ्ट पॉवर : द मीन्स टू सक्सेस इन वर्ल्ड पॉलिटिक्स' में किया था, तब से लोक कूटनीति के क्षेत्र में मृदुल शक्ति की अवधारणा लोकप्रियता प्राप्त कर रही है. जोसेफ न्ये के अनुसार, मृदुल शक्ति से तात्पर्य किसी राष्ट्र द्वारा बाध्यता या भुगतान के स्थान पर अपने प्रति आकर्षण के द्वारा इच्छित वस्तु को प्राप्त करने की योग्यता से है. दूसरे शब्दों में मृदुल शक्ति का मुख्य तत्व अपने प्रति दूसरों का आकर्षण है जिससे दूसरे प्रभावित होकर आपका अनुसरण करते हैं तथा आपकी बातों का पालन करते हैं. राष्ट्रीय स्तर पर किसी देश की राजनीतिक संस्कृति, विचार तथा नीतियाँ ऐसी हो सकती हैं जो दूसरों को प्रभावित व आकर्षित करे. मृदुल शक्ति का विचार लोक कूटनीति के लिए बहुत महत्वपूर्ण है. वस्तुतः मृदुल शक्ति एक संसाधन की तरह है तथा कूटनीति इन संसाधनों को प्रयोग करने की एक कला है. जोसेफ न्ये ने अमरीकन मृदुल शक्ति के कतिपय उदाहरणों द्वारा इस धारणा को स्पष्ट किया है. उनके अनुसार अमरीका के राजनीतिक आदर्शों ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद यूरोप के देशों को आकर्षित किया था. इसी कारण यूरोप में अमरीका का प्रभाव बना हुआ है.

दूसरी तरफ कठोर शक्ति की धारणा मृदुल शक्ति की धारणा से एकदम विपरीत है. कठोर शक्ति का तात्पर्य बाध्यकारी साधनों द्वारा दूसरे राष्ट्र के व्यवहार को अपनी इच्छा के अनुसार प्रभावित करने की क्षमता है. स्पष्ट है कि कठोर शक्ति में सैन्य शक्ति तथा आर्थिक शक्ति प्रमुख भूमिका निभाते हैं. यह उल्लेखनीय है कि वर्तमान में जनजागरूकता बढ़ने तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों का लोकतंत्रीकरण होने के कारण कठोर शक्ति का प्रयोग करना राष्ट्रों के लिए कठिन होता जा रहा है. यह एक महंगा साधन भी है. अफगानिस्तान तथा ईराक में अमरीकी सैनिक हस्तक्षेप की आर्थिक लागत ने अमरीका की अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डाला है. इसी कारण वर्तमान में कठोर शक्ति की तुलना में मृदुल शक्ति का महत्व बढ़ता जा रहा है.

इसी तरह अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में हाल ही के वर्षों में स्मार्ट पॉवर का विचार भी लोकप्रिय होता जा रहा है. इस शब्द का प्रयोग सबसे पहले 2004 में सुजैन नोसेल ने किया था, लेकिन इस विचार को लोकप्रिय बनाने का श्रेय जोसेफ न्ये को जाता है. स्मार्ट पॉवर में दी गई परिस्थितियों के अनुसार कठोर तथा मृदुल शक्ति का समुचित उपयोग करना है. यह परिस्थितियों पर निर्भर करता है कि किसी

उद्देश्य की पूर्ति के लिए कितनी मात्रा में कठोर शक्ति तथा कितनी मात्रा में मृदुल शक्ति का प्रयोग किया जाए. इनका समुचित सम्मिश्रण ही स्मार्ट शक्ति है.

भारत की मृदुल शक्ति के घटक

वास्तव में लोक कूटनीति किसी देश की मृदुल शक्ति के संसाधनों का समुचित प्रयोग करने की कला व व्यवहार है. भारत की लोक कूटनीति की क्षमता व सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि भारत में मृदुल शक्ति के पर्याप्त संसाधन विद्यमान हैं अथवा नहीं तथा लोक कूटनीति उन संसाधनों का समुचित प्रयोग करने में कुशल है अथवा नहीं. इस दृष्टि से भारत की मृदुल शक्ति के तत्वों पर विचार करना आवश्यक है. भारत की मृदुल शक्ति के निम्न तत्व लोक कूटनीति के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं.

1. भारत एक प्राचीन सभ्यता है, जिसकी गहरी जड़ें इतिहास में हैं. भारत में एक लम्बी सांस्कृतिक परम्परा है, जो शांति, अहिंसा, सहनशीलता तथा विभिन्न संस्कृतियों के मध्य सदभावना, आध्यात्मिक और भौतिक प्रगति में सन्तुलन तथा व्यक्ति व प्रकृति के बीच सन्तुलन जैसे आदर्शों व मूल्यों पर जोर देती है. ये आदर्श और मूल्य वर्तमान में विश्व शांति व स्थायित्व के लिए आवश्यक हैं तथा इन मूल्यों को भारतीय मनीषियों द्वारा समय-समय पर प्रचारित एवं प्रसारित किया गया है. यह भारत के लिए गौरव की बात है कि भारत की प्राचीन स्वास्थ्य कल्याण पद्धति 'योग' को संयुक्त राष्ट्र संघ ने मान्यता प्रदान की तथा 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया.

2. अहिंसा पर आधारित भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन ने सम्पूर्ण विश्व के उपनिवेशवादी शोषण से पीड़ित जनसमुदाय को प्रभावित किया था तथा उनमें स्वतंत्रता व समानता की आशा जगायी थी. गांधीजी इस अहिंसात्मक आन्दोलन के प्रतीक थे तथा आज वे विश्व में शांति और अहिंसा के प्रतीक बन गए हैं. उनके विचारों की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण यह है कि आज अफ्रीका में नेल्सन मण्डेला को अफ्रीकन गांधी के रूप में जाना जाता है तथा मार्टिन लूथर किंग को अमरीका में अमरीकन गांधी के नाम से जाना जाता है. जून 2007 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने उनके जन्मदिन 2 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाने के रूप में प्रस्ताव पारित किया है.

3. भारत ने निरन्तर उपनिवेशवाद तथा जातीय भेद-भाव के विरुद्ध संघर्ष का समर्थन किया है. भारत ने गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का नेतृत्व कर एशिया और अफ्रीका के देशों

में एकता स्थापित करने, उनके विकास में साझेदारी निभाने तथा उनकी आवाज को विश्व मंच पर उठाने का प्रयास किया है. यह प्रयास आज भी जारी है. यह एक महज संयोग नहीं है कि भारत 8 बार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् (UNSC) का अस्थायी सदस्य चुना जा चुका है.

4. लोकतंत्र को मजबूत करने तथा विभिन्न संस्कृतियों वाले देश में समरसता स्थापित करने में भारत की सफलता विश्व में बेजोड़ है. भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है तथा लम्बे समय तक लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता परिवर्तन कर कई देशों के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करता रहा है.

5. भारत ने पिछले 75 वर्षों में संतोषजनक आर्थिक और तकनीकी प्रगति हासिल की है. 1991 के बाद भारत ने वैश्विक जरूरतों के अनुसार व्यापक आर्थिक सुधार कार्यक्रम को अपनाया है. गत 30 वर्षों में भारत ने लगभग 7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर अर्जित की है. आज भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है तथा उसकी गणना विश्व की उभरती हुई आर्थिक शक्तियों में की जा रही है. अनेक वैश्विक मंचों जैसे जी-20, ब्रिक्स, इबसा आदि के माध्यम से भारत विश्व अर्थव्यवस्था के प्रबन्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की स्थिति में आ गया है. परमाणु तथा अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की उपलब्धियाँ उल्लेखनीय हैं. सॉफ्टवेयर तकनीकी में भारत विश्व में अग्रणी है.

6. भारतीय मूल के लोगों का एक बड़ा समुदाय दुनिया के अनेक देशों में निवास करता है. सरकारी आँकड़ों के अनुसार अनिवासी भारतीयों सहित वर्ष 2022 में विश्व में अप्रवासी भारतीयों की संख्या 32 मिलियन है. उन्होंने अपने अथक परिश्रम, बुद्धि तथा कौशल से उन देशों में आर्थिक व सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा एक सकारात्मक छवि अर्जित की है. गत एक दशक में अमरीका जैसे विकसित देश में भारतीयों ने तकनीकी, नवाचार, राजनीति, अर्थव्यवस्था आदि में उल्लेखनीय मुकाम हासिल किया है. तकनीकी क्षेत्र में सुन्दर पिचाई व सत्या नडेला आदि तथा राजनीति में कमला हैरिस, तुलसी गेबार्ड, रो खन्ना आदि ने अमरीका में विशेष मुकाम हासिल किया है. भारत ने इस तथ्य को स्वीकार किया है तथा भारतीय मूल के लोगों को भारत की विकास प्रक्रिया में जोड़ने का प्रयास किया है. इस उद्देश्य से गत वर्षों में भारत ने प्रवासी भारतीयों के सम्बन्ध में अनेक नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया है. भारतीयों के लिए यह गर्व का विषय है कि कभी विश्व राजनीति का सिरमौर रहे यूके (ब्रिटेन) के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक भारतीय मूल के हैं.

जी-20 शिखर सम्मेलन तथा भारत की मृदुल शक्ति

सितम्बर 2023 में भारत द्वारा विश्व की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी-20 के शिखर सम्मेलन का आयोजन एक बड़ी व सफल कूटनीतिक घटना तो है ही, लेकिन भारत की मृदुल शक्ति के प्रदर्शन व विस्तार की दृष्टि से भी यह आयोजन एक मील का पत्थर सिद्ध हुआ है. इस सम्बन्ध में निम्नवत् बिन्दु महत्वपूर्ण हैं—

1. **भारत की समृद्ध विरासत का परिचय**—यद्यपि यह शिखर सम्मेलन तो सितम्बर 2023 में आयोजित हुआ, लेकिन इसकी तैयारी वर्ष भर चलती रही. इसकी तैयारी के लिए वर्ष भर कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तथा देश के विभिन्न स्थानों पर 200 से अधिक बैठकों का आयोजन किया गया. इन बैठकों में विदेशी मेहमानों ने भाग लिया तथा देश की समृद्ध विविधतापूर्ण विरासत का साक्षात्कार किया. शिखर सम्मेलन के दौरान भी भारत की अतिथि देवो भवः की धारणा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया.

2. **वसुधैव कुटुम्बकम् का विचार**—भारत ने जी-20 के माध्यम से वसुधैव कुटुम्बकम् के विचार को मूर्तरूप देने का प्रयास किया. वसुधैव कुटुम्बकम् ही इस सम्मेलन का मोटो था. इस सम्मेलन में भारत ने अपने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के आदर्श द्वारा विश्व की साझा चुनौतियाँ तथा विश्व के साझे विकास तथा साझे भविष्य के महत्त्व को रेखांकित किया. भारत ने इस विचार से सिद्ध किया कि भारत प्राचीन काल से सारे विश्व को एक परिवार की भाँति मानता है. अतः विश्व के सभी देशों का एक साझा भविष्य है. अतः विश्व की सभी चुनौतियों का समाधान सभी देशों द्वारा मिल-जुलकर ही किया जाना चाहिए.

3. **समावेशी विकास की नीति**—भारत समावेशी विकास की नीति का पक्षधर है. इसी समावेशी नीति के अन्तर्गत ही भारत ने विश्व के गरीब व विकासशील देशों, जिन्हें ग्लोबल साउथ के नाम से जाना जाता है, को भी जी-20 के माध्यम से विश्व विकास की मुख्य धारा में जोड़ने का प्रयास किया. इसके लिए भारत ने जनवरी 2023 में भारत ने पहली वॉयस ऑफ ग्लोबल समिट तथा नवम्बर 2023 में दूसरी समिट का आयोजन किया. इन सम्मेलनों के माध्यम से भारत ने गरीब व विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व करते हुए उनके सरोकारों को जी-20 में शामिल करने का प्रयास किया. भारत के प्रयासों के परिणामस्वरूप जी-20 शिखर सम्मेलन में 55 अफ्रीकी देशों के संगठन अफ्रीकन यूनियन को जी-20 का सदस्य बनाया गया. **शेष पृष्ठ 74 पर**



सीओपी (COP) 28 : प्रमुख परिणाम एवं चुनौतियाँ

धीरज पाण्डेय

हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई के एक्सपो सिटी में सम्पन्न संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन-सीओपी (COP) की 28वीं बैठक का समापन हुआ। यह सम्मेलन 30 नवम्बर से शुरू होकर 12 दिसम्बर, 2023 को समाप्त होने वाला था, लेकिन एक दिन आगे बढ़ गया और 13 दिसम्बर, 2023 को समाप्त हुआ। इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए लगभग 140 देशों के राष्ट्राध्यक्ष, 70 हजार से अधिक प्रतिभागी और जलवायु मामलों के विशेषज्ञ दुबई में जुटे थे।

सीओपी (COP)-28 शिखर सम्मेलन के अंतिम सत्र में लगभग 200 देशों के बीच एक ऐतिहासिक जलवायु समझौते पर सहमति बनी, जिसमें जलवायु संकट के प्रमुख कारण जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल और गैस) का इस्तेमाल 'उचित और न्यायसंगत' तरीके से खत्म करने का आह्वान किया गया है। वर्षों की सीओपी बैठकों के बाद, दुनिया अंततः जलवायु परिवर्तन के इन कार्बन-आधारित चालकों (Carbon-based Drivers) से खुद को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध हो गई है। इस दौरान कुछ ऐतिहासिक समझौते हुए, तो कुछ मुद्दों को लेकर विवाद भी हुआ, जिसकी चर्चा इस लेख में आगे की जा रही है।

सीओपी (COP) क्या है?

सीओपी (COP) यानी कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टिज दुनिया का सबसे बड़ा जलवायु शिखर सम्मेलन है। इसे यूनाइटेड नेशन आयोजित करता है। इन्हें कॉप यानि जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) के पार्टियों का सम्मेलन भी कहा जाता है। सीओपी का मतलब 'पार्टियों का सम्मेलन' है, जहाँ 'पार्टियों' वे देश हैं जिन्होंने 1992 में मूल संयुक्त राष्ट्र जलवायु समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

UNFCCC कन्वेंशन, जलवायु प्रणाली में 'खतरनाक' एवं हानिकारक मानवीय हस्तक्षेप को रोकने के लिए 21 मार्च, 1994 को लागू हुआ था। वर्तमान में, 198 देशों द्वारा अनुमोदित

इसकी सदस्यता लगभग सार्वभौमिक है। 2015 में अपनाया गया पेरिस समझौता, इसी कन्वेंशन का विस्तृत रूप है।

सीओपी (COP) सम्मेलन का महत्व

- 2015 में COP21 में पेरिस जलवायु समझौते को अपनाने के बाद, भविष्य के सम्मेलन इसके प्रमुख लक्ष्य को लागू करने के इर्द-गिर्द घूमते रहे हैं—
- पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक औसत तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रोकना और वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के प्रयासों को आगे बढ़ाना लक्षित किया गया।
- उल्लेखनीय है कि पेरिस वार्ता ने जहाँ एक समझौता प्रदान किया, वही कैटोविस (COP24) और ग्लासगो (COP26) से योजना का मार्ग प्रशस्त हुआ। शर्म अल-शेख (COP27) से इसका कार्यान्वयन आरम्भ हुआ।
- शमन, अनुकूलन और जलवायु वित्त पर पेरिस लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में प्रगति को मापना और मौजूदा योजनाओं को अपनाना, समस्या का एक महत्वपूर्ण आयाम है, और इसी कारण COP28 का इतना अधिक महत्व है। पहला वैश्विक स्टॉकटेक, ग्लासगो में COP26 में शुरू हुआ, जो दुबई में समाप्त हुआ।
- यह प्रक्रिया यह पहचानने में मदद करने के लिए डिजाइन की गई थी कि अभी और क्या किए जाने की आवश्यकता है। साथ ही इसका उद्देश्य, देशों को अधिक महत्वाकांक्षी एवं त्वरित जलवायु कार्य योजनाओं की दिशा में मार्गदर्शन देना रहा।
- इसलिए, सीओपी (COP28) में देशों द्वारा इस पर आपसी निर्णय, 2015 के पेरिस समझौते के बाद का सबसे अहम परिणाम प्रस्तुत किया है।

COP28 में लिए गए प्रमुख निर्णय, समझौते, परिणाम एवं चुनौतियाँ

सीओपी28 का एक ही प्रमुख मकसद था कि दुनिया को उसी रास्ते पर वापस लाया जाए जिससे ग्लोबल वॉर्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखा जा सके। इस सम्मेलन में यह तय हुआ कि 2030 तक कार्बन उत्सर्जन को 43 प्रतिशत तक कम किया जाएगा। साथ ही 2035 तक इसे 60 प्रतिशत तक घटाने की कोशिश की जाएगी। एक ओर कार्बन एमिशन को कम करना, वहीं दूसरी तरफ नवीनीकरणीय ऊर्जा को तीन गुना करने पर भी समझौता हुआ।

तीन दशकों से अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय जलवायु समझौतों में सीधे तौर पर फॉसिल फ्यूल (जीवाश्म ईंधन) का जिक्र करने से बचता रहा। उसकी वजह दुनिया के ऐसे देश थे, जो तेल और गैस का बड़े पैमाने पर उत्पादन करते हैं। वह हर बार इस बिन्दु पर आपत्ति करते थे, लेकिन इस बार यह यथास्थिति टूटी और यह तय हुआ कि धीरे-धीरे फॉसिल फ्यूल से किनारा कर लिया जाएगा।

वैसे देश जो जलवायु परिवर्तन का दंश झेल रहे हैं और विकासशील हैं, साथ ही उनके पास जलवायु परिवर्तन की इस विभीषिका से लड़ने के लिए आर्थिक संबल भी नहीं हैं, उनके लिए एक 'लॉस और डैमेज फंड' भी बनाया गया है। कई देशों ने इसमें अपनी भागीदारी देने की बात की है। तकरीबन 700 मिलियन डॉलर के सहयोग पर सहमति बनी है। हालाँकि अमरीका और चीन जैसे देशों की इसको लेकर टालमटोल और इस फंड में जरूरत से कम पैसे देने पर उनकी आलोचना भी हुई।

दुबई के जलवायु सम्मेलन (COP28) में हुए वाद-विवाद और परिचर्चाओं के पश्चात् निकले प्रमुख परिणाम एवं चुनौतियाँ निम्नलिखित हैं—

1. ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में 'गहन, द्रुत और अनवरत' (Deep, Rapid and Sustained) कटौती का आह्वान

दुबई जलवायु समझौते (द यूएई कंसेंसस) के मसौदे में पेरिस समझौते को ध्यान में रखते हुए तापमान में वृद्धि 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के उद्देश्य से ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में 'गहन, द्रुत और अनवरत' कटौती का आह्वान किया गया।

इस ऐतिहासिक समझौते में निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के लिए 8 सूत्री योजना की भी पेशकश की गई, जिसमें 2050 तक नेट जीरो उत्सर्जन हासिल करने के लिए, इस दशक में कार्रवाई में तत्परता और तेजी लाते हुए, ऊर्जा प्रणालियों में 'उचित, व्यवस्थित और न्यायसंगत तरीके' से 'जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल में कमी' लाना शामिल है।

पेरिस समझौते के 4 स्तम्भ

सीओपी (COP) प्रेसीडेंसी के 'एक्शन एजेंडा' के तहत, पेरिस समझौते के 4 स्तम्भों पर साहसिक और निर्णायक कदम उठाए गए—

- एक उचित ऊर्जा परिवर्तन को तेजी से ट्रैक करना,
- जलवायु वित्त को ठीक करना,
- लोगों और प्रकृति पर ध्यान केन्द्रित करना और
- जलवायु कार्रवाई में समावेशिता को बढ़ावा देना।

2. द यूई कंसेंसस

- 198 भाग लेने वाले देशों द्वारा एक ऐतिहासिक समझौता किया गया, जिसे उपयुक्त रूप से 'द यूई कंसेंसस' नाम दिया गया, जिसमें एक महत्वाकांक्षी जलवायु एजेंडे की रूपरेखा तैयार की गई, जिसका उद्देश्य ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लक्ष्य को अपनी पहुँच में रखना है।
- 'द यूई कंसेंसस' एक व्यापक दस्तावेज है जो 2050 तक शुद्ध शून्य प्राप्त करने के लिए जीवाश्म ईंधन से दूर जाने का आह्वान करता है।
- यह पार्टियों को अर्थव्यवस्था-व्यापी राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करता है और विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित करता है, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा को तीन गुना करना और ऊर्जा दक्षता को दोगुना करना शामिल है।

3. हानि और क्षति (Loss and Damages)—एक अभूतपूर्व समझौता

- COP28 की असाधारण उपलब्धियों में से एक रहा हानि और क्षति पर हुआ एक अभूतपूर्व समझौता है।
- निर्णय दिए जाने के कुछ ही क्षणों बाद फंड के प्रति प्रतिबद्धताएं आनी शुरू हो गईं, जो अब तक कुल मिलाकर 700 मिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक हो चुकी हैं।
- इस फंड को फिलहाल विश्व बैंक द्वारा प्रबंधित एक बोर्ड संचालित करेगा।

हानि एवं क्षति निधि (Loss and Damage Fund) क्या है?

'हानि और क्षति निधि' जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभावों का सामना करने वाले देशों के बचाव और पुनर्वास को सुनिश्चित करने के लिए एक वैश्विक वित्तीय पैकेज है। यह शब्द उस क्षतिपूर्ति को सन्दर्भित करता है, जो सम्पन्न राष्ट्र, जिनके औद्योगिक विकास के कारण ग्लोबल वार्मिंग हुई है और ग्रह को जलवायु संकट में डाल दिया है, को उन गरीब देशों को भुगतान करना होगा, जिनका कार्बन पदचिह्न कम है, लेकिन बढ़ते समुद्र के स्तर, बाढ़ का खामियाजा, विनाशकारी सूखा, और तीव्र चक्रवात, आदि से प्रभावित हो रहे हैं। बदलती जलवायु ने जीवन, आजीविका, जैव विविधता, सांस्कृतिक परम्पराओं और पहचान को प्रभावित किया है।

- जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का कठोर खामियाजा भुगत रहे कमजोर राष्ट्रों ने राष्ट्रीय प्रतिक्रिया योजनाओं, जलवायु सूचना वृद्धि और विस्थापन के मामलों

में सम्मानजनक मानव गतिशीलता सुनिश्चित करने के लिए इसके जरिए समर्थन प्राप्त किया।

4. आपदा जोखिम न्यूनीकरण (Disaster Risk Reduction)

- हानि और क्षति के एजेंडे पर अधिक प्रगति हुई और एक समझौता भी हुआ कि आपदा जोखिम न्यूनीकरण (Disaster Risk Reduction) के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय और परियोजना सेवाओं के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय हानि और क्षति के लिए सैंटियागो नेटवर्क (Santiago Network) के सचिवालय की मेजबानी करेंगे।
- यह मंच उन विकासशील देशों को तकनीकी सहायता प्रदान करेगा जो विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के प्रति संवेदनशील हैं।

5. अनुकूलन पर वैश्विक लक्ष्य (Global Goal on Adaptation—GGA)

- COP27 से आगे बढ़ते हुए, COP28 ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के अनुकूल रणनीतियों का समर्थन करने पर जोर दिया।
- पार्टियाँ अनुकूलन पर वैश्विक लक्ष्य (Global Goal on Adaptation—GGA) और उसके ढाँचे के लक्ष्यों पर सहमत हुईं, जो यह पहचानती हैं कि बदलती जलवायु के प्रभावों के प्रति लचीला होने और देशों के प्रयासों का आकलन करने के लिए दुनिया को कहाँ पहुँचने की जरूरत है।
- अनुकूलन पर वैश्विक लक्ष्य (जीजीए) ढाँचा अनुकूलन लक्ष्यों और उन्हें प्राप्त करने के लिए वित्त, प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण समर्थन की आवश्यकता पर वैश्विक सहमति को दर्शाता है।
- समझौते में अंततः जल सुरक्षा, पारिस्थितिकी तंत्र बहाली और स्वास्थ्य के लिए वर्ष 2030 तक के स्पष्ट लक्ष्यों के साथ अनुकूलन वित्त को दोगुना करने का आह्वान शामिल है। लेकिन यहाँ चिंताएँ भी पैदा होती हैं, क्योंकि अनुकूलन वित्त की कमी के अंतर को पाटने की भाषा इस समझौते में कमजोर हो गई है।
- ऐसी उम्मीद है कि COP29 में वित्त पोषण के मामले में महत्वपूर्ण विवरण सामने आ पाएंगे।

6. जलवायु वित्त में वृद्धि (Increasing Climate Finance)

- जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के कार्यकारी सचिव, श्री साइमन स्टिल (Mr. Simon

Stiell) ने बार-बार इसे 'जलवायु कार्यवाही का महान प्रवर्तक' (Great Enabler of Climate Action) कहा।

- ग्रीन क्लाइमेट फंड (Green Climate Fund (GCF) को अपनी दूसरी पुनःपूर्ति के लिए बढ़ावा मिला, जिसमें 6 देशों ने COP28 में नई फंडिंग का वादा किया, कुल संकल्प अब 31 देशों से 12.8 बिलियन अमरीकी डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गई है, जिसमें और योगदान अपेक्षित है।

7. जलवायु परिवर्तन कोष (Climate Change Fund)

- आठ दाता सरकारों ने अल्पविकसित देशों के कोष और विशेष जलवायु परिवर्तन कोष (Climate Change Fund) के लिए अब तक 174 मिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक की नई प्रतिबद्धताओं की घोषणा की, जबकि COP28 में अनुकूलन कोष में अब तक लगभग 188 मिलियन अमरीकी डॉलर प्रदान करने के नए वादे किए गए।
- हालाँकि, जैसाकि वैश्विक स्टॉकटेक में उजागर किया गया है, ये वित्तीय वादे विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन, उनकी राष्ट्रीय जलवायु योजनाओं और अनुकूलन प्रयासों को लागू करने में समर्थन देने के लिए अंततः आवश्यक खरबों (Trillions) की राशि से बहुत कम हैं।
- इस तरह की फंडिंग प्रदान करने के लिए, वैश्विक स्टॉकटेक बहुपक्षीय वित्तीय ढाँचा में सुधार करने और वित्त के नए और अभिनव स्रोतों की स्थापना में तेजी लाने के महत्व को रेखांकित करता है।

8. वैश्विक स्टॉकटेक और जीवाश्म ईंधन (Global Stocktake and Fossil Fuels)

- ग्लोबल स्टॉकटेक को COP28 में गहन जाँच का सामना करना पड़ा। जहाँ एक ओर अंतिम मसौदे में ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लक्ष्य के साथ उत्सर्जन में कटौती को संरेखित करने की बात में सुधार किए गए, वहीं कुछ अस्पष्ट भाषा ने अंतिम मसौदे में अस्पष्टता प्रकट की है।
- उदाहरण के लिए जीवाश्म ईंधन को 'चरणबद्ध' तरीके से हटाने के बजाय उससे 'दूरी' बनाने की बात और 'ट्रांजिशन फ्यूएल' का उल्लेख एक स्वच्छ ईंधन (Clean Energy) भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल उठाता है।

‘ग्लोबल स्टॉकटेक’ समझौता क्या है ?

लगभग दो सप्ताह तक गहन बातचीत के बाद पहला ‘ग्लोबल स्टॉकटेक’ समझौता हुआ है, जिसमें देशों से आग्रह किया गया है कि वे कोयले से बिजली उत्पादन को चरणबद्ध तरीके से घटाने के प्रयासों में तेजी लाएं। यह सम्मेलन जलवायु परिवर्तन से निपटने के वैश्विक प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

पेरिस समझौते की ग्लोबल स्टॉकटेक प्रक्रिया हर 5 वर्ष में जलवायु संकट पर वैश्विक प्रतिक्रिया का आकलन करने के लिए डिजाइन की गई है। यह ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती, जलवायु प्रभावों के प्रति लचीलापन बनाने और जलवायु संकट से निपटने के लिए वित्त और समर्थन हासिल करने पर दुनिया की प्रगति का मूल्यांकन करता है।

9. जलवायु वित्त पर एक नया सामूहिक मात्रात्मक लक्ष्य (New Collective Quantified Goal on Climate Finance–NCQG)

- COP28 में, विकासशील देशों की जरूरतों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए, 2024 में ‘जलवायु वित्त पर एक नया सामूहिक मात्रात्मक लक्ष्य’ (New Collective Quantified Goal on Climate Finance) निर्धारित करने पर चर्चा जारी रही।
- नया लक्ष्य, जो प्रति वर्ष 100 बिलियन अमरीकी डॉलर की आधार रेखा से शुरू होगा, राष्ट्रीय जलवायु योजनाओं के डिजाइन और उसके बाद के कार्यान्वयन के लिए एक बिलिडिंग ब्लॉक होगा जिसे 2025 तक पूरा करने की आवश्यकता है।
- COP28 ने विकासशील देशों में जलवायु शमन और अनुकूलन (Climate Mitigation and Adaptation) के लिए विकसित देशों द्वारा दिए गए 100 बिलियन डॉलर से अधिक के एक नए सामूहिक परिमाणित लक्ष्य को आकार देने में प्रगति की है। हालांकि, मूल लक्ष्य पूरा नहीं हुआ है, और प्रगति सही रास्ते पर होने के बावजूद यह आवश्यकता से कम है।

10. न्यूनीकरण कार्य कार्यक्रम (Mitigation Work Programme)

- कार्बन मुक्त अर्थव्यवस्थाओं और समाजों में आने वाले बदलावों को देखते हुए, इस बात पर सहमति बनी कि न्यूनीकरण कार्य कार्यक्रम (Mitigation Work

Programme), जो पिछले वर्ष COP27 में शुरू किया गया था, 2030 तक जारी रहेगा, जिसमें हर वर्ष कम-से-कम दो वैश्विक संवाद आयोजित किए जाएंगे।

- COP29 से पहले 2025 के बाद के वित्त लक्ष्य का मसौदा तैयार करने की प्रतिबद्धता एक सकारात्मक कदम है, लेकिन असलियत तो विवरण की बांशियों में छिपी है, जो अगले वर्ष स्पष्ट होंगी।

11. वैश्विक कार्बन बाजार (Global Carbon Market) : अनसुलझे मुद्दे

- COP28 में कार्बन बाजारों पर चर्चा किसी समझौते पर पहुँचने में विफल रही, जिससे पर्यवेक्षण और क्रेडिट के लेखांकन के बारे में महत्वपूर्ण प्रश्न अनसुने रह गए।
- यह विफलता मजबूत कार्बन बाजार स्थापित करने के प्रयासों में बाधा डालता है। यह बाजार एमिशन में कमी के लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण तत्व होते हैं।
- निराशाजनक परिणाम में, पार्टियाँ पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6.2 और 6.4 के तहत बाजारों की प्रगति के लिए पाठ को अपनाने में विफल रहीं।

कार्बन बाजार क्या हैं और वे कैसे काम करते हैं?

कार्बन बाजारों को इमिशन ट्रेडिंग स्कीम के रूप में भी जाना जाता है। ये ऐसे समझौते

हैं जिनमें देश या अन्य संस्थाएं या व्यवसाय, कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित करने के लिए अनुमति पत्र का आदान-प्रदान करते हैं। इसे कार्बन क्रेडिट कहा जाता है।

- कार्बन ट्रेडिंग बाजार को ऐसे आसानी से समझा जा सकता है—राष्ट्र या कम्पनियों के लिए इमिशन यानी उत्सर्जन का एक स्तर तय होता है। इस बाजार के तहत, अगर राष्ट्र या कम्पनियाँ, सहमत स्तरों से कम उत्सर्जन करती हैं तो वो बचाए गए उत्सर्जन को कार्बन क्रेडिट के रूप में बेच सकती हैं। ये क्रेडिट उनको बेचा जा सकता है जो अभी भी अपनी निर्धारित सीमाओं से अधिक प्रदूषण कर रहे हैं। सैद्धांतिक रूप में, ये ट्रेडिंग स्कीम उत्सर्जन को कम करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करता है।

12. न्यायसंगत एनर्जी ट्रांजिशन और प्रकृति (Justifiable Energy Transition and Nature)

COP28 में एनर्जी ट्रांजिशन पर चर्चा मुख्य फोकस थी। जीएसटी निर्णय के अलावा, पेरिस समझौते के तापमान लक्ष्यों को पूरा करने में ऊर्जा परिवर्तन की महत्वपूर्ण भूमिका की समझ का संकेत देते हुए कई घोषणाएं की गईं, जिनमें शामिल हैं—

- ग्लोबल डीकार्बोनाइजेशन एक्सेलेरेटर (Global Decarbonisation Accel-

पेरिस समझौते का अनुच्छेद 6 क्या है?

पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 में नौ पैराग्राफ हैं जो सिद्धांत प्रदान करते हैं कि कैसे देश अपने जलवायु लक्ष्यों तक पहुँचने के लिए ‘स्वैच्छिक सहयोग कर सकते हैं’।

पेरिस समझौते का अनुच्छेद 6.2 और 6.4 :

- अनुच्छेद 6.2 देशों को द्विपक्षीय या बहुपक्षीय समझौतों के माध्यम से एक दूसरे के साथ उत्सर्जन में कटौती और निष्कासन का व्यापार करने की अनुमति देता है। इन व्यापारिक क्रेडिटों को अन्तर्राष्ट्रीय रूप से हस्तांतरित शमन परिणाम (Internationally Transferred Mitigation Outcomes–ITMOs) कहा जाता है। उन्हें कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष (CO₂e) में या अन्य मैट्रिक्स का उपयोग करके मापा जा सकता है, जैसे कि नवीकरणीय ऊर्जा के किलोवाट-घण्टे (KWh)।
- अनुच्छेद 6.4 के तहत वैश्विक कार्बन बाजार स्थापित किया जाएगा, जिसकी देखरेख संयुक्त राष्ट्र इकाई द्वारा की जाएगी, जिसे ‘अनुच्छेद 6.4 पर्यवेक्षी निकाय’ (Article 6.4 Supervisory Body) कहा जाता है। यह उत्सर्जन में कमी या वायुमण्डल से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को हटाने से उत्पन्न कार्बन क्रेडिट के व्यापार की अनुमति देगा। कार्बन हटाने की परियोजनाएं प्रकृति-आधारित हो सकती हैं, जो कार्बन को पकड़ने और संगृहीत करने के लिए जंगलों, मैंग्रोव और कृषि मिट्टी का उपयोग करती हैं या ऐसे कार्बन डाइऑक्साइड के लिए बड़ी मशीनों को तैनात करने जैसे प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान का उपयोग करती हैं।

अनुच्छेद 6.4 के तहत, उत्सर्जन में कमी या निष्कासन परियोजना विकसित करने वाली संस्थाओं को अपना प्रस्ताव पर्यवेक्षी निकाय को प्रस्तुत करना होगा। एक बार मंजूरी मिलने के बाद, ये परियोजनाएं कार्बन क्रेडिट अर्जित कर सकती हैं, जो 1 टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर का प्रतिनिधित्व करता है। ये क्रेडिट देशों, कम्पनियों या यहाँ तक कि व्यक्तियों द्वारा अपने जलवायु लक्ष्यों तक पहुँचने के लिए खरीदे जा सकते हैं।

erator)—COP28 के अध्यक्ष, सुल्तान अल जाबेर ने ग्लोबल डीकार्बोनाइजेशन एक्सेलेरेटर लॉन्च किया, जो तीन स्तम्भों पर आधारित है—

1. कल की ऊर्जा प्रणाली को तेजी से बढ़ाना (Rapidly scaling the energy system of tomorrow),

2. आज की ऊर्जा प्रणाली को डीकार्बोनाइज करना (Decarbonizing the energy system of today)

3. मीथेन और अन्य गैर-CO₂ ग्रीन हाउस गैसों को लक्षित करना (Targeting methane and other non-CO₂ greenhouse gases (GHGs)).

● **ग्लोबल कूलिंग संकल्प (Global Cooling Pledge)**—60 से अधिक देशों ने ग्लोबल कूलिंग संकल्प पर हस्ताक्षर किए, जो संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के नेतृत्व वाले कूल गठबंधन के बीच एक संयुक्त पहल है। ग्लोबल कूलिंग संकल्प का लक्ष्य 2050 तक शीतलन उपकरणों से उत्सर्जन को 68% तक कम करना है और साथ ही 2030 तक स्थायी शीतलन तक पहुँच बढ़ाना है। ग्लोबल कूलिंग संकल्प को कूल कोएलिशन (Cool Coalition) द्वारा अपनी **ग्लोबल कूलिंग वॉच रिपोर्ट** प्रकाशित करने के ठीक बाद लॉन्च किया गया था, जिसमें भविष्यवाणी की गई थी कि कूलिंग क्षेत्र से उत्सर्जन 2050 तक दोगुना से अधिक हो जाएगा और तीन क्षेत्रों में टिकाऊ कूलिंग उपाय निर्धारित किए गए हैं—

1. निष्क्रिय शीतलन (Passive Cooling)

2. उच्च-ऊर्जा दक्षता मानक (Higher-Energy Efficiency Standards)

3. जलवायु-वार्मिंग रेफ्रिजरेंट्स का तेजी से बंद होना (Faster Phase Down of Climate-Warming Refrigerants).

कूल कोएलिशन (Cool Coalition)

कूल कोएलिशन संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण, जलवायु और स्वच्छ वायु गठबंधन, किंगाली कूलिंग दक्षता कार्यक्रम और सभी के लिए सतत् ऊर्जा (SEforALL) के नेतृत्व में एक वैश्विक प्रयास है।

लेकिन फिलहाल इस सन्दर्भ में न्याय संगत ऊर्जा ट्रांजिशन का स्तर और प्रकृति-सकारात्मकता दायित्वों को परिभाषित करने के लिए और काम करने की आवश्यकता होगी।

13. सरकारों और प्रमुख हितधारकों के बीच सहयोग को मजबूत करना (Strengthening collaboration between governments and key stakeholders)

- औपचारिक वार्ता के समानांतर, COP28 में ग्लोबल क्लाइमेट एक्शन स्पेस ने सरकारों, व्यवसायों और नागरिक समाज को अपने वास्तविक दुनिया के जलवायु समाधानों को सहयोग करने और प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया।
- **ग्लोबल क्लाइमेट एक्शन के लिए माराकेच पार्टनरशिप (Marrakech**

विस्तृत शृंखला की अंतर्दृष्टि शामिल है, जिन्हें 2030 तक वैश्विक उत्सर्जन को आधा करने, अनुकूलन अंतराल को सम्बोधित करने और लचीलापन बढ़ाने के लिए बढ़ाया और दोहराया जाना चाहिए।

- सम्मेलन में खाद्य और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों के लचीलेपन को बढ़ावा देने और कृषि और मीथेन से सम्बन्धित उत्सर्जन को कम करने के लिए कई घोषणाएं भी हुईं।

COP28 प्रक्रिया ने जलवायु कार्रवाई के लिए अभूतपूर्व \$85 बिलियन का वित्त पोषण जुटाया। एक्शन एजेंडा के तहत

कार्बन ट्रेडिंग के मुख्य प्रकार : कार्बन ट्रेडिंग के दो मुख्य प्रकार हैं : क्रेडिट और ऑफसेट

| | |
|-----------------------|--|
| कार्बन क्रेडिट | <ul style="list-style-type: none"> ● कार्बन क्रेडिट सरकारों द्वारा कम्पनियों को जारी किए जाते हैं। ● यह एक टोकन है जो भविष्य में होने वाले इमिशन या उत्सर्जन को दर्शाता है। ● उन कम्पनियों के पास अतिरिक्त क्रेडिट उपलब्ध होता जो अपने लिए निर्धारित सीमा से कम उत्सर्जन करती हैं। वो इन क्रेडिट्स को बाजार में बेच सकती हैं। |
| कार्बन ऑफसेट | <ul style="list-style-type: none"> ● कार्बन ऑफसेट कम्पनियों द्वारा बनाए जाते हैं और कम्पनियों द्वारा ही इनका कारोबार किया जाता है। ● यदि कोई कम्पनी वातावरण से कार्बन हटाने के लिए पेड़ लगाने जैसा काम करती है, तो वह इसे कार्बन ऑफसेट के रूप में मान सकती है और बाजार में अन्य संगठनों के साथ इसका व्यापार कर सकती है। ● व्यक्तिगत तौर पर भी कार्बन उत्सर्जन को 'ऑफसेट' किया जा सकता है। |

Partnership for Global Climate Action) के तहत हाई-लेवल चैम्पियंस ने 2030 क्लाइमेट सॉल्यूशंस के अपने कार्यान्वयन रोडमैप को लॉन्च किया। यह समाधानों का एक सेट है, जिसमें प्रभावी उपायों पर गैर-पार्टी हितधारकों की एक

प्रमुख उपलब्धियों में संयुक्त अरब अमीरात द्वारा \$30 बिलियन का उत्प्रेरक निजी निवेश माध्यम, ALTERRA का लॉन्च शामिल है, जिसका लक्ष्य वैश्विक जलवायु कार्रवाई के लिए \$250 बिलियन जुटाना है। इसका उद्देश्य निजी बाजारों को जलवायु निवेश की ओर ले

सीओपी 28 (COP-28) में क्या हासिल हुआ ?

- जलवायु-संवेदनशील विकासशील देशों की मदद के लिए तैयार किया गया हानि एवं क्षति कोष, कॉप के पहले दिन लागू कर दिया गया। देशों ने इस कोष के लिए करोड़ों डॉलर देने का वादा किया है;
- हरित जलवायु कोष के संसाधनों को दोबारा भरने के लिए 3-5 अरब डॉलर की प्रतिबद्धता;
- अल्प विकसित देशों के कोष (एलडीसी) और विशेष जलवायु परिवर्तन कोष (एससीसीएफ) के लिए कुल 15 करोड़ डॉलर से अधिक की नई घोषणाएँ;
- विश्व बैंक द्वारा जलवायु सम्बन्धी परियोजनाओं (2024 और 2025) के वित्त पोषण के लिए सालाना 9 अरब डॉलर की वृद्धि;
- लोगों के स्वास्थ्य को बढ़ते जलवायु प्रभावों से बचाने के कार्यों में तेजी लाने के लिए, लगभग 120 देशों ने सीओपी (COP) यूईई जलवायु और स्वास्थ्य घोषणा का समर्थन किया;
- 130 से अधिक देशों ने जलवायु परिवर्तन से निपटते समय खाद्य सुरक्षा का समर्थन करने के लिए, कृषि, खाद्य एवं जलवायु पर COP28 UAE घोषणा पर हस्ताक्षर किए;
- तात्कालिक प्रभाव से शीतलन सम्बन्धी उत्सर्जन को 68% तक कम करने के लिए, 66 देशों द्वारा वैश्विक शीतलन संकल्प का समर्थन किया गया।

जाना और उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को बदलने पर ध्यान केन्द्रित करना है, जहाँ उन भौगोलिक क्षेत्रों में उच्च कथित जोखिमों के कारण पारम्परिक निवेश की कमी रही है।

इसके अतिरिक्त, COP28 में 158 देशों द्वारा 'कृषि, खाद्य और जलवायु पर COP28 संयुक्त अरब अमीरात घोषणा' का समर्थन देखा गया, जिससे जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रियाओं में टिकाऊ कृषि और खाद्य प्रणालियों को शामिल किया गया। 144 देशों द्वारा समर्थित 'जलवायु और स्वास्थ्य पर COP28 यूई घोषणा', जलवायु-लचीला, टिकाऊ और न्यायसंगत स्वास्थ्य प्रणालियों (Climate-Resilient, Sustainable and Equitable Health Systems) के विकास को गति देती है। ग्लोबल डीकार्बोनाइजेशन एक्सेलेरेटर (जीडीए) ने ग्लोबल रिन्यूएबल्स एण्ड एनर्जी एफिशिएंसी प्लेज और ऑयल एण्ड गैस डीकार्बोनाइजेशन चार्टर जैसी पहल शुरू की।

आगे की राह

दुबई ने इतिहास के सबसे बड़े सीओपी की लॉजिस्टिक चुनौतियों को प्रभावी ढंग से निपटा लिया, हानि और क्षतिपूर्ति के फंड कि शकल में एक ऐतिहासिक समझौते और फॉसिल फ्यूल से दूर जाने की प्रतिबद्धता हासिल की। हालाँकि, अगर बड़ी तस्वीर को देखा जाए तो इस समझौते में हासिल सफलताएँ छोटे कदमों के तौर पर दिखाई देती हैं, जबकि जरूरत बड़ी छलांग की लगती है।

राष्ट्रीय जलवायु कार्य योजनाओं का अगला दौर या राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान-2025 में होगा। इस दौर में, सभी देशों से अपनी कार्यवाही एवं प्रतिबद्धताओं में पर्याप्त वृद्धि की उम्मीद की जा रही है। आर्मेनिया द्वारा अपनी बोली वापस लेने के बाद, पूर्वी यूरोपीय देशों का समर्थन प्राप्त करके, अजरबैजान को वर्ष 2024 में, 11 से 22 नवम्बर तक होने वाले COP29 सम्मेलन का आधिकारिक मेजबान घोषित किया गया है। वहीं 2025 में ब्राजील ने अमेजन में, COP30 की मेजबानी करने की पेशकश की है।

फिलहाल हम इतिहास के सबसे गर्म वर्ष से गुजर रहे हैं, और ऐसे में सवाल बना हुआ है कि क्या ये छोटे कदम जलवायु संकट से निपटने के लिए पर्याप्त हैं, या क्या हमें एक बड़ी छलांग लगाने की जरूरत है? जवाब COP29 में शायद मिल सकते हैं।

शेष पृष्ठ 53 का

विशेषता—इसमें L-बैंड और S-बैंड सिंथेटिक एपर्चर रडार (SAR) शामिल हैं। यही

कारण है कि इसे दोहरी आवृत्ति इमेजिंग रडार उपग्रह भी कहा जा रहा है।

- उल्लेखनीय है कि इस अन्तरिक्ष उपग्रह के डिजाइन के लिए जहाँ इसरो ने S-बैंड रडार, डीएसएलवी (जियो सिक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल), प्रक्षेपण प्रणाली तथा अन्तरिक्ष यान प्रदान किया है, वहीं नासा द्वारा डेटा स्टोर करने के लिए L-बैंड रडार, जीपीएस, उच्च क्षमता वाला सॉलिड स्टेट रिकॉर्डर और एक पेलोड डेटा सब सिस्टम प्रदान किया है।
- उल्लेखनीय है कि सिंथेटिक एपर्चर रडार (SAR) अंधेरे और बादलों के समय भी मौसम की किसी भी जानकारी को देने में 'निसार' को सक्षम बनाता है। इसके अतिरिक्त इसका उपयोग हाई रिजॉल्यूशन इमेज के लिए भी किया जाता है।
- निसार (NISAR), नासा-इसरो सार का ही संक्षेप रूप है।

Spadex

- इसका पूरा नाम 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट' है। इस मिशन का उद्देश्य वर्ष 2030 तक भारत द्वारा अपना अन्तरिक्ष स्टेशन स्थापित करना है। यह मिशन गगनयान परियोजना का ही विस्तारित रूप है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में वर्ष 1998 में स्थापित अन्तर्राष्ट्रीय अन्तरिक्ष स्टेशन एक प्रमुख अन्तरिक्ष स्टेशन है।
- उल्लेखनीय है कि स्पेस स्टेशन एक अन्तरिक्षयान ही होता है, जिसमें चालक दल के सदस्यों के रहने की सुविधा होती है।
- वही स्पेस डॉकिंग का अर्थ अन्तरिक्ष में दो यानों या वस्तुओं को आपस में जोड़ना, पदार्थ को एक अन्तरिक्ष यान से दूसरे अन्तरिक्ष यान में भेजना, अन्तरिक्ष में चहलकदमी करना, और अन्तरिक्ष में सैटेलाइट या अन्तरिक्ष यान की मरम्मत का कार्य करने से सम्बन्धित है। इस तकनीक की आवश्यकता अन्तरिक्ष स्टेशन से अन्तरिक्ष यान को जोड़ने व अन्तरिक्ष यात्रियों को अन्तरिक्ष यान से अन्तरिक्ष स्टेशन के अन्दर पहुँचाने में किया जाता है।
- उल्लेखनीय है कि अब तक अमरीका, रूस और चीन अपने अन्तरिक्ष स्टेशन बनाने में सफल रहा है। यदि भारत इसके निर्माण में सफल रहता है, तो यह ऐसा करने वाला चौथा देश होगा।

सि. से. प्रा. परीक्षा

प्रश्न—निसार के सम्बन्ध में सही कथन है—

- (A) निसार इसरो और जाक्सा की संयुक्त पहल है
(B) निसार एक अन्तरिक्ष वेधशाला है जिसे 2014 में स्थापित किया गया है

(C) इसका दूसरा प्रक्षेपण सतीश धवन केन्द्र से किया जाएगा

(D) इसमें सिंथेटिक एपर्चर रडार प्रयोग किया गया है

उत्तर—(D)

●●●

शेष पृष्ठ 69 का

4. भारत लोकतंत्र की जननी है—जी-20 के सभी देश लोकतांत्रिक मूल्यों तथा विधि के शासन में विश्वास करते हैं। जी-20 सम्मेलन के माध्यम से भारत ने इस विचार को पुष्ट करने का प्रयास किया कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं वरन् सबसे पुराना लोकतंत्र है। यह विचार गत 2 वर्षों से चर्चा में है। सम्मेलन के दौरान भारत ने ई.पू. 6वीं शताब्दी में 16 जनपदों, बौद्ध संघों तथा स्थानीय स्वशासन की परम्पराओं के उल्लेख से यह सिद्ध किया कि भारत में लोकतांत्रिक व्यवहार की जड़ें अति प्राचीन हैं। भारत ने अपने लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेण्ट (LiFE) के विचार से जलवायु परिवर्तन के प्रयासों का लोकतंत्रीकरण करने का प्रयास किया। सम्पूर्ण जी-20 के आयोजन में जनता की भागीदारी को बढ़ाने का जो प्रयास हुआ उसी के कारण इस जी-20 को लोकतांत्रिक जी-20 की संज्ञा दी जा रही है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि भारत ने जी-20 सम्मेलन के आयोजन के माध्यम से अपनी मृदुल शक्ति को भी मजबूत करने का प्रयास किया।

निष्कर्ष

भारतीय मृदुल शक्ति के उक्त विपुल संसाधनों के साथ भारत में नकारात्मक छवि के भी कुछ तत्व उपलब्ध हैं। अभी भी भारत में गरीबी, बेरोजगारी, नक्सलवाद, भ्रष्टाचार, जातिवाद, साम्प्रदायिकता आदि की गम्भीर चुनौतियाँ विद्यमान हैं। ये चुनौतियाँ भारत की सकारात्मक छवि के विकास में बाधक हैं। स्वीडन के प्रसिद्ध विद्वान् गुन्नार मिर्डल ने भारतीय राज्य को सॉफ्ट स्टेट (Soft State) की संज्ञा दी थी, जिसका संकेत सरकार द्वारा नीतियों व कार्यक्रमों को प्रभावी तरीके से लागू करने में उसकी कमजोरी की ओर था। यदि भारत को अपनी सॉफ्ट पॉवर को मजबूत बनाना है, तो उसे सॉफ्ट स्टेट की छवि को छोड़ना होगा तथा उक्त चुनौतियों का दृढ़ता के साथ मुकाबला करना होगा। भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह अपनी लोक कूटनीति को गति प्रदान कर भारत की सॉफ्ट पॉवर को अधिक सशक्त तथा प्रभावशाली बनाने का प्रयास करें। इसके लिए भारत के पास इस समय अवसर भी हैं तथा पर्याप्त संसाधन भी उपलब्ध हैं।

●●●



जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35(ए) पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय : संवैधानिक एकीकरण की दिशा में एक सही कदम

डॉ. श्याम सुंदर सिंह चौहान

11 दिसम्बर, 2023 को सर्वोच्च न्यायालय की 5 सदस्यीय संविधान पीठ द्वारा सुनाए गए ऐतिहासिक निर्णय के साथ ही 'दो ध्वज, दो प्रधान और दो संविधान' की सात दशक पुरानी प्रणाली समाप्त हो गई और 'एक राष्ट्र, एक निशान', 'एक विधान' की अवधारणा स्थापित हुई. जैसा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने माना था. 'एक ध्वज, एक प्रधान, एक विधान' के समर्थक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के लिए राष्ट्रहित से ऊपर कुछ भी नहीं था. भारत की अखंडता के लिए उनके बलिदान और संघर्ष ने कश्मीर और बंगाल को देश का अभिन्न अंग बनाए रखा. डॉ. मुखर्जी राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में स्वदेशी नीतियों के प्रबल समर्थक थे. अनुच्छेद 370 और 35ए से मुक्ति के साथ ही डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 'एक देश, एक संविधान और एक राष्ट्र प्रधान' का संकल्प आजादी के 70 वर्ष बाद साकार हो गया.

केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और केन्द्रशासित प्रदेश लद्दाख में सभी केन्द्रीय कानूनों को लागू करने के बाद, भारत के संविधान के अनुरूप जम्मू-कश्मीर केन्द्रशासित प्रदेश में 890 केन्द्रीय कानून लागू किए गए, 205 राज्य कानून निरस्त किए गए और 130 राज्य कानूनों को संशोधित किया गया.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि अनुच्छेद 370 और 35ए पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय ने संवैधानिक एकता को बढ़ावा दिया है. उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय ने 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत किया है. प्रधानमंत्री ने कहा कि अपने ऐतिहासिक निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने भारत की सम्प्रभुता और अखंडता को बरकरार रखा है. यह ऐसी भावना है, जिसे प्रत्येक भारतीय ने सदैव संजोया है. जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की खूबसूरती का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इन क्षेत्रों की शांत वादियाँ, बर्फ से ढके पहाड़, पीड़ियों से कवियों, कलाकारों और हर भारतीय के दिल को मंत्रमुग्ध करते रहे हैं.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "11 दिसम्बर को अपने फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने हमें याद दिलाया है कि जो चीज हमें परिभाषित करती है वह एकता के बंधन और सुशासन के प्रति साझा प्रतिबद्धता है. आज, जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में हर बच्चा एक साफ कैनवास के साथ जन्म लेता है, जहाँ वह जीवंत आकांक्षाओं से भरे भविष्य को चित्रित कर सकता है. आज लोगों के सपने अतीत के कैदी नहीं, बल्कि भविष्य की सम्भावनाओं के बारे में हैं. आखिरकार, विकास, लोकतंत्र और गरिमा ने मोहभंग, निराशा और हताशा का स्थान ले लिया है."

सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय ने उस अध्याय को समाप्त कर दिया, जो 1947 में जम्मू और कश्मीर के भारत में विलय के साथ निहित स्वार्थों को पूरा करने के लिए लिखा गया था, ऐसे समय में जब क्षेत्र का राजनीतिक भविष्य अनिश्चित था, न्यायाधीशों ने उस अनुच्छेद पर फैसला सुनाते हुए इसे निरस्त करने को राष्ट्रपति द्वारा शक्ति को पूरी तरह से वैध निर्णय घोषित किया. 370 हमेशा एक अस्थायी प्रावधान माना जाता था.

इस प्रकार, संवैधानिक एकीकरण की प्रक्रिया, जो 5 अगस्त, 2019 को भारत के राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को निरस्त करने और संसद द्वारा विधिवत् मंजूरी देने के साथ शुरू हुई, इस ऐतिहासिक निर्णय के माध्यम से पूरी हुई है.

भारतीय संविधान के सभी प्रावधानों को जम्मू-कश्मीर में लागू करने और अनुच्छेद 370 को समाप्त करने के लिए राष्ट्रपति द्वारा अगस्त 2019 में जारी किए गए दो संवैधानिक आदेशों (सीओ) की वैधता के बारे में संविधान पीठ के सभी न्यायाधीश एकमत थे, कि इन्हें लागू करने के लिए राष्ट्रपति को अनुच्छेद 370 के तहत अधिसूचित करने से पहले कि 'यह अनुच्छेद लागू नहीं रहेगा', जम्मू-कश्मीर संविधान सभा (जिसे 1957 में भंग कर दिया गया था) या जम्मू-कश्मीर विधान सभा की मंजूरी प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं है.

"अनुच्छेद 370(3) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति द्वारा जारी घोषणा एकीकरण की प्रक्रिया की परिणति है. इस प्रकार, हमें नहीं लगता कि अनुच्छेद 370(3) के तहत राष्ट्रपति द्वारा शक्ति का प्रयोग दुर्भावनापूर्ण था," सर्वोच्च न्यायालय ने कहा.

संवैधानिक एकीकरण की अवधारणा

बैतूल असलान के अनुसार, "संवैधानिक एकीकरण का अर्थ है सम्पूर्ण संवैधानिक मानदंडों के अनुसार सभी कानूनी नियमों के

बीच कानूनी सामंजस्य और कानूनी सिद्धांत और व्यवहार में संवैधानिक लक्ष्यों के खिलाफ कोई कानूनी संघर्ष न हो. कानूनी सामंजस्य की गुणवत्ता का अर्थ कानूनी मानदंडों की समान स्थापना नहीं है.

संवैधानिक एकीकरण निम्नलिखित उपकरणों से स्थापित किया जा सकता है—

1. कानूनी नियमों की संवैधानिक व्याख्या—यह आन्तरिक और बाह्य संवैधानिक मानदंडों की धुरी में संवैधानिक नियमों सहित कानूनी मानदंडों की व्याख्या के साथ संविधान को उसके कानूनी अर्थ में मजबूत बनाता है. इसलिए, संविधान से बचना संवैधानिक मानदंडों द्वारा बाधित है और प्राधिकारियों के ज्ञात कर्तव्यों को प्रदान करने वाले संवैधानिक खुलेपन की प्राप्ति के कारण संविधान द्वारा बनाए गए अन्य कानूनी मानदंडों द्वारा समर्थित है. संविधान का उसकी अक्षरशः भावना में कार्यान्वयन शर्तों और उनके सन्दर्भों की स्पष्टता पर निर्भर करता है.

2. संवैधानिक नियमों के विरुद्ध कानूनी कमियों की क्षतिपूर्ति—यह स्पष्ट है कि 'संवैधानिक एकीकरण' अन्य कानूनी मानदंडों के भीतर संवैधानिक उद्देश्यों को दर्शाता है, लेकिन पूरा करने का उपकरण सम्बन्धित मानदंडों के दायरे से प्रतिबंधित है, क्योंकि मानदंडों का एक विशिष्ट दायरा है और वे संवैधानिक नियमों के तहत अनुमत अपने दायरे के भीतर कानूनी जीवन का आदेश देते हैं.

3. सभी कानूनी मानदंडों के बीच सहयोग—संवैधानिक एकीकरण का बाह्य दृष्टिकोण सभी कानूनी मानदंडों के बीच सहयोग का एक मिशन है. कई कारकों की एकता संवैधानिक मानदंडों और कानूनी नियमों के संवैधानिक एकीकरण द्वारा संवैधानिक एकजुटता भी स्थापित करती है.

पृष्ठभूमि

अनुच्छेद 370, जो अक्टूबर 1949 में लागू हुआ, ने कश्मीर को आन्तरिक प्रशासन की स्वायत्तता प्रदान की, जिससे उसे वित्त, रक्षा, विदेशी मामलों और संचार को छोड़कर सभी मामलों में अपने कानून बनाने की शक्ति प्राप्त हुई. भारत सरकार ने कानूनी तौर पर जम्मू-कश्मीर के लिए एक पृथक् संविधान और एक पृथक् ध्वज के साथ अपने प्रधानमंत्री की अनुमति दी. राज्य में बाहरी लोगों को सम्पत्ति के अधिकार से वंचित कर दिया गया.

1954 में अनुच्छेद 370 के साथ अनुच्छेद 35ए, एक और प्रावधान जोड़ा गया, जिसने राज्य की विधायिका को राज्य के स्थायी निवासियों के लिए विशेष अधिकार और विशेषाधिकार सुनिश्चित करने का अधिकार

प्रदान किया. पूरे देश के लिए बनाए गए अनेक कानून जम्मू-कश्मीर राज्य में लागू नहीं होते थे.

अनुच्छेद 370 के प्रावधानों के अनुसार, संसद को जम्मू और कश्मीर के लिए रक्षा, विदेश मामले और संचार के सम्बन्ध में कानून बनाने का अधिकार था, लेकिन किसी अन्य विषय से सम्बन्धित कानून बनाने के लिए केन्द्र सरकार को राज्य की सहमति लेनी पड़ती थी. भारत की संसद जम्मू-कश्मीर के सम्बन्ध में केवल सीमित विषयों पर ही कानून बना सकती थी. अनुच्छेद 370 के कारण भारत के संविधान के अधिकांश अनुच्छेद जम्मू-कश्मीर राज्य पर लागू नहीं होते थे. दूसरे राज्यों के लोग जम्मू-कश्मीर में जमीन नहीं खरीद सकते थे. इसी प्रकार, भारत के संविधान के अनुच्छेद 360 में निहित वित्तीय आपातकाल का प्रावधान जम्मू और कश्मीर पर लागू नहीं होता था. केन्द्रीय सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 भी जम्मू-कश्मीर पर लागू नहीं होता था. जम्मू-कश्मीर की विधान सभा का कार्यकाल 6 वर्ष होता था, जबकि अन्य राज्यों की विधान सभा का कार्यकाल 5 वर्ष होता है.

अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को निरस्त करने पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के मुख्य तथ्य

सर्वोच्च न्यायालय की 5 सदस्यीय संविधान पीठ, जिसकी अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने की, ने 11 दिसम्बर, 2023 को सर्वसम्मति से अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की राष्ट्रपति की शक्ति को बरकरार रखा, जिससे जम्मू और कश्मीर के पूर्ण राज्य का पुनर्गठन कर 2 केन्द्रशासित प्रदेशों—जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया और जम्मू एवं कश्मीर राज्य को प्राप्त विशेष विशेषाधिकार समाप्त कर दिए गए. 5 सदस्यीय संविधान पीठ ने तीन अलग-अलग निर्णय दिए, एक मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ (स्वयं के लिए), न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा दिया गया. न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने इस मुद्दे पर अलग-अलग और सहमति वाले निर्णय लिखे.

सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के मुख्य तथ्य निम्नलिखित हैं—

- यदि 'विशेष परिस्थितियों में "विशेष समाधान की आवश्यकता होती है" तो राष्ट्रपति के पास अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की शक्ति थी.
- अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का प्रस्ताव दुर्भावनापूर्ण नहीं है. यह शक्ति का वैध प्रयोग है.

- न्यायालय राष्ट्रपति के निर्णय के विरुद्ध की गई अपील पर खामोश नहीं रह सकता कि क्या जिन विशेष परिस्थितियों के कारण अनुच्छेद 370 के तहत व्यवस्था की गई थी, उनका अस्तित्व समाप्त हो गया है.
- अनुच्छेद 370 को निरस्त करना जम्मू और कश्मीर को संघ के साथ एकीकृत करने के लिए केन्द्र और राज्य के बीच पिछले 70 वर्षों में फँसे 'क्रमिक और सहयोगात्मक अभ्यास' की परिणति थी. एकीकरण प्रक्रिया का उद्देश्य भारतीय संविधान में निहित सम्पूर्ण अधिकारों और दायित्वों को जम्मू और कश्मीर के लोगों पर लागू करना था.
- न्यायालय ने जम्मू-कश्मीर के संविधान को 'निरर्थक' और 'निष्क्रिय' घोषित कर दिया.
- भारत का संविधान संवैधानिक शासन व्यवस्था के लिए एक पूर्ण संहिता है.
- न्यायालय ने भारत के निर्वाचन आयोग को 30 सितम्बर, 2024 तक जम्मू-कश्मीर विधान सभा चुनाव कराने का निर्देश दिया.
- न्यायालय ने यह जाँचना अनावश्यक पाया कि क्या राज्य का 2 केन्द्रशासित प्रदेशों लद्दाख और जम्मू और कश्मीर में पुनर्गठन स्वीकार्य था. संविधान पीठ ने जम्मू-कश्मीर राज्य से केन्द्रशासित प्रदेश लद्दाख के गठन को भी बरकरार रखा.
- मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "हमें यह निर्धारित करना जरूरी नहीं लगता कि जम्मू-कश्मीर राज्य का 2 केन्द्रशासित प्रदेशों लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में

पुनर्गठन अनुच्छेद 3 के तहत स्वीकार्य है या नहीं."

- मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "हालाँकि, हम स्पष्टीकरण के साथ पढ़े गए अनुच्छेद 3 (ए) के मद्देनजर केन्द्रशासित प्रदेश लद्दाख को अलग करने के निर्णय की वैधता को बरकरार रखते हैं, जो किसी भी राज्य से एक क्षेत्र को अलग करके केन्द्रशासित प्रदेश बनाने की अनुमति देता है."
- राष्ट्रपति शासन के दौरान राज्य की ओर से केन्द्र द्वारा लिए गए हर फैसले को चुनौती नहीं दी जा सकती, न्यायालय ने कहा, "भले ही यह अदालत मानती है कि अनुच्छेद 356 के तहत उद्घोषणा जारी नहीं की जा सकती थी, इस तथ्य के मद्देनजर कोई भौतिक राहत नहीं दी जा सकती कि जम्मू और कश्मीर राज्य में 31 अक्टूबर, 2019 को राष्ट्रपति शासन हटा दिया गया था."
- अक्टूबर 1947 में संघ में विलय के दस्तावेज के निष्पादन के बाद जम्मू और कश्मीर ने खुद को 'सम्प्रभुता के किसी भी तत्व' से अलग कर लिया था.
- जम्मू और कश्मीर राज्य के पास देश के अन्य राज्यों द्वारा प्राप्त शक्तियों और विशेषाधिकारों से अलग कोई 'आन्तरिक सम्प्रभुता' नहीं है.
- अधिक-से-अधिक, जम्मू और कश्मीर के लिए विशेष विशेषाधिकार और यहाँ तक कि एक अलग संविधान केवल 'असममित संघवाद की विशेषता थी न कि सम्प्रभुता'.
- अनुच्छेद 370 आन्तरिक कलह और युद्ध के समय तत्कालीन रियासत के संघ में

निर्णय के मुख्य बिन्दु

- सर्वोच्च न्यायालय ने जम्मू-कश्मीर से केन्द्रशासित प्रदेश लद्दाख बनाने के फैसले की वैधता बरकरार रखी.
- सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के लिए संवैधानिक आदेश जारी करने की राष्ट्रपति की शक्ति के प्रयोग को वैध माना.
- संविधान का अनुच्छेद 370 अस्थायी था, इसे रद्द करने की राष्ट्रपति की शक्ति अभी भी विद्यमान है.
- जम्मू-कश्मीर के पास देश के अन्य राज्यों से अलग आन्तरिक सम्प्रभुता नहीं है.
- जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन गया, यह संविधान के अनुच्छेद 1 और 370 से स्पष्ट है.
- सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रपति द्वारा राज्य की बजाय संघ की सहमति की माँग को वैध माना, भारतीय संविधान के सभी प्रावधान जम्मू और कश्मीर पर लागू हो सकते हैं.
- जब जम्मू और कश्मीर की संविधान सभा का अस्तित्व समाप्त हो गया, तो विशेष शर्त जिसके लिए अनुच्छेद 370 लागू किया गया था, का अस्तित्व भी समाप्त हो गया.
- जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा की सिफारिश भारत के राष्ट्रपति के लिए बाध्यकारी नहीं थी.
- सर्वोच्च न्यायालय ने निर्देश दिया कि केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में राज्य का दर्जा जल्द-से-जल्द बहाल किया जाना चाहिए.

विलय को आसान बनाने के लिए केवल एक 'अस्थायी प्रावधान' था.

- अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की संसद या राष्ट्रपति की शक्ति 1957 में जम्मू और कश्मीर की संविधान सभा के विघटन के साथ समाप्त नहीं हुई.
- जब संविधान सभा भंग हो गई, तो केवल अनुच्छेद 370 (3) के प्रावधानों में मान्यता प्राप्त संक्रमणकालीन शक्ति, जो संविधान सभा को अपनी सिफारिशें करने का अधिकार देती थी, अस्तित्व में नहीं रही. इससे अनुच्छेद 370 (3) के तहत राष्ट्रपति को प्राप्त शक्ति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा.
- अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की सिफारिश करने की केवल जम्मू-कश्मीर संविधान सभा की शक्ति इसके विघटन के साथ समाप्त हो गई. अनुच्छेद 370(3) के तहत अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की राष्ट्रपति की शक्ति कायम रही.
- संविधान के सभी प्रावधानों को जम्मू और कश्मीर में लागू करते समय राष्ट्रपति को अनुच्छेद 370(1) (डी) के दूसरे प्रावधान के तहत राज्य सरकार की ओर से कार्य करने वाली राज्य सरकार या केन्द्र सरकार की सहमति प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं थी, क्योंकि शक्ति का ऐसा प्रयोग अनुच्छेद 370(3) के तहत शक्ति के प्रयोग के समान ही प्रभाव डालता है जिसके लिए राज्य सरकार की सहमति या सहयोग की आवश्यकता नहीं थी.

इस प्रकार, सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय ने पूरे देश के लिए संवैधानिक सम्प्रभुता स्थापित की. अब देश का कोई भी हिस्सा संविधान, राष्ट्रीय ध्वज और प्रतीक चिह्न से ऊपर नहीं है. जम्मू और कश्मीर के लोगों को अब वही अधिकार और विशेषाधिकार प्राप्त हैं, जो भारत के बाकी नागरिकों को प्राप्त हैं. वास्तव में यह निर्णय देश की विभाजनकारी ताकतों के लिए एक सबक है, जो प्रायः राज्य की आजादी और स्वायत्तता की बात करते रहते हैं. मूलरूप से, भारत एक अर्द्ध-संघीय राज्य है जिसमें राज्यों को विधायी, कार्यकारी और न्यायिक प्रणाली के साथ-साथ भारत के संविधान की 7वीं अनुसूची की तीन सूचियों में परिभाषित अधिकारों और दायित्वों का उल्लेख है और वे उनका उपयोग करते हैं.

सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय संघीय सन्तुलन को संघ के पक्ष में झुकाता है
वर्तमान निर्णय ने मौजूदा राज्य को विभाजित करके नए राज्य/केन्द्रशासित

प्रदेश के निर्माण के मामले में राज्यों पर केन्द्र सरकार की सर्वोच्चता को वैधता प्रदान कर दी है. यह निर्णय देते हुए कि यदि राज्य राष्ट्रपति शासन के अधीन है, तो संसद प्रभावी रूप से, एकतरफा रूप से राज्य की स्थिति को केन्द्रशासित प्रदेश में बदल सकती है, सर्वोच्च न्यायालय ने, संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को बरकरार रखते हुए, संघीय सन्तुलन को संघ के पक्ष में झुका दिया है.

आमतौर पर, भारत के राष्ट्रपति आवश्यक रूप से ऐसे कानून को सम्बन्धित राज्य विधानमण्डल को 'अपने विचार व्यक्त करने' के लिए सन्दर्भित करते हैं, जैसा कि संविधान के अनुच्छेद 3 में अनिवार्य है, जो नए राज्यों के गठन और क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में परिवर्तन से सम्बन्धित है. मौजूदा राज्य जम्मू और कश्मीर के मामले में, भारत के राष्ट्रपति ने जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन विधेयक, 2019 को संसद के विचारार्थ भेजा, क्योंकि राज्य राष्ट्रपति शासन के अधीन था. राष्ट्रपति शासन के तहत संसद 'विधानमण्डल की शक्तियों' का प्रयोग करती है.


5 अगस्त, 2019 को लोक सभा और राज्य सभा ने इस सम्बन्ध में निम्नलिखित संकल्प स्वीकार किया. "भारत के राष्ट्रपति ने जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन विधेयक, 2019 को भारत के संविधान के अनुच्छेद 3 के प्रावधानों के तहत इस सदन को अपने विचारों के लिए भेजा है, क्योंकि यह सदन जम्मू और कश्मीर के राज्य विधानमण्डल की शक्तियों के साथ निहित है, भारत के राष्ट्रपति की 19 दिसम्बर, 2018 की उद्घोषणा के अनुसार. यह सदन जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन विधेयक, 2019 को स्वीकार करने के लिए विचार व्यक्त करने का संकल्प लेता है.

भविष्य में, कोई भी शक्तिशाली सरकार (संसद के दोनों सदनों में आवश्यक बहुमत के साथ) राजनीतिक वादे को पूरा करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के आधार पर इस शक्ति का दुरुपयोग कर सकती है, ताकि किसी भी राज्य के विभाजन या विलय के माध्यम से एक नया राज्य या एक नया केन्द्रशासित प्रदेश बनाया जा सके. यह संविधान के संघीय चरित्र के साथ-साथ देश को भी कमजोर कर सकता है, लेकिन इतना तो स्पष्ट है ही कि सर्वोच्च न्यायालय के इस कालजयी निर्णय ने संवैधानिक एकीकरण की भावना को मजबूत बनाया है. इस निर्णय से देशवासियों को यह विश्वास हो गया है कि देश भारतीय संविधान के प्रावधानों से चलता है. तुष्टीकरण की नीति के तहत किसी जाति, धर्म, क्षेत्र को पृथक् से कोई विशेषाधिकार प्रदान नहीं किया जा सकता.

●●●

Read Upkar's
EARN TO WRITE
CORRECT ENGLISH

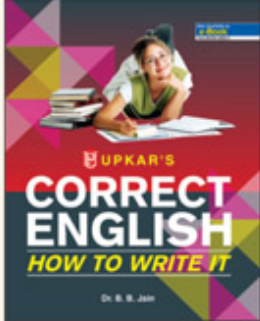
(English-Hindi Medium)



Code 394 ₹ 295.00

CORRECT ENGLISH :
HOW TO WRITE IT


(English Medium)



Code 448 ₹ 240.00

EARN TO WRITE
CORRECT ENGLISH

(English-Bangla)



Code 481 ₹ 275.00

By : Dr. B.B. Jain

As the Latest and All
Comprehensive Books
for
All Competitive
Examinations.

Purchase from nearest bookseller or get the copy by
V.P.P. sending M. O. of ₹100/- on the following address

UPKAR PRAKASHAN, AGRA-5



विशुद्ध शून्य (नेट जीरो) : लेकिन कैसे?

डॉ. के. पी. सिंह

यह अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सहमति है कि सबसे खराब जलवायु क्षति को रोकने के लिए, वैश्विक शुद्ध मानव-जनित कार्बन डाइऑक्साइड (CO₂) उत्सर्जन को 2030 तक 2010 के स्तर से लगभग 45 प्रतिशत कम करने की आवश्यकता है, जो 2050 के आसपास शुद्ध शून्य तक पहुँच जाएगा। ग्लोबल वार्मिंग संचयी CO₂ उत्सर्जन के समानुपाती है, जिसका अर्थ है कि ग्रह (पृथ्वी) का वायुमण्डल तब तक गर्म होता रहेगा, जब तक कार्बन डाइऑक्साइड का वैश्विक उत्सर्जन निवल शून्य से अधिक रहेगा। इसका तात्पर्य यह है कि जब तक उत्सर्जन जारी रहेगा, वैश्विक तापन के कारण होने वाली जलवायु क्षति बढ़ती रहेगी।

विशुद्ध शून्य (नेट जीरो)—नेट जीरो का तात्पर्य उत्पादित ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) की मात्रा और वायुमण्डल से हटाई गई जीएचजी की मात्रा के बीच सन्तुलन से है। इसे उत्सर्जन में कमी और उत्सर्जन समापन के संयोजन के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। विशुद्ध शून्य का अर्थ ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को शून्य स्तर पर लाने से नहीं है।

देशों और कम्पनियों से लेकर व्यक्तियों तक, जलवायु परिवर्तन से निपटना विचार विमर्श के एजेंडे में सबसे ऊपर है। अगले दशक में उत्सर्जन को सीमित करने के लिए की गई कार्रवाई भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होगी, यही कारण है कि प्रत्येक देश, क्षेत्र, उद्योग और हममें से प्रत्येक को हमारे द्वारा उत्पादित कार्बन में कटौती करने के तरीके खोजने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

पृथ्वी के वायुमण्डल से कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों को हटाने की वैश्विक दौड़ जारी है। दौंव अधिक ऊँचे नहीं हो सकते; मानव कार्रवाई से जारी उत्सर्जन पृथ्वी पर विनाशकारी प्रभाव डाल रहा है और जन जीवन को एक अपरिवर्तनीय जलवायु संकट की ओर धकेल रहा है।

दुनिया की प्रमुख सरकारें, वैज्ञानिक और उद्योग प्रमुख सभी इस बात से सहमत हैं कि आगे ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए तत्काल कार्रवाई आवश्यक है। आम सहमति यह है कि दुनिया को 2030 तक मानव जनित कार्बन डाइऑक्साइड (CO₂) उत्सर्जन को लगभग आधा करके और 2050 तक शुद्ध शून्य स्तर तक पहुँचकर वैश्विक औसत तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना चाहिए।

प्रतियोगिता दर्पण/फरवरी/2024/78

ग्लोबल वार्मिंग के खतरे

साक्ष्यों से पता चलता है कि पृथ्वी गर्म हो रही है, वैश्विक औसत तापमान अब पूर्व-औद्योगिक युग की तुलना में 1.2 डिग्री सेल्सियस अधिक है। 1.2 डिग्री सेल्सियस ज्यादा नहीं लगता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि सम्पूर्ण जीवित संघटक—मनुष्य, जानवर और अन्य जीव और वनस्पतियाँ पहले से ही वृद्धिशील वार्मिंग के प्रभावों को महसूस कर रही हैं, जिसमें अनियमित मौसम पैटर्न भी शामिल हैं—जैसे लू और अत्यधिक गर्म हवाएं (Heat wave), बाढ़ और गम्भीर तूफान—ध्रुवीय बर्फ/ग्लेशियरों का नुकसान, महासागरों का अम्लीकरण और समुद्र के जल स्तर में वृद्धि। दुनिया भर में मौजूदा नीतियों के आधार पर वैश्विक तापमान 2100 तक 2.7 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की राह पर है, जो पृथ्वी के कुछ हिस्सों को रहने योग्य नहीं बना सकता है।

विशुद्ध शून्य (नेट जीरो) ग्लोबल वार्मिंग को रोक सकता है

2015 के पेरिस समझौते में, वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की सरकारों ने माना कि पृथ्वी का तापमान 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे की वृद्धि तक सीमित होना चाहिए और आदर्श रूप से पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं होना चाहिए। इस ग्लोबल वार्मिंग को सीमित करने के लिए, एक निर्धारित अवधि के भीतर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, जैसे—CO₂, CH₄, NO, CFC, PFC आदि में उल्लेखनीय कमी किए जाने की आवश्यकता होगी।

यहीं पर शुद्ध शून्य की अवधारणा महत्वपूर्ण हो जाती है; यह सुनिश्चित करके कि वायुमण्डल में प्रतिक्षण छोड़े जा रहे ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन की मात्रा उसको अवशोषित किए जाने की शक्ति/मात्रा के बराबर है। ग्लोबल वार्मिंग में योगदान देने वाले हानिकारक उत्सर्जन की मात्रा को महत्वपूर्ण रूप से कम करने में किसी एक देश की पहल से काम नहीं चलेगा, बल्कि सामूहिक और सतत् प्रयास करने होंगे।

2021 ग्लासगो जलवायु संधि (CoP 26), शर्म अल शेख, मिस्र संधि (CoP 27) और दुबई जलवायु संधि (CoP 28) ने माना कि 2050 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन तक पहुँचना आवश्यक है और तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रखने की कुंजी है।

राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान

पेरिस समझौते (2015) ने सभी देशों के लिए उत्सर्जन कम करने की अपनी योजनाएं निर्धारित करने के लिए एक प्रक्रिया स्थापित की। इन्हें राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के रूप में जाना जाता है, जिसमें कई सरकारों ने शुद्ध शून्य प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

इनमें से कुछ एनडीसी को कानूनी दर्जा प्रदान किया गया है अर्थात् अगर वे नहीं पहुँचे, तो दंड का प्रावधान है; उदाहरण के लिए, 2019 में यूके 2050 तक कानूनी रूप से शुद्ध शून्य लक्ष्य निर्धारित करने का लक्ष्य घोषित करने वाली पहली प्रमुख अर्थव्यवस्था थी। इस प्रक्रिया में अन्य देश आस्ट्रेलिया, कनाडा, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, जापान, कोरिया गणराज्य, रूसी संघ शामिल हो गए हैं। अन्य देशों (जैसे कि अर्जेंटीना, ब्राजील, चीन, भारत, इंडोनेशिया, इटली, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, संयुक्त राज्य अमरीका) के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान लक्ष्य कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं हैं, लेकिन फिर भी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय प्रतिबद्धताओं को प्रदर्शित करते हैं, जैसे यूके और यूएस ने 2035 तक 100% स्वच्छ बिजली का लक्ष्य रखा है।

नवीकरणीय ऊर्जा का अधिकतम उपयोग करना

नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में निवेश और उपयोग करने से हीटिंग और बिजली उत्पादन से होने वाले वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के 40% से अधिक को काफी हद तक कम किया जा सकेगा।

कार्बन हटाना, सिर्फ कम करना नहीं

शुद्ध शून्य तक पहुँचने की क्षमता न केवल ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में कटौती पर निर्भर करती है, बल्कि पृथ्वी के वायुमण्डल से CO₂ की मात्रा को कम करने पर भी निर्भर करती है।

जिन विकल्पों की खोज की जा रही है वे तकनीकी और जैविक कार्बन पृथक्करण उपाय हैं, जहाँ कार्बन डाइऑक्साइड को पृथ्वी के वायुमण्डल से लिया और संगृहीत किया जाता है। इनमें हमारे महासागरों और घास के मैदानों के संरक्षण (क्योंकि ये वायुमण्डल से अधिक कार्बन अवशोषित करते हैं—जिन्हें 'कार्बन सिंक' भी कहा जाता है), साथ ही पुनर्नवीकरण और भूवैज्ञानिक कार्बन कैप्चर और भण्डारण (सीसीएस) जैसे तरीके शामिल हैं।

विशुद्ध-शून्य प्रतिज्ञाओं की संख्या में वृद्धि जारी है, लेकिन उनके कार्यान्वयन के प्रति विश्वास कम है

25 सितम्बर, 2023 तक, वैश्विक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन के लगभग 81 प्रतिशत

विशुद्ध शून्य (नेट जीरो) से सम्बन्धित महत्वपूर्ण शब्दावली

निरपेक्ष शून्य/शून्य उत्सर्जन (Absolute Zero/Zero Emissions)—सभी क्षेत्रों में प्रदूषण फैलाने वाले देशों/क्षेत्रों की गतिविधियों के लिए कोई भी ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन जिम्मेदार नहीं है। इस परिभाषा के तहत, अवशोषण के साथ अवशिष्ट उत्सर्जन की कोई भरपाई या सन्तुलन का उपयोग नहीं किया जाता है। यह एक वैध अंतिम-राज्य लक्ष्य है।

जलवायु तटस्थ (Climate Neutral)—ऐसी स्थिति जिसमें प्रदूषण फैलाने वाले देशों/क्षेत्रों की गतिविधियों के परिणामस्वरूप जलवायु प्रणाली पर कोई शुद्ध प्रभाव नहीं पड़ता है। किसी भी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन या वार्मिंग प्रभाव वाली अन्य गतिविधियों की पूरी भरपाई ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में कटौती या अवशोषण या शीतलन प्रभाव वाली अन्य गतिविधियों द्वारा की जाती है—समय अवधि या उत्सर्जन और निष्कासन (रिमूवल) के सापेक्ष परिमाण के बावजूद। यह ग्रीनहाउस गैस तटस्थ का एक निकट पर्यायवाची है, लेकिन जलवायु तटस्थ में गैर-ग्रीन हाउस गैस विकिरणकारी प्रभाव भी शामिल है, जैसे—अल्बेडो प्रभाव के साथ भूमि उपयोग में परिवर्तन। यह एक वैध अंतिम-राज्य लक्ष्य नहीं है, क्योंकि इसमें 'पसंद के लिए पसंद' ('like for like') संतुलन की आवश्यकता नहीं है, बल्कि एक सम्भावित मध्यवर्ती कदम है।

ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) तटस्थ (GHG Neutral)—वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में प्रदूषण फैलाने वाले देशों/क्षेत्रों का शुद्ध योगदान शून्य होता है। प्रदूषण फैलाने वाले देशों/क्षेत्रों की गतिविधियों के कारण होने वाले किसी भी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की पूरी तरह से प्रदूषण फैलाने वाले देशों/क्षेत्रों द्वारा दावा किए गए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कटौती या निष्कासन (Removal) द्वारा पूरी तरह से मुआवजा दिया जाता है—समय अवधि या उत्सर्जन और निष्कासन (रिमूवल) के सापेक्ष परिमाण के बावजूद। यह एक वैध अंतिम-राज्य लक्ष्य नहीं है, क्योंकि इसमें 'पसंद के लिए पसंद' ('like for like') संतुलन की आवश्यकता नहीं है, बल्कि एक सम्भावित मध्यवर्ती कदम है।

कार्बन तटस्थ (Carbon Neutral)—वैश्विक CO₂ उत्सर्जन में प्रदूषण फैलाने वाले देशों/क्षेत्रों का निवल योगदान शून्य होता है। किसी प्रदूषण फैलाने वाले देशों/क्षेत्रों की गतिविधियों के कारण होने वाले किसी भी CO₂ उत्सर्जन की भरपाई विशेष रूप से अभिनेता द्वारा दावा किए गए CO₂ कटौती या निष्कासन (Removal) से की जाती है—समय अवधि या उत्सर्जन और निष्कासन के सापेक्ष परिमाण के बावजूद। यह एक वैध अंतिम-राज्य लक्ष्य नहीं है, क्योंकि यह केवल कार्बन को सन्दर्भित करता है, जो एक सम्भावित मध्यवर्ती कदम है।

जलवायु सकारात्मक/शुद्ध नकारात्मक (Climate Positive/Net Negative)—प्रदूषण फैलाने वाले देशों/क्षेत्रों का ग्रीनहाउस गैस निष्कासन (Removal), आन्तरिक और बाह्य, उसके उत्सर्जन से अधिक है और कोई भी निष्कासन 'जैसे के समान' है। एक घोषित समय अवधि में निर्दिष्ट किया जाना चाहिए और क्या निष्कासन और उत्सर्जन संचयी हैं या केवल निर्दिष्ट समय अवधि का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह एक वैध अंतिम-राज्य लक्ष्य है।

कार्बन नकारात्मक (Carbon Negative)—प्रदूषण फैलाने वाले देशों/क्षेत्रों का कार्बन निष्कासन (Removal), आन्तरिक और बाह्य, उसके उत्सर्जन से अधिक होता है और कोई भी निष्कासन 'जैसे के समान' होता है। एक घोषित समय अवधि में निर्दिष्ट किया जाना चाहिए, और क्या निष्कासन और उत्सर्जन संचयी हैं या केवल निर्दिष्ट समय अवधि का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह एक वैध अंतिम-राज्य लक्ष्य नहीं है, क्योंकि यह केवल कार्बन को सन्दर्भित करता है, जो एक सम्भावित मध्यवर्ती कदम है।

1.5 डिग्री सेल्सियस संरेखित (1.5°C Aligned)—यह लक्ष्य उन परिदृश्यों के साथ संरेखित किया गया है, जो 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे दीर्घकालिक वार्मिंग परिणाम देते हैं, जिसमें कुछ सम्भावना (जैसे—50%, 66%) और कुछ मात्रा में ओवरशूट (उदाहरण के लिए नहीं, कम) होता है, दोनों को होना चाहिए स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट किया जाए।

विज्ञान-आधारित/पेरिस-संरेखित (Science-Based/Paris-Aligned)—यह लक्ष्य उस तथ्य के अनुरूप है जिसे नवीनतम जलवायु विज्ञान पेरिस समझौते के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक मानता है—ग्लोबल वार्मिंग को पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे सीमित करना और वार्मिंग को 1.5 डिग्री तक सीमित करने के प्रयासों को आगे बढ़ाना, के बिना या कम ओवरशूट के।

ऑफसेटिंग (Offsetting)—ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना (बचाए गए उत्सर्जन सहित), या जीएचजी उत्सर्जन की भरपाई के लिए प्रदूषक से बाहरी गतिविधियों के माध्यम से ग्रीनहाउस गैस रिमूवल को बढ़ाना, ताकि वैश्विक उत्सर्जन में प्रदूषण फैलाने वाले देशों/क्षेत्रों का निवल योगदान कम हो जाए। ऑफसेटिंग की व्यवस्था आमतौर पर कार्बन क्रेडिट या अन्य विनियम तंत्र के लिए बाजार के माध्यम से की जाती है।

इनसेटिंग (Insetting)—ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना (बचाए गए उत्सर्जन सहित), या जीएचजी उत्सर्जन की भरपाई के लिए प्रदूषण फैलाने वाले देशों/क्षेत्रों के दायरे 1, 2, या 3 उत्सर्जन के माध्यम से जीएचजी निष्कासन (Removal) को बढ़ाना, ताकि वैश्विक उत्सर्जन में एक अभिनेता का निवल योगदान कम हो जाए।

तटस्थीकरण (Neutralization)—प्रदूषण फैलाने वाले देशों/क्षेत्रों की उत्सर्जन सूची के बाहर ग्रीनहाउस गैस निष्कासन (Green House Gas Removal), जो अवशिष्ट ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को संतुलित करता है जैसे कि वैश्विक उत्सर्जन में प्रदूषण फैलाने वाले देशों/क्षेत्रों का निवल योगदान कम या समाप्त हो जाता है। इसमें ऑफसेटिंग शामिल हो सकती है, लेकिन प्रदूषण फैलाने वाले देशों/क्षेत्रों द्वारा अपनी मूल्य मंखला के बाहर की जाने वाली अन्य सभी गतिविधियाँ भी शामिल हैं, जो शमन में योगदान करती हैं। मुआवजे के पर्यायवाची के करीब, लेकिन (Green House Gas Removal) तक सीमित है और अवशिष्ट उत्सर्जन के सन्तुलन के लिए 'जैसे के समान' की आवश्यकता होती है। यदि शुद्ध शून्य स्थिति प्राप्त होने के बाद भी अवशिष्ट उत्सर्जन बना रहता है, तो यह आवश्यक है।

मुआवजा (Compensation)—ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना (बचाए गए उत्सर्जन सहित), या प्रदूषण फैलाने वाले देशों/क्षेत्रों की उत्सर्जन सूची के बाहर गतिविधियों के माध्यम से जीएचजी निष्कासन (Green House Gas Removal) को बढ़ाना, ताकि जीएचजी उत्सर्जन की भरपाई की जा सके ताकि वैश्विक उत्सर्जन में प्रदूषक का शुद्ध योगदान कम हो जाए। इसमें ऑफसेटिंग शामिल है, लेकिन प्रदूषण फैलाने वाले देशों/क्षेत्रों द्वारा अपनी मूल्य मंखला के बाहर की जाने वाली अन्य सभी गतिविधियाँ भी शामिल हैं, जो शमन में योगदान करती हैं। निष्प्रभावीकरण का पर्यायवाची है, लेकिन निष्कासन तक ही सीमित नहीं है और आवश्यक रूप से अवशिष्ट उत्सर्जन के सन्तुलन को 'पसंद के लिए पसंद' नहीं दर्शाता है। यह नेट जीरो में संक्रमण के दौरान सम्भावित रूप से सहायक है।

ग्रीनहाउस गैस कटौती (GHG Reductions)—ऐसी कार्रवाइयाँ, जो आधार रेखा की तुलना में किसी अभिनेता के कारण होने वाली जीएचजी की मात्रा को कम करती हैं। उदाहरण के लिए : जीवाश्म जलाने वाली बिजली को नवीकरणीय ऊर्जा से बदलना, उत्सर्जन-गहन उत्पादों या इनपुट की खपत को कम करना, पारिस्थितिक कार्बन सिंक, कार्बन कैप्चर और भण्डारण (सीसीएस) को नुकसान से बचाना, नवीकरणीय ऊर्जा की तैनाती से उत्सर्जन से बचना आदि।

ग्रीनहाउस गैस निष्कासन (GHG Removal)—ऐसी कार्रवाइयाँ, जो बेसलाइन के सापेक्ष वातावरण से जीएचजी को हटाती हैं। उदाहरण के लिए : वनीकरण और पुनर्वनीकरण, मिट्टी में कार्बन वृद्धि, कार्बन कैप्चर और भण्डारण के साथ बायोएनर्जी (बीईसीएस), प्रत्यक्ष वायु कैप्चर, खनिजकरण या वृद्धिकारी वेदरिंग (Enhanced Weathering) से बचना।

को कवर करने वाले सम्मेलन के 97 दलों ने एनडीसी या दीर्घकालिक रणनीति (54 दलों) जैसे नीति दस्तावेज में या तो कानूनन (27 दलों) शुद्ध-शून्य प्रतिज्ञा को अपनाया था.), या एक उच्चस्तरीय सरकारी प्राधिकारी (16 दलों) द्वारा एक घोषणा में. यह 2022 में 88 पार्टियों से अधिक है. वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का कुल 37 प्रतिशत 2050 या उससे पहले के विशुद्ध-शून्य लक्ष्यों द्वारा कवर किया गया है, जबकि वैश्विक उत्सर्जन का 44 प्रतिशत 2050 के बाद के वर्षों के लिए विशुद्ध-शून्य प्रतिज्ञाओं द्वारा कवर किया गया है.

76 प्रतिशत वैश्विक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार देशों में, जब वैश्विक उत्सर्जन विशुद्ध-शून्य स्तर पर पहुँच जाएगा, तो उसमें जी-20 समूह के देशों की संख्या ही अधिक होगी. उत्साहजनक रूप से, मेक्सिको को छोड़कर सभी G-20 सदस्यों ने विशुद्ध-शून्य लक्ष्य निर्धारित किए हैं और पिछले वर्ष में, कुछ सदस्यों ने अपने लक्ष्यों को मजबूत करने और लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं. कुल मिलाकर, हालाँकि, G-20 सदस्यों के विशुद्ध-शून्य कार्यान्वयन में विश्वास के प्रमुख संकेतकों पर सीमित प्रगति हुई है, जिसमें कानूनी स्थिति, कार्यान्वयन योजनाओं का अस्तित्व और गुणवत्ता और विशुद्ध-शून्य लक्ष्यों के साथ निकट अवधि उत्सर्जन प्रक्षेप पथ का संरेखण शामिल है. सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि G-20 का कोई भी सदस्य वर्तमान में अपने शुद्ध-शून्य लक्ष्यों को पूरा करने के अनुरूप गति से उत्सर्जन में कटौती नहीं कर रहा है.

विशुद्ध-शून्य लक्ष्य अपने दायरे में भिन्न होते हैं, जिनमें से कुछ अर्थव्यवस्था के सभी ग्रीनहाउस गैस और क्षेत्रों पर लागू होते हैं और अन्य क्षेत्रों और गैसों के सबसेट पर लागू होते हैं. कुल 69 शुद्ध-शून्य लक्ष्य सभी क्षेत्रों को कवर करते हैं, जबकि शेष क्षेत्रीय कवरेज निर्दिष्ट नहीं करते हैं. कुल 48 सभी गैसों को कवर करते हैं और 38 निर्दिष्ट नहीं करते हैं. विशुद्ध-शून्य लक्ष्य वाले अधिकांश देश यह निर्दिष्ट करने में विफल रहते हैं कि क्या उनके लक्ष्य अन्तर्राष्ट्रीय शिपिंग और विमानन को कवर करते हैं और क्या वे अन्तर्राष्ट्रीय ऑफसेट के उपयोग की अनुमति देते हैं.

इसी तरह, कुछ विशुद्ध-शून्य रणनीतियाँ अभी भी अपने विशुद्ध-शून्य लक्ष्यों को प्राप्त करने में CO₂ हटाने की भूमिका को स्पष्ट करती हैं, केवल 6 देशों ने उत्सर्जन और अवशोषण के लिए अलग-अलग लक्ष्य निर्धारित

किए हैं. ये देश हैं आस्ट्रेलिया, कोलम्बिया, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन और स्वीडन और कुल मिलाकर वैश्विक उत्सर्जन में इनका हिस्सा 3 प्रतिशत से भी कम है. इसी तरह, दीर्घकालिक रणनीतियों में अवशिष्ट उत्सर्जन को संतुलित करने में CO₂ हटाने की भूमिका पर सीमित विवरण शामिल हैं.

ग्लोबल वार्मिंग और विशुद्ध-शून्य के सम्बन्ध में वैश्विक प्रतिबद्धताएं और कार्रवाइयाँ बढ़ रही हैं, लेकिन वे अभी भी वैश्विक तापमान में वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने और जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों को रोकने के लिए आवश्यक सीमा से कम हैं.

2050 तक वैश्विक विशुद्ध-शून्य रोडमैप इस दुर्जेय और महत्वपूर्ण लक्ष्य तक पहुँचने के लिए एक मार्ग प्रदान करता है, जिसमें आने वाले तीन दशकों में वैश्विक अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के लिए क्या और कब किया जाना चाहिए, इसके लिए 400 से अधिक मील के पत्थर निर्धारित किए गए हैं.

2050 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन हासिल करने के लिए वैश्विक ऊर्जा प्रणाली के पूर्ण परिवर्तन से कम कुछ भी आवश्यक नहीं होगा. इस रोडमैप में सबसे बड़ी बाधा कार्बन उत्पादक अर्थव्यवस्थाएं और भारी मात्रा में जीवाश्म ईंधन का उपयोग करने वाली औद्योगिक अर्थव्यवस्थाएं हैं.


कॉप 28 और विशुद्ध शून्य

मध्य पूर्व के तेल उत्पादक और निर्यातक देश संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में 30 नवम्बर से 13 दिसम्बर, 2023 तक सम्पन्न संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन कॉन्फ्रेंस के कॉप 28 के समापन पर जारी अंतिम मसौदे में एक खास सन्दर्भ ईंधन बदलाव से सम्बन्धित है. यह प्राकृतिक गैस से सम्बन्धित है. यह परिशोधित पेट्रोलियम की तुलना में 70 प्रतिशत कार्बन और एंथ्रेसाइड कोयले की तुलना में 50 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन करती है. उद्देश्य स्पष्ट है कि यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लानी है, तो उसमें प्राकृतिक गैस की भूमिका अति महत्वपूर्ण बनी रहेगी, क्योंकि सारे विश्व को किसी भी तरह से ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों के रूप में स्थापित नहीं किया जा सकता.

इन वार्ताओं में भारत सरकार की वास्तविक स्थिति का अनुमान केवल नतीजों से ही लगाया जा सकता है. अंतिम बातों में कोयले से बनी बिजली से जुड़ी भाषा को शिथिल कर दिया गया. इसमें कोयले का इस्तेमाल चरणबद्ध ढंग से कम करने की गति बढ़ाने की बात कही गई है.

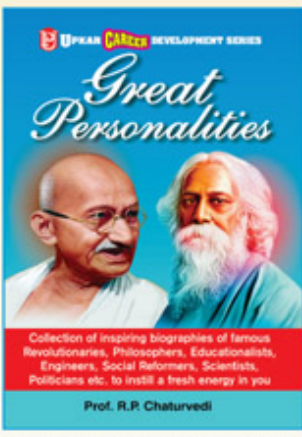
उल्लेखनीय है कि भारत ने नाभिकीय ऊर्जा, जलवायु और स्वास्थ्य समझौतों पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, लेकिन आगे चलकर भारत के नीति-निर्माता इस विषय में अपनी स्थिति की समीक्षा कर सकते हैं. उस लिहाज से भारत और चीन ने अंतिम शब्दावली को सीधे तौर पर जीवाश्म ईंधन बदलाव से जोड़ा ताकि 2050 तक विशुद्ध शून्य का लक्ष्य हासिल किया जा सके. यह घरेलू लक्ष्यों से दशकों पहले है.

ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में मीथेन की भी मात्रा काफी है और पशुओं का गोबर इसका प्रमुख स्रोत है विकसित देश इस पर अपनी चिंता व्यक्त कर चुके हैं, लेकिन भारत के लिए चूँकि यह पशुपालन से जुड़ा है, इसलिए भारत में यह राजनीतिक दृष्टि से बहुत संवेदनशील मसला है. इसलिए भारत पशु जनित मीथेन के उत्सर्जन में कमी लाने के लिए ऐसी किसी भी पहल का विरोध करेगा, जो पशुपालकों के हितों पर कुठाराघात करती हो. अपने स्तर पर भारत सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायोमास ऊर्जा तथा जल-विद्युत् ऊर्जा की स्थापित क्षमता को बढ़ाकर विशुद्ध शून्य के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है. ●●●



Revised Edition

Great Personalities



Code 1533 ₹ 250.00

Collection of inspiring biographies of famous Revolutionaries, Philosophers, Educationalists, Engineers, Social Reformers, Scientists, Politicians etc. to instill a fresh energy in you

Prof. R.P. Chaturvedi

UPKAR PRAKASHAN, AGRA-5
 ● E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

ऐतिहासिक व्यक्तित्व एवं ऐतिहासिक स्थल

ऐतिहासिक व्यक्तित्व

लॉर्ड विलियम बैंटिक (1828-1835)

- लॉर्ड विलियम बैंटिक ने गवर्नर-जनरल के रूप में कार्य करते हुए तत्कालीन भारत में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का प्रयास किया। 'सामाजिक सुधार' के क्षेत्र में बैंटिक द्वारा 'सती प्रथा की समाप्ति' के क्षेत्र में किया गया प्रयास उल्लेखनीय है।
- बैंटिक द्वारा सती प्रथा की समाप्ति हेतु बनाए गए कानून की 'धारा 17' को दिसम्बर 1929 में लागू कर विधवाओं के सती पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया। प्रारम्भ में यह कानून बंगाल प्रेसीडेंसी में ही प्रभावी था, परन्तु 1830 में बम्बई तथा मद्रास प्रेसीडेंसियों ने भी इसे अपने यहाँ लागू किया।
- तत्कालीन भारत में अवध से हैदराबाद, राजपूताना तथा बुन्देलखण्ड तक ठगी का व्यापक आतंक व्याप्त था। ठगी प्रथा की समाप्ति के लिए बैंटिक के कार्यकाल में कर्नल स्लीमैन ने भारतीय रियासतों की मदद से प्रयास किया। 1830 तक 'ठगी' प्रथा का अन्त हो गया।
- बैंटिक के कार्यकाल में ही सरकारी सेवाओं में अपनाई जाने वाली भेद-भावपूर्ण नीति को 1833 के चार्टर एक्ट की 'धारा 87' के द्वारा समाप्त कर दिया गया। नए प्रावधान के अनुसार योग्यता को सेवा का आधार बनाया गया। कोई भी भारतीय नागरिक अब धर्म, जन्मस्थान, जाति, रंग के आधार पर इन सेवाओं से वंचित नहीं किया जा सकता था।
- समाचार-पत्रों के प्रति उदार दृष्टिकोण अपनाते हुए विलियम बैंटिक ने समाचार-पत्रों को 'असन्तोष से रक्षा का अभिद्वार' (Safety Valve) माना।
- भारत में शिक्षा के माध्यम को लेकर विवाद बैंटिक के समय में जोरों पर था। बैंटिक ने भाषा सम्बन्धी विवाद के निपटारे के लिए लॉर्ड मैकाले के अधीन एक आयोग गठित किया। मैकाले, जो अंग्रेजी शिक्षा का समर्थक था, ने अपने प्रसिद्ध स्मरण-पत्र (Minute) में कहा कि "भारतीय भाषाओं में न तो

कोई साहित्यिक तत्व है और न ही वैज्ञानिक जानकारी।"

- 7 मार्च, 1835 को मैकाले के स्मरण-पत्र (Minute) प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया गया। उच्चस्तरीय प्रशासन की भाषा अंग्रेजी निश्चित हुई। 1835 में बैंटिक ने कलकत्ता में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की।
- यद्यपि बैंटिक ने तत्कालीन भारतीय रियासतों के प्रति अहस्तक्षेप की नीति अपनाई, परन्तु मैसूर (1831) तथा कुर्ग (1834) के सम्बन्ध में इसने अपनी नीति का परित्याग कर प्रशासनिक अव्यवस्था का आरोप मढ़ कर अधिकार कर लिया।
- बैंटिक के कार्यकाल में पारित 1833 के चार्टर एक्ट के बाद बंगाल के गवर्नर जनरल के स्थान पर भारत का गवर्नर जनरल कहा जाने लगा।

बलबन (1266-1287)

- गयासुद्दीन बलबन ने राजगद्दी का बलात् अपहरण किया था। उसके गद्दी पर बैठते ही इल्तुतमिश के परिवार की सुल्तानों की परम्परा का अन्त हो गया।
- अपने राज्यारोहण के तत्काल बाद बलबन को दिल्ली तथा सल्तनत के अन्य प्रदेशों में कानून और व्यवस्था की पुनर्स्थापना करने की गम्भीर समस्या का सामना करना पड़ा। उसने कानून और व्यवस्था की पुनः स्थापना पर तत्काल ध्यान दिया और उसे अपने प्रशासनिक नीति के मार्गदर्शी सिद्धान्त के रूप में 'दृढीकरण' और 'विस्तार' में से चुनाव करना पड़ा।
- उसने दृढीकरण को चुना, क्योंकि विद्रोही हिन्दू अधीनस्थ शासक दिल्ली सुल्तान की अधीनता से मुक्ति का प्रयास कर रहे थे और मंगोल आक्रमणकारी दिल्ली की ओर आगे बढ़ रहे थे।
- बलबन ने सल्तनत के सैनिक संगठन में कुछ परिवर्तन किए। सेना की संख्या में वृद्धि की गई। उच्च वेतन देकर अतिरिक्त अधिकारियों की नियुक्तियों की गईं और उन्हें नकद वेतन के बदले 'इक्ताएं' प्रदान की गईं।
- सैनिकों को वेतन-वृद्धि प्रदान की गई और उन्हें सतर्क और सक्रिय बनाए रखने के लिए उसने अधिकाधिक

सैनिक-अभ्यास कराने की व्यवस्था प्रारम्भ की।

- बलबन ने सैन्य या प्रतिरक्षा विभाग को वित्त मंत्रालय (दिवान-ए-विज़ारत) से पृथक् किया और प्रतिरक्षा या सैन्य विभाग को एक पृथक् सैन्य विभाग मंत्री (दीवान-ए-आरिज़) के अन्तर्गत गठित किया।
- वह सल्तनत का पहला सुल्तान था, जिसने राजत्व या राजपद के सिद्धान्त का विस्तार से विवेचन किया। उसने शाही ताज को एक उच्च एवं गौरवपूर्ण पीठ पर प्रतिष्ठापित करने और अमीर वर्ग एवं सुल्तान के मध्य संघर्ष तथा कलह की समस्त सम्भावनाओं को प्राप्त करने के लिए राजत्व की विचारधारा का प्रतिपादन अत्यावश्यक माना।
- बलबन ने अपनी राजत्व की विचारधारा सम्बन्धी मूल तत्वों को फारस के ससानिद वंश (सासानी वंश) से ग्रहण किया था, जहाँ राजत्व का उच्चतम सम्भावित स्तर पर प्रतिष्ठित किया गया था।
- उसने इस विचारधारा के द्वारा लोगों को यह विश्वास दिलाया कि राजत्व या सुल्तान पृथ्वी पर खुदा या ईश्वर का प्रतिनिधि (नियामत-ए-खुदाई) है और प्रतिष्ठा की दृष्टि से उसका स्थान पैगम्बर के बाद दूसरा है।
- उसका मानना था कि सुल्तान खुदा की प्रतिछाया (ज़िल-ए-इलाही) और ईश्वरीय (खुदाई) मार्गदर्शन एवं क्रान्ति का पुंज होता है। पृथ्वी पर ईश्वर के प्रतिनिधि के रूप में वह यह स्पष्ट करना चाहता था कि वह 'ईश्वरीय आदेश' से शासन करता है और कानून से ऊपर है।
- बलबन ने ईरानी आदर्श पर अपने राजदरबार का गठन किया था और ससानिदों के शाही शिष्टाचारों तथा विधि-विधानों का अत्यन्त सावधानीपूर्वक अनुकरण करता था, जिससे कि सुल्तान को उच्च पीठ पर स्थापित करके, आम जनता के मध्य शाही ताज के प्रति भय एवं सम्मान की भावना जाग्रत की जा सके एवं तुर्की सत्ता को सुदृढ़ किया जा सके।
- बलबन ने सिज़दा (साष्टांग नतमस्तक होना) पैबोस (घरण चुम्बन) की गैर-इस्लामी व्यवस्थाएं प्रचलित कीं।
- वह भारत का पहला शासक था, जिसने ईरानी नववर्ष नौरोज का भारत में आयोजन प्रारम्भ किया।
- बलबन ने राजत्व को शीर्ष शिखर पर प्रतिष्ठित करने के लिए 'कुलीन' अर्थात् विदेशी मूल के मुसलमानों एवं 'अकुलीन'

अर्थात् भारतीय मूल के मुसलमानों के मध्य भयंकर भेदभाव किया और उच्च पदों पर केवल तथाकथित 'कुलीनों' या विदेशी मूल के मुसलमानों को ही नियुक्त किया।

- उसने स्वयं एवं अपने परिवार को फारस के प्रसिद्ध अफासियाब राजवंश के साथ सम्बद्ध कर लिया और पूर्वोक्त ईरानी शिष्टाचारों का अनुकरण करने लगा।
- गद्दी पर बैठने के बाद बलबन ने 'चालीसा' या 'तुर्कान-ए-चहलगानी' का क्रूरतापूर्वक दमन किया।
- वह केन्द्रीकृत राजनीतिक सत्ता में विश्वास करता था। अधिकांश सरकारी नियुक्तियाँ सीधे उसी के द्वारा या उसके अनुमोदन से की जाती थीं।
- अपने निरंकुश शासन के अबाध संचालन के लिए उसने कुशल तथा निष्ठावान गुप्तचर प्रणाली का गठन सीस्तानी एवं तुर्की सैनिकों की भर्ती करके किया।
- 1275 में बंगाल के गवर्नर (सूबेदार) तुगरिल ने बलबन के विरुद्ध विद्रोह कर दिया। तुगरिल के विरुद्ध दो अभियानों की लगातार विफलता के उपरान्त, बलबन ने स्वयं लखनौती की ओर कूच किया, जो मध्यकालीन बंगाल की राजधानी था। बलबन ने बड़ी क्रूरता से तुगरिल के विद्रोह का दमन किया और उसके स्थान पर अपने छोटे पुत्र बुगरा खाँ को बंगाल का गवर्नर नियुक्त किया।
- बंगाल में तुगरिल के दमन के उपरान्त उसे बंगाल में व्यवस्था स्थापित करने में 3 वर्ष लग गए और 3 वर्ष तक बंगाल में व्यस्त रहने के बाद ही दिल्ली वापस आ सका।
- बलबन ने मंगोल आक्रमणों के विरुद्ध उत्तर-पश्चिमी सीमान्त को सुरक्षित रखने के लिए कठोर कदम उठाए। उसने अपने ज्येष्ठ पुत्र शहजादे मुहम्मद को सीमान्त की सम्पूर्ण सुरक्षा का उत्तरदायित्व सौंपा, जिसने कुछ समय तक बड़ी वीरतापूर्वक मंगोलों से सीमान्त की सुरक्षा की, परन्तु मंगोलों के एक प्रबल आक्रमण का सामना करते हुए शहजादा मुहम्मद मारा गया।
- शहजादा मुहम्मद एक महान् योद्धा एवं कला तथा विद्वानों का संरक्षक था। प्रसिद्ध सूफी सन्त-विद्वान् अमीर खुसरो एवं अमीर हसन जैसे विद्वानों को उसने अपना संरक्षण प्रदान किया था। वही बलबन का उत्तराधिकारी होने वाला था।

उसकी मृत्यु बलबन एवं उसके वंश के लिए एक मरणान्तक आघात सिद्ध हुई। शहजादे मुहम्मद की मृत्यु के एक वर्ष के भीतर ही बलबन की मृत्यु (1287 ई.) हो गई और उसके चार वर्ष बाद ही इल्वरी वंश का भी अन्त हो गया।

छत्रपति शिवाजी (1627-1680)

- पूना के निकट शिवनेर के दुर्ग में 20 अप्रैल, 1627 ई. को शिवाजी का जन्म हुआ। उनके पिताजी का नाम शाहजी भोंसले और माता का नाम जीजाबाई था।
- शिवाजी के व्यक्तित्व एवं चरित्र पर सर्वाधिक प्रभाव उनकी माता जीजाबाई तथा संरक्षक एवं शिक्षक दादा कोंणदेव का पड़ा। इनके आध्यात्मिक गुरु का नाम समर्थ रामदास था।
- 1637 ई. में शाहजी भोंसले ने अपने पुत्र शिवाजी तथा पत्नी जीजाबाई सहित पूना की अपनी पैतृक जागीर की देखभाल का दायित्व दादाजी कोंणदेव को सौंपकर कर्नाटक चले गए।
- शिवाजी ने 'हिन्दू पद पादशाही' अंगीकार किया। गया और ब्राह्मणों की रक्षा का व्रत लिया और 'हिन्दुत्व-धर्मोद्धारक' की उपाधि धारण की।
- शिवाजी का मुख्य उद्देश्य मराठों की बिखरी हुई शक्ति को एकत्रित करके महाराष्ट्र (दक्षिण भारत) में एक स्वतंत्र राज्य की स्थापना करना था।
- अपने सैन्य अभियान के अन्तर्गत सर्वप्रथम शिवाजी ने 1643 ई. में बीजापुर के सिंहगढ़ के किले पर अधिकार किया। तत्पश्चात् 1646 ई. में उन्होंने तोरण पर अधिकार कर लिया। 1656 ई. तक शिवाजी ने चाकन, पुरन्दर, बारामती, सूपा, तिकोना, लोहगढ़ आदि विभिन्न किलों पर अधिकार कर लिया।
- 1656 में शिवाजी की महत्वपूर्ण विजय जावली की थी। जावली एक मराठा सरदार चन्द्रराव मोरे के अधिकार में था। अप्रैल 1656 ई. में शिवाजी ने रायगढ़ के किले पर कब्जा कर लिया।
- पहली बार 1657 ई. में शिवाजी का मुकाबला मुगलों से हुआ। जब वे बीजापुर की तरफ से मुगलों से लड़े। इसी समय शिवाजी ने जुन्नार को लूटा। कुछ समय पश्चात् मुगलों के उत्तराधिकार युद्ध का लाभ उठाकर उन्होंने कोंकण पर भी विजय प्राप्त की।
- शिवाजी के इस विस्तारवादी नीति से संशंकित बीजापुर शासक ने शिवाजी की शक्ति को दबाने तथा उन्हें कैद करने के लिए 1659 ई. में अपने योग्य

सरदार अफजल खाँ के नेतृत्व में एक सैनिक टुकड़ी भेजी।

- ब्राह्मण दूत कृष्णजी भाष्कर ने अफजल खाँ का वास्तविक उद्देश्य शिवाजी को मुलाकात से पूर्व ही बता दिया।
- राजनैतिक चर्चा के लिए शिवाजी और अफजल खाँ की मुलाकात प्रतापगढ़ के दक्षिण में स्थित पार नामक स्थान पर हुई, जहाँ पर शिवाजी ने 2 नवम्बर, 1659 ई. में अफजल खाँ की हत्या कर दी।
- 1660 ई. में मुगल शासक औरंगजेब ने शाइस्ता खाँ को शिवाजी को समाप्त करने के लिए दक्कन का गवर्नर नियुक्त किया। शाइस्ता खाँ ने बीजापुर राज्य से मिलकर शिवाजी को समाप्त करने की योजना बनाई।
- 15 अप्रैल, 1663 ई. में शिवाजी ने पूना में प्रवेश कर शाइस्ता खाँ के महल पर रात्रि में आक्रमण कर दिया। शाइस्ता खाँ इस अचानक आक्रमण से घबराकर भाग खड़ा हुआ। इस आक्रमण के कारण मुगल सेना को काफी क्षति पहुँची तथा शिवाजी की प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई।
- 1664 ई. में शिवाजी ने सूरत पर हमला किया। यह मुगलों का एक महत्वपूर्ण किला था। शिवाजी ने लगातार चार दिन तक नगर को लूटा।
- शिवाजी के विरुद्ध शाइस्ता खाँ के असफल होने पर शिवाजी को कुचलने हेतु औरंगजेब ने आमेर के मिर्जा राजा जयसिंह को दक्षिण भेजा। जयसिंह ने समझ लिया कि बीजापुर को जीतने के लिए शिवाजी से मैत्री करना आवश्यक है। अतः पुरन्दर के किले पर मुगलों की विजय और रायगढ़ की घेराबन्दी के बावजूद उसने शिवाजी से पुरन्दर की सन्धि की।
- औरंगजेब ने इस सन्धि को स्वीकृति देकर शिवाजी के लिए फरमान एवं खिलअत भेंट किया।
- यह सन्धि राजा जयसिंह की व्यक्तिगत राजनीतिक एवं कूटनीतिक विजय थी। वह न केवल शक्तिशाली शत्रु पर काबू पाने में सफल रहा, अपितु उसने बीजापुर राज्य के विरुद्ध उसका सहयोग भी प्राप्त कर लिया था।
- 1666 ई. में शिवाजी जयसिंह के आश्वासन पर औरंगजेब से मिलने आगरा आए, पर उचित सम्मान न मिलने पर दरबार से उठकर चले गए। उनके इस व्यवहार से क्रुद्ध होकर औरंगजेब ने उन्हें कैद कर जयपुर भवन (आगरा) में रखा, परन्तु चतुराई से शिवाजी आगरे के कैद से फरार हो गए।

- कुछ दिन बाद शिवाजी द्वारा भेजे गए पत्र में उन्होंने औरंगजेब से संधि का प्रस्ताव करते हुए अपने पुत्र शम्भाजी को युवराज मुअज्जम की सेवा में भेजने का आश्वासन दिया।
 - औरंगजेब ने शिवाजी के इस समझौते को स्वीकार कर शिवाजी को राजा की उपाधि प्रदान की एवं उसके पुत्र शम्भाजी को बरार में एक मनसब एवं जागीर दी।
 - 1670 ई. में शिवाजी और मुगलों में पुनः युद्ध आरम्भ हो गया। शिवाजी ने पुरन्दर की सन्धि द्वारा खोए गए अपने अनेक किलों को पुनः जीत लिया। किलों में कोंडाना किला सर्वाधिक महत्वपूर्ण था। शिवाजी ने इस किले का नाम सिंहगढ़ रखा।
 - 1670 ई. में शिवाजी ने सूरत पर पुनः आक्रमण किया और लूटा तथा मुगलों से चौथ की माँग की।
 - जून 1674 ई. में शिवाजी ने काशी के प्रसिद्ध विद्वान् गंगाभट्ट से अपना राज्याभिषेक रायगढ़ में करवाया तथा 'छत्रपति' की उपाधि ली।
 - शिवाजी का अन्तिम महत्वपूर्ण अभियान 1677 ई. में कर्नाटक अभियान था। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बीजापुर के आदिलशाही राज्य पर अधिकार था। इसके लिए उन्होंने गोलकुण्डा के दो ब्राह्मण मंत्रियों मदन्ना एवं अकन्ना के माध्यम से गोलकुण्डा के सुल्तान के साथ एक गुप्त संधि की।
 - इस अभियान में शिवाजी ने जिंजी, मदुराई, बेल्लूर आदि तथा कर्नाटक एवं तमिलनाडु के लगभग 100 किलों को जीत लिया। जिंजी को उन्होंने साम्राज्य के दक्षिणी भाग की राजधानी बनाया।
 - शिवाजी का संघर्ष जंजीरा टापू के अधिपति अबीसीनाई सीदियों से भी हुआ। सीदियों पर अधिकार करने के लिए उन्होंने नौ सेना का भी निर्माण किया था, परन्तु वे पुर्तगालियों से गोवा तथा सीदियों से चोल और जंजीरा को न छीन सके।
 - सीदी पहले अहमदनगर के आधिपत्य को स्वीकारते थे, परन्तु 1636 के पश्चात् वे बीजापुर की अधीनता में आ गए।
 - शिवाजी के लिए जंजीरा को जीतना अपने कोंकण प्रदेश की रक्षा के लिए अनिवार्य था। 1669 ई. में शिवाजी ने दरिया-सांरग के नेतृत्व में अपने बल बड़े को जंजीरा पर आक्रमण करने के लिए भेजा।
 - 12 अप्रैल, 1680 में शिवाजी की मृत्यु हो गई।
 - जदुनाथ सरकार ने लिखा है कि "में शिवाजी को हिन्दू प्रजाति का अन्तिम रचनात्मक प्रतिभा-सम्पन्न व्यक्ति और राष्ट्र निर्माता मानता हूँ।"
- अमोघवर्ष प्रथम (814-878 ई.)**
- राष्ट्रकूट शासक गोविंद तृतीय की मृत्यु के उपरान्त उसका अल्पवयस्क पुत्र अमोघवर्ष प्रथम उसका उत्तराधिकारी बना और उसकी बाल्यावस्था में उसके संरक्षण का दायित्व गोविंद के भतीजे सुवर्णवर्ष को सौंपा गया।
 - उसकी अल्पवयस्कता का लाभ उठाकर राष्ट्रकूट सामंतों, मंत्रियों, सम्बन्धियों और अधिकारियों ने अमोघवर्ष के विरुद्ध विद्रोह कर दिया तथा उसे गद्दी से हटा दिया।
 - इससे पूरे साम्राज्य में अशांति एवं अराजकता की स्थिति व्याप्त हो गई। पर अंततः उसके संरक्षक कर्कसुवर्ण ने इस विद्रोह को दबा दिया और अमोघवर्ष को फिर गद्दी पर बैठा दिया।
 - अमोघवर्ष का वेंगी के चालुक्यों और गंगों के साथ भी लम्बे समय तक संघर्ष रहा। अंततः उसने अपनी दो पुत्रियों का गंग राजकुमारों के साथ विवाह करके संघर्ष से मुक्ति पाई।
 - अमोघवर्ष ने पूर्वी चालुक्यों को पराजित किया और इस विजय के बाद उसकी सेनाएं लगभग 12 वर्ष तक वेंगी में रहीं, परन्तु राष्ट्रकूट साम्राज्य में आन्तरिक अशांति का लाभ उठाकर, प्रतिहार नरेश मिहिरभोज ने मालवा पर आक्रमण करके उज्जैन पर अधिकार कर लिया।
 - अमोघवर्ष ने 64 वर्षों तक शासन किया, किन्तु अपने अधिकांश शासनकाल में वह आन्तरिक संघर्षों में ही ग्रस्त रहा।
 - अमोघवर्ष ने मान्यखेट का भव्य विन्यास करके उसे अपनी राजधानी बनाया।
 - अमोघवर्ष का वास्तविक नाम शर्व था तथा अमोघवर्ष उसकी उपाधि थी। इसके अतिरिक्त उसने वीरनारायण, पृथ्वीबल्लभ, रट्टमार्तण्ड आदि विरुद्धों को भी धारण किया।
 - अमोघवर्ष प्रथम विजेता एवं पराक्रमी होने से कहीं अधिक अपनी साहित्यिक एवं धार्मिक अभिरुचि के लिए याद किया जाता है।
 - अमोघवर्ष कन्नड़ तथा संस्कृत भाषाओं का महान् ज्ञाता था। उसने कन्नड़-भाषा में कविराजमार्ग नामक सुप्रसिद्ध ग्रंथ की रचना की।
 - अपनी वृद्धावस्था में जैनधर्मावलम्बी हो जाने पर उसने रत्नमालिका नामक एक अन्य ग्रंथ का प्रणयन किया।
 - उसने जैनाचार्य जिनसेन को अपने राज्य में संरक्षण प्रदान किया, जिसने आदि पुराण की रचना की थी।
 - अमोघवर्ष के संरक्षण में महावीराचार्य ने गणित सार-संग्रह तथा शकटायन ने अमोघवृत्ति नामक ग्रंथों का सृजन किया।
 - संजन ताम्रपत्र-लेख के अनुसार वह महादानी था। प्रारम्भ में वह हिन्दू शक्तधर्मावलम्बी था, परन्तु वृद्धावस्था में पहुँचकर वह जैनधर्मावलम्बी हो गया।
- ऐतिहासिक स्थल**
- काम्पिल्य**
- उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जनपद में यह स्थान स्थित है। इसकी गणना भारत के प्राचीनतम नगरों में होती होती थी।
 - बुद्ध काल में यह दक्षिण पांचाल जनपद की राजधानी थी। महाभारत में भी इसे दक्षिण पांचाल राज्य की राजधानी बताया गया है।
 - इसका विस्तार गंगा के दक्षिणी तट से लेकर चम्बल तक था। महाभारत के समय यहाँ द्रुपद का राज्य था।
 - वर्तमान काम्पिल में एक प्राचीन टीला आज भी 'द्रुपद कोट' कहा जाता है।
 - यहाँ एक कुण्ड है, जिसकी खुदाई से मौर्यकालीन ईंटें तथा मन्दिरों से कई मूर्तियाँ प्राप्त की गई हैं।
 - चीनी यात्री हुएनसांग इस नगर की यात्रा पर गया था। वह लिखता है कि यहाँ बौद्ध भिक्षु निवास करते थे।
 - काम्पिल्य जैन धर्म का भी केन्द्र था जिसका सम्बन्ध जैन तीर्थङ्कर विमलनाथ के जीवन की घटनाओं से था।
 - अनुश्रुति के अनुसार ज्योतिषाचार्य वाराहमिहिर का जन्म-स्थल काम्पिल्य ही था। इस नगर की महत्ता काशी, उज्जयिनी जैसे प्राचीन नगरों की भाँति ही बताई गई है।
- थानेश्वर**
- हरियाणा राज्य के करनाल जनपद के अन्तर्गत वर्तमान थानेश्वर नामक स्थान ही प्राचीनकाल का थानेश्वर था।
 - पौराणिक, आख्यानों में कहीं-कहीं इसके नाम स्थानेश्वर तथा स्थाण्वीश्वर भी मिलते हैं।
 - वर्धन वंश के प्रथम शक्तिशाली सम्राट् प्रभाकरवर्धन ने इस स्थान को अपनी राजधानी बनाई थी।
 - बाणभट्ट के हर्षचरित में इस नगर के गौरव का विस्तृत विवरण प्राप्त होता

है. इसे श्रीकठ जनपद का प्रमुख स्थल बताया गया है. यह एक समृद्धिशाली नगर था. बाणभट्ट ने लिखा है कि इसके सौन्दर्य को देखने से ऐसा लगता था मानो यह स्वर्ग का एक देश हो (एक देश इव सुरराज्यस्य). दर्शक इसे देखकर आश्चर्यचकित हो जाते थे. यह कुबेर की नगरी अलका का परिवर्तित रूप प्रतीत होता था.

- बाणभट्ट के विवरण की पुष्टि करते हुए हर्षकालीन चीनी यात्री हुएनसांग इसे एक सम्पन्न नगर बताता है.
- अलवरुनी के विवरण से पता चलता है कि कुरुक्षेत्र के समीप स्थित होने के कारण इस नगर का धार्मिक महत्व अधिक बढ़ा हुआ था.
- ऐसा लगता है कि थानेश्वर के शैव धर्म का प्रसिद्ध केन्द्र होने के कारण ही इसका नाम 'स्थाण्वीश्वर' पड़ गया.
- हर्षचरित में वर्णन मिलता है कि इस नगर के घर-घर में शिव की पूजा की जाती थी—गृहे-गृहे अपूज्यत भगवान् खण्डपरशुः.
- हर्षवर्धन के शासनकाल के प्रारम्भ में थानेश्वर ही साम्राज्य की राजधानी रही. बाद में हर्ष ने इसे कन्नौज स्थानान्तरित कर दिया.

खोह

- मध्य प्रदेश में उज्जैन से लगभग 3 मील उत्तर-पश्चिम में स्थित नागदा के समीप खोह नामक स्थान है. पहले यह नागौद रियासत में था.
- यहाँ से गुप्त सम्राटों के सामन्तों के दानपत्र तथा उस समय के मन्दिर एवं मूर्तियाँ मिलती हैं. इनमें महाराज हस्तिना, जयनाथ, सर्वनाथ आदि के दानपत्र हैं जिनमें मन्दिरों को भूमि एवं धन दान में दिए जाने का उल्लेख है. यहाँ से प्राप्त लेखों में गुप्त संवत् की तिथियाँ अंकित हैं. दानपत्रों से गुप्त शासन-सम्बन्धी कुछ बातें ज्ञात हो जाती हैं.
- खोह से गुप्तकालीन मन्दिर तथा एकमुखी शिवलिंग की मूर्ति प्राप्त हुई है. इनसे गुप्तयुगीन धर्म एवं कला के विषय में जानकारी प्राप्त होती है.

कुण्डग्राम

- बिहार प्रान्त में वैशाली के समीप बुद्ध काल में कुण्डग्राम नामक स्थान स्थित था.
- यहाँ ज्ञातृक गणराज्य था. यह वज्जिसंघ का सदस्य था. लिच्छवि तथा विदेह इसके अन्य प्रमुख सदस्य थे. ज्ञातृक संघ के प्रमुख सिद्धार्थ थे.

जैन धर्म के चौबीसवें एवं सर्वाधिक महत्वपूर्ण तीर्थङ्कर महावीर उन्हीं के पुत्र थे.

- महावीर के जन्म से सम्बद्ध होने के कारण ही कुण्डग्राम नगर का महत्व बढ़ गया.
- राजनैतिक दृष्टि से कुण्डग्राम गणराज्य का महत्व बहुत अधिक नहीं था.
- मगध के शासक अजातशत्रु ने वज्जिसंघ पर आक्रमण कर वहाँ अपना अधिकार कर लिया. इसके साथ ही कुण्डग्राम से ज्ञातृक राज्य का स्वतंत्र अस्तित्व भी समाप्त हो गया.

शेष पृष्ठ 56 का

उस भाव को स्वीकार करना और बोर्ड सदस्य को धन्यवाद देना न भूलें जब वे उस विशेष प्रश्न से सम्बन्धित जानकारी प्रकट करते हैं.

प्रति-विचार, गुगली का सामना करने के लिए तैयार रहें—यदि आपके सामने किसी सदस्य द्वारा रखा गया कोई प्रति-विचार आता है, तो टिप्पणी करने से पहले उसका मूल्यांकन करें.

यदि आकर्षक लगे तो इसे स्वीकार करें और विनम्रतापूर्वक इससे सहमत हों. यदि उपयुक्त नहीं है, तो अपने उत्तर का दृढ़ता से बचाव करें, क्योंकि यह आपके विचारों और राय में स्थिरता की जाँच करने की एक चाल हो सकती है.

मुद्दे से कभी भी बचने का प्रयास न करें या चकमा न दें—आप झूठ बोलें और संभावना है कि आप पकड़े जाएंगे और यह आपके लिए अच्छा संकेत नहीं है.

ऐसा करना है तो अपने जोखिम पर करें; उन्हें मौका दें कि वो आपको घेरें.

साक्षात्कार बोर्ड आपसे इसके इर्द-गिर्द पूछताछ कर सकता है, आपको बहस में फँसा सकता है, दिए गए विषय पर चर्चा लम्बी होने पर आप पर दबाव बना सकता है.

हालाँकि, कभी-कभी साक्षात्कार बोर्ड के सदस्य आपकी मानसिक सतर्कता की जाँच करने के लिए अचानक से कुछ कर सकते हैं या कोई स्थितिजन्य प्रश्न हो सकता है, जो आपकी निर्णय लेने की क्षमताओं को दर्शाता है.

सन्देह न करें—जब आप खुद पर सन्देह करना शुरू कर देते हैं, तो जो तस्वीर किसी समय साफ दिखती थी वह धुँधली हो जाती है. आपको बस अपना फोकस समायोजित करना है. सभी विकर्षणों और नकारात्मकता से बचें और अपना ध्यान लेजर किरण की तरह तेज रखें, फिर चीजें धीरे-धीरे अपनी जगह पर आ जाएंगी.

बातों में ईमानदार होना आपकी मौलिकता को प्रतिध्वनित करता है; लेकिन अतिशयोक्ति या सटीकता से घुमा-फिरा कर पेश करना या मुख्य तथ्यों को जोड़ने में असमर्थ होना आपकी सत्यनिष्ठा को कमजोर कर सकता है और आपको इसके परिणाम भुगतने होंगे.

वास्तविक अर्थों में यह वार्तालाप है; सूचनाओं का आदान-प्रदान

अच्छे अंक प्राप्त करने वाले अधिकांश सफल अभ्यर्थी इसे बातचीत के रूप में देखते हैं; सूचनाओं का आदान-प्रदान और शांत रहना आपके आत्मविश्वास का प्रतीक है; आपकी मौलिकता को प्रतिबिंबित करने वाली आरामदायक चर्चा साक्षात्कार बोर्ड को प्रभावित करती है.

जब आप विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले प्रश्नों का सामना करते हैं तो आपको सावधान रहने की आवश्यकता है; एक सक्रिय श्रोता होने से आपको बहुत मदद मिलेगी.

यह सिर्फ शिक्षाविदों की तैयारी या कुछ नए कौशल सीखना नहीं है; यह मानसिक तैयारी और शांत एवं आत्मविश्वासी बने रहने के बारे में है.

यह सिर्फ ज्ञान नहीं है, अनुभवी बोर्ड सदस्य यह जानने के इच्छुक हैं कि आपके दिमाग में क्या चल रहा है और ऐसे परिदृश्य में, उत्तर देने की आपकी क्षमता मायने रखती है और एक बड़ा अंतर पैदा कर सकती है.

स्पष्ट रहें—साक्षात्कार बोर्ड का प्रयास वास्तविक आप का विश्लेषण करना है.

आप सभी को शानदार सफलता की शुभकामनाएं!

उपकार

नवीन
प्रस्तुति

उत्तर प्रदेश

सामान्य ज्ञान

एक दृष्टि में

(नवीन आँकड़ों एवं तथ्यों सहित)

लेखक : डॉ. मानिक लाल गुप्त

कोड 2451 ₹ 55/-

अति विशिष्ट सामग्री के साथ

उपकार प्रकाशन, आगरा-5

● E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

भारतीय इतिहास, कला एवं संस्कृति

श्रीनिवास रामानुजन (Srinivasa Ramanujan)

सुर्खियों में क्यों ?

भारत में वर्ष 2012 से प्रतिवर्ष 22 दिसम्बर को महान् गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती को राष्ट्रीय गणित दिवस (National Mathematics Day) के रूप में मनाया जाता है. राष्ट्रीय गणित दिवस की संकल्पना का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि जागृत करते हुए गणित के प्रति उनकी नैसर्गिक जिज्ञासा को बढ़ाने के साथ ही छात्रों के मस्तिष्क से गणित का भय हटाते हुए गणित के उपयोग की आदत एवं कौशल का विकास समेत गणित के शिक्षकों की शिक्षण विधि में सुधार लाना है.

प्रमुख तथ्य

- रामानुजन का जन्म 22 दिसम्बर, 1887 को तमिलनाडु में कोयम्बटूर जिले के ईरोड गाँव में एक साधारण परिवार में हुआ था. इनकी माता का नाम कोमलताम्मल और पिता का नाम श्रीनिवास अय्यंगर था.
- बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के रामानुजन ने हाईस्कूल में ही अध्ययन के दौरान घन और द्विघात समीकरणों (Cube and Biquadratic Equation) को हल करने का सूत्र खोज लिया था, किन्तु गणित की और अत्यधिक रुझान एवं गणित के जटिल प्रश्नों पर अपना अत्यधिक समय बिताने के कारण वह 12वीं की परीक्षा में गणित को छोड़कर अन्य सभी विषयों में फेल हो गए. कई बार प्रयास करने के बाद भी वह 12वीं की परीक्षा पास नहीं कर सके इसके बाद उन्होंने औपचारिक शिक्षा छोड़ दी.
- अपने एक पूर्व शिक्षक प्रोफेसर अय्यर की मदद से वे नेल्लोर जिले के तत्कालीन कलेक्टर आर. रामचंद्र राव से मिले, जो कि तत्कालिक समय में इंडियन मैथमैटिकल सोसाइटी के अध्यक्ष भी थे. आर. रामचंद्र राव रामानुजन की गणितीय विद्वता से काफी प्रभावित हुए और उन्होंने रामानुजन को 'इंडियन मैथमैटिकल सोसाइटी' के

जर्नल के सम्पादक मण्डल में नौकरी दे दी.

- वर्ष 1911 में रामानुजन ने बरनौली नम्बर्स (Bernoulli Numbers) पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया जिसके उपरान्त उन्हें काफी प्रसिद्धि मिली. तदुपरांत वह मद्रास पोर्ट ट्रस्ट के लेखा विभाग में कार्य करने लगे.
- रामानुजन के जीवन का निर्णायक मोड़ तब आया जब उन्होंने तात्कालिक समय के सर्वाधिक प्रसिद्ध गणितज्ञों में शामिल प्रो. जी. एच. हार्डी को पत्र लिखा और अपने शोध के कुछ कार्यों को उनके समक्ष प्रस्तुत किया. काफी गहन जाँच के पश्चात् प्रो. जी. एच. हार्डी रामानुजन की विद्वता से काफी प्रभावित हुए एवं उन्होंने रामानुजन को कैंब्रिज विश्वविद्यालय आने के लिए आमंत्रित किया.
- रामानुजन की विद्वता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि प्रो. जी. एच. हार्डी ने उनकी तुलना जैकोबी और यूलर जैसे युगांतरकारी विद्वानों से की. इसके अलावा प्रो. जी. एच. हार्डी ने सभी प्रतिभावान व्यक्तियों के लिए एक पैमाना विकसित किया जिसमें रामानुजन को ही केवल 100 अंक दिए. उल्लेखनीय है कि इस पैमाने पर अधिकतर गणितज्ञों को केवल 100 में से 30 अंक मिले एवं स्वयं प्रो. जी. एच. हार्डी ने अपने को 30 अंक दिए थे.

रामानुजन नम्बर

गणित में रामानुजन का सबसे बड़ा योगदान रामानुजन संख्या यानी 1729 को माना जाता है. यह ऐसी सबसे छोटी संख्या है, जिसको दो अलग-अलग तरीके से दो घनों के योग के रूप में लिखा जा सकता है.

- 1729, 10 और 9 के घनों का योग है—10 का घन है 1000 और 9 का घन है 927 और इन दोनों को जोड़ने से हमें 1729 प्राप्त होता है.
- 1729, 12 और 1 के घनों का योग भी है—12 का घन है 1728 और 1 का घन है 1 और इन दोनों को जोड़ने से हमें 1729 प्राप्त होता है.
- गणित में किए गए उल्लेखनीय शोध कार्यों के लिए रामानुज को कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के

द्वारा बीए की उपाधि प्रदान की गई. इसके साथ ही उन्हें दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित 'रॉयल सोसाइटी ऑफ लन्दन' का फेलो चुन लिया गया.

- लंदन में प्रतिकूल मौसम एवं अन्य समस्याओं के कारण रामानुजन का स्वास्थ्य लगातार गिरने लगा था. लगातार खराब स्वास्थ्य के कारण वह अपना काम छोड़कर 1919 में भारत लौट आए, लेकिन उन्हें आगे चल कर क्षय रोग हो गया.
- लगातार खराब स्वास्थ्य होने के बावजूद उन्होंने प्रो. जी. एच. हार्डी को लिखे गए अपने अंतिम पत्र में मॉक थीटा फंक्शन के बारे में बताया जिसका उपयोग वर्तमान में कैंसर बीमारी को समझने में किया जाता है.

रामानुजन का गणित में योगदान

सूत्र और समीकरण

- रामानुजन ने अपने 32 वर्ष के अल्प जीवनकाल में लगभग 3,900 परिणामों (समीकरणों और सर्वसमिकाओं) का संकलन किया है. उनके सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में पाई (Pi) की अनंत श्रेणी शामिल थी.
- उन्होंने पाई के अंकों की गणना करने के लिए कई सूत्र प्रदान किए, जो परम्परागत तरीकों से अलग थे.

खेल सिद्धांत

- उन्होंने कई चुनौतीपूर्ण गणितीय समस्याओं को हल करने के लिए नवीन विचार प्रस्तुत किए, जिन्होंने खेल सिद्धांत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.
- खेल सिद्धांत में उनका योगदान विशुद्ध रूप से अंतर्ज्ञान पर आधारित है और इसे अभी तक गणित के क्षेत्र में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है.

- मात्र 32 वर्ष की आयु में खराब स्वास्थ्य के कारण 26 अप्रैल, 1920 को उनकी मृत्यु हो गई.
- रामानुजन के द्वारा किए गए शोध कार्यों पर कार्य करते हुए जीन-पियरे सेरे और पियरे डेलिग्ने को गणित का नोबेल कहे जाने वाले फील्ड मेडल पुरस्कार मिला.
- वर्तमान में रामानुजन के द्वारा प्रतिपादित गणितीय सूत्र का प्रयोग विज्ञान के एक वृहद् क्षेत्र में किया जा रहा है जिसमें सिग्नल प्रोसेसिंग से लेकर ब्लैक होल तक के सिद्धांत शामिल हैं. उल्लेखनीय है कि उनके द्वारा बीसवीं सदी में दिए गए सिद्धांत मॉक थीटा फंक्शन थी जिसके रहस्य की गुत्थी 21वीं सदी में सुलझाया जा सका. इसके उपरान्त लोगों को यह

पता चला मॉक थीटा फंक्शन ब्लैक होल को समझने के लिए जरूरी है.

- भारत के इस महान गणितज्ञ के सिद्धांतों पर लोगों का ध्यान 1991 में गया जब एमआईटी के प्रोफेसर रॉबर्ट कैनिंगेल ने बहुचर्चित बायोग्राफी 'द मैन हू न्यू इनफिनिटी : द जीनियस ऑफ रामानुजन' को लिखा.
- रामानुजन के जीवन पर आधारित फिल्म 'द मैन हू न्यू इनफिनिटी (The Man Who Knew Infinity) जो 2016 में रिलीज हुई थी, में श्रीनिवास रामानुजन की भूमिका ब्रिटिश-इंडियन एक्टर देव पाटिल ने निभाई थी तथा इसके निर्देशक मैथ्यू व्राउन थे.
- रामानुजन के गणित के क्षेत्र में किए गए कार्यों को ध्यान रखते हुए भारत सरकार के द्वारा उनकी 125 की जन्म तिथि पर वर्ष 2012 को 'राष्ट्रीय गणित वर्ष' घोषित करते हुए प्रति वर्ष उनके जन्म दिवस पर 22 दिसम्बर को राष्ट्रीय गणित दिवस मनाने का फैसला लिया गया.

राजनीति, शासन व्यवस्था एवं सामाजिक न्याय

भारत में अपराध पर राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) रिपोर्ट-2022 (NCRB Report-2022)

सुर्खियों में क्यों ?

हाल ही में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) ने '2022 के दौरान भारत में अपराध (Crime in India for 2022)' शीर्षक से अपनी वार्षिक रिपोर्ट जारी की है. यह रिपोर्ट जो देश भर में अपराधों का व्यापक अवलोकन प्रदान करती है.

प्रमुख तथ्य

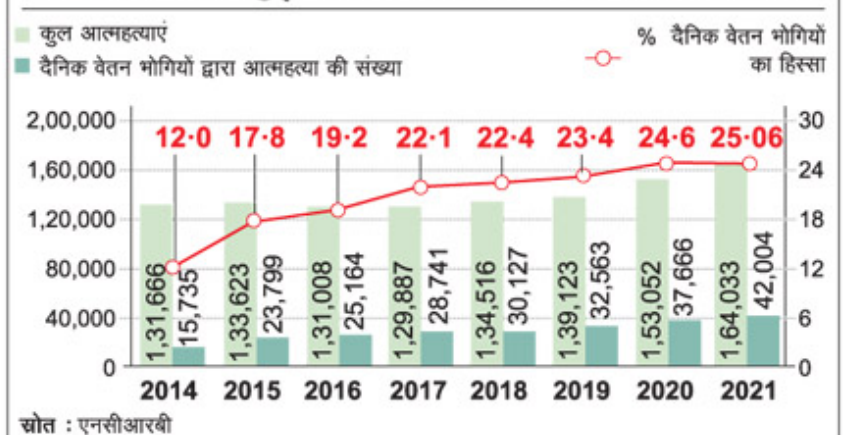
रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021 में कुल 58,00,000 से अधिक संज्ञेय अपराध दर्ज किए गए, जिनमें भारतीय दण्ड संहिता (IPC) तथा विशेष और स्थानीय कानून (SLL) के तहत यानी दोनों प्रकार के अपराध शामिल थे. वर्ष 2021 की तुलना में मामलों के पंजीकरण में 4.5% की गिरावट देखी गई.
- देश में प्रति लाख जनसंख्या पर अपराध दर वर्ष 2021 के 445.9 से घटकर 2022 में 422.2 हो गई. कुल अपराध संख्या पर जनसंख्या वृद्धि के प्रभाव को देखते हुए इस गिरावट को अधिक विश्वसनीय संकेतक माना जा सकता है.

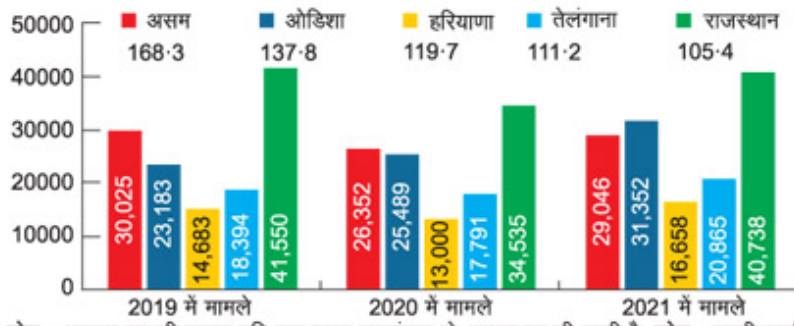
- महानगरों में प्रति लाख जनसंख्या पर सबसे कम संज्ञेय अपराध दर्ज करते हुए कोलकाता लगातार तीसरे वर्ष भारत का सबसे सुरक्षित शहर बनकर उभरा है. पुणे (महाराष्ट्र) और हैदराबाद (तेलंगाना) ने क्रमशः दूसरा एवं तीसरा स्थान हासिल किया.
- साइबर अपराध के सन्दर्भ में वर्ष 2021 के 52,974 मामलों में 24.4% की वृद्धि के साथ कुल 65,893 मामले दर्ज हुए हैं. पंजीकृत मामलों में अधिकांश साइबर धोखाधड़ी के मामले (64.8%) शामिल हैं, इसके बाद जबरन वसूली (5.5%) और यौन शोषण (5.2%) के मामले आते हैं. इस श्रेणी के तहत अपराध दर वर्ष 2021 के 3.9 से बढ़कर वर्ष 2022 में 4.8 हो गई.
- वर्ष 2022 में भारत में आत्म हत्याओं में 2021 की तुलना में 4.2% की चिंताजनक वृद्धि देखी गई. 2022 में कुल 1.7 लाख से अधिक मामले आत्महत्या के दर्ज किए गए. आत्महत्या दर में भी 3.3% की वृद्धि हुई, जिसकी गणना प्रति लाख जनसंख्या पर आत्म हत्याओं की संख्या के रूप में की जाती है.
- आत्महत्या के सबसे अधिक मामले महाराष्ट्र में दर्ज किए गए, इसके बाद तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तेलंगाना का स्थान है.
- आत्महत्या के कुल मामलों में दैनिक वेतन भोगियों की हिस्सेदारी 26.4% थी. कृषि श्रमिक और किसान भी असमान रूप से प्रभावित हुए, जो आत्महत्या के आँकड़ों का एक बड़ा हिस्सा है.
- इसके बाद बेरोजगार व्यक्तियों का स्थान है, जो वर्ष 2022 में भारत में दर्ज आत्महत्या के सभी मामलों में से 9.2% थे. वर्ष में दर्ज कुल आत्महत्या के मामलों में 12,000 से अधिक छात्र शामिल थे.

- आत्महत्या के प्रमुख कारणों में 'पारिवारिक समस्याएं', 'विवाह सम्बन्धी समस्याएं,' 'दिवालियापन और ऋणग्रस्तता,' 'बेरोजगारी एवं पेशेवर मुद्दे' तथा बीमारी शामिल हैं.
- वर्ष 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,45,256 मामले दर्ज किए गए, जो वर्ष 2021 की तुलना में 4% अधिक हैं. प्रमुख श्रेणियों में 'पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता,' 'महिलाओं का अपहरण' और 'महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उन पर हमला' जैसे मामले शामिल हैं.
- भारत में अपराध रिपोर्ट में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) व्यक्तियों के खिलाफ अपराधों में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना जैसे राज्यों में वर्ष 2022 में ऐसे मामलों में वृद्धि देखी गई. मध्य प्रदेश और राजस्थान प्रमुख योगदानकर्ताओं के रूप में बने हुए हैं, जो एससी और एसटी समुदायों के खिलाफ अपराध एवं अत्याचार की सबसे अधिक घटनाओं वाले शीर्ष पाँच राज्यों में लगातार प्रमुख स्थान पर हैं. ऐसे अपराधों के उच्च स्तर वाले अन्य राज्यों में बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और पंजाब शामिल हैं.
- बच्चों के विरुद्ध अपराध के मामलों में वर्ष 2021 की तुलना में 8.7% की वृद्धि देखी गई. इनमें से अधिकांश मामले अपहरण (45.7%) से सम्बन्धित थे और 39.7% मामले यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत दर्ज किए गए थे.
- वर्ष 2021 में वरिष्ठ नागरिकों के विरुद्ध अपराध के 26,110 मामले थे जिनमें 9.3% की बढ़ोतरी के साथ ये 28,545 हो गए.
- NCRB रिपोर्ट में जानवरों के हमलों के कारण मरने वाले अथवा घायल होने वाले लोगों की संख्या में चिंताजनक प्रवृत्ति का पता चलता है. वर्ष 2021 की तुलना में

दिहाड़ी मजदूरों की बढ़ती आत्महत्या दर



वर्ष 2021 में महिलाओं के खिलाफ अपराध की उच्चतम दर वाले राज्य



नोट : अपराध दर की गणना प्रति एक लाख जनसंख्या के आधार पर की जाती है. स्रोत : एनसीआरबी

वर्ष 2022 में ऐसी घटनाओं में 19% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई. महाराष्ट्र में सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए, इसके बाद उत्तर प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश में विभिन्न संख्या में सम्बन्धित मामले दर्ज किए गए. इसके अतिरिक्त जानवरों/सरीसृपों तथा कीटों के काटने के मामलों में भी 16.7% की वृद्धि हुई. उक्त के काटने के सबसे अधिक मामले राजस्थान में, उसके बाद क्रमशः मध्य प्रदेश, तमिलनाडु तथा उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए.

- भारत में पर्यावरण सम्बन्धी अपराधों की कुल संख्या में वर्ष 2021 की तुलना में वर्ष 2022 में लगभग 18% की कमी आई है.
- भारत में पर्यावरण सम्बन्धी अपराधों की कुल संख्या में वर्ष 2021 की तुलना में वर्ष 2022 में लगभग 18% की कमी आई है.
- विगत वर्ष की तुलना में वर्ष 2022 में राज्य के विरुद्ध हुए अपराधों में सामान्य वृद्धि देखी गई. इस अवधि के दौरान विधि विरुद्ध क्रिया-कलाप निवारण अधिनियम (UAPA) के तहत दर्ज मामलों में लगभग 25% की वृद्धि हुई. इसके विपरीत IPC की राजद्रोह धारा के तहत मामलों में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई.
- आर्थिक अपराधों को आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी, छल तथा धोखाधड़ी (Forgery, Cheating, Fraud-FCF) तथा कूटकरण (Counterfeiting) में वर्गीकृत किया गया है. FCF के अधिकांश मामले (1,70,901 मामले) देखे गए, इसके बाद आपराधिक विश्वासघात (21,814 मामले) तथा कूटकरण (670 मामले) के अपराध थे.
- विदेशियों के खिलाफ 192 मामले दर्ज किए गए जो वर्ष 2021 के 150 मामलों से 28% अधिक है.
- IPC अपराधों के तहत उच्चतम आरोप-पत्र दर वाले राज्य केरल, पुदुचेरी और पश्चिम बंगाल हैं.

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो

भारतीय पुलिस में कानून व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए पुलिस तंत्र को सूचना प्रौद्योगिकी समाधान और आपराधिक गुप्त सूचनाएँ प्रदान कर समर्थ बनाने के उद्देश्य से NCRB की स्थापना केंद्रीय गृह मंत्रालय के अन्तर्गत वर्ष 1986 में की गई थी. NCRB का गठन राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-81) और गृह मंत्रालय के कार्यबल (1985) की सिफारिशों के आधार पर स्थापित किया गया था.

NCRB का मुख्यालय नई दिल्ली में है और यह गृह मंत्रालय का प्रभाग है. यह भारतीय और विदेशी अपराधियों के फिंगर प्रिंट रिकॉर्ड करने के लिए 'नेशनल वेयरहाउस' के रूप में भी कार्य करता है, और फिंगर प्रिंट खोज के माध्यम से अंतर्राज्यीय अपराधियों का पता लगाने में सहायता करता है. NCRB के चार प्रभाग हैं—अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम (CCTNS), अपराध सांख्यिकी, फिंगर प्रिंट और प्रशिक्षण.

NCRB के प्रकाशन

- क्राइम इन इंडिया रिपोर्ट
- आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या
- जेल सांख्यिकी
- भारत में गुमशुदा महिलाओं और बच्चों पर रिपोर्ट

पर्यावरण एवं प्रदूषण

रैट-होल खनन (Rat Hole Mining)

सुर्खियों में क्यों ?

हाल ही में उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी में स्थित सिल्क्यारा की निर्माणाधीन सुरंग में फँस गए 41 श्रमिकों को बचाने के लिए खनन की वैज्ञानिक विधियों के साथ रैट-होल खनन से बचाव कार्य को अंजाम दिया गया.

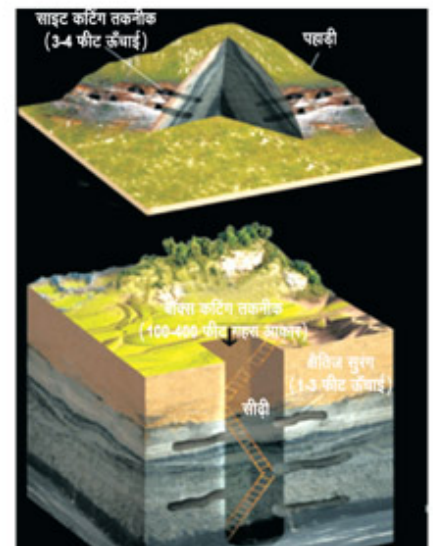
प्रमुख तथ्य

रैट-होल खनन

- रैट-होल माइनिंग हाथ से (Manually) कोयला निष्कर्षण की एक विधि है जिसमें जमीन में संकीर्ण, ऊर्ध्वाधर ऐसे गड्ढे खोदकर, जो आमतौर पर एक व्यक्ति के लिए पर्याप्त चौड़ा होता है, के माध्यम से कोयले का निष्कर्षण किया जाता है.
- इन गड्ढों को 'रैट-होल' के रूप में जाना जाता है. ये गड्ढे 100 मीटर तक गहरे हो सकते हैं और क्षैतिज रूप से लम्बी दूरी तक फैले हो सकते हैं.
- खनिक रस्सियों और बाँस की सीढ़ियों का उपयोग करके इन गड्ढों में उतरते हैं और हाथ के औजारों का उपयोग करके कोयला निकालते हैं.
- इस तरह के खनन में आदिम उपकरणों गैती, फावड़े और टोकरियों का इस्तेमाल किया जाता है.
- ये खनन मोटेतौर पर दो प्रकार का होता है—

1. साइड-कटिंग प्रक्रिया—इस तरह के खनन में पहाड़ी ढलानों पर संकीर्ण सुरंगें खोदी जाती हैं और श्रमिक कोयले की परत मिलने तक अंदर जाते हैं.

2. रैट होल खनन—इसे बॉक्स-कटिंग कहा जाता है. यह आयताकार होता है, जो 10 से 100 वर्गमीटर तक होता है. इसमें 100 से 400 फीट गहरा एक ऊर्ध्वाधर गड्ढा खोदा जाता है. एक बार कोयले की परत मिल जाने के बाद, चूहे के बिल के आकार की सुरंगें क्षैतिज रूप से खोदी जाती हैं. एक बार कोयले की परत मिल जाने के बाद, चूहे के बिल के आकार की सुरंगें क्षैतिज रूप से खोदी जाती हैं. एक बार कोयले की परत मिल जाने के बाद, चूहे के बिल के आकार की सुरंगें क्षैतिज रूप से खोदी जाती हैं, जिनके माध्यम से श्रमिक कोयला निकाल सकते हैं.



रैट-होल माइनिंग के खतरे

- सुरक्षा उपायों का अभाव—रैट-होल खदानें आम तौर पर असुरक्षित एवं अनियमित होती हैं और उनमें उचित वेंटिलेशन, संरचनात्मक बनावट और श्रमिकों के लिए सुरक्षा गियर जैसे बुनियादी सुरक्षा उपायों का अभाव होता है। इससे सुरंग में एक ऐसा खतरनाक वातावरण बन जाता है जिससे दम घुट सकता है, चोट लग सकती है और मृत्यु हो सकती है।
- संरचनात्मक अस्थिरता—इस तरह की संकीर्ण, असमर्थित सुरंगों के ढहने का खतरा हमेशा रहता है, जिससे खनिक सुरंग के अन्दर फँस सकते हैं।
- हानिकारक पदार्थों के संपर्क में—खनिक कोयले की धूल और मीथेन गैस जैसे हानिकारक पदार्थों के संपर्क में आते हैं, जिससे श्वसन सम्बन्धी समस्याएं और अन्य स्वास्थ्य खतरे हो सकते हैं।
- पर्यावरणीय प्रभाव—इन खदानों से निकलने वाला अम्लीय अपवाह, जिसे एसिड माइन ड्रेनेज (AMD) के रूप में जाना जाता है, विशेष रूप से हानिकारक है, यह जल की गुणवत्ता को खराब कर रहा है और प्रभावित जल निकायों में जैव विविधता को हानि पहुँचा रहा है।

रैट होल खनन पर प्रतिबन्ध

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने अवैज्ञानिक और असुरक्षित होने के कारण 2014 में रैट होल खनन पर प्रतिबन्ध लगा दिया। वर्ष 2015 से यह प्रतिबन्ध खासकर मेघालय में लागू है, क्योंकि यहाँ कोयला खनन के लिए रैट होल खनन प्रक्रिया का व्यापक तौर पर प्रचलन में है। एनजीटी के अनुसार, मेघालय में अत्यधिक रैट होल माइनिंग से कई ऐसे कई मामले आए हैं। जहाँ बरसात के मौसम के दौरान, खनन क्षेत्रों में पानी भर गया जिसके परिणामस्वरूप कर्मचारियों/श्रमिकों सहित कई लोगों की मौत हो गई। ऐसी ही एक दुर्घटना 2021 में हुई जब पाँच खनिज श्रमिक बाढ़ वाली खदान में फँस गए। बचाव दल द्वारा एक महीने के बाद अभियान बन्द करने से पूर्व तीन शव पाए गए थे। इसमें इस पद्धति से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण को भी शामिल किया गया। हालाँकि खनन राज्य सरकार के लिए राजस्व का एक प्रमुख स्रोत है। मणिपुर सरकार ने एनजीटी के प्रतिबन्ध को यह तर्क देते हुए चुनौती दी है कि इस क्षेत्र के लिए खनन का कोई अन्य व्यवहार्य विकल्प नहीं है। 2022 में मेघालय उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त एक पैनल ने पाया कि मेघालय में रैट-होल खनन निर्बाध रूप से जारी है।

आर्थिक एवं वित्तीय अवधारणाएं

बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2022 (National Multidimensional Poverty Index-2022)

सुखियों में क्यों ?

हाल ही में नीति आयोग द्वारा जारी "राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक : एक प्रगति सम्बन्धी समीक्षा 2023" रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2015-16 से 2019-21 की अवधि के दौरान रिकॉर्ड 13.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से मुक्त हुए।

प्रमुख तथ्य

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु

- रिपोर्ट के अनुसार, भारत में बहुआयामी गरीबी की संख्या जो वर्ष 2015-16 में 24.85% थी गिरकर वर्ष 2019-2021 में 14.96% हो गई जिसमें 9.89% अंकों की उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है। इस अवधि के दौरान शहरी क्षेत्रों में गरीबी 8.65 प्रतिशत से गिरकर 5.27 प्रतिशत हो गई, इसके मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों की गरीबी तीव्रतम गति से 32.59 प्रतिशत से घटकर 19.28 प्रतिशत हो गई है।

एमपीआई प्रगति रिपोर्ट 2023 (एनएफएचएस-4 और 5 के बीच)

कुल गरीबी 'हेड काउंट अनुपात' में गिरावट

2015-2016 **24.85%**

2019-2021 **14.96%**

शहरी क्षेत्रों में गरीबी पैमाना में गिरावट

2015-2016 **8.65%**

2019-2021 **5.27%**

स्रोत : राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक : प्रगति समीक्षा 2023

उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा और राजस्थान में एमपीआई गरीबी की संख्या में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई

135 मिलियन

2015-16 और 2019-21 के बीच लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए

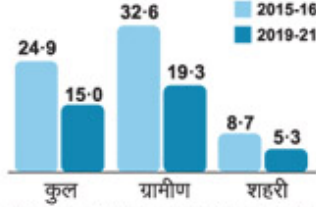


- उत्तर प्रदेश में 3.43 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से मुक्त हुए जोकि गरीबी की संख्या में सबसे बड़ी गिरावट है। 36 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों और 707 प्रशासनिक जिलों के लिए बहुआयामी गरीबी सम्बन्धी अनुमान प्रदान करने वाली रिपोर्ट से पता चलता है कि बहुआयामी गरीबी के अनुपात में सबसे तीव्र कमी उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा और राजस्थान राज्यों में हुई है।
- स्वच्छता, पोषण, रसोई गैस, वित्तीय समावेशन, पेयजल और बिजली तक पहुँच में सुधार पर सरकार के समर्पित फोकस से इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।
- बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) के सभी 12 मापदण्डों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पोषण अभियान और एनीमिया मुक्त भारत जैसे प्रमुख कार्यक्रमों ने स्वास्थ्य में अभावों को कम करने में

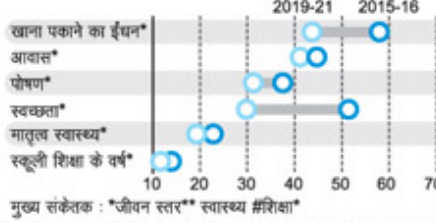
बदलती स्थिति

2015-16 में लगभग 24.9% भारतीय बहुआयामी रूप से गरीब थे. हालाँकि 2019-21 में यह हिस्सा घटकर 15% रह गया है.

जनसंख्या में बहुआयामी गरीब आबादी की संख्या

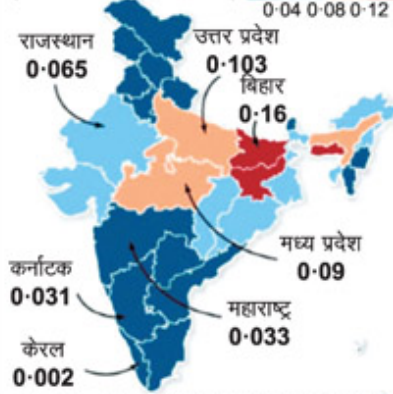


'वंचन' के सबसे बड़े क्षेत्र (ऑकड़े प्रत्येक संकेतक में वंचित जनसंख्या का प्रतिशत हिस्सा दर्शाता है).

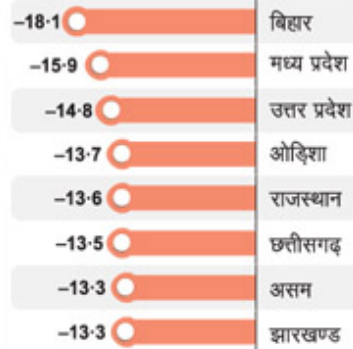


मुख्य संकेतक : *जीवन स्तर** स्वास्थ्य #शिक्षा

बहुआयामी गरीबी सूचकांक (मानक 0-1) (जितना कम, उतना बेहतर)



बहुआयामी गरीब आबादी में सबसे अधिक गिरावट (प्रतिशत में)



एक बहुआयामी रूप से गरीब व्यक्ति वह है, जो कुल मिलाकर 33.3% वंचित है. (यह 12 संकेतकों पर आधारित है, जिनमें से सभी का अलग-अलग भार है). कुल संख्या अनुपात जनसंख्या में बहुआयामी गरीब व्यक्तियों का हिस्सा है. तीव्रता (Intensity) ऐसे व्यक्तियों के बीच अभाव की औसत सीमा को संदर्भित करती है. (इसलिए हमेशा 33.3% से अधिक) एमपीआई में कुल संख्या को तीव्रता से गुणा किया जाता है.

स्रोत : नीति आयोग

योगदान प्रदान किया है, जबकि स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) और जल जीवन मिशन (जेजेएम) जैसी पहलों ने देशभर में स्वच्छता सम्बन्धी सुधार किया है.

- स्वच्छता अभावों में इन प्रयासों के प्रभाव के परिणामस्वरूप तेजी से और स्पष्ट रूप से 21.8% अंकों का सुधार हुआ है. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के माध्यम से सब्सिडी वाले रसोई गैस के प्रावधान ने जीवन को सकारात्मक रूप से

बदल दिया है, और रसोई गैस की कमी में 14.6% अंकों का सुधार हुआ है.

- सौभाग्य, प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई), प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) और समग्र शिक्षा जैसी पहलों ने भी बहुआयामी गरीबी को कम करने में प्रमुख भूमिका निभाई है. विशेष रूप से बिजली के लिए अत्यन्त कम अभाव दर, बैंक खातों तक पहुँच तथा पेयजल सुविधा के माध्यम से उल्लेखनीय

राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक

राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर के तीन समान रूप से भारित आयामों में एक साथ अभावों को मापता है, जो 12 SDG- संरेखित संकेतकों द्वारा दर्शाए जाते हैं. इनमें पोषण, बाल और किशोर मृत्यु दर, मातृ स्वास्थ्य, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में उपस्थिति, खाना पकाने का ईंधन, स्वच्छता, पीने का पानी, बिजली, आवास, संपत्ति और बैंक खाते शामिल हैं.

वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक

वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक, स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर में व्याप्त अभावों का मूल्यांकन एवं विश्लेषण करता है. यह "प्रत्यक्ष रूप से किसी व्यक्ति के जीवन और कल्याण को प्रभावित करने वाले स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जीवन स्तर के परस्पर सम्बन्धित अभावों को मापता है." वैश्विक MPI रिपोर्ट ऑक्सफोर्ड निर्धनता और मानव विकास पहल (OPHI) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित की जाती है.

शीघ्र प्रकाशित

नवीन संशोधित संस्करण

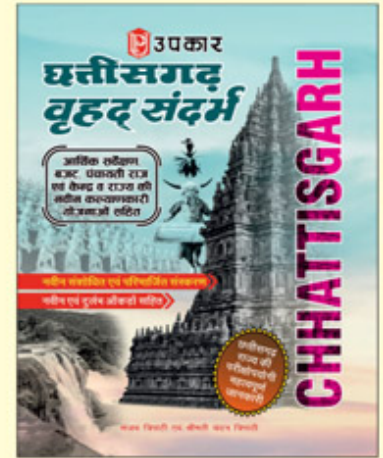


उपकार

छत्तीसगढ़
वृहद् संदर्भ

(नवीन ऑकड़ों एवं तथ्यों सहित)

लेखकद्वय : संजय त्रिपाठी एवं श्रीमती चंदन त्रिपाठी



कोड नं. : 1437 मूल्य : ₹ 395/-

पुस्तक की विशेषताएँ

पुस्तक का प्रथम खण्ड 'छत्तीसगढ़ : विविध अध्ययन' सामान्य विषयों का है जिसमें छत्तीसगढ़ के भूगोल, जलवायु, कृषि, खनिज, वन, उद्योग, जल संसाधन, अर्थव्यवस्था एवं अन्य विविध विषयों पर प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध कराई गई है.

पुस्तक का द्वितीय खण्ड 'छत्तीसगढ़ का इतिहास, कला एवं स्थापत्य' का है जिसमें छत्तीसगढ़ के इतिहास के प्रत्येक काल का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है.

पुस्तक का तृतीय खण्ड 'छत्तीसगढ़ की संस्कृति' का है जिसमें छत्तीसगढ़ी संस्कृति से सम्बन्धित प्रदेश की संस्कृतिगत विशिष्टताओं से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों का उल्लेख किया गया है.

छत्तीसगढ़ राज्य से सम्बन्धित प्रामाणिक जानकारी अब एक ही पुस्तक में उपलब्ध

उपकार प्रकाशन, आगरा-5

- E-mail : sales@upkar.in
- Website : www.upkar.in

MPI बनाम HDI

| बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) | मानव विकास सूचकांक (HDI) |
|---|---|
| <ul style="list-style-type: none"> MPI व्यक्तियों के अभावों/वंचनाओं का तीन आयामों—स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर में मापन करता है. | <ul style="list-style-type: none"> देश की उपलब्धियों को तीन आयामों—जीवन प्रत्याशा, शिक्षा और प्रति व्यक्ति आय में मापता है. |
| <ul style="list-style-type: none"> बहुआयामी गरीबी सूचकांक, बहुआयामी गरीबी सूचकांक गरीबी की तीव्रता और स्थिति (Intensity and Incidence) का मापन करने के लिए 10 संकेतकों का उपयोग करता है. | <ul style="list-style-type: none"> मानव विकास के औसत स्तर का मापन करने के लिए 3 संकेतकों का उपयोग करता है. |
| <ul style="list-style-type: none"> MPI का मापन 0 से 1 के दायरे में होता है, जहाँ 0 का अर्थ है गरीबी का नहीं होना और 1 का अर्थ है चरम गरीबी. | <ul style="list-style-type: none"> HDI का मापन 0 से 1 के दायरे में होता है, जहाँ 0 का अर्थ है निम्न मानव विकास और 1 का अर्थ है अत्यंत उच्च मानव विकास. |
| <ul style="list-style-type: none"> बहुआयामी गरीबी सूचकांक को UNDP और OPHI द्वारा वार्षिक रूप से प्रकाशित किया जाता है. | <ul style="list-style-type: none"> मानव विकास सूचकांक को UNDP द्वारा वार्षिक रूप से प्रकाशित किया जाता है. |

प्रगति प्राप्त करना नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने तथा सभी के लिए एक उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है.

- आपस में अत्यधिक जुड़े हुए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों और पहलों के लगातार कार्यान्वयन से कई संकेतकों में होने वाले अभावों में उल्लेखनीय कमी आई है.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (Global Positioning System-GPS)

सुर्खियों में क्यों ?

हाल ही में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के आदेश को चुनौती देने वाली एक याचिका के सन्दर्भ में केंद्र सरकार को पक्ष प्रस्तुत करने के लिए कहा है, जिसमें विमान पर 'केवल-रिसीव ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (GPS) उपकरणों' को ले जाने पर रोक लगा दी गई थी.

प्रमुख तथ्य

ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (GPS)

- GPS एक उपग्रह-आधारित रेडियो-नेविगेशन प्रणाली है जिसका उपयोग निगरानी और नियंत्रण के लिए किया जाता है.
- अमरीकी रक्षा विभाग ने वर्ष 1973 में जीपीएस कार्यक्रम आरम्भ किया और वर्ष 1978 में पहला उपग्रह लॉन्च किया.

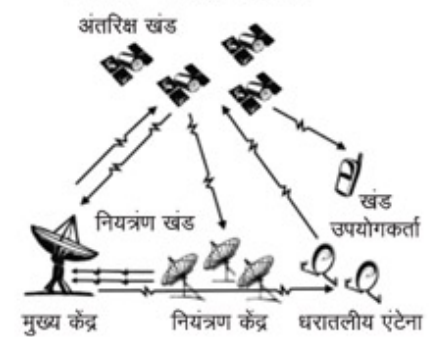
- यह एक अमरीकी स्वामित्व वाली तकनीक है जो उपयोगकर्ताओं को पोजिशनिंग, नेविगेशन और टाइमिंग (PNT) सेवाएं प्रदान करती है.

जीपीएस (GPS) के मुख्य घटक— जीपीएस कार्यक्रम में तीन घटक हैं—अंतरिक्ष खण्ड, नियंत्रण खण्ड और उपयोगकर्ता खण्ड.

- अंतरिक्ष खण्ड (Space segment)—** अंतरिक्ष खण्ड में 24 उपग्रह सम्मिलित हैं. वे जिन छह कक्षाओं में जाते हैं वे सभी पृथ्वी से 20,200 किमी ऊपर हैं, और प्रत्येक कक्षा में हर समय चार उपग्रह होते हैं. इस संयोजन से, पृथ्वी पर कोई भी व्यक्ति एक समय में कम-से-कम चार उपग्रहों को 'देख' सकेगा, जो एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है.
- नियंत्रण खण्ड (Control segment)—** धरातल आधारित स्टेशनों द्वारा प्रबंधित नियंत्रण खण्ड वर्ष 2020 में प्रकाशित स्टैंडर्ड पोजिशनिंग सर्विस (SPS) मानकों का पालन करते हुए उपग्रह प्रदर्शन और सिग्नल की सटीकता सुनिश्चित करता है. विश्व भर के प्रमुख स्टेशन इस प्रणाली की विश्वसनीयता का प्रबंधन एवं अनुवीक्षण करते हैं. SPS मानक विश्व भर में कहीं भी एप्लीकेशन डेवलपर्स और उपयोगकर्ताओं को जीपीएस सिस्टम से होने वाले लाभों के बारे में अवगत कराता है.
- उपयोगकर्ता—** उपयोगकर्ता खण्ड के अन्तर्गत कृषि से लेकर सैन्य संचालन से जुड़े विविध क्षेत्र शामिल हैं, वर्ष 2021 में विश्व भर में GNSS (ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम) डिवाइस

की अनुमानित संख्या 6.5 बिलियन थी, जिसके विषय में उम्मीद की जा रही है कि वर्ष 2031 तक यह संख्या बढ़कर 10 बिलियन तक हो सकती है, ये आँकड़े इसके व्यापक प्रभाव को रेखांकित करते हैं.

- GPS की कार्यक्षमता—**GPS रिसीवर कुछ आवृत्तियों (50 बिट्स/सेकंड पर L1 और L2 आवृत्तियों) पर उपग्रहों द्वारा प्रदान किए गए रेडियो संकेतों को प्राप्त करता है और उनका आकलन करता है, जो अंतरिक्ष के तीन डायमेंशन एवं समय के एक डायमेंशन में सटीक स्थान निर्धारण में मदद करता है.



जीपीएस की कार्यप्रणाली

- जीपीएस सैटेलाइट प्रसारण—**प्रत्येक जीपीएस उपग्रह निरन्तर एक रेडियो सिग्नल प्रसारित करता है जिससे कक्षा में उसके स्थान, परिचालन स्थिति और सिग्नल उत्सर्जित होने के समय के बारे में जानकारी होती है.
- एन्कोडिंग तकनीक—**उपग्रह से प्राप्त सिग्नल को कोड-डिवीजन मल्टीपल एक्सेस के साथ एन्कोड किया जाता है. यह एक ही चैनल में कई सिग्नल प्रसारित करने की अनुमति देता है और एक रिसीवर उन्हें अलग करने में सक्षम होता है.
- एन्कोडिंग के प्रकार—**अपरिष्कृत/अधिग्रहण मोड, जिसका उपयोग नागरिक अपरिष्कृत जीपीएस डेटा तक पहुँच प्राप्त करने के लिए कर सकते हैं, और अन्य यथार्थ समय आधारित मोड है, जो एन्क्रिप्टेड होता है एवं सैन्य उपयोग के लिए होता है.
- स्मार्टफोन पर, एक जीपीएस रिसीवर एक सिग्नल ग्रहण करता है और उपग्रह से इसकी सटीक दूरी की गणना करने के लिए इसका उपयोग करता है.

जीपीएस के अनुप्रयोग

- विमानों में लगे जीपीएस रिसीवर पायलटों (और कभी-कभी यात्रियों) को वास्तविक

शेष पृष्ठ 102 पर

सिल्व्यारा-बड़कोट सुरंग दुर्घटना : राहत और बचाव कार्य दुर्लभतम प्रयास

—मधूलिका सिंह

निर्माणाधीन 4.53 किमी लम्बी सिल्व्यारा-बड़कोट सुरंग का एक हिस्सा 12 नवम्बर, 2023 को ढह गया। इससे सुरंग के अन्दर कार्य कर रहे 41 कामगार फँस गए और शेष संसार के साथ उनका सम्बन्ध कट गया। क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसियों और व्यक्तियों, विशेषकर 'रैट-होल' खनिकों के अथक प्रयासों के बाद अन्ततः 28 नवम्बर, 2023 को सभी 41 श्रमिकों को सुरंग से सुरक्षित बाहर निकल लिया गया। मध्य हिमालयी क्षेत्र में पहाड़ियों की अत्यधिक नाजुक प्रकृति के कारण पहाड़ी राज्यों में विकास परियोजनाओं पर अक्सर विशेषज्ञों द्वारा सवाल उठाए जाते रहे हैं। विशेषज्ञों ने हिमालय में सुरंगों और राजमार्गों के निर्माण से सम्बन्धित कई मुद्दों को अतीत में उठाया गया है और नाजुक इलाके, पानी के रिसाव, भूस्खलन-प्रवण हिमालयी चट्टान प्रणाली, भूवैज्ञानिक अध्ययन की कमी और एक एस्केप सुरंग को डिजाइन करने में विफलता का हवाला दिया था। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड की अधिकांश सरकारों ने इन विशेषज्ञों की सलाह को अनसुना कर दिया।

सिल्व्यारा-बड़कोट सुरंग

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने उत्तराखण्ड में धरासू-यमुनोत्री खण्ड पर चनेज 25-400 किमी और चनेज 51-000 किमी के बीच पहुँच मार्ग सहित 4.531 किमी लम्बी 2-लेन द्वि-दिशात्मक सिल्व्यारा-बड़कोट सुरंग के निर्माण को मंजूरी प्रदान की थी। यह परियोजना उत्तराखण्ड राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग-134 (पुराना NH-94) पर पड़ती है। यह परियोजना इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) मोड के तहत बनाई जा रही है। यह केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की राष्ट्रीय राजमार्ग (ओ) योजना के तहत वित्त पोषित है और महत्वाकांक्षी चारधाम विकास परियोजना का हिस्सा है।

परियोजना की निर्माण अवधि 4 वर्ष थी। परियोजना की सिविल निर्माण लागत ₹ 1,383-78 करोड़, अनुमानित है, जबकि कुल परियोजना लागत ₹ 1,119-69 करोड़ है। जिसमें भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास और

अन्य पूर्व-निर्माण गतिविधियों के साथ-साथ 4 वर्षों के लिए सुरंग के रखरखाव और संचालन की लागत शामिल है।

इस सुरंग के निर्माण से चारधाम यात्रा के धारों में से एक यमुनोत्री को हर मौसम में कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे देश के भीतर क्षेत्रीय सामाजिक-आर्थिक विकास, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे धरासू से यमुनोत्री की यात्रा दूरी लगभग 20 किमी और यात्रा समय लगभग 1 घण्टा कम हो जाएगा। निर्माणाधीन सुरंग उन पेड़ों को कटाने से बचाएगी जिन्हें 25-600 किमी के सड़क सुधार में काटने की आवश्यकता होती, यदि मूल संरक्षण का पालन किया जाता।

यह परियोजना सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढाँचा विकास निगम लिमिटेड (NHIDCL) के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही है, जो एक पूर्ण राज्य स्वामित्व वाली कम्पनी है, जिसका गठन 2014 में अन्तर्राष्ट्रीय सीमाओं पर राज्यों में राजमार्गों के विकास के लिए किया गया था।

इस परियोजना का लक्ष्य उत्तराखण्ड राज्य में धरासू-यमुनोत्री पर निकास मार्ग के साथ 4-531 किमी लम्बी दो लेन द्वि-दिशात्मक सुरंग (328 मीटर पहुँच सड़क के साथ) का निर्माण करना है। ₹ 12,000 करोड़ की यह परियोजना 4 तीर्थस्थलों बद्दीनाथ, केंदारनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री तक जाने के लिए चौड़ी सड़कें उपलब्ध कराएगी। कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग के टनकपुर-पिथौरागढ़ खण्ड को भी चौड़ा किया जाएगा।

सिल्व्यारा-बड़कोट सुरंग सहित चारधाम यात्रा परियोजना का विरोध

जब से केन्द्र सरकार द्वारा चारधाम यात्रा परियोजना की कल्पना और घोषणा की गई, तब से उत्तराखण्ड में प्रकृति को बचाने के लिए काम कर रहे पर्यावरणविदों, भू-वैज्ञानिकों और गैर-सरकारी संगठनों ने इसका विरोध किया था। परियोजना के विरोधियों-विशेष रूप से सिटीजन्स फॉर ग्रीन दून देहरादून स्थित एक नागरिक समाज समूह-ने पहले फरवरी 2018 में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल और फिर अक्टूबर

2018 में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। 8 अगस्त, 2019 को अदालत ने परियोजना की समीक्षा करने और इसके प्रभावों को कम करने के लिए सिफारिशें देने के लिए एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) का गठन किए जाने के निर्देश दिए।

रवि चोपड़ा, एक पर्यावरण वैज्ञानिक और एक विकास कार्यकर्ता, जिन्हें एचपीसी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, ने जुलाई 2020 में अदालत को सौंपी गई समिति की रिपोर्ट में उल्लेख किया है—“हमने कई भूस्खलन का सामना किया ढलान विफलताओं और मलबे को सीधे नीचे की ओर जंगलों, नदी तलों में फेंक दिया गया और जलमार्गों का दस्तावेजीकरण किया गया। अप्रत्याशित ढलान विफलताओं के कारण हजारों पेड़ पहले ही काटे जा चुके थे और कई पेड़ नीचे गिर गए थे. कमजोर सुरक्षात्मक दीवारों ने ऊँची, ऊर्ध्वाधर ढलानों को अपने भाग्य पर छोड़ दिया था.” विशेषज्ञों की आशंका पर न तो उत्तराखण्ड सरकार और न ही केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय ने ध्यान दिया।

समिति के किसी भी सदस्य ने परियोजना पर आपत्ति नहीं जताई, लेकिन सड़क की चौड़ाई को लेकर उनके बीच मतभेद था, जबकि उच्चाधिकार प्राप्त समिति के अध्यक्ष रवि चोपड़ा और 4 अन्य सदस्यों ने परियोजना के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए 5.5 मीटर चौड़े कैरिजवे और 1.5 मीटर ऊँचे फुटपाथ वाली सड़कों के लिए तर्क दिया, 13 सदस्यों ने 7 मीटर के डबल-लेन कैरिजवे और दोनों ओर 1.5 मीटर, -1.5 मीटर पेड शोल्डर बनाने का (अर्थात् कुल 10 मीटर तारयुक्त सतह तर्क दिया), जिसे पेड शोल्डर (डीएल-पीएस) विन्यास के साथ डबल लेन भी कहा जाता है।

5.5 मीटर कैरिजवे के लिए उच्चाधिकार प्राप्त समिति के अल्पसंख्यक सदस्यों के तर्क को केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय के 23 मार्च, 2018 के परिपत्र का समर्थन प्राप्त था, जिसने सड़कों के लिए पहाड़ियों को काटने से होने वाले प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए पहाड़ियों में राष्ट्रीय राजमार्गों की चौड़ाई को कम कर दिया था। दूसरी ओर, अधिकांश सदस्यों ने केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय के 5 अक्टूबर, 2012 के पुराने परिपत्र के आधार पर चौड़ी, डीएल-पीएस सड़कों के लिए तर्क दिया।

8 सितम्बर, 2020 को सुप्रीम कोर्ट ने उच्चाधिकार प्राप्त समिति के अल्पसंख्यक सदस्यों के विचार को स्वीकार करते हुए 5.5 मीटर कैरिजवे वाली सड़कें बनाने के निर्देश

दिए. हालाँकि, रक्षा मंत्रालय ने इस मामले में हस्तक्षेप किया और 27 नवम्बर, 2020 को सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दायर किया और 674 किमी के लिए 7 मीटर तारकोल युक्त सतह के साथ डबल-लेन सड़कों की अनुमति माँगी. तर्क यह था कि चूँकि ये सड़कें भारत-चीन सीमा तक पहुँच को सुगम बनाएंगी, इसलिए 'राष्ट्र की सुरक्षा के हित और इसकी सीमाओं की रक्षा' के सन्दर्भ में उत्तराखण्ड में एक चौड़ी सड़क का निर्माण देश के हित में था.

सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण और भूवैज्ञानिक सन्दर्भ पर 'राष्ट्रीय सुरक्षा' को प्राथमिकता दी और भारत-चीन सीमा तक जाने वाली 674 किमी लम्बी सड़कों को डीएल-पीएस कॉन्फिगरेशन के आधार पर चौड़ा करने की अनुमति दी. अदालत ने केन्द्र सरकार को 'उचित कानूनी कार्यवाही' करके शेष 151 किमी की गैर-रणनीतिक सड़कों को चौड़ा करने का मार्ग भी प्रशस्त किया.

सिल्क्यारा-बड़कोट सुरंग के निर्माण में गम्भीर खामियाँ

जैसा कि ऐसी आपदाओं के सभी मामलों में होता है, विशेषज्ञों, तथ्यान्वेषी समितियों, जाँच रिपोर्टों में सिल्क्यारा-बड़कोट सुरंग के निर्माण में कई खामियाँ पाई गईं.

हिमालय दुनिया के सबसे अस्थिर क्षेत्रों में से एक है. नाजुक भू-विज्ञान, विवर्तनिक गतिविधियों और जटिल भू-वैज्ञानिक संरचनाओं के कारण इस क्षेत्र में भूमिगत खुदाई बहुत चुनौतीपूर्ण है. अधिकांश चट्टानी विफलताएं मुंडित क्षेत्रों, धक्कों और भारी अपक्षयित चट्टान द्रव्यमान में हुई हैं. इन परियोजनाओं के आसपास की भू-वैज्ञानिक स्थितियाँ अक्सर विभिन्न प्रकार के चट्टानों की सिलवटों, भ्रंशों, जोड़ों और अन्तर-विस्तर की महत्वपूर्ण उपस्थिति की विशेषता होती हैं; वे इतने जटिल और विविध हैं कि पारम्परिक भू-तकनीकी साइट जाँच से क्षेत्र की स्थिति का सटीक अनुमान लगाना अक्सर मुश्किल होता है. कई मामलों में, मुंडित क्षेत्रों, धक्कों और टेक्टोनिक गतिविधियों की उपस्थिति का स्वस्थानी तनाव पर गहरा प्रभाव पड़ता है. इन प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा से पता चलता है कि भूवैज्ञानिक और भू-तकनीकी कारकों की एक विस्तृत शृंखला के बीच जटिल गतिशीलता हिमालय में सुरंग बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. निम्नलिखित तथ्य इस बात को प्रमाणित करते हैं कि सिल्क्यारा बड़कोट सुरंग के निर्माण में आवश्यक सावधानियाँ नहीं बरती गईं—

- सुरंग ढहने की घटना विशेष रूप से चिंता. जनक है, क्योंकि यह क्षेत्र अस्थिर है और

निर्माण के दौरान आवश्यक सुरंग निर्माण मानदंडों का पालन नहीं किया गया था.

- परियोजना के काम में तेजी लाने और तेजी से पूरा करने के लिए कई निर्माण मानदंडों की अनदेखी की गई.
- आपातकालीन स्थिति में सुरंग से बाहर निकलने के लिए इस्तेमाल किया जा सकने वाला एक बचाव मार्ग परियोजना का हिस्सा था. हालाँकि, इसे कभी नहीं बनाया गया था.
- सिल्क्यारा-बड़कोट सुरंग का क्षेत्र मुंडित क्षेत्र का हिस्सा है जिसमें खराब गुणवत्ता की चट्टानें शामिल हैं. प्रश्न गत सुरंग को डिजाइन करते समय इस पर उचित विचार नहीं किया गया.
- सिल्क्यारा-बड़कोट सुरंग क्षेत्र में निम्न-श्रेणी की मेटामॉर्फिक चट्टानें शामिल हैं, जो अत्यधिक पत्तेदार हैं. इस क्षेत्र में मुंडित क्षेत्र हैं, जहाँ चट्टानें प्राकृतिक शक्तियों द्वारा कुचली और कमजोर हो गई हैं और अस्थिरता की स्थिति में हैं.
- सिल्क्यारा-बड़कोट सुरंग के लिए उचित सहायता प्रदान नहीं की गई थी, जो खराब चट्टान वाले क्षेत्रों से होकर गुजर रही है.
- ऐसे अत्यधिक नाजुक क्षेत्र में सुरंग बनाने का काम किसी इंजीनियरिंग भू-विज्ञानी की देखरेख में किया जाना चाहिए था, शायद ऐसा नहीं किया गया.
- भारत में प्रमुख परियोजनाओं को कानूनन पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) से गुजरना अनिवार्य है, सिल्क्यारा-बड़कोट सुरंग को प्रत्येक 100-100 किमी के छोटे खण्डों में विभाजित करके निर्माण करने को प्रथमिकता दिए जाने से पर्यावरणीय प्रभाव आकलन से छूट मिली है.
- सुरंग की छत के निर्माण के दौरान, धातु समर्थन को शामिल करना महत्वपूर्ण है. संभावित मलवा ढहने के खिलाफ एहतियात के तौर पर समानांतर सुरंगों को लागू करने के बारे में यह व्यापक रूप से स्वीकृत मानदंड है, सिल्क्यारा-बड़कोट सुरंग में न तो धातु समर्थन और न ही समानांतर सुरंगों को साकार किया गया था.

सिल्क्यारा-बड़कोट सुरंग बचाव अभियान-प्रायोगिकी के उपयोग से लेकर 'रैट होल माइन्स' तक

12 नवम्बर, 2023 को सिल्क्यारा मोड़ से बड़कोट तक सुरंग तक निर्माणाधीन सुरंग में सिल्क्यारा तरफ 60 मीटर हिस्से में मलबा गिरने से सुरंग ढह गई. इसमें फँसे हुए 41 मजदूरों

को बचाने के लिए राज्य और केन्द्र सरकारों द्वारा तत्काल संसाधन जुटाए गए.

प्रारम्भ में मलबे के माध्यम से 900 मिमी पाइप का चयन करना, सुरक्षा चिंताओं के कारण एक साथ कई बचाव विकल्पों की खोज हुई. फंसने का क्षेत्र, जिसकी ऊँचाई 8.5 मीटर और लम्बाई 2 किमी है, सुरंग का निर्मित हिस्सा है, जो उपलब्ध बिजली और पानी की आपूर्ति के साथ मजदूरों को सुरक्षा प्रदान करता है.

सिल्क्यारा-बड़कोट सुरंग बचाव कार्यों के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय की निगरानी में कई मंत्रालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और रक्षा एजेंसियों ने विशेषज्ञता, कर्मियों और उपकरणों को एकत्रित किया.

भारतीय वायु सेना, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और सीमा सड़क संगठन के साथ-साथ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) जैसी राज्य एजेंसियाँ और स्थानीय प्रशासन भी एक साथ आए. 5 एजेंसियों—ओएनजीसी, एसजेवीएनएल, आरवीएनएल, एनएचआईडीसीएल और टीएचडीसीएल को विशिष्ट जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं, जिन्होंने परिचालन दक्षता के लिए सामयिक कार्य समायोजन के साथ मिलकर कार्य किया.

1. राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढाँचा विकास निगम लिमिटेड (NHIDCL) के जीवनरेखा प्रयास

- दूसरी जीवन रेखा (150 मिमी व्यास) सेवा का उपयोग करके नियमित अन्तराल पर सुरंग के अन्दर ताजा पका हुआ भोजन और ताजे फल पहुँचाए गए.
- एसडीआरएफ द्वारा मानक कार्यबल के साथ वीडियो संचार तंत्र स्थापित किया गया तथा एनडीआरएफ द्वारा डायरेक्ट लाइन संचार तंत्र स्थापित किया गया.

2. राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढाँचा विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) द्वारा क्षैतिज बोरिंग

22 नवम्बर, 2023 को 0045 बजे शुरू हुई ऑगर ड्रिलिंग पाइप के सामने धातु की वस्तु (लैटिस गर्डर रिब) आने के कारण रुक गई थी और पाइप को आगे नहीं बढ़ाया जा सका. गैस कटर का उपयोग करके धातु की वस्तु (लैटिस गर्डर रिब) को काटने का काम शुरू किया गया और 23 नवम्बर, 2023 को 0230 बजे पूरा किया गया. 9वें पाइप को फिर से आगे धकेलना शुरू किया गया और अतिरिक्त 1.8 मीटर की दूरी तक पहुँचा दिया गया. इस दौरान सुरंग में मामूली कम्पन देखा किया गया था, इसलिए लागू किए जाने वाले

बल का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए ऑंगर को थोड़ा पीछे धकेल दिया गया था.

- टनल लाइनिंग से फोरपोल (पाइप) का एक मोड़ वाला हिस्सा बरमा असेंबली में टकरा गया था जिससे कम्पन हुआ.
- कंक्रीट को तेजी से सख्त करने के लिए एक्सलेरेटिंग एजेंट का उपयोग करके ऑंगर मशीन के लिए प्लेटफॉर्म को मजबूत किया गया, इसके बाद प्लेटफॉर्म की एंकरिंग और बोल्टिंग का काम पूरा किया गया.
- 24 नवम्बर, 2023 को 16 : 25 बजे 10वें पाइप (4.7 मीटर लम्बाई) को धकेलना शुरू हुआ और 24 नवम्बर, 2023 को 1750 बजे तक 2.2 मीटर की लम्बाई तक पाइप आगे बढ़ गया, जिसके परिणामस्वरूप कुल 46.9 मीटर की लम्बाई तक पाइप डाल लिया गया.
- 10वें पाइप को धकेलने के दौरान आगे रुकावट देखी गई और पाइप को धकेलना बंद करना पड़ा.
- वेल्डरों द्वारा दृश्य निरीक्षण के बाद यह पाया गया कि ऑंगुर का कटर जाली गर्डर बार से उलझ गया है जिससे 800 मिमी मार्ग पाइप की 1.5 मीटर लम्बाई क्षतिग्रस्त हो गई है.
- फॉसे हुए ऑंगर्स सहित सभी बाधाओं से 800 मिमी बचाव पाइप को हटाने के बाद, दूसरी तरफ तक पहुँचने के लिए अन्तिम कुछ मीटर को साफ करने के लिए मैनुअल बहाव प्रक्रिया लागू की गई थी. परिचालन क्षेत्र की सुरक्षा के लिए सुरंग के सामने से सिल्कयारा की ओर सुरंग निकास की ओर फाल्स रिब्स (False Ribs) का निर्माण (चेनेज 25-400 किमी और चेनेज 51-000 किमी) फाल्स रिब्स (False Ribs) का निर्माण 25 नवम्बर, 2023 को 1950 बजे शुरू हुआ.
- 3. एसजेवीएनएल द्वारा बचाव के लिए वर्टिकल ड्रिलिंग (1.0 मीटर व्यास):
 - फॉसे हुए श्रमिकों तक पहुँचने के लिए ऊर्ध्वाधर ड्रिलिंग का एक अन्य विकल्प लागू किया गया था.
 - ड्रिलिंग मशीन की लॉन्चिंग के लिए प्लेटफॉर्म बनाया गया.
- 4. टीएचडीसीएल द्वारा बड़कोट छोर से क्षैतिज ड्रिलिंग:
 - टीएचडीसी ने बड़कोट छोर से एक बचाव सुरंग का निर्माण शुरू किया.
- 5. रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) द्वारा लम्बवत्-क्षैतिज ड्रिलिंग:
 - मजदूरों को बचाने के लिए क्षैतिज ड्रिलिंग के लिए आवश्यक माइक्रो टनलिंग के

उपकरण नासिक और दिल्ली से लाए गए थे.

6. सिल्कयारा छोर पर रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) द्वारा वर्टिकल ड्रिलिंग (8 इंच व्यास):

- 1150 मीटर की पहुँच सड़क का निर्माण बीआरओ द्वारा किया गया और आरवीएनएल को सौंप दिया गया. ड्रिलिंग के लिए मशीन बीआरओ द्वारा स्थान पर लाई गई.
- 7. तेल एवं प्राकृतिक गैस कम्पनी (ओएनजीसी) द्वारा बड़कोट छोर की ओर लम्बवत् ड्रिलिंग (24 इंच व्यास)
 - ओएनजीसी ड्रिलिंग टीम ने 20 नवम्बर, 2023 को साइट का दौरा किया.
 - एयर ड्रिलिंग रिग इंदौर से लाया गया था.
 - ओएनजीसी द्वारा जुटाई गई एयर हैमर ड्रिलिंग रिग की सभी सम्बन्धित सामग्री को ऋषिकेश में स्टैंडबाय में रखा गया था, क्योंकि ड्रिलिंग के लिए रिग लगाने के लिए सड़क और स्थान बीआरओ द्वारा तैयार किया जा रहा था.
- 8. टीएचडीसीएल/आर्मी/कोल इंडिया और एनएचआईडीसीएल की संयुक्त टीम द्वारा मैनुअल-सेमी मैकेनाइज्ड विधि द्वारा ड्रिफ्ट टनल:

9. सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा सड़क काटना और सहायक कार्य

आस्ट्रेलियाई टनलिंग विशेषज्ञ की सेवाएँ

विशेष रूप से, अन्तर्राष्ट्रीय सुरंग विशेषज्ञ प्रोफेसर अर्नोल्ड डिक्स ने उत्तराखण्ड सुरंग बचाव अभियान में जमीन पर महत्वपूर्ण तकनीकी सहायता प्रदान की. आस्ट्रेलियाई सुरंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स, जिन्होंने उत्तराखण्ड सुरंग के अंदर फॉसे खनिकों के सुरक्षित बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ने निकाले गए 41 श्रमिकों को अपने 'दत्तक भारतीय पुत्रों' के रूप में स्नेहपूर्वक सम्बोधित किया है. यह भावनात्मक उद्घोषणा तब की गई जब ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने चमत्कारी बचाव अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए डिक्स की सार्वजनिक रूप से सराहना की. अल्बानीज ने प्रोफेसर डिक्स के लिए गहरी प्रशंसा व्यक्त की, जो अन्तर्राष्ट्रीय टनलिंग और अंडरग्राउंड स्पेस के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं. एसोसिएशन ने ऐसी गम्भीर परिस्थितियों से निपटने में उनकी विशेषज्ञता पर जोर दिया.

रैट-होल खनिक : आखिरी उम्मीद, जो अन्तिम जीत में बदल गई

22 नवम्बर, 2023 को आधी रात के बाद, ऑंगर ड्रिलिंग शुरू हुई, लेकिन एक धातु की

वस्तु (लैटिस गर्डर रिब) के कारण मशीन को झटका लगा, जिसके कारण पाइप को आगे नहीं बढ़ाया जा सका. गैस कटर का उपयोग करके एक धातु वस्तु (लैटिस गर्डर रिब) को काटने का सहारा लिया गया और 23 नवम्बर, 2023 को पूरा किया गया. इस प्रक्रिया के दौरान, विशेषज्ञों ने मामूली कम्पन महसूस किया, इसलिए ड्रिलिंग रोक दी गई. जब 12 नवम्बर के बाद से सिल्कयारा-बड़कोट सुरंग के अन्दर फॉसे 41 श्रमिकों को बचाने के लिए अत्यधिक परिष्कृत अमरीकी ऑंगुर मशीन के उपयोग सहित सभी प्रयास 60 मीटर पहाड़ों की ड्रिलिंग में विफल रहे, तो दिल्ली स्थित रॉकवेल एंटरप्राइजेज-एक ट्रेंचलेस इंजीनियरिंग सेवा कम्पनी, जो मुख्य रूप से सीवरेज लाइनों को साफ करती है, के लिए काम करने वाले रैट-होल खनिकों की एक टीम को सिल्कयारा-बड़कोट सुरंग में बचाव के लिए लगाया गया था. रैट-होल खनिक संकीर्ण और क्षैतिज खदानों से कोयला निकालने में विशेषज्ञ होते हैं. रैट-होल खनिकों (फिरोज, मुन्ना कुरैशी, राशिद, इरशाद, नसीम, मोनू, नसीर, अंकुर, जतिन, देवेंद्र, सौरभ, वकील और हसन) की टीम ने गैती, फावड़े और हथौड़े जैसे पारम्परिक उपकरणों का उपयोग करके सुरंग में जमा मलबे को हाथ से खोद कर हटाया और एक छोटी ढकेल से उसे सुरंग के बाहर भेजा. इसके सहारे वे अंततः सुरंग में फॉसे कामगारों तक पहुँचाने में सफल हुए और सभी 41 कामगारों को सुरक्षित सुरंग से बाहर निकाल लिया गया.

ज्ञातव्य है कि मेघालय सरकार द्वारा 2014 में रैट-होल खनन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था. नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) द्वारा अस्थायी प्रतिबंध 2012 में एक दुःखद घटना के बाद लगाया गया था जब 30 कोयला मजदूर एक खदान के अन्दर फॉसे गए थे, जिससे 15 लोगों की जान चली गई थी.

सिल्कयारा-बड़कोट सुरंग बचाव अभियान इतनी सारी एजेंसियों के सहयोग और समन्वय का सबसे दुर्लभ उदाहरण है, इसमें 7 सरकारी एजेंसियों-जिनमें विशेष रूप से प्रधानमंत्री कार्यालय, ओएनजीसी और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण शामिल हैं—ने सशस्त्र बलों की सहायता और कई अन्य लोगों के प्रयास भी शामिल हैं. इन सभी के संयुक्त प्रयासों से 57 मीटर मलबे को खोदने के बाद 4 राज्यों के सभी 41 कामगारों को सफलतापूर्वक बचा लिया गया. अंत में, यह छोटे-से-छोटे दरारों में काम करने का अनुभव रखने वाले रैट होल खनिक ही काम आए, जो उनसे पहले की शक्तिशाली मशीनों की तुलना में सुरंग के अन्दर फॉसे कामगारों के पास पहुँचे और जिन्होंने अंततः मिशन को सफल बनाया.

हरित हाइड्रोजन भविष्य का सर्वाधिक स्वच्छ ईंधन

—डॉ. रामानुज पाठक

हाइड्रोजन ब्रह्मांड में विपुल मात्रा में पाया जाने वाला हल्का तत्व है. जल का प्रमुख घटक है. इसके दहन से जल वाष्प ही बनता है, अतः प्रदूषण मुक्त है. भविष्य का प्रमुख ईंधन है. तभी तो प्रधानमंत्री की घोषणानुसार राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की शुरुआत की गई है. मिशन के तहत 50 लाख मीट्रिक टन (एमएमटी) स्थापित क्षमता के साथ, भारत 2030 तक ₹ 1 लाख करोड़ के जीवाश्म ईंधन के आयात को कम कर सकता है.

जनवरी 2023 में, केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने भारत को ऊर्जा के इस स्वच्छ स्रोत के निर्माण के लिए एक वैश्विक केन्द्र बनाने के उद्देश्य से ₹ 19,744 करोड़ के परिव्यय के साथ राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दी थी. हरित हाइड्रोजन में प्राकृतिक गैस सहित जीवाश्म ईंधन को ऊर्जा के स्रोत के रूप में या फीडस्टॉक के रूप में प्रतिस्थापित करने की क्षमता है, जिससे जीवाश्म ईंधन के आयात पर निर्भरता में कमी आएगी. हरित हाइड्रोजन मिशन में उर्वरक उत्पादन, पेट्रोलियम शोधन, स्टील, परिवहन आदि जैसे उद्योगों में हरित हाइड्रोजन के साथ भूरे हाइड्रोजन के प्रतिस्थापन की परिकल्पना की गई है, जिससे कार्बन पदचिह्न (फुटप्रिंट) और आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी. जीवाश्म ईंधन के आयात में इस तरह की कमी की मात्रा 2030 तक ₹ 1 लाख करोड़ होने का अनुमान है.

विद्युत अपघटन के माध्यम से 1 किय्रा हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए लगभग 10 लीटर अलवणीकृत पानी की आवश्यकता होती है. तदनुसार, प्रति वर्ष 5 एमएमटी हरित हाइड्रोजन उत्पादन के लिए लगभग 500 लाख घन मीटर (एमसीएम) डिमिनरलाइज्ड (अलवणीकृत) पानी की आवश्यकता प्रति वर्ष होगी. उद्योग की प्रतिक्रिया के अनुसार, अधिकांश हरित हाइड्रोजन उत्पादन संयंत्र बंदरगाह स्थानों के पास स्थापित होने की उम्मीद है. ऐसे मामलों में, अलवणीकृत समुद्री जल का उपयोग हरित हाइड्रोजन उत्पादन के लिए भी किया जा सकता है. हाइड्रोजन स्वच्छ, नवीकरणीय, कम उत्सर्जन वाला और उपयोग में सुरक्षित है. स्वच्छ हाइड्रोजन जलाने पर कोई हानिकारक उत्सर्जन नहीं होता है जो इसे

आज उपलब्ध सबसे पर्यावरण अनुकूल ईंधन में से एक बनाता है.

हम पानी को विद्युत अपघटित करके (हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित करके) पानी से हाइड्रोजन निकाल सकते हैं. इस प्रक्रिया के लिए बिजली की आवश्यकता होती है, इसलिए इसे 'हरित' बनाने के लिए बिजली नवीकरणीय स्रोतों से होनी चाहिए. ज्यादातर मामलों में, इस प्रक्रिया के लिए बिजली उत्पन्न करने के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग किया जाता है. हाइड्रोजन के कई 'रंग' हैं, प्रत्येक यह बताता है कि इसका उत्पादन कैसे होता है. हरित हाइड्रोजन जलवायु-तटस्थ तरीके से उत्पादित एकमात्र किस्म है.

यह 2050 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन तक पहुँचने के वैश्विक प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है.

हरित हाइड्रोजन को भविष्य के लिए स्वच्छ ऊर्जा स्रोत के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है. हाइड्रोजन की विविध रंग हाइड्रोजन के उत्पादन की विधि पर निर्भर करते हैं. लेकिन इसे बनाने में कार्बन सघन हो सकता है. इसलिए इस प्रभाव को कम करने के विभिन्न तरीके विकसित किए गए हैं, और वैज्ञानिक उनके बीच अंतर करने के लिए विभिन्न प्रकारों को रंग देते हैं.

हाइड्रोजन ब्रह्मांड में सबसे सरल और सबसे प्रचुर तत्व है. हालाँकि, पृथ्वी पर, यह शायद ही कभी गैस के रूप में मौजूद होता है, इसलिए इसे अन्य तत्वों से अलग करने की आवश्यकता होती है. सफेद हाइड्रोजन एक प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला संस्करण है, जो कभी-कभी भूमिगत पाया जा सकता है, लेकिन इसे निकालने के कुछ व्यवहार्य तरीके हैं, इसलिए विशेषज्ञ इसे कृत्रिम रूप से उत्पन्न करने पर विचार करते हैं.

उत्पादन विधियों के आधार पर, हाइड्रोजन ग्रे (भूरा), नीला या हरा हो सकता है—और कभी-कभी गुलाबी, पीला या फिरोजा भी हो सकता है. लेकिन हरित हाइड्रोजन जलवायु-तटस्थ तरीके से उत्पादित एकमात्र प्रकार है, जिसका अर्थ है कि यह 2050 तक उत्सर्जन को शून्य तक कम करने के वैश्विक प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है. हाइड्रोजन का उत्पादन जीवाश्म ईंधन, परमाणु ऊर्जा, बायोमास और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों सहित

कई संसाधनों से किया जा सकता है. यह कई प्रक्रियाओं के माध्यम से किया जा सकता है. परिणामी गैस को जलाया जा सकता है या ऊर्जा प्रदान करने के लिए वाहक के रूप में उपयोग किया जा सकता है. और, यदि नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके उत्पन्न किया जाए, तो यह जीवाश्म ईंधन जलाने का एक स्वच्छ विकल्प हो सकता है. हरित हाइड्रोजन, जिसे 'स्वच्छ हाइड्रोजन' भी कहा जाता है, विद्युत अपघटन नामक प्रक्रिया के माध्यम से पानी को दो हाइड्रोजन परमाणुओं और एक ऑक्सीजन परमाणु में विभाजित करने के लिए अधिशेष नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, जैसे सौर या पवन ऊर्जा, से स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग करके उत्पादित किया जाता है.

नवीकरणीय ऊर्जा हमेशा दिन के सभी घण्टों में ऊर्जा उत्पन्न नहीं कर सकती है और हरित हाइड्रोजन उत्पादन चरम चक्रों के दौरान उत्पन्न अतिरिक्त ऊर्जा का उपयोग करने में मदद कर सकता है. यह वर्तमान में कुल हाइड्रोजन उत्पादन का लगभग 0-1% बनाता है, लेकिन नवीकरणीय ऊर्जा की लागत में गिरावट जारी रहने के कारण इसके बढ़ने की उम्मीद है. कई क्षेत्र अब हरित हाइड्रोजन को नवीकरणीय ऊर्जा की आंतराधिकता में सामंजस्य स्थापित करने का सबसे अच्छा तरीका मानते हैं, कम माँग के समय अतिरिक्त ऊर्जा का भंडारण करना ताकि माँग बढ़ने पर ग्रिड में वापस डाला जा सके जबकि रासायनिक, औद्योगिक और परिवहन क्षेत्रों को डीकार्बोनाइज किया जा सके. हरित हाइड्रोजन मिशन में 4 पद शामिल हैं, प्रथम पद हरित हाइड्रोजन संक्रमण के लिए रणनीतिक कौशल (साइट) योजना हेतु ₹ 17,490 करोड़ आवंटित किए गए हैं वहीं पायलट प्रोजेक्ट के लिए ₹ 1-466 करोड़ के बजट का प्रावधान किया गया शोध और विकास के लिए ₹ 400 करोड़ वहीं मिशन के अन्य घटकों के लिए ₹ 388 करोड़ आवंटित किए गए हैं. भारत में राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन में कार्य भी द्रुत गति से जारी है.

'हरित हाइड्रोजन संक्रमण के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप (साइट) योजना (मोड-1-किश्त) के तहत भारत में हरित हाइड्रोजन के लिए 4,50,000 टन की उत्पादन सुविधाएं स्थापित करने के लिए हरित हाइड्रोजन उत्पादकों के चयन के लिए, चयन के लिए अनुरोध (आरएफएस) भी बीते जुलाई को जारी किया गया था.

विगत 7 जुलाई, 2023 को जारी साइट स्कीम (ट्रेंच-1) के तहत 1.5 गीगावॉट वार्षिक इलेक्ट्रोलाइजर (विद्युत अपघटक) विनिर्माण

क्षमता स्थापित करने के लिए इलेक्ट्रोलाइजर (विद्युत अपघटक). हरित हाइड्रोजन मिशन का लक्ष्य भारत को हरित हाइड्रोजन और उसके व्युत्पन्न के उत्पादन, उपयोग और निर्यात के लिए एक वैश्विक केन्द्र के रूप में विकसित करना है. इससे हाइड्रोजन और ईंधन सेल में विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय प्रयासों के साथ बहुपक्षीय जुड़ाव और सहयोग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है. कुछ स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियाँ हैं जो अब तक ऊर्जा परिवर्तन पर हावी रही हैं, अर्थात् सौर ऊर्जा, पवन (तटीय और अपतटीय दोनों) और लिथियम आयन बैटरी. इन प्रौद्योगिकियों के बड़े पैमाने पर निर्माण और तैनाती से उनकी लागत में गिरावट देखी गई है, 2010 और 2018 के बीच बैटरी की लागत में 84%, सौर ऊर्जा के लिए 87%, तटवर्ती पवन के लिए 47% और अपतटीय पवन के लिए 32% की गिरावट आई है. इन प्रौद्योगिकियों का विकास और निर्माण बड़े पैमाने पर भारत के बाहर (तटीय पवन के अलावा) हुआ है, कम्पनियों का झुकाव अमरीका, यूरोप और चीन पर है प्रौद्योगिकी नेतृत्वकर्ता बनने के लिए, इन देशों ने नवाचार शृंखला में पर्याप्त और उचित वित्त पोषण सुनिश्चित करके, सार्वजनिक और निजी दोनों वित्तीय व्यवस्था के साथ, प्राथमिकता वाली प्रौद्योगिकियों के लिए मजबूत आपूर्ति-उपयोग नीतियों को लागू किया है.

दुनिया अभूतपूर्व गति और पैमाने पर ऊर्जा के स्वच्छ, कम कार्बन स्रोतों की ओर संक्रमण के दौर से गुजर रही है. यथाशीघ्र शुद्ध कार्बन तटस्थ अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने के लिए मौजूदा जीवाश्म ईंधन को बदलने के लिए नई तकनीकों की आवश्यकता है. प्रौद्योगिकी वक्र में आगे रहना सभी देशों के लिए रणनीतिक महत्व का विषय है, लेकिन विशेष रूप से भारत के लिए, जो आने वाले दशकों में इन प्रौद्योगिकियों के लिए दुनिया के सबसे बड़े बाजारों में से एक होगा. भारत को ऊर्जा परिवर्तन के लाभों को अधिकतम करने के लिए खुद को प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर स्थापित करने की जरूरत है, एक प्रौद्योगिकी निर्माता बनने की जरूरत है, ना कि प्रौद्योगिकी क्रय करने वाला बनने की.

जबकि सौर, पवन जैसी स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के लिए बाजार और लिथियम आयन बैटरियाँ पहले से ही हावी हो चुकी हैं ऊर्जा परिवर्तन अभूतपूर्व गति और पैमाने पर जारी है, जिसके लिए नई निम्न कार्बन प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता है.

आज तक, भारत को सौर, पवन और बैटरी जैसी कुछ स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के विनिर्माण लाभों को हासिल करने में सीमित सफलता मिली है.

विश्व हरित हाइड्रोजन को अगले 'स्वच्छ' भविष्य के ईंधन के रूप में देखता है, जिसका लाभ हासिल करने के लिए भारत को उद्योग और सरकार से समन्वित कार्यवाही की आवश्यकता होगी.

हाइड्रोजन के शुरुआती माँग बाजारों में स्थापित होने के लिए ईंधन सेल, बिजली क्षेत्र में आपूर्ति और माँग को संतुलित करना और उद्योग में जीवाश्म ईंधन की जगह लेना शामिल है. भारत में हाइड्रोजन के उपयोग का संभावित पैमाना बहुत बड़ा है जिसके 2050 तक 3 से 10 गुना के बीच वृद्धि के आसार हैं.

कार्बन तटस्थ अर्थव्यवस्था में परिवर्तन में हाइड्रोजन नवीकरणीय ऊर्जा और बैटरियों को एक पूरक भूमिका प्रदान कर सकता है. हाइड्रोजन को 'ग्रे' (जीवाश्म ईंधन से उत्पादित), 'नीला' (कार्बन कैप्चर और भंडारण के साथ जीवाश्म ईंधन से उत्पादित) या 'हरा' (नवीकरणीय बिजली से उत्पादित) में विभाजित किया जा सकता है. नवप्रवर्तकों, उद्यमियों और सरकार के बीच सक्रिय सहयोग से, हरित हाइड्रोजन में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन (जो ग्रीन हाउस के लिए बेहद जिम्मेदार गैस) को काफी कम करने, जलवायु परिवर्तन से लड़ने और भारत को शुद्ध-शून्य ऊर्जा निर्यात की राह पर लाने की क्षमता है. इससे भारत को उच्च मूल्य वाले हरित उत्पादों का निर्यात करने में भी मदद मिलेगी, जिससे यह 'कार्बोनाइज' की आवश्यकता के बिना औद्योगीकरण करने वाली पहली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन जाएगा. कम लागत वाली नवीकरणीय बिजली के मामले में भारत का विशिष्ट लाभ, इलेक्ट्रोलाइजर (विद्युत अपघटक) की तेजी से गिरती कीमतों से पूरक, हरित हाइड्रोजन को न केवल जीवाश्म-ईंधन आधारित हाइड्रोजन की तुलना में किफायती बना सकता है, बल्कि दुनिया भर में उत्पादित हरित हाइड्रोजन की तुलना में भी सक्षम बना सकता है. भारत सरकार की योजना 2035 तक शुद्ध-कार्बन शून्य हब बनने और नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी में अगले तीन वर्षों में लगभग ₹ 750 अरब का निवेश करने की है. इस दिशा में कुछ सार्थक प्रयास भी हुए हैं जैसे, सरकार के नेतृत्व वाला सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू), इंडियन ऑयल हरित हाइड्रोजन क्रांति में सबसे आगे है. यह मथुरा रिफाइनरी के लिए भारत की पहली हरित हाइड्रोजन इकाई स्थापित करने की योजना बना रही है, जिसका उपयोग कच्चे तेल को संसाधित करने के लिए किया जाएगा.

नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन (एनटीपीसी) ने हाल ही में लेह में एक स्टैंड-अलोन 1-25 मेगावाट सौर प्रणाली के माध्यम से पूरी तरह से नवीकरणीय ऊर्जा द्वारा संचालित होने

वाला अपनी तरह का पहला हाइड्रोजन ईंधन भरने वाला स्टेशन स्थापित करने के लिए एक निविदा रखी है.

दो हाइड्रोजन ईंधन भरने वाले स्टेशन स्थापित किए गए हैं (एक-एक इंडियन ऑयल अनुसंधान एवं विकास केन्द्र, फरीदाबाद और राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान, गुरुग्राम में).

भारत ने जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोप को हाइड्रोजन का निर्यातक बनने की अपनी महत्वाकांक्षा घोषित की है.

भारत सरकार द्वारा समर्थित परियोजनाओं के तहत विभिन्न हाइड्रोजन चालित वाहनों का विकास और प्रदर्शन किया गया है. इनमें टाटा मोटर्स लिमिटेड की 6 सेल बसें, सरकार के सहयोग से इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा दिल्ली में 50 हाइड्रोजन समृद्ध सीएनजी (एच-सीएनजी) बसें शामिल हैं. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की, 2 हाइड्रोजन ईंधन वाली आंतरिक दहन इंजन वाली बसें (महिंद्रा एण्ड महिंद्रा के सहयोग से आईआईटी दिल्ली द्वारा) पहले शामिल हैं. कुछ अनिवार्य खर्चों की वजह से वैश्विक स्तर पर हाइड्रोजन के कुल उत्पादन में हरित हाइड्रोजन का हिस्सा फिलहाल एक प्रतिशत से भी कम है और भारत का लक्ष्य ऐसे हाइड्रोजन का एक वैश्विक औद्योगिक केन्द्र एवं निर्यातक बनना है. भले ही यह एक नेक महत्वाकांक्षा है, लेकिन एक उच्च-प्रौद्योगिकी वाला 'मैनुफैक्चरिंग हब' बनने का भारत का 'पिछला रिकॉर्ड' 2030 तक इस लक्ष्य को हासिल करने को लेकर संदेह पैदा करता है. अपनी तमाम नीतियों के बावजूद, भारत सौर सेल, अर्धचालक या पवन ऊर्जा से सम्बन्धित घटकों का शुद्ध निर्यातक बनने में कामयाब नहीं हो पाया है. ऐसा इसलिए है, क्योंकि 'मैनुफैक्चरिंग' से सम्बन्धित भारत का अंतर्निहित आधार कमजोर बना हुआ है और वह वैश्विक पूँजी को कुशलतापूर्वक आकर्षित और उसका उपयोग करने में नाकाम है. अपनी महत्वाकांक्षाओं को साकार करने के लिए, भारत को अपने छोटे 'मैनुफैक्चरिंग' और सम्बद्ध उद्यमों के बुनियादी ढाँचे को मजबूत करना होगा.

जो बड़े उद्योगों के बजाय किसी भी हरित अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार साबित होंगे. अन्तर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी ने विगत वर्षों में 'वर्ल्ड एजेंसी ट्रांजिशन आउटलुक' रिपोर्ट जारी की थी अन्तर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार वर्ष 2050 तक कुल ऊर्जा मिश्रण में हाइड्रोजन की हिस्सेदारी 12% तक हो जाएगी एजेंसी ने यह भी सुझाव दिया था कि उपयोग किए जाने वाले इस हाइड्रोजन का लगभग 66% हिस्सा प्राकृतिक गैस के

बजाय जल से प्राप्त किया जाना चाहिए. स्वच्छ वैकल्पिक ईंधन विकल्प के लिए हाइड्रोजन पृथ्वी पर सबसे प्रचुर तत्वों में से एक है. हाइड्रोजन एक ऊर्जा वाहक है ना कि स्रोत यह ऊर्जा की अधिक मात्रा को वितरित या संग्रहित कर सकता है इसका उपयोग ईंधन सेल में विद्युत या ऊर्जा और उसमें उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है वर्तमान में पेट्रोलियम शोधन और उर्वरक उत्पादन में हाइड्रोजन का सर्वाधिक उपयोग किया जाता है जबकि परिवहन एवं अन्य इसके लिए उभरते बाजार हैं. हाइड्रोजन और ईंधन सेल वितरित या संयुक्त ताप तथा शक्ति सहित विविध अनुप्रयोगों में उपयोग के लिए ऊर्जा प्रदान कर सकते हैं अतिरिक्त ऊर्जा, अक्षय ऊर्जा भंडारण और इसे सक्षम करने के लिए, तंत्र चलित बिजली आदि के लिए इनका उपयोग किया जा सकता है.

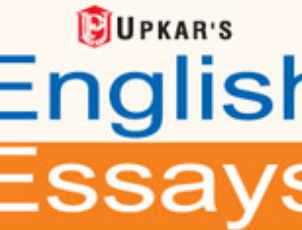
इनकी उच्च दक्षता और शून्य या लगभग शून्य उत्सर्जन संचालन के कारण हाइड्रोजन और एवं ईंधन सेलों जैसे कई अनुप्रयोगों में ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन की कम करने की क्षमता है. दुनिया भर में वर्तमान में कुल उत्पादित हाइड्रोजन का एक से डेढ़ प्रतिशत हिस्सा ही हरित हाइड्रोजन का होता है. हरित हाइड्रोजन के अधिक उत्पादन के लिए इलेक्ट्रोलाइजर के निर्माण और तैनाती को 0-3 गीगा वाट की वर्तमान क्षमता से वर्ष 2050 तक अभूतपूर्व दर से लगभग 5000 गीगावाट तक बढ़ाना आवश्यक है. भारत उर्वरक और रिफाइनरियों सहित औद्योगिक क्षेत्र में अमोनिया और मेथेनॉल के उत्पादन हेतु प्रति वर्ष लगभग 60 से 70 लाख टन हाइड्रोजन की खपत करता है. उद्योग की बढ़ती मांग और परिवहन और बिजली क्षेत्र के विस्तार के कारण यह हाइड्रोजन की खपत 2050 तक बढ़कर 280 से 300 लाख टन हो सकती है. अभी हरित हाइड्रोजन उत्पादन लागत अधिक है, वर्ष 2030 तक हरित हाइड्रोजन की लागत हाइड्रोजन ईंधन जैसे कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस आदि के समान ही हो जाएगी. उत्पादन और बिक्री बढ़ने पर कीमतों में और कमी आएगी यह भी अनुमान लगाया गया है कि भारत की हाइड्रोजन की मांग वर्ष 2050 तक 5 से 6 गुना बढ़ जाएगी इसमें 80% भागेदारी हरित हाइड्रोजन की होगी.

भारत अपने सस्ते नवीकरणीय ऊर्जा शुल्कों के कारण वर्ष 2030 तक हरित हाइड्रोजन का शुद्ध निर्यातक बन सकता है. हरित हाइड्रोजन भारत को न केवल स्वच्छ ऊर्जा की ओर ले जा सकता है बल्कि यह देशों में जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने में भी मददगार हो सकता है. वैसे भी पेरिस

जलवायु समझौते के तहत भारत ने वर्ष 2005 के स्तर से वर्ष 2030 तक अपनी अर्थव्यवस्था की उत्सर्जन तीव्रता को 33 से 35% तक कम करने की प्रतिबद्धता जाहिर की है, इससे भारत जीवाश्म ईंधन पर अपनी आयात निर्भरता को कम करेगा. इलेक्ट्रोलाइजर उत्पादन का स्थानीयकरण और हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं के विकास से भारत में 18 से 20 अरब डॉलर का नया हरित प्रौद्योगिकी बाजार विकसित हो सकता है तथा हजारों की संख्या में नौकरियों का सृजन हो सकता है. भारत में हरित हाइड्रोजन के उत्पादन हेतु एक अनुकूल भौगोलिक स्थिति, धूप और वायु की प्रचुर मात्रा विद्यमान है. भारत जैसे विकासशील और विविधता वाले देश में हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों को उन क्षेत्रों में बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जहाँ प्रत्यक्ष विद्युतीकरण संभव नहीं है, अत्यधिक शुल्क, लंबी दूरी का परिवहन कुछ औद्योगिक क्षेत्र और दीर्घकालिक विद्युत भंडारण उन क्षेत्रों में शामिल हैं. नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने देश में हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने हेतु एक मसौदा नीति भी जारी की है इस उद्योग का प्रारम्भिक चरण क्षेत्रीय हब के निर्माण पर आधारित है जो उच्च मूल्य वाले हरित उत्पादों और इंजीनियरिंग खरीद और निर्माण सेवाओं के निर्यात पर केंद्रित है.

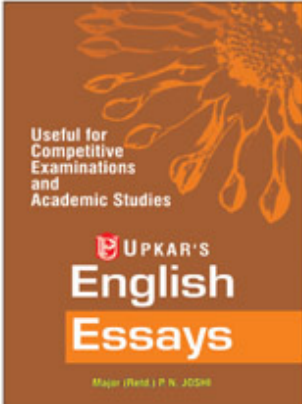
हरित हाइड्रोजन के प्रयोग से उत्पन्न होने वाली आर्थिक स्थिरता व्यावसायिक रूप से हाइड्रोजन का उपयोग करने पर उद्योग द्वारा सामना की जाने वाली सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है. परिवहन ईंधन सेल के लिए हाइड्रोजन को प्रति मील के आधार पर पारम्परिक ईंधन और प्रौद्योगिकियों के साथ लागत प्रतिस्पर्धी होना चाहिए. ईंधन सेल तकनीकी जिसका उपयोग कारों में प्रयोग होने वाले हाइड्रोजन ईंधन को ऊर्जा में परिवर्तित करने हेतु किया जाता है अभी भी महँगे हैं. कारों में हाइड्रोजन ईंधन हेतु आवश्यक हाइड्रोजन स्टेशन का बुनियादी ढाँचा अभी भी व्यापक रूप से विकसित नहीं है. भारत में एक जीवंत हाइड्रोजन उत्पाद निर्यात उद्योग जैसे कि हरित स्टील (वाणिज्यिक हाइड्रोजन स्टील प्लांट) के निर्माण हेतु एक चरणबद्ध निर्माण कार्यक्रम का उपयोग किया जाना चाहिए (यहाँ यह जानना अति आवश्यक है कि स्टील उत्पादन में सर्वाधिक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन होता है जो वैश्विक तापन के लिए उत्तरदायी हैं) उदाहरण के लिए हवाई अड्डों पर ईंधन भरने, ऊर्जा प्रदान करने और विद्युत उत्पन्न करने के लिए 'हाइड्रोजन बुनियादी ढाँचा' स्थापित किया जा सकता है. विकेंद्रीकृत हाइड्रोजन उत्पादन को एक इलेक्ट्रोलाइजर (जो बिजली

का उपयोग करके हाइड्रोजन और ऑक्सीजन बनाने हेतु पानी को विभाजित करता है) के लिए अक्षय ऊर्जा की खुली पहुँच के माध्यम से बढ़ावा दिया जाना चाहिए. नीति निर्माताओं को भारत में उपयोग हेतु प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने के लिए पायलट स्तर पर अनुसंधान एवं विकास में निवेश की सुविधा प्रदान करनी चाहिए. भारत का दक्षिणी, पश्चिमी और कुछ पूर्वी भाग जो समुद्रों से घिरा है वहाँ आसानी से हरित हाइड्रोजन उत्पादन के लिए सस्ते और अच्छे इलेक्ट्रोलाइजर लगाए जाएं, प्राकृतिक सम्पदा जल सस्ता और सर्वसुलभ है. महासागरों में अथाह जल राशि है और 'जल' राज्यों का विषय है. अलवणीकृत जल से आसानी से अक्षय ऊर्जा द्वारा हरित हाइड्रोजन उत्पादन किया जाए और सतत् विकास की अवधारणा को साकार किया जाए. आने वाले कई दशक ऊर्जा दशक होंगे वही देश विकसित माने जाएंगे जो ऊर्जा में आत्मनिर्भर होंगे और ऊर्जा भी कार्बन पदचिह्न मुक्त हो ताकि जलवायु परिवर्तन भी ना हो. अगर भारत ने हरित हाइड्रोजन उत्पादन की दिशा में साहसिक कदम नहीं बढ़ाए तो विश्व विरादरी के अन्य देश 'विकृत हाइड्रोजन बाजार' विकसित करने में देर नहीं लगाएंगे. वैसे भारत ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन जारी कर अपनी समावेशी विकास की अवधारणा को जगजाहिर कर दिया है. ●●●



UPKAR'S
English
Essays

Useful for Competitive Examinations and Academic Studies



UPKAR'S
English
Essays

Major (Retd.) P. N. JOSHI

Code 1541 ₹ 120.00

Major (Retd.) P. N. JOSHI

UPKAR PRAKASHAN • e-mail : care@upkar.in
• website : www.upkar.in

भारत मालदीव द्विपक्षीय सम्बन्धों में बढ़ती दूरियाँ

—डॉ. रवि प्रताप सिंह

भारत और मालदीव प्राचीनता से जुड़े जातीय, भाषायी, सांस्कृतिक, धार्मिक और वाणिज्यिक सम्बन्ध साझा करते हैं और घनिष्ठ, सौहार्दपूर्ण और बहुआयामी सम्बन्धों का एक लम्बा इतिहास रखते हैं. मालदीव लगभग 1,200 द्वीपों का एक समूह है. लेकिन इनमें से केवल 100 द्वीपों पर ही लोग रहते हैं. इनमें से कई द्वीप पर्यटन के लिए प्रसिद्ध हैं. 1965 में मालदीव की आजादी के बाद उसे मान्यता देने और देश के साथ राजनयिक सम्बन्ध स्थापित करने वाले देशों में भारत अग्रणी देश था. भारत ने 1972 में चार्ज डी अफेयर्स (सीडीए) के स्तर पर और 1980 में रेजिडेंट उच्चायुक्त के स्तर पर अपना मिशन स्थापित किया. मालदीव ने नवम्बर 2004 में नई दिल्ली में एक पूर्ण उच्चायोग स्थापित किया, जो उस समय सारे विश्व में मालदीव के केवल चार राजनयिक मिशनों में से एक था.

राजनीतिक सम्बन्ध

भारत और मालदीव के बीच उच्चतम स्तर पर नियमित सम्पर्कों द्वारा द्विपक्षीय सम्बन्धों को पोषित और मजबूत किया गया है. राजनयिक सम्बन्धों की स्थापना के बाद से भारत के लगभग सभी प्रधानमंत्रियों ने मालदीव का दौरा किया है. पूर्व राष्ट्रपति गयूम ने भारत की कई यात्राएँ कीं. पद संभालने के बाद राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद की पहली विदेश यात्रा दिसम्बर 2008 में भारत की थी. अक्टूबर 2009 में, राष्ट्रपति नशीद ने जलवायु परिवर्तन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर दिल्ली उच्चस्तरीय सम्मेलन में भाग लिया. 2010 में राष्ट्रपति नशीद ने 2 बार भारत का दौरा किया, पहली बार जनवरी में चेन्नई में सीआईआई-पार्टनरशिप शिखर सम्मेलन के लिए और अक्टूबर में नई दिल्ली में 19वें राष्ट्रमण्डल खेलों के उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए.

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर मालदीव ने संयुक्त राष्ट्र, राष्ट्रमण्डल, गुटनिरपेक्ष आन्दोलन (एनएएम) और सार्क जैसे बहुपक्षीय मंचों पर लगातार भारत का समर्थन किया है. मालदीव राष्ट्रमण्डल महासचिव के रूप में श्री कमलेश शर्मा की उम्मीदवारी के लिए अपना समर्थन व्यक्त करने वाले पहले देशों में से एक था.

भारत के मालदीव में सहायता कार्यक्रम

- इन्दिरा गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल का निर्माण.
- मालदीव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (वर्तमान में मालदीव पॉलिटेक्निक नाम) का निर्माण.
- भारत-मालदीव आतिथ्य एवं पर्यटन अध्ययन संकाय.
- गुलहिफाल्हू बंदरगाह, हनीमाधू हवाई अड्डा का पुनर्विकास और 800 मिलियन अमरीकी डॉलर की मदद से हुलहुमले में एक 100 बेड के अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल का निर्माण.

मालदीव ने संयुक्त राष्ट्र सुधारों पर जी-4 मसौदा प्रस्तावों को भी सह-प्रायोजित किया. भारत ने 2019-20 के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षापरिषद में अस्थायी सीट के लिए मालदीव की उम्मीदवारी को समर्थन दिया है.

चीन और तुर्किये के साथ मालदीव की बढ़ती निकटता

हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत के करीबी सहयोगी देश मालदीव के साथ भारत की समुद्री सीमाएं साझा होती हैं. अपने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जु के नेतृत्व में मालदीव चीन के साथ अपने द्विपक्षीय सम्बन्धों को प्रगाढ़ बनाने की दिशा में प्रयत्नशील है.

मालदीव और भारत के बीच अब तक मधुर सम्बन्ध रहे हैं, जिसे नव निर्वाचित राष्ट्रपति मुइज्जु के पूर्ववर्ती इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने मजबूत किया है, जिनका व्यापक रूप से भारत के प्रति झुकाव देखा जाता था. हाल की दो घटनाओं ने हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत के इस सहयोगी को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं.

तुर्किये के साथ बढ़ती निकटता—राष्ट्रपति बनने के बाद अपनी एक विदेशी यात्रा में, मुइज्जु ने तुर्किये का दौरा करने और अंकारा में एक दूतावास स्थापित करने का फैसला किया. राष्ट्रपति कार्यालय की प्रेस विज्ञप्ति में इसका तर्क दिया गया है कि “मालदीव दैनिक

जीवन में उपयोग की जाने वाली कई आवश्यक वस्तुओं और अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं को तुर्किये से आयात कर रहा है और मालदीव में तुर्की के निवेश को प्रोत्साहित करने और मालदीव के सामानों के निर्यात के अतिरिक्त प्रयासों के हिस्से के रूप में है. इसके अलावा, उच्च शिक्षा के लिए तुर्किये में पढ़ने वाले मालदीव के छात्रों और तुर्किये की यात्रा करने वाले मालदीव पर्यटकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है.”

चीन के साथ द्विपक्षीय सम्बन्ध मजबूत करने की पहल

चीन और राष्ट्रपति मुइज्जु की पार्टी के बीच अच्छे रिश्ते हैं. मालदीव में चीन का प्रभाव पिछले कुछ वर्षों में स्पष्ट तौर पर नजर आने लगा है. चीन ने वहाँ भारी मात्रा में निवेश किया है. इसके अलावा, वहाँ के 10 द्वीपों को पट्टे पर दिया गया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन वहाँ जहाज भी तैनात कर रहा है और बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान भी चला रहा है. चीन की ओर से मालदीव के साथ मुक्त व्यापार समझौते की भी बात कही गई है.

अगर चीन समर्थक भावनाओं के लिए जानी जाने वाली मौजूदा सरकार इसे स्वीकार करती है, तो यह भारत के लिए एक बड़ा झटका होगा. कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी आशंका है कि चीन मालदीव पर दबाव बनाएगा और भारत के साथ उसके रिश्ते खराब करेगा. इसी तरह की स्थिति श्रीलंका और नेपाल में देखी गई जब भारत के साथ रिश्ते खराब होने लगे, यहाँ तक कि कोलम्बो में ऋण संकट गहरा गया, जिसके बाद भारत-श्रीलंका सम्बन्धों में फिर से उछाल आया.

मालदीव के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति मुइज्जु ने अपने उप राष्ट्रपति हुसैन मोहम्मद लतीफ को चीन प्रायोजित चीन-हिन्द महासागर क्षेत्र फोरम ऑन डेवलपमेंट कोऑपरेशन (आईओआरएफडीसी) में भाग लेने के लिए भेजा, जबकि पहले इसी तरह के मंच हिन्द महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए) में किसी भी समवर्ती पहल को नजरअंदाज कर दिया था.

उपराष्ट्रपति ने आईओआरएफडीसी की बैठक में अपने सम्बोधन में चीन के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध विकसित करने के सम्बन्ध में विशेष उल्लेख किया. प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, “मालदीव के हालिया विकास में चीन का योगदान महत्वपूर्ण रहा है और इसने सामाजिक विकास, शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जन-केंद्रित रणनीति के प्रति दोनों देशों की ठोस साझा प्रतिबद्धता को उजागर किया है.” उन्होंने कहा कि मालदीव के हाल ही में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति महामहिम डॉ. मोहम्मद

मुइज्जू और उनका प्रशासन आपसी सम्मान और साझा लक्ष्यों की नींव पर बने चीन और मालदीव के बीच लम्बे समय से चले आ रहे सम्बन्धों को मजबूत करने के लिए समर्पित हैं.

भारत के साथ अलगाव की नीति— मालदीव के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू ने स्पष्ट कर दिया है कि उन्हें मालदीव में भारतीय सैनिकों की मौजूदगी स्वीकार्य नहीं है. ज्ञातव्य है कि 1988 में भारत ने पूर्व राष्ट्रपति मौमून अब्दुल गयूम की सहायता के लिए अपने पैराट्रूपर्स और नौसैनिक जहाज मालदीव भेजे थे, जिन्हें श्रीलंकाई तमिल भाड़े के सैनिकों द्वारा तख्तापलट के प्रयास का सामना करना पड़ा था. इसके अतिरिक्त भारत ने चिकित्सा निकासी और समुद्री निगरानी में मदद के लिए मालदीव को 2 हेलीकॉप्टर और एक डोनियर विमान दान में दिया था.

यह सम्भावना नहीं है कि भारत प्रशिक्षण और बचाव कार्यों में सहायता के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए देश में सशस्त्र सैनिकों को रखकर माले के साथ सम्बन्धों को नुकसान पहुँचाने का जोखिम उठाएगा. इस समय मालदीव में तैनात 77 भारतीय कर्मियों में से अधिकांश विमान के रखरखाव और संचालन के लिए वहाँ हैं. मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू और भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच दुबई में उच्चस्तरीय जलवायु शिखर सम्मेलन (COP28) के मौके पर मुलाकात हुई थी. दुबई से लौटने पर राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू ने कहा, “पद की शपथ लेने के बाद अपनी पहली बैठक में भी, मैंने बहुत स्पष्ट रूप से बताया था कि हम मालदीव में विदेशी सैन्य टुकड़ियों को नहीं चाहते हैं. हमारे सभी संवादों में, भारत इसे समायोजित करने के लिए सहमत हुआ है”.

भारतीय सैनिकों को हटाना मुइज्जू की पार्टी का चुनावों के दौरान मुख्य अभियान हथियार था, जिसने पिछले महीने राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह को अपदस्थ कर दिया था. वर्तमान में, डोनियर 228 समुद्री गश्ती विमान और दो एचएएल ध्रुव हेलीकॉप्टरों के साथ लगभग 77 भारतीय सैनिक मालदीव में तैनात हैं.

भारतीय नौसेना और मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल के बीच जल विज्ञान (Hydrology Agreement) के क्षेत्र में सहयोग के लिए 2019 के समझौते को खत्म करने का फैसला

भारतीय नौसेना और मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल के बीच जल विज्ञान (Hydrology Agreement) के क्षेत्र में सहयोग के लिए 2019 में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए प्रतियोगिता दर्पण/फरवरी/2024/98

थे जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने माले की यात्रा की थी. इस समझौते से भारतीय नौसेना को नेविगेशन सुरक्षा, आर्थिक विकास, सुरक्षा और रक्षा सहयोग, पर्यावरण संरक्षण, तटीय क्षेत्र प्रबंधन और वैज्ञानिक अनुसंधान में सुधार में मदद के लिए मालदीव में व्यापक हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करने की अनुमति मिली थी. मालदीव के पूर्ववर्ती राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह ने भारत के साथ जिस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, उसके तहत नौसेना ने अब तक 3 ऐसे सर्वेक्षण किए हैं. अब राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू (Mohamed Muizzu) ने भारतीय नौसेना और मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल के बीच जल विज्ञान (Hydrology Agreement) के क्षेत्र में सहयोग के लिए 2019 के समझौते को 14 दिसम्बर, 2023 को खत्म करने का फैसला किया है. इस समझौते की शर्तों के अनुसार, यदि एक पक्ष समझौते को छोड़ना चाहता है, तो समझौते की समाप्ति से 6 महीने पहले दूसरे पक्ष को निर्णय के बारे में सूचित किया जाना चाहिए. शर्तों के अनुसार, अन्यथा समझौता स्वचालित रूप से अतिरिक्त 5 वर्षों के लिए नवीनीकृत हो जाता है. मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भविष्य में हाइड्रोग्राफी कार्य 100 प्रतिशत मालदीव के अधिकार में किया जाएगा और केवल मालदीव के लोगों को ही इसकी जानकारी दी जाएगी.

अब इन घटनाओं को, जब भारत के नजरिए से देखा जाता है, तो चिंताएं पैदा होती हैं, क्योंकि तुर्की और चीन दोनों की ही नीतियाँ भूमि और महासागरीय क्षेत्र में भारत के अद्वितीय सुरक्षा हितों के प्रति अनुकूल नहीं रही हैं. निश्चित रूप से, पिछले कुछ वर्षों से मालदीव में भारत विरोधी बयानबाजी चल रही है, राष्ट्रपति मुइज्जू के शोर-शराबे वाले राजनीतिक अभियान के दौरान यह और भी अधिक बढ़ गया. भारत विरोधी अभियान 2020 में प्रमुखता से सामने आया, जिसका मुख्य कारण मालदीव में भारतीय सैनिकों की मामूली उपस्थिति थी. हालाँकि, विपक्षी दलों के लिए इसे इस रणनीतिक द्वीप देश की संप्रभुता के खिलाफ चिंता का विषय बनाने के लिए पर्याप्त था. लगभग 2 दशक पहले इसी तरह की भावना तत्कालीन नेता अब्दुल्ला यामीन अब्दुल गयूम के नेतृत्व में माले और हिन्द महासागर में स्थित अन्य पड़ोसी द्वीपों पर गूँज उठी थी, जिन्होंने चीन से लाभ उठाने के लिए अपने सहयोगियों के साथ भारत विरोधी नारे लगाए थे. मालदीव रणनीतिक रूप से व्यस्त हिन्द महासागर समुद्री व्यापार मार्ग में स्थित है और इसकी भौगोलिक स्थिति इसे किसी भी देश के लिए एक रणनीतिक स्थान बनाता है, जो

समुद्री भू-राजनीति पर उचित अधिकार जमाना चाहता है. द्वीप देश की सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुछ हवाई स्टेशनों की निगरानी के लिए कुछ भारतीय सैन्य कर्मियों की उपस्थिति ने भारत-मालदीव द्विपक्षीय सम्बन्धों में दरार पैदा कर दी है.

चीन अपनी विस्तारवादी नीति के तहत बंगाल की खाड़ी, अरब सागर और हिन्द महासागर में येन-केन प्रकारेण अपनी मौजूदगी को मजबूत बनाना चाहता है. यह तभी सम्भव जब बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव और पाकिस्तान के साथ उसके आर्थिक और सामरिक सम्बन्ध मजबूत हों तथा भारत के साथ इन देशों के द्विपक्षीय सम्बन्ध कमजोर हों. चीन और पाकिस्तान के बीच प्रगाढ़ता जग जाहिर है. चीन, पाकिस्तान के ग्वादर बन्दरगाह को विकसित कर रहा है और इसके माध्यम से अरब सागर में उसको सुगम प्रवेश मिल गया था. अब मालदीव के साथ भारत के सम्बन्धों को खराब कराकर तथा राष्ट्रपति मुइज्जू के सरकार के साथ सम्बन्धों को मधुर बनाकर अरब सागर में चीन की मौजूदगी और अधिक प्रबल हो जाएगी. श्रीलंका सरकार पहले से ही चीन के दबाव में है. हबनटोटा बंदरगाह का उपयोग करने के बारे में चीन का आंशिक अधिकार है, क्योंकि श्रीलंकाई सरकार ने 2017 में इसे 99 वर्ष के पट्टे पर चीनी कम्पनियों को सौंप दिया था. इसके निर्माण के लिए इस्तेमाल किए गए चीनी ऋणों को चुकाने में विफल रहने के बाद कोलम्बो को बंदरगाह का नियंत्रण छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा. चीन का लक्ष्य हबनटोटा बंदरगाह को वाणिज्यिक और सैन्य, दोहरे उपयोग में लाना है. यह सैन्य उद्देश्य से बंदरगाह पर जहाजों को ले जाने और संचालित करने की क्षमता बनाने की कोशिश कर रहा है. चीन अपनी नौसेना की पहुँच का विस्तार करने के लिए व्यापक हिन्द महासागर क्षेत्र में नौसैनिक स्टेशनों के निर्माण के अलावा बंगाल की खाड़ी में तटीय देशों को उनकी समुद्री क्षमताओं में सुधार करने में सहायता कर रहा है. हाल ही में, इसने अपनी चीनी निर्मित पनडुब्बियों के लिए पनडुब्बी बेस के निर्माण में बांग्लादेश की सहायता की.

इस प्रकार मालदीव को अपने प्रभाव में लेकर चीन की नीति भारत को तीनों ओर से घेरने की है जिसमें वह सफल होता दिखाई भी दे रहा है.

मालदीव, भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

मालदीव, अपनी भौगोलिक अवस्थिति, समुद्री संसाधन, सामरिक सुरक्षा रणनीति

कृषि अर्थव्यवस्था और ऋणग्रस्तता के बीच अन्तर्सम्बन्ध

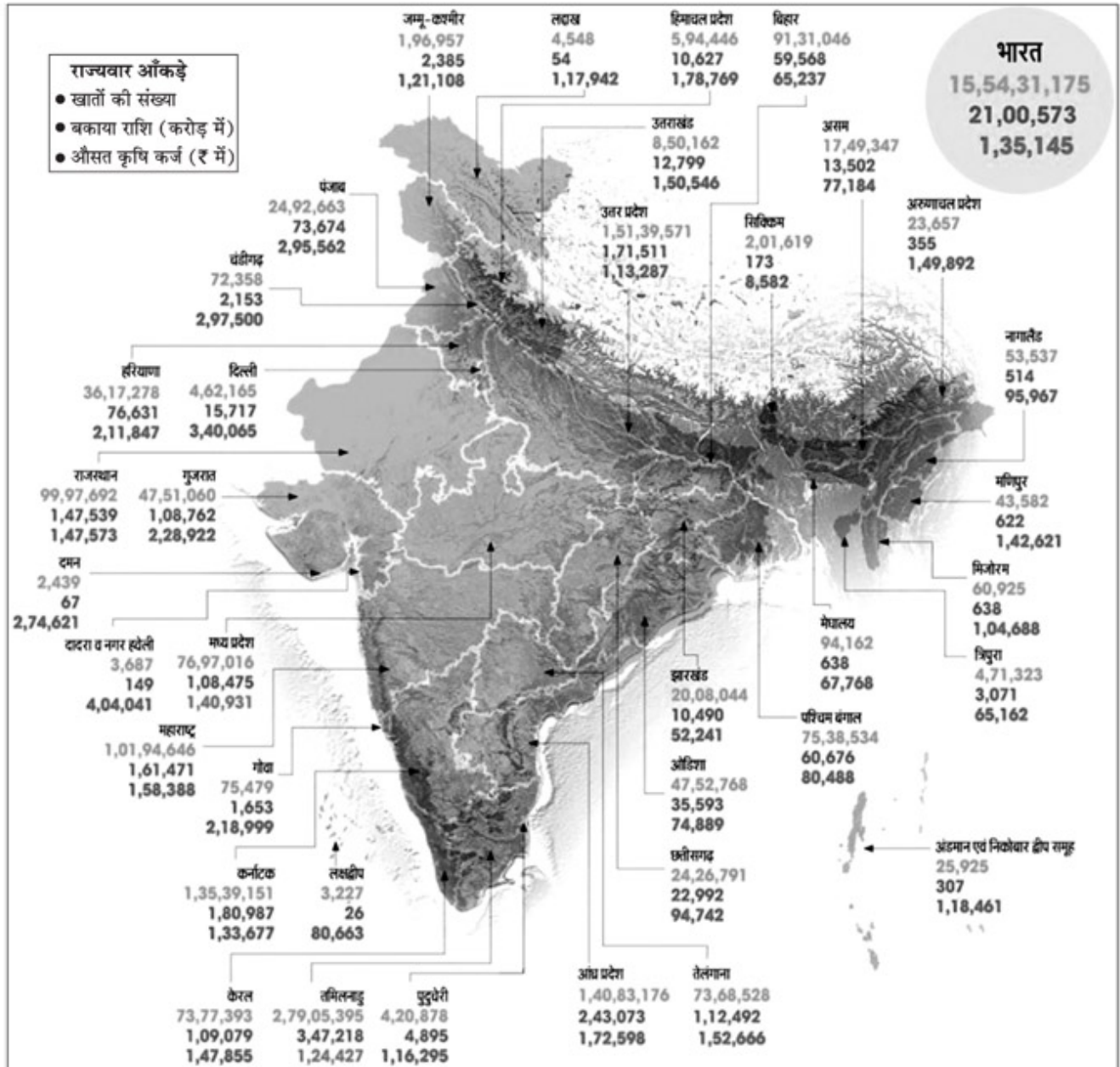
दुनिया के किसी भी भाग में कृषि समाज में कल्याण के प्रवर्तक की भूमिका निभाती है। चाहे यह जनता, विशेष रूप से गरीबों को रोजगार प्रदाता के रूप में हो; ऐतिहासिक कृषि अनुभवों के रूप में हो; या फिर भोजन सामग्री और कच्चे माल के आपूर्तिकर्ता के रूप में हो। भारत के लिए कृषि इन्हीं सन्दर्भों में ओर भी महत्वपूर्ण होती जाती है, क्योंकि देश की अधिकांश जनसंख्या आज भी गाँवों में रहकर कृषि कार्यों में संलग्न

है तथा कृषि ही उनकी जीविका का मुख्य आधार है, इसी कारण भारत को कृषि प्रधान देश भी कहा जाता है। हालाँकि, वर्तमान में असामान्य मानसून, कृषि आधुनिकीकरण में कमी, उच्च लागत और बाजार भाव में उतार-चढ़ाव की स्थिति और उत्पादों का सही भण्डारण व कृषि उत्पादों की बिक्री के लिए स्थानीय विपणन नेटवर्क का उपलब्ध न होना आदि कृषि क्षेत्र की प्रमुख चुनौतियों

में से एक बनी हुई है। ऐसे में किसान या तो कृषि कार्यों को छोड़कर किसी दूसरे कार्यों में चले जाते हैं, नहीं तो कृषि कार्यों के लिए संस्थागत या गैर-संस्थागत कर्ज का सहारा लेते हैं, जो तात्कालिक रूप से तो सहायक होता है, लेकिन जब अधिक समय तक किसान इसके जाल में उलझता जाता है, तो इसके दीर्घकालिक नकारात्मक परिणाम होते हैं।

वर्तमान में कृषि कर्ज की स्थिति

भारत के किसान कृषि कार्यों के उद्देश्य से व्यवसायिक, सहकारी एवं क्षेत्रीय बैंकों से कर्ज लेते हैं। वर्तमान में किसानों पर इन बैंकों का करीब ₹ 21 लाख करोड़ का कर्ज बकाया है। लोक सभा में एक प्रश्न के जवाब में पेश किए गए राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक



(नाबार्ड) के आँकड़े बताते हैं कि देशभर के करीब 15.5 करोड़ खाताधारकों के औसतन ₹ 1.35 लाख प्रति खाताधारक बकाया है।

गौरतलब है कि भारत के बहुत से किसान संस्थागत बैंकों से कर्ज नहीं ले पाते। उन्हें साहूकारों अथवा सूदखोरों से मोटी ब्याज दर पर कर्ज लेना पड़ता है। इस कर्ज का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है।

भारत में राज्यवार किसान कर्ज की स्थिति

- वर्तमान में किसान कर्जदार खाताधारकों की संख्या तमिलनाडु में सर्वाधिक 2.79 करोड़ है। इन खाताधारकों पर करीब ₹ 3 लाख 47 हजार करोड़ बकाया है।
- इसके अतिरिक्त कर्नाटक के 1 करोड़ 35 लाख खाताधारकों पर करीब ₹ 1 लाख 81 हजार करोड़ की देनदारी शेष है।
- राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना, केरल और आंध्र प्रदेश के किसानों पर ₹ 1 लाख करोड़ से अधिक कर्ज बकाया है।
- अगर प्रति खाताधारक औसत कर्ज देखें तो पंजाब पहले स्थान पर है। इस राज्य के प्रति कर्जदार खाताधारक पर औसतन ₹ 2 लाख 95 हजार बकाया है। दूसरे स्थान पर गुजरात है जहाँ हर कर्जदार खाताधारक पर करीब ₹ 2 लाख 29 हजार बकाया है। हरियाणा और गोवा के प्रति खाताधारक किसान पर भी ₹ 2 लाख से अधिक का कर्ज है।
- अगर केन्द्रशासित प्रदेशों की बात करें, तो दादरा एवं नगर हवेली के प्रति खाताधारक पर सर्वाधिक ₹ 4 लाख से अधिक बकाया है।
- इसके बाद दिल्ली के खाताधारकों पर ₹ 3 लाख 40 हजार का औसत कर्ज है।
- चंडीगढ़ में यह देनदारी ₹ 2 लाख 97 हजार प्रति खाताधारक है।

भारतीय कृषि के अपर्याप्त विकास के मूल में समस्याएं

- वर्तमान में किसानों के पास कृषि में निवेश के लिए पूँजी का अभाव है। किसानों में विशेषतः जो छोटे किसान हैं उन्हें प्रायः संस्थागत ऋण सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाता है। ऐसी स्थिति में किसानों को निजी व्यक्तियों से ऊँची ब्याज दर पर ऋण लेना पड़ता है जिससे उन्हें उच्च ब्याज दरों और ऋण जाल में फँसने से किसानों को आत्महत्या जैसे कदमों को भी उठाना पड़ता है।
- उदाहरण के लिए, भारत के राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) का

अनुमान है कि 2021 में लगभग 10,881 किसानों की आत्महत्या से मृत्यु हो गई। उल्लेखनीय है कि भारतीय दण्ड संहिता की धारा 309 के अनुसार, आत्महत्या का प्रयास करना एक अपराध है जिसके लिए जुर्माना और 1 वर्ष तक की कैद हो सकती है। कर्ज के कारण आत्महत्या करने वाले किसानों के लिए यह सजा अत्यधिक प्रतिकूल है। इसलिए 2017 का मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम धारा 309 का खंडन करता है, जिसमें कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति जो आत्महत्या करने का प्रयास करता है, उसे गम्भीर रूप से तनाव में माना जाएगा और उस पर संहिता के तहत मुकदमा नहीं चलाया जाएगा और न ही उसे दण्डित किया जाएगा।

- कृषि इनपुट लागत में समग्र वृद्धि जैसे—बीज, उर्वरकों और कीटनाशकों जैसे रसायनों की लागत में वृद्धि से किसानों को अधिक खर्च की आवश्यकता होती है। जब उनकी आय इन लागतों के लिए पर्याप्त नहीं होती, तो वे संस्थागत व गैर-संस्थागत कर्ज का विकल्प चुनते हैं।
- कृषि उपकरणों की लागत—ट्रैक्टर, पम्प आदि जैसे कृषि उपकरण इनपुट की लागत को बढ़ाते हैं।
- कृषि कार्यों के लिए मजदूरों को काम पर रखना भी लगातार महंगा होता जा रहा है, जिससे बोझ बढ़ रहा है। मनरेगा जैसी योजनाएं और न्यूनतम बुनियादी आय में वृद्धि के कारण भी कृषि कार्यों में लगे मजदूरों की कमी और भुगतान में वृद्धि का एक कारण रहा है।
- जागरूकता की कमी—किसानों में सरकारी योजनाओं और नीतियों के बारे में जागरूकता की कमी भी उनके पिछड़ेपन के प्रमुख कारणों में से एक है।
- किसानों में साक्षरता की कमी और डिजिटल विभाजन के कारण, बहुत सारे किसानों, विशेष रूप से सीमांत और छोटे किसानों के सुधार में बाधा साबित हो रही है। वे योजनाओं से अनभिज्ञ हैं, या नहीं जानते कि सरकार द्वारा उन्हें दिए जाने वाले लाभों का फायदा कैसे उठाया जाए, और इस प्रकार उन्हें नुकसान उठाना पड़ता है।
- जलवायु परिवर्तन—जलवायु परिवर्तन का असर किसानों और कृषि पर भी पड़ रहा है। अनिश्चित मानसून प्रणाली, आकस्मिक बाढ़ आदि के कारण फसल को नुकसान हुआ है। विलम्बित मानसून भी नियमित रूप से उत्पादन में कमी का कारण बनता है।

- कृषि के अतिरिक्त वैकल्पिक आय साधनों का अभाव—भारत में यह कारण किसानों के लिए बेरोजगारी का कारण बनता है। उल्लेखनीय है कि कृषि क्षेत्र में रोजगार और बेरोजगारी की प्रकृति मौसमी (किसी विशेष मौसम में), संरचनात्मक (पर्याप्त कार्य का सृजन नहीं), प्रच्छन्न (रोजगार की आवश्यकता से अधिक लोगों का कार्य में लगा रहना) आदि हो सकती है। कृषि क्षेत्र में बेरोजगारी मुख्यतः मौसमी या प्रच्छन्न है। बेरोजगारी के कारणों में मुख्यतः औद्योगिकीकरण का अनुचित और धीमा चरण, नीतियों का बेहतर क्रियान्वयन न हो पाना और अत्यधिक जनसंख्या वृद्धि को माना जाता है। इसके लिए सुझाए गए (नमाधानों में श्रमिक बहुल उद्योगों में वृद्धि, कृषि विस्तार, विकास, जनसंख्या नियंत्रण और जनशक्ति नियोजन है)।

किसान आत्महत्या और ऋणग्रस्तता के बीच सम्बन्ध

- भारत में किसान आत्महत्या के लिए अधिकांश अध्ययनों ने किसान आत्महत्याओं से जुड़े प्रमुख एकल कारक के रूप में ऋणग्रस्तता की पहचान की है। महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में जहाँ पिछले वर्षों में किसानों की आत्महत्या के सबसे अधिक मामले आए हैं, उनकी आत्महत्या के प्रमुख कारणों में कर्ज सबसे महत्वपूर्ण कारण है। इसके बाद पर्यावरणीय समस्याएं और मूल्य सम्बन्धी मुद्दे आदि हैं।
- खाद्य फसलों (कम लागत और स्थानीय रूप से अधिक बिक्री के लिए अनुकूल) के विपरीत नकदी फसलों (जो अधिक लागत वाली होती हैं और मुख्य रूप से निर्यात के लिए उगाई जाती हैं) के बढ़ते उपयोग को कुछ अध्ययनों में किसानों की ऋणग्रस्तता के लिए एक कारण के रूप में उल्लेखित किया गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब इनका (नकदी फसल) उत्पादन करने वाले किसानों की उच्च लागत वाली फसल विफल हो जाती है, तो उनके ऋणग्रस्त होने की सम्भावना अधिक होती है, क्योंकि उन्होंने अपने उत्पादन में काफी अधिक निवेश किया है और सम्भावित रूप से, उनका उपयोग उन्हें वैश्विक मूल्य में उतार-चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील बनाता है। इसमें ऐसे किसान अधिक प्रभावित होते हैं, जो या तो 'सीमांत भूमि जोत' वाले हैं या कर्ज लेकर नकदी फसल की खेती करते हैं।

- उदाहरण के लिए, गुजरात और राजस्थान एकमात्र ऐसे अपवाद राज्य हैं जहाँ नकदी फसल करने वाले किसान अधिक कर्ज के जाल में नहीं फँसे और इसके लिए, जो प्रमुख वजह थी कि उनके पास सीमांत किसानों का अनुपात अपेक्षाकृत सबसे कम था, जो दर्शाता है कि यह संकट सामाजिक-आर्थिक पैमाने के निचले स्तर पर छोटे किसानों तक अधिक केन्द्रित है.
- वर्तमान कृषि संकट या किसान आत्महत्या को 1980 के दशक में प्रारम्भ नव-उदारवादी सुधारों के बेहतर क्रियान्वयन न हो पाने के कारणों को भी माना जाता है. उदाहरण के लिए, वर्ष 1950-51 में कुल सकल घरेलू उत्पाद के 56% के लिए जिम्मेदार कृषि क्षेत्र, वर्तमान में केवल लगभग 16 से 17 प्रतिशत का ही योगदान दे पाती है, जबकि वर्तमान में भी लगभग 48-50% श्रमिक (विशेष रूप से 'किसान या खेतिहर मजदूर') कृषि पर निर्भर है. कृषि में नव-उदारवादी सुधारों के अन्तर्गत भूमि जोतों का बँटवारा, वैश्विक बाजार के लिए कृषि को अधिक खोला जाना और नगदी फसलों को अधिक प्रोत्साहन आदि जैसे कदम उठाए गए.
- अन्य प्रमुख कारणों में कृषि के लिए कुल बैंक ऋण के प्रतिशत में तेजी से कमी भी रही है. उदाहरण के लिए, वर्ष 1989 के बाद, से कृषि के लिए दिए जाने वाले कुल बैंक ऋण का प्रतिशत तेजी से कम होने लगा, जो 1994 तक लगभग 20-12% था, जो 2000 के दशक तक आधा हो गया था. इसके अतिरिक्त निर्धारित कृषि ऋण का केवल इससे भी कम (लगभग 8%) सीधे उधार दिया गया था. इसका परिणाम यह रहा कि वित्त के औपचारिक स्रोतों में गिरावट आई जिसके कारण किसान स्थानीय साहूकारों जैसे गैर-संस्थागत स्रोतों से ऋण लेने के लिए विवश हुए और यह ऋण उन्हें ऊँची ब्याज दरों पर दिया गया. इसका सर्वाधिक प्रभाव देश के छोटे और सीमांत किसानों पर हुआ.

कृषि सुधार के प्रयास और उपाय

- **भूमि सुधार**—इन सुधारों का उद्देश्य भारत में भूमि के स्वामित्व और उपयोग के तरीके को बदलना है. उनमें बड़े भू-स्वामियों से लेकर छोटे किसानों तक भूमि का पुनर्वितरण शामिल है.
- **बाजार सुधार**—इन सुधारों का उद्देश्य भारत में कृषि बाजारों को और अधिक कुशल बनाना है. इसमें मूल्य नियंत्रण को

हटाया जाना और कृषि बाजारों को विदेशी प्रतिस्पर्धा के लिए खोला जाना शामिल है.

- **तकनीकी सुधार**—इन सुधारों का उद्देश्य भारत में कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों को पेश करना है. इनमें नए बीज, उर्वरक या कीटनाशकों का विकास शामिल है, इसमें नई कृषि पद्धतियों को अपनाना भी शामिल है.
- **संस्थागत सुधार**—इन सुधारों का उद्देश्य भारत में कृषि नीतियों को बनाने और लागू करने के तरीके में सुधार करना है. इनमें कृषि अनुसंधान और विस्तार सेवाओं की भूमिका

को मजबूत करना और कृषि बाजारों के प्रशासन में सुधार करना शामिल है.

हालिया सुधार के उपाय

- **प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएम-केएसवाई)**—प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) 2024 तक 100 मिलियन हेक्टेयर कृषि भूमि को सुरक्षित और समय पर सिंचाई प्रदान करने की दृष्टि से 2015 में शुरू की गई एक केन्द्रीय क्षेत्र की योजना है.
- **परम्परागत कृषि विकास योजना (पीके-वीवाई)**—परम्परागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) पारम्परिक कृषि को बढ़ावा

नवीन कृषि सुधार प्रणाली

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार वर्ष 2050 तक वर्तमान आवश्यकता से लगभग 70 प्रतिशत तक भोजन की माँग बढ़ जाएगी. ऐसे में आवश्यकता है कि उपलब्ध संसाधनों पर ही नवीन प्रौद्योगिकियों और कृषि प्रणालियों के आधार पर कृषि में सुधारों को बढ़ावा दिया जाए.

- **परिशुद्ध कृषि (Precision Agriculture)**—परिशुद्ध कृषि एक कृषि संसाधन प्रबंधन रणनीति है, जो डेटा एकत्र करती है, संसाधित करती है और उसका मूल्यांकन करती है और किसानों को मिट्टी की गुणवत्ता और उत्पादकता को अनुकूलित करने और बढ़ाने में मदद करने के लिए अन्तर्वृष्टि प्रदान करती है. कृषि विशेषज्ञों का मानना है, कि परिशुद्ध कृषि बाजार वर्ष 2028 तक 13.1 सीएजीआर की दर से बढ़कर 16.35 बिलियन डॉलर तक पहुँच जाएगा.
- **इनडोर वर्टिकल फार्मिंग**—इनडोर वर्टिकल फार्मिंग एक बन्द और नियंत्रित वातावरण में कृषि उपज को एक-दूसरे के ऊपर वर्टिकल रूप से उगाई जाती है. यह तकनीक सीमित स्थानों में फसल पैदावार बढ़ाने के लिए उपयुक्त है. इस फसल तकनीक में लम्बवत् अलमारियों का उपयोग किया जाता है. इन अलमारियों में मिट्टी की आवश्यकता नहीं होती है. इसमें हाइड्रोपोनिक्स या एरोपोनिक्स विधि से पौधे उगाए जाते हैं. हाइड्रोपोनिक्स में पानी और पोषक तत्वों के घोल में फसल उगाई जाती है, जबकि एरोपोनिक्स में फसलों की जड़ों को हवा में आरोपित कर दिया जाता है. इसमें पानी और पोषक तत्वों का छिड़काव किया जाता है. इनडोर वर्टिकल फार्मिंग में परम्परागत कृषि से लगभग 70 प्रतिशत तक कम पानी की आवश्यकता होती है. वर्तमान में कटाई और रोपण के लिए रोबोट तकनीक के प्रयोग से श्रम लागत में भी कमी आई है.
- **लेजर बिजुका तकनीक**—फसल पकने के बाद पक्षी या कीट पतंगे द्वारा फसल की बर्बादी से रोकने के लिए रोड आइलैण्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पता लगाया कि पक्षी हरा (Green) रंग के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं अतः शोधकर्ताओं ने एक लेजर बिजुका का आविष्कार किया. यह हरे लेजर प्रकाश को प्रक्षेपित करता है. उल्लेखनीय है कि सूर्य की रोशनी में यह हरा प्रकाश मनुष्यों को दिखाई नहीं देता है, लेकिन यह पक्षियों को एक खेत में 60 फीट की दूरी तक आने पर प्रभावित करता है. लेजर बिजुका के प्रारम्भिक परीक्षणों में पाया गया है कि यह तकनीक खेतों के आस-पास पक्षियों की आने की दर को 70% से 80% तक कम कर देता है, जो फसल क्षति को रोकने में कारगर होता है.
- **मिनीक्रोमोसोम तकनीक**—वर्तमान जलवायु परिवर्तन से फसल चक्र, पौधों की जोखिम क्षमता आदि में वृद्धि के लिए कृषि आनुवंशिकीविद् पौधे के जीन में बदलाव किए बिना पौधों के गुणों को बढ़ाने के लिए मिनीक्रोमोसोम तकनीक का उपयोग कर रहे हैं. मिनीक्रोमोसोम में कम मात्रा में आनुवंशिक परिवर्तन करता है, इससे पौधे के प्राकृतिक गुणों में बिना कोई विशेष हस्तक्षेप किए बिना पौधों को अधिक सूख-सहिष्णु या कीटों के प्रति प्रतिरोधी बनाने के लिए इस तकनीक का उपयोग कारगर सिद्ध हो रहा है.
- **एन ड्रिप सिंचाई**—यह सूक्ष्म ड्रिप सिंचाई प्रणाली है. इसमें पौधों की जड़ों तक पानी को धीरे-धीरे टपकने दिया जाता है. यह तकनीक पानी के उपयोग को 50 प्रतिशत तक कम कर देती है. इससे फसल गुणवत्ता में भी सुधार होता है.

देने और किसानों की आय बढ़ाने की दृष्टि से 2007 में शुरू की गई एक केन्द्रीय क्षेत्र की योजना है। यह योजना किसानों को पारम्परिक कृषि के लिए प्रशिक्षण, इनपुट और सुनिश्चित खरीद गारण्टी प्रदान करती है।

- **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएम-एफबीवाई)**—प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) 2016 में भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक फसल बीमा योजना है। यह योजना किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, जैसे—सूखा, बाढ़, ओलावृष्टि और कीट संक्रमण के कारण फसल के नुकसान के खिलाफ बीमा कवरेज प्रदान करती है। इसके तहत सरकार छोटे और सीमांत किसानों के लिए प्रीमियम का 50% और अन्य किसानों के लिए प्रीमियम का 25% वहन करती है।
- **पीएम-किसान मानधन योजना**—प्रधान-मंत्री किसान मानधन योजना (पीएम-किसान-एमकेवाई) भारत में किसानों के लिए एक पेंशन योजना है। इसे 15 अगस्त, 2019 को लॉन्च किया गया था।

निष्कर्ष

भारत में कृषि और किसानों की कर्ज से समस्या के निजात के लिए आवश्यक है कि कृषि क्षेत्र में कृषि उत्पादकता, प्रतिस्पर्धात्मकता और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए न सिर्फ नीतियाँ लाई जाएं, बल्कि उनका सही क्रियान्वयन भी किया जाए। जल संसाधनों और सिंचाई/जल निकासी प्रबंधन में सुधार भी वर्तमान की आवश्यकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि कृषि भारत में पानी का सबसे बड़ा उपयोगकर्ता है। हालाँकि, उद्योग, घरेलू उपयोग और कृषि के बीच पानी के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने नदी बेसिन और बहु-क्षेत्रीय आधार पर पानी की योजना बनाने और प्रबंधन करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है। जैसे-जैसे जल की शहरी और अन्य माँगें बढ़ती जा रही हैं, सिंचाई के लिए कम पानी उपलब्ध होने की सम्भावना है। सिंचाई की उत्पादकता ('प्रति बूंद अधिक फसल') को मौलिक रूप से बढ़ाने के तरीके खोजने की जरूरत है। पाइप द्वारा परिवहन, पानी का बेहतर ऑन-फार्म प्रबंधन और ड्रिप सिंचाई जैसे अधिक कुशल वितरण तंत्र का उपयोग उन कार्यों में से हैं, जो उठाए जा सकते हैं। इसके अलावा सरकार को कृषि विपणन, परिवहन, निर्यात और प्रसंस्करण के लिए मौजूदा बाधाओं को उदार बनाते हुए सुधार पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त कृषि उप-क्षेत्रों में विस्तार विशेष रूप

से पशुधन क्षेत्र में। पशुधन क्षेत्र, मुख्य रूप से डेयरी के कारण, कृषि सकल घरेलू उत्पाद में एक-चौथाई से अधिक का योगदान देता है और भारत के 70% ग्रामीण परिवारों के लिए आय का एक स्रोत है, जिनमें से ज्यादातर गरीब हैं और उनकी मुखिया महिलाएँ हैं। दूध उत्पादन में लगभग 4% प्रति वर्ष की वृद्धि दर रही है, जिसकी भविष्य में घरेलू माँग कम-से-कम 5% प्रति वर्ष बढ़ने की उम्मीद है। हालाँकि, गायों की खराब आनुवंशिक गुणवत्ता, अपर्याप्त पोषक तत्व, दुर्गम पशु चिकित्सा देखभाल और अन्य कारकों के कारण दूध उत्पादन बाधित होता है। इन बाधाओं से निपटने के लिए एक लक्षित कार्यक्रम उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ गरीबी को कम करने और किसानों के लिए कृषि से इतर आय का एक अतिरिक्त साधन उपलब्ध कराया जा सकता है। ●●●

शेष पृष्ठ 90 का

- समय में विमान की स्थिति और प्रत्येक उड़ान की प्रगति का मैप प्रदान करते हैं।
- जीपीएस तकनीक का उपयोग नदियों, घाटों और रेतीले मैदानों में ड्रेजिंग संचालन की स्थिति और मानचित्रण के लिए किया जाता है।
 - कृषि के क्षेत्र में उच्च सटीकता वाला जीपीएस मृदा के नमूने वाले स्थानों का मानचित्रण करता है, जिससे किसानों को यह देखने में मदद मिलती है कि उनके निजी खेतों या पूरे खेतों में मृदा सबसे उपजाऊ कहाँ है?
 - सर्वेक्षक पृथ्वी की सतह और जल के नीचे के सटीक मानचित्रण और सटीक माप करने के लिए जीपीएस का उपयोग करते हैं।
 - जीपीएस-स्मार्ट घड़ियों और फिटनेस ट्रैकर को दूरी, गति, ऊँचाई और हृदय गति पर वास्तविक समय डेटा प्रदान करते हैं, जिससे उपयोगकर्ता लक्ष्य निर्धारित कर सकते हैं, अपने वर्कआउट को ट्रैक कर सकते हैं और समय के साथ अपने प्रदर्शन का विश्लेषण कर सकते हैं।
 - मानव रहित हवाई वाहन (UAV, जिन्हें आमतौर पर ड्रोन के रूप में जाना जाता है, नेविगेशन, स्थिरीकरण और जियोफेंसिंग के लिए जीपीएस तकनीक पर निर्भर है। ●●●

शेष पृष्ठ 98 का

और एक पड़ोसी देश होने के नाते सांस्कृतिक, आर्थिक रूप से भारत के लिए महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

उल्लेखनीय है कि मालदीव को हिन्द महासागर का टोल गेट की संज्ञा दी जाती है। ऐसा इसलिए, क्योंकि मालदीव इस द्वीप शृंखला के दो महत्वपूर्ण दक्षिणी और उत्तरी भागों में संचार के समुद्री मार्ग (एसएलओसी) पर स्थित है। ये एसएलओसी दक्षिण पूर्व एशिया में मलक्का जलमरुमध्य और पश्चिम एशिया में मलक्का जलडमरुमध्य के बीच समुद्री व्यापार प्रवाह के लिए महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उल्लेखनीय है कि भारत का लगभग 50 प्रतिशत विदेशी व्यापार और लगभग 80 प्रतिशत ऊर्जा आयात मालदीव के आसपास संचार के समुद्री मार्गों से ही गुजरता है। मालदीव द्वीपसमूह जिसमें 1200 प्रबल द्वीप शामिल है। यह भारत, चीन और जापान को निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण शिपिंग रूट की भूमिका निभाता है। प्रमुख दक्षिण एशियाई शक्ति और हिन्द महासागर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण 'सामरिक सुरक्षा प्रदाता' के रूप में भारत और मालदीव के बीच सुरक्षा और रक्षा सम्बन्धों में सहयोग की भावना आवश्यक है। मालदीव में भारत के लगभग 25000 लोग रहते हैं। इसके साथ ही भारतीय पर्यटकों के लिए मालदीव पसंदीदा स्थानों में से एक है। उदाहरण के लिए मालदीव में प्रति वर्ष आने वाले पर्यटकों में लगभग 6 प्रतिशत हिस्सेदारी अकेले भारतीयों की है।

निष्कर्षत या कहा जा सकता है कि भारत और मालदीव दोनों को अपनी आवश्यकता और सहयोग के अनुरूप एक-दूसरे की सम्प्रभुता का सम्मान करते हुए एक-दूसरे का समर्थन करना चाहिए। भारत को नागरिक विकास केन्द्रित नीतियों और विकास कार्यक्रमों को मालदीव में अपनी लक्षित रणनीति बनाना चाहिए, जिससे भारत के लोगों के बीच वर्तमान में दुष्प्रचार से बनी विपरीत भावना को बेहतर सम्भावना सद्भावना में बदला जा सके। इसके साथ ही मालदीव शासन और नागरिकों को भी चीन के साथ विशेषकर आर्थिक आधारों पर आधारित सम्बन्धों के अन्य देशों के पूर्व के अनुभवों के आधार पर यह निर्णय लेना चाहिए कि मालदीव में चीन का प्रवेश केवल उसके लाभ के लिए है, जबकि भारत के साथ मालदीव के सम्बन्ध ऐतिहासिक और नागरिक विकास केन्द्रित भावना पर आधारित है। ●●●

UPKAR'S Multi-Dimensional Reasoning
(VERBAL & NON-VERBAL)
Useful For Various Competitive Exams.

Code No. 1624 ₹ 380.00

By : Dr. LAL, MISHRA & KUMAR

UPKAR PRAKASHAN, AGRA
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

'डीपफेक' का सामाजिक खतरा

—विजन कुमार पाण्डेय

वैज्ञानिक खोजों का सदुपयोग या दुरुपयोग दोनों ही सम्भव हैं. नई डिजिटल प्रौद्योगिकी के साथ भी है. यदि इसका सही इस्तेमाल किया जाए तो इससे समाज और देश दोनों को फायदा होगा, लेकिन अगर इसका दुरुपयोग हुआ, तो इसका असर पूरी मानवता पर पड़ता है. आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल हमारे जीवन को सुगम बना रहा है, लेकिन डीपफेक के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर सकता है. 'डीपफेक' तकनीक शक्तिशाली कम्प्यूटर और शिक्षा का इस्तेमाल करके वीडियो, छवियों तथा ऑडियो में हेरफेर करने की एक विधि है जिसमें किसी रियल वीडियो में दूसरे के चेहरे आवाज, हाव-भाव को फिट कर दिया जाता है, जिसे आप सच मान लेते हैं. इसमें मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा लिया जाता है.

दूसरे शब्दों में समझें, तो इस टेक्नोलॉजी में कोडर और डिकोडर टेक्नोलॉजी की मदद ली जाती है. डिकोडर सबसे पहले किसी इंसान के चेहरे को हावभाव और बनावट की गहन जाँच करता है. इसके बाद किसी फर्जी फेस पर इसे लगाया जाता है, जिससे हुबहु फर्जी आडियो-वीडियो बनाया जा सकता है. हालाँकि इसे बनाने में काफी विकसित टेक्नोलॉजी की जरूरत होती है, जिसे आम लोग नहीं बना सकते हैं. लेकिन इन दिनों डीपफेक बनाने से जुड़े ऐप मार्केट में मौजूद हैं, जिनकी मदद से आसानी से डीपफेक वीडियो को बनाया जा रहा है, जिसके धोखे में लोग आ रहे हैं. डीपफेक वीडियो के जरिए किसी व्यक्ति को समाज विरोधी व्यवहार और घटिया बातें करते हुए दिखाया जा सकता है, जो उसने कभी नहीं की हैं. यहाँ तक कि अगर डीपफेक का शिकार व्यक्ति इसे खारिज भी करें, तो वह शुरुआत में खुद को पहुँचे नुकसान की भरपाई नहीं कर पाता क्योंकि तब-तक बहुत देर हो जाती है.

डीपफेक का बढ़ता दुरुपयोग

ऑनलाइन डीपफेक सामग्री की मात्रा तेजी से बढ़ रही है. स्टार्टअप डीपट्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2019 की शुरुआत में ऑनलाइन 7,964 डीपफेक वीडियो थे; केवल

9 महीने बाद, यह आँकड़ा बढ़कर 14,678 हो गया. इसमें कोई संदेह नहीं है कि तब से यह लगातार बढ़ता जा रहा है. हालाँकि यह प्रभावशाली होते हुए भी, आज की डीपफेक तकनीक अभी भी प्रामाणिक वीडियो फुटेज के बराबर नहीं है—बारीकी से देखने पर, आमतौर पर यह बताना संभव है कि यह वीडियो डीपफेक है. लेकिन इस प्रौद्योगिकी में आश्चर्यजनक गति से तेजी से सुधार हो रहा है.

मान लीजिए अगर पूरी दुनिया को लगातार मनगढ़ंत वीडियो दिखाए जाएं, जिससे लगे कि ये असली हैं, तो इससे होने वाले नुकसान को समझने के लिए ज्यादा देर नहीं लगेगी. मान लीजिए अगर चुनाव से ठीक पहले किसी राजनेता के रिश्ततखोरी या यौन उत्पीड़न में लिप्त होने के डीपफेक फुटेज को दिखाया जाए तो जनता को गुमराह होते देर नहीं लगेगी. पुराने जमाने में, यदि आप किसी

देश को धमकी देना चाहते हैं, तो आपको विमान वाहक, परमाणु हथियार और लम्बी दूरी की मिसाइलों की आवश्यकता होती थी यानी महीनों पहले लम्बी तैयारी करनी पड़ती थी. मगर आज आपको बस एक नकली वीडियो जो देखने में असली लगे बनाने की जरूरत है जो उस देश में खलबली मचा सकता है और युद्ध के लिए प्रेरित कर सकता है.

डीपफेक की पहचान कैसे हो?

डीपफेक कोई नई टेक्नोलॉजी नहीं है. हालाँकि इंटरनेट का इस्तेमाल बढ़ने और एआई टूल का एक्सेस बढ़ने के बाद अब डीपफेक वीडियो तेजी से सामने आ रहे हैं. डीपफेक वीडियो और डीपफेक फोटो के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया जाता है. डीपफेक वीडियो को एआई इस तरह से क्रिएट करता है कि इसे पहचान पाना नॉर्मल यूजर के लिए बेहद मुश्किल है, लेकिन किसी भी नई तकनीक की काट जरूर खोज ली जाती है. हालाँकि डीपफेक वीडियो जैसे तो इतने परफेक्ट होते हैं कि इन्हें पहचान पाना बेहद मुश्किल है, लेकिन ये नामुमकिन नहीं है. डीपफेक वीडियो या फिर फोटो को पहचानने के लिए आपको इन्हें बेहद बारीकी से देखना होगा. आपको वीडियो पर दिखने वाले शख्स के चेहरे के एक्सप्रेशन, आँखों

डीपफेक बनते कैसे?

डीपफेक को गहन शिक्षण और जेनरेटिव एडवरसैरियल नेटवर्क (जीएएन) जैसी सोफ्टवेयर डिजिटल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकों का उपयोग करके बनाया जाता है. मैनिपुलेटेड इमेज जहाँ पर लोगों के चेहरे को मॉर्फ करके दूसरी बॉडी में लगाया जाता है जो नेटवर्क पर लम्बे समय से मौजूद है. मगर डीपफेक में इन-डेप्थ तकनीक का उपयोग किया जाता है, जो उन्हें उन तस्वीरों की तुलना में अधिक जटिल बनाता है. डीपफेक को जो बात सबसे अलग बनाती है वह यह है कि वे कितने सटीक हैं. यह जानने के लिए कि वीडियो वास्तविक है या नहीं, आपको बहुत अधिक ध्यान देने की आवश्यकता होगी. ये फोटोशॉप की गई पिक्चर से अलग हैं, क्योंकि डीपफेक पूरी तरह से नया कॉन्टेंट बना सकते हैं जो अक्सर वास्तविक फुटेज से एकदम अलग होता है, जबकि फोटोशॉप की गई पिक्चर्स में आमतौर पर मौजूदा तस्वीरों को एडिट किया जाता है.

डीपफेक बनाने के कई तरीके हैं. लेकिन सबसे आम तरीके में डीप न्यूरल नेटवर्क का इस्तेमाल करते हुए फेस स्वैपिंग तकनीक का उपयोग किया जाता है. इसके लिए पहले डीपफेक के आधार के तौर पर इस्तेमाल के लिए टारगेट वीडियो की जरूरत होती है और इसके बाद उस व्यक्ति की वीडियो क्लिप के कलेक्शन की जरूरत होती है, जिसे आप टारगेट वीडियो में डालना चाहते हैं. जैसे आपका टारगेट हॉलीवुड फिल्म की कोई क्लिप हो सकती है और जिस व्यक्ति का वीडियो आप फिल्म में डालना चाहते हैं, वो यूट्यूब से डाउनलोड की गई कोई भी क्लिप हो सकती है. ऐसे में प्रोग्रामर कई कोणों और स्थितियों से अंदाजा लगाता है कि व्यक्ति कैसा दिखता है और फिर साझा फीचर्स ढूँढ़ कर उस व्यक्ति को टारगेट वीडियो में दूसरे व्यक्ति की जगह पर डाल देता है. इसके बाद जेनरेटिव एडवरसैरियल नेटवर्क (जीएएन) की मदद से इसे मिक्स किया जाता है. ये कई राउंड में डीपफेक में किसी भी तरह की कमी को पहचान कर उसे दूर करती है. ऐसे में डीपफेक की पहचान करने वालों के लिए इसे डिकोड करना कठिन हो जाता है.

की बनावट और बॉडी स्टाइल पर गौर करना होगा. आमतौर पर ऐसे वीडियो में बॉडी और चेहरे का कलर मैच नहीं करता जिससे आप इसे पहचान सकते हैं. इसके साथ ही आप लिप सिंकिंग से भी डीपफेक वीडियो को आसानी से पहचान सकते हैं.

इसी तरह ऐसे कई और संकेत हैं, जो डीपफेक की पहचान करने में मदद कर सकते हैं—

सबसे पहले आप उस व्यक्ति की त्वचा या बालों में पर गौर करें, जो डीपफेक वीडियो में दिखाया गया है. आप चेहरे को ध्यान से देखें कि ये कुछ ज्यादा धुंधला तो नहीं लग रहा है. अगर ऐसा है तो यह फेक है. आम तौर पर डीपफेक अल्गोरिथ्म फेक वीडियो के लिए माडल के तौर पर इस्तेमाल की गई क्लिप की लाइटिंग को ही लेता है. लेकिन टारगेट वीडियो की लाइटिंग से इसे मिलाने पर फर्क दिखता है. अगर वीडियो फेक है लेकिन मूल ऑडियो के साथ सावधानी से छेड़छाड़ नहीं की गई है तो हो सकता है कि व्यक्ति का ऑडियो मैच न करे. शोध करने वाले, इमेज का सही सोर्स चेक करने के लिए रिवर्स इमेज सर्च तकनीक का इस्तेमाल करते हैं. सोर्स कितना भरोसेमंद है, ये चेक करने के लिए आप भी इस तकनीक का इस्तेमाल कर सकते हैं. आपको ये भी देखना चाहिए कि इमेज किसने पोस्ट की है, कहाँ से पोस्ट की गई है, और इमेज पोस्ट करने का कोई मतलब बनता भी है या नहीं. अगर ऐसा नहीं है तो आप फिर सावधान हो जाएँ और ऐसे वीडियो को देखिए ही नहीं. छेड़छाड़ वाली न्यूड इमेज जब अलग-अलग साइटों पर पहुँच जाती हैं, तो उन्हें हटाना काफी मुश्किल काम होता है. कई बार यह असंभव ही हो जाता है, क्योंकि वह तस्वीर या डीपफेक वीडियो कई लोगों तक पहुँच जाता है. और एक बार उसे हटाया जाता है, तो कोई और उसे अपलोड कर देता है. टेक्नोलॉजी हमें असली-नकली का फर्क बता देगी, लेकिन इससे डीपफेक का इस्तेमाल रुकेगा नहीं. इसके लिए सरकार को तय करना होगा कि जो कुछ भी एआई से बन रहा है, उस पर नजर रखें.

सरकार द्वारा ठोस कार्य योजना की तैयारी

विशेष रूप से चुनाव वाले राज्यों में डीपफेक की व्यापकता ने सरकार को इस प्रवृत्ति पर गम्भीरता से ध्यान देने के लिए प्रेरित किया है, विशेष रूप से लघु वीडियो की लोकप्रियता के सन्दर्भ में. डीपफेक को लोकतंत्र के लिए एक नया खतरा बताते हुए, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने घोषणा की है कि सरकार डीपफेक जैसी आपत्तिजनक

सामग्री से प्रभावित होने पर आईटी नियमों का उल्लंघन करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने में नागरिकों का समर्थन करेगी. डीपफेक दुनिया भर में आज एक बढ़ती हुई समस्या बन गई है, क्योंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शक्ति अब इंटरनेट पर यूजर के लिए आसानी से उपलब्ध है. भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी इस समस्या पर अपनी चिंता व्यक्त कर चुके हैं जब उन्होंने गरबा गाते और नृत्य करते हुए अपना एक डीपफेक वीडियो देखा. भारत सरकार अब देश में डीपफेक से निपटने के लिए एक ठोस कार्य योजना लागू करने पर विचार कर रही है. आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना है कि ये प्लान जल्द ही तैयार हो जाएंगे. भारत सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ताकत को समझ रही है. देश में डीपफेक के बढ़ते मामलों को देखते हुए वह अब इसे लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा मान रही है. अधिकारीगण भी अब इस मामले को प्राथमिकता के आधार पर स्थिति से निपटने के लिए तत्पर हैं. डीपफेक इतने उन्नत हो गए हैं कि अनुभवी लोगों की प्रशिक्षित आँखों के लिए भी वास्तविक वीडियो और डीपफेक कंटेंट के बीच अंतर पहचानना मुश्किल हो गया है. आज इंटरनेट पर कई फ्री टूल उपलब्ध हैं जो तुरन्त डीपफेक बना सकते हैं, और कुछ ऐप स्मार्टफोन पर भी उपलब्ध हैं. इसलिए इस मोबाइल पर भी बनाया जा सकता है.

यह रोग समाज को घुन की तरह खोखला कर रहा है. यह तकनीकी घुन है, जो अन्य तकनीक को भी बर्बाद कर रहा है. अब तक ऐसी खबरें आती थी कि विशिष्ट लोगों के चित्रों से छेड़छाड़ की गई है, लेकिन उसकी पहचान हो जाती थी कि खेल नकली है. लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता के चलते डीपफेक इतनी चतुराई से तैयार किया जाता है कि सही-गलत का भेद करना मुश्किल हो जाता है, जिसका उपयोग किसी की प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचाने के लिए किया जाता है. चिंता की बात यह है कि विकसित तकनीक के जरिए वीडियो व ऑडियो के सही-गलत का भेद करना मुश्किल हो जाता है. ऐसे में यदि इसका दुरुपयोग धार्मिक व साम्प्रदायिक मामलों में किया जाता है तो समाज में अराजकता की स्थिति पैदा हो सकती है. दरअसल, संकट यह भी है कि इस तकनीक के जरिए ऑडियो का भी डीपफेक तैयार किया जाता है. बड़ी हस्तियों की आवाज बदलने के लिए वायस क्लोन्स का इस्तेमाल किया जाता है.

दरअसल, आज शांतिर लोग बिना कम्प्यूटर के मोबाइल से भी डीपफेक वीडियो

बनाने लगे हैं, जो साइबर अपराधियों का नया हथियार बन गया है. इसका इस्तेमाल ब्लैकमेल व फिरौती वसूलने तक के लिये किया जा रहा है. किसी भी सामाजिक व्यक्ति की छवि खराब करने के लिए डीपफेक वीडियो को सोशल मीडिया पर डालकर वे अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम देते हैं. खासकर वे समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों व राजनेताओं को निशाने पर लेते हैं. आशंका व्यक्त की जा रही है कि भविष्य में चुनाव के दौरान मतदाताओं को भ्रमित करने के भी प्रयास किये जा सकते हैं. राजनेताओं के डीपफेक वीडियो प्रसारित करने से राजनीतिक दल की जीतने या हारने की संभावनाओं को प्रभावित किया जा सकता है. यही वजह है कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने इसे देश के सामने मौजूद बड़े खतरों के रूप में दर्शाया और समाज में अराजकता फैलाने की आशंका व्यक्त की. ऐसे में यह उम्मीद की जानी चाहिए कि नये कानून बनने और इस मामले में कड़ी सजा के प्रावधान से इस चुनौती का मुकाबला किया जा सकेगा. ●●●

शेष पृष्ठ 93 का

उत्तराखण्ड में चारघाम परियोजना केन्द्र और राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है. इसमें पारिस्थितिक रूप से दुनिया के सबसे नाजुक क्षेत्रों में से एक हिमालय में बड़े पैमाने पर निर्माण शामिल है, जबकि कनेक्टिविटी और विकास इस क्षेत्र के लिए आवश्यक है—चीन सीमा तक आसान और त्वरित पहुँच के सन्दर्भ में, इन परियोजनाओं को कैसे शुरू किया जा रहा है? इस पर करीब से नजर डालने की आवश्यकता हो सकती है, विशेष रूप से स्थिरता और पर्यावरणीय मंजूरी पर ध्यान बढ़ाने के सन्दर्भ में. इसके लिए क्षेत्र और उससे परे विकास के एक अलग, अधिक रचनात्मक डिजाइन की आवश्यकता हो सकती है. बचाव अभियान भविष्य की प्राकृतिक आपदाओं और दुर्घटनाओं के लिए एक खाका के रूप में भी काम कर सकता है. अंततः, सिल्क्यारा—बड़कोट सुरंग ढहने की घटना ने एक बार फिर अदृश्य प्रवासी श्रमिकों को सुर्खियों में ला दिया है—पिछली बार उन्होंने देश का ध्यान महामारी में लॉकडाउन के दौरान अपनी कठिनाइयों के कारण आकर्षित किया था. फँसे हुए लोगों से लेकर उन्हें बचाने वालों तक, असुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और अस्तित्व की अनिश्चितता के बीच घर से दूर रहने की कठिन कहानियाँ हैं, जो ज्यादातर अज्ञात रहती हैं. इस बड़ी समस्या का भी सर्व-सरकारी दृष्टिकोण से समाधान किया जाना चाहिए. ●●●

जल संकट : परिमाणात्मक एवं गुणात्मक क्षरण

—डॉ. राधा परमार

पानी की कमी सतत् विकास के लिए प्रमुख चुनौतियों में से एक है, क्योंकि पानी न केवल मानवता के लिए, बल्कि कृषि उत्पादन, खाद्य सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है और हमारे पारिस्थितिक तंत्र की जीवनधारा है। फिर भी, जनसंख्या वृद्धि और जलवायु परिवर्तन के कारण हमारे मीठे पानी के संसाधन चिंताजनक दर से कम हो रहे हैं। घरेलू एवं वैश्विक स्तर पर मीठे एवं पीने योग्य जल की मांग और पूर्ति में निरन्तर बढ़ता अंतराल मानव-जीव-जन्तुओं-वनस्पतियों के जीवित रहने तथा विकसित होने के समक्ष संकट उत्पन्न कर रहा है। कृषि और औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने के लिए भूमिगत जलस्रोतों के अंधाधुंध विदोहन ने जल स्तर को इस सीमा तक नीचे धकेल दिया है कि अनेक क्षेत्रों में इसकी निकासी भी सम्भव नहीं है। नदियों, प्राकृतिक झरनों और जलाशयों में लगातार गिरते अनुपचारित दूषित जल जो श्री क्षेत्रों के नालों तथा औद्योगिक इकाइयों से आता है—ने इन जल स्रोतों के पानी को छूने लायक भी नहीं छोड़ा है, पीने की बात तो बहुत दूर है। असामयिक और अनियमित वर्षा से प्रति वर्ष नदियों में आने वाली विनाशकारी बाढ़ों का पानी बह कर समुद्रों में चला जाता है। आर्थिक शब्दावली में पानी सर्वोपकारी वस्तु (मेरिट गुड) है इसलिए यह 'मुफ्तखोरी' की समस्या से ग्रसित है। व्यक्तिगत स्तर पर कोई भी जल-उपभोक्ता जल के सामूहिक स्रोतों को सुरक्षित रखने का उत्तरदायित्व अपने ऊपर नहीं समझता, वरन् इस कार्य के लिए सरकार (राज्य) को ही उत्तरदायी मानता है।

संयुक्त राष्ट्र के निकाय खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) और अन्तर्राष्ट्रीय जल प्रबंधन संस्थान (आईडब्ल्यूएमआई) ने 5 अक्टूबर, 2023 को रोम जल संवाद में 'कृषि में जल गुणवत्ता : जोखिम और जोखिम शमन' का सह-लॉन्च किया। अन्तर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा तैयार किया गया यह ऐतिहासिक प्रकाशन, तकनीकी समाधानों और अच्छी कृषि पद्धतियों पर जोर देने के साथ जोखिम मूल्यांकन और शमन पर एक व्यापक नजर डालता है। इसके दिशा-निर्देश फसल और पशुधन खेती के साथ-साथ मछली पालन या जलीय कृषि को भी कवर करते हैं।

पानी की गुणवत्ता, लवणता और अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग पर पिछले खाद्य और कृषि संगठन कार्यों को संयोजित और अद्यतन करते हुए, 2023 में जारी यह प्रकाशन स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण पर उचित ध्यान देने के साथ कृषि के लिए पानी के मूल्यांकन और सुरक्षित उपयोग का मार्गदर्शन करने वाला एक सार-संग्रह है।

जल महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का समर्थन करता है, फसल और पशु उत्पादन के लिए एक गैर-प्रतिस्थापन योग्य इनपुट के रूप में कार्य करता है, और किसी देश के आर्थिक विकास, स्वास्थ्य और लचीलेपन को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। हालाँकि, पानी भी एक सीमित संसाधन है और दुनिया के कई हिस्सों में इसकी कमी बढ़ती जा रही है और अधिक-से-अधिक देश जलवायु परिवर्तन के कारण पानी के तनाव का सामना कर रहे हैं। घरेलू, औद्योगिक और/या कृषि स्रोतों से जल प्रदूषण विभिन्न उपयोगों के लिए संसाधन की उपलब्धता के साथ-साथ मानव और पर्यावरणीय स्वास्थ्य को गम्भीर रूप से प्रभावित कर सकता

है। मीठे पानी के संसाधनों के सबसे बड़े एकल उपयोगकर्ता के रूप में कृषि, सतही जल और भूजल संसाधनों में रासायनिक और जैविक प्रदूषण का एक महत्वपूर्ण स्रोत है, जिससे मानव बीमारियाँ, जैव विविधता की हानि, भूमि-आधारित गतिविधियों से समुद्री पारिस्थितिक तंत्र का प्रदूषण, पोषक तत्वों और विषाक्त शैवाल खिलने के कारण स्रोत, और लगातार जैविक कीटनाशकों द्वारा वैश्विक प्रदूषण पीने का पानी बंद हो जाता है।

जल की बढ़ती माँग और बढ़ता जल प्रदूषण

बढ़ते शहरीकरण से पानी की माँग बढ़ रही है और अधिक अपशिष्ट जल उत्पन्न हो रहा है। कृषि, उद्योग और घरों जैसे विभिन्न क्षेत्रों को दुर्लभ जल संसाधनों के लिए मजबूत प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। खाद्य और जल सुरक्षा सहित सतत् शहरी विकास को प्राप्त करने के लिए, एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन में जल मूल्यांकन को शामिल करके और खाद्य प्रणालियों को बदलकर टिकाऊ उत्पादन और उपभोग पैटर्न की आवश्यकता होती है। विशेषज्ञों ने एक महत्वपूर्ण संयुक्त राष्ट्र जल शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर कहा है कि दुनिया एक आसन्न जल संकट का सामना कर रही है, इस दशक के अंत तक ताजे पानी की माँग 40% तक ताजे पानी की आपूर्ति से अधिक होने की उम्मीद है। विश्व स्तर पर, लगभग 330 क्यूबिक मीटर शहरी अपशिष्ट जल, 660 क्यूबिक मीटर औद्योगिक अपशिष्ट जल (तंडा पानी सहित) और अनुमानित 1260

पानी पर कार्यवाही के लिए 8 आह्वान

1. वैश्विक जल चक्र को एक वैश्विक जन कल्याण के रूप में प्रबंधित करें, जिसे सामूहिक रूप से और हमारे साझा हितों में संरक्षित किया जाए।
2. प्रत्येक कमजोर समूह के लिए सुरक्षित और पर्याप्त पानी सुनिश्चित करें और पानी में निवेश बढ़ाने के लिए उद्योग के साथ काम करें।
3. पानी की कम कीमत चुकाना बंद करें। गरीबों के लिए उचित मूल्य निर्धारण और लक्षित समर्थन से पानी का उपयोग अधिक कुशलतापूर्वक, अधिक न्यायसंगत और अधिक टिकाऊ ढंग से किया जा सकेगा।
4. हर वर्ष कृषि और पानी में \$700 बिलियन से अधिक की सब्सिडी को कम करें, जो अक्सर अत्यधिक पानी की खपत को बढ़ावा देती है और जल प्रणालियों में रिसाव को कम करती है।
5. 'न्याय संगत जल साझेदारी' स्थापित करें जो निम्न और मध्यम आय वाले देशों के लिए वित्त जुटा सके।
6. इस दशक में आर्द्रभूमि और घटते भूजल संसाधनों को बहाल करने, उद्योग में उपयोग किए जाने वाले पानी का पुनर्चक्रण करने जैसे मुद्दों पर तत्काल कार्यवाही करें; पानी का अधिक कुशलता से उपयोग करने वाली सटीक कृषि की ओर बढ़ना; और कम्पनियों अपने 'जल पदचिह्न' पर रिपोर्ट कर रही हैं।
7. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पानी के प्रशासन में सुधार करना और व्यापार समझौतों में पानी को शामिल करना। शासन को जल संरक्षण की अग्रिम पंक्ति में महिलाओं, किसानों, स्वदेशी लोगों और अन्य लोगों को भी ध्यान में रखना चाहिए।
8. भारत जैसे देशों की सरकारों को पानी के दोहन और अति प्रयोग के लिए कृषि सब्सिडी देना बंद कर देना चाहिए।

क्यूबिक मीटर कृषि जल निकासी अपशिष्ट सालाना पर्यावरण में अनुपचारित छोड़ दिया जाता है, जिससे लगभग 29 मिलियन हेक्टेयर सिंचित कृषि भूमि प्रभावित होती है। इसके विपरीत, उपचारित अपशिष्ट जल दुनिया भर में केवल लगभग 1 मिलियन हेक्टेयर सिंचित भूमि पर ही इसका पुनः उपयोग किया जाता है। सिंचित फसल उत्पादन के अलावा, पशुपालन और जलीय कृषि पानी की खराब गुणवत्ता से भी उत्पादन बहुत प्रभावित होता है, और जल प्रदूषण में भी महत्वपूर्ण योगदानकर्ता है। प्रदूषण के 'बिन्दु' और 'गैर-बिन्दु' स्रोत मानवीय गतिविधियों से उत्पन्न होते हैं जहाँ प्रदूषकों का या तो जलस्रोतों में प्रवेश का एक ही बिन्दु होता है या फैला हुआ (एकाधिक) स्रोत होता है जहाँ प्रदूषकों का पता लगाना, मापना और नियंत्रित करना अधिक कठिन होता है। लवणीकरण व्यापक प्रदूषण का एक उदाहरण है जो वर्तमान में कुल वैश्विक सिंचित क्षेत्र के 20% से अधिक को प्रभावित करता है।

जलापूर्ति

वर्तमान में, 844 मिलियन लोगों-ग्रह की आबादी के 9 में से एक-को अपने घरों से आधे घण्टे के भीतर स्वच्छ, किफायती पानी तक पहुँच नहीं है, और हर वर्ष 5 वर्ष से कम उम्र के लगभग 3,00,000 बच्चे गंदे पानी और खराब स्वच्छता से जुड़े दस्त से मर जाते हैं, जरूरतमंदों को पानी उपलब्ध कराना न केवल मानव सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि इसके बड़े सामाजिक और आर्थिक लाभ भी हैं। उन सभी लोगों को पानी और स्वच्छता प्रदान करने के लिए जिन्हें इसकी आवश्यकता है, 2030 तक प्रति वर्ष £21 बिलियन या वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 0.1% से थोड़ा अधिक खर्च करना होगा, लेकिन विश्व बैंक का अनुमान है कि आर्थिक लाभ प्रति वर्ष 60 बिलियन डॉलर होगा।

जल संकट से निपटने के लिए हमें कहीं अधिक सक्रिय और महत्वाकांक्षी, सामान्य अच्छे दृष्टिकोण की आवश्यकता है। हमें न्याय और समानता को इसके केन्द्र में रखना होगा, यह सिर्फ एक तकनीकी या वित्तीय समस्या नहीं है।

सभी कमजोर आबादी के लिए स्वच्छ और पर्याप्त पानी, साथ ही आर्द्रभूमि, कम भूजल आपूर्ति और अन्य मीठे पानी की प्रणालियों की बहाली को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

भारत में जल संकट

1-4 अरब आबादी के साथ भारत वर्तमान में ही सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश तो है ही, और 2050 तक 1-7 अरब की अनुमानित वृद्धि के साथ, भारत खुद को उस आबादी के विशाल समूह को सुरक्षित, स्वच्छ पानी प्रदान करने में असमर्थ होगा। केन्द्रीय जल आयोग द्वारा

2019 में किए गए एक पुनर्मूल्यांकन (1985-2015) के अनुसार भारत की नदी घाटियों का औसत वार्षिक जन संसाधन 1999 बिलियन क्यूबिक मीटर आकलित किया गया है। जल की उपलब्धता को देखते हुए, 1950 में पार्टी व्यक्ति औसत वार्षिक जल उपलब्धता 3 से 4 हजार क्यूबिक मीटर, 2001 में 1816 क्यूबिक मीटर तथा 2011 में 1545 क्यूबिक मीटर आँकी गई थी, जो 2021 में घट कर 1486 क्यूबिक मीटर रह गई तथा इसके 2031 तक 1367 क्यूबिक मीटर रह जाने का अनुमान है।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय के एक आकलन के अनुसार भारत में जल की आवश्यकता वर्तमान में 1100 बिलियन क्यूबिक मीटर है जिसके 2050 तक बढ़ कर 1447 बिलियन क्यूबिक मीटर हो जाने का अनुमान है। भारत में कुल जल भंडारण में से 78 प्रतिशत का उपयोग सिंचाई के लिए, 12 प्रतिशत औद्योगों में तथा 10 प्रतिशत घरेलू कार्यों में होता है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली और देश के उत्तर-पश्चिम हिस्से में भूजल का दोहन अपेक्षा से अधिक किया जा रहा है इन क्षेत्रों भूजल की अधिक निकासी के परिणामस्वरूप जल स्तर 800 से 1000 फुट तक नीचे चला गया है। राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु के कुछ क्षेत्रों में भी लगभग यही स्थिति है।

भारत की बिडम्बना यह है कि यहाँ कुछ राज्य जल की कमी से ग्रसित होते हुए भी ऐसी फसलों के उत्पादन को प्राथमिकता दे रहे हैं जिनमें सिंचाई के लिए अधिक जल की आवश्यकता होती है जैसे कि पंजाब और हरियाणा में धान की खेती, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गन्ना की खेती। धान की खेती को प्रधानता देने का प्रमुख कारण इसकी खरीद सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किया जाना है। इसी प्रकार गन्ना के लिए सरकार द्वारा उचित और लाभकारी मूल्य की घोषणा किया जाना चीनी मिलें इससे कम मूल्य पर गन्ना की खरीद नहीं कर सकती।

जल की कमी को दूर करने के लिए उपाय

1. जल निस्पंदन प्रणाली का विकास करना—पानी तक पहुँच होना एक बात है और पीने के लिए सुरक्षित पानी तक पहुँच होना दूसरी बात है। प्रभावी जल निस्पंदन प्रणालियाँ यह सुनिश्चित करने में मदद करती हैं कि मीठे पानी का अच्छा उपयोग किया जा सके। यही कारण है कि दुनिया भर में कई कम्पनियों परिष्कृत जल निस्पंदन सिस्टम विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो बैक्टीरिया, रोगाणुओं और अन्य दूषित पदार्थों से मुक्त शुद्ध पानी का उत्पादन करती हैं, और इस स्वच्छ पेयजल

को अधिक से अधिक स्कूलों, अस्पतालों, कार्यस्थलों और घरों में पहुंचाती हैं।

2. जल प्रबंधन को बढ़ावा देना—पानी की कमी के खतरे को कम करने के लिए दुनिया के हर समुदाय को प्रयास करना होगा। अब पहले से कहीं अधिक, दुनिया को सभी रूपों में जल प्रबंधकों की आवश्यकता है। चाहे आप कम समय के लिए स्नान करें, कम प्रवाह वाले शौचालय स्थापित करें, घर में बगीचे के उपयोग के लिए वर्षा जल एकत्र करें, गंदे पानी का पुनः उपयोग करें, स्कूलों और कार्यालयों में लीक और अन्य जल सम्बन्धी अक्षमताओं को खत्म करें या कम्पनियों द्वारा स्थायी ऊर्जा और जल कटौती पहल में निवेश करें, जल प्रबंधन से लाभ मिल सकता है। जब पानी की कमी को सीमित करने की बात आती है, तो पहेली का एक बड़ा हिस्सा बनें।

3. आर्द्रभूमियों की रक्षा करना—आर्द्रभूमियाँ प्राकृतिक जल निस्पंदन प्रणालियाँ हैं? इसका आशय है कि पानी इकट्ठा करने और शुद्ध करने में उनकी बड़ी भूमिका है। आर्द्रभूमियाँ चिंताजनक दर से लुप्त हो रही हैं, लेकिन आर्द्रभूमियों के संरक्षण से बड़ा लाभ हो सकता है। वर्तमान में, रामसर कन्वेंशन नामक एक अन्तर्राष्ट्रीय संधि ने 2,000 से अधिक आर्द्रभूमियों की रक्षा करने में मदद की है।

4. सिंचाई दक्षता में सुधार—औद्योगिक कृषि जल संसाधनों के सबसे बड़ी निकासियों में से एक है। बस पलेवा सिंचाई प्रणालियों से स्प्रिंकलर या ड्रिप सिंचाई प्रणालियों पर स्विच करने से कृषि क्षेत्र को भारी मात्रा में पानी बचाने में मदद मिल सकती है। जब बेहतर मृदा प्रबंधन प्रथाओं जैसे कि बिना जुताई या सीमित जुताई और मल्लिचंग के साथ जोड़ा जाता है, जो मिट्टी से वाष्पीकरण को कम करता है, तो अधिक कुशल सिंचाई प्रणालियाँ पानी के उपयोग को काफी कम कर सकती हैं।

5. जलाशयों में जल भण्डारण बढ़ाना—जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग से सूखे और बाढ़ की आवृत्ति बढ़ जाती है। जलाशय की क्षमता का विस्तार करके, बाढ़ के पानी को व्यर्थ बहने से रोका जा सकता है और संग्रहीत किया जा सकता है, ताकि इसे समुद्र में खोने से रोका जा सके जहाँ यह खारा हो जाता है और उपचार करना अधिक कठिन हो जाता है। इस संग्रहित जल का उपयोग सूखे के समय पानी उपलब्ध कराने के लिए किया जा सकता है। इसके लिए नदियाँ बड़ी और छोटी तथा नालों पर चेक बाँध बना कर न केवल पानी को रोकने में मदद मिलेगी वरन भूमिगत जल स्रोतों की री चार्जिंग भी होगी। अमरीका में, कई राज्य (जैसे कैलिफोर्निया और व्योमिंग) मौजूदा जलाशयों को बढ़ाने या नए जलाशयों के निर्माण पर विचार कर रहे हैं। ●●●

भूमिगत जल उपलब्धता एवं दोहन के अनुसार राज्यों/सं.शा.क्षे. के ब्लाक /तालुका का वर्गीकरण

| क्र. | राज्य/सं.शा.क्षे. | मूल्यांकन किए गए | सुरक्षित | | अर्द्ध-संकटमय | | संकटमय | | अति दोहित | | क्षारीय पानी | |
|------|------------------------|------------------|-------------|-----------|---------------|-----------|------------|----------|-------------|-----------|--------------|----------|
| | | | संख्या | % | संख्या | % | संख्या | % | संख्या | % | संख्या | % |
| | राज्य | | | | | | | | | | | |
| 1 | आन्ध्र प्रदेश | 670 | 501 | 75 | 60 | 9 | 24 | 4 | 45 | 7 | 40 | 6 |
| 2 | अरुणाचल प्रदेश | 11 | 11 | 100 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3 | असम | 28 | 28 | 100 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 4 | बिहार | 534 | 432 | 81 | 72 | 13 | 18 | 3 | 12 | 2 | 0 | 0 |
| 5 | छत्तीसगढ़ | 146 | 122 | 84 | 22 | 15 | 2 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 6 | दिल्ली | 34 | 3 | 9 | 7 | 21 | 2 | 6 | 22 | 65 | 0 | 0 |
| 7 | गोवा | 12 | 12 | 100 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 8 | गुजरात | 248 | 194 | 78 | 11 | 4 | 5 | 2 | 25 | 10 | 13 | 5 |
| 9 | हरियाणा | 128 | 26 | 20 | 21 | 16 | 3 | 2 | 78 | 61 | 0 | 0 |
| 10 | हिमाचल प्रदेश | 8 | 3 | 38 | 1 | 13 | 0 | 0 | 4 | 50 | 0 | 0 |
| 11 | जम्मू एवं काश्मीर | 22 | 22 | 100 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 12 | झारखण्ड | 260 | 245 | 94 | 10 | 4 | 2 | 1 | 3 | 1 | 0 | 0 |
| 13 | कर्नाटक | 176 | 97 | 55 | 26 | 15 | 8 | 5 | 45 | 26 | 0 | 0 |
| 14 | केरल | 152 | 119 | 78 | 30 | 20 | 2 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 |
| 15 | मध्य प्रदेश | 313 | 240 | 77 | 44 | 14 | 7 | 2 | 22 | 7 | 0 | 0 |
| 16 | महाराष्ट्र | 353 | 271 | 77 | 61 | 17 | 9 | 3 | 11 | 3 | 1 | 0 |
| 17 | मणिपुर | 9 | 9 | 100 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 18 | मेघालय | 11 | 11 | 100 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 19 | मिजोरम | 26 | 26 | 100 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 20 | नगालैण्ड | 11 | 11 | 100 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 21 | ओडिशा | 314 | 303 | 96 | 5 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 6 | 2 |
| 22 | पंजाब | 138 | 22 | 16 | 5 | 4 | 2 | 1 | 109 | 79 | 0 | 0 |
| 23 | राजस्थान | 295 | 45 | 15 | 29 | 10 | 33 | 11 | 185 | 63 | 3 | 1 |
| 24 | सिक्किम | 4 | 4 | 100 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 25 | तमिलनाडु | 1166 | 427 | 37 | 163 | 14 | 79 | 7 | 462 | 40 | 35 | 3 |
| 26 | तेलंगाना | 584 | 278 | 48 | 169 | 29 | 67 | 11 | 70 | 12 | 0 | 0 |
| 27 | त्रिपुरा | 59 | 59 | 100 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 28 | उत्तर प्रदेश | 830 | 540 | 65 | 151 | 18 | 48 | 6 | 91 | 11 | 0 | 0 |
| 29 | उत्तराखण्ड | 18 | 13 | 72 | 5 | 28 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 30 | पश्चिमी बंगाल | 268 | 191 | 71 | 76 | 28 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | सभी राज्य | 6828 | 4265 | 62 | 968 | 14 | 312 | 5 | 1185 | 17 | 98 | 1 |
| | संघ शा.क्षेत्र | | | | | | | | | | | |
| 1 | अंडमान एवं निकोबार | 36 | 35 | 97 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 3 |
| 2 | चंडीगढ़ | 1 | 0 | 0 | 1 | 100 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3 | दादरा एवं नागर हवेली | 1 | 1 | 100 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 4 | दमन एवं दीव | 2 | 1 | 50 | 0 | 0 | 1 | 50 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 5 | लक्षद्वीप | 9 | 6 | 67 | 3 | 33 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 6 | पुदुचेरी | 4 | 2 | 50 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 25 | 1 | 25 |
| | सभी सं.शा.क्षे. | 53 | 45 | 85 | 4 | 8 | 1 | 2 | 1 | 2 | 2 | 4 |
| | महायोग | 6881 | 4310 | 63 | 972 | 14 | 313 | 5 | 1186 | 17 | 100 | 1 |

सार संग्रह

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

1. प्राचीन भारत के शाक्य गणतंत्र में सभास्थल में भेंट करने वाले स्थान को कहते थे—
— सान्थागार
2. अनाज की उपज प्रथम बार किस काल में प्रारम्भ हुई ?
— नवपाषाण युग में
3. महान् जैन विद्वान् हेमचन्द्र किस शासक की सभा को अलंकृत करते थे ?
— जयसिंह सिद्धराज
4. किस उपनिषद् में चारों आश्रमों का सर्वप्रथम उल्लेख आया है ?
— जाबालोपनिषद्
5. आगरा के किले की मोती मस्जिद का निर्माण किस मुगल शासक ने कराया था ?
— शाहजहाँ
6. यवन राजदूतों में से किसने 'भागवत' उपाधि धारण की थी ?
— हेलियोडोरस
7. प्राचीन भारत के इतिहास के सन्दर्भ में, भवभूति, हस्तिमल्ल तथा क्षेमेश्वर क्यों प्रसिद्ध थे ?
— ये सभी प्राचीन नाटककार हैं.
8. किस मुगल शासक के राज्यकाल में 'योगवाशिष्ठ' का निजामुद्दीन पानीपति द्वारा फारसी में अनुवाद किया गया ?
— अकबर
9. कौन चोल शासक युद्ध भूमि में राजा घोषित हुआ था ?
— राजेन्द्र द्वितीय
10. गुप्तकालीन ब्राह्मी अभिलेख से युक्त जैन प्रतिमाएं किस स्थान से प्राप्त हुई हैं ?
— दुर्जनपुर से

राष्ट्रीय स्वतंत्रता आन्दोलन

11. किस गवर्नर जनरल द्वारा कांग्रेस को प्रतिबन्धित कर दिया गया था ?
— लॉर्ड विलिंगडन ने 1932 ई. में
12. ब्रिटिश भारत के किस गवर्नर जनरल ने 1899 में 'कलकत्ता कॉर्पोरेशन एक्ट' पारित किया ?
— लॉर्ड कर्जन
13. भारत सरकार द्वारा 1919 में आईएलओ के वाशिंगटन सम्मेलन में मजदूरों का प्रतिनिधि के रूप में किसे भेजा गया था ?
— एन.एम. जोशी
14. मुस्लिम लीग एवं भारतीय कांग्रेस के बीच राजनीति गतिरोध को दूर करने के लिए 'सी.आर. फॉर्मूला' किसने बनाया था ?
— चक्रवर्ती राजगोपालाचारी
15. 'दि राइज एण्ड ग्रोथ' ऑफ इकोनॉमिक नेशनलिज्म इन इण्डिया' के लेखक थे ?
— विपिन चन्द्र
16. आईएनए के अधिकारियों पर मुकदमा चलाया गया था
— लाल किला, दिल्ली में
17. मोतीलाल नेहरू और सी.आर. दास द्वारा 1923 ई. में गठित पार्टी का नाम क्या था ?
— स्वराज पार्टी
18. 'खिलाफत आन्दोलन' के प्रमुख नेता कौन थे ?
— मोहम्मद अली जिन्नाह और शौकत अली

19. किसके विरोध में रबीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी 'नाइटहुड' (Knighthood) का परित्याग कर दिया था ?
— जलियाँवाला बाग जनसंहार
20. अंग्रेजों के विरुद्ध खान अब्दुल गफ्फार खान द्वारा प्रारम्भ किए गए आन्दोलन का क्या नाम था ?
— लाल कुर्ती

भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान

21. भारतीय संविधान में कल्याणकारी राज्य का उद्देश्य है
— कमजोर वर्गों के कल्याण का प्रबन्ध करना
22. मूल संविधान में राज्यों को चार अलग-अलग प्रवर्गों को समाप्त करने के लिए किसकी अध्यक्षता में राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया गया था ?
— फजल अली
23. समादेशों में से कौनसा समादेश किसी अवैध व्यक्ति से सरकारी पद को बचाने के लिए जारी किया जाता है ?
— अधिकार पृच्छा
24. किसी व्यक्ति का अवैध निरोध के मामले में न्यायालय द्वारा जारीकृत समावेश कौन है ?
— बन्दी प्रत्यक्षीकरण
25. किस अनुच्छेद के तहत राष्ट्रपति अपने पदग्रहण करने की तिथि से 5 वर्ष की अवधि तक अपने पद पर बना रहता है ?
— अनुच्छेद 56
26. प्राक्कलन समिति के सदस्य
— लोक सभा के सदस्यों में से ही चुने जाते हैं
27. वह प्राधिकारी कौनसा है, जो भारत की समेकित निधि से राज्यों के राजस्व सहायता अनुदान पर लागू होने वाले सिद्धान्तों की सिफारिश करता है ?
— लोक लेखा समिति
28. भारत में मतदान की आयु सीमा को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष किस वर्ष की गई थी ?
— 1989 में
29. संसद के दोनों सदनों को कितने दिनों के अन्दर युद्ध अथवा बाहरी आक्रमण के कारण उत्पन्न आपातकालीन स्थिति की घोषणा करने की मंजूरी देनी चाहिए ?
— 1 महीने में
30. किस अनुच्छेद में कहा गया है कि किसी भी व्यक्ति को एक ही अपराध के लिए एक बार से अधिक अभियोजित एवं दण्डित नहीं किया जाएगा ?
— अनुच्छेद 20

भारत एवं विश्व का भूगोल

31. तारामण्डल 'सप्तऋषि' को पश्चिम निवासी किस नाम से जानते हैं ?
— विग डिपर
32. अध:शैल (बैथोलिस) द्वारा निर्मित भू-आकृतियाँ हैं.
— ज्वालामुखीय गतिविधियाँ
33. जब ग्रेनाइट चट्टानें रूपान्तरित होती हैं, तो उनसे क्या बनता है ?
— नाइस
34. सूर्य का अनुमानित व्यास, पृथ्वी के व्यास का गुना है.
— 109
35. हेली घूमकेतु (Halley's Comet) की आवधिकता कितने वर्ष की होती है ?
— 75-76 वर्ष

36. दक्षिण भारत की गंडिकोटा घाटी (द हिडन ग्रैंड कैनियन ऑफ इंडिया) किस नदी से निर्मित हुई है ? - **पेन्नार**
37. कौनसा कारण भारत के उत्तर-पश्चिम भाग में शीत ऋतु में होने वाली वर्षा के लिए उत्तरदायी है ? - **पश्चिमी विक्षोभ**
38. क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व के देशों में कौनसा स्थान है ? - **सातवाँ**
39. 'रेगुर' (Regur) किसका नाम है ? - **काली मिट्टी**
40. इंटरट्रॉपिकल कंवरजेंस जोन (आईटीसीजेड) एक निम्न वायुदाब पेटी, स्थित है - **भूमध्य रेखा पर**

पर्यावरण एवं जैव विविधता

41. भारत की जैव-विविधता के सन्दर्भ में सीलोन फ्रॉगमाउथ, कॉपरस्मिथ बाबैट, ग्रेचिन्ड मिनिवेट और ह्लाइट-थ्रोटेड रेडस्टार्ट क्या हैं ? - **पक्षी**
42. 'रामसर सम्मेलन' सम्बन्धित है - **आर्द्रभूमि संरक्षण से**
43. भारत में सबसे अधिक जैव विविधता सम्पन्न क्षेत्र है - **पश्चिमी घाट**
44. जैविक एवं अजैविक संघटकों के मध्य विचौलिया का कार्य करते हैं - **उत्पादक**
45. बुक्सा बाघ परियोजना भारत के किस राज्य में स्थित है ? - **पश्चिम बंगाल**
46. कॉर्बेट तथा राजाजी राष्ट्रीय उद्यान में वन्य जीव प्रबन्धन हेतु किस पैमाने के हवाई छाया चित्र उपयुक्त हैं ? - **लघु पैमाने वाले हवाई छाया चित्र**
47. भारत का प्रथम राष्ट्रीय उद्यान है - **जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान**
48. धूल प्रदूषण रोकने के लिए उपयुक्त वृक्ष है - **सीता अशोक**
49. 'विश्व ओजोन दिवस' कब मनाया जाता है ? - **16 सितम्बर को**
50. प्रतिष्ठित 'टायलर पुरस्कार' किस क्षेत्र में प्रदान किया जाता है ? - **पर्यावरण सुरक्षा**

भारतीय अर्थव्यवस्था

51. किस समिति की रिपोर्ट के आधार पर नाबार्ड (NABARD) बैंक की स्थापना की गई ? - **शिवरामन् समिति**
52. किस वर्ष से विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई को मनाया जाता रहा है ? - **1987 से**
53. देश के पहले वस्त्र पार्क या एपरेल पार्क की स्थापना कहाँ की गई थी ? - **तिरुपुर (तमिलनाडु)**
54. ब्रिक (BRIC) (वर्तमान ब्रिक्स) नामक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन की स्थापना किस वर्ष हुई थी ? - **2009 में**
55. जनांकिकीय लाभान्श के पूर्ण लाभ को प्राप्त करने के लिए भारत को क्या करना चाहिए ? - **कुशलता विकास को प्रोत्साहन**
56. समाचारों में आने वाला 'डिजिटल एकल बाजार कार्यनीति' (Digital Single Market Strategy) पद किसे निर्दिष्ट करता है ? - **यूरोपियन यूनियन (EU) को**
57. 'उन्नत भारत अभियान' कार्यक्रम का ध्येय क्या है ? - **उच्च शिक्षा संस्थाओं को स्थानीय समुदायों से जोड़ना, जिससे समुचित प्रौद्योगिकी के माध्यम से विकास की चुनौतियों का सामना किया जा सके**

सामान्य विज्ञान एवं तकनीकी

58. वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करने में महत्वपूर्ण है - **अल्पकालिक वित्तीय स्थिति**
59. गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों के रूप में पंजीकृत किए जाने वाले सूक्ष्म वित्तीय संस्थान द्वारा विनियमित है. - **भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा**
60. स्वावलम्बन कार्यक्रम जिसे पहले नौरड/महिला आर्थिक कार्यक्रम के नाम से जाना जाता था, इसे समूचे देश में कब शुरू किया गया ? - **1982-83 में**
61. केल्विन स्केल पर 0°C का सही मान है - **273-15K**
62. जब एक धातु की छड़ को गर्म करते हैं, तो इसका प्रसार होता है, क्योंकि - **इसके परमाणुओं के बीच दूरी बढ़ती है**
63. बायोगैस मिश्रण है - **मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड का**
64. कौनसा पद सबसे सटीक रूप से दूध से दही बनने पर क्या घटित होता है, इसका वर्णन करता है ? - **प्रोटीन-विकृतीकरण**
65. हमारी हड्डियाँ और दाँत सामान्यतः किस रासायनिक पदार्थ से बने होते हैं ? - **ट्राइकैल्सियम फॉस्फेट**
66. मिनीमाटा बीमारी किस प्रदूषक द्वारा उत्पन्न होती है ? - **मरकरी**
67. एक स्वस्थ वयस्क व्यक्ति में ग्राम/100 मिली हीमोग्लोबिन (Haemoglobin) रक्त में होता है. - **13-15**
68. मांसपेशियों में किस पदार्थ के एकत्र होने से थकान होती है ? - **लैक्टिक अम्ल**
69. उन देशों में जहाँ के लोगों का मुख्य खाद्यान्न पॉलिश किया हुआ चावल है, लोग पीड़ित होते हैं - **बेरी-बेरी से**
70. जो मनुष्य यह नहीं समझ पाता कि कब उसे भोजन करना रोक देना चाहिए, वह पीड़ित है ? - **बुलीमिया से**

शिक्षा एवं बाल मनोविज्ञान

71. जन्म से किशोरावस्था तक बच्चों में विकास किस क्रम में होता है ? - **सांवेदिक-मूर्त-अमूर्त**
72. उपलब्धि परीक्षण एवं नैवनिक परीक्षण में अन्तर है - **उद्देश्यों का**
73. प्रिया गणितीय प्रश्न करने में निपुण है, उसमें किस प्रकार की बहुबौद्धिकता की अधिकता है ? - **तार्किक बुद्धि**
74. प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को गणित पढ़ाते समय पाठ योजना बनाने का सबसे महत्वपूर्ण पहलू कौनसा है ? - **छात्रों को अवधारणाओं के निर्माण की अनुमति देने के अवसर प्रदान करना**
75. "किशोरावस्था बड़े संघर्ष, तूफान और विरोध की अवस्था है" यह कथन है- - **स्टेनली हॉल का**
76. एरिकसन के अनुसार कौनसी अवस्था में बालक अधिक पहल करता है, लेकिन बहुत सशक्त भी हो सकता है, जो दोष भावनाओं की ओर ले जाता है ? - **3 से 6 वर्ष तक पहल बनाम दोष अवस्था**
77. नैतिक तर्क का अवस्था सिद्धान्त किसने स्पष्ट किया ? - **लॉरेंस कोहलबर्ग**
78. वंशानुक्रम से सम्बन्धित प्रयोग चूहों पर किसने किया ? - **मेण्डल ने**
79. "विकास व्यक्ति में नवीन विशेषताएं और योग्यताएं प्रस्फुटित करता है." यह कथन है - **हरलॉक का**

80. "किशोरावस्था आदर्शों की अवस्था है, सिद्धान्तों के निर्माण की अवस्था है, साथ ही जीवन का सामान्य समायोजन है" यह कथन है
- जीन पियाजे का

सम्प्रेषण/संचार

81. जब दो या दो से अधिक व्यक्ति आमने-सामने या मध्यस्थ वातावरण में संदेशों का आदान-प्रदान करते हैं, कहलाता है
- अन्तर्व्यक्तिक सम्प्रेषण
82. जब एक सामान्य लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कम संख्या में व्यक्ति (सामान्यतया 3-12) एक-दूसरे के साथ अंतःक्रिया करते हैं, तो ऐसा सम्प्रेषण कहलाता है
- लघु समूह सम्प्रेषण
83. सामान्य मानक भाषा का उपयोग, संकुचन और आरामदायक स्वर, किस तरह के सम्प्रेषण की विशेषता है ?
- औपचारिक सम्प्रेषण
84. सामान्यतः कठबोली भाषा का उपयोग, संकुचन और आराम-दायक स्वर, किस तरह के सम्प्रेषण की विशेषता है ?
- अनौपचारिक सम्प्रेषण
85. अशाब्दिक सम्प्रेषण के तत्व हैं
- शारीरिक भाषा, चेहरे के भाव, आँख से सम्पर्क और प्रोक्सिमिक्स
86. प्रोक्सिमिक्स है
- इस बात का अध्ययन कि लोग व्यक्तिगत स्थान का उपयोग कैसे करते हैं. यह अंतरंगता, सम्मान और प्रभुता व्यक्त कर सकता है.
87. अशाब्दिक सम्प्रेषण के प्रकार हैं
- प्रतीक, चित्रकार, प्रभावित, प्रदर्शन, नियामक एवं एडेप्टर
88. एडेप्टर अशाब्दिक संकेत है, जिनका उपयोग
- हमारे पर्यावरण के अनुकूल होने या चिंता को दूर करने के लिए किया जाता है.
89. 'फिडगेटिंग' है
- एक एडेप्टर जिसका उपयोग चिन्ता दूर करने के लिए किया जा सकता है.
90. 'सेमिओटिक्स' है
- संकेतों और प्रतीकों का अध्ययन, विशेष रूप से जब वे बोली जाने वाली और अनिर्दिष्ट चीजों का संचार करते हैं.

खेलकूद

91. फुटबाल में गोल पोस्ट की चौड़ाई कितनी होती है ?
- 7.32 मीटर
92. हॉकी के मैदान में गोल पोस्ट की चौड़ाई कितनी होती है ?
- 3.66 मीटर
93. मैराथन दौड़ में कितनी दूरी तक दौड़ना होता है ?
- 42.195 किमी
94. हॉकी में पेनाल्टी स्ट्रोक कितनी दूरी से मारा जाता है ?
- 8 गज
95. 'इलेक्ट्रा गोल्ड कप' किस खेल से सम्बन्धित है ?
- टेबल टेनिस से
96. घुड़सवारी का खेल परिसर किस नाम से जाना जाता है ?
- एरिना
97. वॉली, स्मैश, सर्विस शब्द किस खेल से सम्बन्धित है ?
- लॉन टेनिस

98. स्वतन्त्र भारत के लिए व्यक्तिगत रूप से पहला ओलम्पिक पदक किसने जीता ?
- के.डी. जाधव (के.डी. जाधव ने 1952 के ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक में रेसलिंग में पदक जीता था)

99. भारत के प्रथम टेस्ट क्रिकेट कप्तान थे - सी.के. नायडू
100. पहली बार किस वर्ष 29 अगस्त राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया गया ?
- 1995 में

कृषि

101. विश्व का प्रथम शाकनाशी (Herbicide) कौनसा है - 2,4-D
102. 'न्यू लीफ' किसकी एक किस्म है ? - आलू की
103. मुरा किस जानवर की प्रजाति है ? - भैंस की
104. पेड़ों की कतारों के बीच में फसलें उगाने की पद्धति को कहते हैं - तोंग्या प्रणाली
105. भारत के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादित सुल्ताना, गुलाबी और काली चम्पा प्रमुख फलों में किसकी किस्म है ? - अंगूर की
106. शक्तिमान-1 और शक्तिमान-2 आनुवंशिक परिवर्तित फसलें हैं - मक्का की
107. बिना बीज के फलों को विकसित करने की क्रिया को क्या कहते हैं ? - टिशू-कल्चर
108. द्विवीजपत्री तने के संवहनी पूलों के बीच के क्षेत्र को क्या कहते हैं ? - मज्जा किरणें
109. ब्रोकोली का वानस्पतिक नाम है - बी. ओलेरेसिया वार इटालिका
110. व्हाइट आइसिकल एक प्रजाति है - मूली

कम्प्यूटर ज्ञान

111. सॉफ्टवेयर कोड में त्रुटियाँ ढूँढ़ने की प्रक्रिया को कहा जाता है - डीबगिंग
112. मदरबोर्ड के जिस भाग में इनपुट और आउटपुट कार्ड लगाते हैं, उसे क्या कहते हैं ? - एक्सपेंसन स्लॉट
113. को काम करते रहने के लिए लगातार विद्युत् आपूर्ति की आवश्यकता पड़ती है. लगातार विद्युत् आपूर्ति बनी रहने के कारण इसके अन्दर भण्डारित किए जाने वाले डेटा को याद रखने के लिए 'रीफ्रेश' नहीं करना पड़ता है. हालाँकि, यह एक अस्थिर मेमोरी होती है, जिसका अर्थ है कि एक बार विद्युत् आपूर्ति बाधित होने पर इसमें भण्डारित सारा डेटा लुप्त हो जाता है. - SRAM
114. Microsoft Word में, आप का चयन करके पूर्व निर्धारित उपांत व्यवस्थाओं (मार्जिन सेटिंग्स) को अनुकूलित (कस्टमाइज) कर सकते हैं या चुन सकते हैं. - Layout > Margins
115. 'क्रॉलिंग', 'इंडेक्सिंग और रैंकिंग' शब्द किससे सम्बन्धित हैं ? - सर्च इंजन से
116. जब Microsoft Excel वर्कशीट के प्रकोष्ठों (सेल्स) में संख्याएं प्रविष्ट की जाती हैं, तो वे पूर्व निर्धारित स्थिति (बाई डिफॉल्ट) द्वारा होती हैं. - दाई ओर संरेखित
117. http का पूरा नाम क्या है ? - हाइपरटेक्स्ट ट्रांसफर प्रोटोकॉल
118. OCR का पूरा नाम क्या है ? - Optical Character Recognition

शेष पृष्ठ 182 पर

सामान्य अध्ययन

(प्रश्न-पत्र-IV)

खण्ड-अ

प्रश्न 1. नैतिक अन्तर्दृष्टि से आप क्या समझते हैं ? लोकसेवकों की नैतिक परिस्थिति में यह किस प्रकार सहायक है ? 8

उत्तर—नैतिक अन्तर्दृष्टि से तात्पर्य किसी स्थिति, मुद्दे या दुविधा के नैतिक या नैतिक पहलुओं को देखने और समझने की क्षमता से है। इसमें सही या गलत, न्यायसंगत या अन्यायपूर्ण क्या है ? इसकी गहरी और सहज समझ प्राप्त करना शामिल है और साथ ही नैतिक रूप से सही निर्णय लेने के लिए इस समझ को लागू करने में सक्षम होना नैतिक निर्णय लेने की एक महत्वपूर्ण शर्त है, विशेष रूप से लोक सेवा के उच्च पदों पर बैठे जिम्मेदार व्यक्तियों के लिए।

नैतिक अन्तर्दृष्टि एक सिविल सेवक को नैतिक स्थितियों में कैसे मदद कर सकती है—

अपनी पुस्तक “दी रूल ऑफ एथिक्स इन द फ्रेमिंग ऑफ डिजीजन्स” में, मिकेल बैस्टन बताते हैं कि निर्णय लेने में सुधार के लिए नैतिक दृष्टिकोण कैसे अपनाया जा सकता है और इस चुनौती को “संरचनात्मक समस्या” के रूप में चिह्नित किया गया है।

1. नैतिक निर्णय लेना—सिविल सेवकों को अक्सर जटिल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है जहाँ उन्हें ऐसे निर्णय लेने पड़ते हैं जिनके समाज के लिए दूरगामी परिणाम होते हैं। नैतिक अन्तर्दृष्टि उन्हें नैतिक सिद्धांतों और मूल्यों के अनुरूप निर्णय लेने के लिए मार्गदर्शन करके इन स्थितियों से निपटने में मदद करती है।

2. नैतिक दुविधाओं की पहचान करना—सिविल सेवकों को ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है जहाँ विभिन्न नैतिक सिद्धांतों या कर्तव्यों के बीच संघर्ष हो। नैतिक अन्तर्दृष्टि उन्हें इन नैतिक दुविधाओं को पहचानने और प्रत्येक पक्ष की बारीकियों को समझने में सक्षम बनाती है, जिससे अधिक बेहतर निर्णय लेने की प्रक्रिया सुविधाजनक हो जाती है।

3. प्रतिस्पर्धी हितों को संतुलित करना—अपने कर्तव्यों के दौरान, सिविल सेवकों को सरकार, जनता और व्यक्तियों जैसे विभिन्न हितधारकों के हितों को संतुलित करने की आवश्यकता हो सकती है। नैतिक अन्तर्दृष्टि उन्हें इन हितों को इस तरह से तौलने की अनुमति देती है, जो उचित, न्यायपूर्ण और नैतिक रूप से बचाव योग्य हो।

4. सत्यनिष्ठा को कायम रखना—सिविल सेवकों से अक्सर उच्च स्तर की सत्यनिष्ठा और नैतिक आचरण बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है। नैतिक अन्तर्दृष्टि उन्हें विशिष्ट परिस्थितियों में नैतिक रूप से सही और गलत की स्पष्ट समझ प्रदान करके उनकी व्यक्तिगत और व्यावसायिक अखण्डता बनाए रखने में मदद करती है।

5. विश्वास निर्माण में सहायक—सार्वजनिक सेवा में विश्वास आवश्यक है, और नैतिक अन्तर्दृष्टि जनता और सहकर्मियों का विश्वास अर्जित करने और बनाए रखने में योगदान दे सकती है। जब सिविल सेवक लगातार नैतिक रूप से सही निर्णय लेते हैं, तो उन्हें भरोसेमंद और नैतिक व्यक्तियों के रूप में देखे जाने की अधिक सम्भावना होती है।

संक्षेप में, नैतिक अन्तर्दृष्टि सिविल सेवकों के लिए एक मूल्यवान गुण है, क्योंकि यह उन्हें नैतिक निर्णय लेने, जटिल नैतिक स्थितियों से निपटने और उनकी सार्वजनिक सेवा भूमिकाओं में ईमानदारी और सामान्य भलाई के सिद्धांतों को बनाए रखने की क्षमता प्रदान करती है।

प्रश्न 2. सिविल सेवा के सन्दर्भ में निम्न-लिखित की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए। 8

(अ) सेवा भाव।

(ब) दृढ़ विश्वास का साहस।

उत्तर—(अ) सिविल सेवा में सेवा भाव—

‘सेवा भावना’ वह मनःस्थिति है जिसमें व्यक्ति अपनी ‘नैतिक जिम्मेदारी’ समझकर किसी कार्य को करता है। सिविल सेवा में उस ‘सेवा भावना’ से तात्पर्य वेतन और सुविधाओं पर विशेष ध्यान न देते हुए एक सिविल सेवक द्वारा उस भाव से कर्तव्य पालन करना कि वह अपनी शक्तियों का अधिकतम उपयोग लोक कल्याण को साधने में कैसे कर सकता है। इस प्रकार की मनःस्थिति से कार्य करने पर आनंद की अनुभूति होती है, एक आंतरिक ऊर्जा का संचरण भी होता है, जो विपरीत शक्ति के झंझावतों से लड़ने की ताकत देती है। उदाहरण—आर्मस्ट्रॉंग पेम 2009 बैच के मणिपुर कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी हैं। इन्होंने मणिपुर में सार्वजनिक योगदान के माध्यम से देश के सबसे दूरदराज के हिस्सों में से एक में 100 किमी सड़क का निर्माण कराया।

अतः एक सिविल सेवक की सेवा भावना और संविधान के प्रति प्रतिबद्धता उसे जनहित के कार्यों को करने के लिए लगातार प्रेरित करती है और राजनीतिक दबावों की स्थिति में भी उचित एवं वैध तरीकों को अपनाने के लिए सतत रूप से प्रोत्साहित करती है।

(ब) सिविल सेवा में दृढ़ विश्वास का साहस—सिविल सेवकों के लिए दृढ़ विश्वास का साहस आवश्यक है, क्योंकि यह उन्हें विरोध के बावजूद भी सही और उचित कार्यों के लिए खड़े होने में सक्षम बनाता है। दृढ़ विश्वास वाले सिविल सेवकों में राजनीतिक दबाव का सहने और सार्वजनिक हित में निर्णय लेने की अधिक संभावना होती है।

उदाहरण के लिए, 2014 में आईएएस अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल कई राजनेताओं के विरोध के बावजूद, उत्तर प्रदेश में अवैध रेत खनन के खिलाफ खड़ी हुई और अंततः उन्हें उनके पद से निलंबित कर दिया गया। हालाँकि, उनके साहसी कार्यों को व्यापक जनसमर्थन मिला और सरकार को उनका निलंबन वापस लेना पड़ा।

प्रश्न 3. “बालक अपने चतुर्दिक जो देखता है, उससे मूल्यों को सीखता है”—इस कथन के आलोक में मूल्यों के निर्माण में परिवार और समाज की भूमिका की विवेचना कीजिए। 8

उत्तर—मूल्यों को उन चीजों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिन्हें किसी के द्वारा महत्व दिया जाता है। जैसे—वो क्या पसंद करता क्या करना चाहता है ? क्या बनना चाहता है ? इन सब के लिए वो किन माध्यमों का प्रयोग करता है आदि। दूसरे शब्दों में, मूल्य वे हैं जिन्हें किसी व्यक्ति या संगठन द्वारा ‘महत्वपूर्ण’ माना जाता है। इसके उदाहरणों में साहस, ईमानदारी, पारदर्शिता, वस्तुनिष्ठता आदि शामिल हैं।

मूल्यों के विकास में परिवार की भूमिका

- मूल्यों के विकास के लिए परिवार वह पहली पाठशाला है। इसलिए परिवार कब, कैसे, कितना और किस प्रकार के मूल्यों को देना चाहता है, यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है।
- जीवन के प्रारम्भिक 6 वर्ष ऐसा समय होता है, जब बच्चा दूसरों के आचरण से सबसे अधिक प्रभावित होता है, इसलिए प्राथमिक स्तर पर मूल्य इसी उम्र में निर्धारित होते हैं। हालाँकि बाद में भी मूल्य विकसित होते रहते हैं, परन्तु प्रभाव का स्तर धीरे-धीरे कम हो जाता है।
- प्रशिक्षण, प्रोत्साहन, निंदा व दण्ड कुछ ऐसे उपकरण हैं, जिनसे ये मूल्य विकसित किए जा सकते हैं।
- यह भी ध्यान देने योग्य है कि परिवार एकल है या संयुक्त। सम्भव है एकल

परिवार से वैयक्तिक होने का मूल्य प्राप्त हो और संयुक्त परिवार से साथ रहने का.

- परिवार का शैक्षणिक स्तर और आर्थिक स्तर भी मूल्यों की पृष्ठभूमि तय करने में सहायक होते हैं.

मूल्यों के विकास में समाज की भूमिका

- समाज की असली भूमिका वैसे तो विद्यालय जाने के साथ शुरू होती है, किन्तु उससे पूर्व 6 वर्ष तक समाज और परिवार मूल्य विकास में बराबर भागीदार होते हैं.
- आरम्भ में मूल्यों का विकास कम होता है, लेकिन समाज से ज्यों-ज्यों सम्पर्क बढ़ता है, मूल्यों का विकास भी उत्तरोत्तर होता जाता है.
- मीडिया, सामाजिक समूहों से वार्तालाप, सह-शिक्षा विद्यालय (Co-education Schools) आदि से समाज के नैतिक मानदण्ड, सामाजिक गतिशीलता, परिवर्तन जैसे विचारों का प्रभाव पड़ता है.
- विभिन्न धर्मों, जातियों और क्षेत्रों के लोगों के साथ सम्पर्क से धैर्य, सहिष्णुता जैसे मूल्यों को विकसित करना आसान होता है.
- ध्यातव्य है कि जो जितना सामाजिक होगा, उस पर समाज का उतना ही प्रभाव पड़ेगा. मूल्य सामान्य सिद्धान्त हैं, जो हमारे दिन-प्रतिदिन के व्यवहार को नियंत्रित करते हैं. वे न केवल हमारे आचरण को दिशा देते हैं, बल्कि स्वयं में आदर्श एवं उद्देश्य भी हैं.

प्रश्न 4. “वैश्वीकरण के युग में राष्ट्रों के मध्य शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय नीतिशास्त्र समय की माँग है.” आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए. 8

उत्तर—

- अन्तर्राष्ट्रीय नैतिकता ‘व्यावहारिक नीतिशास्त्र’ की एक शाखा है; जिसके अन्तर्गत हम विभिन्न नैतिक सिद्धान्तों और मूल्यों के आलोक में दो देशों के मध्य सम्बन्धों का अवलोकन करते हैं.
- अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों की नैतिकता में नैतिक सिद्धान्तों, मूल्यों का प्रयोग व निर्धारण सम्मिलित है. इसके अतिरिक्त किसी देश और उसके नागरिकों का अन्य देशों, उसके नागरिकों, अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों तथा वैश्विक समुदायों के प्रति क्या ‘नैतिक उत्तरदायित्व’ बनता है? यह अन्तर्राष्ट्रीय नैतिकता की ‘विषयवस्तु’ है.
- अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में नैतिकता वर्तमान विश्व में विभिन्न रूपों में नजर आती है, यथा-अगर किसी राष्ट्र में मानवाधिकारों का उल्लंघन व मानवीय नरसंहार हो रहा हो, जैसे यूक्रेन और सीरिया में युद्ध के समय, तो सम्पूर्ण विश्व में उस देश के विरुद्ध आवाज उठाने लगती है.

वैश्वीकरण के दौर में शान्ति स्थापन में अन्तर्राष्ट्रीय नीतिशास्त्र की भूमिका

- वैश्वीकरण एवं संचार प्रौद्योगिकी के इस युग में सम्पूर्ण विश्व एक ‘ग्लोबल विलेज’ में परिवर्तित हो गया है, जिसमें एक देश की घटना सम्पूर्ण विश्व पर अपना प्रभाव डालती है और किसी भी क्षेत्र की गरीबी हर जगह की संवृद्धि के लिए खतरा है.
- आज सम्पूर्ण विश्व के समक्ष नई-नई प्रकार की समस्याएं व चुनौतियाँ उत्पन्न हो रही हैं, जैसे-पर्यावरणीय संकट, आतंकवाद, साइबर सुरक्षा, मानवाधिकारों का उल्लंघन तथा शरणार्थी समस्या, इत्यादि.
- चूँकि राष्ट्र राज्यों की सीमाएं अपने देशों तक सीमित हैं, जिसके कारण इन समस्याओं का समुचित समाधान किसी एक राष्ट्र द्वारा सम्भव नहीं है.
- इन समस्याओं का समाधान सम्पूर्ण विश्व के द्वारा ही सम्भव है. इस कारण अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में नैतिकता का महत्व है.
- अगर अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में नैतिकता होगी, तो एक राष्ट्र द्वारा दूसरे राष्ट्र का शोषण नहीं किया जा सकेगा और सम्पूर्ण विश्व के नागरिकों में पारस्परिक सौहार्द एवं प्रेम भावना का विकास होगा.
- कुल मिलाकर अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में नैतिकता से ही न्याय और शांति की स्थापना विश्व में हो सकेगी.

निष्कर्षतः गांधीजी का यह कथन अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में नैतिकता के महत्व को ही संदर्भित करता है—“जिस दिन ‘प्रेम की शक्ति’, ‘शक्ति के प्रेम’, पर विजय स्थापित कर लेगी, उस दिन दुनिया में शांति स्थापित हो जाएगी.”

प्रश्न 5. “सूचना का छिपाव सार्वजनिक पहुँच और भागीदारी को बाधित करता है.” इस कथन के आलोक में सरकार में सूचना साझा करने और पारदर्शिता के महत्व पर चर्चा कीजिए. 8

उत्तर—

- सूचना वह डेटा है जिसे व्यवस्थित या वर्गीकृत किया गया है और प्राप्तकर्ता के लिए इसका कोई विशेष महत्व है.
- सूचना संसाधित डेटा है जिस पर निष्कर्ष और प्रतिक्रियाएं आधारित होती हैं. निर्णय लेने में सूचना महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है.
- सूचना छुपाने से शासन में भ्रष्टाचार बढ़ता है और जन-भागीदारी कम होती है जिससे प्रशासन की दक्षता प्रभावित होती है.
- कई कम्पनियों, व्यक्तियों और प्रौद्योगिकी के बीच डेटा का आदान-प्रदान सूचना साझाकरण के रूप में जाना जाता है.

- व्यापक वितरित नेटवर्क, इण्टरनेट, क्रॉस-प्लेटफॉर्म संगतता, एप्लिकेशन पोर्टिंग और आईपी प्रोटोकॉल मानकीकरण ने वैश्विक सूचना आदान-प्रदान में जबरदस्त वृद्धि को सक्षम किया है.
- भारत सरकार ने वर्ष 2005 में सूचना का अधिकार अधिनियम पारित किया था.

सरकार में सूचना साझा करने और पारदर्शिता

- सूचना साझा करने में पारदर्शिता सरकार की तरफ से जवाबदेही और जिम्मेदारी का आश्वासन देती है.
- पारदर्शिता में जानकारी का खुलासा आम जन को सरकार के करीब लाता है और प्रशासन में भागीदार बनाता है.
- सूचना साझा करने की पारदर्शिता और प्रभावशीलता सूचना की प्रासंगिकता, पारदर्शिता, सटीकता और समय पर निर्भर करती है.
- पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी में नवाचार एक मूलभूत आवश्यकता है.

सूचना का अधिकार अधिनियम का मूल उद्देश्य नागरिकों को सशक्त बनाने, सरकार के कार्य में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को बढ़ावा देना, भ्रष्टाचार को नियंत्रित करना और वास्तविक अर्थों में हमारे लोकतंत्र को लोगों के लिए कामयाब बनाना है.

प्रश्न 6. अभिवृत्ति के विभिन्न अवयवों का वर्णन कीजिए तथा अभिवृत्ति निर्माण को प्रभावित करने वाले कारकों का विवेचन कीजिए. 8

उत्तर—अभिवृत्ति का सामान्य अर्थ किसी मनोवैज्ञानिक विषय (अर्थात् व्यक्ति, वस्तु, समूह, विचार, स्थिति या कुछ और जिसके बारे में भाव आ सकें) के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक भाव की उपस्थिति है.

अभिवृत्ति के तीन अवयव होते हैं—संज्ञानात्मक, भावनात्मक और व्यावहारिक.

1. संज्ञानात्मक भाग—यह उस सोच से सम्बन्धित है, जो अभिवृत्ति के प्रति विश्वास का विकास करता है.

2. भावनात्मक भाग—यह दिशा (सकारात्मक या नकारात्मक भावना), व्यक्ति की मूल्यांकन तीव्रता या वस्तु अभिवृत्ति के प्रति अनुभव किए गए संवेग से सम्बन्धित है.

3. व्यावहारिक भाग—यह किसी भी वस्तु अभिवृत्ति के प्रति विशेष रूप से क्रिया की सम्भावना है.

यह तीनों पहलू सोचना, अनुभव करना तथा व्यवहार करना मिलकर किसी भी व्यक्ति व वस्तु के प्रति एक अभिवृत्ति का निर्माण करते हैं.

अभिवृत्ति निर्माण को प्रभावित करने वाले कारक

प्रायः अभिवृत्ति का निर्माण व्यक्तिगत अनुभव एवं समाज के साथ अंतःक्रिया द्वारा होता है; साथ ही कुछ जन्मजात कारक भी अभिवृत्ति निर्माण में छोटी किन्तु महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अभिवृत्ति के निर्माण को निम्नलिखित कारकों व प्रक्रियाओं के अन्तर्गत समझा जा सकता है—

आनुवंशिक कारक—प्रायः ऐसा माना जाता है कि हमारी सारी अभिवृत्तियाँ समाजीकरण की प्रक्रिया में सीखी जाती हैं और उनमें से कोई भी जन्मजात नहीं होती, परन्तु 1990 के आस-पास सामाजिक मनोविज्ञान में कुछ ऐसे अनुसंधान हुए जो संकेत करते हैं कि सीमित मात्रा में आनुवंशिक कारक भी अभिवृत्तियों के विकास में भूमिका निभा सकते हैं।

परिवार—किसी व्यक्ति के जीवन में परिवार सबसे महत्वपूर्ण और नजदीकी सामाजिक समूह होता है। अभिवृत्ति विकास के लिए यह नर्सरी का कार्य करता है।

सामाजिक समूह—परिवार के अतिरिक्त अन्य सामाजिक समूह भी अभिवृत्ति के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिसमें दोस्त, सहकर्मी, आदि शामिल हैं।

संस्थान—एक व्यक्ति कभी अकेला नहीं होता है। वह अपने जन्म से लेकर मृत्यु तक किसी-न-किसी व्यक्ति अथवा संस्था के प्रभाव में अवश्य ही रहता है। जैसे स्कूल और बाद में कार्य स्थल।

संस्कृति—संस्कृति, जिसमें धर्म, परम्परा, रीति-रिवाज, पुरस्कार और प्रतिबन्ध शामिल हैं, किसी व्यक्ति पर व्यापक प्रभाव डालती है। समाजीकरण की प्रक्रिया द्वारा संस्कृति व्यक्ति में अभिवृत्ति को आकार देती है।

जीवन में सही अभिवृत्ति का विकास करना पेशेवर जीवन में उत्कृष्टता लाने और किसी के व्यक्तित्व के अधिकतम विकास के लिए अपरिहार्य अवयवों में से एक है।

प्रश्न 7. किन्हीं दो महत्वपूर्ण गुणों की विवेचना कीजिए जिन्हें आप लोक-सेवक के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं। तर्कसंगत व्याख्या कीजिए। 8

उत्तर—सामान्यतः एक लोक सेवक सरकारी नीतियों का क्रियान्वयन करते हुए कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को साकार करते हैं। इसलिए लोकसेवा के लिए कुछ बुनियादी मूल्यों का होना आवश्यक समझा गया है। जिनमें सत्यनिष्ठा, अध्यावसाय, सेवा-भाव, प्रतिबद्धता, साहसपूर्ण दृढ़ता, सहिष्णुता तथा करुणा प्रमुख है।

सत्यनिष्ठा—लोक जीवन में सत्यनिष्ठा का अर्थ है—अपने कथनों तथा कृत्यों में ईमानदारी और सुसंगति बनाए रखना अर्थात् प्रतियोगिता दर्पण/फरवरी/2024/113

किसी व्यक्ति के न केवल नैतिक सिद्धांतों और मूल्यों के मध्य सुसंगति होनी चाहिए, बल्कि उसके नैतिक सिद्धांतों तथा व्यवहारों के बीच भी सुसंबद्धता होनी चाहिए। उदाहरण के लिए—आईएएस अधिकारी अशोक खेमका ने राजनीतिक दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया और कई बार स्थानांतरण होने के बाद भी उन्होंने सत्यनिष्ठा से समझौता नहीं किया।

करुणा—करुणा का अर्थ कमजोर वर्गों के प्रति उत्पन्न होने वाली उस भावना से है, जो उसकी उस कमजोर स्थिति को समझने तथा उनके प्रति समानुभूति चिंता रखने से उत्पन्न होती है। कमजोर वर्गों के प्रति करुणा की यह आवश्यकता इसलिए है, क्योंकि ये वर्ग विकास की प्रक्रिया में इतना पिछड़ चुके हैं कि इन्हें साधारण उपायों से मुख्य धारा में नहीं लाया जा सकता। अगर लोकसेवकों में इनके प्रति करुणा का भाव होगा, तो उनकी दशा सुधारने के लिए भीतर से प्रतिबद्ध होंगे। समावेशी संवृद्धि को साधने के लिए भी यह आवश्यक है। उदाहरण के लिए सितम्बर 2022 में लखनऊ मण्डल कमिश्नर डॉक्टर रोशन जैकब सड़क हादसे के घायलों का हाल जानने के लिए अस्पताल पहुँचीं। इसी दौरान अस्पताल में एक बच्चे को दर्द में चीखता देख रोशन जैकब भावुक हो गईं और उनकी आँखों में आँसू आ गए और उन्होंने लोगों को बेहतर इलाज का विश्वास दिलाया। करुणा का यह गुण बेहतर लोक सेवक निर्माण में सहायक है।

प्रश्न 8. सिविल सेवकों के बीच उदारता और वस्तुनिष्ठता को कैसे बढ़ावा दिया जा सकता है ? अपना सुझाव दीजिए। 8

उत्तर—उदारता—उदारता को व्यक्ति, जो कुछ भी करना चाहता है उसे करने की स्वतंत्रता या किसी के काम को करने और उसके मूल्य की सराहना करने की सकारात्मक शक्ति के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

आधुनिक राजनीति में, उदारता को समाज के भीतर किसी के जीवन के तरीके, व्यवहार या राजनीतिक विचारों पर प्राधिकार द्वारा लगाए गए नियंत्रण या दमनकारी प्रतिबंधों से मुक्त होने की स्थिति के रूप में परिभाषित किया गया है।

उदारता का प्रयोग क्षमता पर निर्भर है और दूसरों के अधिकारों से बाधित है। इस प्रकार, उदारता में किसी अन्य को उसकी स्वतंत्रता से वंचित किए बिना कानून के शासन के तहत जिम्मेदारी से उदारता का उपयोग करना शामिल है।

इस कारण लोक सेवा के लिए उदारता एक प्राथमिक गुण है।

लोक सेवक में उदारता के विकास के लिए अग्रलिखित कार्य किए जा सकते हैं—

- शिक्षा और प्रशिक्षण
- उदार लोगों के जीवन से जुड़े फिल्मों और कहानियों का प्रदर्शन करके।
- उदार लोगों के संगत में रखकर।

वस्तुनिष्ठता—वस्तुनिष्ठता लोक सेवा का महत्वपूर्ण मूल्य है। यह प्रशासन में निष्पक्षता, भेदभाव युक्त प्रशासन, पूर्वाग्रहों से परे उचित निर्णय करने व उचित कदम उठाने के लिए आवश्यक मूल्य के रूप में माना जाता है। वस्तुनिष्ठता के मूल्य के ही चलते लोक सेवकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे लोक व्यवसायों के संचालन लोक नियुक्तियों के मामलों में, ठेका देने अथवा किसी व्यक्ति को लाभ प्रदान करने के मामलों में योग्यता, दक्षता, कुशलता पर ध्यान केन्द्रित करें। प्रशासन को लाल फीताशाही, भाई-भतीजावाद, श्वेत वसन अपराधों से बचाने के लिए वस्तुनिष्ठता के मूल्यों को अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता है।

लोक सेवक में वस्तुनिष्ठता के विकास हेतु उपाय

- नियमों को स्पष्ट और सरल बनाना।
- संविधान में निहित सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता।
- समाज के वंचित और कमजोर वर्ग के प्रति सहानुभूति और करुणा।
- ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और आचरण के उच्चतम मानकों का पालन।
- सम्बन्धित नागरिकों और सार्वजनिक हित के प्रति प्रतिबद्धता।

प्रश्न 9. सुशासन और प्रशासन के लिए संवेगात्मक बुद्धि की भूमिका की व्याख्या कीजिए। 8

उत्तर—संवेगात्मक बुद्धि न केवल अपनी भावनाओं को जानने और समझने से सम्बन्धित है, बल्कि सामाजिक एवं वांछनीय तरीके से दूसरों की भावनाओं को समझ कर अपनी भावनाओं तथा व्यवहार को विनियमित करने से भी सम्बन्धित है।

संवेगात्मक बुद्धि को विभिन्न विद्वानों द्वारा अलग-अलग ढंग से परिभाषित किया गया है। पीटर सलोवी और जॉन मेयर (1990 के दशक) के अनुसार इसे “अपनी और अन्य लोगों की भावनाओं पर नजर रखने, विभिन्न भावनाओं के बीच भेदभाव करने और उन्हें उचित रूप से लेबल करने, और सोच और व्यवहार को निर्देशित करने के लिए भावनात्मक जानकारी का उपयोग करने की क्षमता” के रूप में परिभाषित किया गया है।

इस परिभाषा को गोलेमैन ने अपनाया और संवेगात्मक बुद्धि को इसमें वर्गीकृत किया—

- आत्म-जागरूकता,
- भावनाओं का प्रबंधन,
- स्वयं को प्रेरित करना,

- समानुभूति,
- सुशासन और प्रशासन में संवेगात्मक बुद्धि का महत्व,
- प्रशासन और शासन में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अनुप्रयोग.

चूँकि प्रशासन का मुख्य कार्य सार्वजनिक नीतियों के क्रियान्वयन से होता है. अतः सिविल सेवक सरकार और नागरिकों के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य करते हैं. इसलिए यह दो-तरफा सम्बन्ध है.

सिविल सेवकों के कार्य में भावनाओं की भागीदारी होती है, इसलिए नैतिक आचरण के लिए भावनात्मक प्रबंधन आवश्यक है.

सिविल सेवकों को अपने सम्बन्धों एवं कार्यों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है. सिविल सेवकों द्वारा निम्नलिखित पहलुओं में बेहतर प्रशासन के लिए संवेगात्मक बुद्धि का उपयोग किया जा सकता है—

- वरिष्ठों के साथ-साथ अधीनस्थों से उपयुक्त व्यवहार करना.
- संगठन में अनुकूल कार्य संस्कृति को सुनिश्चित करना.
- प्रशासक नागरिक अंतःसम्बन्ध बेहतर करने में.
- सामाजिक समस्याओं का समाधान करने में.

वर्तमान सिविल सेवाओं में गतिशीलता को बनाए रखने हेतु संवेगात्मक बुद्धि रखने वाले अधिकारियों की आवश्यकता होती है. प्रभावी शासन को केवल लोगों के सार्थक सहयोग तथा सक्रिय नौकरशाही द्वारा ही संभव बनाया जा सकता है. इसलिए संवेगात्मक बुद्धि सिविल सेवकों को अपने कर्तव्य, जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के प्रति समझ विकसित करने में सहायक है.

प्रश्न 10. लोक प्रशासन में सामाजिक प्रभाव की क्या भूमिका है ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए. 8

उत्तर—सामाजिक प्रभाव का सम्बन्ध इस बात से है कि हमारे विचार, भावनाएं और कार्य सामाजिक समूहों से कैसे प्रभावित होते हैं. एक अच्छे लोक सेवक के पास लोगों को यह विश्वास दिलाने के लिए सामाजिक अनुनय कौशल होना चाहिए कि सरकार उनके कल्याण के लिए है. और इसके लिए उनका सहयोग भी चाहते हैं.

लोक प्रशासन में सामाजिक प्रभाव की भूमिका

- लोगों में विश्वास जगाना—जैसे डॉक्टर द्वारा स्वक्षता के लिए लोगों को कहना.
- लोगों के व्यवहार में बदलाव लाना—बेटी बचाव आन्दोलन के माध्यम से बेटियों के प्रति लोगों के व्यवहार में बदलाव.

प्रतियोगिता दर्पण/फरवरी/2024/114

- **व्यक्तियों के दृष्टिकोण में परिवर्तन—**सामाजिक प्रभाव वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति समान, वांछनीय या विशेषज्ञ समझे जाने वाले अन्य लोगों के साथ संचार के परिणामस्वरूप अपने दृष्टिकोण और व्यवहार में वास्तविक परिवर्तन करते हैं.

- **विचारों में समायोजन—**लोग दूसरों के सम्बन्ध में अपने विचारों को संतुलन जैसे मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों के अनुसार समायोजित करते हैं, जिनके साथ वे समान महसूस करते हैं.

खण्ड—ब

प्रश्न 11. नैतिक शासन व्यवस्था से आप क्या समझते हैं ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए. 12

उत्तर—नैतिक शासन की एक पद्धति है, जो शासन प्रक्रिया में उच्च नैतिक मूल्यों और व्यवहार को शामिल करती है.

उदाहरण के लिए, एक नौकरशाह अपने कार्यालय में आने वाले लोगों की सेवा करने के लिए बाध्य है, लेकिन उसे दण्डित नहीं किया जा सकता है. यदि वह एक बुजुर्ग जोड़े को एक गिलास पानी उपलब्ध नहीं कराता है, जो बहुत लम्बे समय तक लाइन में इंतजार करने से थक गया होगा. ये सार्वजनिक सेवा और परोपकारिता की नैतिकताएं हैं, जो उन्हें ऐसा करने के लिए प्रेरित करेंगी.

इसी तरह, एक अधिकारी को लाभार्थियों, विशेषकर महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) राशन के वितरण की अनुमति देनी चाहिए, भले ही बायोमेट्रिक डेटा बेमेल के कारण आधार पहचान विफल हो जाए. यह समझना महत्वपूर्ण है कि ऐसी सेवाओं से इनकार करने पर व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है. परिणामस्वरूप, करुणा और मानवीय गरिमा नैतिक शासन की नींव के रूप में कार्य करती है.

नागरिकों और लोक सेवकों के बीच विश्वास और आपसी सहयोग बनाने के लिए नैतिक शासन एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण है.

नैतिक शासन के मौलिक तत्व

नैतिक शासन उन मूल्यों के समूह पर आधारित शासन है, जो 'शुभ' भी हैं. उदाहरण के लिए, ईमानदारी, अखण्डता, करुणा, सहानुभूति, जिम्मेदारी, सामाजिक न्याय, इत्यादि, ये सभी नैतिक मुद्दों को बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं.

ईमानदारी यह सुनिश्चित करेगी कि प्रशासन का एकमात्र लक्ष्य सार्वजनिक हित की सेवा करना है, जिसमें गलत काम के लिए कोई जगह नहीं है.

उत्तरदायित्व केवल जवाबदेही नहीं है, यह किसी के विवेक पर आधारित निर्णय के रूप

में चूक सम्बन्धी प्रत्येक कार्य के लिए आंतरिक जवाबदेही सुनिश्चित करता है. अगर ऐसा हो जाता है, तो भ्रष्टाचार का सवाल ही नहीं उठता.

भ्रष्टाचार को खत्म करना न केवल एक नैतिक अनिवार्यता है, बल्कि किसी देश के लिए विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक आर्थिक आवश्यकता भी है.

भारतीय शासन में नैतिक मुद्दे

प्राधिकरण या पद की स्थिति का उल्लंघन—अधिकारी ऐसे कार्य करते हैं, जो उनकी स्थिति, जिम्मेदारियों और अधिकारों से बाहर होते हैं, जो अंततः राज्य या कुछ नागरिकों के हितों को नुकसान पहुँचाते हैं.

उपेक्षा—सार्वजनिक अधिकारी या तो अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों का पालन नहीं करते हैं या उनके साथ गलत व्यवहार करते हैं, जिससे राज्य या समुदाय को नुकसान होता है.

रिश्वतखोरी—भ्रष्टाचार और रिश्वत समाज के स्वीकार्य अंग बन गए हैं, भ्रष्टाचार और लेन-देन के कार्य को बढ़ावा दे रहे हैं.

प्रश्न 12. "सार्वजनिक नीतियाँ बनाते समय एक सिविल सेवक को केवल जनता की भलाई पर ध्यान देना चाहिए और उन नीतियों को लागू करते समय उसमें सम्भावित अनपेक्षित परिणामों का अनुमान लगाने की दूरदर्शिता होनी चाहिए." क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? अपने उत्तर के लिए युक्ति तथा प्रमाण प्रस्तुत कीजिए. 12

उत्तर—सार्वजनिक नीति निर्माण में नैतिक विचार उन मूल्यों, सिद्धांतों और नैतिक निर्णयों को संदर्भित करते हैं जिनका नीति निर्माता लोगों को प्रभावित करने वाले निर्णय लेते समय ध्यान में रखते हैं.

इसके अलावा नीति निर्माण में नैतिक विचारों के तहत कार्य करने या कार्य न करने, किसी कार्य को मंजूरी देने या न देने और सही या गलत आचरण को निर्धारित करना शामिल होता है.

सार्वजनिक नीति निर्माण के मानदण्ड

न्याय—एक महत्वपूर्ण नैतिक विचार, न्याय का सिद्धांत है, जो यह तय करता है कि नीतियाँ निष्पक्ष होनी चाहिए और इनसे लोगों के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए.

उदाहरण के लिए अल्पसंख्यक समुदायों को हानि पहुँचाने वाली नीति को न्यायसंगत नहीं माना जाएगा.

मानव अधिकार—सार्वजनिक नीति निर्माण में अन्य नैतिक विचारों के तहत व्यक्तिगत अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए सम्मान और सार्वजनिक हित में कार्य करने का दायित्व शामिल है.

उपयोगिता—एक अन्य नैतिक विचार उपयोगिता का सिद्धांत है, जो मानता है कि

नीतियों का लक्ष्य समाज के समग्र कल्याण को अधिकतम करना होना चाहिए।

इसके लिए नीति निर्माताओं को नागरिकों, व्यवसायों और प्राकृतिक पर्यावरण सहित हितधारकों पर निर्णयों के संभावित परिणामों पर विचार करने की आवश्यकता होती है।

स्वायत्तता—व्यक्तियों को अपनी पसंद और निर्णय लेने की स्वतंत्रता होनी चाहिए (जब तक कि वे दूसरों को नुकसान नहीं पहुँचाते हैं)।

पारदर्शिता—निर्णय लेने की प्रक्रिया खुली और पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि नागरिक नीतिगत निर्णयों के पीछे के तर्कों को समझ सकें।

उत्तरदायित्व—नीति निर्माताओं की जिम्मेदारी है कि वे अपने निर्णयों के दीर्घकालिक परिणामों पर विचार करें और जनता के सर्वोत्तम हित में कार्य करें।

इस प्रकार नीति निर्माताओं के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे नागरिकों की भलाई पर अपने निर्णयों के संभावित प्रभावों का ध्यानपूर्वक मूल्यांकन करें और उचित, न्यायसंगत एवं समाज के सर्वोत्तम हित में नीतियाँ बनाने के लिए नैतिक विचारों का सहारा लें।

सार्वजनिक नीति को लागू करते समय आने वाली समस्या

- **भ्रष्टाचार** : लगभग सभी लोक कल्याणकारी योजनाओं में।
- धन का अभाव, जैसे ग्रामीण अवसंरचना।
- लाभार्थियों तक पहुँच में समस्या, जैसे जन वितरण प्रणाली।
- राजनीतिक दबाव, भाई भतीजावाद को लेकर।

इस प्रकार नीति निर्माताओं के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे नागरिकों की भलाई पर अपने निर्णयों के संभावित प्रभावों का ध्यानपूर्वक मूल्यांकन करें और उचित, न्यायसंगत एवं समाज के सर्वोत्तम हित में नीतियाँ बनाने के लिए नैतिक विचारों का सहारा लें।

प्रश्न 13. क्या भगवद्गीता लोक सेवकों की नैतिक मार्गदर्शिका हो सकती है ? टिप्पणी कीजिए।

12

उत्तर—

- श्रीमद्भगवद् गीता महाभारत के भीष्म पर्व का अंग है। गीता में 18 अध्याय और 700 श्लोक हैं। 'श्रीमद्भगवद् गीता' शाश्वत मूल्यों का भण्डार है।
- श्रीमद्भगवद् गीता धार्मिक ग्रन्थ होने के साथ-साथ, समस्त मानव जाति के लिए ज्ञान का स्रोत भी है। इसीलिए विश्व की लगभग सभी भाषाओं में इसके अनुवाद उपलब्ध हैं। मनुष्य जीवन का मार्गदर्शन भगवद्गीता का मूल विषय एवं अभिप्राय है।

लोक सेवकों की नैतिक मार्गदर्शिका के रूप में श्रीमद्भगवद् गीता

- लोक सेवक जनता के हितों की सेवा करने, सार्वजनिक कल्याण को बढ़ावा

देने और सुशासन के सिद्धांतों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

- अपनी भूमिकाओं में प्रभावी होने के लिए, लोक सेवकों के पास आवश्यक मूल्यों का एक समूह होना चाहिए, जो उनके कार्यों और निर्णयों का मार्गदर्शन करें।
- गीता का अध्ययन कर लोक सेवक के अंदर कर्तव्य परायण, न्यायपूर्ण कर्म, सामाजिक व्यवस्थाओं का पालन, समानता, न्याय, बंधुत्व और स्वतंत्रता के लक्ष्य को प्राप्त करने और मानवता को खुश करने और खुद को दमन और भेदभाव के चंगुल से मुक्त करने में सफल होंगे।
- सुखी एवं समावेशी जीवन ही हमारा लक्ष्य है इसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए श्रीमद्भगवद्गीता मानवता की मार्गदर्शक, शिक्षक और दार्शनिक है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि श्रीमद्भगवद्गीता मनुष्य मात्र में कोई भेद नहीं करती। उसकी सार्वभौमिक दृष्टि 'सर्वधर्मसमभाव' की अलख जगाती है। मनुष्य के आत्मोद्धार के लिए 'अभय' का होना बहुत आवश्यक है। गीता की जीवन-दृष्टि मनुष्य को निर्भयता का कवच प्रदान करती है। वस्तुतः आज का मानव विपर्यस्त स्थितियों में साँस ले रहा है। स्वार्थपरता, भौतिक संकुलता, पारस्परिक वैमनस्य, मानवीय मूल्यों का हास, संताप एवं संत्रास प्रभृति आसुरी प्रवृत्तियों से सम्पूर्ण विश्व संतप्त है। ऐसे में भगवद्गीता ही संसार को नई गति व नई दिशा दे सकती है।

प्रश्न 14. नीतिशास्त्र में मानवकर्म से क्या तात्पर्य है ? मानवकर्म में नैतिकता के निर्धारक और परिणाम की विवेचना कीजिए।

12

उत्तर—मानवकर्म नैतिकता का प्रारम्भिक बिंदु है। किसी व्यक्ति के किसी भी कार्य की नैतिकता या अनैतिकता का निर्धारण करने में सबसे पहले विचार करने वाले बिंदुओं में से एक यह है कि यह एक सचेत मानवीय कार्य होना चाहिए, इससे पहले कि इसमें कोई नैतिक गुण हो।

चूँकि पाचन, वृद्धि, शिराओं में रक्त की गति आदि हमारी इच्छा के वश में नहीं हैं, इसलिए उन्हें नैतिक कृत्यों के रूप में बिलकुल भी नहीं कहा जाता है। वे एक मानव व्यक्ति के कार्य हैं, लेकिन उन्हें 'मानवीय कार्य' नहीं कहा जाता है।

एक मानवीय कार्य वह है जो ज्ञान और स्वतंत्र इच्छा से आगे बढ़ता है। यदि किसी व्यक्ति के कार्य में पर्याप्त ज्ञान या स्वतंत्रता की कमी है, तो वह कार्य पूरी तरह से मानवीय नहीं है और इसलिए पूरी तरह से नैतिक नहीं है।

इस प्रकार, सही और गलत का निर्णय केवल उन्हीं कार्यों पर पारित किया जा सकता

है, जो स्वैच्छिक हैं। उन्हें पर्याप्त ज्ञान के आधार पर कर्ता द्वारा अभिप्रेत होना चाहिए, अर्थात् कार्य स्वैच्छिक होना चाहिए।

हालाँकि, कुछ ऐसे कारक हैं जो मानवीय कार्यों की स्वैच्छिकता को कम या कम करते हैं। इन्हें सचेत मानव क्रिया के लिए बाधा कहा जाता है।

मानव क्रिया में नैतिकता के निर्धारक

मानव द्वारा किए गए कार्यों को वास्तव में मानवीय कार्य नहीं कहा जा सकता है, यदि उपर्युक्त में से कोई भी स्थिति, अर्थात् अज्ञानता, जुनून या हिंसा मौजूद है।

यह कार्यवाही मानवीय नहीं है और इसलिए नैतिकता में जाँच के अधीन नहीं किया जा सकता है।

नैतिक धर्मशास्त्रियों के अनुसार हमारे कार्यों की नैतिक गुणवत्ता के कुछ निर्धारक हैं। ये हैं—



मानव क्रिया में नैतिकता के परिणाम

- परिणाम एक क्रिया के कारण होने वाले प्रभाव हैं। हमारे कई कार्य, निर्णय और दैनिक जीवन के चयन परिणामों को ध्यान में रखकर किए जाते हैं।
- किसी कार्य को उसके परिणाम के आधार पर अच्छा या बुरा माना जाता है।
- यदि कर्ता नोटिस रखता है (भले ही अस्पष्ट रूप से) या आगे जानता है कि किसी विशेष विकल्प या कार्यवाही के परिणाम क्या होंगे, तो यह माना जाता है कि उसने प्रभाव डाला है। जैसे भ्रष्टाचार करने वाला। इस प्रकार, जो कुछ भी एक नैतिक कार्य के लिए आवश्यक स्वतंत्रता और ज्ञान को बढ़ाता, घटाता या नष्ट करता है, वह भी अभिकर्ता की जिम्मेदारी को बढ़ाता, घटाता या नष्ट करता है।

प्रश्न 15. राजीव एक आदर्शवादी है। उसका विश्वास है कि "मानवता की सेवा ईश्वर की सेवा है।" एक दिन वह सरकारी नौकरी के लिए साक्षात्कार देने जा रहा था। उसने सड़क पर एक व्यक्ति को गम्भीर रूप से घायल अवस्था में पड़े देखा, जो सहायता माँग रहा था। कोई सहायता के लिए सामने नहीं आया। राजीव घायल व्यक्ति को अस्पताल ले गया और उसके जीवन की रक्षा की, लेकिन इस कारण उसने सरकारी नौकरी प्राप्त करने

के अवसर को खो दिया. उपर्युक्त परिस्थिति के प्रकाश में राजीव के निर्णय पर टिप्पणी कीजिए. 12

उत्तर—आदर्शवादी विचारधारा जीवन की निश्चितताओं से जुड़ी हुई है. इसका आशय है—जीवन के लिए निश्चित आदर्शों व मूल्यों का निर्धारण कर मनुष्य को उनके अनुकरण हेतु निर्देशित करना. यह विचारधारा भौतिक वस्तुओं की अपेक्षा विचारों पर अधिक बल देती है.

राजीव के समक्ष उत्पन्न द्वंद

1. आदर्शवादी और नैतिक मूल्य के तहत मानवता की सेवा करना और घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाना.

2. व्यवहारिक होते हुए अपने हित को प्राथमिकता देना और साक्षात्कार के लिए जाना.

चूँकि राजीव एक आदर्शवादी व्यक्ति है इसलिए उसे प्रथम विकल्प का चयन किया.

अगर हम नैतिक दृष्टि से देखें तो राजीव का निर्णय सही प्रतीत होता है, क्योंकि इससे किसी का जीवन बचा इसमें करुणा और सेवा जैसे उच्च मानवीय मूल्य शामिल हैं. जिसके माध्यम से व्यक्ति जीवन में आगे बढ़ता है. इस बार सरकारी नौकरी ना मिले तो कभी आगे मिल जाएगी या निजी क्षेत्र या स्वयं का व्यापार कर के बेहतर जीवन व्यतीत किया जा सकता है, परन्तु जीवन की रक्षा अनमोल है, जो दुबारा नहीं मिलता.

निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि राजीव का निर्णय श्रेष्ठ रहा.

प्रश्न 16. लोक जीवन के मुख्य सिद्धान्त क्या हैं ? उपयुक्त उदाहरण के साथ समझाइए. 12

उत्तर—लोक जीवन से तात्पर्य बड़े स्तर पर एक व्यक्ति के समाज के साथ रिश्तों, व्यवहार और सम्पर्क से है. यानि आपका ऐसे व्यक्ति के साथ व्यवहार जो आपसे व्यक्तिगत रूप से उससे सम्बन्धित नहीं हो. लोक जीवन में नैतिकता में शामिल है—

- सभी के साथ निष्पक्ष और समान रूप से व्यवहार करना.
- ऐसा कुछ भी करने से परहेज करना जिससे किसी को परेशानी हो.

लोक जीवन से जुड़े नैतिक सिद्धान्त

लोक जीवन में नैतिकता की चर्चा तीन महत्वपूर्ण बिंदुओं के अन्तर्गत की जा सकती है.

1. **जनहित को निजी हित से अधिक महत्व देना—**जैसे किसी जिलाधिकारी के घर में कोई बहुत बीमार है जिसे लेकर वो अस्पताल जा रहा है उसी समय जिले में कहीं किसी आपदा की सूचना आती है. ऐसी स्थिति में उस जिला अधिकारी को आपदा वाले स्थान को प्राथमिकता देना होगा.

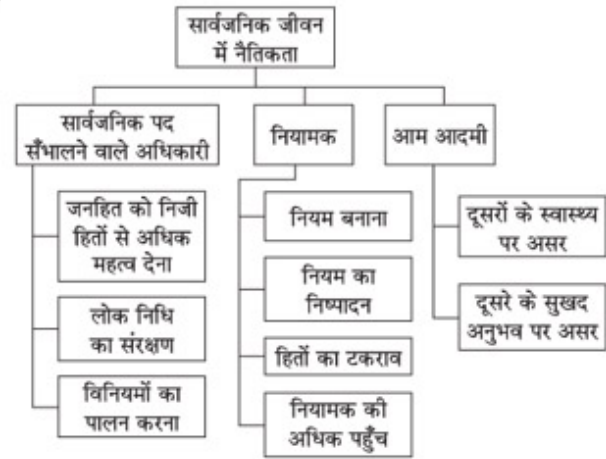
2. **लोक निधि का संरक्षण करना—**लोक सेवक का कर्तव्य है कि वह लोक निधि का प्रतियोगिता दर्पण/फरवरी/2024/116

संरक्षण करें और उसका उपयोग अपने निजी कार्य के लिए ना करें जैसे सरकारी वाहन का उपयोग.

3. **विनियमों का अनुपालन करना—**विनियमन लोक व्यवस्था संचालन का आधार है उसमें किसी के लिए पक्षपात की सम्भावना नहीं है.

4. **गैर-भेदभावपूर्ण व्यवहार—**लोक सेवक का व्यवहार समानता पर आधारित होना चाहिए जैसे वो किसी सरकारी योजना का विशेष लाभ किसी सम्बन्धी को ना पहुँचाए, जो उसकी पात्रता पूर्ण ना करता हो.

5. **न्यायसंगतता—**लोक सेवा में लोगों का विश्वास तभी होगा जब सेवा न्यायपूर्ण होगी. लोक सेवक का यह कर्तव्य है कि वह न्यायपूर्ण व्यवस्था बनाए रखें.



6. **कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति—**लोक सेवक का कर्तव्य है कि लोक नीति में पहली प्राथमिकता कमजोर वर्गों को दें जैसे अगर एक नीति खेल से जुड़ी बनी है, जबकि दूसरी दिव्यांग से जुड़ी है पर किसी एक का ही क्रियान्वयन सम्भव है ऐसी स्थिति में दिव्यांग से जुड़ी नीति का क्रियान्वयन आवश्यक है.

सार्वजनिक पद उन अधिकारियों को संदर्भित करता है, जो बड़े पैमाने पर जनता के प्रति कर्तव्यों का निष्पादन करते हैं. ऐसे में निजी हित की जगह सार्वजनिक हित ही सर्वोपरि है.

प्रश्न 17. वर्तमान समय में सोशल मीडिया का उपयोग जनता की राय को सकारात्मक या नकारात्मक तरीके से प्रभावित करने के लिए किया जाता है. एक लोकसेवक होने के नाते आप इस मुद्दे का समाधान कैसे करेंगे ? 12

उत्तर—वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का एक अहम पहलू है. इस अधिकार के उपयोग के लिए सोशल मीडिया ने जो अवसर नागरिकों को दिए हैं, एक दशक पूर्व उनकी कल्पना भी किसी ने नहीं की होगी. दरअसल, इस मंच के जरिए समाज में बदलाव की बयार लाई जा सकती है, लेकिन, चिंता का

विषय है कि मौजूदा वक्त में सोशल मीडिया विभिन्न तरह की नकारात्मकता फैलाने, लोगों में वेमनश्य पैदा करने, उन्हें लड़ाने और बाँटने का साधन बन गया है. फेक न्यूज के द्वारा विचार गढ़े जा रहे हैं जिसे वर्तमान में 'वाट्सएप यूनिवर्सिटी का ज्ञान' भी कहा जा रहा है.

दैनिक जीवन में सोशल मीडिया का प्रभाव

- यह बहुत तेज गति से होने वाला संचार का माध्यम है.
- यह जानकारी को एक ही जगह इकट्ठा करता है.
- सरलता से समाचार प्रदान करता है.
- सभी वर्गों के लिए है, जैसेकि शिक्षित वर्ग हो या अशिक्षित वर्ग.

- यहाँ किसी प्रकार से कोई भी व्यक्ति किसी भी कंटेंट का मालिक नहीं होता है.
- फोटो, वीडियो, सूचना, डॉक्यूमेंट्स आदि को आसानी से शेयर किया जा सकता है. समाज में सोशल मीडिया के इस तरह के नकारात्मक प्रभाव को रोकने के लिए लोक सेवक के तौर पर निम्नलिखित कार्य किए जा सकते हैं—

1. सोशल मीडिया के विनियमन से जुड़े नियमों को सख्ती से लागू करना जैसे आईटी नियम 2021.

2. फेक न्यूज का प्रसार करने वाले प्लेटफार्म पर रोक लगाना.

3. सोशल मीडिया ऐप्स को बंद करना जैसे भारत सरकार ने टिक टॉक जैसे कई चीनी ऐप को बैन कर दिया.

4. फेक न्यूज और नकारात्मकता फैलाने वालों पर कठोर कानूनी कार्यवाही करना.

5. लोगों को फेक न्यूज के प्रति जागरूक करना और सही न्यूज खोजने का तरीका बताना.

6. सोशल मीडिया को शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल करना ताकि इसका उचित संचालन सीखा जा सके.

सोशल मीडिया के अपने सिद्धान्त हैं, अपनी नियंत्रण प्रणाली है. संयम, आत्ममुग्धता,

आकर्षण और गोपनीयता का पालन करते हुए आम जन की जागरूकता ही इस प्रणाली की नकारात्मकता से बचने का माध्यम है।

प्रश्न 18. “ज्ञान के अभाव में सत्यनिष्ठा कमजोर एवं बेकार है, लेकिन सत्यनिष्ठा के अभाव में ज्ञान खतरनाक एवं भयानक है”—इस कथन से आप क्या समझते हैं ? समझाइए।

12

उत्तर—“ज्ञान के अभाव में सत्यनिष्ठा कमजोर एवं बेकार है, लेकिन सत्यनिष्ठा के अभाव में ज्ञान खतरनाक और भयानक है” यह कथन एक साथ ज्ञान और सत्यनिष्ठा दोनों के महत्व को इंगित करता है साथ ही दोनों के बीच पारस्परिक सम्बन्ध के महत्व को भी बताता है।

इस कथन के अनुसार जीवन में सफल होने के लिए केवल ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है। व्यक्ति में ईमानदारी भी होनी चाहिए, जो ईमानदार होने और मजबूत नैतिक सिद्धांतों का गुण है। इसी प्रकार, ज्ञान के बिना सत्यनिष्ठा का कोई मतलब नहीं है।

सत्यनिष्ठा के बिना ज्ञान खतरनाक हो सकता है

जब ज्ञान सत्यनिष्ठा से रहित होता है, तो इसके विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को अपना शोध करते समय सत्यनिष्ठा रखनी चाहिए। उन्हें अपने निष्कर्षों में सच्चा होना चाहिए और वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए डेटा में हेरफेर नहीं करना चाहिए। हालाँकि, जब ज्ञान का उपयोग लोगों को धोखा देने के लिए किया जाता है, तो यह खतरनाक हो सकता है।

इसका एक उदाहरण थेरानोस के संस्थापक एलिजाबेथ होम्स का मामला है। उन्होंने एक ऐसा उपकरण विकसित करने का दावा किया जो खून की एक बूँद से कई बीमारियों का निदान कर सकता है। उनके दावे झूठे डेटा पर आधारित थे, और उनकी ईमानदारी की कमी के कारण कंपनी का पतन हुआ और आपराधिक आरोप लगे।

ज्ञान के बिना सत्यनिष्ठा कमजोर है

● दूसरी ओर, ज्ञान के बिना सत्यनिष्ठा भी कमजोर और बेकार है। उदाहरण के लिए, मजबूत नैतिक सिद्धांतों वाला व्यक्ति ईमानदार हो सकता है, लेकिन ज्ञान के बिना, वह उचित निर्णय लेने में सक्षम नहीं हो सकता है।

ज्ञान और निष्ठा वाला व्यक्ति समाज पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। उदाहरण के लिए, ईमानदारी और ज्ञान वाला एक डॉक्टर मरीजों को उत्कृष्ट चिकित्सा देखभाल प्रदान कर सकता है, जबकि सत्यनिष्ठा और ज्ञान वाला एक पत्रकार सटीक समाचार प्रदान कर सकता है।

हालाँकि ज्ञान एक शक्तिशाली उपकरण हो सकता है, लेकिन इसका उपयोग ईमानदारी के साथ किया जाना चाहिए। इसी प्रकार, ज्ञान के बिना सत्यनिष्ठा का कोई मतलब नहीं है। आज की दुनिया में, समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए ज्ञान और सत्यनिष्ठा दोनों का होना महत्वपूर्ण है।

प्रश्न 19. लोक सेवक के द्वारा कर्तव्य निर्वहण न करना एक प्रकार का भ्रष्टाचार है क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? तर्कसंगत व्याख्या कीजिए।

12

उत्तर—एक लोक सेवक द्वारा कर्तव्य का पालन न करने को भ्रष्टाचार के एक रूप के रूप में देखा जा सकता है, क्योंकि यह जवाबदेही के मूल सिद्धांत का उल्लंघन करता है और इसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक विश्वास का उल्लंघन होता है। जब कोई लोक सेवक अपना कर्तव्य निभाने में विफल रहता है, तो वे न केवल सार्वजनिक हित की सेवा करने में विफल रहते हैं, बल्कि जनता को उनके उचित अधिकारों से भी वंचित कर देते हैं। इसलिए, मैं इस विचार से सहमत हूँ कि एक लोक सेवक द्वारा कर्तव्य का पालन न करना भ्रष्टाचार का एक रूप है।

इस दृष्टिकोण को उचित ठहराते समय विचार करने योग्य कुछ बिन्दु यहाँ दिए गए हैं—

विश्वास का उल्लंघन—लोक सेवकों को सार्वजनिक हित की सेवा के लिए विशिष्ट भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ सौंपी जाती हैं। जब वे अपने कर्तव्यों का पालन करने में विफल होते हैं, तो इसे उन पर रखे गए भरोसे के उल्लंघन के रूप में देखा जा सकता है।

उदाहरण—दिल्ली सामूहिक बलात्कार मामला (2012) : एक पुलिस अधिकारी ने कर्तव्य की उपेक्षा की, जिसके परिणामस्वरूप कार्यवाही में देरी हुई और जनता के विश्वास का उल्लंघन हुआ।

सार्वजनिक संसाधनों की बर्बादी—लोक सेवकों द्वारा गैर-प्रदर्शन के कारण अक्सर सार्वजनिक संसाधनों की बर्बादी होती है, क्योंकि आवंटित धन और संसाधनों का कुशलतापूर्वक या प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं किया जा सकता है।

उदाहरण—राष्ट्रमण्डल खेल घोटाला (2010) : बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए आवंटित धन का दुरुपयोग किया गया, जिससे लागत में वृद्धि हुई और घटिया निर्माण हुआ।

प्रगति और विकास में बाधा—कर्तव्यों का पालन करने में विफलता समाज की प्रगति और विकास में बाधा बन सकती है, क्योंकि सार्वजनिक सेवाएँ प्रभावी ढंग से या समय पर वितरित नहीं की जा सकती हैं।

उदाहरण—विलंबित मुम्बई मेट्रो लाइन 2ए—नौकरशाही की अक्षमताओं और समन्वय

की कमी के कारण निर्माण में महत्वपूर्ण देरी हुई, जिससे परिवहन विकास में बाधा उत्पन्न हुई।

प्रश्न 20. उन रणनीतियों का वर्णन कीजिए, जो सिविल सेवक परिवर्तन के प्रति प्रतिरोध को दूर करने के लिए नियोजित कर सकते हैं और नई नीतियों तथा पहलों का समर्थन करने के लिए हितधारकों को प्रभावी ढंग से राजी कर सकते हैं।

12

उत्तर—आज के विश्व में, परिवर्तन ही एकमात्र स्थिरांक है, जो हमें घेरे हुए है। लोक सेवा भी इससे अलग नहीं है। कर्मचारियों के लिए परिवर्तन को प्रबंधित करना कठिन और परेशान करने वाला हो सकता है। एक सफल परिवर्तन के लिए प्रयास करते समय हमें परिवर्तन की शुरुआत करने वाले, इसे लागू करने वाले और इससे प्रभावित होने वाले लोगों की विभिन्न धारणाओं पर विचार करना चाहिए।

परिवर्तन के विरोध के कारण

1. स्वहित।
2. गलतफहमी और विश्वास की कमी।
3. अलग-अलग मूल्यांकन।
4. परिवर्तन के प्रति कम सहनशीलता।

परिवर्तन के प्रतिरोध को कम करने के लिए रणनीतियों और तकनीकों पर विचार करते समय, छह व्यापक क्षेत्र हैं, जिन पर लोक सेवक को काम करना चाहिए।

संचार और शिक्षा—सामान्य मुद्दे जो परिवर्तन के प्रतिरोध का कारण बनते हैं उनमें अज्ञात का डर और परिवर्तन की आवश्यकता क्यों है की गलतफहमी शामिल है। इस परिवर्तन से प्रभावित होने वाले सभी पक्षों से इस परिवर्तन के मुद्दे पर चर्चा करना आवश्यक है तथा उन्हें इस परिवर्तन से जुड़े सही बात को बताना आवश्यक है।

भागीदारी—किसी भी परिवर्तन से प्रभावित होने वाले भागीदारों को परिवर्तन के निर्णय में शामिल करना विरोध को कम करता है।

सहायता—सहायता के लिए लोक सेवक को अपनी भावनात्मक बुद्धिमत्ता विकसित करने और अपने लोगों से जुड़ने की आवश्यकता होती है। पर्याप्त सहायता प्रदान करना भी संगठन में परिवर्तन के विरोध को कम करता है।

प्रोत्साहन—परिवर्तन के प्रति इस प्रकार के प्रतिरोध से निपटने के लिए, कोई संगठन प्रोत्साहन देने पर विचार कर सकता है। ऐसे प्रोत्साहनों में अतिरिक्त वेतन, बेहतर लाभ, या संरचित कैरियर योजनाओं की पेशकश शामिल हो सकती है।

दबाव—कभी-कभी लोगों को परिवर्तन स्वीकार करने के लिए बाध्य करना आवश्यक होता है। यह अक्सर ऐसा मामला होता है, जहाँ लोगों को लगता है कि वे आवश्यक नए कौशल नहीं सीख सकते हैं या यदि उन्हें लगता है कि परिवर्तन एक अस्थायी सनक है जिसे उलट दिया जाएगा। ●●●

भूगोल

- खाद्य और कृषि संगठन के अनुसार वर्ष 1990 से 2015 तक वनरक्षण के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसे अग्रणी देश थे?
 - ब्राजील और कांगो लोकतान्त्रिक गणराज्य
 - रूस और चीन
 - ब्राजील और इंडोनेशिया
 - रूस और कनाडा
- संयुक्त राष्ट्र ऊर्जा सांख्यिकीय 2022 के अनुसार विश्व में प्राकृतिक गैस के सबसे बड़े और द्वितीय सबसे बड़े उत्पादक देश कौनसे हैं?
 - संयुक्त राज्य अमरीका और रूस
 - रूस और संयुक्त राज्य अमरीका
 - संयुक्त राज्य अमरीका और सऊदी अरब
 - रूस और सऊदी अरब
- निम्नलिखित में से कौनसा दक्षिण अमरीकी देश 'ओपेक' (ओपीईसी) का अंग है?
 - अर्जेंटीना
 - उरुग्वे
 - ब्राजील
 - वेनेजुएला
- डिजिटल बिम्ब की व्याख्या के लिए निम्नलिखित में से किस बिम्ब संवर्धन विधि का अनुप्रयोग किया जाता है?
 - विकिरणमितीय सुधार
 - ज्यामितीय सुधार
 - स्थानिक लक्षण बदलाव
 - नॉइज (Noise) निवारण
- जब पृथ्वी के घटल में शैल विभंग होता है और पुनः वही शैल पिंड भिन्न दिशाओं में गतिशील होते हैं, तो उसे कहा जाता है—
 - वलन
 - संधि
 - भ्रंश
 - दरार
- निम्नलिखित स्थल रूपों में से कौनसा विवर्तनिक बलों के कारण निर्मित होता है?
 - रिफ्ट घाटी
 - अंध घाटी
 - U-आकार घाटी
 - V-आकार घाटी
- अग्रलिखित में कौन बृहत् संचलन का तीव्र प्रकार नहीं है?
 - शैल गिरना
 - पंक प्रवाह
 - शैल परत अवपतन
 - मृदासर्पण (Solifluction)
- उष्णकटिबंधी चक्रवात के बनने के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कारक सही नहीं है?
 - उष्णकटिबंधी चक्रवात निम्न अक्षांशों में भूमध्यरेखा 5° के भीतर समुद्र पर बनते हैं
 - समुद्र का तापमान अवश्य ही 26-5° से अधिक होना चाहिए
 - गति अथवा ऊँचाई के साथ दिशा में अत्यल्प परिवर्तन के साथ क्षीण वायु आवश्यक है
 - समुद्र के ऊपर वायुमण्डल में उच्च आर्द्रता अंश होना चाहिए
- कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से क्या सही नहीं है?
 - Af—उष्णकटिबंधी आर्द्र जलवायु
 - BS—शुष्क मरुस्थली जलवायु
 - Cfb—समुद्रीय पश्चिमी तट जलवायु
 - ET—टुन्ड्रा जलवायु
- तीन-सैल वाले परिचालन मॉडल में, हेडली सैल को चलाने वाली ऊर्जा की निम्नलिखित में से किस द्वारा आपूर्ति की जाती है?
 - कोरिओलिस बल से निगमित ऊर्जा
 - वेस्टर्लीज से ऊर्जा
 - उपोष्ण कटिबंधी उच्च दाब वाले सैलों से डोलड्रम तक हस्तान्तरित ऊर्जा
 - कपासी वर्षा मेघों के निर्माण के दौरान उत्सर्जित गुप्त ऊष्मा
- 'ब्यूफोर्ट स्केल' किसका मापक है?
 - पवन वेग
 - पवन दिशा
 - आर्द्रता
 - हिमपात
- निम्नलिखित में से किस महासागर का सर्वाधिक विस्तृत महाद्वीपीय ढाल क्षेत्र है?
 - आर्कटिक महासागर
 - प्रशान्त महासागर
 - हिन्द महासागर
 - अटलांटिक महासागर
- अग्रलिखित में से कौन सुनामी प्रहारों से सर्वाधिक ग्रस्त है?
 - अफ्रीका का पूर्वी तट
 - अटलांटिक तट रेखा
 - यूरोपीय तट रेखा
 - परि-प्रशांत तट रेखा
- इरमिंगर जल धारा निम्नलिखित में से किस महासागर के जल में प्रवाहित होती है?
 - दक्षिणी अटलांटिक
 - उत्तरी अटलांटिक
 - उत्तरी प्रशांत
 - दक्षिणी प्रशांत
- निम्नलिखित में से कौनसा एक खनिज पोषक तत्व पादपों के लिए आवश्यक समष्टि पोषक तत्व नहीं है?
 - मैंगनीज
 - मैग्नेशियम
 - फॉस्फोरस
 - सल्फर
- निम्नलिखित में कौनसा विकल्प अधोगामी जनसंख्या के बारे में सही विवरण अभिव्यक्त करता है?
 - दीर्घकालिक अपरिवर्तित प्रजनन और मृत्यु दर
 - व्यापक आधारयुक्त पिरामिड निर्मित करती बढ़ती जन्म दर और उच्च मृत्यु दर
 - सँकरे आधार के पिरामिड निर्मित करती घटती जन्म दर और निम्न मृत्यु दर
 - व्यापक आधार के पिरामिड निर्मित करती उच्च जन्म दर और उच्च मृत्यु दर
- प्रतिस्थापन दर क्या व्यक्त करती है?
 - यह प्रजननात्मक आयु समूह की प्रति 1000 महिला जनसंख्या पर कुल जन्म संख्या को व्यक्त करता है
 - यह प्रजननात्मक आयु समूह की प्रति 1000 महिला जनसंख्या पर पुरुष जन्म संख्या को व्यक्त करता है
 - यह प्रजननात्मक आयु समूह की प्रति 1000 महिला जनसंख्या पर महिला जन्म संख्या को व्यक्त करता है
 - प्रति 1000 जनसंख्या पर प्रत्याशित जन्मों की संख्या
- निम्नलिखित में कौनसा जनसंख्या आँकड़ा स्रोत प्रमुख घटनाओं जैसे—जन्म, मृत्यु, विवाह आदि का अनिवार्य और विधिक पंजीकरण समाहित करता है?
 - जनसंख्या जनगणना
 - प्रतिदर्श सर्वेक्षण
 - जनसंख्या की पंजी
 - जानपदिक रोग विज्ञान का प्रतिवेदन
- अग्रलिखित में से किस देश में विख्यात औद्योगिक प्रदेश 'पो नदी बेसिन' अवस्थित है?
 - अफ्रीका का पूर्वी तट
 - अटलांटिक तट रेखा
 - यूरोपीय तट रेखा
 - परि-प्रशांत तट रेखा

- (A) चीन (B) चीन
(C) इटली (D) उरुग्वे
20. निम्नलिखित में से किस विद्वान् से 'ट्रान्सपोर्टेशन एण्ड द सोशल फ्रेमवर्क' कार्य जुड़ा है?
(A) एडवर्ड उलमैन (B) एम.ई. हर्स्ट
(C) जी.के. जिफ (D) जॉन फ्राइडमेन
21. ट्रक कृषि तथा कारखाना कृषि के क्रमशः प्रमुख उत्पादकों की पहचान कीजिए—
(A) सब्जियाँ और टिम्बर लकड़ी
(B) मक्का और मांस
(C) सब्जियाँ और कुक्कुट उत्पाद
(D) फूल और फल
22. निम्नलिखित में कौनसा देश द्यूलिप पुष्प उत्पादन में विशिष्टीकरण रखता है?
(A) नीदरलैंड (B) डेनमार्क
(C) न्यूजीलैंड (D) लेबनान
23. निम्नलिखित स्थानिक बीमारियों और क्षेत्रों के युग्म पर विचार कीजिए—
1. अतिपात मस्तिष्क शोध लक्षण—पश्चिमी उत्तर प्रदेश
2. लाथाइरस—छोटा नागपुर पठार
3. फ्लोरोसिस—गंगा के मैदान
4. घेघा—हिमालयी प्रदेश
सही युग्म का चयन कीजिए—
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 2 और 4
(D) केवल 1 और 3
24. निम्नलिखित से कौनसा सीमान्त क्षेत्र और सीमा के बीच विभेदक प्रतिमान क्रिस्टोफ द्वारा प्रस्तावित नहीं है?
(A) सीमान्त क्षेत्र बहिरोन्मुख होते हैं, जबकि परिसीमाएं अन्तर-उन्मुख होती हैं
(B) सीमान्त क्षेत्र क्षेत्रफलीय हैं और परिसीमाएं रेखीय प्रकृति की होती हैं
(C) सीमान्त क्षेत्र में केन्द्रापसारी बल का प्रकटीकरण है, जबकि परिसीमा केन्द्राभिसारी हैं
(D) सीमान्त क्षेत्र राज्यों के बीच एक समेकन कारक हैं, परिसीमा इसके विपरीत एक पृथक्कारी कारक हैं
25. निम्नलिखित में से कौनसी जानकारी राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर, भारत की जनगणना, 2011 में नहीं संग्रहित है?
(A) जन्म दिनांक (B) शैक्षिक स्तर
(C) लिंग (D) आधार संख्या
26. अग्रलिखित में से कौनसा पवित्र बौद्ध धर्म का स्थल सबसे पूर्व देशांतर पर स्थित है?
(A) सारनाथ (B) बोधगया
(C) श्रावस्ती (D) राजगृह
27. निम्नलिखित में से कौनसा जिला और मुख्य जनजातीय समूह का युग्म सही है?
(A) सावरकांठा-संथाल
(B) तवांग-अदी
(C) बीदर-भील
(D) बीरभूस-गोंड
28. निम्नलिखित में से किसमें त्रिकोणमिति के सिद्धान्त दिए गए हैं?
(A) रिहला
(B) ज्योग्राफिया जनरेलिस
(C) सूर्य सिद्धान्त
(D) एन्थ्रोपोज्योग्राफी
29. निम्नलिखित में से किसे सूर्यग्रहण के पूर्वानुमान तथा जल आधारित ब्रह्मांड विज्ञान के लिए याद किया जाता है?
(A) थैल्स (B) होमर
(C) अनाक्सिमेंडर (D) हिकेटियस
30. अंग्रेजी के "ज्योग्राफी शब्द में से 'जीई' (Ge) को छोड़ने" का आरोप निम्नलिखित में से किस पर लगाया जाता है?
(A) गुयोट (B) रिटर
(C) हार्टशॉर्न (D) हम्बोल्ट
31. 'स्थलीय समग्र' का सिद्धान्त निम्नलिखित में से किस विशेषज्ञ ने दिया था?
(A) हार्टशॉर्न (B) ब्लॉश
(C) आर.पी. मिश्रा (D) आर.एल. सिंह
32. निम्नलिखित में से कौनसा कथन पियर्सन उत्पादन-चरण सहसम्बन्ध गुणांक 'r' के बारे में सही नहीं है?
(A) 'r' सामान्यतया उस मात्रा की माप है जिसमें दोनों चर एक साथ परिवर्तित होते हैं
(B) 'r' नामिक और क्रमिक माप पर मापित दो चरों के बीच सम्बन्ध का आंशिक माप है
(C) 'r' का मान -1.0 और +1.0 के बीच होता है
(D) यदि आँकड़ों में बहिर्वासी हैं, तो 'r' का मान उच्च अप्रमाणिक हो सकता है
33. प्रकीर्ण का कौनसा प्रकार लालिमापूर्ण सूर्यास्त के लिए उत्तरदायी है?
(A) रैले (B) मी
(C) अचयनात्मक (D) विसरण
34. दो सड़क प्रतिच्छेदनों के बीच मापित दूरी फोटोग्राफ पर 10 मिमी और मानचित्र पर 50 मिमी प्रदर्शित की गई है. यदि मानचित्र का आर.एफ. (प्रदर्शित भिन्न) 1 : 50,000 है, तो फोटोग्राफ का मापक कौनसा है?
(A) 1 : 50000 (B) 1 : 250000
(C) 1 : 100000 (D) 1 : 25000
35. निम्नलिखित में कौनसा वक्र पृथ्वी के भूभाग/भूखंड और समुद्र तल क्षेत्र के अनुपात को प्रदर्शित करता है?
(A) तुंगतामापिक वक्र
(B) लॉरिन्ज वक्र
(C) हाइटोग्राफ वक्र
(D) उच्चतादर्शी (हिप्सोग्राफिक) वक्र
36. निम्नलिखित में से कौनसी एक नदी और उससे जुड़ी परियोजनाएं नदी के ऊपरी भाग से निचले भाग की ओर सही क्रम में परियोजनाओं के स्थान के अनुसार सुमेलित है?
(A) नर्मदा नदी : आंकारेश्वर बाँध-नर्मदा सागर बाँध-सरदार सरोवर बाँध
(B) चम्बल नदी : गांधी सागर-जवाहर सागर-राणाप्रताप सागर
(C) सतलुज नदी : नाथपा झाकरी-हरिके बैराज-भाखड़ा बाँध
(D) दामोदर नदी : तेनु घाट-पंचेत-दुर्गापुर बराज
37. कोपेन के भारत के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार अरुणाचल प्रदेश का अधिकतम भाग निम्नलिखित में से किस वर्णाक्षर समूह द्वारा प्रदर्शित किया जाता है?
(A) Cwg (B) ET
(C) Aw (D) Dfc
38. निम्नलिखित में से किस नदी का अपवाह बेसिन क्षेत्र सबसे बड़ा है?
(A) कावेरी (B) चम्बल
(C) नर्मदा (D) सतलुज
39. भारत में निम्नलिखित में से कौनसा इस्पात संयंत्र कोयला खादानों के निकट स्थित है?
(A) राउरकेला (B) भद्रावती
(C) बोकारो (D) भिलाई
40. निम्नलिखित में से किस टकराव (भिडंत) क्षेत्र में प्लेटें स्थायी रूप में जुड़ जाती हैं तथा इसके अतिरिक्त कोई विवर्तनिक क्रिया नहीं घटित होती है?
(A) अपसारी मंडल
(B) क्षेपण मंडल
(C) महाद्वीपीय भ्रंश
(D) रूपान्तर मण्डल
41. निम्नलिखित में कौनसे कथन भूकम्पीय तरंगों के बारे में सही हैं?
1. पी (P) तरंग का वेग अनुप्रस्थ शैल के संकुचन की विकृति तथा घनत्व पर निर्भर करता है.

2. पी तरंग एस तरंग की तुलना में तीव्रगति से गतिमान होती हैं।
3. एल (L) तरंग टेढ़े मेढ़े पथ का अनुगमन करती हैं तथा पी और एस तरंगों के बाद पहुँचती हैं।
4. एस तरंग का वेग अनुप्रस्थ शैल के घनत्व और प्रतिरोधकता पर निर्भर करता है
- नीचे दिए गए विकल्पों में से उत्तर का चयन कीजिए—
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 3 और 4
(C) केवल 1 और 3
(D) केवल 2 और 3
42. निम्नलिखित में कौनसा/से कथन प्लेट विवर्तनिकी के बारे में सही है/हैं?
1. प्लेट विवर्तनिकी भूतल के स्थलाकृतिक लक्षणों के निर्माण का मुख्य बल है।
2. मध्य महासागरीय कटक गहरे अभिकेन्द्रित भूकम्पों वाली विध्वंसक प्लेट सीमा रेखा है।
3. रेडियो सक्रियताजन्य (रेडियोजेनिक) ऊष्मा प्लेट विवर्तनिका के पीछे निहित बल है।
4. शैल विखंडित होकर खंडित तल के साथ गति करती हैं जिसे वलन कहा जाता है।
- नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
- (A) केवल 1
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 और 4
(D) केवल 2 और 3
43. निम्नलिखित कथनों में से सही कथनों की पहचान कीजिए—
1. उत्तरी पश्चिमी हिमालयी राज्य भूकम्प और भूस्खलन से अधिक सुभेद हैं।
2. हिमालय पर्वत श्रृंखला में ज्वालामुखी प्रस्फुटन की सम्भावना अधिक है।
3. आजकल भूकम्प का पूर्वानुमान सम्भव है।
4. मानवजनिक गतिविधियाँ हिमालयी राज्यों में भू-आकृतिक खतरों को त्वरित कर रही हैं।
- नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त का चयन कीजिए—
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) केवल 1 और 4
44. बाढ़ में कमी लाने के लिए निम्नलिखित में से कौनसा/कौनसे गैर-संरचनात्मक उपाय/उपायों को प्रयुक्त किया जाता है?
1. आर्द्र भूमि को बनाए रखना।
2. तटबंधों और बाढ़रोधी दीवारों के निर्माण द्वारा तट/किनारे से ऊपर अतिवाह की रोकथाम।
3. बाढ़ के बारे में भविष्यवाणी और चेतावनी सेवाएं।
4. आपदा राहत, बाढ़ का प्रतिरोध करना और सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय।
- नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) केवल 1, 3 और 4
45. निम्नलिखित में से कौनसे ऑर्गेनिक अणु हैं, जिनमें नाइट्रोजन समाविष्ट होता है?
1. ऐमिनो अम्ल 2. ओजोन
3. पेप्टाइड्स 4. प्रोटीन
5. कार्बन मॉनोक्साइड
- नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1, 3 और 4
(D) केवल 1, 4 और 5
46. भारत की जनगणना, 2011 के अनुसार, कार्य स्थिति की भिन्न श्रेणियों को निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प सही ढंग से प्रस्तुत करता है?
1. 0-3 माह 2. 3-6 माह
3. 0-60 माह 4. 6-12 माह
5. 1-2 वर्ष
- नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
- (A) केवल 1, 2, 4, 5
(B) केवल 3, 4, 5
(C) केवल 2, 4, 5
(D) केवल 1, 2, 4
47. किसी नगर की नगरीय आकारिकी की विशेषताओं को निम्नलिखित में से कौनसे लक्षण सही ढंग से प्रस्तुत करते हैं?
1. नगरों की आन्तरिक संरचना एवं नगरों का विन्यास।
2. नगर में मार्गों एवं भवनों का विन्यास।
3. किसी क्षेत्र/जनपद के भीतर प्रकार्यात्मक खण्ड।
4. देश/क्षेत्र के विकास का इतिहास।
5. नगरों में भूमि उपयोग नियोजन।
- नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
- (A) केवल 1, 2, 3, 4
(B) केवल 1, 2, 3, 5
(C) केवल 1, 2, 5
(D) केवल 1, 2, 4, 5
48. निम्नलिखित में कौनसे कथन सही हैं?
1. कॉफी दक्षिणी इथोपियन उच्च भूमि का मूल पौधा है।
2. शीतोष्ण अक्षांशों के शुष्क तथा गर्म प्रदेशों में मुख्यतः मेरिनो भेड़ों को रखा जाता है।
3. रेशम उद्योग को प्रभावित करने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक सस्ते महिला श्रमिकों की उपलब्धता है।
4. कॉफी के तीन प्रमुख प्रकारों में, रोबुस्टा कॉफी का विश्व व्यापार में सर्वाधिक महत्व है।
5. कॉफी में टेनिन अम्ल होता है।
- नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
- (A) केवल 1, 3 और 4
(B) केवल 1, 2 और 3
(C) केवल 2, 4 और 5
(D) केवल 3, 4 और 5
49. निम्नलिखित में से कौनसे मापक संयुक्त राष्ट्र मानव विकास सूचकांक (HDI) में सम्मिलित हैं?
1. प्रति व्यक्ति आय
2. साक्षरता
3. जीवन प्रत्याशा
4. शिशु मृत्यु दर
5. प्रति व्यक्ति ऊर्जा उपभोग
- नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
- (A) केवल 1, 2, 5
(B) केवल 1, 4, 5
(C) केवल 1, 2, 3
(D) केवल 1, 3, 4
50. प्रतिगामी विश्लेषण की निम्नलिखित पूर्वधारणाओं पर विचार कीजिए—
1. निर्भर चर के मूल्य (मानों) का वितरण प्रसामान्य होता है।
2. अवशिष्टों के मूल्यों का वितरण विषम होता है।
3. निर्भर चर का प्रसरण स्वतन्त्र चर के सभी मूल्यों के लिए नियत होता है।
4. अवशिष्टों के मूल्य एक-दूसरे से स्वतन्त्र होते हैं।
- आगे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- (A) केवल 2 और 4
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 1, 3 और 4
(D) केवल 2, 3 और 4
51. भारत में यातायात और अवसंरचना से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों का अवलोकन कीजिए—
1. भारत के सम्पूर्ण सड़क नेटवर्क में राष्ट्रीय राजमार्गों का हिस्सा 2% से भी कम है.
 2. बीआरओ (सीमा सड़क संगठन) ने दुर्गम क्षेत्रों में स्कूल, अस्पताल और हवाई अड्डों की इमारतों जैसी बुनियादी सुविधा के निर्माण के लिए भी परियोजनाएं शुरू की हैं.
 3. भारतीय रेल को संचालन और प्रबन्धन के लिए 16 जोन में विभाजित किया गया है.
 4. एचबीजे (हजीरा-बिजयपुर-जगदीशपुर) पाइपलाइन का निर्माण कच्चे पेट्रोलियम के शोधन के लिए उसकी आपूर्ति भारत के महाद्वीपीय भागों में करने के लिए किया गया है.
- नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
- (A) केवल 1, 2, 3
(B) केवल 2, 3, 4
(C) केवल 1, 3, 4
(D) केवल 1, 2, 4
52. निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही हैं?
1. रेड्डी तमिलनाडु की प्रभुत्वशाली/प्रमुख भूस्वामी जाति है.
 2. हरियाणा और उत्तर प्रदेश में जाट भूमिहीन जाति है.
 3. कुर्मा पूर्वी भारत की कृषि व्यवसायी (कृषक) जाति है.
 4. पटेल पश्चिमी भारत की भूस्वामी जाति है.
 5. नाम्बूदरी केरल के ब्राह्मण हैं.
- नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
- (A) केवल 1, 2, 3
(B) केवल 2, 3, 4
(C) केवल 3, 4, 5
(D) केवल 2, 3, 5
53. भौगोलिक चिंतन में चीन के योगदान के बारे में निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही हैं?
1. चीन के विद्वानों ने आयताकार निर्देशांक प्रणाली के आधार पर मानचित्रकला की वैज्ञानिक विधि को सबसे पहले विकसित किया.
 2. उन्होंने मानसून की आवधिक प्रकृति का विचार सबसे पहले प्रस्तुत किया.
 3. उन्होंने पता लगाया कि अफ्रीका त्रिभुजाकार है जिसका शीर्ष दक्षिण की ओर है, जबकि समकालीन मानचित्रों में इसका शीर्ष सदैव पूर्व की ओर दर्शाया गया था.
 4. उनका मत था कि "भूगोल का सम्बन्ध अलग-अलग पौधों से नहीं, बल्कि पौधों और जीवों के आवरण से है."
- नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
- (A) केवल 2 और 3
(B) केवल 3 और 4
(C) केवल 1 और 2
(D) केवल 1 और 3
54. निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही हैं?
1. नॉलेज प्रोसेसिंग आउटसोर्सिंग (केपीओ) पंचम सेवाओं के अन्तर्गत आती है.
 2. शोध एवं विकास (आर एण्ड डी) गतिविधियाँ और ई-लर्निंग बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) के उदाहरण हैं.
 3. बीपीओ केपीओ से भिन्न है, क्योंकि इसमें उच्च कौशल प्राप्त श्रमिक सम्मिलित होते हैं.
 4. सस्ते और कौशलपूर्ण श्रमिकों की उपलब्धता के कारण भारत जैसे देश में आउटसोर्सिंग आ रही है.
- नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
- (A) केवल 2 और 4
(B) केवल 1 और 4
(C) केवल 1 और 3
(D) केवल 1, 3 और 4
55. निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही हैं?
1. वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार के कुल मूल्य को व्यापार का परिमाण माना जाता है.
 2. व्यापार के परिमाण में केवल वस्तुओं का व्यापार सम्मिलित है.
 3. भारत आसियान (एएसईएन) का संस्थापक सदस्य है.
 4. लागत की दृष्टि से नहीं, वरन् भिन्न-भिन्न कारणों से अलग-अलग कीमत पर किसी वस्तु को दो देशों में विक्रय करने की प्रथा को डम्प करना कहा जाता है.
- नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
- (A) केवल 1 और 3
(B) केवल 1 और 4
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) केवल 2 और 4
56. निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही हैं?
1. जीवाश्म ईंधन और परमाणु ईंधन ऊर्जा के अनवीकरणीय स्रोत हैं.
 2. नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोत मुख्यतः प्रकृति की शक्तियाँ हैं, जो संधारणीय हैं और आमतौर पर भारी पर्यावरणीय प्रदूषण पैदा करती हैं.
 3. ऊर्जा का उपयोग मानव-प्रवृत्त जलवायु परिवर्तन में एक प्रमुख योगदानकर्ता है.
 4. परमाणु शक्ति संयंत्रों से ग्रीन हाउस गैसों का शून्य उत्सर्जन होता है.
 5. ऊर्जा के विभिन्न प्रकारों की सापेक्षिक कीमतें माँग को प्रभावित नहीं करतीं.
- नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
- (A) केवल 1, 3 और 4
(B) केवल 1, 4 और 5
(C) केवल 2, 4 और 5
(D) केवल 3, 4 और 5
57. वॉन थ्यूनेन के कृषि अवस्थिति सिद्धान्त के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौनसे कथन सही नहीं हैं?
1. उनके विचार वीवर की आर्थिक लगान की अवधारणा पर आधारित हैं.
 2. संकेन्द्रीय भूमि उपयोग खण्डों में नौसंचालनीय नदी या सिंचाई की सुविधाओं का कोई प्रभाव नहीं होता है.
 3. वास्तविक जीवन में किसान सदैव आर्थिक और तर्कसंगत दृष्टिकोण से निर्णय करते हैं.
 4. ईंधन लकड़ी और टिम्बर लकड़ी के उत्पादन क्षेत्र वैधता खो चुके थे.
 5. एशिया में समरूपी तल सार्वभौमिक हैं.
- नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
- (A) केवल 1, 3 और 5
(B) केवल 1, 2 और 3
(C) केवल 3, 4 और 5
(D) केवल 1, 2, 3 और 5

58. मानव-प्रकृति की अंतःक्रिया के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर ध्यान दीजिए—

1. हिमालयी प्रदेश में चीड (पाईन) के वृक्षों में वन-अग्नि की अधिक सम्भावना होती है.
2. विविध फसलों से एकल फसल (एक फसली) की ओर फसल प्रतिरूप में परिवर्तन से भारत में खाद्य सुरक्षा को खतरा है.
3. मलिन बस्तियों में निवास केवल महानगरों से सम्बन्धित है.
4. रबी और खरीफ की ऋतुओं में गेहूँ और चावल की वैकल्पिक खेती से भूमि में नाइट्रोजन का क्षरण होता है.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- (A) केवल 1, 2 और 3
- (B) केवल 1, 2 और 4
- (C) केवल 2, 3 और 4
- (D) केवल 1, 3 और 4

59. निम्नलिखित वाक्यों पर विचार कीजिए जो अवसंरचना, साक्षरता और भारत के प्राकृतिक संसाधनों से सम्बन्धित हैं—

1. इंदिरा गांधी नहर सतलुज और रावी नदियों के संगम पर हरिके बैराज से निकलती है.
2. प्रभावी (सफल) साक्षरता दर की गणना 5 वर्ष और अधिक आयु की कुल आबादी में से साक्षरों की संख्या से की जाती है.
3. बाघ परियोजना का आरम्भ 1973 में 9 बाघों के संरक्षित अभयारण्य से किया गया था, जो 2018 में बाघों के 50 संरक्षित अभयारण्य तक पहुँच गया है.
4. गुजरात भारत में दूसरा सबसे बड़ा मैंग्रोव वन रखता है.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 3 और 4
- (D) केवल 1 और 3

60. निम्नलिखित में से किन खाइयों की गहराई 10,000 मीटर से कम है?

1. कुरील खाई
2. पूटो रीको खाई
3. जावा खाई
4. टोन्गा खाई

आगे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 2 और 4
- (D) केवल 3 और 4

61. महासागरों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही नहीं हैं?

1. विगत कुछ दशकों से महासागर कम अम्लीय बन गए हैं.
2. पिछली शताब्दी के दौरान समुद्री सतह के तापमान में वृद्धि हुई है.
3. 1880 से समुद्री जल स्तर में एक इंच के लगभग 6/10वें भाग की दर से वृद्धि हुई है.
4. महासागर आगामी वर्षों में कम कार्बन डाइऑक्साइड का भंडारण करेंगे.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 1 और 3
- (C) केवल 2 और 3
- (D) केवल 1 और 4

62. कोरिऑलिस बल के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही हैं?

1. कोरिऑलिस बल पृथ्वी के सापेक्ष सभी गतियों में उपस्थित है.
2. कोरिऑलिस बल भूमध्यरेखा पर अधिकतम व ध्रुवों पर शून्य होता है.
3. कोरिऑलिस बल की शक्ति गति के वेग के साथ परिवर्तित होती है और अक्षांश के साथ घटती भी है.
4. कोरिऑलिस बल के कारण हुए विचलन की मात्रा पृथ्वी के घूर्णन, देशान्तर और वस्तु के अनुसार भिन्न होती है.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 3 और 4
- (D) केवल 1 और 3

63. जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी अध्ययनों के लिए निम्नलिखित में से कौनसे प्रॉक्सी आँकड़ों के स्रोत हैं?

1. ऐतिहासिक दस्तावेज
2. समुद्रतलीय अवसाद
3. उपग्रही डेटा
4. जीवाश्मी पराग

आगे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- (A) केवल 1 और 3
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 1, 2 और 4
- (D) केवल 3 और 4

64. भूमंडलीय तापन के प्रभावों के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही हैं?

1. भूमंडलीय तापन के कारण माना जाता है कि भविष्य में उष्णता लहरों में वृद्धि हो सकती है.
2. उष्णकटिबंधी चक्रवात अधिक प्रबल होंगे.
3. सूखे से प्रभावित क्षेत्र के घटने की सम्भावना है.
4. मॉडल इंगित करते हैं कि कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षण और जल प्रवाह (रन ऑफ) होगा.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- (A) केवल 1 और 3
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 1, 2 और 4
- (D) केवल 1, 3 और 4

65. निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं?

1. उष्णकटिबंधी चक्रवातों की प्रबलता और प्रायिकता में वृद्धि हो रही है, परन्तु आर्थिक क्षति घट रही है.
2. अरब सागर की अपेक्षा बंगाल की खाड़ी में अधिक उष्णकटिबंधी चक्रवात आते हैं.
3. प्रशांत महासागर में विकसित चक्रवाती तन्त्रों का दक्षिणी-पूर्वी एशिया पर प्रभाव पड़ता है.
4. 5 से 22 घंटों के भीतर चक्रवात के प्रबल हो जाने के कारण इसके मार्ग का पूर्वानुमान लगाना, कठिन हो जाता है.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 3
- (C) केवल 1, 2 और 3
- (D) केवल 2, 3 और 4

66. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए—
सूची-I (ज्वालामुखी विस्फोट के प्रकार)

- (a) पेलियन प्रकार
- (b) हवाईयन प्रकार
- (c) स्ट्रॉम्बोलियन प्रकार
- (d) वल्कानियन प्रकार

सूची-II (विशेषताएं)

1. अधिक द्रवित बेसाल्टिक लावा निस्सरण तथा शान्त प्रकृति

2. कम द्रवित बेसाल्टिक लावा और जो विस्फोटक प्रकृति का होता है
3. श्यान लावा जो हवा के सम्पर्क में आने के बाद द्रवावस्था में नहीं रहता है
4. अत्यधिक श्यान लावा जो प्रचण्ड रूप में होता है

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

| | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-----|-----|-----|-----|
| (A) | 4 | 1 | 2 | 3 |
| (B) | 4 | 2 | 1 | 3 |
| (C) | 4 | 2 | 3 | 1 |
| (D) | 2 | 1 | 4 | 3 |

67. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए—

सूची-I (शब्दावली)

- (a) इथोलॉजी (आचारशास्त्र)
- (b) पारिस्थितिकी विज्ञान
- (c) हेक्सिकोलॉजी
- (d) पारिस्थितिक नीचे (Niche)

सूची-II (रचित किया गया/पहली बार प्रयुक्त किया)

1. अर्नस्ट हैकेल
2. सेंट जॉर्ज जैकसन मिवार्ट
3. जे ग्रिनेल
4. आइसोडोर जियोफ्री सेंट हिलैरी

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

| | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-----|-----|-----|-----|
| (A) | 1 | 4 | 2 | 3 |
| (B) | 4 | 1 | 2 | 3 |
| (C) | 4 | 2 | 1 | 3 |
| (D) | 1 | 3 | 4 | 2 |

68. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए—

सूची-I (पर्यावरणीय नैतिकता के बारे में उपागम)

- (a) नृकेंद्रिकवाद
- (b) जीवकेंद्रिकवाद
- (c) पारिस्थिक केंद्रिकवाद (इकोसेन्ट्रीज्म)
- (d) सामाजिक पारिस्थितिकी

सूची-II (अर्थ)

1. इसमें माना जाता है कि सामाजिक पदानुक्रम उन व्यवहारों से सीधे जुड़े होते हैं, जो पर्यावरणीय विनाश का मार्ग प्रशस्त करते हैं.
2. इसमें माना जाता है कि पर्यावरण प्रत्यक्ष नैतिक महत्व के योग्य है और न कि महत्व, जो मानव या पशु की रुचियों से प्राप्त किया जाता है.
3. इसमें माना जाता है कि समस्त पर्यावरणीय उत्तरदायित्व केवल

मानव रुचियों से प्राप्त किया जाता है.

4. इसमें माना जाता है कि जीवन के सभी रूपों को अस्तित्व का अंतर्भूत अधिकार है.

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

| | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-----|-----|-----|-----|
| (A) | 3 | 1 | 4 | 2 |
| (B) | 3 | 4 | 2 | 1 |
| (C) | 3 | 4 | 1 | 2 |
| (D) | 2 | 1 | 4 | 3 |

69. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए—

सूची-I (प्रदेश के प्रकार)

- (a) नियोजन प्रदेश
- (b) औपचारिक प्रदेश
- (c) नोडल प्रदेश
- (d) बोलोगत प्रदेश (वर्नाकुलर रीजन)

सूची-II (उदाहरण)

1. महानगरीय प्रदेश
2. एन.सी.आर.
3. मध्य-पूर्व
4. जलवायु प्रदेश

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

| | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-----|-----|-----|-----|
| (A) | 1 | 2 | 3 | 4 |
| (B) | 4 | 2 | 1 | 3 |
| (C) | 2 | 4 | 1 | 3 |
| (D) | 2 | 3 | 4 | 1 |

70. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए—

सूची-I [प्रादेशिक समूह (ब्लॉक)]

- (a) आशियान (एएसएएन)
- (b) ईयू
- (c) ओपेक (ओपीईसी)
- (d) सार्क (एसएएआरसी)

सूची-II

1. काठमांडू
2. जकार्ता
3. वियना
4. ब्रुसेल्स

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

| | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-----|-----|-----|-----|
| (A) | 4 | 3 | 1 | 2 |
| (B) | 4 | 2 | 3 | 1 |
| (C) | 2 | 3 | 4 | 1 |
| (D) | 2 | 4 | 3 | 1 |

71. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए—

सूची-I (संकल्पना)

- (a) वर्जना
- (b) संस्कृति
- (c) आदत
- (d) प्रथा

सूची-II (विशेषताएं)

1. किसी कार्य की बार-बार पुनरावृत्ति, ताकि वह उस कार्य को करने वाले लोगों का लक्षण बन जाए.
2. किसी व्यक्ति द्वारा कार्य की पुनरावृत्ति.
3. सामाजिक परम्परा द्वारा व्यवहार पर रोक लगाना.
4. सामाजिक मापदण्ड, विश्वास तथा भौतिकता लक्षणों का एक समूह जो लोगों की एक विशिष्ट परम्परा बनाती है.

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

| | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-----|-----|-----|-----|
| (A) | 2 | 4 | 3 | 1 |
| (B) | 3 | 4 | 2 | 1 |
| (C) | 2 | 1 | 3 | 4 |
| (D) | 3 | 1 | 2 | 4 |

72. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए—

सूची-I (विचारक)

- (a) शेफर
- (b) राइट
- (c) बंगे
- (d) हैटनर

सूची-II (योगदान/विचार)

1. जनता के लिए योजना की बजाय जनसहयोग के साथ योजना.
2. वितरण के विज्ञान के रूप में भूगोल की आलोचना की.
3. ज्योसोफी.
4. परिघटनाओं के स्थानिक वितरण के लिए नियमों के प्रतिपादन की ओर ध्यानाकर्षण.

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

| | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-----|-----|-----|-----|
| (A) | 1 | 3 | 2 | 4 |
| (B) | 4 | 3 | 1 | 2 |
| (C) | 2 | 3 | 4 | 1 |
| (D) | 3 | 1 | 2 | 4 |

73. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए—

सूची-I (तकनीक/विश्लेषण)

- (a) काल शृंखला विश्लेषण
- (b) काई स्कायर परीक्षण
- (c) संकुल विश्लेषण
- (d) लॉरेंज वक्र

सूची-II (अनुप्रयोग)

1. सामान्यता समरूपता मॉडल के लिए सर्वाधिक रूप से संस्तुत परीक्षण.
2. एक तर्कसंगत विश्वसनीयता के साथ पूर्वानुमान लगाना.
3. द्विविमीय तलों पर वितरण की तुलना.
4. यह या तो समूहन या विभाजक हो सकता है.

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- | | | | |
|-------|-----|-----|-----|
| (a) | (b) | (c) | (d) |
| (A) 2 | 1 | 4 | 3 |
| (B) 1 | 3 | 2 | 4 |
| (C) 3 | 2 | 4 | 1 |
| (D) 4 | 3 | 1 | 2 |

74. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए—
सूची-I (जीआईएस विश्लेषण कार्य)

- नवीन, न्यून विवरणात्मक श्रेणियों के सृजन के लिए विस्तृत मानचित्र श्रेणियों का संयोजन करना
- एक या एक से अधिक विशेषताओं की विशिष्ट चौड़ाई के परिक्षेत्र का निर्माण करना
- अपवाह बेसिन में धारा प्रवाहों के निर्धारण की अनुमति देना
- विशिष्ट स्थान से स्थलाकृतिक लक्षणों को देखने हेतु दूर्यांकित मानचित्रण की अनुमति देना

सूची-II (जीआईएस संचालन)

- बफरिंग (Buffering)
- नेटवर्क विश्लेषण
- अंतर दृश्यता
- समुच्चयन/समूह

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- | | | | |
|-------|-----|-----|-----|
| (a) | (b) | (c) | (d) |
| (A) 4 | 1 | 2 | 3 |
| (B) 1 | 3 | 4 | 2 |
| (C) 3 | 1 | 2 | 4 |
| (D) 2 | 3 | 1 | 4 |

75. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए—

सूची-I (कोयला खनन क्षेत्र)

- सिंगरेनी
- ईव नदी घाटी
- करनपुरा
- कम्पटी

सूची-II (राज्य)

- महाराष्ट्र
- झारखण्ड
- तेलंगाना
- ओडिशा

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- | | | | |
|-------|-----|-----|-----|
| (a) | (b) | (c) | (d) |
| (A) 3 | 4 | 2 | 1 |
| (B) 2 | 3 | 1 | 4 |
| (C) 1 | 2 | 3 | 4 |
| (D) 4 | 3 | 2 | 1 |

76. निम्नलिखित को उनसे सम्बन्धित वर्ष के अनुसार कालानुक्रम (प्रथम से अंत तक) में व्यवस्थित कीजिए—

- क्योटो प्रोटोकॉल
- ब्रुटलैंड आयोग
- पेरिस समझौता
- एजेन्डा 21

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- | | |
|----------------|----------------|
| (A) 1, 2, 4, 3 | (B) 2, 4, 1, 3 |
| (C) 2, 1, 4, 3 | (D) 1, 4, 3, 2 |

77. वर्ष 2021 में संस्थापित पवन शक्ति में अग्रणी देशों के सही क्रम (अवरोही क्रम) की पहचान कीजिए—

- संयुक्त राज्य अमरीका
- जर्मनी
- चीन
- भारत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- | | |
|----------------|----------------|
| (A) 3, 4, 1, 2 | (B) 1, 3, 2, 4 |
| (C) 3, 1, 2, 4 | (D) 1, 3, 4, 2 |

78. डब्ल्यूटीओ की रिपोर्ट अनुसार वर्ष 2021 में विश्व के सबसे बड़े पण्य (मर्चेन्डाइज) आयातकों का निम्नलिखित में से कौनसा सही अवरोही क्रम है?

- जापान
- जर्मनी
- चीन
- संयुक्त राज्य अमरीका

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- | | |
|----------------|----------------|
| (A) 3, 1, 2, 4 | (B) 4, 3, 1, 2 |
| (C) 3, 4, 2, 1 | (D) 4, 3, 2, 1 |

79. विश्व की निम्नलिखित भाषाओं को उनके बोलने वाले लोगों के प्रतिशत के अनुसार व्यवस्थित (अवरोही क्रम) कीजिए—

- चीनी-तिब्बती
- अफ्रीकी-एशियाई
- भारतीय-यूरोपीय
- द्रविड
- जापानी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- | |
|-------------------|
| (A) 1, 3, 4, 2, 5 |
| (B) 3, 1, 4, 2, 5 |
| (C) 1, 3, 2, 4, 5 |
| (D) 3, 1, 2, 4, 5 |

80. भारत में जनसंख्या स्वास्थ्य नीतियों को कालक्रमानुसार (प्राचीन से नवीन तक) व्यवस्थित कीजिए—

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति
- राष्ट्रीय विरल रोग नीति
- राष्ट्रीय युवा नीति
- राष्ट्रीय निःशक्त व्यक्ति नीति
- राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य नीति

आगे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- | |
|-------------------|
| (A) 3, 4, 5, 1, 2 |
| (B) 5, 4, 3, 1, 2 |
| (C) 4, 3, 5, 1, 2 |
| (D) 5, 4, 1, 3, 2 |

81. राजनीतिक भूगोल की निम्नलिखित अवधारणाओं/संकल्पनाओं को पुरातन से नवीनतम के कालाक्रम में व्यवस्थित कीजिए—

- हार्टशोर्न का राजनीतिक भूगोल में कार्यात्मक उपागम.
- स्पाइकमेन का रिमलैंड का सिद्धान्त.
- मूडीज का सीमान्त क्षेत्र और सीमा रेखा की संकल्पना.
- मैकिंडर की हृदयस्थल की अभिधारणा.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- | | |
|----------------|----------------|
| (A) 1, 3, 2, 4 | (B) 4, 2, 1, 3 |
| (C) 4, 1, 3, 2 | (D) 3, 4, 2, 1 |

82. निम्नलिखित उपागमों को कालक्रमानुसार रखिए—

- नारीवाद
- मात्रात्मक क्रान्ति
- व्यवहारवाद
- निश्चयवाद

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- | | |
|----------------|----------------|
| (A) 1, 3, 2, 4 | (B) 2, 3, 1, 4 |
| (C) 4, 2, 3, 1 | (D) 3, 1, 4, 2 |

83. पृथ्वी संसाधनों के विद्युत् चुम्बकीय दूर संवेदी अवयवों को अनुवर्ती क्रम में संयोजित कीजिए—

- वायुमण्डल से होते हुए ऊर्जा का प्रसार.
- ऊर्जा स्रोत.
- वायुमण्डल से होते हुए ऊर्जा का पुनः प्रसारण.
- भूतल लक्षणों के साथ ऊर्जा अनुक्रियाएं.
- संवेदकों द्वारा आँकड़ों का अभिज्ञान, रिकॉर्ड करना और भूस्टेशनों को प्रसारित करना.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- | | |
|-------------------|-------------------|
| (A) 1, 2, 3, 4, 5 | (B) 2, 1, 4, 3, 5 |
| (C) 3, 4, 1, 2, 5 | (D) 5, 4, 3, 2, 1 |

84. भारत की निम्नलिखित विकास योजनाओं को उनके प्रारम्भ के क्रम में व्यवस्थित कीजिए—

- मरुस्थल विकास कार्यक्रम
- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
- दामोदर वैली कॉर्पोरेशन
- समेकित ग्रामीण विकास कार्यक्रम
- बाढ़ प्रभावित क्षेत्र कार्यक्रम

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- (A) 3, 5, 4, 1, 2 (B) 5, 4, 3, 2, 1
(C) 4, 1, 2, 3, 5 (D) 3, 4, 1, 5, 2

85. निम्नलिखित राज्यों को कुल भौगोलिक क्षेत्र के प्रतिशत भाग के आधार पर अवरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए—

1. उत्तराखण्ड
2. पश्चिम बंगाल
3. ओडिशा
4. केरल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- (A) 1, 3, 2, 4 (B) 4, 1, 3, 2
(C) 3, 1, 2, 4 (D) 4, 3, 1, 2

86. नीचे दो कथन दिए गए हैं। एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है, तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में—

अभिकथन A : आर्थिक गतिविधि की बढ़ती जटिलता और विविधता जनसंख्या वितरण की असमानता को प्रोत्साहित करती है।

कारण R : आर्थिक गतिविधि पर सरकार का बढ़ता नियंत्रण एक महत्वपूर्ण उभरता कारक है, जो जनसंख्या प्रतिमान को प्रभावित करता है।

उपर्युक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए—

- (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) A सही है, लेकिन R सही नहीं है।
(D) A सही नहीं है, लेकिन R सही है।

87. नीचे दो कथन दिए गए हैं। एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है, तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में—

अभिकथन A : फुटपाथ पर वृक्ष की गहरी परछाइयों को स्वचालित बिम्ब वर्गीकरण प्रक्रिया में जल के रूप में गलत वर्गीकृत किया जा सकता है।

कारण R : दृश्य अनुदैर्घ्य बिम्ब में छायाओं के अन्दर निहित वस्तुएँ पूर्णतः प्रदीप्त स्थिति की तुलना में अधिक काली और नीली दिखाई देंगी।

उपर्युक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

(B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

- (C) A सही है, लेकिन R असत्य है।
(D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

88. नीचे दो कथन दिए गए हैं—

कथन I : दक्कन पठारी प्रदेश में गन्ने की खेती भारत के उत्तरी प्रदेशों की अपेक्षा अधिक लाभकारी है।

कथन II : भारत के गन्ना उत्पादक उत्तरी प्रदेशों में स्थित चीनी मिलों की संख्या कम है।

उपर्युक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए—

- (A) कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(B) कथन I और II दोनों असत्य हैं।
(C) कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
(D) कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

89. नीचे दो कथन दिए गए हैं—

कथन I : एक पारिस्थितिक तन्त्र (इकोसिस्टम) में खनिजों का संचलन एकदिशीय होता है।

कथन II : एक पारिस्थितिक तन्त्र में ऊर्जा का संचलन चक्रीय होता है।

उपर्युक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- (A) कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(B) कथन I और II दोनों असत्य हैं।
(C) कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
(D) कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

90. नीचे दो कथन दिए गए हैं—

कथन I : राज्य को इस प्रकार पारिभाषित किया जा सकता है—राज्य भौगोलिक रूप से जनसंख्या संयोजित क्षेत्र है, जिसमें सम्पूर्ण क्षेत्र के आंशिक नियन्त्रण हेतु एक सरकार होती है।

कथन II : राज्य वह मानव समुदाय है, जो किसी क्षेत्र विशेष के अन्तर्गत भौतिक बलों के वैध प्रयोग के एकाधिकार का दावा करता है।

उपर्युक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

- (A) कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(B) कथन I और II दोनों असत्य हैं।
(C) कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
(D) कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

निर्देश—गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

बागवानी उत्पादों में अंगूर, आम, संतरे, केले और सेब आदि अधिक निर्यात सम्भावित उत्पाद हैं। महाराष्ट्र से खाड़ी देशों के लिए अंगूर का निर्यात एक उत्साहजनक विशेषता प्रवृत्ति है। अधिकांश बागवानी उत्पादों के सम्मुख मुख्य समस्या फसल पकने के समय उत्पाद की अधिकता है। इन उत्पादों की संरक्षण सम्बन्धी प्रौद्योगिकी और विपणन/उपभोक्ता केन्द्रों तक उनकी शीघ्र सुपुर्दगी की आवश्यकता है। वस्तुतः बागवानी हेतु कृषि योजना में सरकार से बेहतर कार्य की अपेक्षा है। ब्राजील और अमरीका के बाद भारत विश्व में तीसरा बड़ा फल उत्पादक देश है, परन्तु यह अपने कुल उत्पादन के मात्र 0.5 प्रतिशत भाग का प्रसंस्करण करता है, जबकि ब्राजील 70 प्रतिशत भाग का प्रसंस्करण करता है और इस कारण ₹ 3,000 करोड़ के फल और सब्जियाँ बर्बाद हो जाती हैं। अतः उनमें कवकों से प्राकृतिक प्रतिरक्षा सम्बन्धित आनुवांशिक अभियान्त्रिकी के प्रयोग द्वारा इसे रोका जा सकता है। चिटिनेस जीन को टमाटर, आलू सलादों और अन्य पौधों में अंतर्वेशित करके उनकी ताज़गी बाजारों तक पहुँचने तक सुनिश्चित की जाती है और धूम्रीकरण पर होने वाले लाखों रुपए के व्यय की बचत की जाती है।

राधवन (1992) ने आबादी की पौष्टिकता जरूरतों की पूर्ति हेतु फल उत्पादन में 50 प्रतिशत और सब्जी में 100 प्रतिशत की वृद्धि करने का सुझाव दिया है। इसके अलावा 3 मिलियन हेक्टेयर सिंचित भूमि में 2000 मॉडल बागवानी उत्पादन एवं प्रसंस्करण केन्द्रों की स्थापना के द्वारा 25% अतिरिक्त निर्यात की वृद्धि के लक्ष्य को पूरा करना होगा। इससे तीन मिलियन किसानों को उत्पादन में ₹ 18,000 प्रति हेक्टेयर का लाभ होगा और सालभर इतनी संख्या में रोजगार सृजित होंगे और कुल छः मिलियन परिवार गरीबी रेखा से बाहर आएंगे।

91. निम्नलिखित में से कौनसा कथन बागवानी उत्पादों के बारे में सही है?

- (A) अधिकांश कृषि उत्पाद फसल उगाते समय अधिक उत्पाद की समस्या का सामना करते हैं।
(B) अधिकांश कृषि उत्पाद बोने के समय कृष्णिका (बन्ट) की समस्या का सामना करते हैं।
(C) अधिकांश सब्जी उत्पाद कटाई के समय धब्बे की समस्या का सामना करते हैं।
(D) अधिकांश बागवानी उत्पाद फसल कटाई के समय अधिक उत्पाद की समस्या का सामना करते हैं।

92. चिटिनेस जीवन किसको सुनिश्चित करने के लिए टमाटर और आलू में अंतर्वेशित किया जाता है?

1. ताज़गी
2. संरक्षण पर धनराशि की बचत
3. कीमत नियंत्रण
4. भार में कमी रोकना

दिए गए विकल्पों में से कौनसे सही है?

- (A) 1 और 2 केवल
- (B) 2 और 3 केवल
- (C) 1 और 4 केवल
- (D) 2 और 4 केवल

93. निम्नलिखित में कौनसा बागवानी उत्पादों के संरक्षण हेतु आवश्यक कदम नहीं है?

- (A) विपणन क्षेत्र तक पहुँच
- (B) संरक्षण प्रणाली
- (C) परिवहन का तीव्र माध्यम
- (D) बाज़ार का बड़ा आकार

94. भारत में किसको सुनिश्चित करने हेतु बागवान उत्पाद संरक्षण की आनुवंशिक अभियान्त्रिकी की आवश्यकता है?

- (A) कवकों के विरुद्ध कृत्रिम प्रतिरोधकता
- (B) आधिक्यता के नुकसान के विरुद्ध प्राकृतिक प्रतिरक्षा
- (C) रस्ट रोग की कृत्रिम प्रतिरक्षा
- (D) कवकों के विरुद्ध प्राकृतिक प्रतिरक्षा

95. फल उत्पादन में 50% की वृद्धि और सब्जी उत्पादन में 100% की वृद्धि किस रूप में लाभकारी होगी?

1. पौष्टिकता आवश्यकता की पूर्ति के लिए
2. प्रजनन पर रोक लगाने के लिए
3. रोजगार के अवसरों में वृद्धि करने के लिए
4. परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने के लिए

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए—

- (A) केवल 1, 3 और 4
- (B) केवल 1, 2 और 4
- (C) केवल 2, 3 और 4
- (D) केवल 1, 2 और 3

निर्देश—(प्रश्न 96-100 तक)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इसके बाद दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

असुरक्षित (अस्वच्छ) जल प्रतिवर्ष लगभग एक अरब व्यक्तियों को रुग्ण बनाता है और सर्वाधिक प्रदूषक उद्योगों के समीपस्थ घरों में रहने के कारण प्रायः निम्न आय वाले समुदाय गैर-अनुपातिक ढंग से

जोखिम में होते हैं। मनुष्यों और पशुओं के अपशिष्ट से रोगजनक जीवाणु तथा वायरस के रूप में जल-जनित पैथोजेन्स संदूषित जल से रुग्णता का एक प्रमुख कारण है। असुरक्षित जल से फैलने वाली बीमारियों में हैजा, जियार्डिया और आंत्र ज्वर (टाइफॉइड) सम्मिलित हैं। अमीर देशों तक में मल-जल शोधन सुविधाओं में दुर्घटना या अवैद्य रूप से निकलने वाले गंदले जल के अलावा खेतों एवं नगरीय क्षेत्रों से जल-अपवाह (रन-ऑफ) जलमार्गों में हानिकारक पैथोजेन्स का योगदान करते हैं। अमरीका भर में प्रतिवर्ष हजारों व्यक्ति लेगोनार रोग (कूलिंग टॉवर्स और पाइप वाटर जैसे जल स्रोतों से आंकुचित निमोनिया का एक गम्भीर रूप) से सरण हो रहे हैं और इसके मामले कैलिफोर्निया से लेकर मैनहट्टन के ऊपरी हिस्से में बढ़ते जा रहे हैं। इस बीच, फ्लॉट और मिशिगन में रहने वाले लोगों की दुर्दशा जहाँ लागत में कटौती के उपाय एवं अत्याधिक पुरानी पड़ चुकी अवसंरचना ने शीशे के संदूषण संकट को उत्पन्न कर दिया है। इस बारे में नितांत दृष्टिपात करने की आवश्यकता दर्शाती है कि हमारे जल में रासायनिक और अन्य औद्योगिक प्रदूषक कितने खतरनाक हैं। यह समस्या फ्लॉट से परे जाती है और यह शीशे से अधिक संकटकारी है, क्योंकि रासायनिक प्रदूषकों की व्यापक रेंज-आसैनिक जैसी भारी धातु एवं पारे से लेकर कीटनाशकों और नाइट्रेट उर्वरक-हमारी जल आपूर्ति में प्रविष्ट कर गए हैं। इनका एक बार अंतर्ग्रहण होने पर ये जीव-विषम कैसर से लेकर हॉर्मोन-विघटन जैसे अनेक स्वास्थ्य मुद्दे उत्पन्न करते हैं और इससे मस्तिष्क के कार्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। विशेषरूप से बच्चे और गर्भवती महिलाएँ जोखिम में हैं। यहाँ तक कि तैरना भी जोखिम भरा है। ईपीए के अनुसार मल-जल भाराक्रांत तटवर्ती जल से 35 लाख प्रतिवर्ष अमरिकी त्वचा पर चकते, पिन्केये, श्वसनीय संक्रमण और हेपैटाइटिस जैसे स्वास्थ्य मुद्दों से आंकुचित होते हैं।

96. फ्लॉट का शीशे का संदूषण संकट किसका एक परिणाम था?

- (A) खेतों से निकलने वाले शीशे
- (B) मानव अपशिष्ट की उच्च मात्रा
- (C) पशु अपशिष्ट की उच्च मात्रा
- (D) लागत में कटौती के उपाय और अत्याधिक पुरानी पड़ चुकी जल अवसंरचना

97. कूलिंग टॉवर्स और पाइप वाटर जैसे जल स्रोतों से आंकुचित (कॉन्ट्रैक्ट) निमोनिया का एक गम्भीर रूप कौनसा रोग है?

- (A) हैजा रोग
- (B) मीनामाता रोग
- (C) लेगोनार रोग
- (D) गियार्डिया

98. निम्न आय वाले समुदाय जल प्रदूषण से उच्च जोखिम में क्यों हैं?

- (A) क्योंकि उनका प्रतिरक्षण क्षमता स्तर निम्न होता है
- (B) क्योंकि उनके घर प्रायः सर्वाधिक प्रदूषक उद्योगों के समीपस्थ होते हैं
- (C) क्योंकि उनकी चिकित्सीय सुविधाओं तक पहुँच नहीं होती
- (D) क्योंकि उनके घर शहरी केन्द्र से दूरतम होते हैं

99. इस गद्यांश के माध्यम से क्या संदेश दिया गया है?

- (A) जल प्रदूषण केवल अल्पविकसित देशों का एक मुद्दा है
- (B) जल प्रदूषण केवल कुछ देशों में होता है
- (C) विकसित देशों में हानिकारक पैथोजेन्स से जल प्रदूषण उत्पन्न नहीं होता है
- (D) उच्च आय वाले देशों में भी जल प्रदूषण एक समस्या है

100. प्रतिवर्ष कितने अमरीकी लोग मल-जल भाराक्रांत तटवर्ती जल से त्वचा पर चकते, पिन्केये, श्वसनीय संक्रमणों और हेपैटाइटिस जैसे स्वास्थ्य मुद्दों से आंकुचित होते हैं?

- (A) 25 लाख
- (B) 35 लाख
- (C) 45 लाख
- (D) 50 लाख

उत्तर व्याख्या सहित

1. (C) पेंडिल एट अल द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार उष्णकटिबंधीय वनों की कटाई का लगभग आधा हिस्सा ब्राजील और इंडोनेशिया में है। इंडोनेशिया में विश्व के 10% उष्णकटिबंधीय वन हैं, एशिया में 60% उष्णकटिबंधीय वन हैं और विश्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अछूता है। ब्राजील में वनों की कटाई की दर दुनिया में सबसे अधिक है, प्रति वर्ष औसतन 12,81,100 हेक्टेयर वन नष्ट हो जाते हैं।

2. (A) प्राकृतिक गैस एक जीवाश्म ईंधन है, जो पृथ्वी की सतह के नीचे पाया जाता है या इसे फ्रैकिंग नामक प्रक्रिया में उत्पादित किया जा सकता है। संयुक्त राज्य अमरीका विश्व का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस उत्पादक देश है। प्राकृतिक गैस का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश रूस था और यह ईंधन का प्रमुख निर्यातक भी है।

3. (D) वेनेजुएला ओपेक (OPEC) ब्लॉक का हिस्सा है। ओपेक (OPEC) एक स्थायी अंतर सरकारी संगठन है, जिसकी

- स्थापना 1960 में हुई थी. वेनेजुएला ओपेक (OPEC) का संस्थापक सदस्य है. इसका गठन पेट्रोलियम नीतियों के समन्वय और एकीकरण के लिए किया गया था.
4. (C) छवि संवर्धन प्रसंस्करण से पहले मूल डेटा की गुणवत्ता और सूचना सामग्री में सुधार करने की प्रक्रिया है. सामान्य प्रथाओं में कंट्रास्ट एन्हासमेंट, स्थानिक, फिल्टरिंग घनत्व, स्लाइसिंग और एफसीसी (FCC) शामिल हैं.
5. (C) यदि फ्रैक्चर के दोनों तरफ कोई हलचल नहीं होती है, तो इसे जोड़ कहा जाता है, लेकिन यदि फ्रैक्चर के एक या दोनों तरफ चट्टान के ब्लॉक हिलते हैं, तो फ्रैक्चर को भ्रंश कहा जाता है. भ्रंशों के साथ अचानक होने वाली हलचलों के कारण चट्टानें टूट जाती हैं और अचानक हिलने लगती हैं, जिससे संगृहीत तनाव ऊर्जा भूकम्प उत्पन्न करने के लिए मुक्त हो जाती है.
6. (A) भ्रंश घाटी का निर्माण विवर्तनिक बलों के कारण होता है. तनाव के कारण केन्द्रीय भाग दो आसन्न भ्रंश खण्डों के बीच नीचे चला जाता है, जिससे एक ग्रैबेन या दरार घाटी बनती है, जिसमें खड़ी दीवारें होंगी. पूर्वी अफ्रीकी भ्रंश घाटी प्रणाली इसका सर्वोत्तम उदाहरण है. रिफ्ट घाटी एक लॉलैंड क्षेत्र है, जो वहाँ बनता है, जहाँ पृथ्वी की टेक्टोनिक प्लेटें अलग हो जाती हैं या दरारें पड़ जाती हैं.
7. (D) सॉल्लिफ्लक्शन एक तेज प्रकार का जन आन्दोलन नहीं है, क्योंकि प्रवाह पूरी तरह से पानी पर निर्भर है, जैसे-पानी की मात्रा बढ़ती है, मिट्टी का आवरण गीला पदार्थ से बदल जाता है और एकजुट ताकत खो देता है. घर्षण बल का कार्य कम हो जाता है, जिससे गुरुत्वाकर्षण ढलान पर अपक्षयित परत को स्थानान्तरित करने में सक्षम हो जाता है. अन्य प्रकार के जन-आन्दोलन की तुलना में सॉल्लिफ्लक्शन एक धीमी प्रक्रिया है.
8. (A) उष्णकटिबंधीय चक्रवात भू-मध्यरेखा के 5° के भीतर कम अक्षांशों में समुद्र पर बनते हैं, जो उष्णकटिबंधीय चक्रवात के विकास के बारे में सही नहीं है. समुद्र के ठंडे तापमान और ठंडी धारा के साथ-साथ व्यापारिक हवाओं की दिशा के कारण पश्चिमी तट पर तूफान

नहीं आते हैं. तूफान के लिए समुद्र का तापमान 79° से अधिक गर्म होना आवश्यक है.

9. (B) कोपेन्स जलवायु वर्गीकरण योजना के अनुसार, शुष्क जलवायु को अर्द्ध-शुष्क क्षेत्रों या स्टेपी के लिए बड़े अक्षर S और रेगिस्तानी क्षेत्रों के लिए W का उपयोग करके उप-विभाजित किया जाता है. शुष्क जलवायु को स्टेपी या अर्द्ध-शुष्क जलवायु (BS) और रेगिस्तानी जलवायु (BW) में विभाजित किया गया है.
10. (D) क्यूम्यलस और क्यूम्यलो-निंबस बादल. क्यूम्यलस बादल तब बनते हैं, जब जमीन या समुद्र के पास की हवा गर्म होती है और गर्म स्टोव के ऊपर पैन में हवा के बुलबुले की तरह ऊपर उठती है. जैसे-हवा ऊपर उठती है, यह फैलती है और ठंडी होती है. जब यह पर्याप्त रूप से ठण्डी हो जाती है, तो जलवाष्प संघनित होकर पानी की बूंदों में बदलने लगती है और ऐसा करने से गुप्त ऊष्मा निकलती है.
11. (A) 'ब्यूफोर्ट स्केल' हवा के वेग का माप है. यह वास्तविक मापों के बजाय अवलोकनों पर आधारित है. आज हवा की गति मापने के लिए इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है. ब्यूफोर्ट द्वारा शुरू की गई पवन शक्ति में 'काई हवा नहीं' के लिए ओ (O) सहित 12 स्तर हैं.
12. (A) सबसे बड़ी शैलफ-आर्कटिक महासागर में साइबेरियाई शैलफ चौड़ाई में 1500 किमी (930 मील) तक फैली हुई है. दक्षिण चीन सागर महाद्वीपीय शैलफ के एक और व्यापक क्षेत्र, सुंडा शैलफ पर स्थित है, जो बॉर्नियो, सुमात्रा और जावा को एशियाई मुख्य भूमि से जोड़ता है.
13. (D) सर्कम-प्रशांत तटरेखा सुनामी हमलों के लिए सबसे अधिक संवेदनशील है. प्रशांत पृथ्वी की सतह के एक-तिहाई से अधिक हिस्से को कवर करता है और पर्वत शृंखलाओं, गहरे समुद्र की खाइयों और द्वीप चापों की एक शृंखला से घिरा हुआ है, जिन्हें 'रिंग ऑफ फायर' कहा जाता है, जहाँ सबसे अधिक भूकम्प आते हैं (कामचटका, जापान, कुरील की लागत से द्वीप, अलास्का और दक्षिण अमरीका).
14. (B) इर्मिंगर धारा एक उत्तरी अटलांटिक महासागरीय धारा है, जो आइसलैंड के दक्षिण-पश्चिमी तट से पश्चिम की ओर

बहती है, यह पूर्वी उत्तरी अटलांटिक के अपेक्षाकृत गर्म और खारे पानी से बना है, जो उत्तरी अटलांटिक बहाव से पोषित होता है, इर्मिंगर धारा उत्तरी अटलांटिक उपध्रुवीय चक्र का हिस्सा है.

15. (A) सूक्ष्म पोषक तत्व वे पोषक तत्व हैं, जिनकी पौधों को चयापचय के लिए कम मात्रा में आवश्यकता होती है. पौधे में मैंगनीज की आवश्यकता 0.1% से कम है. इस प्रकार यह एक सूक्ष्म पोषक तत्व नहीं है.
16. (C) प्रगतिशील जनसंख्या वह है जहाँ मृत्यु दर और जन्म दर अधिक होती है. प्रतिगामी जनसंख्या में मृत्यु दर कम होती है और जन्म दर गिरती है. बेलनाकार आकार के पिरामिडों को 'प्रतिगामी पिरामिड' कहा जाता है. यह एक प्रकार का पिरामिड है, जो अल्प मृत्यु और जन्म दर वाले समाजों का प्रतिनिधित्व करता है. वे आमतौर पर अप्रवासियों के स्वागत के लिए नीतियाँ या बड़े परिवार वाले लोगों के लिए सुविधाएँ स्थापित करते हैं. यह पिरामिड आमतौर पर विकसित देशों में देखा जाता है-उदारहण कनाडा और जापान.
17. (C) प्रतिस्थापन स्तर की प्रजनन क्षमता प्रजनन क्षमता का वह स्तर है जिस पर एक आबादी विकसित देश में एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में खुद को प्रतिस्थापित करती है. प्रतिस्थापन स्तर उर्वरता को हम पुनर्प्राप्त के रूप में ले सकें की प्रजनन क्षमता को प्रति महिला 2.1 बच्चों का औसत यह महिला का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन प्रजनन में प्रत्येक समूह में प्रति 1000 महिला आबादी होती है.
18. (C) संयुक्त राष्ट्र के अनुसार नागरिक पंजीकरण को जीवन, जन्म, मृत्यु, भ्रूण, विवाह, तलाक के साथ-साथ न्यायिक अलगाव, गोद लेने की वैधता और मान्यता को रद्द करने जैसी महत्वपूर्ण घटनाओं की निरन्तर स्थायी और अनिवार्य रिकॉर्डिंग के रूप में परिभाषित किया गया है.
19. (C) पीओ बेसिन (PO Basin) का जल निकासी क्षेत्र 71,327 किमी² है, जिसमें से 70,000 किमी² इटली में है, शेष स्विट्जरलैण्ड में है; 29000 किमी² पीओ मैदान (PO Plain) पर स्थित है, इस बेसिन की आबादी लगभग 17 मिलियन निवासियों की है, जो इटली की आबादी का लगभग 1/3 पीओ

नदी बेसिन (PO river basin) पीने के पानी के लिए प्रसिद्ध है, कृषि भूमि के विशाल हिस्से को पोषण देता है, साथ ही पूरे उत्तरी इटली में जल-विद्युत् ऊर्जा का उत्पादन करता है.

20. (B) एम.ई. हर्स्ट (M.E. Hurst) 'परिवहन और सामाजिक ढाँचे' से जुड़े हैं. यह कनेक्टिविटी में सुधार करता है, जिससे लोग आसानी से यात्रा कर सकते हैं और तेजी से गंतव्य तक पहुँच सकते हैं. यह व्यापार और आर्थिक विकास का समर्थन करने वाली वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही की सुविधा प्रदान करता है, एक मजबूत परिवर्तन प्रणाली स्वास्थ्य, देखभाल, शिक्षा और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुँच भी बढ़ाती है.
21. (C) ट्रक फार्मिंग से तात्पर्य उन स्थानों पर विक्री के लिए की जाने वाली फलों और सब्जियों की व्यावसायिक खेती से है, जहाँ ऐसी फसलें उगाना सम्भव नहीं है. बाजार में बड़े कृषि व्यवसाय फार्मों का वर्चस्व नहीं है, जो अन्य सब्जियों और फलों की फसलों के अलावा टमाटर, स्ट्रॉबेरी और सलाद (ए) उगाते हैं.
22. (A) नीदरलैंड ट्यूलिप फूल उगाने में माहिर है. इसमें कई उद्यान हैं, जिनमें दुनिया के सबसे बड़े फूलों के बगीचों में से एक केउकेनहॉफ भी शामिल है. नीदरलैंड दुनिया में ट्यूलिप बल्ब का सबसे बड़ा उत्पादक है, जो सालाना 4-2 बिलियन बल्ब देता है और आधा निर्यात करता है.
23. (C) लैथिरस अपरिवर्तनीय गैर-प्रगतिशील स्पास्टिक पैरा-पैरेसिस का एक रूप है, जो रीढ़ की हड्डी में खराब समझे जाने वाले अपक्षयी परिवर्तनों से जुड़ा है. घरेलू जानवर, विशेष रूप से घोड़े भी लम्बे समय तक लैथिरस चारा खाने के बाद हिन्द अंग पक्षाघात का विकास करते हैं. इससे मांसपेशियों में अकड़न, मांसपेशियों में ऐंठन, कमजोरी, पैर की मांसपेशियों में पक्षाघात, कमजोर दिल की धड़कन, सांस लेने में कमी, दौरे और मृत्यु हो सकती है. लैथिरस का क्षेत्र छोटा नागपुर पठार है. घेंघा (Goiter) गर्दन के सामने एक गाँठ या सूजन है, जो थायरॉइड की सूजन के कारण होती है. थायरॉइड हमारी गर्दन में मौजूद एक छोटी ग्रंथि है, जो हॉर्मोन बनाती है. घेंघा रोग आमतौर पर गम्भीर नहीं होता है,
- इसकी जाँच जीपा (GP) द्वारा की जानी चाहिए. गण्डमाला के लक्षण यह हैं कि आपकी गर्दन के सामने एक गाँठ, आपके एडम्स एप्ल के ठीक नीचे, आपके गले के क्षेत्र में जकड़न महसूस होना, घबराहट और गर्दन की नसों में सूजन. घेंघा रोग का क्षेत्र हिमालय क्षेत्र है.
24. (B) सीमाएं क्षेत्रीय और सीमाएं रैखिक हैं, क्रिस्टोफ द्वारा सीमाओं और सीमाओं को अलग करने के लिए तैयार नहीं किया गया है. सीमाएं बाहरी उन्मुख होती हैं, क्योंकि उनका ध्यान बाहरी क्षेत्रों की ओर होता है. इसलिए सीमाएं केंद्रापसारक शक्तियों को प्रकट करती हैं, जबकि सीमाएं आन्तरिक-उन्मुख होती हैं और केंद्र सरकारों की इच्छा से बनाई और बनाए रखी जाती हैं.
25. (D) आधार संख्या को राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (NPR), भारत की जनगणना 2011 के हिस्से के रूप में एकत्र नहीं किया जाता है. सभी भारतीय निवासियों के लिए (NPR) के साथ पंजीकरण करना अनिवार्य है, जबकि (UIDAI) के साथ पंजीकरण स्वैच्छिक माना जाता है. आधार धारक को सरकार द्वारा दी जाने वाली कुछ सेवाओं का लाभ उठाने के लिए सक्षम बनाता है. यदि निवासी उन सेवाओं का लाभ उठाना चाहता है, तो उसे आधार के लिए पंजीकरण करना चाहिए.
26. (D) यह 20वें जैन तीर्थंकर मुनिसुव्रत का जन्मस्थान था और यह महावीर और गौतम बुद्ध से निकटता से जुड़ा हुआ है. महावीर और बुद्ध दोनों ने 6वीं और 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व के दौरान राजगीर में अपनी मान्यताओं की शिक्षा दी थी और राजा बिम्बिसार द्वारा बुद्ध को यहाँ एक वन मठ की पेशकश की गई थी.
27. (B) तवांग-आदि प्रमुख जनजातीय समूह था. तवांग में मनोपा लोग रहते हैं. तवांग मठ की स्थापना 5वें दलाई लामा नागवांग लोबसांग ग्यास्तो की इच्छा के अनुसार 1861 में मेराक लामा लोट्रे ग्यास्तो ने की थी और इसके नाम के साथ एक किंवदंती जुड़ी हुई है. आदि अरुणाचल प्रदेश की एक ऐसी जनजाति है, जो 16वीं शताब्दी में दक्षिणी चीन से आई मानी जाती है. वे सुदूर उत्तर में रहते हैं और उनकी अलग-अलग उप-जनजातियाँ हैं, जो कई मायनों और रीति-रिवाजों में एक-दूसरे से भिन्न हैं.
28. (C) सूर्य सिद्धान्त में त्रिकोणमिति के सिद्धान्त शामिल हैं. सूर्य सिद्धान्त खगोल विज्ञान में एक प्राचीन भारतीय ग्रंथ है. कई शास्त्रीय भारतीय कृतियों की तरह, सूर्य सिद्धान्त संस्कृत भाषा में एक कविता है. इसमें चौदह अध्याय और 500 श्लोक हैं. यह संस्कृत की श्लोक छंद शैली में रचित है.
29. (A) ऐसा कहा जाता है कि थेलस ने मिथक की दुनिया और तर्क की दुनिया के बीच एक पुल प्रदान किया था, उन्होंने 16वीं शताब्दी ईसा पूर्व में सूर्य ग्रहण की सटीक भविष्य-वाणी करने के लिए बेबीलोनिया और मिस्रवासियों के खगोलीय रिकॉर्ड का उपयोग किया था. थेलस का मानना था कि पृथ्वी चपटी है और एक लट्टू की तरह पानी पर तैरती है.
30. (C) भूगोल शब्द ग्रीक शब्द Ge (पृथ्वी) से लिया गया है, जिसका अर्थ ग्रेफ (विवरण) है, इसलिए एक अनुशासन के रूप में भूगोल मनुष्य की दुनिया के रूप में पृथ्वी की सतह के वर्णन पर केंद्रित है, इस प्रकार हर्ट्स हॉन (1959) के अनुसार एक अनुशासन के रूप में "भूगोल पृथ्वी की सतह के परिवर्तनशील चरित्र का सटीक, व्यवस्थित और तर्कसंगत विवरण और व्याख्या प्रदान करने से सम्बन्धित है."
31. (B) विडाल डे ला ब्लाचे मानव भूगोल के संस्थापक थे, जिन्होंने 'मानव भूगोल के सिद्धान्त' नामक पुस्तक लिखी थी. इस पुस्तक की प्रमुख सामग्री इस प्रकार है-यह पृथ्वी पर स्थलीय एकता के सिद्धान्त को दर्शाती है.
32. (B) इसका उपयोग तब किया जाता है जब चर मात्रात्मक, निरन्तर होते हैं और उनके बीच का सम्बन्ध रैखिक (सकारात्मक या नकारात्मक) होता है, क्योंकि हमारे मापक पैमाने नाममात्र और क्रमिक होते हैं, हम अन्य प्रकार के डाटा जैसे कि क्रमिक के साथ पियर्सन उत्पाद क्षण सह-सम्बन्ध जैसे पैरामीट्रिक परीक्षण को लागू नहीं कर सकते हैं या नाममात्र डेटा, चर के बीच सम्बन्ध को मापने के अन्य तरीकों का उपयोग किया जाना चाहिए.
33. (A) हालाँकि सूर्यास्त के समय, प्रकाश को वायुमण्डल में आगे बढ़ना पड़ता है. छोटी तरंगदैर्घ्य वाली नीली रोशनी आगे बिखर जाती है, क्योंकि सूर्य का प्रकाश अधिक दूरी से गुजरता है और

हमें लम्बी तरंगदैर्घ्य वाली पीली ओर लाल रोशनी दिखाई देती है। ये प्रभाव रैले के प्रकीर्णन का कारण है।

34. (B) तस्वीर में दो सड़क चौराहों के बीच की दूरी 100 मिमी (mm) और मानचित्र पर 50 मिमी (mm) है।

पैमानों का अनुपात = दूरियों का अनुपात

$$\frac{\text{फोटो का पैमाना}}{\text{मानचित्र का पैमाना}} = \frac{\text{मानचित्र दूरी}}{\text{फोटो दूरी}}$$

$$\frac{\text{फोटो का पैमाना}}{50,000} = \frac{50}{100}$$

$$\boxed{\text{फोटो का पैमाना} = 2,50,000}$$

हवाई फोटो का पैमाना फोटो से बड़ा होता है,

इसलिए यह है—

$$\text{फोटो का पैमाना} = 1 : 2,50,000$$

35. (D) हाइपोमेट्रिक वक्र को हाइपोग्राफिक वक्र के रूप में भी जाना जाता है, पृथ्वी की सतह या उसके कुछ भाग के लिए संचयी ऊँचाई आवृत्ति वक्र, हाइपोमेट्रिक वक्र अनिवार्य रूप से एक ग्राफ है, जो सापेक्ष ऊँचाई के विरुद्ध सापेक्ष क्षेत्र को प्लॉट करके विभिन्न ऊँचाई पर निकलने वाले भूमि क्षेत्र के अनुपात को दर्शाता है। हिप्साग्राफिक वक्र सम्पूर्ण विश्व में उन्नयन के सांख्यिकीय वितरण का प्रतिनिधित्व करता है।
36. (D) दामोदर नदी—तेगुहाट-पंचेत-दुर्गापुर बैराज DVC के पास चार बाँधों का एक नेटवर्क है—बार्कर नदी पर तिलैया और मैथन, दामोदर नदी पर पंचेत और कोनार नदी पर कोनार, दुर्गापुर बैराज और नहर नेटवर्क को 1964 में पश्चिम बंगाल सरकार को सौंप दिया गया था और जल प्रबन्धन की समग्र व्यवस्था का एक हिस्सा बना रहा।
37. (D) कोप्पेन के भारत के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार अरुणाचल प्रदेश का बड़ा हिस्सा DFC (ठंडी, आर्द्र सर्दियों के साथ छोटी गर्मी) द्वारा दर्शाया गया है।
38. (B) चम्बल नदी का जल निकासी बेसिन क्षेत्र सबसे बड़ा है। चम्बल एक वर्षा जलग्रहण क्षेत्र है, जिसका कुल जल निकास क्षेत्र 1,44,591 वर्ग किलोमीटर (55,827 वर्ग मील) है। इसका जल निकासी क्षेत्र पार्वती और बनास नदियों के कार्य के लिए एक आयत जैसा दिखता है, जिसमें चम्बल अपनी प्रमुख धुरी पर बहती है।

39. (C) दुर्गापुर स्टील प्लांट पश्चिम बंगाल में स्थित है और रानीगंज कोयला क्षेत्र के कोयला-समृद्ध बेसिन में स्थित है। बोकारो स्टील प्लांट झारखण्ड में स्थित है और USSR की मदद से बनाया गया है। ईस्ट बोकारो कोलफील्ड इस प्लांट के नजदीक कोयला क्षेत्र है।

40. (C) महाद्वीपीय सिवनी प्लेटें, बिना किसी अन्य टेक्टॉनिक गतिविधि के स्थायी रूप से एकजुट हो जाती हैं, बल्कि दो महाद्वीपीय प्लेटों के बीच टकराव होता है, जो सीमा पर चट्टान को कुचलता और पर्वत श्रृंखलाओं के निर्माण की ओर ले जाता है।

41. (D) जब भूकम्प आता है, तो यह ऊर्जा तरंगें छोड़ता है जिन्हें भूकम्पीय तरंगें कहा जाता है। P तरंगें पृथ्वी की सतह से टकराने वाले पहली तरंगें हैं और S तरंगों के बाद आती हैं। P तरंगें 1.5 से 13 किमी प्रति सेकण्ड की गति सीमा में यात्रा करती हैं। एल (L) तरंगें ज़िग-ज़ैग पथ का अनुसरण करती हैं और पी (P) और एस (S) तरंगों की तुलना में बाद में आती हैं।

42. (B) टेक्टोनिक शब्द ग्रीक शब्द टेक्टन से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'निर्माता'। विमान टेक्टोनिक्स पृथ्वी की सतह की स्थलाकृतिक विशेषताओं के निर्माण के पीछे प्रमुख ताकतें हैं। पहाड़ों का निर्माण करने के लिए भूमि का उत्थान आमतौर पर टेक्टोनिक प्लेटों की टक्कर के कारण होता है, जो लाखों वर्षों से पृथ्वी के अन्दर तत्वों के रेडियोधर्मी क्षय और पृथ्वी के गठन से बचे हुए अवशिष्ट गर्मी से उत्पन्न होता है। यह गर्म प्लेट टेक्टोनिक्स और रॉक चक्र के कुछ हिस्सों को प्राप्त करती है।

43. (D) हिमालय का परिदृश्य भूस्खलन और भूकम्प के प्रति संवेदनशील है, जो भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के टकराव के कारण बनता है, पूर्व की उत्तर की ओर की गति चट्टानों पर लगातार दबाव डालती है, जिससे वे कमजोर हो जाती हैं और भूस्खलन और भूकम्प का कारण बनती हैं। मानवजनित गतिविधियाँ हिमालयी राज्यों में भू-भौगोलिक खतरों को बढ़ा रही हैं, भूस्खलन, अचानक बाढ़ आदि जैसी प्राकृतिक आपदाएं पर्वतीय क्षेत्रों में विशेष रूप से हिमालय में अक्सर होती हैं।

44. (D) सबसे महत्वपूर्ण गैर-संरचनात्मक बाढ़ प्रबन्धन उपाय हैं—खाद्य पूर्वानुमान

और चेतावनी, आर्द्रभूमि बनाए और आपदा राहत, बाढ़ से लड़ना और सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय।

45. (C) प्रत्येक प्रोटीन एसिड अलग-अलग परमाणुओं से बना होता है, लेकिन उन सभी में नाइट्रोजन (N) होता है। अमीनो एसिड के कुल द्रव्यमान के सम्बन्ध में (N) के द्रव्यमान को मापें और एक अनुपात बनाएं जिसमें एक शैलीबद्ध चित्रण दिखाया गया हो कि प्रोटीन अमीनो एसिड श्रृंखलाओं से बना है, जिसमें नाइट्रोजन होता है। कार्बोहाइड्रेट और वसा की तरह ही प्रोटीन में कार्बन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन तत्व होते हैं, लेकिन प्रोटीन एकमात्र मैक्रो पोषक तत्व हैं, जिसमें नाइट्रोजन भी उनकी मूल संरचना के हिस्से के रूप में होता है, बंधन की प्रकृति कार्बोनिल कार्बन और पेप्टाइड बाँध के नाइट्रोजन के बीच पूर्ण मुक्त घूर्णन को रोकती है।

46. (D) सीएम चन्द्रमौली 2011 की भारतीय जनगणना के लिए भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त थे। जनगणना की तारीख 16 भाषाओं में एकत्र की गई थी और प्रशिक्षण मैनुअल 18 भाषाओं में तैयार किया गया था। भारत की जनगणना, 2011 के अनुसार कार्य की स्थिति की विभिन्न श्रेणियाँ हैं : 0-3 महीने, 3-6 महीने और 6-12 महीने।

47. (C) शहरी आकृति विज्ञान शहरी रूपों और समय के साथ परिवर्तन के लिए जिम्मेदार एजेंटों और प्रक्रियाओं का अध्ययन है। शहरी रूप मुख्य भौतिक तत्वों को सन्दर्भित करता है, जो सड़कों, चौराहों (सार्वजनिक स्थान), सड़क ब्लॉकों, भूखण्डों और इमारतों सहित शहर की संरचना और आकार देते हैं। सबसे महत्वपूर्ण नाम देने के लिए निम्नलिखित तत्व शहर की शहरी आकृति विज्ञान की विशेषताओं का सटीक रूप से प्रतिनिधित्व करते हैं—कस्बों की आन्तरिक संरचना और व्यवस्था, शहर में सड़कों और भवन की व्यवस्था और भूमि उपयोग योजना और कस्बों का विकास।

48. (B) काँफ़ी दक्षिणी इथियोपिया के ऊँचे क्षेत्रों का मूल निवासी है, इसका नाम काफ़ा जिले से लिया गया है जहाँ यह पहली बार पाई गई थी। इसे इथियोपिया से सऊदी अरब लाया गया था, मेरिनो भेड़ को मुख्य रूप से सूखे और गर्म क्षेत्रों में रखा जाता है। टेम्पलेट अक्षांश,

वे मूल रूप से स्पेन से हैं और अब न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया, चिली और दक्षिण अफ्रीका में पाए जा सकते हैं। मीजी युग के दौरान नागाओं में महिला श्रम की माँग बढ़ गई, जब जापान एक प्रमुख कच्चा रेशम उत्पादक देश बन गया। रेशम उद्योग को प्रभावित करने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक सस्ते महिला श्रम की उपलब्धता है।

49. (C) मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) जीवन प्रत्याशा का एक सांख्यिकीय समग्र सूचकांक है। शिक्षा का मतलब शिक्षा प्रणाली में प्रवेश करने पर स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्षों को पूरा करना और प्रति व्यक्ति आय संकेतक है, जिसका उपयोग देशों को मानव विकास के चार स्तरों में रैंक करने के लिए किया जाता है।
50. (C) 'सामान्य वितरण' सांख्यिकी में सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला वितरण है। एक चर जिसे सामान्य रूप से वितरित किया जाता है, उसमें एक हिस्टोग्राम (या 'घनत्व फंक्शन') होता है जो केवल शिखर के साथ घंटी के आकार का होता है और औसत निरन्तर भिन्नता के आसपास सममित होता है। यह सांख्यिकीय है सिद्धान्त जो बताता है कि डेटासेट में सभी डेटा बिन्दुओं के समान मात्रा में भिन्नता होती है, अवशेषों का आपस में कोई सम्बन्ध नहीं होता है। इसका मतलब यह है कि अवशेषों और अनुमानित मूल्यों के बीच, या स्वयं अवशेषों के बीच कोई सम्बन्ध नहीं है।
51. (A) देश में 500 से अधिक राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, जो राजमार्गों पर लगभग 40% सड़क यातायात को नियन्त्रित करते हैं। हालांकि सभी भारतीय सड़कों का हिस्सा 2% से भी कम है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) किसके स्वामित्व में एक वैधानिक निकाय है। रक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार (बीआरओ) भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों और मित्रवत् पड़ोसी देशों में सड़क नेटवर्क का विकास और रखरखाव करता है। भारतीय रेलवे को 19 क्षेत्रों में विभाजित किया गया है और लगभग 73 उप-विभाजित मुख्यालय हैं। उत्तरी क्षेत्र भारतीय रेलवे का सबसे बड़ा रेलवे क्षेत्र है। इसके संचालन और प्रबन्धन के लिए इसे 19 जोन में बाँटा गया है।
52. (C) अधिकांश राज्यों में, आरक्षण के लिए केन्द्रीय और राज्य दोनों सूचियों में कुर्मी, अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) से

सम्बन्धित हैं। कुर्मी एक वैदिक क्षत्रिय जाति है, जो उन क्षत्रियों के लिए बनाई गई है, जिन्होंने कृषि या खेती को अपने मुख्य व्यवसाय के रूप में चुना है। पटेल दो प्रमुख जो भगवान राम के पुत्रों लव और कुश के वंशज होने का दावा करते हैं। दक्षिण भारत में अन्य ब्राह्मण जातियों के विपरीत, पटेल पश्चिमी भारत के भूमिहर हैं, नामब्रद्विरी अपनी पुरोहिती स्थिति पर बहुत जोर देते हैं और आमतौर पर ऐसा नहीं करते हैं व लाभदायक व्यवसायों में संलग्न होते हैं। वे अपनी सम्पत्ति अपनी भूमि जोत से प्राप्त करते हैं। मध्य केरल के मुख्य भूमि मालिक होते हैं।

53. (D) इस विचार का आधार कि माना चित्रकला एक विज्ञान है, मैटिक मानचित्र डिज़ाइन के लिए बोटल कटौती और प्रेरणा की आवश्यकता होती है। सोचने की प्रक्रिया जो आम तौर पर वैज्ञानिक अभ्यास से जुड़ी होती है, यह सब यूरोपीय मानचित्रकार गीट डेक्रेमर के रूप में बेहतर जाने जाते हैं और उनकी 16वीं शताब्दी के कारण हैं। मानचित्र प्रक्षेपण-आज विश्व मानचित्रों के लिए एक सामान्य टेम्पलेट-जो देश के आकार को विकृत करता है।
54. (B) जान प्रक्रिया आउटसोर्सिंग (KPO) का अर्थ है सूचना सम्बन्धी व्यावसायिक कार्य या ज्ञान आधारित प्रक्रियाएँ, जैसे अनुसंधान, विश्लेषण, परामर्श या कोई अन्य उच्चस्तरीय कार्य आउटसोर्स किया जाता है। यानी किसी अन्य कम्पनी के श्रमिकों द्वारा किया जाता है या उसी संगठन की सहायक कम्पनी को आवंटित किया जाता है। यह क्विनरी सेवाओं के अन्तर्गत आता है। भारतीय शहरों में पश्चिमी देशों की तुलना में सस्ती अचल सम्पत्ति है, भारतीय आउटसोर्सिंग कम्पनियाँ आपको अधिकांश देशों की तुलना में कम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएँ प्रदान कर सकती हैं।
55. (B) व्यापार की मात्रा किसी निश्चित दिन के व्यापारिक घण्टों के दौरान सुरक्षा के खरीदारों और विक्रेताओं के बीच आदान-प्रदान किए गए शेषों या अनुबन्धों की कुल संख्या को सन्दर्भित करती है, व्यापार ड्रॉपिंग की मात्रा माना जाता है, जब कोई देश या कम्पनी किसी उत्पाद को ऐसी कीमत पर निर्यात करती है, जो विदेशी आयात बाजार में निर्यातक डेमोस्टिक बाजार की कीमत से कम है।

56. (A) गैर-नवीकरणीय ऊर्जा उन स्रोतों से आती है, जो हमारे जीवनकाल में समाप्त हो जाएंगे या जिनकी भरपाई नहीं की जाएगी या यहाँ तक कि कई जीवनकालों में भी अधिकांश गैर-नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत जीवाश्म ईंधन, कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस हैं, मानव गतिविधियाँ लगभग सभी के लिए जिम्मेदार हैं। पिछले 150 वर्षों में वायुमण्डल में ग्रीन हाउस गैसों में वृद्धि परमाणु एक शून्य-उत्सर्जन स्वच्छ ऊर्जा स्रोत है। यह विखंडन के माध्यम से बिजली उत्पन्न करता है, जो ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए यूरेनियम परमाणुओं को विभाजित करने की प्रक्रिया है। परमाणु ऊर्जा कम कार्बन का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। ऊर्जा और जल विद्युत् के बाद आज बिजली का उत्पादन करने के लिए उपयोग किया जाता है।
57. (D) कृषि उत्थान सिद्धान्त एक मानक आर्थिक मॉडल है, जिसे पहली बार 1826 में एक प्रशिया भूमि मालिक जॉन हेनरिक वॉन थुनेन द्वारा डेर आइसोलियरेट स्टेट (पृथक् राज्य) नामक पुस्तक में प्रस्तुत किया गया था। वॉन थुनेन के कृषि उत्थान के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथन सही नहीं हैं। सिद्धान्त है-उनके विचार वीवर की आर्थिक लगान की अवधारणा पर आधारित थे, नौगम्य नदी या सिंचाई सुविधाओं का संकेंद्रित भूमि उपयोग क्षेत्रों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। वास्तविक जीवन में किसान निर्णय लेने में हमेशा आर्थिक और तर्कसंगत होते हैं और आइसोट्रोफिक सतहें एशिया में सार्वभौमिक हैं।
58. (B) चीड़ की सुइयाँ अत्यधिक ज्वलनशील होती हैं और आग प्रतिरोधी होने के कारण इस क्षेत्र में जंगल की आग का प्रमुख कारण बनती हैं। चीड़ के पेड़ इस आग में नहीं जलते हैं और अगले साल फिर से झड़ जाते हैं। इस चक्र को जारी रखते हुए हर साल मानोकल्चर के प्रसार को बढ़ाते हुए दिखाया गया है नए रोगजनों और इन समस्याग्रस्त लक्षणों में से, जबकि जलवायु परिवर्तन केवल उन समस्याओं में से एक है जिनका सामना हमारी फसलें कर रही हैं। कृषि मोनोकल्चर मिट्टी के प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ देता है। चावल या सोयाबीन रबी-मटर या गेहूँ मटर/सोयाबीन, फलियाँ हैं, जो मदद से नाइट्रोजन को ठीक करेंगे राइजोबियम का।

59. (C) 1973 में देश में 9 टाइगर रिजर्व के साथ बाघ (वैज्ञानिक नाम : *Panthera tigris*) की आबादी बढ़ाने के महत्वाकांक्षी उद्देश्य के साथ प्रोजेक्ट शुरू किया गया था और 2023 तक यह 54 टाइगर रिजर्व तक पहुँच गए, गुजरात दूसरा सबसे बड़ा रिजर्व है. भारत में मैंग्रोव वन हालाँकि, मैंग्रोव आवरण इन चार क्षेत्रों में असमान रूप से वितरित हैं और कच्छ में राज्य का सबसे अधिक मैंग्रोव आवरण (71.5%) है.
60. (B) प्यूटोरिको ट्रेंच अटलांटिक महासागर का सबसे गहरा हिस्सा है, जिसमें पानी की गहराई 8,400 मीटर से अधिक है. इसकी गहराई प्रशांत महासागर में गहरी खाइयों के बराबर है, जियोसाइंस डेटा जर्नल में प्रकाशित डेटा हिन्द महासागर का सबसे गहरा बिन्दु 7,187 मीटर के भीतर दिखाता है. जावा ट्रेंच और दक्षिणी महासागर का सबसे गहरा बिन्दु 7,432 मीटर पर, दक्षिण सैंडविच ट्रेंच के भीतर.
61. (D) सबसे पहले, जलवायु परिवर्तन के कारण महासागरों में कुछ गम्भीर परिवर्तन हो रहे हैं, जिनमें तापमान में वृद्धि, समुद्र के स्तर में वृद्धि और अम्लीकरण शामिल हैं महासागर अधिक अम्लीय होते जा रहे हैं, क्योंकि वे वायुमण्डल से अधिक CO₂ अवशोषित करते हैं और साथ ही ऑक्सीजन का स्तर भी कम हो रहा है. जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में निम्नलिखित कथन महासागरों के बारे में सत्य नहीं है—(1) पिछले कुछ दशकों में महासागर कम अम्लीय हो गए हैं, (2) आने वाले वर्षों में महासागर कम कार्बन डाइऑक्साइड संगृहीत करेंगे.
62. (D) कोरिओलिस बल वस्तु के द्रव्यमान और वस्तु घूमने की दर से निर्धारित होता है. पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है, परिसंचारी हवा उत्तरी गोलार्द्ध में दायीं और दक्षिणी गोलार्द्ध में बायीं ओर अक्षांश के रूप में विक्षेपित होती है, जिस पर वस्तुएं क्षैतिज और स्वतन्त्र रूप से घूमती हैं. स्थितियाँ कम हो जाती हैं, ग्रह के घूर्णन के कारण अंतर्निहित पृथ्वी की सतह का घुमाव कम हो जाता है अर्थात् अक्षांश घटने के साथ कोरिओलिस प्रभाव कम हो जाता है. यह ध्रुवों पर अधिकतम होता है और भूमध्यरेखा पर अनुपस्थित होता है.
63. (C) प्रॉक्सी डेटा पर्यावरण की भौतिक विशेषताओं को संरक्षित करता है, जो प्रत्यक्ष माप के लिए खड़े हो सकते हैं. पेलियोक्लाइमेटोलॉजिक जलवायु परिवर्तनशीलता के प्राकृतिक रिकॉर्डर जैसे कोरल, पराग, बर्फ फोर, ऐतिहासिक डेटा, समुद्र तल तलछट और जीवाश्म पराग से प्रॉक्सी डेटा इकट्ठा करते हैं.
64. (C) जलवायु संकट ने औसत वैश्विक तापमान में वृद्धि की है और इसके कारण बार-बार उच्च तापमान की चरम सीमाएं बढ़ रही हैं, जैसेकि गर्मी की लहरें, समुद्र की सतह का तापमान गर्म होना, उष्णकटिबंधीय तूफान हवा की गति को तेज कर देता है, जिससे यदि वे जमीन पर गिरते हैं, तो वे अधिक नुकसान पहुँचाने की क्षमता रखते हैं. जो वर्षा और प्रचलित हवाओं, पहाड़ों और मौसमी हवाओं की उपस्थिति को प्रभावित करते हैं. जो प्रत्येक गोलार्द्ध को सूर्य से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा को बदलते हैं.
65. (D) भौगोलिक स्थिति के कारण चक्रवात कहीं नहीं जाती है, लेकिन भूमि पर बंगाल की खाड़ी में अरब सागर में चक्रवात आने की सम्भावना अधिक होती है, क्योंकि यहाँ समुद्र की सतह का तापमान अधिक होता है, ऊर्ध्वाधर कतरनी हवाएं कम होती हैं और इसके वायुमंडल की मध्य परतों में पर्याप्त नमी होती है. बांग्लादेश के तटीय क्षेत्र लगभग हर साल विनाशकारी चक्रवातों के अधीन होते हैं. वे आमतौर पर गर्मियों में (अप्रैल-मई) बरसात के मौसम के अंत (अक्टूबर-नवम्बर) में होते हैं, ट्राफिक का पूर्वानुमान लगाना मुश्किल हो सकता है, क्योंकि वे अचानक कमजोर हो सकते हैं या अपना मार्ग बदल सकते हैं.
66. (A) 67. (B) 68. (B) 69. (C) 70. (D) 71. (B) 72. (B) 73. (A) 74. (A) 75. (A) 76. (B) उनके सम्बन्धित वर्ष के अनुसार पहले से आखिरी तक है—(1) ब्रिटेन आयोग, (2) एजेन्डा-21, (3) क्योटो प्रोटोकॉल, (4) पेरिस समझौता.
77. (C) वर्ष 2021 में स्थापित पवन शक्ति में अग्रणी देशों के सही क्रम हैं— (1) चीन, (2) संयुक्त राज्य अमरीका, (3) जर्मनी, (4) भारत.
78. (D) डब्ल्यूटीओ की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021 में विश्व के सबसे बड़े पण्य (मर्चेन्डाइज) आयातकों का सही क्रम है—(1) संयुक्त राज्य अमरीका, (2) चीन, (3) जर्मनी, (4) जापान.
79. (D) विश्व की निम्नलिखित भाषाओं के बोलने वाले लोगों के प्रतिशत के अनुसार क्रम है—(1) भारतीय-यूरोपीय, (2) चीनी-तिब्बती, (3) अफ्रीकी-एशियाई, (4) द्रविड, (5) जापानी.
80. (A) भारत में जनसंख्या स्वास्थ्य नीतियों (प्राचीन से नवीन तक) के सही क्रम हैं— (1) राष्ट्रीय युवा नीति (2) राष्ट्रीय निःशक्त व्यक्ति नीति (3) राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य नीति (4) राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (5) राष्ट्रीय विरल रोग नीति
81. (B) राजनीतिक भूगोल की अवधारणाओं /संकल्पनाओं के पुरातन से नवीनतम के कालक्रम के सही क्रम— (1) मैकिंडर की हृदयस्थल की अभिधारणा (2) स्पाइकमैन का रिमलैंड का सिद्धान्त (3) हार्टशोर्न का राजनीतिक भूगोल में कार्यात्मक उपागम (4) मूडीज का सीमान्त क्षेत्र और सीमा रेखा की संकल्पना
82. (C) निम्नलिखित उपागमों का सही क्रम है—(1) निश्चयवाद, (2) मात्रात्मक क्रान्ति, (3) व्यवहारवाद, (4) नारीवाद.
83. (B) पृथ्वी संसाधनों के विद्युत् दूरसंवेदी अवयवों को अनुवर्ती के सही क्रम— (1) ऊर्जा स्रोत (2) वायुमंडल से होते हुए ऊर्जा का प्रसार (3) भूतल लक्षणों के साथ ऊर्जा अनुक्रियाएं (4) वायुमण्डल से होते हुए ऊर्जा का पुनः प्रसारण (5) संवेदकों द्वारा आँकड़ों का अभिज्ञान, रिकॉर्ड करना और भूस्थानों को प्रसारित करना.
84. (A) भारत की निम्नलिखित योजनाओं के प्रारम्भ के सही क्रम हैं— (1) दामोदर वेली कॉर्पोरेशन (2) बाढ़ प्रभावित क्षेत्र कार्यक्रम (3) समेकित ग्रामीण विकास कार्यक्रम (4) मरुस्थल विकास कार्यक्रम (5) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
85. (B) निम्नलिखित राज्यों के कुल भौगोलिक क्षेत्र में वन क्षेत्र के प्रतिशत भाग के आधार के सही क्रम हैं— (1) केरल, (2) उत्तराखण्ड, (3) ओडिशा, (4) पश्चिम बंगाल.
86. (B) आर्थिक गतिविधि की बढ़ती जटिलता और विविधता जनसंख्या वितरण में असमानता को बढ़ावा देती

सामान्य अध्ययन

1. शिवाजी के शासनकाल के दौरान निम्नलिखित अधिकारियों और उनके सम्बन्धित अधिकार क्षेत्र पर विचार कीजिए—

1. वाकियानवीस : पत्राचार
2. सुमंत : धार्मिक प्रशासन
3. सचिव : वित्त और सामान्य प्रशासन
4. अमात्य : महालेखाकार

उपर्युक्त में से कौनसा जोड़ा सही सुमेलित है ?

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2, 3 और 4
- (C) केवल 4
- (D) केवल 2 और 3

2. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए—
संस्था

1. राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक
2. भारतीय औद्योगिक विकास बैंक
3. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड
4. भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

स्थापना

- (a) 12 अप्रैल, 1988
- (b) 12 जुलाई, 1982
- (c) 2 अप्रैल, 1990
- (d) 1 जुलाई, 1964

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

- | | | | |
|---------|-----|-----|-----|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| (A) (c) | (b) | (a) | (d) |
| (B) (b) | (d) | (a) | (c) |
| (C) (c) | (b) | (d) | (a) |
| (D) (d) | (a) | (c) | (b) |

3. प्राचीन भारत के इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन नाटककार के रूप में प्रसिद्ध था/थे ?

1. भवभूति
2. हस्तिमल्ल
3. क्षेमेश्वर

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 1 और 3
- (D) 1, 2 और 3 सभी

4. बिहार की जातिगत जनगणना के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. जातिगत जनगणना की रिपोर्ट 2 अक्टूबर, 2023 को जारी की गई.

2. इस जनगणना से यह जानकारी सामने आई कि बिहार राज्य में विभिन्न जातियों, उपजातियों की संख्या 215 है.

3. बिहार जातिगत जनगणना जारी करने वाला देश का पहला राज्य है.

4. इस रिपोर्ट के अनुसार पिछड़ा वर्ग की संख्या 36.01 प्रतिशत तथा अत्यन्त पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या 27.13 प्रतिशत है.

नीचे दिए गए कूट के अनुसार सही कथन का चयन कीजिए—

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2, 3 और 4
- (C) केवल 1, 2 और 3
- (D) उपर्युक्त सभी

5. मुरैना के पास स्थित चौसठ योगिनी मंदिर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. इसके डिजाइन ने एक लोकप्रिय धारणा को जन्म दिया है कि यह भारतीय संसद भवन के पीछे की प्रेरणा थी.

2. इसका उद्देश्य क्षेत्र में वैष्णव पंथ को बढ़ावा देना था.

3. यह एक गोलाकार मंदिर है, जो कच्छपघात राजवंश के शासनकाल के दौरान बनाया गया था.

ऊपर दिए गए कथनों में से कौनसे सही हैं ?

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 1 और 3
- (D) 1, 2 और 3 सभी

6. हाल ही में जारी विश्वविद्यालय रैंकिंग-2024 के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2024 टाइम्स हायर एजुकेशन द्वारा जारी रिपोर्ट का 20वाँ संस्करण है.

2. स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी (यूएसए) ने इस रैंकिंग में सर्वोच्च रैंक हासिल की, इसके बाद मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (यूएसए) और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी (यूके) हैं.

3. सूची में 91 भारतीय संस्थानों के साथ भारत अब विश्वविद्यालय

रैंकिंग में चौथा सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व वाला देश है.

ऊपर दिए गए कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 1 और 3
- (D) 1, 2 और 3 सभी

7. निम्नलिखित में से कौनसा रिट संविधान के अनुच्छेद 32 में दिया गया है ?

1. बंदी प्रत्यक्षीकरण
2. परमादेश
3. निषेध
4. अधिकारपृच्छा

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 3 और 4
- (D) 1, 2, 3 और 4 सभी

8. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

1. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का संविधान में इसका उल्लेख नहीं है और इसका कार्यालय विधायी कार्यवाही द्वारा बनाया गया था.

2. CAG भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग का प्रमुख और सार्वजनिक धन का मुख्य संरक्षक है.

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2
- (C) 1 और 2 दोनों
- (D) न तो 1 और न ही 2

9. अनुच्छेद 368 में निर्धारित संविधान में संशोधन की प्रक्रिया के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. संविधान में संशोधन केवल संसद के किसी भी सदन में शुरू किया जा सकता है.

2. विधेयक केवल एक मंत्री द्वारा ही पेश किया जा सकता है, किसी निजी सदस्य द्वारा नहीं.

3. विधेयक को पेश करने के लिए राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं है.

4. राज्य विधानमंडल द्वारा अनुसमर्थन की आवश्यकता नहीं है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन गलत है/हैं ?

- (A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2, 3 और 4
(C) केवल 1, 2 और 3
(D) केवल 2 और 4
10. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए, दिए गए कथनों में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
- 106वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, महिलाओं के लिए लोक सभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान से सम्बन्धित है.
 - भारत के पुराने संसद भवन को अब 'संविधान सदन' नाम दिया गया है.
 - वैश्विक नवाचार सूचकांक 2023 में, भारत की रैंक 132 देशों में 40वीं है.
- (A) केवल 1 और 3
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3 सभी
11. 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. इसकी टैगलाइन 'मिट्टी को नमन, वीरों का वंदन' है.
 - यह अभियान 9 अगस्त से 30 अगस्त तक चलाया गया.
 - इस अभियान के तहत वीरों की स्मृति में देश की लाखों ग्राम पंचायतों में विशेष शिलालेख भी लगाए गए.
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन गलत है/हैं ?
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 2
(D) केवल 3
12. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें, निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. अविश्वास प्रस्ताव "मंत्रिपरिषद् में विश्वास की कमी व्यक्त करने वाला प्रस्ताव है."
 - विश्वास प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत सदस्यों की मंजूरी होनी चाहिए.
 - लोक सभा में अविश्वास प्रस्ताव लोक सभा की प्रक्रिया और आचरण के नियमों के प्रावधानों द्वारा शासित होता है.
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1
(C) केवल 1 और 3
(D) केवल 2 और 3
13. भारत में आयोजित एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप 2023 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. इस विश्व कप के फाइनल में आस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर अपना 5वाँ खिताब जीता.
 - क्रिकेट विश्व कप 2023 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में तीसरे नम्बर पर न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र रहे.
 - इस विश्व कप में कुल दस राष्ट्रीय टीमों ने भाग लिया.
 - विश्व कप के इतिहास में ये पहला मौका है जब वेस्टइण्डीज टीम ने किसी एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप में भाग नहीं लिया.
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन गलत है/हैं ?
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2, 3 और 4
(C) केवल 1, 2 और 3
(D) केवल 2 और 4
14. शिमला सम्मेलन 1945 में आई वेवेल योजना निम्नलिखित में से किसके लिए प्रदान की गई थी ?
1. भारत का विभाजन
 - कार्यकारी परिषद् में किसी भी जाति और धर्म आधारित कोटा को हटाना.
 - वायसराय की कार्यकारी परिषद् का भारतीयकरण.
- नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3
(D) 1, 2 और 3 सभी
15. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. पृथ्वी की सबसे ऊपरी परत भूपर्पटी है, जो सभी परतों में सबसे पतली है.
 - महाद्वीपीय परत समुद्री परत की तुलना में कम घनी होती है, क्योंकि समुद्री परत बेसाल्टिक चट्टानों से बनी होती है.
 - पृथ्वी का सबसे भीतरी भाग पिघले हुए लोहे से ही बना है.
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
- (A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 1 और 3
(D) केवल 2 और 3
16. भारत की निम्नलिखित फसलों पर विचार कीजिए—
1. मूँगफली
 2. तिल
 3. बाजरा
- उपर्युक्त में से कौनसी प्रमुखतया वर्षा आधारित फसल है/हैं ?
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3
(D) 1, 2 और 3 सभी
17. निम्नलिखित में से गाँधी-इरविन समझौते में से क्या शामिल था/थे ?
1. केवल उन्हीं कैदियों की रिहाई जिन पर हिंसा का अभियोग नहीं था.
 - राउण्ड टेबल कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए कांग्रेस को आमन्त्रित करना.
 - सविनय अवज्ञा आंदोलन के सम्बन्ध में जारी किए गए अध्यादेशों को वापस लेना.
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3 और 1
(D) 1, 2 और 3 सभी
18. एहोल शिलालेख से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. यह ब्राह्मी लिपि में लिखा गया था.
 - इसमें पुलकेशिन द्वितीय द्वारा हर्षवर्द्धन की पराजय का उल्लेख है.
 - इसे रविकीर्ति ने लिखा था.
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3 सभी
19. ऋण-जीडीपी अनुपात के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. निवेशक अक्सर सरकार के कर्ज को वित्त पोषित करने की क्षमता का आकलन करने के लिए ऋण-जीडीपी अनुपात को ध्यान में रखते हैं.
 - निम्न ऋण-जीडीपी अनुपात ने दुनिया भर में आर्थिक संकटों को बढ़ावा दिया है.
 - FRBM पर एन. के. सिंह समिति ने केंद्र सरकार और राज्य सरकारों दोनों के लिए ऋण-जीडीपी अनुपात 40 प्रतिशत प्रस्ताव रखा था.
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

- (A) केवल 1 (B) केवल 1, 2
(C) केवल 1, 3 (D) केवल 2, 3
20. निम्नलिखित में से कौनसी, विषुवतीय वनों की अद्वितीय विशेषता/विशेषताएं हैं/हैं ?
1. ऊँचे घने वृक्षों की विद्यमानता जिनके किरीट निरन्तर वितान बनाते हैं.
 2. बहुत सी जातियों का सह-अस्तित्व हो.
 3. अधिपादपों की असंख्य किस्मों की विद्यमानता हो.
- (A) केवल 1
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) उपर्युक्त सभी
21. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. चीन ने झाओ जिग को अफगानिस्तान में अपना नया राजदूत नियुक्त किया.
 2. अमरीका ने आधिकारिक तौर पर 3 सितम्बर को सनातन धर्म दिवस घोषित किया.
 3. पेप्सिको अरुणाचल प्रदेश में नया संयंत्र स्थापित करने के लिए ₹ 778 करोड़ का निवेश करेगी.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
- (A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 3
(D) केवल 2 और 3
22. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :
घटना
1. बीजापुर के सरदार अफजल खान की हत्या
 2. शिवाजी द्वारा दक्कन के मुगल सूबेदार शाइस्ता खान पर हमला
 3. सूरत की पहली लूट
 4. सूरत की दूसरी लूट
- वर्ष**
- (a) 1659 (b) 1663
(c) 1670 (d) 1664
- नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—
- (1) (2) (3) (4)
(A) (c) (b) (d) (a)
(B) (d) (a) (c) (b)
(C) (a) (b) (d) (c)
(D) (c) (b) (a) (d)
23. निम्नलिखित में से कौनसा/से सही सुमेलित नहीं है/हैं ?
1. पालघाट दर्रा—केरल
 2. जोजी ला—हिमाचल प्रदेश
 3. जेलेप ला—सिक्किम
 4. माना ला—उत्तराखण्ड

- नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 2 और 3
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2
(D) केवल 1 और 4
24. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. 19वें एशियाई खेल वर्ष 2023 में 23 सितम्बर से 8 अक्टूबर तक चीन के हांगझू में आयोजित किए गए थे.
 2. भारत ने 19वें एशियाई खेलों में 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य सहित कुल 107 पदक जीते.
 3. एशियाई खेल 2023 रैंकिंग में जापान 201 स्वर्ण के साथ पहले स्थान पर बना हुआ है.
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) उपर्युक्त सभी
25. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारत के राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में बिहार का जनसंख्या घनत्व सबसे अधिक है.
 2. उत्तर-पूर्वी राज्यों में असम की जनसंख्या सबसे अधिक है.
 3. भारत में सबसे बड़ा भौगोलिक क्षेत्रफल राजस्थान के बाद मध्य प्रदेश का है.
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3 सभी
26. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. टायलिन एंजाइम दूध में लैक्टोज शर्करा को तोड़ता है.
 2. ट्रिप्सिन एंजाइम छोटी आंत में ट्रिप्सिन प्रोटीन को तोड़ता है और पेट में शुरू हुई पाचन प्रक्रिया को जारी रखता है.
 3. लाइपेज एंजाइम इमल्सीफाइड वसा के टूटने के लिए जिम्मेदार है और अग्न्याशय द्वारा सावित होता है.
 4. माल्टोज एक डिसैकराइड है, जो जल अपघटन पर ग्लूकोज के दो अणु देता है.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) केवल 2 और 3
27. शेरशाह सूरी के प्रशासन के सन्दर्भ में निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए—
विभाग
1. दीवान-ए-अर्ज
 2. दीवान-ए-रसालत
 3. दीवान-ए-इंशा
 4. दीवान-ए-विजारत
- सम्बन्धित कार्य**
- (a) वित्त विभाग
(b) विदेशी और धार्मिक मामलों का विभाग
(c) सैन्य विभाग
(d) शाही सचिवालय
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
- (1) (2) (3) (4)
(A) (c) (b) (d) (a)
(B) (b) (a) (c) (d)
(C) (d) (b) (a) (c)
(D) (a) (b) (d) (c)
28. राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (एनएमए) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (एनएमए) की स्थापना प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल और अवशेष (संशोधन और सत्यापन) अधिनियम, 2010 के प्रावधानों के अनुसार की गई है.
 2. वर्तमान में प्रोफेसर किशोर कुमार बासा राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण के अध्यक्ष हैं.
 3. राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण गृह मंत्रालय के अन्तर्गत आता है.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
- (A) केवल 1
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) केवल 3
29. जब कोई व्यक्ति किसी भूमध्यरेखा से ध्रुवों की ओर बढ़ता है, तो वह देखता है—
1. देशांतर की लम्बाई में कमी
 2. ऊँचाई में कमी
 3. देशांतरों के बीच की दूरी में कमी
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सत्य है/हैं ?
- (A) केवल 1 और 3
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 3
(D) केवल 2 और 3

30. नीचे दिए गए का मिलान कीजिए—
- सम्पत्ति के अधिकार को कानूनी अधिकार बनाया गया.
 - संविधान में शामिल मौलिक कर्तव्य
 - जीएसटी शामिल
 - ईडब्ल्यूएस को 10% आरक्षण
- (a) 103वाँ संशोधन अधिनियम
(b) 44वाँ संशोधन अधिनियम
(c) 42वाँ संशोधन अधिनियम
(d) 101वाँ संशोधन अधिनियम
- नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—
- (1) (2) (3) (4)
(A) (b) (c) (d) (a)
(B) (b) (a) (d) (c)
(C) (b) (c) (a) (d)
(D) (c) (b) (a) (d)
31. निम्नलिखित में से कौनसी पुस्तक अपने लेखक से सुमेलित नहीं है ?
- (A) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का इतिहास—पट्टाभि सीतारमैया
(B) पाथेर दाबी—रबीन्द्रनाथ टैगोर
(C) पॉवर्टी एण्ड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया—दादाभाई नौरोजी
(D) हिस्ट्री ऑफ हिन्दू केमिस्ट्री—प्रफुल्ल चन्द्र राय
32. निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर दीजिए—
- कथन 1** : टाइम पत्रिका के अनुसार, एस. एस. राजामौली को 2023 के शीर्ष 'पायनियर्स' में नामित किया गया है और शाहरुख खान को 2023 के शीर्ष 'आइकन्स' में नामित किया गया है.
- कथन 2** : टाइम पत्रिका की 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची को 6 प्रमुख श्रेणियों में विभाजित किया गया है—लीडर, टाइटन, पायनियर, आर्टिस्ट, आइकन और इनोवेटर.
- निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प सही है ?
- (A) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं
(B) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं
(C) केवल कथन 2 सत्य है
(D) केवल कथन 1 सत्य है
33. निम्नलिखित गैसों पर विचार कीजिए—
- आर्गन
 - ऑक्सीजन
 - नाइट्रोजन
 - कार्बन डाइऑक्साइड
- इन वायुमण्डलीय गैसों का उनके आयतन के प्रतिशत के अवरोही क्रम में सही अनुक्रम क्या है ?
- (A) 1, 2, 3, 4 (B) 4, 3, 2, 1
(C) 3, 2, 1, 4 (D) 3, 2, 4, 1
34. अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
- यह विश्व आर्थिक मंच (WEF) की एक सहयोगी संस्था है.
 - यह विकासशील देशों में विशेष रूप से निजी क्षेत्र पर केंद्रित सबसे बड़ा वैश्विक विकास संस्थान है.
 - इसका लक्ष्य स्थायी कृषि अवसरों को बढ़ाना, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा में सुधार करना है.
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
- (A) केवल 1, 2 (B) केवल 1, 3
(C) केवल 2, 3 (D) 1, 2, 3 सभी
35. निम्नलिखित घटनाओं को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए—
- भारत में साइमन कमीशन का आगमन
 - असहयोग आंदोलन
 - पूना पैक्ट
 - गांधी इरविन समझौता
- नीचे दिए गए कूट को चुनकर उत्तर दीजिए—
- (A) 1, 2, 4, 3 (B) 2, 1, 4, 3
(C) 2, 1, 3, 4 (D) 1, 2, 3, 4
36. इनमें से कौनसा सही सुमेलित नहीं है ?
- (A) रेलवे बोर्ड की पहली महिला अध्यक्ष—जया वर्मा सिन्हा
(B) 'हिसंस' ब्रांड एम्बेसडर—रवींद्र जडेजा
(C) 'यूनीक्लो' ब्रांड एम्बेसडर—अनुष्का शर्मा
(D) सेबी की पहली महिला अध्यक्ष—माधवी पुरी बुच
37. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए—
- अशोक मेहता समिति
 - पी. के. थुंगन समिति
 - आर. एम. लोढ़ा समिति
 - रामनाथ कोविंद समिति
- (a) पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा दिलाने की सिफारिश
(b) पंचायती राज संस्थाओं के लिए द्वि-स्तरीय प्रणाली की सिफारिश
(c) भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (BCCI) में सुधार के लिए
(d) एक देश, एक चुनाव की सम्भावना से सम्बन्धित
- नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—
- (1) (2) (3) (4)
(A) (b) (c) (d) (a)
(B) (b) (a) (d) (c)
(C) (b) (c) (a) (d)
(D) (b) (a) (c) (d)
38. किस संवैधानिक संशोधन ने जनसंख्या के गैर-ओबीसी और गैर-एससी/एसटी वर्गों के बीच आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को 10% आरक्षण प्रदान किया ?
- (A) 101वाँ संशोधन अधिनियम
(B) 102वाँ संशोधन अधिनियम
(C) 103वाँ संशोधन अधिनियम
(D) 104वाँ संशोधन अधिनियम
39. गंगा डॉल्फिन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
- इसे भारत के राष्ट्रीय जलीय जीव के रूप में मान्यता दी गई है.
 - इसको आईयूसीएन की रेड लिस्ट के तहत लुप्तप्राय जीव के रूप में वर्गीकृत किया गया है.
 - ये इकोलोकेशन का उपयोग कर आगे बढ़ती है और शिकार करती है.
 - हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने इस डॉल्फिन को, प्रदेश के जलीय जीव का दर्जा दिया है.
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1, 2 और 3
(C) केवल 1, 2 और 4
(D) उपर्युक्त सभी
40. कौनसा पॉलीहैलोजन यौगिक मनुष्य के केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को हानि पहुँचाता है ?
- (A) फेरस कार्बोनेट
(B) मिथाइलीन क्लोराइड
(C) लोड कार्बोनेट
(D) लोड सल्फेट
41. प्रसिद्ध होयसल मंदिरों के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
- हाल ही में, होयसलों के पवित्र समूह, कर्नाटक के बेलूर, हलेबिड और सोमनाथपुर के प्रसिद्ध होयसलों मंदिरों को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में जोड़ा गया है.
 - 'होयसलों के पवित्र समूह' 15 अप्रैल, 2014 से यूनेस्को की अस्थायी सूची में थे.
 - होयसल मंदिरों का निर्माण 12वीं और 13वीं शताब्दी के दौरान हुआ था.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
- (A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 3
(D) 1, 2 और 3 सभी

42. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए—
1. दसवीं अनुसूची
 2. तीसरी अनुसूची
 3. बारहवीं अनुसूची
 4. नौवीं अनुसूची
- (a) भूमि सुधार
(b) नगर पालिकाओं से सम्बन्धित प्रावधान
(c) दल-बदल से सम्बन्धित प्रावधान
(d) शपथ एवं प्रतिज्ञान
- (1) (2) (3) (4)
(A) (a) (d) (b) (c)
(B) (d) (c) (a) (b)
(C) (c) (d) (b) (a)
(D) (c) (d) (a) (b)
43. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
- कथन I :** अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थान के लिए सरकारी सहायता प्राप्त करने का अधिकार एक मौलिक अधिकार है.
- कथन II :** भारत के संविधान के अनुसार, राज्य शैक्षणिक संस्थानों को सहायता देते समय, किसी भी शैक्षणिक संस्थान के खिलाफ इस आधार पर भेदभाव नहीं करेगा कि यह किसी अल्पसंख्यक के प्रबंधन के अधीन है, चाहे वह धर्म या भाषा पर आधारित हो.
- उपर्युक्त कथनों के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा सही है ?
- (A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं और कथन II कथन I के लिए सही स्पष्टीकरण है
(B) कथन I और कथन II दोनों सही हैं और कथन II, कथन I के लिए सही स्पष्टीकरण नहीं है
(C) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है
(D) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है
44. भारत की लैटेराइट मिट्टियों के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन गलत है/हैं ?
1. ये साधारणतः लाल रंग की होती हैं.
 2. यह मिट्टी नाइट्रोजन और पोटॅश से समृद्ध होती हैं.
 3. इनका राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अच्छा विकास हुआ है.
 4. इन मिट्टियों में काजू और साबूदाना की अच्छी उपज होती है.
- (A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 2, 3 और 4
(C) केवल 1 और 4
(D) केवल 2 और 3
45. विजयनगर के शासक कृष्णदेव की कराधान प्रणाली के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भूमि पर कर की दर भूमि की गुणवत्ता के आधार पर तय की जाती थी.
 2. कार्यशालाओं के निजी मालिकों ने उद्योग कर का भुगतान किया.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
- (A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2
46. महाद्वीपीय शेल्फ का निर्माण किसके कारण होता है ?
1. समुद्र के स्तर में वृद्धि.
 2. किसी महाद्वीप के किसी भाग का जलमग्न होना.
 3. नदियों द्वारा लाए गए अवसादी निक्षेप.
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3 सभी
47. नीचे दिए गए का मिलान कीजिए—
1. ओर्निथोलॉजी
 2. ऑस्टियोलॉजी
 3. लैपिडेटेरियोलॉजी
 4. माइकोलॉजी
- (a) पक्षियों का अध्ययन
(b) हड्डियों का अध्ययन
(c) तितलियों का अध्ययन
(d) कवक का अध्ययन
- नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए :
- (1) (2) (3) (4)
(A) (a) (d) (b) (c)
(B) (d) (c) (a) (b)
(C) (a) (b) (c) (d)
(D) (c) (d) (a) (b)
48. 'भारत टेक्स 2024' के बारे में कौनसा कथन सही है ?
1. केंद्रीय कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 2024 में दुनिया का सबसे बड़ा टेक्सटाइल शो आयोजित होने जा रहा है.
 2. 'भारत टेक्स 2024' 26-29 अप्रैल, 2024 तक अहमदाबाद में आयोजित होने वाला है.
 3. इसमें 40 से अधिक देशों के प्रदर्शक और खरीदार शामिल होंगे
- और यह वैश्विक स्तर पर भारत की विविध कपड़ा परम्पराओं को उजागर करने का एक अनूठा अवसर होगा.
4. यह आयोजन एक उद्योग के नेतृत्व वाली पहल है और इसे 11 कपड़ा सम्बन्धित निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) और अन्य उद्योग निकायों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित करने का प्रस्ताव है.
- नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1, 3 और 4
(C) केवल 1, 2 और 3
(D) 1, 2, 3 और 4 सभी
49. अल्फा, बीटा और गामा विविधता के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. अल्फा विविधता एक पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर की विविधता होती है जिसे आमतौर पर प्रजातियों की संख्या के रूप में वर्णित किया जाता है.
 2. बीटा विविधता भौगोलिक विविधता होती है, जो किसी क्षेत्र की कुल विविधता को संदर्भित करती है.
 3. गामा विविधता हमें एक पारिस्थितिकी तंत्र से दूसरे में प्रजातियों के परिवर्तन के आकार को व्यक्त करती है.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
- (A) केवल 1
(B) केवल 2 और 3
(C) सभी 1, 2 और 3
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
50. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. साइमन आयोग द्वारा प्रस्तुत की गयी रिपोर्ट के आधार पर अंग्रेज सरकार द्वारा भारत में संवैधानिक सुधारों पर चर्चा के लिए तीन गोलमेज सम्मेलन आयोजित किए गए थे.
 2. डॉ. अम्बेडकर और तेज बहादुर सप्रू ने तीनों गोलमेज सम्मेलनों में भाग लिया.
 3. महात्मा गांधी ने लंदन में आयोजित तीसरे गोलमेज सम्मेलन में आचार्य कृपलानी के साथ भाग लिया.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3

- (C) केवल 3 और 1
(D) सभी 1, 2 और 3
51. निम्नलिखित का मिलान कीजिए—
1. विश्व ब्रेल दिवस
2. राष्ट्रीय शिक्षा दिवस
3. भारतीय नौसेना दिवस
4. गोवा मुक्ति दिवस
(a) 4 जनवरी
(b) 11 नवम्बर
(c) 4 दिसम्बर
(d) 19 दिसम्बर
नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—
(1) (2) (3) (4)
(A) (a) (d) (b) (c)
(B) (a) (b) (c) (d)
(C) (a) (c) (b) (d)
(D) (c) (d) (a) (b)
52. लॉर्ड मैकाले की अध्यक्षता में प्रथम विधि आयोग की स्थापना किसके द्वारा की गई थी ?
(A) भारत सरकार अधिनियम 1935
(B) 1833 का चार्टर अधिनियम
(C) विधि आयोग अधिनियम 1867
(D) भारत सरकार अधिनियम 1919
53. निम्नलिखित कारकों में से कौनसा/से कारक जनसंख्या वितरण को प्रभावित करता/करते है/हैं ?
1. पानी की उपलब्धता
2. भू-आकृतियाँ
3. जलवायु
4. मिट्टी
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1, 2 और 4
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) उपर्युक्त सभी
54. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. UNESCO द्वारा कोडिकोड शहर को देश का प्रथम साहित्य का शहर बनाने की घोषणा की गयी.
2. महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार ने सेफ सिटी परियोजना लागू की है.
3. महाराष्ट्र सरकार ने पार्श्व गायक सुरेश ईश्वर वाडकर को 2023 के अपने प्रतिष्ठित लता मंगेशकर पुरस्कार के लिए चुना है.
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 3
- (C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2, 3 सभी
55. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से कथन सत्य है/हैं ?
1. हियांग तन्नाबा, भारत के मणिपुर में लाई हरोबा के धार्मिक उत्सव के एक भाग के रूप में किया जाने वाला एक पारम्परिक नाव दौड़ समारोह है.
2. सिलंबम एक भारतीय मार्शल आर्ट है, जो भारतीय उपमहाद्वीप में दक्षिण भारत के ओडिशा में उत्पन्न हुई है.
3. वल्लम काली, जिसे स्नेक बोट रेस के रूप में भी जाना जाता है, भारत के केरल में एक पारम्परिक नाव दौड़ है.
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2, 3 सभी
56. इण्डियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एण्ड कल्चरल हेरिटेज (INTACH) के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. इण्डियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एण्ड कल्चरल हेरिटेज (INTACH) भारत की विशाल प्राकृतिक, निर्मित और सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा और संरक्षण के लिए संस्कृति मंत्रालय के तहत काम करता है.
2. INTACH ने अमूर्त विरासत के संरक्षण और संरक्षण का भी बीड़ा उठाया है.
3. संयुक्त राष्ट्र ने INTACH को संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद् के साथ एक विशेष सलाहकार का दर्जा दिया है.
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2, 3 सभी
57. निम्नलिखित में से यूक्रेन किसके साथ अपनी सीमा साझा करता है ?
1. रोमानिया 2. मॉल्डोवा
3. काला सागर 4. रूस
5. जॉर्जिया 6. बुल्गारिया
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(A) 2, 3, 4 और 6
(B) 1, 3, 4 और 5
(C) 1, 2, 3 और 4
(D) उपर्युक्त सभी से
58. प्रोजेक्ट उद्भव के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. प्रोजेक्ट उद्भव को आधिकारिक तौर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा लॉन्च किया गया था.
2. यह परियोजना भारतीय सेना और यूनाइटेड सर्विसेज इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया के बीच एक संयुक्त पहल है.
3. इसका उद्देश्य समकालीन युद्ध और कूटनीति को अपनाते हुए भारतीय सेना को ऐतिहासिक सैन्य ज्ञान के साथ एकीकृत करना है.
उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) 1, 2 और 3 सभी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
59. 'चुनावी बांड' के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारत का नागरिक या भारत में निगमित कोई निकाय 'चुनावी बांड' खरीदने के लिए पात्र है.
2. किसी भी राजनीतिक दल द्वारा बाण्ड को केवल अधिकृत बैंक में निर्दिष्ट बैंक खाते के माध्यम से भुनाया जा सकता है.
3. भारतीय रिजर्व बैंक इन बाण्डों को बेचने के लिए अधिकृत एकमात्र बैंक है.
उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) उपर्युक्त तीनों
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
60. कथन (A) : चीन दुनिया का सबसे बड़ा गेहूँ उत्पादक देश है.
कारण (R) : विश्व में गेहूँ का सबसे बड़ा क्षेत्र चीन में पाया जाता है.
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है
(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है
61. 'अल-नगाह' युद्धाभ्यास निम्नलिखित में से किस देश के बीच आयोजित किया जाता है ?
1. भारत
2. संयुक्त अरब अमीरात
3. ओमान
4. कतर

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1 और 3
(B) 1, 2, 3 और 4 सभी
(C) केवल 1 और 4
(D) केवल 1, 2 और 3

62. निम्नलिखित राष्ट्रीय जलमार्गों को उनके सही मार्ग के साथ सुमेलित कीजिए—

1. राष्ट्रीय जलमार्ग-1
 2. राष्ट्रीय जलमार्ग-2
 3. राष्ट्रीय जलमार्ग-3
 4. राष्ट्रीय जलमार्ग-9
- (a) कोट्टापुलम से कोल्लम तक
(b) अलाप्पुझा-कोट्टायम-अथिरामपुझा नहर
(c) हल्दिया से इलाहाबाद तक
(d) धुबरी से सादिया तक
- (1) (2) (3) (4)
(A) (c) (d) (a) (b)
(B) (c) (a) (d) (b)
(C) (a) (d) (c) (b)
(D) (c) (d) (b) (a)

63. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से कथन सत्य है/हैं ?

1. तमिलनाडु अपने सभी जिलों में हॉलमार्किंग केंद्र स्थापित करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है.
 2. भारतीय क्रिकेट टीम वनडे इतिहास में 3000 छक्के लगाने वाली दुनिया की पहली क्रिकेट टीम बन गयी है.
 3. अमरीका अपने संविधान में देश के मूल निवासियों को मान्यता देने के लिए जनमत संग्रह करने जा रहा है.
 4. 'श्री सोमनाथ ट्रस्ट' के अध्यक्ष के रूप में नरेंद्र मोदी को चुना गया है.
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1, 2 और 3
(C) केवल 2 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4 सभी

64. जगन्नाथ मंदिर के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. यह हिन्दू धर्म के चार प्रमुख धामों में से एक है और यह श्रीकृष्ण (भगवान जगन्नाथ) को समर्पित है.
2. इसका निर्माण 12वीं शताब्दी में पूर्वी गंग राजवंश के राजा अनन्तवर्मन चोडगंग देव द्वारा किया गया था.
3. इसे 'यामानिका तीर्थ' कहा जाता है. इस मंदिर में चार द्वार हैं.

उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं/हैं ?

- (A) केवल एक
(B) केवल दो

(C) ये तीनों
(D) कोई नहीं

65. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से कथन सत्य है/हैं ?

1. गुजरात सरकार ने 'घोल मछली' को राजकीय मछली घोषित किया है.
 2. फ्लेयर राइटिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने हौजर पेन के लिए अभिनेता रणबीर कपूर को अपना ब्राण्ड एम्बेसडर बनाया है.
 3. आयुर्वेद में नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में एक अग्रणी कदम में, आयुष मंत्रालय के तहत केंद्रीय आयुर्वेद विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने 'आयुर्वेद ज्ञान नैपुण्य पहल' (AGNI) की शुरुआत की है.
- (A) केवल 2 और 3
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) 1, 2 और 3 सभी

66. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. नीवक्लाउड (Neev Cloud) ने देश का पहला मेड इन इंडिया AI सुपरक्लाउड लॉन्च किया.
2. उप-सतह जल बर्फ मानचित्रण (SWIM) परियोजना NASA द्वारा वित्त पोषित एक परियोजना है जिसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि मंगल ग्रह की जमीन के नीचे जल की बर्फ होने की सबसे अधिक सम्भावना कहाँ है.
3. कृषि और किसान कल्याण विभाग ने वाधवानी इंस्टीट्यूट फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सहयोग से कृषि 24/7 विकसित किया है, जो स्वचालित कृषि समाचार निगरानी और विश्लेषण के लिए पहला AI-संचालित समाधान है.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से कथन असत्य है/हैं ?

- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2
(C) केवल 2 और 3
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

67. निम्नलिखित खिलाड़ियों को उनके खेलों के साथ सुमेलित कीजिए :

खिलाड़ी खेल

1. उन्नति हुड्डा (a) एथलेटिक्स
2. अनाहत सिंह (b) स्क्वाश
3. दुती चंद (c) बैडमिंटन
4. अमित पंचाल (d) बॉक्सिंग

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

- (1) (2) (3) (4)
(A) (c) (b) (d) (a)
(B) (d) (a) (c) (b)
(C) (a) (b) (d) (c)
(D) (c) (b) (a) (d)

68. अंटार्कटिका महाद्वीप के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. अंटार्कटिका पृथ्वी का पाँचवाँ सबसे बड़ा महाद्वीप है. इसे 'गतिशील या सक्रिय महाद्वीप' के रूप में जाना जाता है, क्योंकि अंटार्कटिका का आकार मौसम के परिवर्तन के साथ बदलता है.
2. माउंट एल्बुस अंटार्कटिका की सबसे ऊँची चोटी है.
3. माउंट एरेबस अंटार्कटिका का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी है.
4. क्रिल नामक मछली की प्रजाति यहाँ प्रचुर मात्रा में पायी जाती है. इनके समूह को शॉल कहा जाता है.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

- (A) केवल 1, 3 और 4
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) केवल 2, 3 और 4

69. विजन इंडिया @ 2047 के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. विजन इंडिया @ 2047 अगले 25 वर्षों में भारत के विकास का एक खाका या ब्लूप्रिंट तैयार करने के लिए भारत के शीर्ष नीति थिंक टैंक नीति आयोग द्वारा शुरू की गई एक परियोजना है.
2. इसका लक्ष्य 18-20 हजार अमेरिकी डॉलर की प्रति व्यक्ति आय और मजबूत सार्वजनिक वित्त एवं एक सुदृढ़ वित्तीय क्षेत्र के साथ 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था प्राप्त करना.
3. ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना और सुविधाओं का निर्माण करना इसमें शामिल है.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3 सभी

70. भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के बारे में अग्रलिखित में से कौनसा/से कथन सत्य है/हैं ?

81. निम्नलिखित में से कौनसा सही सुमेलित नहीं है ?

- (A) पहले एशियाई खेल : 1956
(B) 17 वें एशियाई खेल : 2014
(C) 15 वें एशियाई खेल : 2006
(D) चौथे एशियाई खेल : 1962

82. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए—
पुरस्कार

1. शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार
2. मान बुकर पुरस्कार
3. ग्रेमी पुरस्कार
4. एमी अवार्ड्स

सम्बन्धित क्षेत्र

- (a) विज्ञान
(b) साहित्य
(c) टेलीविजन उद्योग
(d) संगीत

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए—

- (1) (2) (3) (4)
(A) (a) (b) (c) (d)
(B) (b) (a) (d) (c)
(C) (a) (b) (d) (c)
(D) (d) (b) (a) (c)

83. विक्टोरिया झील के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. सतही क्षेत्रफल के हिसाब से यह झील दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है.
2. इसकी सीमा चार देशों—तंजानिया, रवांडा, युगांडा और केन्या से लगती है.
3. इस झील से निकलने वाली एकमात्र धारा नील नदी है, जो युगांडा के जिंजा के पास झील से बाहर निकलती है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन गलत है/हैं ?

- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) केवल 3

84. 1833 के चार्टर अधिनियम के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. इसने विधि आयोग की स्थापना का प्रावधान किया.
2. इसने ईस्ट इंडिया कम्पनी के प्रशासनिक कार्यों को समाप्त कर दिया.
3. यूरोपीय आप्रवासन और भारत में सम्पत्ति के अधिग्रहण पर सभी प्रतिबंध हटा दिए गए थे.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 1
(D) केवल 2 और 3

85. चुनाव आयोग के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सत्य है/हैं ?

1. यह राजनीतिक दलों को मान्यता प्रदान करता है और इससे सम्बन्धित विवादों को निपटाने के साथ उन्हें चुनाव विन्ध आवंटित करता है. यह राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए चुनाव में आदर्श आचार संहिता जारी करता है.
2. चुनाव आयोग की स्थापना 26 जनवरी, 1949 को संविधान के अनुसार की गई थी.
3. संविधान का अनुच्छेद 324 से 329 आयोग और सदस्य की शक्तियों, कार्य, कार्यकाल, पात्रता आदि से सम्बन्धित है.
4. चुनाव आयोग एक तीन सदस्यीय निकाय है, इसमें एक मुख्य चुनाव आयुक्त और दो चुनाव आयुक्त होते हैं.

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 2, 3 और 4
(C) केवल 1, 3 और 4
(D) केवल 1, 2 और 4

86. निम्नलिखित में से किन पहाड़ियों को मिलाकर पूर्वांचल पर्वत शृंखला का निर्माण होता है ?

1. पटकाई पहाड़ियाँ
2. मणिपुर पहाड़ियाँ
3. मिजो पहाड़ियाँ
4. नागा पहाड़ियाँ
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1, 2 और 3
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4 सभी

87. न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करने के लिए निम्नलिखित में से किन कारक/कारकों पर विचार किया जाता है ?

1. लागत मूल्य
2. अंतर-फसल मूल्य समता
3. जीवन यापन की लागत पर प्रभाव
4. अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य स्थिति

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 2, 3 और 4
(C) केवल 1, 3 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4 सभी

88. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए—
सामग्री

1. बेरेट 2. एविएटर्स
3. सलिलेटोज 4. ब्रॉग

विवरण

- (a) एक प्रकार का धूप का चश्मा
(b) एक प्रकार की टोपी
(c) पुरुषों के जूते का एक प्रकार
(d) महिलाओं के जूते का एक प्रकार

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

- (1) (2) (3) (4)
(A) (b) (a) (d) (c)
(B) (a) (b) (d) (c)
(C) (c) (a) (d) (b)
(D) (b) (a) (c) (d)

89. निम्नलिखित में से कौनसा देश भूमि से घिरा हुआ है ?

1. भूटान 2. हंगरी
3. मलेशिया 4. बेलारूस

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1, 2 और 3
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) केवल 1, 2 और 4

90. हाल ही में भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) ने अधिक उपज वाली 'काली मिर्च' की किस्म विकसित की है, उसका नाम क्या है ?

- (A) रलोक (B) पृथ्वी
(C) चंद्रा (D) अर्ध

91. 2023 में जोहान्सबर्ग में आयोजित 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से ब्रिक्स का विस्तार हुआ, जिससे यह ब्रिक्स-प्लस बन गया. ग्रुप में 6 नए देश जोड़े गए हैं. निम्नलिखित में से कौनसा देश इन नए सदस्यों में से एक नहीं है ?

- (A) अर्जेंटीना (B) चिली
(C) मिस (D) ईरान

92. राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक नीति आयोग द्वारा जारी किया जाता है.
2. राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक का पहला संस्करण वर्ष 2020 में जारी किया गया था.
3. बहुआयामी गरीबी को मापने के लिये 12 संकेतकों (पोषण, बाल और किशोर मृत्यु दर, मातृ स्वास्थ्य, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में उपस्थिति, खाना पकाने का ईंधन,

स्वच्छता, पेयजल, विद्युत्, आवास, सम्पत्ति और बैंक खाते) का उपयोग किया जाता है.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सत्य है/हैं ?

- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3 सभी

93. हर्षोत्तर काल के स्रोतों में उल्लिखित 'हुंडी' को निम्नलिखित में से कौनसा कथन परिभाषित करता है ?

- (A) राजा द्वारा अपने अधीनस्थों को जारी की गई एक सलाह
(B) दैनिक लेखांकन के लिए एक डेयरी का रखरखाव करना होगा
(C) सामंत के अपने अधीनस्थों को आदेश
(D) विनिमय का बिल

94. टैंटेलम जो एक दुर्लभ धातु है, के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. इसकी खोज सबसे पहले वर्ष 1802 में स्वीडिश रसायनशास्त्री एंडर्स गुस्ताफ एकेनबर्ग ने की थी.
2. हाल ही में IIT रोपड़ के शोधकर्ताओं की एक टीम ने पंजाब में सतलुज नदी की रेत में टैंटेलम (Tantalum-Ta) की खोज की है.
3. यह भूरे रंग की भारी धातु है तथा इसकी प्रकृति अत्यधिक संक्षारण प्रतिरोधी होती है, जो हवा के सम्पर्क में आने पर ऑक्साइड परत बनाती है.
4. इसका गलनांक उच्च होता है और इसे अक्सर प्लैटिनम के विकल्प के रूप में उपयोग किया जाता है.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सत्य है/हैं ?

- (A) केवल 1, 2 और 4
(B) केवल 1, 2 और 3
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) उपर्युक्त सभी

95. स्पष्ट प्रतिध्वनि सुनने के लिए परावर्तक सतह और ध्वनि स्रोत के बीच न्यूनतम दूरी होनी चाहिए ?

- (A) 10 मीटर (B) 17 मीटर
(C) 24 मीटर (D) 30 मीटर

96. निम्नलिखित अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों को उनके मुख्यालय के साथ सुमेलित कीजिए—

संगठन

1. अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन
2. अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA)

3. प्रकृति के संरक्षण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय संघ (IUCN)

4. संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन

मुख्यालय

- (a) जिनेवा, स्विट्जरलैंड
(b) वियना, ऑस्ट्रिया
(c) रलैंड, स्विट्जरलैंड
(d) मैड्रिड, स्पेन

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए—

(1) (2) (3) (4)

- (A) (a) (b) (c) (d)
(B) (c) (a) (d) (b)
(C) (a) (d) (c) (b)
(D) (c) (d) (b) (a)

97. मृत क्षेत्रों के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. मृत क्षेत्र जल निकाय का वह क्षेत्र है, जिसमें ऑक्सीजन की उच्च सांद्रता होती है.
2. यह मानवीय गतिविधियों से अत्यधिक पोषक तत्व प्रदूषण के कारण हो सकता है.
3. जलवायु परिवर्तन के कारण वातावरण के गर्म होने से समुद्र में 'मृत क्षेत्रों' का विस्तार हो सकता है.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सत्य है/हैं ?

- (A) केवल 1
(B) केवल 2 और 3
(C) 1, 2 और 3 सभी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

98. 'आर्कटिक परिषद्' के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. आर्कटिक परिषद् का स्थायी सचिवालय औपचारिक रूप से 2013 में ट्रोम्सो, नॉर्वे में चालू हो गया.
2. आर्कटिक परिषद् आठ सर्कपोलर देशों का एक अंतरसरकारी निकाय है.
3. भारत को परिषद् में पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त है.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा सही है ?

- (A) केवल 2 और 3
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) उपर्युक्त सभी

99. चौथे एशियाई पैरा गेम्स के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. पदक तालिका में भारत पाँचवें स्थान पर रहा.

2. चौथे एशियाई पैरा गेम्स 22 से 28 अक्टूबर, 2023 तक चीन के हांगझू में आयोजित हुए.

3. भारत ने एशियन पैरा गेम्स के चौथे संस्करण में अपने 303 एथलीटों (191 पुरुषों और 112 महिलाओं) को भेजा था.

4. इस प्रतियोगिता में चीन ने 214 स्वर्ण सहित कुल 521 पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया. उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

- (A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 1, 2 और 4
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) उपर्युक्त सभी

100. निम्नलिखित में से कौनसी कम्पनी/कम्पनियाँ भारत में महारत्न कम्पनियों की सूची में शामिल नहीं है/हैं ?

1. भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
2. भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
3. कोल इंडिया लिमिटेड
4. ऑयल इंडिया लिमिटेड

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

- (A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2 और 4
(C) केवल 3 और 4
(D) उपर्युक्त सभी

उत्तर व्याख्या सहित

1. (C) शिवाजी ने प्रशासन की सुदृढ़ व्यवस्था की नींव रखी. शिवाजी की अष्टप्रधान नामक मंत्रिपरिषद् उन्हें प्रशासन करने में सहायता प्रदान करती थी. शिवाजी के अष्टप्रधान निम्नलिखित हैं—

पेशवा—वित्त और सामान्य प्रशासन (प्रधानमंत्री)

सर-ए-नौबत या सेनापति—सैन्य कमांडर

अमात्य—महालेखाकार

वाकियानवीस—खुफिया, पद और घरेलू मामले

सचिव—पत्राचार

सुमंत—समारोहों के स्वामी/विदेश विभाग

न्यायाधीश—न्याय विभाग प्रमुख

पंडितराव—दान और धार्मिक प्रशासन

2. (B)
3. (D) भवभूति, हस्तिमल्ल और क्षेमेश्वर, ये तीनों प्रसिद्ध नाटककार थे. भवभूति संस्कृत नाटककार थे, जिन्होंने महावीर-चरित, मालतीमाधव आदि प्रसिद्ध नाटक लिखे, इन्हें कन्नौज के राजा यशोवर्मन का दरबारी कवि माना जाता है. हस्तिमल्ल ने विक्रान्त कौरव और

सुभद्रा हरण सहित 8 नाटक लिखे. ये होयसल साम्राज्य के प्रसिद्ध कन्नड़ कवि और नाटककार थे.

4. (C) बिहार की जातिगत गणना रिपोर्ट के अनुसार बिहार में पिछड़ा वर्ग की संख्या 36-01 प्रतिशत तथा अत्यंत पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या 27-13 प्रतिशत, अनुसूचित जाति की जनसंख्या 19-65 प्रतिशत तथा अनुसूचित जनजाति की 1-6824 प्रतिशत है.
5. (C) यह मंदिर, वैष्णववाद को बढ़ावा देने के लिए नहीं था, क्योंकि यह योगिनियों यानी योग की महिला स्वामी को समर्पित है. मूल रूप से 64 सहायक मंदिरों में रखी गई 64 योगिनियाँ अब गायब हैं, प्रत्येक कक्ष में एक शिवलिंग ने अपना स्थान ले लिया है. इसका निर्माण कच्छपगत वंश के महाराजा देवपाल द्वारा किया गया था. यह मंदिर एक छोटी पहाड़ी की चोटी पर स्थित है और एक वृत्ताकार योजना दिखाता है.
6. (C) इस रैंकिंग में, ऑक्सफोर्ड विश्व-विद्यालय ने सर्वोच्च रैंक हासिल की, उसके बाद स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का स्थान रहा.
7. (D) अनुच्छेद 32 के तहत सर्वोच्च न्यायालय और अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालय किसी व्यक्ति के मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए 5 प्रकार की रिट जारी कर सकते हैं. इसमें बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, उत्प्रेषण, निषेध, अधिकारपृच्छा जारी किया जा सकता है.
8. (B) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 148 नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक से सम्बन्धित है. CAG भारत के संविधान के तहत एक स्वतंत्र प्राधिकरण है. यह भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग के प्रमुख और सार्वजनिक धन के मुख्य संरक्षक हैं. यह वह संस्था है जिसके माध्यम से सरकार और अन्य सार्वजनिक प्राधिकरणों (वे सभी जो सार्वजनिक धन खर्च करते हैं) की संसद और राज्य विधानमण्डलों और उनके माध्यम से जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित की जाती है.
9. (D) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 368 में संविधान में संशोधन की प्रक्रिया दी गई है. संविधान में संशोधन केवल संसद के किसी भी सदन में विधेयक पेश करके शुरू किया जा सकता है, न कि राज्य विधानसभाओं में. विधेयक को किसी मंत्री या किसी निजी सदस्य द्वारा पेश किया जा सकता है और

इसके लिए राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है. विधेयक को प्रत्येक सदन में विशेष बहुमत से पारित किया जाना चाहिए, अर्थात् सदन की कुल सदस्यता का बहुमत (अर्थात् 50 प्रतिशत से अधिक) और सदन में उपस्थित सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत से पारित किया जाना चाहिए.

प्रत्येक सदन को अलग से विधेयक पारित करना होगा. दोनों सदनों के बीच असहमति की स्थिति में, विधेयक पर विचार-विमर्श और पारित करने के उद्देश्य से दोनों सदनों की संयुक्त बैठक बुलाने का कोई प्रावधान नहीं है. यदि विधेयक संविधान के संघीय प्रावधानों में संशोधन करना चाहता है, तो इसे आधे राज्यों की विधानसभाओं द्वारा साधारण बहुमत से, यानी सदन में उपस्थित और मतदान करने वाले अधिकांश सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए.

संसद के दोनों सदनों द्वारा विधिवत् पारित होने और राज्य विधानमंडलों द्वारा अनुसमर्थित होने के बाद, जहाँ आवश्यक हो, विधेयक को सहमति के लिए राष्ट्रपति के पास प्रस्तुत किया जाता है. राष्ट्रपति को विधेयक पर अपनी सहमति देनी होगी. वह न तो विधेयक पर अपनी सहमति रोक सकता है और न ही विधेयक को संसद को पुनर्विचार के लिए लौटा सकता है. राष्ट्रपति की सहमति के बाद विधेयक एक अधिनियम बन जाता है.

10. (D) विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा प्रकाशित वैश्विक नवाचार सूचकांक 2023 रैंकिंग में 132 अर्थव्यवस्थाओं में से भारत का 40वाँ स्थान बरकरार है. वैश्विक नवाचार सूचकांक (जीआईआई) में पिछले कई वर्षों से भारत 2015 में 81वें स्थान पर था, जो 2023 में सुधर कर 40वें स्थान पर पहुँच गया.
11. (C) प्रधानमंत्री ने अपने मन की बात एपिसोड 103 में, हमारे अमर शहीदों की याद में देशभर में कार्यक्रम आयोजित करने के बारे में कहा था. इसी के तहत सरकार ने इस अभियान 'मेरी माटी मेरा देश' का शुभारम्भ किया है. कार्यक्रम की विषयवस्तु के अनुरूप विभिन्न गतिविधियों का आयोजन 9 से 15 अगस्त, 2023 तक दिल्ली और उसके आसपास के विभिन्न वायु सेना स्टेशनों पर किया गया. इन सभी स्थानों पर स्वदेशी प्रजातियों के 75 पौधे लगाकर अमृत वाटिका बनाई गई, ताकि धरती माँ को फिर से हरा-भरा बनाया जा सके. इस कार्यक्रम

का नाम 'वसुध वंदन' रखा गया है. ये 'अमृत वाटिका' 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का भी भव्य प्रतीक बनेगी. इस अवसर पर उपस्थित जन-समुदाय ने 'पंच प्रण' शपथ ली.

अमृत वाटिका के अलावा, स्टेशनों पर आयोजित अन्य गतिविधियों में शामिल हैं :

- स्वच्छता अभियान
- रक्तदान शिविर
- वृक्षारोपण अभियान
- सांस्कृतिक कार्यक्रम
- स्वच्छ भारत अभियान (स्वच्छ भारत मिशन) गतिविधियाँ
- योग प्रदर्शन

12. (C) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 75 के अनुसार, मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होगी और अनुच्छेद 164 के अनुसार, मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से राज्य की विधान सभा के प्रति उत्तरदायी होगी. लोक सभा की प्रक्रिया और आचरण नियमों के नियम 198 के अनुसार, अविश्वास प्रस्ताव "मंत्रिपरिषद् में विश्वास की कमी व्यक्त करने वाला प्रस्ताव है." न्यूनतम 50 सदस्यों की मंजूरी के साथ प्रस्ताव को आगे बढ़ाया जा सकता है. अविश्वास प्रस्ताव को सदन में पारित होने के लिए बहुमत मत की आवश्यकता होती है. यदि व्यक्ति या पार्टियाँ मतदान से अनुपस्थित रहती हैं, तो उन संख्याओं को सदन की कुल संख्या से हटा दिया जाएगा और फिर बहुमत को ध्यान में रखा जाएगा.
13. (A) इस विश्व कप के फाइनल में आस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर अपना 6वाँ खिताब जीता. आस्ट्रेलिया ने एकदिवसीय विश्व कप के खिताब जीते हैं. क्रिकेट विश्व कप 2023 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः विराट कोहली, रोहित शर्मा और क्विंटन डिकॉक रहे, न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र चौथे स्थान पर रहे. भारत के मोहम्मद शमी, सात मैचों में 24 विकेट के साथ क्रिकेट विश्व कप 2023 में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे.
14. (C) योजना के अनुसार, वायसराय और कमांडर-इन-चीफ को छोड़कर परिषद् के सभी सदस्य भारतीय होंगे. इसमें कहा गया, परिषद् में हिंदू और मुस्लिम जाति का समान प्रतिनिधित्व होगा. इसमें भारत के भावी संविधान का प्रस्ताव था, न कि इसके विभाजन का.
15. (B) पृथ्वी अन्दर कई संकेंद्रित परतों से बनी है. पृथ्वी की सबसे ऊपरी परत भूपर्पटी है, जो सभी परतों में सबसे

पतली है. महाद्वीपीय द्रव्यमान पर यह लगभग 35 किमी और समुद्र तल पर केवल 5 किमी है.

सिलिका और एल्युमिना मुख्य खनिज हैं, जो महाद्वीपीय द्रव्यमान का निर्माण करते हैं और इन्हें सियाल (सी: सिलिका; अल: एल्युमिना) कहा जाता है. सिलिका और मैग्नीशियम मुख्य खनिज हैं, जो समुद्री परत का निर्माण करते हैं और इन्हें सिमा (सी: सिलिका; मा: मैग्नीशियम) कहा जाता है. महाद्वीपीय परत समुद्री परत की तुलना में कम घनी होती है, क्योंकि समुद्री परत बेसाल्टिक चट्टानों से बनी होती है. कोर सबसे भीतरी परत का निर्माण करती है. इसका दायरा लगभग 3500 किमी है. निकेल और लोहा कोर का निर्माण करते हैं और इसे नीफे (नी: निकल; फे: लौह यानी लोहा) कहा जाता है. केंद्रीय कोर पर तापमान और दबाव बहुत अधिक है. यह कोर में पिघला हुआ लोहा है जिसने पृथ्वी के चुम्बकीय क्षेत्र को जन्म दिया.

16. (D) मूँगफली, तिल और बाजरा तीनों वर्षा आधारित फसलें हैं. भारत में, वर्षा सिंचित फसलें खाद्य फसलों के अन्तर्गत 48 प्रतिशत और गैर-खाद्य फसलों के अन्तर्गत 68 प्रतिशत हैं. जिसमें से वर्षा सिंचित क्षेत्रों में 89 प्रतिशत बाजरा उत्पादन, 88 प्रतिशत दालें, 73 प्रतिशत कपास, 69 प्रतिशत तिलहन (जिसमें मूँगफली और तिल शामिल हैं) और देश में 40 प्रतिशत चावल का उत्पादन होता है.
17. (D) 5 मार्च, 1931 गाँधी-इरविन समझौते पर गाँधीजी ने कांग्रेस की ओर से और लॉर्ड इरविन ने सरकार की ओर से हस्ताक्षर किए. कांग्रेस द्वारा नमक मार्च को बंद करना, कांग्रेस की गतिविधियों पर अंकुश लगाने वाले सभी अध्यादेशों को वापस लेना. हिंसा को छोड़कर सभी प्रकार के अपराधों से सम्बन्धित सभी अभियोगों की वापसी, नमक पर लगने वाले कर को हटाना जैसे प्रावधान इस समझौते में शामिल थे. ब्रिटिश सरकार द्वारा राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए कांग्रेस को आमन्त्रित किया गया.
18. (C) ऐहोल शिलालेख संस्कृत में लिखा गया है और यह कन्नड़ लिपि में है. इसमें पुलकेशिन द्वितीय द्वारा हर्षवर्द्धन की पराजय तथा पल्लवों पर चालुक्यों की विजय का उल्लेख है. इसमें राजधानी को ऐहोल से बादामी स्थानांतरित करने का भी उल्लेख है. वे पुलकेशिन द्वितीय

के दरबारी कवि रविकीर्ति द्वारा लिखे गए थे, जिन्होंने 610 से 642 ईस्वी तक शासन किया था.

19. (A) सार्वजनिक ऋण भारत की संचित निधि के विरुद्ध अनुबंधित केंद्र सरकार की कुल देनदारियाँ हैं. इसे आगे आन्तरिक और बाह्य ऋण में वर्गीकृत किया गया है. आन्तरिक ऋण को विपणन योग्य और गैर-विपणन योग्य प्रतिभूतियों में वर्गीकृत किया गया है. FRBM पर एन. के. सिंह समिति ने केंद्र सरकार के लिए ऋण-जीडीपी अनुपात 40 प्रतिशत और राज्यों के लिए 20 प्रतिशत की परिकल्पना की थी, जिसका लक्ष्य कुल 60 प्रतिशत सामान्य सरकारी ऋण-जीडीपी अनुपात था.
20. (D) विषुवतीय क्षेत्रों में लगातार उच्च तापमान और वर्षभर वर्षा सबसे उपयुक्त सदाबहार वनस्पति उत्पन्न करने में सहायक होती है. इन वनों को भूमध्य रेखीय सदाबहार वनों के रूप में जाना जाता है. विषुवत रेखीय वन बायोम के अन्तर्गत बांस, रबर, चंदन, महोगनी, रोजवुड आदि वृक्ष पाए जाते हैं. कई प्रजातियाँ हैं, जो एक साथ सह-अस्तित्व में हैं.
21. (B) पेप्सिको असम में नया संयंत्र स्थापित करने के लिए ₹ 778 करोड़ का निवेश करेगा. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को सिंगापुर के ली कुआन यू एक्सचेंज फेलोशिप से सम्मानित किया गया.
22. (C)
23. (C) जोजिला दर्रा लद्दाख के कारगिल जिले में स्थित एक उच्च पर्वतीय दर्रा है. यह लेह और श्रीनगर को जोड़ता है.
24. (A) चीन 201 स्वर्ण के साथ एशियाई खेलों 2023 पदक तालिका में जापान (52) और दक्षिण कोरिया (42) से आगे रहा. हांगझू में केवल चार देशों ने 100 से अधिक पदक जीते हैं.
25. (C) भारत में कुल 28 राज्य और 8 केंद्रशासित प्रदेश (UT) हैं. क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य राजस्थान (342,239 वर्ग किमी) और उसके बाद मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र हैं. 2011 की जनगणना के अनुसार, राज्यों में बिहार में सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व (1,102/वर्ग किमी) है और केंद्रशासित प्रदेशों में एनसीटी दिल्ली में सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व (11,297/ वर्ग किमी) है.
26. (C) जब हम लैक्टोज युक्त कोई चीज जैसे दूध या दूध से बने उत्पाद खाते

हैं, तो छोटी आंत में लैक्टोज नामक एक एंजाइम इसे ग्लूकोज और गैलेक्टोज नामक सरल चीनी रूपों में तोड़ देता है.

27. (A) शेरशाह द्वारा किए गए सुधार उसे एक बहादुर, बुद्धिमान, व्यवहार कुशल सैन्य प्रशासक, पैनी राजनीतिक परख एवं नगर प्रशासन में असाधारण कौशल और योग्यता रखने वाला व्यक्ति सिद्ध करते हैं. अपने प्रशासन के केंद्रीय विभाग की अवधारणा में उन्होंने निम्न केंद्रीय विभाग लागू किए जैसे—
दीवान-ए-अर्ज—सैन्य विभाग
दीवान-ए-रसालत—विदेशी और धार्मिक मामलों का विभाग
दीवान-ए-इंशा—शाही सचिवालय
दीवान-ए-विजारत—वित्त विभाग
28. (C) संस्कृति मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (एनएमए), केंद्रीय संरक्षित स्मारकों के आसपास निषिद्ध और विनियमित क्षेत्र के प्रबंधन के माध्यम से स्मारकों और स्थलों के संरक्षण के लिए जिम्मेदार है.
29. (C) देशांतर को काल्पनिक रेखाओं द्वारा मापा जाता है, जो पृथ्वी के चारों ओर लम्बवत् (ऊपर और नीचे) चलती हैं और उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों पर मिलती हैं. इन रेखाओं को मेरिडियन के नाम से जाना जाता है. देशांतर की याम्योत्तर रेखाएँ ध्रुवों पर मिलती हैं. अक्षांश के समानांतरों के विपरीत, देशान्तर सभी लम्बाई में समान होते हैं. ऊँचाई समुद्र तल से किसी स्थान की ऊँचाई है. ऊँचाई का किसी स्थान के अक्षांश या देशांतर से कोई सम्बन्ध नहीं है. जैसे-जैसे देशांतर ध्रुवों की ओर एकत्रित होते हैं, देशांतर के बीच की दूरी ध्रुव की ओर कम होती जाती है.
30. (A)
31. (B) पाथेर दाबी, रबीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा लिखित पुस्तक नहीं है. इसे शरत चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा 1926 में लिखा गया था.
32. (A) भारतीय अभिनेता शाहरुख खान और निर्देशक एस. एस. राजामौली को टाइम पत्रिका की 2023 की दुनिया के 100 प्रभावशाली लोगों की सूची में स्थान दिया गया है. शाहरुख खान को 'आइकन्स' की श्रेणी में तथा एस. एस. राजामौली को 'पायनियर्स' की श्रेणी में सूचीबद्ध किया गया है.
33. (C) वायुमण्डल में नाइट्रोजन 78 प्रतिशत, ऑक्सीजन 21 प्रतिशत, आर्गन 0-93 प्रतिशत, कार्बन डाइऑक्साइड 0-3 प्रतिशत तथा हाइड्रोजन, हीलियम,

ओजोन, निऑन, जेनान, आदि अल्प मात्रा में उपस्थित रहती हैं।

34. (C) अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम (IFC) वर्ल्ड बैंक ग्रुप का सदस्य है और इसका मुख्यालय वाशिंगटन, डी.सी., संयुक्त राज्य अमेरिका में है। यह एक अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान है, जो विकासशील देशों में निजी क्षेत्र के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए निवेश, सलाहकारी और सम्पत्ति प्रबंधन से सम्बन्धित सेवाएँ प्रदान करता है। विश्व बैंक समूह ने 2030 तक दुनिया के लिए दो लक्ष्य निर्धारित किए हैं : अत्यधिक गरीबी को समाप्त करना और हर देश में साझा समृद्धि को बढ़ावा देना।
35. (B) असहयोग आंदोलन-अगस्त 1920 भारत में साइमन कमीशन का आगमन-फरवरी 1928 गांधी-इरविन समझौता-5 मार्च, 1931 पूना समझौता-24 सितम्बर, 1932
36. (C) कैटरिना कैफ 'यूनीक्लो' ब्रांड एम्बेसडर की ब्रांड एम्बेसडर हैं। फैशन ब्रांड 'डब्ल्यू' की ब्रांड एम्बेसडर अनुष्का शर्मा हैं।
37. (D) वर्ष 1988 में गटित पी. के. थुंगन समिति ने पंचायती राज व्यवस्था को शक्तिशाली बनाने हेतु उन्हें संवैधानिक दर्जा दिलाने की सिफारिश की। दिसम्बर 1977 में जनता सरकार ने अशोक मेहता की अध्यक्षता में पंचायती राज संस्थाओं पर एक समिति नियुक्त की। अशोक मेहता समिति द्वारा द्विस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था की सिफारिश की गई।
38. (C) 103वें संशोधन अधिनियम, 2019 ने गैर-ओबीसी और गैर-एससी/एसटी वर्गों के बीच आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) को 10 प्रतिशत तक आरक्षण प्रदान करने के लिए संविधान में अनुच्छेद 15(6) और 16(6) को शामिल किया।
39. (D) भारत सरकार ने 2009 में गंगा डॉल्फिन को राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित किया था। गंगा डॉल्फिन का शिकार करना वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत दण्डनीय अपराध है। गंगा डॉल्फिन केवल मीठे पानी में रह सकती है और यह वास्तव में दृष्टिहीन होती है। ये पराश्रव्य ध्वनियों का उत्सर्जन करके शिकार करती हैं, जो मछलियों और अन्य शिकार से टकराकर वापस लौटती हैं तथा उन्हें अपने दिमाग में एक छवि देखने में सक्षम बनाती हैं।
40. (B) मिथाइलीन क्लोराइड एक रंगहीन तरल है, जिसमें हल्की, मीठी गंध होती है। इसका दूसरा नाम डाइक्लोरोमेथेन

है। मिथाइलीन क्लोराइड प्राकृतिक रूप से पर्यावरण में नहीं पाया जाता है। मिथाइलीन क्लोराइड का उपयोग औद्योगिक विलायक और पेंट स्ट्रिपर के रूप में किया जाता है। यह कुछ एरोसोल और कीटनाशक उत्पादों में भी पाया जा सकता है और इसका उपयोग फोटोग्राफिक फिल्म के निर्माण में किया जाता है। यह उच्च तापमान के सम्पर्क में आने पर गैर-दहनशील, विषाक्त क्लोराइड धुएँ का उत्सर्जन कर सकता है। उच्च सांद्रता में वाष्प मादक होते हैं। विलायक और पेंट रिमूवर के रूप में उपयोग किया जाता है।

41. (D) बेलूर में चेन्नाकेशव मंदिर का निर्माण होयसल राजा विष्णुवर्धन ने 1116 ई. में चोलों पर अपनी जीत के उपलक्ष्य में करवाया था। तारे के आकार का यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। हेलेबिड में होयसलेश्वर मंदिर यह मंदिर संभवतः होयसल द्वारा निर्मित सबसे बड़ा शिव मंदिर है। सोमनाथपुर का केशव मंदिर भगवान कृष्ण के तीन रूपों-जनार्दन, केशव और वेणुगोपाल को समर्पित है। होयसल मंदिर 12वीं और 13वीं शताब्दी ईस्वी के दौरान बनाए गए थे, जो होयसल साम्राज्य की अद्वितीय वास्तुकला और कलात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करते हैं। ये तीनों होयसल मंदिर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के संरक्षित स्मारक हैं।

42. (C)

43. (D) किसी संस्था का, चाहे वह बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा संचालित हो, सरकारी सहायता प्राप्त करने का अधिकार मौलिक अधिकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दोनों को सहायता के नियमों और शर्तों का समान रूप से पालन करना होगा।

चाहे वह बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक द्वारा संचालित संस्थान हो, किसी शैक्षणिक संस्थान द्वारा सहायता अनुदान के समुचित उपयोग के लिए प्रासंगिक सभी शर्तें लगाई जा सकती हैं। अनुच्छेद 30(2) में बस इतना कहा गया है कि इस आधार पर कि कोई संस्था किसी अल्पसंख्यक के प्रबंधन के अधीन है, चाहे वह धर्म या भाषा के आधार पर हो, उस शैक्षणिक संस्थान को सहायता अनुदान के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता है, यदि अन्य शैक्षणिक संस्थान इसके हकदार हैं सहायता प्राप्त करें।

44. (D) लैटेराइट मिट्टी, बॉक्साइट या फेरिक ऑक्साइड से समृद्ध होती है। इसमें चूना, मैग्नेशिया, पोटाश और नाइट्रोजन की

अति कमी होती है। लैटेराइट का वितरण पश्चिमी घाट के शिखर पर निरंतर समुद्र तल से 1000 से 1500 मीटर ऊपर समुद्र तल, पूर्वी घाट, राजमहल पहाड़ियाँ, विंध्यन, सतपुड़ा और मालवा पठार पर पाया जाता है। यह दक्षिण महाराष्ट्र, कर्नाटक के कुछ हिस्सों आदि में अच्छी तरह से विकसित है।

45. (C) भू-राजस्व आय का मुख्य स्रोत था। मूल्यांकन के प्रयोजनों के लिए भूमि को चार श्रेणियों में विभाजित किया गया था : गीली भूमि, सूखी भूमि, बगीचे और जंगल। आमतौर पर हिस्सा उपज का छटा हिस्सा होता था। भू-राजस्व का भुगतान नकद या वस्तु के रूप में किया जा सकता था। दरें फसलों के प्रकार, मिट्टी, सिंचाई की विधि आदि के अनुसार भिन्न-भिन्न होती थीं। भूमि कर के अलावा, कई व्यावसायिक कर भी लगाए गए थे। सम्पत्ति पर भी कर लगाया जाता था। चराई और गृहकर भी लगाए गए। वाणिज्यिक करों में व्यापार की निर्मित वस्तुओं पर शुल्क, शुल्क और सीमा शुल्क भी शामिल थे। कार्यशालाओं के निजी मालिकों ने उद्योग कर का भुगतान किया।

46. (D) महाद्वीपीय शेल्फ एक महाद्वीप का जलमग्न किनारा है, जो एक हल्का ढलान वाला मैदान है, जो महासागर तक फैला हुआ है। सामान्य ढाल 1° से कम है। महाद्वीपीय शेल्फ की औसत चौड़ाई लगभग 80 किमी है। सबसे बड़ा महाद्वीपीय शेल्फ आर्कटिक महासागर में साइबेरियाई शेल्फ है, जिसकी चौड़ाई 1,500 किलोमीटर तक है। हल्की ढलान के कारण महाद्वीपीय शेल्फ समुद्र के स्तर में परिवर्तन से प्रभावित होता है।

47. (C)

48. (B) 'भारत टेक्स 2024' 26-29 फरवरी, 2024 तक नई दिल्ली में आयोजित होगा।

49. (A) बीटा विविधता के अन्तर्गत पर्यावरण में मौजूद विभिन्न पारिस्थितिकी प्रणालियों की तुलना शामिल है, जैसे एकतटीय क्षेत्र के भीतर एक पहाड़ी क्षेत्र के अंदर। बीटा विविधता हमें एक पारिस्थितिकी तंत्र से दूसरे में प्रजातियों के परिवर्तन के आकार को व्यक्त करती है। गामा विविधता एक क्षेत्र की कुल विविधता, अर्थात् भौगोलिक विविधता को संदर्भित करती है। यह विभिन्न पारिस्थितिक तंत्रों की अल्फा विविधता का योग होती है।

50. (A) मई 1930 में साइमन कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर ब्रिटिश सरकार

- द्वारा भारत में संवैधानिक सुधारों पर चर्चा के लिए 1930-32 के बीच तीन गोलमेज सम्मेलन आयोजित किए गए. प्रथम गोलमेज सम्मेलन में डॉ. अम्बेडकर ने दलितों के लिए पृथक् निर्वाचन की माँग की. दूसरा गोलमेज सम्मेलन सितम्बर-दिसम्बर 1931 के बीच आयोजित किया गया था. इस सम्मेलन में सरोजिनी नायडू ने भी महात्मा गाँधी के साथ भाग लिया था.
51. (B) सितम्बर 2008 में, केन्द्र सरकार ने भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती 11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी. गोवा, दमन और दीव मुक्ति दिवस, भारत में हर वर्ष 19 दिसम्बर को मनाया जाता है. गोवा मुक्ति दिवस गोवा को पुर्तगाली शासन से मुक्त करने वाले भारतीय सशस्त्र बलों की स्मृति में मनाया जाता है. 4 जनवरी का दिन दुनिया भर में ब्रेल दिवस के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि 4 जनवरी को ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुइस ब्रेल का जन्म हुआ था.
52. (B) पहला कानून आयोग 1833 के चार्टर अधिनियम के तहत 1834 में स्थापित किया गया था. इसके बाद, क्रमशः 1853, 1861 और 1879 में दूसरे, तीसरे और चौथे कानून आयोगों का गठन किया गया, जिससे अंग्रेजी कानूनों को भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल बनाने में मदद मिली. स्वतंत्र भारत का पहला विधि आयोग 1955 में स्थापित किया गया था, जिसके अध्यक्ष भारत के तत्कालीन अटॉर्नी-जनरल श्री एम. सी. सीतलवाड़ थे.
53. (D) उपर्युक्त सभी कारक जनसंख्या वितरण को प्रभावित करते हैं. लोग ऐसे क्षेत्रों में रहना पसंद करते हैं जहाँ ताजा पानी आसानी से उपलब्ध हो जाता है. लोग समतल मैदानों और कोमल ढलानों पर रहना पसंद करते हैं, क्योंकि ऐसे क्षेत्र फसलों के उत्पादन और सड़कों और उद्योगों के निर्माण के लिए अनुकूल हैं. पहाड़ी और पहाड़ी क्षेत्र परिवहन नेटवर्क के विकास में बाधा डालते हैं. जलवायु : अत्यधिक गर्म या ठंडे रेगिस्तान जैसी अत्यधिक जलवायु मानव निवास के लिए असुविधाजनक होती है. आरामदायक जलवायु वाले क्षेत्र, जहाँ अधिक मौसमी भिन्नता नहीं होती है, अधिक लोगों को आकर्षित करते हैं. मिट्टी : जिन क्षेत्रों में उपजाऊ दोमट मिट्टी होती है, उन पर अधिक लोग रहते हैं, क्योंकि ये गहन कृषि का समर्थन कर सकते हैं.
54. (D)
55. (B) सिलबम एक भारतीय मार्शल आर्ट है, जो भारतीय उपमहाद्वीप में दक्षिण भारत के तमिलनाडु में उत्पन्न हुई है. इसका उल्लेख तमिल संगम साहित्य में मिलता है. वल्लम काली, जिसे स्नेक बोट रेस के रूप में भी जाना जाता है, भारत के केरल में एक पारम्परिक नाव दौड़ है. यह मुख्य रूप से वसंत ऋतु में फसल उत्सव ओणम के मौसम के दौरान आयोजित किया जाता है.
- हियांग तन्नाबा, भारत के मणिपुर में लाई हरोबा के धार्मिक उत्सव के एक भाग के रूप में किया जाने वाला एक पारम्परिक नाव दौड़ समारोह है. यह आमतौर पर नवम्बर के महीने में थंगापट (खाई) सहित कई स्थानों पर आयोजित किया जाता है. हियांग हिरन नामक नौकाओं को आध्यात्मिक शक्तियों से युक्त माना जाता है और यह खेल धार्मिक संस्कारों से जुड़ा है.
56. (C) इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एण्ड कल्चरल हेरिटेज (INTACH) सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत एक गैर-लाभकारी धर्मार्थ संगठन है. आज INTACH को देशभर में 190 से अधिक चैप्टर के साथ दुनिया के सबसे बड़े विरासत संगठनों में से एक माना जाता है. पिछले 31 वर्षों में INTACH ने न केवल हमारी प्राकृतिक और निर्मित विरासत, बल्कि अमूर्त विरासत के संरक्षण और संरक्षण का भी बीड़ा उठाया है. नई दिल्ली में मुख्यालय, यह वास्तुकला विरासत, प्राकृतिक विरासत, भौतिक विरासत, अमूर्त सांस्कृतिक विरासत और विरासत शिक्षा और संचार सेवाओं (एचईसीएस) जैसे विभिन्न प्रभागों के माध्यम से संचालित होता है. 2007 में, संयुक्त राष्ट्र ने INTACH को संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद् के साथ एक विशेष सलाहकार का दर्जा प्रदान किया.
57. (C) यूक्रेन पूर्वी यूरोप में स्थित एक देश है. इसकी सीमा पूर्व में रूस, उत्तर में बेलारूस, पोलैंड, स्लोवाकिया, पश्चिम में हंगरी, दक्षिण पश्चिम में रोमानिया एवं मॉल्डोवा और दक्षिण में काला सागर और अजोव सागर से मिलती है. यूक्रेन की राजधानी कीव है.
58. (C) प्रोजेक्ट उद्भव का उद्देश्य आधुनिक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए समकालीन सैन्य प्रथाओं के साथ प्राचीन ज्ञान को संश्लेषित करना है. यह परियोजना जनवरी 2024 में एक प्रकाशन के साथ समाप्त हो जाएगी.
59. (A) भारत का नागरिक या भारत में निगमित कोई निकाय 'चुनावी बांड' खरीदने के लिए पात्र है. भारतीय स्टेट बैंक (SBI) की निर्दिष्ट शाखाओं से ₹ 1 हजार, ₹ 10 हजार, ₹ 1 लाख, ₹ 10 लाख और ₹ 1 करोड़ के गुणकों में किसी भी मूल्य के लिए 'चुनावी बांड' जारी/खरीदे जा सकते हैं. 'चुनावी बांड' का जीवन काल केवल 15 दिनों का होता है, जिसके दौरान इसका उपयोग केवल जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29 ए के तहत पंजीकृत राजनीतिक दलों को दान देने के लिए किया जा सकता है. पार्टी को कम से कम 1 प्रतिशत वोट प्राप्त होना चाहिए. लोक सभा या राज्य विधान सभा के लिए पिछले आम चुनाव में मतदान किया. भारतीय स्टेट बैंक इन बांडों को बेचने के लिए अधिकृत एकमात्र बैंक है.
60. (A) 21वीं सदी के पहले दो दशकों में 2-4 बिलियन टन के साथ चीन दुनिया का सबसे बड़ा गेहूँ उत्पादक है, जो वैश्विक कुल का 17% है. विपणन वर्ष 2022-2023 के दौरान चीन ने 137 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ का उत्पादन किया, जिससे यह दुनिया भर में सबसे बड़ा उत्पादक बन गया. यूरोपीय संघ 134 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक की विनिर्माण मात्रा के साथ दूसरे स्थान पर आया.
61. (A) 'अल-नगाह' युद्धाभ्यास ओमान और भारत के बीच आयोजित किया जाता है. जैद तलवार भारतीय नौसेना और संयुक्त अरब अमीरात नौसेना के बीच आयोजित एक नौसैनिक अभ्यास है.
62. (A) राष्ट्रीय जलमार्ग-1: गंगा-भगीरथी-हुगली नदी प्रणाली (हल्दिया-प्रयागराज) राष्ट्रीय जलमार्ग-2: ब्रह्मपुत्र नदी (धुबरी-सादिया) राष्ट्रीय जलमार्ग-3: वेस्ट कोस्ट नहर (कोट्टापूरम-कोल्लम), चंपाकारा और उद्योग मंडल नहर राष्ट्रीय जलमार्ग-9: अलप्पुझा-कोट्टायम अथीरमपुझा कैनल बोट जेटी, केरल में अलप्पुझा से अथीरमपुझा तक
63. (C) केरल अपने सभी 14 जिलों में हॉलमार्किंग केंद्र स्थापित करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है. आस्ट्रेलिया अपने संविधान में देश के मूल निवासियों को मान्यता देने के लिए जनमत संग्रह करने जा रहा है.
64. (C) हिन्दू मान्यताओं के अनुसार, पुरी में भगवान जगन्नाथ की उपस्थिति के कारण मृत्यु के देवता 'यम' की

शक्ति समाप्त हो गई है. यह चार धाम तीर्थयात्राओं (बद्रीनाथ, द्वारका, पुरी, रामेश्वरम्) का एक हिस्सा है. मंदिर के चार द्वार हैं—पूर्वी 'सिंहद्वार' जो दो झुके हुए शेरों वाला मुख्य द्वार है, दक्षिणी 'अश्वद्वार', पश्चिमी 'व्याघ्र द्वार' और उत्तरी 'हस्तिद्वार'. जगन्नाथ पुरी मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में पूर्वी गंगा राजवंश के राजा अनन्तवर्मन चोडगंग देव द्वारा किया गया था.

65. (D)

66. (D) उपर्युक्त दिए गए सारे कथन सत्य हैं.

नीव क्लाउड (Neev Cloud) ने देश के पहले AI सुपरक्लाउड के लॉन्च की घोषणा की. कम्पनी का लक्ष्य भारत को AI और सुपर कंप्यूटिंग पर आत्मनिर्भर बनाना है और 2026 तक 40,000 GPU और 1.5 बिलियन डॉलर के स्टोरेज सहित AI क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर को तैनात करके भारत की मुख्य चुनौतियों को हल करने में उपयोगकर्ताओं की मदद करना है.

कृषि और किसान कल्याण विभाग ने वाधवानी इंस्टीट्यूट फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सहयोग से कृषि 24/7 विकसित किया है. कृषि 24/7 की शुरुआत समय पर निर्णय लेने में सहायता के लिए रुचि के कृषि समाचार लेखों को प्रबंधित करने के लिए एक कुशल तंत्र की आवश्यकता को सम्बोधित करती है.

67. (D) उन्नति हुड्डा एशिया जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में अंडर-17 महिला एकल फाइनल में प्रवेश करने वाली पहली भारतीय बनीं. भारतीय स्ववैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने हाल ही में बर्मिंघम में ब्रिटिश जूनियर ओपन टूर्नामेंट में लड़कियों का अंडर-15 स्ववैश खिताब जीता.

68. (A) माउंट विंसन मासिफ अंटार्कटिका की सबसे ऊँची चोटी है. इस महाद्वीप को 'विज्ञान के लिए समर्पित महाद्वीप' भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ विभिन्न देशों के वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र हैं, जो महाद्वीप की संरचना, जलवायु, जीवाश्म पर्यावरण, खनिज, वनस्पति पर्यावरण विज्ञान, भूविज्ञान आदि पर शोध करने के लिए बनाया गया है.

1984 में, भारत ने इस महाद्वीप की संरचना, जलवायु, जीवाश्म पर्यावरण, खनिज और वनस्पति इत्यादि का अध्ययन करने के लिए 'दक्षिणी गंगोत्री' नामक केंद्र स्थापित किया था, जो अब पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया है.

दिसम्बर 1987 में, भारत ने पर्यावरण विज्ञान, भू-विज्ञान आदि पर शोध करने के लिए 'मैत्री' नामक एक शोध केंद्र की स्थापना की थी. भारत ने 18 मार्च, 2012 को लार्समन पहाड़ी में समुद्र विज्ञान और महाद्वीपीय टूटने की घटना का अध्ययन करने के लिए अपना तीसरा शोध केन्द्र 'भारती' की स्थापना की थी.

69. (D) विजन इंडिया @ 2047 का योजना के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

- 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था प्राप्त करना.
- नागरिकों के जीवन में सरकार के अनावश्यक हस्तक्षेप को समाप्त करना और डिजिटल अर्थव्यवस्था एवं शासन को बढ़ावा देना.
- विलय या पुनर्गठन द्वारा और स्वदेशी उद्योग एवं नवाचार को बढ़ावा देने के माध्यम से हर क्षेत्र में 3-4 वैश्विक चैंपियन विकसित करना.
- रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना तथा विश्व में भारत की भूमिका की वृद्धि करना.
- नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि और कार्बन उत्सर्जन को कम करके हरित विकास एवं जलवायु कार्यवाही को बढ़ावा देना.

70. (C) भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अन्तर्गत आता है. भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) का मुख्यालय दिल्ली में स्थित है.

FSSAI के कार्य :

- खाद्य सुरक्षा मानकों एवं दिशा-निर्देशों को निर्धारित करने के लिए नियमों का निर्धारण.
- FSSAI खाद्य व्यवसायों के लिए लाइसेंस और प्रमाणन प्रदान करना.
- खाद्य व्यवसायों में कार्यरत प्रयोगशालाओं हेतु प्रक्रिया एवं दिशा-निर्देश निर्धारित करना.
- नीति निर्माण में सरकार को सलाह देना.
- खाद्य उत्पादों में संदूषकों के बारे में डेटा एकत्र करना, उभरते जोखिमों की पहचान करना और त्वरित चेतावनी प्रणाली शुरू करना.
- खाद्य सुरक्षा के सम्बन्ध में देशभर में एक सूचना नेटवर्क तैयार करना.
- खाद्य सुरक्षा एवं खाद्य मानकों के सम्बन्ध में सामान्य जागरूकता को बढ़ाना.

71. (B) चीन की 14 देशों (अफगानिस्तान, भूटान, भारत, कजाकिस्तान, उत्तर कोरिया, किर्गिस्तान, लाओस, मंगोलिया, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और वियतनाम) के साथ अपनी सीमा साझा करता है. चीन अपनी सबसे लम्बी सीमा रेखा मंगोलिया के साथ साझा करता है, जिसकी लम्बाई 4677 किमी है, उसके बाद रूस है, जो 3645 किमी लम्बी है. चीन ने श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह को 99 वर्ष की लीज पर लिया है.

72. (A) चिकित्सा के लिए 2023 का नोबेल पुरस्कार कैटालिन कारिको और डू वीसमैन को संयुक्त रूप से न्यूक्लियोसाइड बेस संशोधन से सम्बन्धित उनकी खोजों के लिए दिया गया है, जिसने सीओवीआईडी-19 के खिलाफ प्रभावी एमआरएनए टीकों के विकास को सक्षम किया है.

73. (B) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 36 से 51 तक राज्य के नीति निर्देशक तत्व शामिल किए गए हैं. राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत उनके निर्देशों और सामग्री के आधार पर उन्हें आमतौर पर तीन प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है—

1. समाजवादी सिद्धांत
2. गांधीवादी सिद्धांत
3. उदारवादी-बौद्धिक

राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों में परिलक्षित होने वाले गांधीवादी सिद्धांत ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों को संगठित करना और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना है. राज्य का कर्तव्य बनता है कि वे देश में एक सभ्य समाज की स्थापना के लिए इन सिद्धांतों को लागू करने के लिए कानून बनाए. ये सिद्धांत आयरलैंड के संविधान में दिए गए निर्देशक सिद्धांतों से प्रेरित हैं.

74. (C) सार्वजनिक उपक्रम समिति में 22 सदस्य होते हैं, जिसमें से 15 लोकसभा द्वारा और 7 राज्यसभा द्वारा चुने जाते हैं.

75. (C) जेम्स नील ईस्ट इंडिया कम्पनी के एक सैन्य अधिकारी थे, वह 26 सितम्बर, 1857 को लखनऊ में कार्यवाही में मारे गए थे. मेजर जनरल हैवलॉक ने नाना साहिब की सेना को हराया और दिसम्बर 1857 में लखनऊ में उनकी मृत्यु हो गई. सर हेनरी मॉटगोमरी लॉरेंस की 4 जुलाई, 1857 को लखनऊ में मृत्यु हो गई.

76. (C) कैस्पियन सागर क्षेत्रफल के हिसाब से विश्व की सबसे बड़ी झील है. इसका क्षेत्रफल 371,000 वर्ग किमी

है. कैस्पियन सागर में, विश्व की सभी झीलों के कुल जल का 40-44% जल है. तुर्कमेनिस्तान, कजाखस्तान, रूस, अजरबैजान, ईरान इसके तटवर्ती देश हैं.

77. (D) आईएमएफ विश्व बैंक समूह का हिस्सा नहीं है. विश्व बैंक समूह निम्नलिखित पाँच अंतर्राष्ट्रीय संगठनों का एक विस्तारित परिवार है—

1. पुनर्निर्माण और विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय बैंक (आईबीआरडी)
2. अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (आईडीए)
3. अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी)
4. बहुपक्षीय निवेश गारंटी एजेंसी (MIGA)
5. निवेश विवादों के निपटान के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (ICSID)

78. (D) उत्तर प्रदेश सरकार ने सम्पत्ति सम्बन्धी समस्याओं को कम करने के लिए गिफ्ट डीड योजना शुरू की है.

79. (D) भारतीय पेटेंट अधिनियम 1970 (2005 में संशोधित) की धारा 3 (डी) एक ज्ञात पदार्थ के नए रूपों को शामिल करने वाले आविष्कारों को पेटेंट देने की अनुमति नहीं देती है, जब तक कि यह प्रभावकारिता के सम्बन्ध में गुणों में महत्वपूर्ण रूप से भिन्न न हो. धारा 3 (डी) पेटेंट की 'एवरग्रीनिंग' के रूप में जानी जाने वाली चीजों को रोकती है.

80. (A)

81. (A) पहले एशियाई खेल भारत, नई दिल्ली में 1951 में आयोजित किए गए थे. हाल ही में 19वें एशियाई खेल चीन के हांगझू में 2023 में आयोजित हुए.

82. (C)

83. (A) विकटोरिया झील सतही क्षेत्रफल के हिसाब से, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है. इसकी सीमा तीन देशों—तंजानिया, युगांडा और केन्या से लगती है.

84. (B) 1833 के चार्टर अधिनियम के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रावधान थे—

- इसने चीन और चाय के साथ व्यापार पर कम्पनी के एकाधिकार को समाप्त कर दिया.
- इस अधिनियम ने एक वाणिज्यिक निकाय के रूप में ईस्ट इंडिया कम्पनी की गतिविधियों को समाप्त कर दिया, जो विशुद्ध रूप से प्रशासनिक निकाय बन गया.
- किसी भी भारतीय नागरिक को कम्पनी के तहत धर्म, रंग, जन्म, वंश आदि के आधार पर रोजगार से वंचित नहीं किया जाना था.

● यूरोपीय आप्रवासन और भारत में सम्पत्ति के अधिग्रहण पर सभी प्रतिबंध हटा दिए गए थे.

● इसने भारत सरकार को दास प्रथा के उन्मूलन का निर्देश दिया, लेकिन 1843 में दासप्रथा का उन्मूलन कर दिया गया था.

● कानून बनाने पर पेशेवर सलाह के लिए गवर्नर जनरल काउंसिल में एक कानून सदस्य जोड़ा गया.

85. (C) चुनाव आयोग की स्थापना 25 जनवरी, 1950 को संविधान के अनुसार की गई थी. जब 1950 में इसकी स्थापना हुई, तो यह एक सदस्य निकाय था और 15 अक्टूबर, 1989 तक इसमें केवल एक मुख्य निर्वाचन आयुक्त था, 16 अक्टूबर, 1989 से 1 जनवरी, 1990 तक यह तीन सदस्यीय निकाय बना, लेकिन 1 जनवरी, 1990 को राष्ट्रपति ने चुनाव आयुक्त के पद को समाप्त करने की अधिसूचना जारी कर दी और इसे पुनः एक सदस्यीय निकाय में बदल दिया गया. 1 अक्टूबर, 1993 को सरकार ने चुनाव आयोग को फिर से 3 सदस्यीय निकाय बना दिया.

86. (D) पटकाई पहाड़ियाँ, मणिपुर पहाड़ियाँ, मिजो पहाड़ियाँ व नागा पहाड़ियाँ मिलकर पूर्वांचल शृंखला का निर्माण करती हैं, यह संगमरमर के लिए प्रसिद्ध हैं.

87. (D) कृषि लागत और मूल्य आयोग, न्यूनतम समर्थन मूल्य के सम्बन्ध में सिफारिशें तैयार करने में निम्नलिखित कारकों को ध्यान में रखता है—

- बनाने की कीमत (लागत मूल्य)
- इनपुट कीमतों में बदलाव
- इनपुट-आउटपुट मूल्य समता
- बाजार कीमतों में रुझान
- मांग और आपूर्ति
- अंतर-फसल मूल्य समता
- औद्योगिक लागत संरचना पर प्रभाव
- जीवन-यापन की लागत पर प्रभाव
- सामान्य मूल्य स्तर पर प्रभाव
- अंतर्राष्ट्रीय मूल्य स्थिति

88. (A)

89. (D) मलेशिया एक समुद्री राष्ट्र है. समुद्री सीमाएँ सिंगापुर, वियतनाम और इंडोनेशिया के साथ साझा की जाती हैं.

90. (C) भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान, कोझिकोड ने 'आईआईएसआर चंद्रा' नाम से काली मिर्च की एक बम्पर उपज देने वाली किस्म विकसित की है. संस्थान ने इस किस्म का जीनोम अनुक्रमण भी पूरा कर लिया है. भविष्य में यदि किसान इस किस्म की बुवाई करते

हैं, तो उन्हें काली मिर्च की बम्पर पैदावार मिलेगी. भारत के केरल, कर्नाटक और महाराष्ट्र के किसान इससे सबसे ज्यादा लाभान्वित होंगे, क्योंकि इन्हीं राज्यों में किसान सबसे अधिक रकबे में काली मिर्च की खेती करते हैं.

91. (B) 2023 में जोहान्सबर्ग में आयोजित 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से ब्रिक्स का विस्तार हुआ, जिससे यह ब्रिक्स-प्लस बन गया. समूह में 6 नए देश जोड़े गए हैं, अर्थात् अर्जेंटीना, मिस्र, इथियोपिया, सऊदी अरब, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात. उनकी पूर्ण सदस्यता 1 जनवरी, 2024 से प्रभावी होगी.

92. (C) राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक का पहला संस्करण वर्ष 2021 में जारी किया गया था. भारत के राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक के तीन समान महत्व वाले आयाम हैं : स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर, जो 12 संकेतकों द्वारा दर्शाए जाते हैं.

93. (D) हुंडी को एक वित्तीय साधन या विनिमय के पराक्रम्य बिल के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जिसका उपयोग भारत में मध्ययुगीन काल के दौरान व्यापार और ऋण लेनदेन करने के लिए किया जाता था. हुंडी मुख्य रूप से एक बिना शर्त अनुबंध या आदेश है, जो मौद्रिक भुगतान की गारंटी देता है जिसे वैध बातचीत द्वारा स्थानांतरित किया जा सकता है.

94. (D) टैंटेलम एक दुर्लभ धातु है, जिसका परमाणु क्रमांक 73 है. शुद्ध टैंटेलम लचीला होता है, जिससे इसे बिना टूटे पतले तारों के रूप में खींचा जा सकता है. 150 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान पर रासायनिक हमले के प्रति अत्यधिक प्रतिरोधी, यह धातु केवल हाइड्रोफ्लोरिक एसिड, फ्लोराइड आयनों के साथ अम्लीय समाधान और मुक्त सल्फर ट्राइऑक्साइड से प्रभावित होती है. इसका उपयोग रासायनिक संयंत्रों, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों, हवाई जहाजों और मिसाइलों के घटक बनाने हेतु भी किया जाता है. टैंटेलम शारीरिक तरल पदार्थों के साथ प्रतिक्रिया नहीं करता, अतः इसका उपयोग कृत्रिम जोड़ों जैसे सर्जिकल उपकरण तथा प्रत्यारोपण के लिए किया जाता है. टैंटेलम कार्बाइड (TaC) और ग्रेफाइट का मिश्रण सबसे कठोर सामग्रियों में से एक है, जिसका उपयोग हाई-स्पीड कटिंग मशीन के किनारों पर किया जाता है.

खान मंत्रालय के विशेषज्ञों की एक समिति ने भारत के लिये 30 महत्वपूर्ण खनिजों के संग्रह को मान्यता दी है, जिसमें टैंटेलम भी शामिल है.

95. (B) प्रतिध्वनि सुनने के लिए स्रोत और परावर्तक के बीच न्यूनतम दूरी 17 मीटर (16.6 मीटर) होनी चाहिए. यदि यह दूरी इससे कम है, तो दोनों ध्वनियाँ मिश्रित हो जाएंगी और हमें प्रतिध्वनि सुनाई नहीं देगी.
96. (A)
97. (B) मृत क्षेत्र जल निकाय का एक क्षेत्र है, जिसमें नीचे और नीचे के पानी में बहुत कम या कोई ऑक्सीजन नहीं होती है. मृत क्षेत्र, अक्सर स्वाभाविक रूप से होते हैं, लेकिन अन्य कारकों के अलावा मानवीय गतिविधियों से अत्यधिक पोषक तत्व प्रदूषण के कारण भी हो सकते हैं. वे उत्तर और दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी तटों, नामीबिया के तट और अरब सागर में भारत के पश्चिमी तट पर प्रसिद्ध हैं. हाल के दिनों में, जलवायु परिवर्तन के कारण वायुमण्डलीय वार्मिंग के कारण समुद्र में 'मृत क्षेत्रों' का विस्तार होने का अनुमान है.
98. (D) आर्कटिक परिषद् की स्थापना 19 सितम्बर, 1996 को हुई थी, जब

कनाडा, डेनमार्क साम्राज्य, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे, रूसी संघ, स्वीडन और संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकारों ने ओटावा घोषणा पर हस्ताक्षर किए थे. आर्कटिक काउंसिल 1996 में ओटावा घोषणा द्वारा स्वदेशी समुदायों और अन्य आर्कटिक निवासियों के साथ आर्कटिक राज्यों के बीच सहयोग, समन्वय और बातचीत को बढ़ावा देने के लिए स्थापित एक उच्चस्तरीय अंतर सरकारी निकाय है. परिषद् में सदस्य राज्यों के रूप में आठ सर्कपोलर देश हैं और आर्कटिक पर्यावरण की रक्षा करने और उन स्वदेशी लोगों की अर्थव्यवस्थाओं और सामाजिक और सांस्कृतिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए अनिवार्य हैं, जिनके संगठन परिषद् में स्थायी भागीदार हैं. भारत को 2021 में पर्यवेक्षक सदस्य के रूप में चुना गया था.

99. (C) पदक तालिका में चीन, ईरान, जापान और दक्षिण कोरिया के बाद, भारत पाँचवें स्थान पर रहा. भारतीय एथलीटों ने पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के हांगझू में अपने एशियन पैरा गेम्स 2023 अभियान को 29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य सहित कुल 111 पदकों के साथ समाप्त किया. भारत ने

2018 एशियन पैरा गेम्स में 15 स्वर्ण सहित कुल 72 पदकों के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया.

100. (B) भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और ऑयल इंडिया लिमिटेड, ये दोनों भारत की नवरत्न कम्पनियों में शामिल हैं. भारत की महारत्न कम्पनियों की सूची में शामिल कम्पनियाँ निम्नलिखित हैं—
1. भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
 2. भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड
 3. कोल इंडिया लिमिटेड
 4. गेल (इंडिया) लिमिटेड
 5. हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड
 6. इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड
 7. एनटीपीसी लिमिटेड
 8. तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड
 9. पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
 10. स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड
 11. पॉवर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
 12. रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड

•••



UPKAR'S

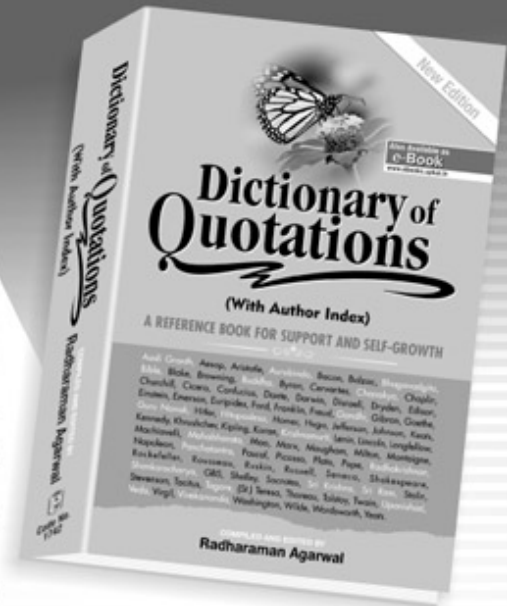
Dictionary of Quotations

Compiled & Edited by : Radharaman Agarwal

Quotations give a unique sharpness to your expressions and representations. They show how you illuminate your imagination, elaborate the excellent ideas, illustrate your particular point, and project your perfect personality.

This book is purposely designed to stimulate the taste of students, so that they can fruitfully use the quotations to enhance effect in their speech, write-up or even daily conversation.

- More than 7,500 quotations covering 725 topics, arranged thematically for easy look-up.
- Topics of modern times such as Animal Rights, Genetic Engineering, Science and Religion, The Internet, End of World, etc., also included.
- An index of more than 1900 authors (with a short individual biography for G.K. purpose.)



Code No. 1742

Price ₹ 250.00



UPKAR PRAKASHAN

1, State Bank Colony, Khandari, Agra-Mathura Bye pass, Agra-282 005
Ph. : (0562) 2530966, 2531101 • E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

• New Delhi 23251844, 43259035 • Hyderabad 24557283 • Patna 2303340 • Haldwani M. 07060421008

सामान्य अध्ययन

1. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए—

1. अनुच्छेद 15
2. अनुच्छेद 16
3. अनुच्छेद 17
4. अनुच्छेद 18

- (a) धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव का निषेध
- (b) सार्वजनिक रोजगार के मामलों में अवसर की समानता
- (c) अस्पृश्यता का उन्मूलन
- (d) उपाधियों का उन्मूलन

- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनें—
- | | | | |
|-------|-----|-----|-----|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| (A) a | b | c | d |
| (B) c | b | a | d |
| (C) c | a | b | d |
| (D) c | b | d | a |

2. यदि कोई मानव रोग विश्व के एक बड़े क्षेत्र में फैल जाता है, तो उसे क्या कहते हैं?

- (A) सर्वव्यापी महामारी
- (B) पशु-महामारी
- (C) स्थानिक महामारी
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

3. सफेद फॉस्फोरस के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. यह एक विषैला पदार्थ है, जिसका उपयोग रासायनिक हथियार के रूप में किया जा सकता है.
2. यह अत्यधिक ज्वलनशील है और हवा के सम्पर्क में आने पर स्वतः प्रज्वलित हो जाता है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं?

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2
- (C) 1 और 2 दोनों
- (D) न तो 1 और न ही 2

4. गुट निरेपक्ष आन्दोलन का प्रथम शिखर सम्मेलन कब हुआ?

- (A) 1941
- (B) 1951
- (C) 1961
- (D) 1971

5. सिकंदर लोदी के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है?

1. सिकंदर लोदी ने भूमि माप के लिए एक पैमाना 'गज-ए-सिकंदरी' की शुरुआत की.

2. सिकंदर लोदी दिल्ली सल्तनत का अंतिम सुल्तान था.

3. सिकंदर शाह लोदी गुजरात के महमूद बेगड़ा और राणा सांगा के समकालीन थे.

4. उसने मुस्लिम महिलाओं को साधु-संतों की कब्रों पर जाने पर प्रतिबन्ध लगा दिया.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1, 2 और 3
- (B) केवल 3 और 4
- (C) केवल 2
- (D) केवल 4

6. लॉर्ड मेयो के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. लॉर्ड मेयो भारत के पाँचवें वायसराय थे.
2. भारत में प्रथम जनगणना लॉर्ड मेयो के शासनकाल में हुई थी.
3. इनकी मृत्यु 8 फरवरी, 1872 को पोर्ट ब्लेयर में हुई थी और इन्हें डबलिन में दफनाया गया.
4. लॉर्ड मेयो 1869 से 1872 के बीच भारत के गवर्नर जनरल थे.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं?

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 1 और 3
- (C) केवल 2, 3 और 4
- (D) 1, 2, 3 और 4 सभी

7. ग्लोबल हंगर इंडेक्स के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं?

1. यह प्रत्येक अक्टूबर में कंसर्न वर्ल्डवाइड और वेल्थुगरहिल्फ द्वारा प्रकाशित किया जाता है.
2. ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2023 में 125 देशों में से भारत की रैंकिंग 111वीं है.
3. ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2023 में 125 देशों में से पाकिस्तान की रैंकिंग 81वीं है.

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2
- (C) केवल 3
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

8. ₹ 1 के नोट पर किसके हस्ताक्षर होते हैं?

- (A) आरबीआई वर्नर
- (B) वित्त मंत्री
- (C) वित्त मंत्रालय के सचिव
- (D) राष्ट्रपति

9. निम्नलिखित में से कौनसा कथन 1833 के चार्टर अधिनियम के प्रावधान से सम्बन्धित है?

- (A) कम्पनी को चाय व्यापार और चीन के साथ व्यापार पर एकाधिकार की अनुमति दी गई.
- (B) कम्पनी को चाय व्यापार और चीन के साथ व्यापार पर दस वर्षों के लिए एकाधिकार की अनुमति दी गई.
- (C) कम्पनी के चाय व्यापार और चीन के साथ व्यापार को समाप्त कर दिया.

10. उत्तर वैदिककाल के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. 'सभा' और 'समिति' का महत्व घट गया था.
2. ब्राह्मण को प्राणदण्ड नहीं दिया जा सकता था.
3. यज्ञ, बलि और पुरोहितों की महत्ता बढ़ गई थी.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन असत्य है/हैं?

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2
- (C) केवल 2 और 3
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

11. निम्नलिखित में से कौनसा/से युग्म सही सुमेलित नहीं है/हैं?

1. दिफू—अरुणाचल प्रदेश
2. जोजिला—हिमाचल प्रदेश
3. नाथू ला—सिक्किम
4. माना ला—उत्तराखंड

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 2 और 3
- (B) केवल 1 और 2
- (C) केवल 2
- (D) केवल 1 और 4

12. हाल ही में दुनिया का आठवाँ अजूबा कौनसा बना है?

- (A) अजंता एलोरा गुफाएं
- (B) राम मन्दिर
- (C) अंकोरवाट मन्दिर
- (D) कोणार्क मन्दिर

13. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए—
पुरस्कार

1. शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार
2. मान बुकर पुरस्कार
3. ग्रेमी पुरस्कार
4. एमी अवार्ड्स

सम्बन्धित क्षेत्र

- (a) विज्ञान
- (b) साहित्य
- (c) टेलीविजन उद्योग
- (d) संगीत

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनें—

(1) (2) (3) (4)

- (A) a b c d
- (B) b a d c
- (C) a b d c
- (D) d b a c

14. रामनाथ कोविन्द समिति, जो हाल ही में खबरों में देखी गई, किससे सम्बन्धित है?

- (A) गरीबी रेखा से सम्बन्धित
- (B) चुनाव
- (C) केन्द्र-राज्य सम्बन्ध
- (D) वित्तीय अनुसंशा

15. निम्नलिखित में से कौनसी भारत में एक संवैधानिक संस्था है/हैं?

- 1. नीति आयोग
 - 2. राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग
 - 3. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं?

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2
- (C) केवल 2 और 3
- (D) 1, 2 और 3 सभी

16. निम्नलिखित में से कौनसा जोड़ा सही सुमेलित नहीं है?

- 1. रविकीर्ति—पुलकेशन द्वितीय
- 2. भवभूति—यशोवर्मन
- 3. हरिषेण—हर्ष
- 4. दण्डी—नरसिंह वर्मन

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 3
- (D) केवल 1, 2 और 3

17. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

- 1. 106वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, महिलाओं के लिए लोक सभा और राज्य विधान सभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान से सम्बन्धित है.
- 2. भारत के पुराने संसद भवन को अब 'संविधान सदन' नाम दिया गया है.
- 3. वैश्विक नवाचार सूचकांक 2023 में, भारत की रैंक 132 देशों में 40वीं है.

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौनसा/से कथन सही है/हैं?

- (A) केवल 1 और 3
- (B) केवल 1 और 2
- (C) केवल 2 और 3
- (D) 1, 2 और 3 सभी

18. जी20 समूह के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन गलत है/हैं?

- 1. जी20 समूह की स्थापना 26 सितम्बर, 1999 में हुई थी.
- 2. जी20 का कोई स्थायी मुख्यालय नहीं है. जी20 एक घूर्णनशील अध्यक्षीय प्रणाली के माध्यम से संचालित होता है.
- 3. ब्रिटेन 1 दिसम्बर, 2023 से 30 नवम्बर, 2024 तक जी20 की अध्यक्षता संभालेगा.
- 4. भारतीय अध्यक्षता के तहत, 2023 में जी20 "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" विषय पर ध्यान केन्द्रित किया गया.

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 2
- (B) केवल 3
- (C) केवल 1 और 3
- (D) 1, 2, 3 और 4 सभी

19. निम्नलिखित को मिलाएं—
झरने

- 1. तुगेला झरना
- 2. युम्बिला झरना
- 3. ब्राउन फॉल्स
- 4. हैरिसन बेसिन फॉल्स

सम्बन्धित देश

- (a) दक्षिण अफ्रीका
- (b) पेरू
- (c) न्यूजीलैंड
- (d) संयुक्त राज्य अमरीका

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनें—

(1) (2) (3) (4)

- (A) a b c d
- (B) b a c d
- (C) c d a b
- (D) c d b a

20. निम्नलिखित में से कौनसी कलाकृति महान चित्रकार राजा रवि वर्मा की नहीं है?

- (A) अर्जुन और सुभद्रा
- (B) द्रौपदी का चीरहरण
- (C) अशोक की रानी
- (D) एक भिखारी परिवार

21. अफ्रीकी एवं यूरेशियाई मरुस्थलीय पेटी के निर्माण के मुख्य कारण क्या हो सकते हैं?

1. यह गर्म समुद्री धाराओं के प्रभाव में है.

2. यह उपोष्णकटिबंधीय उच्च दबाव कोशिकाओं में स्थित है.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं?

- (A) 1 और 2 दोनों
- (B) केवल 2
- (C) केवल 1
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

22. हाल ही में वर्ष 2023 के मान बुकर पुरस्कार से किसे सम्मानित किया गया है?

- (A) चेतना मारु
- (B) पॉल हार्डिंग
- (C) सारा बर्नस्टीन
- (D) पॉल लिंच

23. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए—

- 1. सम्पत्ति के अधिकार को कानूनी अधिकार बनाया गया.
 - 2. संविधान में शामिल मौलिक कर्तव्य
 - 3. जीएसटी शामिल
 - 4. ईडब्ल्यूएस को 10% आरक्षण
- (a) 103वाँ संशोधन अधिनियम
 - (b) 44वाँ संशोधन अधिनियम
 - (c) 42वाँ संशोधन अधिनियम
 - (d) 101वाँ संशोधन अधिनियम

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

(1) (2) (3) (4)

- (A) b c d a
- (B) b a d c
- (C) b c a d
- (D) c b a d

24. चाय की कृषि के सन्दर्भ में नीचे दिए गए कथनों पर विचार कीजिए—

- 1. चाय की कोमल पत्तियों की वृद्धि के लिए उष्ण जलवायु की आवश्यकता होती है.
- 2. इसकी कृषि के लिए वर्षभर सम-वितरित उच्च वर्षा की आवश्यकता होती है.
- 3. चाय की कृषि के लिए लैटेराइट मृदा और मंद ढाल की आवश्यकता होती है.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से कथन असत्य है/हैं?

- (A) केवल 1
- (B) केवल 1 और 2
- (C) केवल 1 और 3
- (D) केवल 2 और 3

25. समतल दर्पण की न्यूनतम लम्बाई क्या होनी चाहिए, जिसमें एक व्यक्ति (जिसकी लम्बाई 1.5 मीटर है) अपना पूरा प्रतिबिम्ब देख सके?

- (A) 0.75 मीटर (B) 2.10 मीटर
(C) 4.25 मीटर (D) 1.5 मीटर

26. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए—

सूची-I

1. सेरीकल्चर 2. पिसीकल्चर
3. विटिकल्चर 4. हॉर्टिकल्चर

सूची-II

- (a) सब्जी, फूलों और फलों की खेती
(b) अंगूर की खेती
(c) मत्स्यपालन
(d) रेशम के कीटों का पालन

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

- (1) (2) (3) (4)

- (A) b c d a
(B) b a d c
(C) d c b a
(D) c b a d

27. प्रकृति में स्वतः लगने वाली जंगल की आग किस प्रकार प्रकृति के विकास में अभिन्न भूमिका निभाती है?

1. ये कीटाणुनाशक के रूप में कार्य करती है.
2. ये मिट्टी में पोषक तत्व वापस लाने में मदद करती है.
3. ये सूरज की रोशनी को जंगल की जमीन तक पहुँचने में मददगार साबित होती है, जिससे नई पीढ़ी के पौधे विकसित होते हैं.

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3 सभी

28. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. यह हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के सबसे पुराने और भव्य रूपों में से एक है.
2. सम्राट अकबर के दरबार में यह अपने चरम पर पहुँच गया.
3. इसमें संस्कृत अक्षरों का उपयोग शामिल है और यह मन्दिर मूल का है.

उपर्युक्त कथन किसके सन्दर्भ में हैं?

- (A) ख्याल (B) तुमरी
(C) गजल (D) ध्रुपद

29. नीचे दिए गए कथनों पर विचार कीजिए—

1. पहली पंचवर्षीय योजना 1951 में शुरू की गई थी, जो हैरोड-डोमर मॉडल पर आधारित थी.

2. दूसरी पंचवर्षीय योजना महालनोबिस मॉडल पर आधारित थी.

3. 1989-91 भारत में आर्थिक अस्थिरता का दौर था, इसलिए कोई पंचवर्षीय योजना लागू नहीं की गई. उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3 और 1
(D) 1, 2 और 3 सभी

30. भारत के स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान की निम्नलिखित घटनाओं को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करिए—

1. होमरूल लीग आन्दोलन
2. सूरत विभाजन
3. खेड़ा सत्याग्रह
4. मॉर्ले मिंटो सुधार

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

- (A) 1, 2, 3, 4 (B) 1, 4, 2, 3
(C) 2, 4, 1, 3 (D) 1, 3, 2, 4

31. निम्नलिखित में से कौनसा/से अन्तर्राष्ट्रीय संगठन उनके मुख्यालय से सही सुमेलित है/हैं?

अन्तर्राष्ट्रीय संगठन

मुख्यालय

- | | |
|----------------------------------|----------------------|
| 1. खाद्य एवं कृषि संगठन | रोम, इटली |
| 2. अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन | लंदन, यूके |
| 3. यूनेस्को | न्यूयॉर्क, यूएसए |
| 4. अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन | जिनेवा, स्विट्जरलैंड |

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1 और 4
(B) केवल 1, 2 और 4
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) केवल 1 और 2

32. सातवाहन शासकों के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. उन्होंने बौद्ध धर्म और ब्राह्मणवाद को संरक्षण दिया.
2. उन्होंने अश्वमेध और राजसूय यज्ञों के प्रदर्शन को पुनर्जीवित किया और इस प्रकार ब्राह्मणवाद को बढ़ावा दिया.
3. उन्होंने प्राकृत भाषा और साहित्य को संरक्षण दिया.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं?

- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3 और 1
(D) 1, 2 और 3 सभी

33. घास भूमि के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन गलत है/हैं?

1. विश्व का सबसे बड़ा समशीतोष्ण घास का मैदान यूरेशियाई मैदान है, जो हंगरी से मचूरिया तक फैला हुआ है.
2. कैंटरबरी घास का मैदान न्यूजीलैंड में पाया जाता है.
3. पुस्ताज घास का मैदान संयुक्त राज्य अमरीका में स्थित है.

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 2 (B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3 (D) केवल 1

34. निम्नलिखित महासागरीय धाराओं और उनके सम्बद्ध महासागरों के बारे में विचार कीजिए—

धारा

सम्बद्ध महासागर

- | | |
|---------------|-------------------------|
| 1. कैनरी धारा | उत्तरी अटलांटिक महासागर |
| 2. ओयाशियो | हिन्द महासागर |
| 3. बेंगुएला | उत्तरी अटलांटिक महासागर |
| 4. पेरू | पश्चिमी महासागर |

उपर्युक्त में से कौनसा/से सही सुमेलित है/हैं?

- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 4
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

35. इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एण्ड कल्चरल हेरिटेज के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. यह भारत की विशाल प्राकृतिक, निर्मित और सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा और संरक्षण के लिए संस्कृति मंत्रालय के तहत काम करता है.
2. इसने अमूर्त विरासत के संरक्षण और संरक्षण का भी बीड़ा उठाया है.
3. संयुक्त राष्ट्र ने इस संस्थान को संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद् के साथ एक विशेष सलाहकार का दर्जा दिया है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं?

- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3 सभी

36. 'फिएट मनी' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. यह एक मुद्रा है जिसे सरकार ने वैध मुद्रा घोषित किया है.
 2. हाइपरइन्फ्लेशन के दौरान इसका मूल्य बढ़ जाता है.
 3. यह एक भौतिक वस्तु द्वारा समर्थित होती है.
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही नहीं है/हैं?
- (A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) 1, 2 और 3 सभी
37. जिला न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने वाले व्यक्ति के लिए निम्नलिखित में से कौनसी अर्हताएं हैं?
1. वह कम-से-कम पाँच वर्ष के लिए अधिवक्ता या प्लीडर रहा हो.
 2. उनकी नियुक्ति के लिए उच्च न्यायालय द्वारा सिफारिश की जानी चाहिए.
 3. वह पहले से ही केन्द्र या राज्य सरकार की सेवा में नहीं होना चाहिए.
- ऊपर दिए गए कथनों में से कौनसे सही हैं?
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1
(C) केवल 2 और 3
(D) उपर्युक्त सभी
38. भारत के संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है?
1. इसे वर्ष 1976 में जोड़ा गया था.
 2. इसे 44वें संवैधानिक संशोधन द्वारा जोड़ा गया था.
 3. इसे 42वें संविधान संशोधन में जोड़ा गया.
- नीचे दिए गए कूट को चुनकर उत्तर दीजिए—
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
39. भूमध्यरेखीय क्षेत्र के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन गलत है/हैं?
1. इस क्षेत्र में वार्षिक वर्षा 200 सेमी से अधिक होती है.
 2. यह हवाई जलधाराओं का क्षेत्र है.
 3. इस क्षेत्र में शीतोष्ण चक्रवातीय वर्षा होती है.
4. इस क्षेत्र में सामान्यतः एक ही प्रजाति के वृक्ष पाए जाते हैं.
- कूट :**
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 2 और 4
(D) केवल 3 और 4
40. निम्नलिखित पुस्तकों में से कौनसी उनके लेखकों के साथ सुमेलित नहीं हैं?
- | पुस्तक | लेखक |
|--------------------------|---------------|
| 1. द गॉड ऑफ स्माल थिंग्स | अरुंधति रॉय |
| 2. लज्जा | तसलीमा नसरीन |
| 3. तीन तलाक : | सलमान रश्दी |
| एक्सामिनिंग फेथ | |
| 4. द गोल्डन हाउस | सलमान खुर्शीद |
- नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 1 और 4
(B) केवल 2
(C) केवल 2 और 3
(D) केवल 3 और 4
41. पर्यावरण से सम्बन्धित निम्नलिखित सम्मेलनों पर विचार कीजिए—
- | कन्वेंशन | लागू हुआ |
|----------------------|----------------|
| 1. बेसल कन्वेंशन | वर्ष 1992 में |
| 2. रॉटरडैम कन्वेंशन | फरवरी 2004 में |
| 3. स्टॉकहोम कन्वेंशन | मई 2004 में |
- उपर्युक्त में से कौनसा/से जोड़ा सही सुमेलित है/हैं ?
- (A) केवल 2
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3
(D) उपर्युक्त सभी
42. भारत की संविधान सभा के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. संविधान सभा का अंतिम अधिवेशन 24 जनवरी, 1950 को हुआ था.
 2. इस अंतिम अधिवेशन में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को भारत का राष्ट्रपति घोषित किया गया.
 3. इस अंतिम अधिवेशन में 'जन गण मन' को भारत के राष्ट्रगान के रूप में अपनाया गया.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से कथन सही है/हैं?
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3
(D) 1, 2 और 3 सभी
43. अग्रलिखित भारतीय राज्यों के गठन का सही कालक्रम है—
- (A) आंध्र प्रदेश-गुजरात-तेलंगाना-छत्तीसगढ़
(B) आंध्र प्रदेश-गुजरात-छत्तीसगढ़-तेलंगाना
(C) गुजरात-आंध्र प्रदेश-तेलंगाना-छत्तीसगढ़
(D) गुजरात-आंध्र प्रदेश-छत्तीसगढ़-तेलंगाना
44. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. समुद्र में बायोमास का पिरामिड सामान्यतः उल्टा होता है.
 2. एक ही प्रजाति एक ही समय में एक ही पारिस्थितिकी तंत्र में एक से अधिक पोषी स्तर पर रह सकती है.
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही नहीं है/हैं?
- (A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2
45. निम्नलिखित में से कौनसी भारत के चुनाव आयोग की शक्तियाँ हैं ?
1. चुनाव खर्च की सीमा निर्धारित करना
 2. पंजीकृत राजनीतिक दलों की अद्यतन सूची अधिसूचित करना
 3. निष्क्रिय राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द करना
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से कथन सही है/हैं?
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) उपर्युक्त सभी
46. 'क्रिप्टोकॉरेंसी' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. क्रिप्टोकॉरेंसी एक केन्द्रीकृत मुद्रा है, जिसका नियंत्रण भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा किया जाता है.
 2. क्रिप्टोकॉरेंसी के साथ लेन-देन को ब्लॉकचेन नामक सार्वजनिक डिजिटल बहीखाता पर दर्ज किया जाता है.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं?
- (A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2
47. निम्नलिखित में से कौन 1953 में भारत सरकार द्वारा गठित किए गए राज्य पुनर्गठन आयोग के सदस्य थे ?

1. हृदयनाथ कुंजरु
2. फजल अली
3. के. एम. पणिककर
4. तेज बहादुर सपू
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 1, 2 और 4
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) केवल 1 और 3
48. निम्नलिखित में से कौनसा सही सुमेलित नहीं है?
झील **सम्बन्धित राज्य**
(A) सरसई नावर झील उत्तर प्रदेश
(B) लोकटक झील मणिपुर
(C) पुलिकट झील तमिलनाडु
(D) रूपकुंड हिमाचल प्रदेश
49. अरब यात्री 'अल मसूदी' ने किस शासक के शासनकाल में भारत की यात्रा की?
(A) मिहिर भोज प्रथम
(B) कृष्णदेव राय द्वितीय
(C) नागभट्ट प्रथम
(D) महिपाल प्रथम
50. निम्नलिखित का मिलान कीजिए—
1. प्रवासी भारतीय दिवस
2. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
3. विश्व जनसंख्या दिवस
4. विश्व एड्स दिवस
(a) 11 जुलाई (b) 1 दिसम्बर
(c) 28 फरवरी (d) 9 जनवरी
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनें—
(1) (2) (3) (4)
(A) a d b c
(B) d c a b
(C) a b c d
(D) c d a b
51. निम्नलिखित में से छत्तीसगढ़ के कौन-कौनसे जिले ओडिशा राज्य से सीमा बनाते हैं ?
1. रायगढ़ 2. महासमुंद
3. गरियाबंद 4. कोंडागाँव
5. बीजापुर 6. बलरामपुर
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 2, 4, 5, 6
(C) 1, 3, 4, 6 (D) 3, 4, 5, 6
52. छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के पहले मुख्य न्यायाधीश कौन थे?
(A) ए. के. पटनायक
(B) डब्ल्यू. ए. शिशांक
(C) दीपक गुप्ता
(D) रमेश सिन्हा
53. छत्तीसगढ़ राज्य का क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा सम्भाग कौनसा है ?
(A) बस्तर (B) दुर्ग
(C) बिलासपुर (D) सरगुजा
54. निम्नलिखित जिलों को उनके सम्भाग से सुमेलित कीजिए—
जिला **सम्भाग**
1. दंतेवाड़ा (a) दुर्ग
2. बलरामपुर (b) सरगुजा
3. बालोद (c) बस्तर
4. कोरबा (d) बिलासपुर
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(1) (2) (3) (4)
(A) a b c d
(B) c b a d
(C) c a b d
(D) c b d a
55. छत्तीसगढ़ सरकार ने अहिंसा और गौरक्षा के लिए कौनसा सम्मान स्थापित किया है?
(A) यति यतनलाल सम्मान
(B) मिनीमाता सम्मान
(C) गुरु घासीदास सम्मान
(D) महाराजा अग्रसेन सम्मान
56. निम्नलिखित राष्ट्रीय उद्यानों में से छत्तीसगढ़ में कौनसा/से राष्ट्रीय उद्यान है/हैं?
1. इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान
2. गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान
3. बेतला राष्ट्रीय उद्यान
4. कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1, 3 और 4
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 4
(D) केवल 1, 2 और 4
57. हाल ही में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने किसके द्वारा लिखित पुस्तक 'नृत्य रहस्य द सेक्रेड मिस्टिक्स ऑफ डांस' का राजभवन में विमोचन किया?
(A) पूर्णश्री राजत
(B) गंगाधर प्रधान
(C) सोनल मानसिंह
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
58. वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. छत्तीसगढ़ में जनसंख्या का घनत्व 289 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है.
2. प्रदेश की ग्रामीण आबादी लगभग 1 करोड़ 96 लाख 3 हजार 658 है.
3. छत्तीसगढ़ राज्य का लैंगिक अनुपात 991 है.
दिए गए कथनों में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3 और 1
(D) 1, 2 और 3 सभी
59. बरुआ गीत किस अवसर पर गाया जाता है?
(A) उपनयन संस्कार के समय
(B) जन्म संस्कार के समय
(C) नवरात्रि के समय
(D) विवाह के समय
60. छत्तीसगढ़ के खिलाडियों को उनके खेल के साथ सुमेलित कीजिए—
खिलाड़ी **खेल**
1. अवधेश यादव (a) टेबल टेनिस
2. राजेश पटेल (b) बॉक्सिंग
3. राजेन्द्र प्रसाद (c) बास्केटबाल
4. समीर सरकार (d) कुश्ती
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(1) (2) (3) (4)
(A) a b c d
(B) c b a d
(C) c a b d
(D) d c b a
61. छत्तीसगढ़ राज्य में तीर किस जनजाति का प्रतीक चिह्न है?
(A) बैगा (B) बिंझवार
(C) भुंजिया (D) पारधी
62. छत्तीसगढ़ी भाषा में कृषि से सम्बन्धित निम्नलिखित शब्दों को सुमेलित कीजिए—
छत्तीसगढ़ी शब्द
1. नांगर
2. खरही
3. पखार
4. गैरपासी
सामान्य भाषा में अर्थ
(a) फसल को काटकर इकट्ठा करना
(b) खेत का ऊपरी हिस्सा
(c) हल
(d) असिंचित भूमि
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(1) (2) (3) (4)
(A) a b c d
(B) c b a d
(C) c a b d
(D) d c b a
63. छत्तीसगढ़ राज्य में कुल कितने केन्द्रीय विश्वविद्यालय हैं?
(A) 1 (B) 2
(C) 3 (D) 4

64. स्वामी आत्मानंद कोचिंग योजना के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए.
1. यह इंजीनियरिंग एवं मेडिकल की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए स्कूल शिक्षा विभाग की नवाचारी पहल है.
 2. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस योजना का अपने निवास कार्यालय से वर्चुअली शुभारम्भ किया.
 3. इस योजना के तहत 150 कोचिंग सेंटर के माध्यम से शासकीय स्कूलों में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग दी जाएगी.
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/ हैं?
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3 और 1
(D) 1, 2 और 3 सभी
65. 3 अक्टूबर, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के जगदलपुर में लगभग ₹ 27,000 करोड़ की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया. इसके तहत निम्नलिखित में से कौनसी परियोजना/परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया ?
1. बस्तर जिले के नगरनार में ₹ 23,800 करोड़ से अधिक के एनएमडीसी स्टील लिमिटेड के स्टील प्लांट का लोकार्पण शामिल है.
 2. प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्ग-43 के 'कुनकुरी से छत्तीसगढ़-झारखण्ड सीमा खण्ड' तक एक सड़क उन्नयन परियोजना भी राष्ट्र को समर्पित की.
 3. प्रधानमंत्री ने अंतागढ़ और तारों के बीच एक नई रेल लाइन और जगदलपुर एवं दंतेवाड़ा के बीच एक रेल लाइन दोहरीकरण परियोजना राष्ट्र को समर्पित की.
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/ हैं?
- (A) केवल 1 और 2
(B) 1, 2 और 3 सभी
(C) केवल 3 और 1
(D) केवल 2 और 3
66. विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा किस गाँव को राष्ट्रीय स्तर पर रजत श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम का पुरस्कार दिया गया है?
- (A) गहमर (उत्तर प्रदेश)
(B) सरोधा-दादर (छत्तीसगढ़)
(C) कोडिया (मध्य प्रदेश)
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
67. देश की प्रतिष्ठित फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री (फिक्की) संस्था द्वारा छत्तीसगढ़ के किन प्रतियोगिता दर्पण/फरवरी/2024/154
- पुलिस अधिकारियों को स्मार्ट पुलिसिंग अवॉर्ड-2022 से सम्मानित किया गया है?
1. अभिषेक पल्लव
 2. मयंक गुर्जर
 3. पूजा अग्रवाल
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 3
(C) केवल 2 और 3
(D) उपर्युक्त सभी
68. छत्तीसगढ़ राज्य के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा/से सही सुमेलित नहीं है/हैं?
1. राजकीय पक्षी-पहाड़ी मैना
 2. राजकीय पशु-वन भैंसा
 3. राजकीय वृक्ष-साल
 4. राजकीय पुष्प-गुलाब
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 4
(B) केवल 2 और 4
(C) केवल 3
(D) केवल 1 और 4
69. छत्तीसगढ़ी भाषा की इस कहावत 'महि माँगे जाय अउ ठेकवा ल लुकाय' का अर्थ क्या है?
- (A) किसी के लिए बुरा सोचना
(B) परिणाम की चिंता न करना
(C) कुछ नहीं होने से अच्छा है, कुछ तो है
(D) सकोच करना
70. छत्तीसगढ़ राज्य के सम्बन्ध में निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए—
- पहाड़ियाँ/चोटी**
1. नन्दीराज
 2. मैनपाट
 3. देवगढ़
 4. अबूझमाड़ की पहाड़ियाँ
- क्षेत्र**
- (a) बैलाडीला (दंतेवाड़ा)
(b) सरगुजा
(c) कोरिया
(d) नारायणपुर
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
- (1) (2) (3) (4)
(A) b a c d
(B) d b c a
(C) a b c d
(D) a c b d
71. छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के जनक के रूप में किसे जाना जाता है?
- (A) रामगोपाल तिवारी
(B) गुरु घासीदास
(C) माधवराव सप्रे
(D) चूड़ामणि साहब
72. छत्तीसगढ़ राज्य के अग्रलिखित संभागों को उनके स्थापना वर्ष के साथ सुमेलित कीजिए—
- | संभाग | स्थापना वर्ष |
|-------------|--------------|
| 1. बिलासपुर | (a) 1981 |
| 2. बस्तर | (b) 1956 |
| 3. सरगुजा | (c) 2008 |
| 4. दुर्ग | (d) 2013 |
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
- (1) (2) (3) (4)
(A) b a c d
(B) d b c a
(C) a b c d
(D) a c b d
73. जनगणना 2011 के अनुसार सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या वाला जिला कौनसा है?
- (A) रायपुर (B) नारायणपुर
(C) कोण्डागाँव (D) कबीरधाम
74. छत्तीसगढ़ राज्य के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा सुमेलित नहीं है?
1. ज्ञान की राजधानी-भिलाई (दुर्ग)
 2. तालाबों की नगरी-रतनपुर (बिलासपुर)
 3. मन्दिरों की नगरी-लुडेंग (जशपुर)
 4. चौराहों का शहर-जगदलपुर (दंतेवाड़ा)
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 4
(B) केवल 2 और 4
(C) केवल 3
(D) केवल 1 और 4
75. छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम की स्थापना कब हुई थी?
- (A) 2001 में (B) 2003 में
(C) 2004 में (D) 2008 में
76. हाल ही में हुए छत्तीसगढ़ राज्य के विधान सभा चुनाव के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं?
1. इस विधान सभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है.
 2. भारतीय जनता पार्टी ने पिछले विधान सभा चुनाव 2018 के मुकाबले इस बार 30 सीटें ज्यादा प्राप्त की हैं.
 3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को पिछले विधान सभा चुनाव 2018 के मुकाबले इस बार 33 सीटों का नुकसान हुआ है.
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 1
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) केवल 1 और 3
77. मलेरियामुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के बारे में अग्रलिखित कथनों पर विचार करिए—

1. 28 नवम्बर, 2023 को प्रदेश के अधिक मलेरिया संवेदी बस्तर सम्भाग के सभी सात जिलों में 'मलेरियामुक्त छत्तीसगढ़ अभियान' शुरू किया गया है.
2. यह अभियान 31 जनवरी, 2024 तक चलेगा.
3. अभियान के दौरान 125 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और 598 उप-स्वास्थ्य केन्द्रों के अन्तर्गत मलेरिया की जाँच व उपचार के लिए दल सक्रिय रहेंगे.
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं?
- (A) केवल 1
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) केवल 1 और 3
78. छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न भवनों के नाम में से कौनसा/से सही सुमेलित नहीं है/हैं?
1. महानदी भवन-मंत्रालय एवं सचिवालय भवन
2. इंद्रावती भवन-निदेशालय भवन
3. मिनीमाता भवन-विधानसभा भवन
4. करुणा-विधायकों का विश्रामगृह
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 4
(D) केवल 1 और 4
79. भक्ति आन्दोलन के किस प्रसिद्ध संत का जन्म छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर के निकट चम्पारण्य में हुआ था ?
(A) वल्लभाचार्य (B) रामानन्द
(C) सूरदास (D) निम्बकाचार्य
80. छत्तीसगढ़ राज्य के किस व्यक्ति को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है ?
(A) नीलकंठ कोमरे
(B) बृजेश पांडेय
(C) शिवकुमार बंजारे
(D) मुकुन्द केशव उपाध्याय
81. 12 सितम्बर, 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नवा रायपुर के अटल नगर में आयोजित समारोह में निम्नलिखित में से कौनसी परियोजनाओं की नींव रखी?
1. शहीद स्मारक 2. एरोसिटी
3. कॉमर्शियल हब
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 2
(D) 1, 2 और 3 सभी
82. केन्द्रीय जलशक्ति, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने छत्तीसगढ़ के किस जिले को आकांक्षी जिले के अंतर्गत जलजीवन सर्वेक्षण 2023 में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया?
(A) नारायणपुर (B) बलरामपुर
(C) बीजापुर (D) जशपुर
83. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. छत्तीसगढ़ में रायपुर में पंडित रविशंकर शुक्ल ने 27 नवम्बर, 1940 को व्यक्तिगत सत्याग्रह को प्रारम्भ किया.
2. 8 अगस्त, 1941 को व्यक्तिगत सत्याग्रह में भाग लेने वाले छत्तीसगढ़ के स्वयंसेवकों को ललितपुर के पास गिरफ्तार कर लिया गया था.
3. ज्वाला प्रसाद मिश्र और यदुनंदन प्रसाद श्रीवास्तव इन स्वयंसेवकों में से थे.
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 2
(D) 1, 2 और 3 सभी
84. राजनांदगाँव रियासत के किस शासक को ब्रिटिश शासन द्वारा 1865 में शासक होने का सनद प्रदान किया गया था ?
(A) महंत घनाराम दास
(B) महंत घासी दास
(C) महंत बलराम दास
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
85. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए—
प्रमुख कृति
1. एकनाथ चरित्र
2. छत्तीसगढ़ परिचय
3. बस्तर भूषण
4. कथाचक्र
साहित्यकार
(a) माधवराव सप्रे
(b) पं. केदारनाथ ठाकुर
(c) बलदेव प्रसाद मिश्र
(d) पदुमलाल पुन्नलाल बख्शी
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(1) (2) (3) (4)
(A) b a c d
(B) d b c a
(C) a b c d
(D) a c b d
86. छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की स्थापना कब की गई थी ?
(A) 2008 (B) 2013
(C) 2015 (D) 2002
87. एकलामा लौह अयस्क संकुल छत्तीसगढ़ राज्य के किस जिले में स्थित है ?
(A) महासमुन्द
(B) गरियाबन्द
(C) कवर्धा (कबीरधाम)
(D) बलौदाबाजार
88. छत्तीसगढ़ राज्य के वर्ष 2023-24 के बजट में कुल प्राप्ति का अनुमान, गतवर्ष की अनुमानित बजट प्राप्तियों से कितने प्रतिशत अधिक है ?
(A) 15-50 प्रतिशत
(B) 16-83 प्रतिशत
(C) 18-83 प्रतिशत
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
89. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए—
योजना
1. मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना
2. चाक परियोजना
3. मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना
4. पीडीएस डीलर्स मार्जिन योजना
- बजट 2023-24 में आवंटित धनराशि**
(a) ₹ 221 करोड़
(b) ₹ 400 करोड़
(c) ₹ 500 करोड़
(d) ₹ 100 करोड़
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(1) (2) (3) (4)
(A) b a c d
(B) d b c a
(C) a b c d
(D) a c b d
90. छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के समय कुल कितने जिले थे?
(A) 14 (B) 16
(C) 17 (D) 19
91. निम्नलिखित में से कौनसा/से छत्तीसगढ़ राज्य के लोकनृत्य में शामिल है/हैं?
1. पंथी नृत्य 2. पंडवानी नृत्य
3. लावणी नृत्य 4. ककसार नृत्य
5. सत्रिया नृत्य 6. शैला नृत्य
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 1, 2, 4, 6
(C) 2, 3, 4, 5 (D) 2, 3, 4, 6
92. छत्तीसगढ़ राज्य मंडी बोर्ड अपनी सकल आय का कितने प्रतिशत प्रतिवर्ष 'कृषक कल्याण कोष' में जमा करता है ?
(A) 10 प्रतिशत
(B) 12 प्रतिशत
(C) 30 प्रतिशत
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
93. हाल ही में कहाँ छत्तीसगढ़ राज्य का पहला गन्ना आधारित एथेनॉल प्लांट का लोकार्पण किया गया?
(A) रायपुर (B) कबीरधाम
(C) बीजापुर (D) जशपुर

94. जून 2023 छत्तीसगढ़ के वैज्ञानिकों की एक टीम ने राज्य में 10 नई दुर्लभ पौध प्रजातियों की पहचान की है. निम्नलिखित में से कौनसी पौध प्रजाति/प्रजातियाँ इसमें शामिल है/हैं ?

1. कोस्मोस्टिग्मा रेसीमोसम
2. सोलेनम इरिथियम
3. गैम्फोस्टेम्मा परविफ्लोरम
4. डाइनब्रा पॉलीस्टैवियोस

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1, 3 और 4
(C) केवल 2 और 3
(D) उपर्युक्त सभी

95. अक्टूबर 2023 में 10वीं राष्ट्रीय इंस्पायर मानक प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के किस जिले की छात्रा हिमांगी हालदार को राष्ट्रीय इंस्पायर पुरस्कार मिला है?

- (A) रायपुर
- (B) बिलासपुर
- (C) बलरामपुर
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

96. 'सेहत बाजार' मिलेट्स कैफे के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. 8 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस नवनिर्मित 'सेहत बाजार' मिलेट्स कैफे का शुभारम्भ किया.
2. यह कैफे राज्य के जगदलपुर में दलपत सागर के सामने स्थित है.
3. सेहत बाजार का संचालन मॉम्स फूड संस्था जगदलपुर द्वारा किया जा रहा है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं?

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 1 और 2
- (D) 1, 2 और 3 सभी

97. जुलाई 2023 में नीति आयोग द्वारा आकांक्षी जिला अंतर्गत कृषि एवं जल संसाधन के क्षेत्र के लिए जारी डेल्टा रैंकिंग में छत्तीसगढ़ राज्य के किस जिले को देश में तीसरा स्थान मिला है ?

- (A) राजनांदगाँव
- (B) सूरजपुर
- (C) सुकमा
- (D) नारायणपुर

98. छत्तीसगढ़ राज्य के बजट 2023-24 में राजस्व व्यय कितने रुपए प्रस्तावित है ?

- (A) ₹ 1,02,501 करोड़
- (B) ₹ 92,426 करोड़
- (C) ₹ 1,32,742 करोड़
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

99. छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर सम्भाग में निम्नलिखित में से कौन-कौनसे जिले आते हैं ?

1. कांकेर
2. दंतेवाड़ा
3. कोरबा
4. नारायणपुर
5. बीजापुर
6. बालोद

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1, 2, 4, 6
- (B) केवल 1, 2, 4, 5
- (C) केवल 2, 3, 4, 5
- (D) उपर्युक्त सभी

100. छत्तीसगढ़ के प्रथम विधान सभा उपाध्यक्ष कौन थे?

- (A) अजय कुमार सिंह
- (B) श्री बनवारीलाल अग्रवाल
- (C) राजेंद्र प्रसाद
- (D) श्री सत्यनारायण शर्मा

उत्तर व्याख्या सहित

1. (A)

2. (A) सर्वव्यापी महामारी संक्रामक रोग का प्रकोप है, जो एक विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र में होता है और जो उच्च प्रसार का होता है, जो आमतौर पर दुनिया की आबादी के एक महत्वपूर्ण अनुपात को प्रभावित करता है, सामान्यतः कई महीनों के दौरान. SARS-CoV2 के संक्रमण से एक बीमारी उत्पन्न हुई, जिसे कोरोना वायरस रोग 2019 (COVID-19) के रूप में जाना जाता है.

3. (C) सफेद फॉस्फोरस एक पारभासी मोमी ठोस है, जो प्रकाश के सम्पर्क में आने पर जल्दी पीला हो जाता है. इसी कारण इसे पीला फॉस्फोरस भी कहा जाता है. यह अंधेरे में (ऑक्सीजन के सम्पर्क में आने पर) हरे रंग की चमक देता है और हवा के सम्पर्क में आने पर अत्यधिक ज्वलनशील और पायरोफोरिक (स्वयं प्रज्वलित) होता है. यह विषैला होता है, जिसके सेवन से लीवर को गम्भीर क्षति होती है. सफेद फॉस्फोरस युद्ध सामग्री के ऐसे हथियार हैं, जो रासायनिक तत्व फॉस्फोरस के सामान्य एलोट्रोप्स में से एक का उपयोग करते हैं.

4. (C) वर्ष 1961, बेलग्रेड (यूगोस्लाविया) में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का पहला सम्मेलन आयोजित किया गया था, इस सम्मेलन में दुनिया के 25 देशों ने भाग लिया था.

5. (C) इब्राहिम लोदी दिल्ली सल्तनत का अंतिम सुल्तान था. उसने 1517-26 तक शासन किया और 1526 में पानीपत की पहली लड़ाई में बाबर से पराजित होने के बाद उनकी मृत्यु हो गई.

6. (C) लॉर्ड मेयो को भारत के चौथे वायसराय के रूप में नियुक्त किया गया. लॉर्ड मेयो 1869 से 1872 के बीच भारत के गवर्नर जनरल थे. वर्ष 1869 में लॉर्ड मेयो देश के वायसराय के रूप में लॉर्ड लॉरेंस के स्थान पर आए. 1872 में पोर्ट ब्लेयर में एक अफगान अपराधी शेर अली अफरीदी ने उनकी हत्या कर दी थी.

7. (C) ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2023 में, बांग्लादेश और पाकिस्तान 125 देशों में क्रमशः 81वें और 111वें स्थान पर हैं.

8. (C) ₹ 1 के नोट पर वित्त मंत्रालय के सचिव के हस्ताक्षर होते हैं और शेष सभी नोटों पर भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के हस्ताक्षर होते हैं.

9. (C) चार्टर अधिनियम 1813 में चाय और अफीम व्यापार और चीन के साथ व्यापार को छोड़कर, कम्पनी का वाणिज्यिक एकाधिकार समाप्त हो गया. यह भारत में ब्रिटिश शक्ति के विकास को दर्शाता है. चार्टर अधिनियम 1833 में कम्पनी के चाय व्यापार और चीन के साथ व्यापार को भी समाप्त कर दिया और इसके साथ ही एक वाणिज्यिक निकाय के रूप में ईस्ट इंडिया कम्पनी की गतिविधियाँ समाप्त हो गईं. कम्पनी विशुद्ध रूप से एक प्रशासनिक निकाय बन गई.

10. (D)

11. (C) जोजिला दर्रा लद्दाख के कारगिल जिले में स्थित एक उच्च पर्वतीय दर्रा है. यह लेह और श्रीनगर को जोड़ता है.

12. (C) अंकोरवाट मंदिर कंबोडिया में स्थित है. इसे हाल ही में दुनिया के 8वें आश्चर्य का खिताब मिला है. प्रारम्भ में यह विष्णु को समर्पित एक हिन्दू मन्दिर था, जो 12वीं शताब्दी में एक हिन्दू-बौद्ध मन्दिर के रूप में विकसित हुआ. जिसका निर्माण 12वीं शताब्दी की शुरुआत में खमेर राजवंश के राजा सूर्यवर्मन द्वितीय द्वारा भगवान विष्णु को समर्पित एक हिन्दू मन्दिर के रूप में किया गया था. हालाँकि 12वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में, इसे बौद्ध मन्दिर में बदल दिया गया. लगभग 400 एकड़ में फैला यह दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल होने का गौरव रखता है.

13. (C)

14. (B) भारत सरकार ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लागू करने की सम्भावना की जाँच के लिए पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया है. यह समिति भारत में लोक सभा और राज्य विधान सभा चुनावों को एक साथ, एक समय पर कराने की सम्भावनाओं को तलाश करेगी.

15. (B) नीति आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एक गैर-संवैधानिक निकाय है। नीति आयोग का गठन 2015 में हुआ। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र के तहत एक भारतीय संवैधानिक निकाय है। इसकी स्थापना 1993 में हुई।
16. (C) हरिषेण चौथी शताब्दी के संस्कृत कवि और मंत्री थे। वह समुद्रगुप्त की शाही सभा का एक महत्वपूर्ण सदस्य थे। उनकी सबसे प्रसिद्ध कृति 345 ई. में लिखी गई प्रयाग प्रशस्ति है, जिसमें समुद्रगुप्त की वीरता का वर्णन है। भवभूति कान्यकुब्ज के नरेश यशोधर्मन के सभापंडित थे।
17. (D) विश्व बौद्धिक सम्पदा संगठन द्वारा प्रकाशित वैश्विक नवाचार सूचकांक 2023 रैंकिंग में 132 अर्थव्यवस्थाओं में से भारत का 40वाँ स्थान बरकरार है। वैश्विक नवाचार सूचकांक में पिछले कई वर्षों से भारत 2015 में 81वें स्थान पर था, जो 2023 में सुधरकर 40वें स्थान पर पहुँच गया।
18. (B) ब्राजील 1 दिसम्बर, 2023 से 30 नवम्बर, 2024 तक जी20 की अध्यक्षता करेगा। सितम्बर 2023 को अफ्रीकी संघ जी20 ग्रुप में एक पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल हुआ है।
19. (A)
20. (C) अशोक की रानी पेंटिंग अवनीन्द्रनाथ टैगोर की है। 1907 में अवनीन्द्रनाथ टैगोर ने कलकत्ता में इंडियन सोसाइटी ऑफ ओरिएंटल आर्ट की स्थापना की।
21. (B) अफ्रीकी और यूरोशियन रेगिस्तानी बेल्ट उपोष्णकटिबंधीय उच्च दबाव कोशिकाओं में स्थित है। यह ठंडी धाराओं के प्रभाव में है, जिससे शुष्कता अधिक होती है।
22. (D) आयरिश लेखक पॉल लिंच को 2023 का मान बुकर पुरस्कार दिया गया है। लंदन में एक समारोह में भारतीय मूल की लेखिका चेतना मारु के पहले उपन्यास 'वेस्टर्न लेन' को पीछे छोड़ते हुए पॉल लिंच ने अपने उपन्यास 'पैगम्बर सॉन्ग' के लिए 2023 का मान बुकर पुरस्कार जीता। 46 वर्षीय लिंच के इस उपन्यास में अधिनायकवाद की चपेट में आए आयरलैंड के बारे में बताया गया है।
23. (A)
24. (C) चाय बागानों में उगाई जाने वाली एक पेय फसल है। इसकी कोमल पत्तियों की वृद्धि के लिए ठंडी जलवायु और वर्षभर समवितरित उच्च वर्षा की आवश्यकता होती है। इसके लिए सु-अपवाहित दोमट मृदा और मंद ढाल की आवश्यकता होती है।
25. (A) किसी वस्तु का पूरा प्रतिबिम्ब प्राप्त करने हेतु समतल दर्पण की न्यूनतम लम्बाई वस्तु की लम्बाई की आधी होनी चाहिए।
26. (C)
27. (D) प्राकृतिक रूप से जंगल में लगने वाली आग अक्सर मनुष्यों के लिए हानिकारक और विनाशकारी होती है, लेकिन यह प्रकृति के विकास में एक अभिन्न भूमिका निभाती है। ये मृत या सड़ने वाले पदार्थ को जलाकर मिट्टी में पोषक तत्व लौटाती है तथा वन पारिस्थितिकी तंत्र से रोगग्रस्त पौधों और हानिकारक कीड़ों को हटाकर कीटाणुनाशक के रूप में भी कार्य करती है। मोटी छतरियों और झाड़ियों के जलने से, सूरज की रोशनी जंगल के फर्श तक पहुँचने लगती है, जिससे नई पीढ़ी के पौधे उगने में सहायक होती है।
28. (D) ध्रुपद हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के सबसे पुराने और भव्य रूपों में से एक है और इसका उल्लेख नाट्यशास्त्र में भी मिलता है। ध्रुपद में संस्कृत अक्षरों का उपयोग शामिल है और यह मन्दिर मूल का है। यद्यपि ध्रुपद ने 13वीं शताब्दी में संगीत के शास्त्रीय रूप में अपनी स्थिति मजबूत की, लेकिन सम्राट अकबर के दरबार में यह अपने चरम पर पहुँच गया।
29. (D)
30. (C) सूरत विभाजन—1907
मॉर्ले मिटो सुधार—1909
होमरूल लीग आन्दोलन—1916
खेड़ा सत्याग्रह—1918
31. (B) यूनेस्को का मुख्यालय फ्रांस की राजधानी पेरिस में है। संयुक्त राष्ट्र की इस विशेष संस्था का गठन 16 नवम्बर, 1945 को हुआ था। इसका कार्य शिक्षा, प्रकृति तथा समाज विज्ञान, संस्कृति तथा संचार के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय शांति को बढ़ावा देना है।
32. (D) सातवाहन शासकों का पहली शताब्दी ईसा पूर्व से तीसरी शताब्दी ईस्वी तक दक्कन क्षेत्र पर प्रभुत्व था। गौतमीपुत्र शातकर्णी और उनके उत्तराधिकारी वशिष्ठपुत्र पुलमावी के शासन के तहत राजवंश अपने चरम पर पहुँच गया। उन्होंने चैत्य और विहार बनवाए। उन्होंने बौद्ध भिक्षुओं को गाँव और भूमि का अनुदान भी दिया। वशिष्ठपुत्र पुलमावी ने पुराने अमरावती स्तूप की मरम्मत की। हालांकि सत्तासई उनके द्वारा रचित प्राकृत साहित्य की उत्कृष्ट कृति है।
33. (C)
- | घास के मैदान | क्षेत्र |
|--------------|-----------------------|
| स्टेपी | यूरोप और उत्तरी एशिया |
| पुस्ताज | हंगरी |
| प्रेयरीज | यूएसए |
| पम्पास | अर्जेंटीना |
| वेल्ड | दक्षिण अफ्रीका |
| डाउन्स | आस्ट्रेलिया |
| कैंटरबरी | न्यूजीलैंड |
34. (C) ओयाशियो धारा, प्रशांत महासागर और बंगुला की धारा दक्षिण अटलांटिक महासागर से सम्बन्धित है।
35. (C) इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एण्ड कल्चरल हेरिटेज (INTACH) सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत एक गैर-लाभकारी धर्मार्थ संगठन है। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। 2007 में संयुक्त राष्ट्र ने INTACH को संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद् के साथ एक विशेष सलाहकार का दर्जा प्रदान किया। यह वास्तुकला विरासत, प्राकृतिक विरासत, भौतिक विरासत, अमूर्त सांस्कृतिक विरासत और विरासत शिक्षा और संचार सेवाओं जैसे विभिन्न प्रभागों के माध्यम से संचालित होता है।
36. (B) फिएट मनी वह मुद्रा है जिसे सरकार ने कानूनी निविदा घोषित किया है, लेकिन यह एक भौतिक वस्तु द्वारा समर्थित नहीं होती है। फिएट मनी का मूल्य आपूर्ति और माँग के बीच के सम्बन्ध से निर्धारित होता है, क्योंकि फिएट मनी भौतिक मंडार से जुड़ी नहीं होती है, इससे सम्बन्धित जोखिम हाइपरइन्फ्लेशन के कारण बेअसर हो जाता है।
37. (C) संविधान के अनुसार, किसी राज्य में जिला न्यायाधीश नियुक्त होने वाले व्यक्तियों की नियुक्ति तथा जिला न्यायाधीश की पदस्थापना और प्रोन्नति उस राज्य का राज्यपाल ऐसे राज्य के सम्बन्ध में अधिकारिता का प्रयोग करने वाले उच्च न्यायालय से परामर्श करके करेगा। वह व्यक्ति, जो संघ की या राज्य की सेवा में पहले से ही नहीं है, जिला न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए केवल तभी पात्र होगा, जब वह कम से कम सात वर्ष तक अधिवक्ता या प्लीडर रहा

- हो और उसकी नियुक्ति के लिए उच्च न्यायालय ने सिफारिश की हो.
38. (B) भारतीय संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द 42वें संशोधन (1976) द्वारा जोड़ा गया था.
39. (D)
40. (B) 'तीन तलाक : एक्सामिनिंग फेथ' सलमान खुर्शीद द्वारा और 'द गोल्डन हाउस' सलमान रश्दी द्वारा लिखित पुस्तक हैं.
41. (D) बेसल कन्वेंशन वर्ष 1992 में लागू हुआ, जिसका उद्देश्य विकसित से निम्न विकसित देशों में खतरनाक कचरे की सीमा पार आवाजाही को कम करना और उत्पादन के स्रोत के यथासम्भव सुरक्षित निपटान सुनिश्चित करना था. रॉटरडैम कन्वेंशन सितम्बर 1998 में नीदरलैंड के रॉटरडैम में 'प्लेनिपोटेंटियरीज कॉन्फ्रेंस' द्वारा अपनाया गया था और फरवरी 2004 में लागू हुआ था. स्टॉकहोम कन्वेंशन मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को स्थायी जैविक प्रदूषकों से बचाने के लिए एक वैश्विक संधि है. यह कन्वेंशन मई 2004 में लागू हुआ.
42. (D)
43. (B) उपर्युक्त भारतीय राज्यों का गठन इस कालानुक्रमिक क्रम में हुआ—आंध्र प्रदेश (1953)—गुजरात (1960)—छत्तीसगढ़, उत्तराखंड और झारखंड (2000)—तेलंगाना (2014).
44. (D) समुद्र में बायोमास का पिरामिड आमतौर पर उल्टा होता है, क्योंकि मछलियों का बायोमास फाइटोप्लांकटन से कहीं अधिक होता है. एक ही प्रजाति एक ही समय में एक ही पारिस्थितिकी तंत्र में एक से अधिक पोषी स्तर पर रह सकती है. उदाहरण के लिए, जब गौरैया बीज, फल, मटर खाती है, तो वह प्राथमिक उपभोक्ता होती है और जब वह कीड़े-मकोड़े खाती है, तो वह द्वितीयक उपभोक्ता होती है.
45. (A) चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों को चुनाव चिह्न की अनुमति देने का अधिकार है. यह राष्ट्रीय पार्टियों, राज्य पार्टियों और क्षेत्रीय पार्टियों को मान्यता देता है. यह चुनाव खर्च की सीमा तय करता है. आयोग मतदाता सूची तैयार करता है और समय-समय पर मतदाता सूची को अद्यतन करता है. नामांकन दाखिल करने के लिए चुनाव की तारीखों और कार्यक्रमों की अधिसूचना आयोग द्वारा जारी की जाती है. चुनाव आयोग के पास लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत पार्टियों को पंजीकृत करने की शक्ति है, लेकिन उसके पास निष्क्रिय पार्टियों का पंजीकरण रद्द करने की शक्ति नहीं है.
46. (B) 'क्रिप्टोकॉरेंसी' एक डिजिटल या आभासी मुद्रा है, जो सुरक्षा के लिए क्रिप्टोग्राफी का उपयोग करती है. उदाहरण के लिए : बिटकॉइन, एथेरियम और लाइटकॉइन. यह किसी सरकार या संस्था द्वारा नियंत्रित नहीं है. हाल ही में, जी20 देशों के वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स (FMCBG) ने मोरक्को के मराकेश में अपनी बैठक में वित्तीय स्थिरता बोर्ड (FSB) और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) द्वारा प्रस्तावित क्रिप्टो परिसम्पत्तियों को विनियमित करने के लिए एक रोडमैप अपनाया.
47. (A) 1953 में गठित किए गए इस राज्य पुनर्गठन आयोग ने सितम्बर 1955 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की. सरकार ने नवम्बर 1956 में पारित राज्य पुनर्गठन अधिनियम के तहत देश को 14 राज्यों और 6 केन्द्रशासित प्रदेशों में विभाजित किया.
48. (D) रूपकुंड (कंकाल झील) भारत के उत्तराखंड राज्य के चमोली जिले में स्थित एक हिम झील है, जो अपने किनारे पर पाए गये पाँच सौ से अधिक मानव कंकालों के कारण प्रसिद्ध है. यह स्थान निर्जन है और हिमालय पर लगभग 5029 मीटर (16499 फीट) की ऊँचाई पर स्थित है.
49. (D) अलमसूदी नामक अरबी यात्री प्रतिहार शासक महिपाल प्रथम के शासनकाल में भारत आया था. इसके द्वारा 'महजुल जबाह' नामक ग्रंथ लिखा गया था.
50. (B) प्रवासी भारतीय दिवस 9 जनवरी को, दक्षिण अफ्रीका से महात्मा गांधी के वापस लौटने की स्मृति स्वरूप मनाया जाता है. हर साल 28 फरवरी को नेशनल साइंस डे के तौर पर मनाया जाता है, क्योंकि 28 फरवरी के दिन ही 'रमन प्रभाव' की खोज हुई थी.
51. (A) ओडिशा राज्य छत्तीसगढ़ के पूर्व में स्थित है. छत्तीसगढ़ राज्य के कुल 8 जिले ओडिशा से सीमा साझा करते हैं. ये 8 जिले निम्नलिखित हैं—जशपुर, रायगढ़, महासमुंद, गरियाबंद, धमतरी, कोंडागाँव, बस्तर, सुकमा.
52. (B) न्यायमूर्ति डब्ल्यू.ए. शिशांक छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के पहले मुख्य न्यायाधीश थे. इनका कार्यकाल 4 दिसम्बर, 2000 से 6 फरवरी, 2002 तक था. हालाँकि इससे पहले कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में श्री आर.एस. गर्ग ने 1 नवम्बर, 2000 से 4 दिसम्बर, 2000 तक कार्य किया. न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा वर्तमान में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश हैं.
53. (A) बस्तर सम्भाग, छत्तीसगढ़ राज्य का क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा सम्भाग और जनसंख्या की दृष्टि से सबसे छोटा सम्भाग है. इस सम्भाग की स्थापना 1981 में हुई थी. इसका मुख्यालय जगदलपुर है. बस्तर सम्भाग में 7 जिले आते हैं, जो निम्नलिखित हैं—बस्तर, कांकेर, दंतेवाड़ा, सुकमा, नारायणपुर, बीजापुर, कोंडागाँव.
54. (B) वर्तमान में छत्तीसगढ़ में 5 सम्भाग हैं और उनके अन्तर्गत आने वाले जिले निम्नलिखित हैं—
रायपुर सम्भाग में जिले—रायपुर, धमतरी, महासमुंद, गरियाबंद, बलौदा बाजार-भाटापारा
विलासपुर सम्भाग में जिले—विलासपुर, मुंगेली, रायगढ़, कोरबा, जांजगीरचांपा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही
बस्तर सम्भाग में जिले—बस्तर, कांकेर, दंतेवाड़ा, सुकमा, नारायणपुर, बीजापुर, कोंडागाँव
सरगुजा सम्भाग में जिले—सरगुजा, कोरिया, बलरामपुर, सूरजपुर, जशपुर
दुर्ग सम्भाग में जिले—दुर्ग, राजनांदगाँव, कबीरधाम, बेमेतरा, बालोद
55. (A) वर्ष 2001 में छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा यति यतनलाल की स्मृति में अहिंसा एवं गौरवा में 'यति यतनलाल सम्मान' स्थापित किया गया है. इसके तहत पुरस्कार राशि स्वरूप ₹ 2 लाख दिए जाते हैं. प्रथम 'यति यतनलाल सम्मान' रमेश याज्ञिक एवं हरिप्रसाद जोशी को दिया गया था.
56. (D) बेतला राष्ट्रीय उद्यान भारत के झारखंड राज्य के लातेहार जिले के छोटा नागपुर पठार में स्थित एक राष्ट्रीय उद्यान है. यह पार्क विविध प्रकार के वन्य जीवन को समेटे हुए है. 'बेतला' निम्नलिखित शब्दों का संक्षिप्त रूप है—बाइसन, हाथी, बाघ, तेंदुआ, एक्सिस-एक्सिस (चीतल).
57. (A) नवम्बर 2023 को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने प्रसिद्ध ओडिशी नृत्यांगना पूर्णश्री राउत द्वारा लिखित पुस्तक 'नृत्य रहस्य द सेक्रेड मिस्टिक्स ऑफ डांस' का राजभवन में विमोचन किया. इस पुस्तक में बताया गया

- है कि नृत्य के माध्यम से स्वस्थ रहा जा सकता है और बड़ी-से-बड़ी बीमारियों को दूर किया जा सकता है.
58. (B) छत्तीसगढ़ में जनसंख्या का घनत्व 189 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है. छत्तीसगढ़ की कुल जनसंख्या 2 करोड़ 55 लाख 40 हजार 196 है. प्रदेश की ग्रामीण आबादी लगभग 1 करोड़ 96 लाख 3 हजार 658 और शहरी आबादी 59 लाख 36 हजार 538 है. पुरुष और स्त्री जनसंख्या में लैंगिक अनुपात के मामले में छत्तीसगढ़ का स्थान देश में दूसरा है. यहाँ प्रति एक हजार पुरुषों के बीच स्त्रियों की संख्या 991 है.
59. (A) उपनयन संस्कार के समय गाए जाने वाले गीत को बरुआ गीत कहा जाता है. भड़ौनी गीत विवाह के समय हँसी-मजाक करने के लिए गाया जाने वाला लोक गीत है. जंवरा गीत नवरात्रि के समय गाया जाने वाला माता का गीत है.
60. (D)
61. (B) बिंझवार प्रजाति में तीर को जाति चिन्ह माना गया है. वे अपने पशुओं को तीर से दागते थे व हस्ताक्षर के स्थान पर तीर का निशान लगाते थे. बिंझवार विवाह में महुआ के वृक्ष के नीचे गड़ा तीर विवाह स्तम्भ के रूप में ले लेता था.
62. (C) सही सुमेलन इस प्रकार है—
नांगर—हल
खरही—फसल को काटकर इकट्ठा करना
पखार—खेत का ऊपरी हिस्सा
गैरपासी—असिंचित भूमि
63. (A) छत्तीसगढ़ राज्य में मात्र एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुरु घासीदास विश्वविद्यालय है. यह बिलासपुर में स्थित है. इसकी स्थापना 16 जून, 1983 को हुई थी.
64. (D) मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्कूल शिक्षा मंत्री रविंद्र चौबे के समक्ष स्वामी आत्मानंद कोचिंग योजना संचालन के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के अन्तर्गत समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम एवं ऐलन कॅरियर कोचिंग इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर किये गए. प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. आलोक शुक्ला के अनुसार प्रदेश के 146 विकासखंड और चार शहरों— रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और कोरबा सहित 150 कोचिंग सेंटर को इंटरनेट कनेक्शन और कम्प्यूटर से जोड़ दिया गया है. यह नि:शुल्क कोचिंग हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए दी जाएगी. इस योजना के तहत अब तक 9 हजार 13 बच्चों का पंजीयन हो चुका है. इनमें नीट के लिए 6 हजार 553 और जेईई की कोचिंग के लिए 2 हजार 460 ने पंजीयन कराया है.
65. (B) प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बस्तर जिले के नगरनार में एनएमडीसी स्टील लिमिटेड के स्टील प्लांट का लोकार्पण किया गया. यह ₹ 23,800 करोड़ से अधिक की लागत से निर्मित स्टील प्लांट एक ग्रीनफील्ड परियोजना है. उन्होंने बोरीडांड—सूरजपुर रेल लाइन दोहरीकरण परियोजना और अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत जगदलपुर स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखी. प्रधानमंत्री ने तारोकी-रायपुर डेमू ट्रेन सेवा को भी झंझी दिखाई. इन रेल परियोजनाओं से राज्य के आदिवासी क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार होगा और क्षेत्र के आर्थिक विकास में मदद मिलेगी.
66. (B) पर्यटन दिवस के अवसर पर नई दिल्ली भारत मंडपम् में आयोजित समारोह में सरोधा-दादर गाँव के मंगल सिंह धुर्वे ने यह पुरस्कार ग्रहण किया. पुरस्कार के लिए सरोधा-दादर का चयन देशभर के 31 राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों के 795 गाँवों में से किया गया है. कबीरधाम जिले के सरोधा-दादर पर्वतों और घाटियों के बीच समुद्र तल से करीब 3 हजार फीट ऊँचाई पर स्थित है. यहाँ आमतौर पर पूरे साल पर्यटक आते रहते हैं. अक्टूबर माह से उनकी संख्या में बढ़ोतरी होने लगती है. यहाँ भारत के विभिन्न राज्यों के अलावा इंग्लैंड, स्विट्जरलैंड और आस्ट्रेलिया से भी सैलानी आते हैं. खासतौर पर चिल्फिघाटी और सरोधा-दादर में प्रकृति का आनंद लेने के लिए यहाँ पर्यटकों की आवाजाही बहुत अधिक रहती है. सरोधा-दादर में प्रकृति के सुंदर नजारों के कारण ग्रामीण पर्यटन की बहुत अधिक सम्भावना है.
67. (D) सितम्बर 2023 में फिक्की संस्था द्वारा छत्तीसगढ़ के तीन पुलिस अधिकारियों को स्मार्ट पुलिसिंग अवॉर्ड-2022 से सम्मानित किया गया है. 'लोन बर्राटू' अभियान के लिए आईपीएस डॉ. अभिषेक पल्लव को, 'त्रिनेत्रम' अभियान के लिए आईपीएस मयंक गुर्जर को, राज्यस्तरीय 'अभिव्यक्ति' कार्यक्रम के लिए आईपीएस पूजा अग्रवाल को फिक्की स्मार्ट पुलिसिंग अवॉर्ड-2022 से सम्मानित किया गया है.
68. (A) छत्तीसगढ़ राज्य का राजकीय पुष्प गेंदा है.
69. (D) 70. (C)
71. (C) माधवराव सप्रे को छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के जनक के रूप में जाना जाता है. गुरु घासीदास छत्तीसगढ़ में सतनाम पंथ के संस्थापक हैं चूड़ामणि साहब छत्तीसगढ़ में कबीरपंथ के संस्थापक हैं. रामगोपाल तिवारी छत्तीसगढ़ के सहकारिता पुरुष के रूप में अपनी पहचान रखते हैं.
72. (A) छत्तीसगढ़ राज्य में कुल 5 सम्भाग हैं. दुर्ग सबसे नवीन संभाग है और क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा सम्भाग भी है. रायपुर छत्तीसगढ़ का सबसे प्राचीन सम्भाग है. सरगुजा छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद बनने पहला सम्भाग है.
73. (A) जनगणना 2011 के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या वाला जिला रायपुर (2580583) और सबसे कम ग्रामीण जनसंख्या वाला जिला नारायणपुर (117714) है.
74. (C) छत्तीसगढ़ राज्य में मन्दिरों की नगरी के रूप में आरंग (रायपुर) प्रसिद्ध है. लुडेंग (जशपुर) छत्तीसगढ़ की टमाटर राजधानी के रूप में प्रसिद्ध है.
75. (A) छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम रायपुर में स्थित है और इसकी स्थापना मई 2001 में की गई थी.
76. (D) भारतीय जनता पार्टी ने इस विधानसभा चुनाव में 54 सीटें प्राप्त करके पिछले विधानसभा चुनाव 2018 के मुकाबले इस बार 39 सीटें ज्यादा प्राप्त की हैं. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को पिछले विधानसभा चुनाव 2018 के मुकाबले इस बार 33 सीटों का नुकसान हुआ है. और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस मात्र 35 सीटों पर सिमट कर रह गई है.
77. (D) मलेरियामुक्त छत्तीसगढ़ अभियान 28 नवम्बर, 2023 से 19 दिसम्बर, 2023 तक चलेगा. यह इस अभियान का नौवाँ चरण है और इस चरण में बस्तर सम्भाग के इन जिलों के 30 विकास-खण्डों के 2297 गाँवों में 15 लाख 92 हजार लोगों की मलेरिया जाँच का लक्ष्य रखा गया है. इसके लिए 1654 सर्वे दलों का गठन किया गया है. इस दौरान मलेरिया की जाँच और इलाज के साथ ही इससे बचाव के लिए जन-जागरूकता सम्बन्धी गतिविधियाँ भी चलाई जाएंगी. चिह्नकित गाँवों में घर-घर मच्छर लार्वा सर्वेक्षण कर मच्छर उत्पन्न करने वाले

स्रोतों को नष्ट किया जाएगा एवं पानी के समुचित रखरखाव व मच्छर से सुरक्षा के लिए लोगों को सलाह दी जाएगी।

78. (D) 'करुणा' मुख्यमंत्री निवास का नाम है और विधायकों के विश्रामगृह का नाम 'संगवारी' है।
79. (A) छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर के निकट चम्पारण्य में वल्लभाचार्य का जन्म विक्रम संवत् 1535, वैशाख कृष्ण एकादशी को ब्राह्मण श्रीलक्ष्मणभट्ट जी की पत्नी इलम्मागारु के गर्भ से हुआ।
80. (B) 5 सितम्बर, 2023 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के निवासी, स्वामी आत्मानंद स्कूल के प्राचार्य डॉ. बृजेश पांडेय को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार दिया गया। डॉ. बृजेश पांडेय 1987 से शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं और मध्य प्रदेश के विजुरी सहित सरगुजा के सीतापुर, कन्या परिसर, डाइट अम्बिकापुर, लटोरी और परसा मॉडल स्कूल में सेवाएं दे चुके हैं। डॉ. बृजेश पांडेय सरगुजा के पहले आत्मानंद स्कूल अंबिकापुर के संस्थापक प्राचार्य भी हैं।
81. (D)
82. (A) केन्द्र सरकार द्वारा जलजीवन सर्वेक्षण 1 अक्टूबर, 2022 से 30 जून, 2023 तक कराया गया। इसमें आकांक्षी जिलों के अन्तर्गत नारायणपुर जिले का कार्य उत्कृष्ट पाया गया। बेहद कठिन बसाहटों वाले नारायणपुर जिले के गाँव-गाँव में हर ग्रामीण को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना चुनौतीपूर्ण कार्य था। इसे सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए केन्द्र सरकार ने आकांक्षी जिले के अन्तर्गत नारायणपुर जिले को सम्मानित किया।
83. (D) 27 नवम्बर, 1940 को पंडित रविशंकर ने रायपुर जिले में एक व्यक्तिगत सत्याग्रह शुरू किया। 2 अप्रैल, 1941 को सत्याग्रहियों का एक जत्था पैदल दिल्ली के लिए रवाना हुआ। इसमें प्रमुख स्वयंसेवकों में राजाराम साहू और रामेश्वर साहू शामिल थे। स्वयंसेवकों को 8 अगस्त, 1941 को उत्तर प्रदेश के ललितपुर के पास गिरफ्तार कर लिया गया और झाँसी जेल भेज दिया गया। बिलासपुर के राम गोपाल तिवारी, ज्वाला प्रसाद मिश्र, यदुनंदन प्रसाद श्रीवास्तव, ठाकुर छेदीलाल, श्री चिंतामणि ओसवाल आदि ने व्यक्तिगत सत्याग्रह में भाग लिया और इसमें अपनी गिरफ्तारियाँ भी दीं।
84. (B) महंत घासी दास भारत के छत्तीसगढ़ के वर्तमान राजनांदगाँव जिले में नंदगाँव रियासत के शासक थे। 1865 में अंग्रेजों ने महंत घासी दास को नंदगाँव के शासक

के रूप में मान्यता दी। उन्हें राजनांदगाँव के सामंती प्रमुख की उपाधि से सम्मानित किया गया और बाद में गोद लेने का अधिकार, सनद दिया गया।

85. (D)
86. (B) भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रायोजित छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की स्थापना 2 सितम्बर, 2013 को हुई थी। प्रायोजक बैंक के पास बैंकों का 35% हिस्सा है। केन्द्र सरकार के पास 50% और राज्य सरकार के पास 15% हिस्सा है।
87. (C) छत्तीसगढ़ राज्य के कवर्धा (कबीरधाम) जिले में एकलामा, चेलिकनामा, चिल्फीघाटी क्षेत्र लौह अयस्क के लिए जाने जाते हैं।
88. (B) छत्तीसगढ़ राज्य के वर्ष 2023-24 के बजट में कुल प्राप्ति का बजट अनुमान ₹ 1 लाख 21 हजार 501 करोड़ है, जो गतवर्ष की अनुमानित बजट प्राप्ति से 16.83 प्रतिशत अधिक है। कुल प्राप्ति में राज्य की राजस्व प्राप्ति 56 हजार 200 करोड़, केन्द्र से प्राप्ति 49 हजार 801 करोड़ एवं पूँजीगत प्राप्ति 15 हजार 500 करोड़ अनुमानित हैं।
89. (B)
90. (B) छत्तीसगढ़ राज्य गठन के समय यहाँ सिर्फ 16 जिले थे, पर वर्तमान में छत्तीसगढ़ में 33 जिले और 5 सम्भाग हैं।
91. (B) सत्रिया नृत्य असम राज्य से सम्बन्धित है और लावणी नृत्य महाराष्ट्र राज्य से सम्बन्धित है।
92. (C) छत्तीसगढ़ राज्य मंडी बोर्ड की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार छत्तीसगढ़ मंडी बोर्ड की वार्षिक आय का 30 प्रतिशत किसान कल्याण कोष में दिया जाएगा। धन का उपयोग छत्तीसगढ़ राज्य में कृषि और किसानों के विकास के लिए किया जाएगा।
93. (B) 26 सितम्बर, 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कबीरधाम जिले में ₹ 141 करोड़ की लागत से बने प्रदेश के पहले गन्ना आधारित एथेनॉल प्लांट का लोकार्पण किया।
94. (D) पौध प्रजातियों को ढूँढने वाली वैज्ञानिकों की टीम में डॉ. एम. एल. नायक, डॉ. राजेंद्र मिश्रा व डॉ. ए. पी. तिवारी शामिल हैं। ये प्रजातियाँ घास, बेला, मध्यम वृक्ष एवं झाड़ियों की हैं, जो उदंती अभयारण्य और कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान से खोजी गई हैं। वैज्ञानिकों की एक टीम ने जिन पौधा प्रजातियों की खोज की है, उनमें शामिल हैं—एलोकेशिया डेसीपियंस, ब्रेयनिया

रेटुसा, कोस्मोस्टिग्मा रेसीमोसम, डाइनब्रा पॉलीस्टैचियोस, ड्रैसीना टर्निफ्लोरा, गैम्फोस्टेम्मा परविफ्लोरम, जिमनेमा इनोडोरम, ह्यूबेरेंथा सेरासाइड्स, लेपिसैंथेस टेट्राफिला व सोलेनम इरिथियम।

95. (B) अक्टूबर 2023 में नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में आयोजित 10वीं राष्ट्रीय इन्स्पायर मानक प्रतियोगिता में बिलासपुर के भारतमाता आंग्ल माध्यम स्कूल की छात्रा हिमांगी हालदार को राष्ट्रीय इन्स्पायर पुरस्कार मिला है। उबालते समय दूध गिरने को रोकने के लिए हिमांगी हालदार ने एंटी मिल्ट स्पिलिंग डिवाइस तैयार की है। इसकी मदद से उबालते समय दूध नीचे नहीं गिरता। इस इनोवेशन के लिए हिमांगी को राष्ट्रीय इन्स्पायर पुरस्कार मिला है।
96. (D)
97. (A) राजनांदगाँव जिले को नीति आयोग द्वारा जारी 26 जुलाई, 2023 को आकांक्षी जिला अन्तर्गत कृषि एवं जल संसाधन के क्षेत्र के लिए डेल्टा रैंकिंग में देश में तीसरा स्थान मिला है। राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं, जैसे—सुराजी गाँव योजना, गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना एवं अन्य योजनाओं से जिले में कृषि एवं नवीनतम तकनीक से किसानों में खुशहाली आई है। वहीं जल प्रबंधन के क्षेत्र में भी नवाचारी पहल से अच्छे परिणाम प्राप्त हुए हैं।
98. (A) 2023-24 के छत्तीसगढ़ राज्य के बजट में, 2023-24 के लिए राजस्व व्यय ₹ 1,02,501 करोड़ प्रस्तावित हैं, जो 2022-23 के संशोधित अनुमान से 8% अधिक है। इसमें वेतन, पेंशन, ब्याज, अनुदान और सब्सिडी पर होने वाला खर्च शामिल है।
99. (B) छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर सम्भाग में निम्नलिखित जिले शामिल हैं—बस्तर, कांगेर, दंतेवाड़ा, सुकमा, नारायणपुर, बीजापुर, कोंडागाँव।
100. (B) छत्तीसगढ़ राज्य के सन्दर्भ में प्रथम निर्वाचन आयुक्त—श्री अजय कुमार सिंह
प्रथम राज्य मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष—श्री के. एम. अग्रवाल
प्रथम विधानसभा अध्यक्ष—श्री राजेंद्र प्रसाद
प्रथम विधानसभा उपाध्यक्ष—श्री बनवारीलाल अग्रवाल
प्रथम शिक्षा मंत्री—श्री सत्यनारायण शर्मा



सामान्य अध्ययन

1. निम्नलिखित विश्व के आश्चर्यों को उनकी अवस्थिति के साथ सुमेलित कीजिए—
विश्व के आश्चर्य

- (a) चीचैन
(b) पेन्ना
(c) माचू पिच्चू
(D) क्राइस्ट द रिडीमर

अवस्थिति

1. उरुबाम्बा प्रांत, पेरू
2. रियो डि जनेरियो, ब्राजील
3. इट्जा मान, जॉर्डन
4. युकाटन, मैक्सिको

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :

| | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-----|-----|-----|-----|
| (A) | 1 | 2 | 3 | 4 |
| (B) | 3 | 2 | 1 | 4 |
| (C) | 2 | 1 | 4 | 3 |
| (D) | 3 | 2 | 4 | 1 |

2. जनगणना 2011 के अनुसार हरियाणा राज्य के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. राज्य का सर्वाधिक पुरुष साक्षरता वाला जिला रेवाड़ी है.
2. राज्य का न्यूनतम लिंगानुपात वाला जिला फरीदाबाद है.
3. न्यूनतम महिला साक्षरता वाला जिला नूह है.
4. राज्य का लिंगानुपात 898 है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

- (A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 2 और 4
(C) केवल 1, 3 और 4
(D) केवल 1 और 3

3. विश्व की 25 प्रतिशत से अधिक वन भूमि को कवर करने वाला सबसे बड़ा वन है—

- (A) मानसून वन
(B) उष्णकटिबंधीय वर्षा वन
(C) यूरोप के शीतोष्ण वन
(D) साइबेरिया का टैगा वन

4. हेबर प्रक्रिया द्वारा अमोनिया के उत्पादन में किस उत्प्रेरक का उपयोग किया जाता है ?

1. निकल
2. लोहा
3. प्लैटिनम

दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) केवल 3 (D) इनमें से कोई नहीं

5. पिंजौर की प्राचीन विरासत को बढ़ावा देने के लिए प्रतिवर्ष दो महोत्सव मनाए जाते हैं, एक त्योहार तो पिंजौर विरासत महोत्सव है, दूसरा महोत्सव कौनसा है ?

- (A) आम महोत्सव
(B) नींबू महोत्सव
(C) संतरा महोत्सव
(D) खजूर महोत्सव

6. निम्नलिखित में से कौनसी समिति गरीबी रेखा से सम्बन्धित है ?

1. रंगराजन समिति
2. सुरेश तेंदुलकर समिति
3. विजय केलकर समिति

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1 और 2
(B) 1, 2 और 3 सभी
(C) केवल 2 और 3
(D) केवल 3

7. निम्नलिखित में से कौन चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य की सभा के नवरत्नों में शामिल था/थे ?

1. धन्वंतरि 2. अमरसिंह
3. शंकु 4. आर्यभट्ट
5. कालिदास 6. चरक

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1, 2, 3, 5
(B) केवल 2, 3, 5, 6
(C) केवल 2, 4, 5, 6
(D) केवल 1, 4, 5, 6

8. हरियाणा राज्य के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा/से सही सुमेलित है/हैं ?

1. क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा जिला—फतेहाबाद
2. क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा जिला—फरीदाबाद
3. जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा जिला—करनाल
4. जनसंख्या की दृष्टि से सबसे छोटा जिला—पंचकुला

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 4
(C) केवल 3 और 4
(D) केवल 1 और 4

9. निम्नलिखित में से कौनसा सही सुमेलित है ?

- (A) जम्मू-कश्मीर—भरतनाट्यम
(B) असम—लावणी
(C) पंजाब—गिद्धा
(D) तमिलनाडु—कथक

10. निम्नलिखित में से किसे भारत का राष्ट्रपति चुने जाने के लिए अयोग्यता माना जाएगा ?

1. भारत का नागरिक होना.
2. 35 वर्ष की आयु पूर्ण करना.
3. किसी लाभ के पद पर आसीन होना.
4. लोक सभा के सदस्य के रूप में चुने जाने के योग्य होना.

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1 और 3
(B) केवल 1 और 4
(C) 1, 2, 3 और 4 सभी
(D) केवल 3

11. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए—
सूची-I

- (a) धूसर क्रांति
(b) पीली क्रांति
(c) रजत क्रांति
(d) लाल क्रांति

सूची-II

1. तिलहन
2. टमाटर एवं मांस उत्पादन
3. अंडा उत्पादन
4. उर्वरक

| | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-----|-----|-----|-----|
| (A) | 1 | 4 | 3 | 2 |
| (B) | 3 | 1 | 4 | 2 |
| (C) | 4 | 2 | 3 | 1 |
| (D) | 4 | 1 | 3 | 2 |

12. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में किस न्याय का उल्लेख है ?

1. राजनीतिक न्याय
2. सामाजिक न्याय
3. आर्थिक न्याय
उपर्युक्त में से कौनसा कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3 सभी

13. हरियाणा राज्य में अग्रलिखित में से किस स्थान पर आकाशवाणी केंद्र स्थित है/हैं ?

1. रोहतक 2. कुरुक्षेत्र
3. हिसार 4. अंबाला
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1, 2 और 3
(C) केवल 3 और 4
(D) केवल 1 और 4
14. निम्नलिखित में से कौन उत्तरी अमेरिका की 5 महान झीलों में शामिल नहीं है ?
1. टिटिकाका झील
2. मिशिगन झील
3. ह्यूरोन झील
4. सुपीरियर झील
नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 3
(D) केवल 1, 2 और 3
15. द्वितीय बौद्ध संगीति के सम्बन्ध में कौनसा कथन सही है/हैं ?
1. द्वितीय बौद्ध संगीति 383 ईसा पूर्व में राजा कालाशोक के संरक्षण में वैशाली में आयोजित की गई थी.
2. दूसरी बौद्ध परिषद् की अध्यक्षता सबाकामी ने की.
3. इस बौद्ध संगीति में बुद्ध के अनुयायी महासंघिक और थेरवादी दो भागों में विभाजित हो गए.
नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) केवल 3
(D) 1, 2 और 3 सभी
16. निम्नलिखित में से कौनसा सही सुमेलित नहीं है ?
- | देश | खनिज |
|-------------|-----------|
| 1. मैक्सिको | चाँदी |
| 2. बोलीविया | टिन |
| 3. पेरू | शोरा |
| 4. ब्राजील | लौह अयस्क |
- नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2
(C) केवल 3
(D) केवल 2 और 4
17. हरियाणा राज्य के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित है ?
1. राजकीय पशु—काला हिरण
2. राजकीय पक्षी—काला तीतर
3. राजकीय वृक्ष—अशोक
4. राजकीय पुष्प—गेंदा
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 4
(C) केवल 3 और 4
(D) केवल 1 और 4
18. निम्नलिखित में से कौनसा/से सही सुमेलित नहीं है/हैं ?
1. हड़प्पा—रावी नदी
2. मोहनजोदड़ो—सिन्धु नदी
3. लोथल—भोगवा नदी
4. कालीबंगा—हिंडन नदी
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 4
(C) केवल 4
(D) केवल 1 और 4
19. निम्नलिखित में से कौनसी समिति पंचायती राज से सम्बन्धित नहीं है ?
1. बलवंत राय मेहता समिति
2. अशोक मेहता समिति
3. लकड़वाला समिति
4. एल. एम. सिंघवी समिति
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 3
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2, 3 और 4 सभी
20. निम्नलिखित में से मलक्का जलडमरूमध्य द्वारा कौनसे सागर जुड़े हुए हैं ?
1. जावा सागर
2. जापान सागर
3. अंडमान सागर
4. दक्षिण चीन सागर
5. मरमारा सागर
6. लाल सागर
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 6
(C) केवल 4 और 5
(D) केवल 3 और 4
21. निम्नलिखित में से कौनसा/से युग्म सही सुमेलित है/हैं ?
1. राष्ट्रीय बालिका दिवस—24 जनवरी
2. अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस—11 अक्टूबर
3. राष्ट्रीय डाक दिवस—9 अक्टूबर
4. विश्व शिक्षक दिवस—5 सितम्बर
नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2 और 4
(C) केवल 1 और 2
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
22. निम्नलिखित में से कौनसा सही सुमेलित नहीं है ?
1. हरियाणा के प्रथम मुख्यमंत्री—भगवत दयाल शर्मा
2. हरियाणा के प्रथम एडवोकेट जनरल—प्रीतम पाल सिंह
3. हरियाणा के प्रथम लोकायुक्त—बाबू आनंद स्वरूप
4. हरियाणा की प्रथम महिला पर्वतारोही—संतोष यादव
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 2 और 3
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 3 और 4
(D) केवल 1 और 4
23. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. सरोजिनी नायडू कांग्रेस की अध्यक्ष बनने वाली पहली महिला थीं.
2. जब सी. आर. दास कांग्रेस अध्यक्ष बने, तब वे जेल में थे.
3. ए. ओ. ह्यूम कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाले पहले ब्रिटिश नागरिक थे.
4. 1894 में अल्फ्रेड वेब कांग्रेस के अध्यक्ष थे.
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2 और 4
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4 सभी
24. भारतीय रिजर्व बैंक के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना 1 अप्रैल, 1935 को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के प्रावधानों के अनुसार की गई थी.
2. भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना हिटलर यंग कमीशन की सिफारिशों के आधार पर की गई थी.
3. भारतीय रिजर्व बैंक (सार्वजनिक स्वामित्व में स्थानांतरण) अधिनियम, 1948 के आधार पर 1 जनवरी, 1949 से भारतीय रिजर्व बैंक का राष्ट्रीयकरण किया गया था.
4. शक्तिकांत दास भारतीय रिजर्व बैंक के 28वें गवर्नर हैं.
नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1, 2 और 3
(D) उपर्युक्त सभी

25. निम्नलिखित में से किसने कहा था कि "भारतीय संविधान बहुत बड़ा है और इसलिए बहुत कठोर है, अपने इतिहास से इतना बँधा हुआ है और विवेकपूर्ण व्याख्याओं के माध्यम से किसी उपयोगी चीज में ढाला जाने के लिए बहुत कठिन है?"
- (A) के. सी. व्हेयर
(B) आइवर जेनिंग्स
(C) ग्रानविले ऑस्टिन
(D) मॉरिस जॉनसन
26. हरियाणा राज्य निम्नलिखित में से कौनसे भारतीय राज्यों के साथ अपनी सीमा साझा करता है ?
1. राजस्थान 2. उत्तर प्रदेश
3. उत्तराखण्ड 4. पंजाब
5. हिमाचल प्रदेश 6. मध्य प्रदेश
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 1, 2, 3, 4
(B) केवल 1, 2, 4, 5
(C) केवल 2, 3, 5, 6
(D) केवल 1, 4, 5, 6
27. अशोक के शिलालेख के अनुसार मगध साम्राज्य में निम्नलिखित में से कौनसा/से प्रांतीय केन्द्र शामिल थे ?
1. तोसाली 2. उज्जयिनी
3. तक्षशिला 4. इंद्रप्रस्थ
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 2 और 4
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 1, 2 और 3
(D) केवल 1 और 4
28. हरियाणा के तीन लाल में से निम्नलिखित में से कौन शामिल नहीं है ?
1. बंसीलाल 2. महेन्द्रलाल
3. देवीलाल 4. भजनलाल
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 2
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 4
(D) केवल 1 और 4
29. लाल सागर दुनिया के सबसे खारे जल निकायों में से एक है, इसकी क्या वजह है ?
1. उच्च वाष्पीकरण और कम वर्षा.
2. ताजे जल निकायों से कम निर्वहन.
3. हिंद महासागर जैसे कम लवणता वाले अन्य खुले महासागरों के साथ सीमित सम्बन्ध.
- उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
- (A) केवल 1 और 3
(B) 1, 2 और 3 सभी
(C) केवल 2
(D) केवल 2 और 3
30. 'ऑपरेशन चक्र-2' का कभी-कभी समाचारों में उल्लेख किया जाता है, यह किससे सम्बन्धित है ?
- (A) स्पेस रिसर्च प्रोग्राम
(B) लीथियम भण्डार की खोज
(C) साइबर अपराधों की पहचान
(D) मिसाइलों के लिए विकास कार्यक्रम
31. हरियाणा के सन्दर्भ में निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार कीजिए—
1. देश में फसल बीमा योजना लागू करने वाला प्रथम राज्य.
2. सभी गाँवों को सड़कों से जोड़ने वाला प्रथम राज्य.
3. कृषि ऋण माफ करने वाला भारत का प्रथम राज्य.
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
- (A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2 और 3
(C) 1, 2 और 3 सभी
(D) केवल 1 और 2
32. निम्नलिखित युग्मों में से कौनसा/से सही सुमेलित नहीं है/हैं ?
- | | |
|----------------|--------------|
| महोत्सव | राज्य |
| 1. कटि बिहू | असम |
| 2. खर्ची पूजा | पश्चिम बंगाल |
| 3. उगादि | कर्नाटक |
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 3
(B) केवल 2
(C) 1, 2 और 3 सभी
(D) केवल 2 और 3
33. भारत में सबसे बड़ा लिग्नाइट उत्पादक राज्य कौनसा है ?
- (A) ओडिशा
(B) तमिलनाडु
(C) झारखंड
(D) छत्तीसगढ़
34. 1 नवम्बर, 1966 को हरियाणा राज्य के अस्तित्व में आने के दौरान हरियाणा में कुल 7 जिले थे. उन 7 जिलों में निम्नलिखित में से कौनसे जिले शामिल थे ?
1. पंचकुला 2. महेन्द्रगढ़
3. जींद 4. करनाल
5. हिसार 6. कुरुक्षेत्र
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 1, 2, 5, 6
(B) केवल 2, 3, 4, 5
(C) केवल 2, 3, 5, 6
(D) केवल 1, 3, 4, 6
35. भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में अग्रलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. यदि मुद्रास्फीति बहुत अधिक है, तो भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा सरकारी प्रतिभूतियाँ खरीदने की सम्भावना है.
2. यदि रुपया तेजी से गिर रहा है, तो आरबीआई द्वारा बाजार में डॉलर बेचने की सम्भावना है.
3. यदि संयुक्त राज्य अमरीका या यूरोपीय संघ में ब्याज दरें गिरती हैं, तो इससे आरबीआई को डॉलर खरीदने के लिए प्रेरित होने की सम्भावना है.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3 सभी
36. निम्नलिखित साम्राज्यों में से किसकी स्थापना आठवीं शताब्दी ईस्वी में हुई थी ?
1. काकतीय
2. गहड़वाल
3. होयसल
4. यादव
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 1 और 3
(B) केवल 4
(C) केवल 1, 2 और 3
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
37. निम्नलिखित जिलों को उनके मण्डल से सुमेलित कीजिए—
- | | |
|-------------|--------------|
| जिला | मण्डल |
| (a) पंचकुला | 1. गुरुग्राम |
| (b) रेवाड़ी | 2. अम्बाला |
| (c) नूह | 3. रोहतक |
| (d) भिवानी | 4. फरीदाबाद |
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
- | | | | |
|-------|-----|-----|-----|
| (a) | (b) | (c) | (d) |
| (A) 1 | 2 | 3 | 4 |
| (B) 3 | 2 | 1 | 4 |
| (C) 2 | 1 | 4 | 3 |
| (D) 3 | 2 | 4 | 1 |
38. हाल ही में कौनसा देश दुनिया का सबसे बड़ा अफीम उत्पादक बना है ?
- (A) अफगानिस्तान
(B) पाकिस्तान
(C) म्यांमार
(D) ईरान
39. हरियाणा के सन्दर्भ में अग्रलिखित में से कौनसा सही सुमेलित नहीं है ?

1. मैग्नेट सिटी—जींद
 2. उद्योग नगरी—फरीदाबाद
 3. बुनकरों की नगरी—भिवानी
 4. कॉटन सिटी—पलवल
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 2 और 4
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 4
(D) केवल 1 और 4
40. निम्नलिखित में से कौनसा/से सही सुमेलित नहीं है/हैं ?
1. बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान—मध्य प्रदेश
 2. बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान—कर्नाटक
 3. दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान—जम्मू-कश्मीर
 4. दर्राह राष्ट्रीय उद्यान—हरियाणा
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 2 और 4
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 4
(D) केवल 1 और 4
41. हरियाणा राज्य का सबसे कम ऊँचाई वाला स्थान 'अनकाई दलदल' किस जिले में स्थित है ?
- (A) कैथल
(B) झज्जर
(C) सिरसा
(D) मेवात
42. हरियाणा राज्य के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. जींद जिले का नामकरण जयंती देवी के नाम पर किया गया है.
 2. फतेहाबाद जिले का नामकरण फिरोजशाह के बेटे बाबा फतेह खान के नाम पर किया गया है.
 3. कैथल जिले का नामकरण हनुमानजी की जन्मस्थली के कारण किया गया है.
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
- (A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2 और 3
(C) 1, 2 और 3 सभी
(D) केवल 1 और 2
43. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए, ये कथन किस व्यक्ति के बारे में कहे गए हैं ?
1. उन्होंने अपना कैरियर शुरू किया और अपना अधिकांश वयस्क जीवन रीवा के हिंदू राजा, राजा रामचन्द्र सिंह के दरबार और संरक्षण में बिताया.
 2. अकबर ने उन्हें नवरत्न माना और उन्हें मियाँ की उपाधि दी.
3. उन्हें उनकी महाकाव्य ध्रुपद रचनाओं, कई नए रागों के निर्माण के लिए याद किया जाता है.
- (A) स्वामी हरिदास
(B) अली खान करोरी
(C) तानसेन
(D) रामदास
44. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. रोहतक में पुलिस आयुक्तालय स्थित है.
 2. सोनीपत में पुलिस आयुक्तालय स्थित है.
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
- (A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
45. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. हमारे भोजन में पाए जाने वाले मुख्य कार्बोहाइड्रेट स्टार्च और शर्करा के रूप में होते हैं.
 2. यदि किसी खाद्य पदार्थ में स्टार्च है, तो उसे तनु आयोडीन घोल की मदद से जाँचा जा सकता है.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
- (A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2
46. निम्नलिखित में से कौनसी भारतीय संविधान की संघीय विशेषताएँ है/हैं ?
1. संविधान लिखित है और इसमें आसानी से संशोधन नहीं किया जा सकता.
 2. राज्यसभा में सभी राज्यों का समान प्रतिनिधित्व.
 3. राज्य सरकारें केन्द्र से अधिकार प्राप्त करती हैं.
- नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3 सभी
47. हाल ही में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया. इनमें हरियाणा के निम्नलिखित में से कौनसा/से रेलवे स्टेशन शामिल है/हैं ?
1. अंबाला सिटी
 2. भिवानी जंक्शन
 3. कलानौर
 4. बहादुरगढ़
 5. जींद जंक्शन
 6. नरवाना जंक्शन
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 1, 2, 3, 5, 6
(B) केवल 1, 2, 3, 4, 5
(C) केवल 1, 2, 4, 5, 6
(D) केवल 2, 3, 4, 5, 6
48. सिंधु घाटी सभ्यता से प्राप्त निम्नलिखित साक्ष्यों को उनके प्राप्ति स्थल के साथ सुमेलित कीजिए—
- (a) गोदीबाड़ा
(b) जुता हुआ खेत
(c) हड़प्पा लिपि के बड़े आकार वाले संकेतों से युक्त शिलालेख
(d) हल की टेराकोटा प्रतिकृति
1. लोथल
 2. कालीबंगा
 3. बनावली
 4. धोलावीरा
- नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
- | | | | |
|-------|-----|-----|-----|
| (a) | (b) | (c) | (d) |
| (A) 1 | 2 | 4 | 3 |
| (B) 3 | 2 | 1 | 4 |
| (C) 3 | 1 | 2 | 4 |
| (D) 3 | 2 | 4 | 1 |
49. 'हरियाणा सुशासन पुरस्कार योजना 2023' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. यह योजना राज्य सरकार के विभागों, बोर्डों, निगमों, वैधानिक प्राधिकरणों, मिशन, सोसायटियों, संस्थानों, विश्वविद्यालयों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में ग्रुप ए, बी, सी और डी में सभी कर्मचारियों व अधिकारियों पर लागू होगी.
 2. इस योजना में प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों और कॉन्ट्रैक्ट पर लगे कर्मियों को भी शामिल किया गया है.
 3. सुशासन दिवस पर 25 दिसम्बर, 2023 को पुरस्कार समारोह आयोजित किया.
- (A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2 और 3
(C) 1, 2 और 3 सभी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
50. हाल ही में 'विकसित भारत 2047 : वॉयस ऑफ यूथ' पहल की शुरुआत किसने की है ?

- (A) द्रौपदी मुर्मू
(B) एस. जयशंकर
(C) नरेंद्र मोदी
(D) भजनलाल शर्मा
51. निम्नलिखित में से कौनसा/से सही सुमेलित है/हैं ?
1. राष्ट्रीय युवा दिवस—24 जनवरी
2. सेना दिवस—8 जनवरी
3. पृथ्वी दिवस—21 अप्रैल
4. पर्यावरण दिवस—5 जून
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 2 और 4
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 4
(D) केवल 1 और 4
52. हाल ही में भारत ने दक्षिण कोरिया के साथ राजनयिक सम्बन्धों के 50 वर्ष पूरे किए हैं. दक्षिण कोरिया के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. 'ओशिनिक्स सिटी' नामक तैरता हुआ शहर दक्षिण कोरिया में स्थापित किया जा रहा है.
2. 'यून सुक इयोल' दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति हैं.
3. ISRO ने दक्षिण कोरिया के सैन्य उपग्रह ANASIS-2 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया था.
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
53. अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. 7 से 24 दिसम्बर, 2023 तक अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2023 का भव्य आयोजन किया गया.
2. हरियाणा सरकार द्वारा गीता महोत्सव को कुरुक्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2016 से मनाया जा रहा है.
3. कुम्भ मेले की तर्ज पर अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के लिए अलग से मेला अर्थॉरिटी बनाई जाएगी, जो अपने स्तर पर इसका आयोजन करेगी.
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 2 और 3
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) 1, 2 और 3 सभी
54. मुगल मनसबदारी व्यवस्था के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. उन्हें दीवान कार्यालय द्वारा भुगतान किया जाता था.
2. इस व्यवस्था में 'जात' और 'सवार' पद दिए गए.
3. मनसबदार वंशानुगत अधिकारी होते थे.
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 2
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3 सभी
55. हरियाणा पुलिस और हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा शुरू की गई एक पहल हैकथॉन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. इस हैकथॉन का उद्देश्य युवाओं को नशीली दवाओं एवं पदार्थों का सेवन करने से रोकना और उन्हें अपराध न करने के लिये प्रेरित करना है.
2. हैकथॉन के तहत 14 जनवरी, 2024 को पंचकूला में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा.
3. इस हैकथॉन के माध्यम से समाज का दृष्टिकोण बदलने के साथ ही ब्लॉकचेन, वेब 3, गेमिफिकेशन आदि तरीकों से पारम्परिक जागरूकता लाई जाएगी.
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 2
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3 सभी
56. निम्नलिखित में से किस स्थान पर सूर्य मंदिर स्थित है ?
1. मार्तण्ड, जम्मू-कश्मीर
2. मोढेरा, गुजरात
3. देवगढ़, उत्तर प्रदेश
4. सूर्यनार कोविल, तमिलनाडु
नीचे दिये गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1, 2, 4
(B) केवल 2, 3, 4
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2, 3, 4 सभी
57. निम्नलिखित में से भारत का कौनसा राज्य अपनी सीमा तीन देशों नेपाल, भूटान और चीन से साझा करता है ?
(A) मेघालय
(B) पश्चिम बंगाल
(C) सिक्किम
(D) अरुणाचल प्रदेश
58. हरियाणा के निम्नलिखित जिलों में से कौनसा/से जिले दिल्ली के साथ सीमा बनाते हैं ?
1. गुरुग्राम
2. फरीदाबाद
3. पानीपत
4. पलवल
5. सोनीपत
6. झज्जर
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1, 2, 3, 4
(B) केवल 1, 2, 4, 5
(C) केवल 2, 3, 5, 6
(D) केवल 1, 2, 5, 6
59. उत्तर भारत में शीत ऋतु में शीत लहर के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. समुद्री प्रभाव का अभाव है.
2. उत्तरी भारत हिमालय क्षेत्र के नजदीक है.
3. वायु राशि ध्रुवीय क्षेत्रों से उत्तरी भारत में आती है.
उपर्युक्त कथनों में से कौनसा सही है ?
(A) केवल 2 और 3
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) 1, 2 और 3 सभी
60. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. महापाषाणिक कब्रों में वस्तुओं के साथ त्रिशूल भी पाए जाते हैं.
2. इन कब्रों में मृतक के साथ खेती के औजार भी दफनाए जाते थे.
3. प्रायद्वीपीय भारत में काले और लाल मिट्टी के बर्तन अधिक प्रचलित थे.
उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सत्य है/हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3 सभी
61. निम्नलिखित में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं/हैं ?
1. गद्दी जनजाति—हिमाचल प्रदेश
2. सिंघपो जनजाति—अरुणाचल प्रदेश
3. थारु जनजाति—उत्तर प्रदेश/उत्तराखण्ड
4. सहरिया जनजाति—राजस्थान
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) केवल 3 (D) ये सभी
62. निम्नलिखित में से कौनसी संस्था विश्व बैंक की निजी शाखा के रूप में जानी जाती है ?
(A) अन्तर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी
(B) अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम
(C) बहुपक्षीय निवेश गारंटी एजेंसी
(D) पुनर्निर्माण और विकास के लिए अन्तर्राष्ट्रीय बैंक

63. निम्नलिखित में से उत्तर-पूर्वी भारत का नवपाषाणकालीन स्थल कौनसा है ?
1. चिरांद 2. सेनुआर
3. सरुतरु 4. ताराडीह
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 (B) केवल 2 और 4
(C) केवल 3 (D) केवल 2
64. निम्नलिखित भाषाओं पर विचार कीजिए—
1. मराठी 2. कन्नड़
3. तेलुगू 4. गुजराती
उपर्युक्त में से किसे सरकार द्वारा 'शास्त्रीय भाषा/भाषाएं' घोषित किया गया है/हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 3 और 4
(C) केवल 2 और 3
(D) केवल 1 और 4
65. भारतीय गुफा वास्तुकला के इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. बादामी की गुफाएं भारत की सबसे पुरानी जीवित चट्टानों को काटकर बनाई गई गुफाएं हैं.
2. बाराबर चट्टानों को काटकर बनाई गई गुफाएं मूल रूप से सम्राट् चंद्रगुप्त मौर्य द्वारा आजीविकों के लिए बनाई गई थीं.
3. एलोरा में विभिन्न धर्मों के लिए गुफाएं बनाई गईं.
उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3
(D) 1, 2 और 3 सभी
66. निम्नलिखित में से कौनसा/से अन्तर्राष्ट्रीय संगठन उनके मुख्यालय से सही सुमेलित है/हैं ?
अन्तर्राष्ट्रीय संगठन **मुख्यालय**
1. खाद्य एवं कृषि संगठन रोम, इटली
2. अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन लंदन, यूके
3. यूनेस्को न्यूयॉर्क, यूएसए
4. अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन जिनेवा, स्विट्जरलैंड
नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 4
(B) केवल 1, 2 और 4
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) केवल 1 और 2
67. अग्रलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

1. अन्तर-उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र एक निम्न दबाव बेल्ट है, जो उत्तरी भारत और पाकिस्तान पर सम्पर्क का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बनाता है.
2. अन्तर-उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र विभिन्न दिशाओं से हवाओं के प्रवाह को आमंत्रित करता है.
नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1
(B) 1 और 2 दोनों
(C) न तो 1 और न ही 2
(D) केवल 2
68. हाल ही में मनुष्यों द्वारा 2,500 वर्ष पूर्व याक को पालतू बनाए जाने का पहला साक्ष्य कहाँ पाया गया है ?
(A) चीन (B) भारत
(C) रूस (D) जाम्बिया
69. पंचशील समझौते के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. इस समझौते पर 29 अप्रैल, 1954 को बीजिंग में हस्ताक्षर किए गए थे.
2. यह समझौता चीन के क्षेत्र तिब्बत और भारत के बीच आपसी सम्बन्धों और व्यापार को लेकर किया गया था.
3. यह समझौता भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और चीन के पहले प्रधानमंत्री चाउ एन लाई के बीच हुआ था.
नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) उपर्युक्त सभी
70. निम्नलिखित यूरोपीय व्यापारियों के भारत आगमन का सही क्रम कौनसा है ?
1. पुर्तगाली 2. डच
3. अंग्रेज 4. डेनिश
5. फ्रेंच
(A) 1, 2, 3, 4, 5
(B) 1, 3, 2, 4, 5
(C) 1, 2, 4, 3, 5
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
71. निम्नलिखित में से वॉरेन हेस्टिंग्स के प्रशासनिक/न्यायिक सुधारों में शामिल थे—
1. कलकत्ता में राजस्व बोर्ड की स्थापना.
2. जमींदारों के न्यायिक कार्यों को समाप्त करना.

3. आपराधिक न्यायालयों में भारतीय न्यायाधीशों की नियुक्ति.
नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए—
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3 सभी
72. हरियाणा के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग को ऊर्जा दक्षता सूचकांक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली राज्य नामित एजेंसी श्रेणी (समूह-1) में कौनसा पुरस्कार मिला है ?
(A) पहला (B) दूसरा
(C) तीसरा (D) इनमें से कोई नहीं
73. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारतीय संविधान के तहत विवाह के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में स्पष्ट रूप से मान्यता नहीं दी गई है.
2. भारत में समलैंगिक जोड़े, विवाहित या अविवाहित को बच्चे गोद लेने की अनुमति नहीं है.
उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2
74. निम्नलिखित में से कौनसा सही सुमेलित है/हैं ?
लोक चित्रकला **राज्य**
1. मधुबनी बिहार
2. पट्टचित्र आंध्र प्रदेश
3. पटुआ पश्चिम बंगाल
नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए—
(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2
(D) केवल 1 और 3
75. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए—
(a) चुनाव आयोग
(b) वित्त आयोग
(c) राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग
(d) नियन्त्रक एवं महालेखापरीक्षक
1. अनुच्छेद 338
2. अनुच्छेद 280
3. अनुच्छेद 324
4. अनुच्छेद 148
आगे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

| | | | | |
|-----|-----|-----|-----|-----|
| | (a) | (b) | (c) | (d) |
| (A) | 3 | 2 | 1 | 4 |
| (B) | 1 | 2 | 3 | 4 |
| (C) | 3 | 2 | 4 | 1 |
| (D) | 2 | 3 | 1 | 4 |

76. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. ट्रेजरी बिल ऋण उपकरण हैं, जो निवेशकों को समय-समय पर कूपन का भुगतान करते हैं.
2. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) को टी-बिल खरीदने की अनुमति नहीं है.

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2
- (C) 1 और 2 दोनों
- (D) न तो 1 और न ही 2

77. पालों और प्रतिहारों के प्रशासन के संदर्भ में, 'उपरिका' शब्द का क्या तात्पर्य है ?

- (A) सैन्य प्रमुख
- (B) न्यायिक व्यवस्था का प्रमुख
- (C) मुख्य राजस्व अधिकारी
- (D) भुक्ति या प्रांत का प्रमुख

78. सरकार की संसदीय प्रणाली वह है जिसमें—

- (A) संसद में सभी राजनीतिक दलों का सरकार में प्रतिनिधित्व है
- (B) सरकार संसद के प्रति उत्तरदायी है और उसे संसद द्वारा हटाया जा सकता है
- (C) सरकार लोगों द्वारा चुनी जाती है और उन्हें उनके द्वारा हटाया जा सकता है.
- (D) सरकार को संसद द्वारा चुना जाता है, लेकिन पूरा होने से पहले इसे हटाया नहीं जा सकता है.

79. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. जब मिट्टी सूख जाती है, तो पौधों की कार्बन सोखने की क्षमता कम हो जाती है.
2. मिट्टी के तापमान में वृद्धि के साथ, सूखी मिट्टी में सूक्ष्मजीव अधिक उत्पादक हो जाते हैं.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2
- (C) 1 और 2 दोनों
- (D) न तो 1 और न ही 2

80. अग्रलिखित युग्मों में से कितने सही सुमेलित हैं ?

| पुस्तक | लेखक |
|--------------------|---------------|
| 1. देवीचंद्रगुप्त | बिल्हण |
| 2. नीतिवाक्यामृत | सोमदेव सूर |
| 3. हम्मीर महाकाव्य | नयनचंद्र सूरी |

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1
- (B) केवल 1 और 2
- (C) केवल 2 और 3
- (D) केवल 1 और 3

81. कथन (A) : संतृप्त वसा की तुलना में असंतृप्त वसा अधिक प्रतिक्रियाशील होती है.

कारण (R) : असंतृप्त वसा की संरचना में केवल एकल बंधन होते हैं.

- (A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
- (B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
- (C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है
- (D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

82. दक्षिण से उत्तर की ओर निम्नलिखित में से पर्वत श्रृंखला का कौनसा सही क्रम दिया गया है ?

1. महादेव पहाड़ियाँ
 2. सह्याद्रि पर्वत
 3. सतपुड़ा पर्वत
- नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए—
- (A) 1, 2, 3
 - (B) 2, 1, 3
 - (C) 1, 3, 2
 - (D) 2, 3, 1

83. निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद को 'भारतीय संविधान का स्वर्ण त्रिकोण' कहा जाता है ?

1. अनुच्छेद 14
 2. अनुच्छेद 19
 3. अनुच्छेद 21
 4. अनुच्छेद 32
- नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए—
- (A) 1, 2 और 3
 - (B) 1, 2 और 4
 - (C) 2, 3 और 4
 - (D) 1, 2 और 4

84. स्टेम सेल के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. ये केवल बहुकोशिकीय जीव में ही पाए जाते हैं.
 2. इन्हें जन्म के ठीक बाद गर्भनाल रक्त से लिया जा सकता है.
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2
- (C) 1 और 2 दोनों
- (D) न तो 1 और न ही 2

85. निम्नलिखित महासागरीय धाराओं और उनके सम्बद्ध महासागरों के बारे में विचार कीजिए—

| धारा | महासागर |
|---------------|-------------------------|
| 1. कैनरी धारा | उत्तरी अटलांटिक महासागर |
| 2. ओयाशियो | हिंद महासागर |
| 3. बेंगुएला | उत्तरी अटलांटिक महासागर |
| 4. पेरू | प्रशांत महासागर |

उपर्युक्त में से कौनसा/से सही सुमेलित है/हैं ?

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 1 और 4
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

86. 'बायोमस' के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. बायोम को आनुवंशिक, वर्गीकरण या ऐतिहासिक समानताओं द्वारा परिभाषित किया गया है.
 2. बायोम पृथ्वी पर समान जलवायु परिस्थितियों वाले सन्निहित क्षेत्र हैं.
- उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2
- (C) 1 और 2 दोनों
- (D) न तो 1 और न ही 2

87. जैव सुरक्षा पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

- (A) जैव विविधता के संरक्षण और सतत उपयोग को बढ़ावा देना
- (B) आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी से उत्पन्न जीवित संशोधित जीवों की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए
- (C) आर्थिक लाभ के विरुद्ध सार्वजनिक स्वास्थ्य को संतुलित करना
- (D) जीवित संशोधित जीवों के सुरक्षित संचालन और उपयोग के लिए नियम और प्रक्रियाएं स्थापित करना

88. निम्नलिखित में से कितने देश आसियान समूह के सदस्य हैं ?

1. लाओस
 2. ब्रुनेई
 3. थाइलैंड
 4. वियतनाम
 5. पापुआ न्यू गिनी
 6. फिलीपींस
- नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1, 2, 3, 4, 6
- (B) केवल 2, 3, 4, 5, 6
- (C) केवल 2, 4, 5, 6
- (D) उपर्युक्त सभी

89. राज्य सभा के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. सभी सदस्य आजीवन सदस्य बने रहते हैं.
 2. इसे विघटित नहीं किया जा सकता है.
 3. प्रत्येक दो वर्ष में एक-तिहाई सदस्य सेवानिवृत्त हो जाते हैं.
- उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
- (A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3 सभी
90. तीस्ता नदी के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. इसकी उत्पत्ति तिब्बत में एक हिम-नदी झील खांगचुंग छो से होती है.
 2. यह केवल सिक्किम और पश्चिम बंगाल से होकर बहती है.
 3. रंगीत नदी तीस्ता नदी की एक सहायक नदी है.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
- (A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3
(D) केवल 1 और 3
91. संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी कन्वेंशन 1951 के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. यह एक बहुपक्षीय संधि है, जो परिभाषित करती है कि शरणार्थी कौन हैं और उनके अधिकारों के साथ-साथ शरण देने वाले देशों की जिम्मेदारियाँ भी निर्धारित करती है.
 2. इस सम्मेलन के तहत युद्ध अपराधियों को शरणार्थी के रूप में सुरक्षा का लाभ नहीं मिलता है.
 3. भारत 1951 के सम्मेलन या इसके 1967 के प्रोटोकॉल का सदस्य नहीं है.
- उपर्युक्त में से कितने कथन सही है/हैं ?
- (A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1, 2, 3 सभी तीनों
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
92. निम्नलिखित में से किस राज्य समूह का उल्लेख संविधान की 'छठी अनुसूची' में मिलता है ?
- (A) असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम
(B) असम, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम
(C) असम, सिक्किम, त्रिपुरा और मिजोरम
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
93. निम्नलिखित पर विचार कीजिए—
- कथन (A) :** भारत में गेहूँ उत्पादक क्षेत्र उप-आर्द्र और अर्ध-एरियल क्षेत्रों तक ही सीमित है.
- कारण (R) :** इस फसल को बहुत अधिक स्थिर पानी की आवश्यकता नहीं होती है.
- (A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(C) (A) सत्य है, लेकिन (R) गलत है
(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सत्य है
94. माफिक लावा के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प सही है ?
- (A) इसमें 23% से अधिक सिलिका होता है.
(B) इसमें 45% से कम सिलिका होता है.
(C) इसमें 62% – 73% तक सिलिका होता है.
(D) इसमें 45% – 52% तक सिलिका होता है.
95. निम्नलिखित में से उष्णकटिबंधीय वर्षा वन बायोम की विशेषताएं हैं—
1. बहुत अधिक वार्षिक वर्षा
 2. उच्च औसत तापमान
 3. पोषक तत्वों की कमी वाली मिट्टी
 4. प्रजातियों की समृद्धि का उच्च स्तर नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 1 और 4
(B) केवल 1, 2 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) उपर्युक्त सभी
96. "आत्मा केवल जन्तु और पादप जीवन की सम्पदा नहीं है, बल्कि शिलाओं, प्रवाहित जलधाराओं और अन्य अनेक प्राकृतिक वस्तुओं की भी है, जिन्हें अन्य धार्मिक सम्प्रदाय जीवित नहीं मानते." यह कथन प्राचीन भारत के निम्नलिखित में से किस एक धार्मिक सम्प्रदाय के एक मूलभूत विश्वास को प्रतिबिंबित करता है ?
- (A) बौद्ध परम्परा
(B) जैन परम्परा
(C) शैव परम्परा
(D) वैष्णव परम्परा
97. पांड्य राज्य के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. यह सुदूर दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी भाग में अवस्थित था.
 2. इसकी राजधानी महाबलीपुरम थी.
 3. इसे मोतियों का देश कहा जाता था.
 4. यहाँ का समाज मातृसत्तात्मक था.
- उपर्युक्त कथनों में कौनसा/से कथन सत्य है/हैं ?
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1, 3 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4 सभी
98. यान्डाबू की संधि के परिणाम के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. यान्डाबू की संधि प्रथम आंग्ल-बर्मा युद्ध में बर्मा की पराजय के बाद हुई थी.
 2. अंग्रेजों को दस लाख पाउंड स्टर्लिंग का मुआवजा देने का वादा किया गया था.
 3. ब्रिटिश व्यापारियों को सुरक्षा की गारण्टी देने का वादा किया गया.
- उपर्युक्त में से कौनसा कथन सही है/हैं ?
- (A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3 सभी
99. भारत में 'शहरी सहकारी बैंकों' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. इनका पर्यवेक्षण और विनियमन राज्य सरकारों द्वारा स्थापित स्थानीय बोर्डों द्वारा किया जाता है.
 2. वे इक्विटी शेयर और वरीयता शेयर जारी कर सकते हैं.
 3. 1966 में एक संशोधन के माध्यम से इन्हें बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के दायरे में लाया गया.
- उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही है/हैं ?
- (A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1, 2, 3 सभी तीनों
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
100. निम्नलिखित में से कौनसे राज्य कन्नौज के लिए हुए त्रिपक्षीय संघर्ष में शामिल थे ?
1. चोल 2. पाल
3. राष्ट्रकूट 4. प्रतिहार
5. पांड्य
- नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 1, 2 और 5
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) केवल 2, 3 और 5

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B) चीचेन, इट्जा मान, जॉर्डन में स्थित है। माचू पिच्चू, पेरू के उरुबाम्बा प्रान्त में स्थित है। हाल ही में कम्बोडिया स्थित अंगकोरवाट मंदिर को दुनिया के आठवें आश्चर्य के रूप में शामिल किया गया है।
2. (D) जनगणना 2011 के अनुसार हरियाणा राज्य का लिंगानुपात 879 है और राज्य का न्यूनतम लिंगानुपात वाला जिला गुरुग्राम (854) है।
3. (D) टैगा विश्व का सबसे बड़ा भूमि बायोम है। यह विश्व के वन क्षेत्र का 29% है। इसे बोरियल वन या हिम वन के रूप में भी जाना जाता है, इसकी विशेषता शंकुधारी वन हैं, जिनमें ज्यादातर देवदार, स्प्रूस और लार्च शामिल हैं। टैगा का सबसे बड़ा क्षेत्र रूस और कनाडा में स्थित है।
4. (B) हैबर विधि में लौह उत्प्रेरक की सहायता से नाइट्रोजन एवं हाइड्रोजन से अमोनिया तैयार किया जाता है।
5. (A) पिंजौर में मनाया जाने वाला दूसरा महोत्सव 'आम महोत्सव' है। आमों का मेला, प्रत्येक वर्ष पिंजौर में आयोजित किया जाता है।
6. (A) भारत में पीपीपी मॉडल का अध्ययन और मूल्यांकन करने के लिए 2015 में केलकर समिति का गठन किया गया था।
7. (A) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य की सभा के नवरत्नों में निम्नलिखित विद्वान् शामिल थे—धन्वंतरि, क्षपणक, अमरसिंह, शंकु, बेताल भट्ट, घटखर्पर, कालिदास, वराहमिहिर और वररुचि।
8. (B) हरियाणा राज्य के क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा जिला सिरसा है और जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा जिला फरीदाबाद है।
9. (C) कथक नृत्य का सम्बन्ध उत्तर प्रदेश से है। लावनी का सम्बन्ध महाराष्ट्र से है और भरतनाट्यम तमिलनाडु से सम्बन्धित है।
10. (D) भारत के राष्ट्रपति का चुनाव अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचक मण्डल द्वारा किया जाता है, जिसमें संसद के दोनों सदनों, सभी राज्यों की विधानसभाओं और केन्द्रशासित प्रदेश दिल्ली और पुदुचेरी के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं।
11. (D)
12. (D) संविधान की प्रस्तावना में तीन प्रकार के न्याय का उल्लेख है—सामाजिक न्याय और राजनीतिक न्याय, आर्थिक न्याय,
 13. (B) हरियाणा राज्य में कुल 3 (रोहतक, कुरुक्षेत्र, हिसार) आकाशवाणी केन्द्र हैं। हरियाणा राज्य का सबसे पुराना रेडियो स्टेशन 'ऑल इंडिया रेडियो रोहतक' 8 मई, 1976 में शुरू किया गया था।
 14. (A) संयुक्त राज्य अमरीका की पाँच सबसे बड़ी झीलें हैं—लेक सुपीरियर, लेक ह्यूरन, लेक मिशिगन, लेक एरी और लेक ओन्टारियो। टिटिकाका झील एंडीज पहाड़ों में बोलीविया और पेरू की सीमा पर एक मीठे पानी की झील है।
 15. (D)
 16. (C) पेरू शोरा का नहीं, बल्कि चाँदी, लेड एवं ताँबा का महत्वपूर्ण उत्पादक देश है।
 17. (A) हरियाणा का राजकीय वृक्ष पीपल और राजकीय पुष्प कमल है।
 18. (C) कालीबंगा घग्गर नदी के दक्षिणी तट पर स्थित महत्वपूर्ण हड़प्पा शहरों में से एक है। आलमगीरपुर हिंडन नदी के तट पर स्थित है। आलमगीरपुर को सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे पूर्वी स्थल माना जाता है।
 19. (B) लकड़वाला समिति भारत में गरीबी रेखा का आकलन करने से सम्बन्धित है। लकड़वाला समिति का गठन 1993 में किया गया था।
 20. (D) मलक्का जलडमरूमध्य अण्डमान सागर (हिंद महासागर) और दक्षिण चीन सागर (प्रशांत महासागर) को जोड़ता है।
 21. (C) राष्ट्रीय डाक दिवस—10 अक्टूबर विश्व डाक दिवस—9 अक्टूबर विश्व शिक्षक दिवस—5 अक्टूबर राष्ट्रीय शिक्षक दिवस—5 सितम्बर
 22. (A) हरियाणा के प्रथम एडवोकेट जनरल बाबू आनंद स्वरूप और हरियाणा के प्रथम लोकायुक्त प्रीतम पाल सिंह हैं।
 23. (B) एनी बेसेंट कांग्रेस की अध्यक्ष बनने वाली पहली महिला थीं। सरोजिनी नायडू कांग्रेस की अध्यक्ष बनने वाली पहली भारतीय महिला थीं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पहले अंग्रेज अध्यक्ष जॉर्ज यूले थे।
 24. (C) शक्तिकांत दास भारतीय रिजर्व बैंक के 25वें गवर्नर हैं। सर ओसबोर्न स्मिथ रिजर्व बैंक के पहले गवर्नर थे और सर सी. डी. देशमुख रिजर्व बैंक के पहले भारतीय गवर्नर थे।
 25. (B) आइवर जेनिंग्स ने कहा था कि "भारत का संविधान बहुत बड़ा और इसलिए बहुत कठोर है, जो अपने इतिहास के कारण बहुत अधिक कैंद है और विवेकपूर्ण व्याख्याओं के माध्यम से किसी उपयोगी चीज में ढाला जाना बहुत मुश्किल है।"
 26. (B) हरियाणा राज्य की सीमा से 4 राज्य (राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश) एवं 2 केंद्रशासित प्रदेश (दिल्ली, चंडीगढ़) सीमा साझा करते हैं।
 27. (C) इंद्रप्रस्थ एक प्राचीन शहर है, जहाँ वर्तमान में दिल्ली शहर स्थित है। इंद्रप्रस्थ अशोक के शिलालेखों के अनुसार, यह शहर मौर्य साम्राज्य में प्रांतीय केन्द्र के रूप में सूचीबद्ध नहीं था। हिन्दू पौराणिक कथाओं के अनुसार यह शहर, भगवान कृष्ण की आज्ञा पर देवशिल्पी विश्वकर्मा द्वारा बनाया गया था।
 28. (A) हरियाणा के तीन लाल में बंसीलाल, देवीलाल, भजनलाल शामिल हैं। ये तीनों हरियाणा राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं।
 29. (B) उच्च वाष्पीकरण और कम वर्षा के कारण लाल सागर दुनिया के सबसे नमकीन जल निकायों में से एक है। कोई भी महत्वपूर्ण नदियाँ या धाराएँ इस सागर में नहीं गिरती हैं और हिंद महासागर की एक भुजा, अदन की खाड़ी से इसका दक्षिणी सम्बन्ध संकीर्ण है।
 30. (C) केंद्रीय जाँच ब्यूरो ने संगठित साइबर-सक्षम वित्तीय अपराधों के खिलाफ शुरू किए गए 'चक्र-2' ऑपरेशन के हिस्से के रूप में 11 राज्यों में 76 स्थानों की खोज की है। ऑपरेशन चक्र-2 से एक परिष्कृत क्रिप्टो-मुद्रा धोखाधड़ी की पहचान भी हुई। साइबर-सक्षम वित्तीय धोखाधड़ी के पाँच अलग-अलग मामले दर्ज किए गए, जिनमें ₹100 करोड़ की क्रिप्टोकॉरेंसी धोखाधड़ी भी शामिल है।
 31. (C)
 32. (B) खर्ची पूजा त्रिपुरा राज्य का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। इसे '14 देवताओं के त्यौहार' के रूप में भी जाना जाता है। इस पारम्परिक कार्यक्रम में त्रिपुरा के लोगों के पैतृक देवता, चतुर्दश देवता (प्राचीन उज्जयंत महल में स्थित) की पूजा शामिल है।
 33. (B) भारत में लिग्नाइट जमा मुख्य रूप से प्रायद्वीपीय ढाल के दक्षिणी और पश्चिमी भागों में तृतीयक तलछट में स्थित हैं, विशेष रूप से तमिलनाडु, पुदुचेरी, गुजरात, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर में। लिग्नाइट ओडिशा, केरल और पश्चिम बंगाल में भी कम मात्रा में उपलब्ध है।
 34. (B) 1 नवम्बर, 1966 को हरियाणा राज्य के अस्तित्व में आने के दौरान हरियाणा में कुल 7 जिले (अंबाला, करनाल, रोहतक, गुरुग्राम, महेंद्रगढ़, हिसार एवं जींद) शामिल थे।

35. (B) खुले बाजार का संचालन केन्द्रीय बैंक द्वारा वाणिज्यिक बैंकों के सहयोग से किया जाता है। ऐसे ऑपरेशन चलाने के लिए जनता की कोई भागीदारी नहीं होती है। सरकारी बाण्ड ज्यादातर वाणिज्यिक बैंकों, वित्तीय संस्थानों, उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्तियों और बड़े व्यापारिक निगमों द्वारा खरीदे जाते हैं। ये सभी संस्थाएं बैंक में खाते रखती हैं और जब भी ये संस्थाएं बाण्ड खरीदती हैं, तो राशि केन्द्रीय बैंक को हस्तांतरित हो जाती है। यह कदम अर्थव्यवस्था में धन की आपूर्ति को कम करता है और बैंकों को व्यक्तियों को ऋण देने से रोकता है। इसका असर ऋण की आपूर्ति और माँग दोनों पर पड़ता है। इसी तरह, ऐसे समय में जब तरलता की स्थिति तंग होती है, केन्द्रीय बैंक प्रतिभूतियों को वापस खरीद लेता है, जिससे वाणिज्यिक बैंकों और जनता को ऋण सुविधाओं तक आसान पहुँच मिलती है, जो सिस्टम में तरलता लाने और बाजार को स्थिर करने में मदद करती है। आरबीआई बाजार की स्थिति की माँग के अनुसार डॉलर बेचता या खरीदता है। जब डॉलर की तुलना में रुपये को अवमूल्यन से बचाने के लिए डॉलर की माँग को कम करने की आवश्यकता होती है, तो आरबीआई डॉलर बेचने की सम्भावना रखता है और इसके विपरीत भी।
36. (D) गहड़वाल राजवंश ने 11वीं शताब्दी के अन्त और 12वीं शताब्दी के प्रारम्भ में उत्तर भारत के गंगा के मैदानों पर शासन किया। इनकी राजधानी कन्नौज थी। देवगिरी के यादवों ने 9वीं शताब्दी से लेकर 14वीं शताब्दी के प्रारम्भ तक महाराष्ट्र के आधुनिक शहर औरंगाबाद के आसपास मध्य भारत में एक राज्य पर शासन किया। होयसल राजवंश ने 10वीं और 14वीं शताब्दी के बीच भारत के अधिकांश आधुनिक राज्य कर्नाटक पर शासन किया। होयसल की राजधानी शुरु में बेलूर में स्थित थी, लेकिन बाद में इसे हलेबिदु में स्थानांतरित कर दिया गया। काकतीय राजवंश ने 12वीं और 14वीं शताब्दी के बीच शासन किया। उनकी राजधानी ओरुगल्लू थी, जिसे अब वारंगल के नाम से जाना जाता है।
37. (C)
38. (C) संयुक्त राष्ट्र के हाल ही के सर्वेक्षण के अनुसार म्यांमार पहली बार अफगानिस्तान को पीछे छोड़ते हुए अफीम का सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है।
39. (B) हरियाणा के सन्दर्भ में—
मैग्नेट सिटी—हिसार
हरियाणा का हृदय—जींद
बुनकरों की नगरी—पानीपत
हरियाणा की काशी—मिनी क्यूबा
वस्त्र नगरी—भिवानी
40. (C) दर्राह राष्ट्रीय उद्यान या राष्ट्रीय चम्बल वन्य जीव अभयारण्य भारत के राजस्थान राज्य में कोटा से 50 किमी दूर है, जो घड़ियालों (पतले मुँह वाले मगरमच्छ) के लिए बहुत लोकप्रिय है। यहाँ जंगली सुअर, तेंदुए और हिरन पाए जाते हैं।
41. (C) हरियाणा राज्य का सबसे कम ऊँचाई वाला स्थान 'अनकाई दलदल' सिरसा जिले में स्थित है।
42. (C)
43. (C) तानसेन ने अपना अधिकांश वयस्क जीवन रीवा के हिंदू राजा, राजा रामचन्द्र सिंह (1555-92) के दरबार और संरक्षण में बिताया, जहाँ तानसेन की संगीत क्षमताओं और अध्ययन को व्यापक प्रसिद्धि मिली। अकबर ने इन्हें अपने दरबार के नवरत्नों में शामिल किया और उन्हें मियाँ की उपाधि भी दी।
44. (B) वर्तमान में हरियाणा में 4 पुलिस आयुक्तालय हैं। ये चारों निम्नलिखित हैं—
1. पुलिस आयुक्तालय फरीदाबाद
2. पुलिस आयुक्तालय गुरुग्राम
3. पुलिस आयुक्तालय पंचकूला
4. पुलिस आयुक्तालय सोनीपत
45. (C) कार्बोहाइड्रेट कई प्रकार के होते हैं। हमारे भोजन में पाए जाने वाले मुख्य कार्बोहाइड्रेट स्टार्च और शर्करा के रूप में होते हैं। हम आसानी से जाँच सकते हैं कि किसी खाद्य पदार्थ में स्टार्च है या नहीं। जब हम किसी खाद्य पदार्थ या कच्ची सामग्री की थोड़ी मात्रा लेते हैं और उस पर पतले आयोडीन घोल की 2-3 बूंदें डालते हैं, तो नीला काला रंग इंगित करता है कि इसमें स्टार्च है।
46. (A) संविधान द्वारा स्थापित शक्तियों का विभाजन तथा संविधान की सर्वोच्चता तभी कायम रह सकती है, जब इसके संशोधन की पद्धति कठोर हो। इसलिए, संविधान उन प्रावधानों की हद तक कठोर है, जो संघीय ढाँचे से सम्बन्धित हैं। राज्य सरकारें अपना अधिकार संविधान से प्राप्त करती हैं, केंद्र से नहीं। जनसंख्या के आधार पर राज्यों को राज्यसभा में प्रतिनिधित्व दिया जाता है।
47. (B) 6 अगस्त, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों का शिलान्यास वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। अमृत भारत स्टेशन योजना के प्रथम चरण में हरियाणा के 15 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा। इन स्टेशनों में अंबाला सिटी, भिवानी जंक्शन, फरीदाबाद, पटौदी रोड, हिसार, बहादुरगढ़, जींद जंक्शन, नरवाना जंक्शन, नारनौल, कालका, रेवाड़ी, रोहतक, सिरसा, सोनीपत तथा यमुनानगर-जगाधरी स्टेशन शामिल हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किए जाने वाले इन स्टेशनों पर वाइड कॉनकोर्स, फुट ओवर ब्रिज, लिफ्ट, एस्केलेटर, वेटिंग रूम, वाणिज्यिक क्षेत्र और रिटेल काउंटर आदि जैसी आधुनिक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।
48. (A) सिंधु घाटी सभ्यता में प्राप्त साक्ष्यों में हड़प्पा लिपि के बड़े आकार वाले संकेतों से युक्त शिलालेख धोलावीरा से प्राप्त हुआ है और बनावली से हल की टेराकोटा प्रतिकृति मिली है।
49. (A) हरियाणा सुशासन पुरस्कार योजना 2023 में प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों और कॉन्ट्रैक्ट पर लगे कर्मियों को शामिल नहीं किया गया है।
50. (C) विकसित भारत 2047 का उद्देश्य आजादी के 100वें वर्ष यानी वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। यह दृष्टिकोण आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन सहित विकास के विभिन्न पहलुओं को सम्मिलित करता है।
51. (C) सही सुमेलन इस प्रकार है—
राष्ट्रीय युवा दिवस—12 जनवरी
सेना दिवस—15 जनवरी
पृथ्वी दिवस—22 अप्रैल
पर्यावरण दिवस—5 जून
52. (C) SpaceX ने दक्षिण कोरिया के सैन्य उपग्रह ANASIS-2 को सफलतापूर्वक लॉंच किया था।
53. (D) 7 से 24 दिसम्बर, 2023 तक अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2023 का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें श्रीमद्भगवद्गीता का शाश्वत संदेश दिया गया। वर्ष 2019 में यह महोत्सव देश से बाहर मॉरीशस तथा लंदन में भी मनाया गया। सितम्बर 2022 में यह कनाडा में भी आयोजित किया गया। वर्ष 2024 में अमरीका में भी इस महोत्सव के आयोजन का निमंत्रण मिला है। 17 दिसम्बर से मुख्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। महोत्सव में हरियाणा

- के लोकनृत्य, शिल्प, लघु उद्योग, खानपान इत्यादि से सम्बन्धित हरियाणा पैवेलियन लगा, जिससे महोत्सव में आने वाले पर्यटक एवं तीर्थयात्री हरियाणा की संस्कृति से रूबरू हुए. 22 और 23 दिसम्बर को 2 दिन हर जिले में गीता उत्सव के कार्यक्रम आयोजित किए गए. मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि 23 दिसम्बर को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में 48 कोस कुरुक्षेत्र के तीर्थों पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें कुरुक्षेत्र भूमि की 164 तीर्थ समितियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. तीर्थ प्रतिनिधि अपने तीर्थ की मिट्टी एवं जल भी लेकर आए, जिससे बाद में भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा बनाई जाएगी.
54. (A) मनसबदारी व्यवस्था मुगल काल में प्रचलित एक प्रशासनिक व्यवस्था थी. 'मनसब' मूल रूप से एक अरबी शब्द है जिसका अर्थ है 'पद' या 'रैंक'. मनसबदारी 1571 में मुगल सम्राट अकबर द्वारा लागू की गई एक प्रशासनिक व्यवस्था थी. मनसबदारी में 'जात' और 'सवार' पद दिए गए थे. मनसबदारों की भर्ती और पदोन्नति की शक्ति मुगल सम्राट के हाथों में थी. मनसबदारों की भर्ती आनुवंशिक आधार पर नहीं की जाती थी. सामान्यतः मनसबदारों की भर्ती भी 'मीर बख्शी' के सुझावों के आधार पर की जाती थी.
55. (D) 16 दिसम्बर, 2023 को हरियाणा पुलिस और हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एचएसएनसीबी) के संयुक्त तत्वावधान में एक अनूठी पहल हैकथॉन शुरू की है. इस हैकथॉन का लक्ष्य डिजिटल अनुभवों को तैयार करना है, जो नशीली दवाओं के दुरुपयोग के हानिकारक प्रभावों के बारे में जुड़ाव, समझ और जागरूकता को बढ़ावा देते हैं. हरियाणा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने बताया कि हैकथॉन के माध्यम से युवाओं में उन विचारों को बढ़ावा देना है, जो कानून और व्यवस्था बनाए रखने, सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने को प्रेरित करता हो.
56. (A) दशावतार मंदिर उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले के देवगढ़ में स्थित है. यह एक विष्णु हिंदू मंदिर है, जिसे गुप्तकाल में बनाया गया था.
57. (C) सिक्किम तीन देशों नेपाल, भूटान और चीन से सीमा साझा करता है. पश्चिम बंगाल भारत के पूर्व में एक राज्य है और इसकी सीमाएं नेपाल, भूटान और

बांग्लादेश से लगती हैं. उत्तराखण्ड की सीमाएं नेपाल और चीन (2 देशों) से लगती हैं. अरुणाचल प्रदेश की सीमाएं म्यांमार, चीन और भूटान से लगती हैं.

58. (D) दिल्ली की सीमा से लगे हरियाणा के जिले हैं—फरीदाबाद, गुरुग्राम, सोनीपत और झज्जर.
59. (C) उत्तर भारत में शीत ऋतु में हल्की वर्षा होती है. यह चक्रवाती तूफानों के कारण होती है, जो भूमध्य सागर से उठते हैं और भारत की ओर बढ़ते हैं. इन हवाओं को पश्चिमी विक्षोभ कहा जाता है. ये हिमालय के ऊँचे इलाकों में भारी बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश का कारण बनते हैं. इसके परिणामस्वरूप उत्तर भारत में शीत लहर चलती है.
60. (C) महापाषाणिक कब्रों में वस्तुओं के साथ-साथ त्रिशूल भी रखे जाते थे, जो बाद में शिव से सम्बद्ध हो गए. महापाषाण कब्रों और प्रायद्वीपीय भारत की कब्रों में युद्ध और शिकार के उपकरण गाड़े जाते थे. प्रायद्वीपीय भारत में कई प्रकार के मिट्टी के बर्तनों का उपयोग किया जाता था, जिसमें लाल मिट्टी के बर्तन भी शामिल हैं, लेकिन इनमें काले और लाल मिट्टी के बर्तन अधिक लोकप्रिय थे.
61. (D)
62. (B) अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम (IFC) की स्थापना 1956 में की गई थी, जिसे विश्व बैंक की निजी शाखा के रूप में भी जाना जाता है. यह अपने सदस्य देशों की निजी क्षेत्र की कम्पनियों को पैसा उधार देता है.
63. (C) सरुतरु असम के कामरूप क्षेत्र में स्थित एक नवपाषाणकालीन स्थल है. ऊपर दिए गए विकल्पों में से ताराडीह, चिरांद और सेनुआर बिहार में स्थित पुरास्थल हैं.
64. (C) वर्तमान में छः भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्रदान किया गया, जो इस प्रकार हैं—तमिल, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम, ओडिया.
65. (C) एलोरा एक विश्व धरोहर स्थल है. इसमें 12 बौद्ध, 17 हिंदू और 5 जैन गुफाएँ शामिल हैं. बाराबर गुफाएं भारत की सबसे पुरानी जीवित चट्टानों को काटकर बनाई गई गुफाएँ हैं. बादामी गुफा मंदिर भारत के कर्नाटक के उत्तरी भाग में बागलकोट जिले के एक शहर बादामी में स्थित चार हिंदू गुफा मंदिरों का एक परिसर है. गुफाओं को भारतीय गुफा वास्तुकला का उदाहरण माना जाता है, विशेष रूप से बादामी चालुक्य वास्तुकला, जो 6वीं

शताब्दी की है. बाराबर गुफा कक्ष तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व अशोक और उनके पौत्र दशरथ के मौर्य काल के हैं. इन गुफाओं का उपयोग मक्खली गोसाल द्वारा स्थापित आजीविक सम्प्रदाय के तपस्वियों द्वारा किया जाता था.

66. (B) यूनेस्को का मुख्यालय फ्रांस की राजधानी पेरिस में है. संयुक्त राष्ट्र की इस विशेष संस्था का गठन 16 नवम्बर, 1945 को हुआ था. इसका कार्य शिक्षा, प्रकृति तथा समाज विज्ञान, संस्कृति तथा संचार के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय शांति को बढ़ावा देना है.
67. (D) इंटर ट्राॅपिकल कन्वर्जेंस जोन (आईटीसीजेड), जिसे नाविक डोलड्रम के नाम से जानते हैं, भूमध्यरेखा के पास पृथ्वी को घेरने वाला क्षेत्र है, जहाँ उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व व्यापारिक हवाएँ मिलती हैं.
68. (A) हाल ही में मनुष्यों द्वारा 2,500 वर्ष पूर्व याक को पालतू बनाए जाने का पहला साक्ष्य चीन में तिब्बती स्वायत्त क्षेत्र के शन्नान प्रांत के एक कस्बे बांगगा में पाया गया है.
69. (D) अप्रैल 1954 में भारत ने तिब्बत को चीन का हिस्सा स्वीकार कर लिया और चीन के साथ 'पंचशील' नाम का समझौता किया. इस समझौते के मुख्य बिंदु थे—
- दूसरे देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना.
 - एक-दूसरे के देश पर आक्रमण न करना.
 - शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की नीति का पालन करना.
 - आपसी सहयोग एवं लाभ को बढ़ावा देना.
 - देशों की क्षेत्रीय अखण्डता और सम्प्रभुता का सम्मान करना.
70. (A) पुर्तगाली भारत आने वाले पहले यूरोपीय थे. 7 मई, 1498 को पुर्तगाल का वास्को-डि-गामा भारत आया. इसके बाद डच, अंग्रेज, डेनिश और फ्रेंच आए. अंग्रेजों से पहले डचों के भारत आने के बावजूद, ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी की स्थापना डच ईस्ट इंडिया कम्पनी से पहले हुई थी और 1961 में पुर्तगाली भारत छोड़ने वाले अंतिम व्यक्ति थे.
71. (D) वॉरेन हेस्टिंग्स के प्रशासनिक सुधारों में कलकत्ता में राजस्व बोर्ड की स्थापना तथा मुर्शिदाबाद से कलकत्ता तक राजकोष का स्थानांतरण, न्यायिक सुधारों में जमींदारों के न्यायिक कार्यों को समाप्त करना तथा सदर दीवानी अदालत एवं

सदर निजामत की स्थापना तथा आपराधिक न्यायालयों में भारतीय न्यायाधीशों की नियुक्ति; मुसलमानों के लिए कुरान और हिंदुओं के लिए शास्त्रों के अनुसार प्रशासन न्याय प्रमुख थे.

72. (B) 14 दिसम्बर, 2023 को हरियाणा के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग को ऊर्जा दक्षता सूचकांक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली राज्य नामित एजेंसी श्रेणी (समूह-1) में दूसरा पुरस्कार मिला है. यह पुरस्कार नई दिल्ली में आयोजित 33वें राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2023 समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा हरियाणा के ऊर्जा मंत्री चौधरी रणजीत सिंह को प्रदान किया गया.

भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय द्वारा ऊर्जा की खपत को कम करने के विशेष प्रयासों के लिए उद्योगों और प्रतिष्ठानों को सम्मान देने हेतु वर्ष 1991 में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कारों की योजना शुरू की गई थी.

73. (C) सुप्रीम कोर्ट की पाँच जजों की बेंच ने 3 : 2 के फँसले में भारत में समलैंगिक विवाह को वैध बनाने के खिलाफ फँसला सुनाया और यह फँसला विधायिका पर छोड़ दिया कि क्या गैर-विषमलैंगिक सम्बन्धों को कानूनी रूप से मान्यता दी जा सकती है. सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि भारतीय संविधान के तहत शादी के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में स्पष्ट रूप से मान्यता नहीं दी गई है. हालाँकि भारत में विवाह संस्था को विभिन्न कानूनों द्वारा विनियमित किया जाता है, लेकिन मौलिक अधिकार या संवैधानिक अधिकार के रूप में इसकी मान्यता केवल सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों के माध्यम से विकसित हुई है. इस बात पर सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त करते हुए कि किसी का यौन रुझान, दत्तक माता-पिता बनने की क्षमता या उपयुक्तता का फँसला नहीं कर सकता है. सुप्रीम कोर्ट ने मौजूदा नियमों को वैध माना है, जो समलैंगिक जोड़ों सहित अविवाहित जोड़ों को एक जोड़े के रूप में बच्चे को गोद लेने के अधिकार से वंचित करते हैं.

74. (D) पट्टचित्र या पटचित्र पारम्परिक, कपड़े पर आधारित स्कॉल पेंटिंग के लिए एक सामान्य शब्द है, जो पूर्वी भारतीय राज्यों ओडिशा और पश्चिम बंगाल में आधारित है. पट्टचित्र कला रूप अपने जटिल विवरणों के लिए भी जाना जाता है. पटुआ एक कारीगर समुदाय है, जो भारत के पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखण्ड और

ओडिशा राज्य और बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में पाया जाता है. मधुबनी कला बिहार के मिथिला क्षेत्र में प्रचलित है. पेंटिंग उंगलियों, टहनियों, ब्रशों, निब-पेन और माचिस की तीलियों आदि से की जाती है. इसमें प्राकृतिक रंगों और रंगों का उपयोग किया जाता है और इसमें आकर्षक ज्यामितीय पैटर्न होते हैं.

75. (A)

76. (D) ट्रेजरी बिल भारत सरकार द्वारा जारी किए गए अल्पकालिक ऋण उपकरण हैं और वर्तमान में तीन अवधियों, अर्थात् 91 दिन, 182 दिन और 364 दिन में जारी किए जाते हैं. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को आरबीआई द्वारा निर्धारित सीमा के अधीन टी-बिल में निवेश करने की अनुमति है.

77. (D) पाल साम्राज्य की भूमि जो सीधे प्रबन्धित की जाती थी, उन्हें कई प्रांतों में विभाजित किया गया था, जिन्हें भुक्ति कहा जाता था और इन भुक्तियों को आगे विषय और मंडला में विभाजित किया गया. 'उपरिका' नामक अधिकारी भुक्ति या प्रांत का प्रमुख होता था.

78. (B) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 75(3) के अन्तर्गत यह प्रावधान किया गया है कि मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होगी. अतः सरकार की संसदीय व्यवस्था के अंतर्गत सरकार संसद के प्रति उत्तरदायी है और उसे संसद द्वारा हटाया जा सकता है.

79. (C) जब मिट्टी सूखी होती है, तो पौधे तनावग्रस्त हो जाते हैं और सामान्य परिस्थितियों में उतनी कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित नहीं कर पाते हैं. पौधों की कार्बन सिंक के रूप में कार्य करने की क्षमता कम हो जाती है. जब जलवायु गर्म होती है, तो शुष्क मिट्टी में सूक्ष्मजीव अधिक उत्पादक हो जाते हैं और अधिक कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं.

80. (C) हमीर महाकाव्य जैन विद्वान् नयनचंद्र सूरी द्वारा लिखित 15वीं शताब्दी का भारतीय संस्कृत महाकाव्य है. देवीचंद्रगुप्त विशाखादत्त द्वारा लिखा गया एक संस्कृत नाटक है. नीतिवाक्यामृत सोमदेव सूर द्वारा लिखित नैतिकता, राजनीति और सामाजिक मानदण्डों पर एक कृति है.

81. (C) कथन (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है. जिस यौगिक की संरचना में दोहरा बंधन होता है वह एकल बंधन वाले यौगिकों की तुलना में अधिक अस्थिर होता है. असंतृप्त वसा, जिनकी संरचना

में दोहरे बंधन होते हैं, संतृप्त वसा की तुलना में अधिक प्रतिक्रियाशील होते हैं.

82. (D) महादेव पहाड़ियाँ मध्य प्रदेश में हैं; ये पहाड़ियाँ सतपुड़ा पर्वतमाला के उत्तरी भाग में स्थित हैं. भारत के पश्चिमी तट पर स्थित पर्वत शृंखला को पश्चिमी घाट या सह्याद्रि कहा जाता है. सतपुड़ा रेंज पूर्वी गुजरात राज्य में पहाड़ियों की एक शृंखला है, जो पूर्व में महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की सीमा से होते हुए छत्तीसगढ़ तक फैली हुई है.

83. (A) अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार), 19 (स्वतंत्रता का अधिकार) और 21 (जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार) को लोकप्रिय रूप से भारतीय संविधान के 'स्वर्ण त्रिकोण' के रूप में जाना जाता है. ये अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और कानून के शासन की अवधारणा में जीवन्तता का संचार करते हैं.

84. (C) स्टेम कोशिकाएं अविभाजित जैविक कोशिकाएं हैं, जो विशिष्ट कोशिकाओं में विभेदित हो सकती हैं और अधिक स्टेम कोशिकाओं का उत्पादन करने के लिए विभाजित (माइटोसिस के माध्यम से) कर सकती हैं. ये बहुकोशिकीय जीवों में पाए जाते हैं. स्तनधारियों में, दो व्यापक प्रकार की स्टेम कोशिकाएं होती हैं—भ्रूणीय स्टेम कोशिकाएं, जो ब्लास्टोसिस्ट के आन्तरिक कोशिका द्रव्यमान से पृथक् होती हैं और वयस्क स्टेम कोशिकाएं, जो विभिन्न ऊतकों में पाई जाती हैं. जन्म के ठीक बाद गर्भनाल रक्त से भी स्टेम कोशिकाएं ली जा सकती हैं.

85. (C) ओयाशियो धारा, प्रशांत महासागर और बेंगुएला की धारा दक्षिण अटलांटिक महासागर से सम्बन्धित हैं.

86. (B) इकोजोन के विपरीत, बायोम को आनुवंशिक, वर्गीकरण या ऐतिहासिक समानताओं द्वारा परिभाषित नहीं किया जाता है. बायोम की पहचान अक्सर पारिस्थितिक उत्तराधिकार और चरमोत्कर्ष वनस्पति (स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र की अर्ध संतुलन स्थिति) के विशेष पैटर्न से की जाती है.

87. (D) जैव सुरक्षा पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल का मुख्य उद्देश्य आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी से उत्पन्न जीवित संशोधित जीवों (एलएमओ) के सुरक्षित हस्तांतरण, प्रबंधन और उपयोग के क्षेत्र में पर्याप्त स्तर की सुरक्षा सुनिश्चित करना है. इसका उद्देश्य स्वास्थ्य के जोखिमों को ध्यान में रखते हुए जैविक विविधता के संरक्षण और टिकाऊ उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव को

- रोकना है. प्रोटोकॉल एलएमओ के सुरक्षित हस्तांतरण, संचालन और उपयोग के लिए नियम और प्रक्रियाएँ स्थापित करके जैव सुरक्षा को बढ़ावा देता है.
88. (A) आसियान की स्थापना 8 अगस्त, 1967 को बैंकॉक, थाइलैंड में आसियान घोषणा (बैंकॉक घोषणा) पर हस्ताक्षर के साथ हुई थी. आसियान के 10 सदस्य देश हैं : बुनेई, कम्बोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाइलैंड और वियतनाम.
89. (C) अनुच्छेद 80 राज्य सभा की संरचना से सम्बन्धित है. राज्य सभा भारतीय संसद का ऊपरी प्रतिनिधि सदन है. राज्यसभा के सदस्य 6 वर्ष के लिए चुने जाते हैं. एक-तिहाई सदस्य हर 2 वर्ष में सेवानिवृत्त हो जाते हैं. संविधान का अनुच्छेद 80 राज्य सभा के सदस्यों की अधिकतम संख्या 250 निर्धारित करता है, जिनमें से 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामित होते हैं और 238 सदस्य राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के प्रतिनिधि होते हैं.
90. (C) तीस्ता नदी पूर्वोत्तर सिक्किम में 5,280 मीटर की ऊँचाई पर एक हिमनद झील खांगचुंग छो से निकलती है. बांग्लादेश में प्रवेश करने से पहले यह भारतीय राज्यों सिक्किम और पश्चिम बंगाल से होकर बहती है, जहाँ यह ब्रह्मपुत्र में मिल जाती है. रंगीत नदी सिक्किम की सबसे बड़ी नदी तीस्ता नदी की एक सहायक नदी है.
91. (C) संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी कन्वेंशन 1951 एक संयुक्त राष्ट्र बहुपक्षीय संधि है, जो परिभाषित करती है कि शरणार्थी कौन है और शरण पाने वाले व्यक्तियों के अधिकारों और शरण देने वाले देशों की जिम्मेदारियों को निर्धारित करता है. इसमें यह भी निर्धारित किया गया कि कौन से लोग शरणार्थी के रूप में योग्य नहीं हैं, जैसे युद्ध अपराधी. यह जाति, धर्म, राष्ट्रीयता, किसी विशेष सामाजिक समूह से सम्बद्धता या राजनीतिक राय के कारण उत्पीड़न से भाग रहे लोगों को कुछ अधिकार प्रदान करता है.
92. (A) संविधान की 'छठी अनुसूची' में असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में एसटी के प्रशासन से सम्बन्धित है.
93. (B) 100 सेमी वार्षिक वर्षा गेहूँ की खेती की उच्चतम सीमा है. भारत में गेहूँ उत्पादक क्षेत्र उप-आर्द्र और अर्ध-एरियल क्षेत्रों तक ही सीमित है.
94. (D) यदि लावा में 45% से 52% सिलिका हो, तो उसे माफिक लावा कहा जाता है. माफिक लावा में मैग्नीशियम और आयरन का प्रतिशत अधिक होता है.
95. (D) उष्णकटिबंधीय वर्षा वन बायोम की चार मुख्य विशेषताएँ हैं : बहुत अधिक वार्षिक वर्षा, उच्च औसत तापमान, पोषक तत्वों की कमी वाली मिट्टी और उच्च स्तर की जैव विविधता (प्रजाति समृद्धि). भारी बारिश के कारण मिट्टी की ऊपरी परत बार-बार बह जाती है, जिससे मिट्टी में पोषक तत्व कम हो जाते हैं. तापमान अधिक है, क्योंकि वे बड़े पैमाने पर भूमध्यरेखीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं और प्रजातियों की समृद्धि पारिस्थितिकी तंत्र में व्यक्त जैविक और अजैविक कारकों की प्रचुरता के कारण अधिक है.
96. (B) जैन दर्शन में जीव एक जीवित प्राणी या किसी भी इकाई को संदर्भित करता है जिसमें आत्मा होती है. जैन परम्परा में, यह माना जाता है कि प्रत्येक जीवित प्राणी, जानवरों और पौधों से लेकर सूक्ष्म जीवों तक में आत्मा होती है. जैन परम्परा 'अनेकांतवाद' नामक एक दर्शन का पालन करके इस विश्वास को और भी आगे बढ़ाता है, जो सभी प्राणियों के दृष्टिकोण का सम्मान करता है.
97. (C) पांड्यों का उल्लेख सर्वप्रथम मेगास्थनीज ने किया. उसने इसे मोतियों का देश कहा है. पांड्य राज्य भारतीय प्रायद्वीप के सुदूर दक्षिण और दक्षिण पूर्वी भाग में अवस्थित था. इसकी राजधानी मदुरा थी. मेगास्थनीज के अनुसार पांड्य राज्य का शासन स्त्री के हाथों में था, जिससे यह प्रतीत होता है कि पांड्य समाज में कुछ मातृसत्तात्मक प्रभाव था.
98. (C) अंग्रेजों को असम के साथ मणिपुर, अराकान और तनिनथार्य भी मिले. अंग्रेजों को दस लाख पाउण्ड स्टर्लिंग का मुआवजा देने का वादा किया गया था. इसके साथ ही ब्रिटिश व्यापारियों को सुरक्षा की गारण्टी का वादा किया गया था.
99. (B) विकल्प 2 और 3 सही है जबकि विकल्प गलत है. 'शहरी सहकारी बैंकों' की देखरेख और विनियमन आरबीआई द्वारा किया जाता है, न कि राज्य सरकारों द्वारा स्थापित स्थानीय बोर्डों द्वारा. यूसीबी इक्विटी शेयर और तरजीही शेयर जारी कर सकते हैं. 1966 में एक संशोधन के माध्यम से उन्हें बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के दायरे में लाया गया.
100. (C) उत्तरी भारत पर नियंत्रण के लिए त्रिपक्षीय संघर्ष नौवीं शताब्दी में हुआ. यह संघर्ष प्रतिहार साम्राज्य, पाल साम्राज्य और राष्ट्रकूट साम्राज्य के बीच था. अन्त में गुर्जर-प्रतिहार वंश के उत्तराधिकारी नागभट्ट द्वितीय ने कन्नौज पर सफलतापूर्वक नियंत्रण स्थापित किया. ●●●
- है, भौगोलिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और सामाजिक कारक जनसंख्या के स्थानिक वितरण को प्रभावित करते हैं, जनसंख्या के स्थानिक वितरण को प्रभावित करते हैं, जनसंख्या पैटर्न को प्रभावित करने वाले एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में आर्थिक गतिविधि पर सरकार का नियंत्रण बढ़ता है, जनसंख्या वृद्धि श्रम और उत्पादकों के विस्तार की अनुमति देती है, जो फिर अर्थव्यवस्था बढ़ती है.
87. (A) फुटपाथ पर पेड़ों की काली छाया को स्वचालित छवि वर्गीकरण की प्रक्रिया में पानी के रूप में गलत वर्गीकृत किया जा सकता है, बाहरी छाया के स्पष्ट नीलेपन के दो मुख्य कारण हैं : नीले रोशनदान द्वारा छाया की रोशनी और एक साथ रंग विपरीत द्वारा नीले रंग की धारणा में वृद्धि.
88. (C) दक्कन के पठार क्षेत्र में गन्ने की खेती उत्तरी भारत के उत्तरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक टिकाऊ है. इस क्षेत्र में प्रचलित प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों के कारण प्रति हेक्टेयर उपज धीमी है.
89. (B)
90. (D) राज्य एक मानव समुदाय है, जो किसी दिए गए क्षेत्र में शारीरिक बल के वैध उपयोग के एकाधिकार का दावा करता है. यह वेबर के प्रसिद्ध मैक्सिम का स्रोत है : राज्य अपने क्षेत्र के भीतर हिंसा रखता है, जिसका अर्थ है कि अन्य अभिनेताओं द्वारा की गई हिंसा नाजायज है.
91. (D) अधिकांश बागवानी उत्पाद फसल कटाई के समय अधिक उत्पाद की समस्या का सामना करता है.
92. (A) ताजगी और संरक्षण पर धनराशि की बचत.
93. (D) बाजार का बड़ा आकार.
94. (D) कवकों के विरुद्ध प्राकृतिक प्रतिरक्षा.
95. (A) पौष्टिकता आवश्यकता की पूर्ति के लिए, रोजगार के अवसरों में वृद्धि करने के लिए और परिवारों की गरीबी रेखा से ऊपर लाने के लिए.
96. (D) लागत में कटौती के उपाय और अत्यधिक पुरानी पड़ चुकी जल अवसंरचना.
97. (C) लोगोनायर रोग.
98. (B) क्योंकि उनके घर प्रायः सर्वाधिक प्रदूषक उद्योगों के सीमापस्थ होते हैं.
99. (D) उच्च आय वाले देशों में भी जल प्रदूषण एक समस्या है.
100. (B) 35 लाख. ●●●

उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता



- निम्नलिखित में से किसने उद्योग व्यापार जगत् के प्रमुख संगठन फिक्की (FICCI—Federation of Indian Chamber of Commerce and Industry) के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार दिसम्बर 2023 में संभाला है ?
(A) श्रीमती सोमा मंडल
(B) किरन मजूमदार शॉ
(C) अनीश शाह
(D) सुभ्रकांत पंडा
- नवम्बर-दिसम्बर 2023 में सम्पन्न अन्तर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन कॉप-28 निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित था ?
(A) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं निवेश
(B) बौद्धिक सम्पदा अधिकार संरक्षण
(C) जलवायु परिवर्तन पर अंकुश
(D) विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के विनियमन
- कॉप-28 (COP-28) का आयोजन किस शहर में हुआ ?
(A) नई दिल्ली (B) जेनेवा
(C) पेरिस (D) दुबई
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) पर वैश्विक भागीदारी (GPAI) शिखर सम्मेलन दिसम्बर 2023 में कहाँ आयोजित हुआ ?
(A) नई दिल्ली (B) जेनेवा
(C) चेन्नई (D) दुबई
- भारत में बागवानी उत्पादन (Horticulture Production) में शीर्ष स्थान किस राज्य का है ?
(A) पश्चिम बंगाल (B) राजस्थान
(C) उत्तर प्रदेश (D) मध्य प्रदेश
- वित्तीय वर्ष 2023-24 में मौद्रिक नीति की पाँचवीं द्वैमासिक समीक्षा दिसम्बर 2023 में जारी की गई. रेपो दर को कितने प्रतिशत रखने की घोषणा इस समीक्षा के तहत की गई है ?
(A) 6-0 प्रतिशत (B) 6-5 प्रतिशत
(C) 7-0 प्रतिशत (D) 7-5 प्रतिशत
- मौद्रिक नीति का विनियमन निम्नलिखित में से किसके द्वारा किया जाता है ?
(A) वित्त मंत्रालय
(B) भारतीय रिजर्व बैंक
(C) भारतीय बैंक संघ (IBA)
(D) आर्थिक मामलों पर मन्त्रिमण्डलीय समिति (CCEA)
- चालू वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2023) के जीडीपी सम्बन्धी अनंतिम आँकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा नवम्बर 2023 के अन्त में जारी किए गए. इन आँकड़ों में सन्दर्भित तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2023) में जीडीपी में वृद्धि कितने प्रतिशत आकलित की गई है ?
(A) 7-0 प्रतिशत (B) 7-2 प्रतिशत
(C) 7-4 प्रतिशत (D) 7-6 प्रतिशत
- एनएसओ के नवम्बर 2023 के अनंतिम आकलन में 2023-24 की पहली छमाही (अप्रैल-सितम्बर 2023) में देश के जीडीपी में कितने प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित है ?
(A) 6-1 प्रतिशत (B) 6-7 प्रतिशत
(C) 7-1 प्रतिशत (D) 7-7 प्रतिशत
- भारतीय रिजर्व बैंक के दिसम्बर 2023 के आकलन में 2023-24 में देश में जीडीपी में वृद्धि कितने प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान है ?
(A) 6-0 प्रतिशत
(B) 6-5 प्रतिशत
(C) 7-0 प्रतिशत
(D) 5-0 प्रतिशत
- सेंसेक्स (SENSEX) क्या है ?
(A) शेयर मूल्य सूचकांक
(B) स्वर्ण मूल्य सूचकांक
(C) थोक मूल्य सूचकांक
(D) उपभोक्ता मूल्य सूचकांक
- भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का आधार वर्ष क्या है ?
(A) 2010 (B) 2012
(C) 2016 (D) 2020
- विश्व बैंक की दिसम्बर 2023 में जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार विदेशों से सम्प्रेषित धन की प्राप्तियों में किस देश का पहला स्थान 2023 में रहा है ?
(A) भारत (B) चीन
(C) मेक्सिको (D) मिस्र
- विश्व बैंक की दिसम्बर 2023 की उपर्युक्त रिपोर्ट के अनुसार विश्व के विभिन्न देशों के लिए धन सम्प्रेषण का बाह्य प्रवाह किस देश से 2023 के दौरान सर्वाधिक हुआ ?
(A) संयुक्त अरब अमीरात
(B) कुवैत
(C) अमरीका
(D) चीन
- पात्र लक्षितों को निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराने वाली प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का विस्तार कितने वर्ष के लिए 1 जनवरी, 2024 से किया गया है ?
(A) एक (B) दो
(C) तीन (D) पाँच
- भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान है, लगभग—
(A) 15 प्रतिशत (B) 25 प्रतिशत
(C) 35 प्रतिशत (D) 45 प्रतिशत
- चीनी उत्पादन में भारत का विश्व में अब कौनसा स्थान है ?
(A) पहला (B) दूसरा
(C) तीसरा (D) चौथा
- अद्यतन उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार निम्नलिखित में से किस राज्य में वर्ष 2023 के दौरान विदेशी प्रत्यक्ष निवेश का अन्तर्प्रवाह सर्वाधिक रहा है ?
(A) तमिलनाडु (B) केरल
(C) महाराष्ट्र (D) उत्तर प्रदेश
- उपलब्ध अनंतिम आँकड़ों के अनुसार नवम्बर 2023 में देश में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर 0-26 प्रतिशत (अनंतिम) रही है. यह दर थी—
(A) विगत 4 माह में न्यूनतम
(B) विगत 4 माह में अधिकतम
(C) विगत 8 माह में न्यूनतम
(D) विगत 8 माह में अधिकतम
- भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कितने सदस्यीय है ?
(A) 1 (B) 3
(C) 5 (D) 6
- भारत के काकरापार एटोमिक पॉवर प्रोजेक्ट (KAPP) की 700 मेगावाट की एक इकाई ने दिसम्बर 2023 में पहली बार क्रिटिकैलिटी प्राप्त की है. यह काकरापार पॉवर प्रोजेक्ट किस जिले में स्थित है ?
(A) अलीगढ़ (B) चेन्नई
(C) सूरत (D) तिरुनेलवेली

समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

- अन्तर्राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता 2023 में मिस यूनीवर्स का खिताब निम्नलिखित में से किसने जीता ?
 (A) शेनिस पलासियोस (निकारागुआ)
 (B) श्वेता शारदा (भारत)
 (C) एंटोनिया पोर्सलिड (थाइलैण्ड)
 (D) मोराया विल्सन (आस्ट्रेलिया)
- आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 निम्नलिखित में से किस देश की टीम ने जीता ?
 (A) भारत
 (B) आस्ट्रेलिया
 (C) दक्षिण अफ्रीका
 (D) न्यूजीलैण्ड
- 'ज्ञानोदय एक्सप्रेस - कॉलेज ऑन व्हील्स' किस राज्य/स.शा.क्षे. प्रारम्भ की गई है ?
 (A) जम्मू एवं कश्मीर
 (B) पुदुचेरी
 (C) उत्तर प्रदेश
 (D) झारखण्ड
- 20-28 नवम्बर, 2023 को गोवा में सम्पन्न 54वें भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का गोल्डन पीकॉक अवार्ड किस फिल्म को प्रदान किया गया ?
 (A) एण्डलेस बॉर्डर्स
 (B) ब्लागाज़ लेसंस
 (C) पार्टी ऑफ फूल्स
 (D) कांतारा
- 20-28 नवम्बर, 2023 को गोवा में सम्पन्न 54वें भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में आईसीएफटी - यूनेस्को गांधी पदक से किस फिल्म को सम्मानित किया गया ?
 (A) ह्वेन द सीडलिंग्स ग्रो
 (B) ड्रिफ्ट
 (C) पार्टी ऑफ फूल्स
 (D) ए हाउस ऑफ जेरुसलम
- 20-28 नवम्बर, 2023 को गोवा में सम्पन्न 54वें भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में 'सत्यजीत रे लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार' किसने प्रदान किया गया ?
 (A) भारतीय अभिनेत्री वहीदा रहमान
 (B) हॉलीवुड अभिनेत्री कैथरीन जेटा जोन्स
 (C) हॉलीवुड अभिनेता / निर्माता माइकल डगलस
 (D) ईरानी निर्माता निर्देशक अब्बास अमीनी
- 20-28 नवम्बर, 2023 को गोवा में सम्पन्न 54वें भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के हाल ही में शुरू किए गए सर्वश्रेष्ठ वेब सीरीज़ (ओटीटी) का पुरस्कार किसे प्रदान किया गया ?
 (A) रॉकेट बॉयज़ सीज़न I
 (B) दी फैमिलीमैन
 (C) पाताल लोक
 (D) पंचायत सीज़न 2
- 20-28 नवम्बर, 2023 को गोवा में सम्पन्न 54वें भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ डेब्यू फीचर फिल्म निम्नलिखित में से किस फिल्म को प्रदान किया गया ?
 (A) ह्वेन द सीडलिंग्स ग्रो (रेगर आजाद -सीरिया)
 (B) आल्मोस्ट एन्टाइरली ए स्लाइट डिसेस्टर (उमैत सुनासी - तुर्किये)
 (C) लेट मी गो (मैक्विज़मे रापेज - स्विट्ज़रलैण्ड)
 (D) ऑर्कानिया (अल्बान जोगजनी - अल्बानिया)
- 20-28 नवम्बर, 2023 को गोवा में सम्पन्न 54वें भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का सिल्वर पीकॉक पुरस्कार किसने जीता ?
 (A) मेलानी थिएरी (पार्टी ऑफ फूल्स - फ्रांस)
 (B) कैथरीन जेटा जोन्स
 (C) एली स्कोर्वेवा (ब्लागाज़ लेसंस)
 (D) रोजाल्या एबगरिय (ब्लागाज़ लेसंस)
- 20-28 नवम्बर, 2023 को गोवा में सम्पन्न 54वें भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का सिल्वर पीकॉक पुरस्कार किसने जीता ?
 (A) अब्बास अमीनी (एण्डलेस बार्डर्स - ईरान)
 (B) स्टीफन कोमांडेरेव (बुल्गारिया - फिल्म ब्लागाज़ लेसंस)
 (C) नाडेर साईवार (ईरानी निर्देशक)
 (D) अशोका हण्डागाया (श्रीलंका)
- 20-28 नवम्बर, 2023 को गोवा में सम्पन्न 54वें भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार किसने जीता ?
 (A) सेऊ जॉर्ज (पुर्तगाल)
 (B) जितेन्द्र जोशी (भारत)
 (C) वाहिद मोबाशरी (ईरान)
 (D) पौरिया रहीमी सैम (एंडलेस बॉर्डर्स - ईरान)
- विश्व मौसम विज्ञान संगठन की हालिया रिपोर्ट के अनुसार निम्नलिखित में से कौनसा वर्ष अब तक का सबसे गर्म वर्ष रहा है ?
 (A) 2019 (B) 2020
 (C) 2021 (D) 2023
- COP28 के सन्दर्भ में निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए—
 I. प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने CoP 33 (2028) भारत में आयोजित किए जाने का प्रस्ताव किया है.
 II. प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने जनसहभागिता से कार्बन सिंक सृजित किए जाने हेतु "ग्रीन क्रेडिट इनीशिएटिव I दिसम्बर, 2023 को लॉन्च किया.
 उपर्युक्त में से सही है—
 (A) केवल I (B) केवल II
 (C) I एवं II दोनों (D) न I और न II
- COP28 (2023) में लिए गए निर्णयों के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
 I. 22 देशों ने नाभिकीय ऊर्जा क्षमता को सन् 2050 तक वर्तमान स्तर से बढ़ाकर तीन गुना करने के लिए एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए.
 II. 118 देशों ने वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को सन् 2030 तक बढ़ाकर तीन गुना करने का संकल्प लिया है.
 III. इस समझौते पर भारत ने हस्ताक्षर नहीं किए हैं.
 उपर्युक्त में से सही है—
 (A) केवल I
 (B) केवल II
 (C) I, II एवं III सभी
 (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- COP28 में 118 देशों द्वारा वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को 2030 तक बढ़ाकर तीन गुना करने के संकल्प-पत्र पर भारत ने हस्ताक्षर नहीं किए हैं. ऐसा किस कारण से किया गया है ?

- (A) मसौदा पत्र में कोयले के इस्तेमाल को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने का उल्लेख था
- (B) भारत नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को सन् 2035 तक बढ़ाकर तीन गुना करने के पक्ष में है
- (C) नवीकरणीय ऊर्जा के एक स्रोत के रूप में भारत टाइडल ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने का पक्षधर है
- (D) नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के विस्तार हेतु विश्व के गरीब देशों को सहायता दिए जाने का उल्लेख मसौदा पत्र में नहीं है
16. 2 दिसम्बर, 2023 किस देश में आकाश रक्तवर्ण (Blood red) हो गया ?
- (A) केन्या (B) मंगोलिया
(C) अर्जेंटाइना (D) स्पेन
17. संसद की शीतकालीन सत्र में पारित जम्मू एवं कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक 2023 के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?
- (A) 2004 के अधिनियम में उल्लिखित वाक्यांश 'कमजोर और वंचित वर्ग (Week and under Privileged) को 'अन्य पिछड़ा वर्ग' से प्रतिस्थापित कर दिया गया है
- (B) कश्मीर घाटी और जम्मू क्षेत्र में विभिन्न वर्गों के लिए आरक्षण का अनुपात अलग-अलग है
- (C) शिक्षण संस्थाओं एवं सरकारी नौकरियों में महिलाओं/बालिकाओं के लिए 25% सीटें आरक्षित की गई हैं
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
18. जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2023 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
- I. जम्मू एवं कश्मीर विधान सभा में सीटों की कुल संख्या 83 से बढ़ाकर 90 कर दी गई.
- II. 7 सीटें अनुसूचित जातियों तथा 9 सीटें अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित हैं.
- III. उपराज्यपाल कश्मीरी प्रवासियों में से 2 सदस्यों को विधान सभा में नामित कर सकेंगे जिसमें से एक महिला होगी.
- IV. पाकिस्तान अधिकृत जम्मू एवं कश्मीर से भारत में विस्थापितों में एक व्यक्ति को उपराज्यपाल नामित करेंगे.
- उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) केवल 3 (D) सभी 4
19. यूनेस्को द्वारा निम्नलिखित में से किसे मानवता की अदृश्य सांस्कृतिक विरासत घोषित किया है ?
- (A) गरबा नृत्य (गुजरात)
(B) नौचन्दी मेला (उत्तर प्रदेश)
(C) बैसाखी उत्सव (पंजाब)
(D) अजमेर उर्स (राजस्थान)
20. लोक सभा की सदस्य महुआ मोइत्रा को 8 दिसम्बर, 2023 को संसद से निष्कासित कर दिया गया. वे किस राजनीतिक दल से हैं ?
- (A) कांग्रेस
(B) तृणमूल कांग्रेस
(C) झारखण्ड मुक्ति मोर्चा
(D) सीपीआईएम
21. समाचारों की सुर्खियों में रहा फ़ग्राडल्सफ़जाल ज्वालामुखी किस देश में स्थित है ?
- (A) फिलीपीन्स (B) इण्डोनेशिया
(C) मलेशिया (D) आइसलैण्ड
22. संसद में सुरक्षा चूक से सबक लेते हुए संसद की सुरक्षा का कार्य केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) को सौंपा गया है. सीआईएसएफ के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
- (A) इसकी स्थापना 1969 में की गई थी
(B) इसकी अपनी स्वयं की एक अग्निरोधी विंग भी है
(C) यह देश की 350 से अधिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में तैनात है
(D) इसमें महिला सैनिक नहीं हैं
23. जम्मू एवं कश्मीर के बारे में संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त किए जाने के सन्दर्भ में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 11 दिसम्बर, 2023 को दिए गए निर्णय के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
- I. अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान था.
- II. अनुच्छेद 370 का अस्तित्व समाप्त होने की अधिसूचना जारी करने की राष्ट्रपति की शक्ति जम्मू एवं कश्मीर संविधान सभा के भंग होने के बाद भी बनी रहती है.
- III. अनुच्छेद 1 तथा 370 के तहत जम्मू एवं कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन गया.
- IV. चुनाव आयोग 30 सितम्बर, 2024 तक जम्मू एवं कश्मीर विधान सभा के चुनाव कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए.
- V. जम्मू एवं कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल किया जाए.
- उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
- (A) केवल 2
(B) केवल 3
(C) केवल 4
(D) उपर्युक्त सभी 5
24. जम्मू एवं कश्मीर सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ द्वारा 11 दिसम्बर, 2023 को दिए गए निर्णय के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन गलत है ?
- (A) जम्मू एवं कश्मीर से लद्दाख को अलग कर उसे केन्द्रशासित प्रदेश बनाने का फैसला वैध
(B) जम्मू एवं कश्मीर की संविधान सभा की सिफारिशें राष्ट्रपति के लिए बाध्यकारी
(C) जम्मू एवं कश्मीर में राष्ट्रपति की घोषणा की वैधता पर फैसला देने की आवश्यकता नहीं
(D) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 370 अस्थायी था, राष्ट्रपति के पास इसे रद्द करने की शक्ति अब भी है
25. जम्मू एवं कश्मीर में सत्य एवं सुलह आयोग का गठन किए जाने का सुझाव निम्नलिखित में से किसके द्वारा दिया गया है ?
- (A) मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली 5 सदस्यीय संविधान पीठ द्वारा
(B) जम्मू-कश्मीर के बारे में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के मामले की सुनवाई करने वाली 5 सदस्यीय संविधान पीठ के सदस्य न्यायमूर्ति संजय किशन कौल द्वारा
(C) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा
(D) गृह मंत्रालय की स्थायी संसदीय समिति द्वारा
26. नवम्बर 2023 में सम्पन्न 5 राज्यों की विधान सभाओं के चुनावों के आधार पर बने मुख्यमंत्रियों के सन्दर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
- I. मिजोरम — लालदुहोमा
II. तेलंगाना — अनुमला रेवंत रेड्डी
III. छत्तीसगढ़ — विष्णुदेव साय
IV. मध्य प्रदेश — मोहन यादव
V. राजस्थान — भजन लाल शर्मा
- उपर्युक्त में से सही हैं—
- (A) केवल 2 (B) केवल 3
(C) केवल 4 (D) सभी 5
27. 'विकसित भारत @ 2047 : युवाओं की आवाज़' का शुभारम्भ कब किया गया ?
- (A) 11 दिसम्बर, 2023
(B) 19 दिसम्बर, 2023
(C) 2 अक्टूबर, 2023
(D) 25 सितम्बर, 2023

28. भारतीय नौ सेना में शामिल किए गए 'आईएनएस तारमुग्ली' के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
 (A) यह एकमात्र युद्धपोत है, जो दो देशों की नौसेना में शामिल रहा है
 (B) इस युद्धपोत ने तीन नामों – आईएनएस तिलानचॉंग, एमसीजीएस हुरावी तथा आईएनएस तारमुग्ली' से सेवाएं प्रदान की हैं
 (C) इसे एक युद्धपोत म्यूजियम के रूप में विशाखापतनम में स्थापित कर दिया गया
 (D) ट्रिनकैट क्लास के इस युद्धपोत को भारत सरकार द्वारा 2006 में मालदीव नेवल डिफेंस फोर्सज को गिफ्ट कर दिया गया था
29. संसद द्वारा पारित मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें, एवं कार्यकाल) विधेयक 2023 के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
 I. मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति की संस्तुतियों के आधार पर की जाएगी.
 II. चयन समिति में प्रधानमंत्री, एक कैबिनेट मंत्री, लोक सभा में नेता विपक्ष (अथवा सबसे बड़े दल का नेता) होंगे.
 III. सर्व कमेटी 5 नामों की संस्तुति नियुक्ति समिति को करेगी.
 IV. सर्व कमेटी में केन्द्रीय विधि मंत्री तथा दो केन्द्रीय सचिव होंगे.
 उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
 (A) केवल 1 (B) केवल 2
 (C) केवल 3 (D) सभी 4
30. मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं अन्य निर्वाचन आयुक्त की सेवा शर्तों से सम्बन्धित संसद द्वारा पारित विधेयक 2023 के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन गलत है ?
 (A) मुख्य निर्वाचन आयुक्त तथा अन्य निर्वाचन आयुक्तों को वेतन सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के वेतन के बराबर होगा
 (B) मुख्य निर्वाचन आयुक्त को उसी विधि से पद से हटाया जा सकेगा जिस प्रकार सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है
 (C) निर्वाचन आयुक्त को केवल मुख्य निर्वाचन आयुक्त की सिफारिश पर ही पद मुक्त किया जाएगा
 (D) मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं अन्य निर्वाचन आयुक्तों का कार्यकाल 6 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक होगा, जो भी पहले हो
31. भारत की विकास यात्रा के लिए 5-डी (5D) की अवधारणा किसके द्वारा प्रस्तुत की गई ?
 (A) भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू
 (B) भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
 (C) भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड
 (D) नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी
32. कृत्रिम मेधा पर विश्व का पहला कानून-कृत्रिम मेधा अधिनियम किसके द्वारा पारित किया गया है ?
 (A) संयुक्त राज्य अमरीका (The US)
 (B) न्यूजीलैण्ड
 (C) यूरोपीय संघ
 (D) यूनाइटेड किंगडम (UK)
33. कॉप 28 (2023) में हस्ताक्षरित घोषणा-पत्र के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
 I. वर्ष 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा की वैश्विक क्षमता को तीन गुना बढ़ा कर 11000 GW करना.
 II. वर्ष 2030 तक ऊर्जा दक्षता में सुधार करते हुए इसकी वैश्विक औसत वार्षिक दर दोगुना करना.
 उपर्युक्त में से कौनसा कथन सही है.
 (A) केवल I (B) केवल II
 (C) I एवं II दोनों (D) न I और न II
34. LEADS (Logistics Ease Across Different) सूचकांक 2023 में निम्नलिखित में से कौनसा राज्य 'achievers' संवर्ग में शामिल नहीं है ?
 (A) आन्ध्र प्रदेश (B) गुजरात
 (C) महाराष्ट्र (D) तमिलनाडु
35. विश्व का सबसे बड़ा कार्यालय/व्यवसाय स्थल कौनसा है ?
 (A) पेन्टागन (न्यूयॉर्क, सं. रा. अमरीका)
 (B) सूरत डायमंड बॉर्स (सूरत, भारत)
 (C) क्रिसलर वर्ल्ड हेडक्वार्टर्स एण्ड टेक्नोलॉजी सेन्टर (ओबम हिल्स, मिशीगन, सं.रा. अमरीका)
 (D) सास आई टॉवर (हैदराबाद, भारत)
36. शांति, निःशस्त्रीकरण एवं विकास हेतु इंदिरा गांधी पुरस्कार 2022 निम्नलिखित में से किसे प्रदान किया गया है ?
 (A) इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA)
 (B) ट्रेड नर्सेज एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (TNAI)
 (C) सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इण्डिया
 (D) (A) तथा (B) संयुक्त रूप से
37. हाल ही में किस देश के न्यायालय ने भारतीय नौ सेना के 8 पूर्व अधिकारियों को मृत्युदण्ड की सजा सुनाई है ?
 (A) ईरान (B) तुर्किए
 (C) कतर (D) जॉर्डन
38. समर (SAMAR) के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
 (A) भारत में विकसित वायु रक्षा प्रणाली
 (B) इसे भारतीय नौसेना द्वारा रूस से प्राप्त वायु-से-वायु में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली को प्रयुक्त करते हुए विकसित किया गया है
 (C) इसका पूरा नाम "Surface to Air Missile for Assured Retaliation" (SAMAR) है
 (D) इसे वायु सेना में शामिल कर लिया गया है
39. नीचे दिए गए अभिकथन (A) तथा कारण (R) पर विचार कीजिए—
अभिकथन (A) : उच्चतापमान, वनों में लगी आग, बाढ़ तथा तूफानों की भीषणता को भू-स्थानिक मेधा से कम किया जा सकता है.
कारण (R) : भौगोलिक सूचना प्रणाली, ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम, तथा सुदूर संवेदन भू-स्थानिक मेधा के प्रमुख तत्व हैं.
 सही विकल्प चुनिए—
 (A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है.
 (B) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है
 (C) केवल (A) सही है
 (D) केवल (R) सही है
40. 'स्पेक्स 2030' पहल किसके द्वारा की गई है ?
 (A) विश्व स्वास्थ्य संगठन
 (B) यूनीसेफ
 (C) नासा (National Aeronautics and Space Administration)
 (D) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन

उत्तर व्याख्या सहित

1. (A) मिस यूनीवर्स प्रतियोगिता का 72वाँ संस्करण (2023) 18 नवम्बर, 2023 की रात अल साल्वाडोर के सैन साल्वाडोर में जोस एडोल्फो पिनेडा में आयोजित किया गया.

2. (B) अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में रविवार 19 नवम्बर, 2023 को खेले गए एकदिवसीय आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल मैच में आस्ट्रेलिया की टीम ने भारत को 6 विकेट से पराजित कर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया. आस्ट्रेलिया ने आईसीसी वर्ल्ड कप छठी बार जीता है.
3. (A) 22 नवम्बर, 2023 के जम्मू एवं कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने रियासी जिले के कटड़ा रेलवे स्टेशन से ज्ञानोदय एक्सप्रेस - कॉलेज ऑन ड्रीम्स को रवाना किया. इस ट्रेन में जम्मू एवं कश्मीर की 700 छात्राएं सवार हैं, जो देश के विभिन्न राज्यों के प्रतिष्ठित विश्व-विद्यालयों का भ्रमण करेंगी.
4. (A) अब्बास अमीनी की फारसी फिल्म 'एण्डलेस बॉर्डर्स' को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का गोल्डन पीकॉक पुरस्कार प्रदान किया गया.
5. (B) 6. (C) 7. (D) 8. (A) 9. (A)
10. (B) 11. (D)
12. (D) विश्व मौसम विज्ञान संगठन द्वारा जारी 'प्रोविजनल स्टेट ऑफ द ग्लोबल क्लाइमेट रिपोर्ट 2023 के अनुसार अक्टूबर 2023 के अन्त तक पृथ्वी का तापमान वर्ष 1850-1900 के औद्योगिकरण के दौर के स्तर से लगभग 1-40°C (± + - 0-12°C के अनिश्चित मार्जिन) अधिक था.
13. (C)
14. (C) वर्तमान में नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापित वैश्विक क्षमता 3400 GW है जिसे सन 2030 तक 1000 GW प्रतिवर्ष की दर से बढ़ाकर 11000 GW से अधिक करने के एक संकल्प-पत्र पर 118 देशों ने हस्ताक्षर किया.
15. (A)
16. (B) एक असाधारण खगोलीय घटना में 1 दिसम्बर, 2023 तथा 2 दिसम्बर सुबह मंगोलिया का आसमान गहरा, रक्त वर्ण हो गया. इस घटना को ओरोरा (Aurora) कहा जाता है, जो आमतौर पर ध्रुवों के निकट होती है जब आसमान हरे रंग का हो जाता है, लेकिन मंगोलिया में देखे गए ओरोरा रक्त वर्ण के थे, जो पृथ्वी की सतह से 241 किमी से अधिक ऊँचाई पर, जहाँ वायु-मण्डल बहुत पतला है. ये रंग बहुत ऊँचाई पर सौर किरणों के ऑक्सीजन की अंतःक्रिया से बनता है.
17. (A)
18. (D) विधेयक (2025) में कश्मीरी प्रवासियों को ऐसे प्रवासियों के रूप में परिभाषित किया गया है, जो 1 नवम्बर, 1989 के बाद कश्मीर घाटी या जम्मू एवं कश्मीर के किसी अन्य भाग से इस संघ शासित क्षेत्र से बाहर चले गए हैं तथा राहत आयुक्त के यहाँ पंजीकृत हैं.
19. (A) यूनेस्को की अदृश्य सांस्कृतिक विरासत संरक्षण हेतु अन्तर सरकारी समिति ने दिसम्बर 2023 को गुजरात के प्रसिद्ध गरबा नृत्य को मानवता की अदृश्य सांस्कृतिक विरासत घोषित किया है. इससे पूर्व भारत की निम्नलिखित विरासतों को यूनेस्को की सूची में शामिल किया जा चुका है : रामलीला, वेदों का पाठन तथा कुटीयट्टम (सन् 2008), रम्मन (2009), मुदीयेट्टू, कालवेलिया लोकनृत्य तथा छाऊ नृत्य (सन् 2010), बौद्ध पाठन (2012), संकीर्तन (2013), पंजाब पीतल और तौबे के बर्तन बनाने (2014), योग नवरोज (2016), कुम्भ मेला (2017), दुर्गा पूजा (2021) तथा गरबा नृत्य (2023).
20. (B) भाजपा सांसद निशीकान्त दुबे की शिकायत पर "धन लेकर संसद में प्रश्न पूछने" मामले में भाजपा सांसद विनोद कुमार सोनकर की अध्यक्षता वाली आचार समिति (Ethics Committee) ने इस प्रकरण में 6 : 4 के बहुमत से महुआ मोडत्रा को दोषी ठहराया. समिति की रिपोर्ट 8 दिसम्बर, 2023 को लोक सभा के पटल पर रखी गई और इसी दिन सदन ने बहुमत से उनके निष्कासन प्रस्ताव को पारित कर दिया.
21. (D) फग्राडल्सफजाल ज्वालामुखी आइस-लैण्ड के रेकजानेस प्रायद्वीप में स्थित है.
22. (D) देश के सातों केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में से सर्वाधिक महिला सैनिक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) में ही हैं.
23. (D) 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान किए जाने सम्बन्धी अनुच्छेद 370 तथा 35A को समाप्त करके जम्मू एवं कश्मीर राज्य का विघटन करके उसे दो संघ शासित क्षेत्रों—जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख में विभाजित करने के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में दायर याचिकाओं का निस्तारण 5 न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 11 दिसम्बर, 2023 को कर दिया. 5 न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने तीन अलग-अलग निर्णय दिए. मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चन्द्रचूड, न्यायमूर्ति धी. आर. गवई तथा न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने एक फैसला दिया, जबकि न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एस. के. कौल ने अलग-अलग फैसले दिए.
24. (B) जम्मू एवं कश्मीर की संविधान सभा की सिफारिश राष्ट्रपति के लिए बाध्यकारी नहीं था. भारतीय संविधान के सभी प्रावधान जम्मू-कश्मीर पर लागू हो सकते हैं.
25. (B) 26. (D) 27. (D)
28. (C) इस युद्धपोत को मालदीव सरकार द्वारा मई 2023 में भारतीय नौसेना को वापस कर दिया. आवश्यक मरम्मत और आधुनिकीकरण के बाद इस युद्धपोत को 14 दिसम्बर, 2023 को विशाखापत्तनम में आईएनएस तारमुग्ली नाम से फिर से सेवा में ले लिया गया.
29. (D)
30. (D) मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं अन्य निर्वाचन आयुक्तों का कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष, ये जो भी पहले हो, होगा.
31. (A) भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT), लखनऊ के दूसरे दीक्षान्त समारोह के उद्बोधन में भारत की विकास यात्रा के लिए 5-डी अर्थात् डिमांड (माँग), डेमोग्राफी (जनांकिकी), डेमोक्रेसी (लोकतंत्र), डिजायर (इच्छा), तथा ड्रीम (सपने) के महत्व को रेखांकित किया.
32. (C) यूरोपीय संघ ने कृत्रिम मेधा (AI) अधिनियम, 2023 पारित कर दिया. यह विश्वभर में कृत्रिम मेधा से सम्बन्धित पहला कानून है, जो कृत्रिम मेधा से जुड़े मुद्दों पर नियमन तथा निगरानी का एक मॉडल मुहैया कराता है.
33. (C)
34. (C) 16 दिसम्बर, 2023 को जारी LEADS Report 2023 में आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, चण्डीगढ़, गुजरात, दिल्ली, असम, हरियाणा, पंजाब, तेलंगाना एवं उत्तर प्रदेश, असम, सिक्किम को एचीवर्स संवर्ग में रखा गया है, जबकि केरल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखण्ड, अरुणाचल प्रदेश, 'फास्ट मूविंग' संवर्ग में है. अन्य राज्य/संघशासित क्षेत्र 'एस्पाइरर्स' संवर्ग में ही हैं.
35. (B) 66,73,624 वर्गफुट कार्पेट एरिया के साथ न्यूयॉर्क (सं. रा. अमरीका) स्थित पेन्टागन विश्व का सबसे बड़ा कार्यस्थल बना रहा है, लेकिन 17 दिसम्बर, 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्घाटन किए जाने के बाद सूरत डायमंड बॉर्स (67,28,604 वर्ग फुट) विश्व का सबसे बड़ा कार्यस्थल बना गया है.
36. (D) ₹ 25 लाख की पुरस्कार राशि वाला इंदिरा गांधी पुरस्कार 2023 कोविड-19 के योद्धाओं के प्रतिनिधियों के रूप में संयुक्त रूप से इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन तथा ट्रेड नर्सिंग एसोसिएशन ऑफ इण्डिया को प्रदान किया गया.
37. (C) दोहा (कतर) में अलदहदा (कतर की निजी सुरक्षा कम्पनी) में कार्यरत 8 पूर्व सैन्य अधिकारियों—कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कमाण्डर पूर्णन्दु तिवारी, कैप्टन बीरेन्द्र कुमार वर्मा, कमाण्डर सुगुणाकर पकाला, कमाण्डर संजीव गुप्ता, कमाण्डर अमित नागपाल तथा नाविक रागेश को कतर की गोपनीय जानकारी को विदेशों के साथ साझा करने के आरोप में मृत्युदण्ड की सजा सुनाई गई है.
38. (D) वायु सेना स्टेशन सूर्यलंका में अष्ट शक्ति - 2023 अभ्यास के दौरान इसका सफल परीक्षण किया जा चुका है.
39. (A) भू-स्थानिक मेधा में भौगोलिक मानचित्रण और विश्लेषण के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली (GIS), वैश्विक पोजीशनिंग सिस्टम (GPS) तथा सुदूर संवेदन जैसे उपकरणों का प्रयोग किया जाता है जिनसे प्राकृतिक आपदाओं के प्रभावों को कम किया जा सकता है.
40. (A) वर्ष 2021 में आयोजित विश्व स्वास्थ्य संगठन की 74वीं विश्व स्वास्थ्य सभा में एकीकृत और जन-केन्द्रित नेत्र देखभाल मुख्य रूप से दृष्टि के अपवर्तन, दोष निवारण हेतु देखभाल करने के लिए 'स्पेक्स 2030' पहल शुरू किए जाने पर सहमति जताई गई थी. ●●●

आर्थिक घटनाचक्र बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 50 – 30 – 20 नियम किससे सम्बन्धित है ?
(A) व्यक्तियों के वित्तीय नियोजन
(B) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में शेरर धारिता पैटर्न
(C) मानव शरीर में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन तथा वसा की आवश्यकता
(D) केन्द्र-राज्य परियोजनाओं में लागत वहन करने का फॉर्मूला
2. 'व्यापार समायोजन सहायता' निम्न-लिखित में से किससे सम्बन्धित है ?
(A) औद्योगिकीकरण
(B) वैश्वीकरण
(C) पूँजी प्रवाह
(D) चालू खाते का घाटा
3. सोलर फोटोवोल्टाइक मॉड्यूल विनिर्माण के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
I. सोलर फोटोवोल्टाइक मॉड्यूल का 90% से अधिक विनिर्माण विश्व के केवल 5 देशों में होता है.
II. 500 गीगावाट से अधिक क्षमता के साथ सोलर फोटोवोल्टाइक मॉड्यूल के विनिर्माण में चीन का विश्व में पहला स्थान है.
III. सोलर फोटोवोल्टाइक विनिर्माण में वैश्विक स्तर के शीर्ष 5 देश—चीन (80%), वियतनाम (5%), भारत (3%), मलेशिया (3%) तथा थाइलैण्ड (2%) है.
उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) सभी 3
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
4. कृषि अधोरचना कोष (AIF) के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) यह केन्द्रीय क्षेत्र की 10 वर्षीय योजना है
(B) इसकी अवधि 2020-21 से 2032-33 तक है
(C) इसके अन्तर्गत कटाई पश्च कार्यों के लिए रियायती ब्याज दर पर कृषकों को उधार दिया जाता है
(D) इस कोष का परिचालन कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय के साथ मिल कर नाबार्ड द्वारा किया जाता है
5. 'पोलीक्राइसिस' पद का प्रयोग निम्न-लिखित में से किस रिपोर्ट में किया गया है ?
(A) विश्व इकोनॉमिक आउटलुक 2023 (आईएमएफ)
(B) विश्व विकास रिपोर्ट 2023 (विश्व बैंक)
(C) ग्लोबल रिस्क रिपोर्ट 2023 (विश्व आर्थिक मंच)
(D) स्टेट ऑफ स्टैबिलिटी रिपोर्ट 2023 (आरबीआई)
6. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
I. G-7 समूह के देशों ने वर्ष 2021 में बिल्ड बैंक बेटर वर्ल्ड इनीशिएटिव (B3W) की घोषणा की थी.
II. बी3डब्ल्यू (B3W) का नाम बदलकर पार्टनरशिप फॉर ग्लोबल इन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड डेवलपमेण्ट कर दिया गया है.
उपर्युक्त में से सही हैं—
(A) केवल I (B) केवल II
(C) I एवं II दोनों (D) न I और न II
7. निम्नलिखित पहलों पर विचार कीजिए—
I. बेल्ट एण्ड रोड पहल (BRI)
II. यूरोशियन लॉजिस्टिक कोरीडोर (ULC)
III. पार्टनरशिप फॉर ग्लोबल इन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड डेवलपमेण्ट (PGID)
IV. ग्लोबल गेटवे प्रोग्राम (GGP)
उपर्युक्त में से कितनी पहलों में चीन की साझेदारी है ?
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) केवल 3 (D) सभी 4
8. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
I. 2013 में प्रारम्भ की गई बेल्ट एण्ड रोड पहल चीन की अति महत्वाकांक्षी पहल है.
II. वैश्विक जनसंख्या में दो-तिहाई तथा वैश्विक उत्पादन में 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखने वाले 147 देशों ने इस परियोजना पर हस्ताक्षर किए हैं या ऐसा करने में रुचि दिखाई है.
उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल I (B) केवल II
(C) I एवं II दोनों (D) न I और न II
9. यूरोशियन इकोनॉमिक यूनियन (UEU) में निम्नलिखित में से कौनसे देश शामिल हैं ?
I. कजाखस्तान II. किर्गिस्तान
III. आर्मेनिया IV. बेलारूस
V. रूस VI. अजरबाइजान
VII. जियोर्जिया
(A) I, II, III, IV एवं V
(B) II, III, IV, V एवं VI
(C) III, IV, V, VI एवं VII
(D) उपर्युक्त सभी
10. अन्तर-सरकारी निकाय वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (FATF) के एक हालिया निर्णय के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
I. अन्तर-सरकारी निकाय वित्तीय कार्रवाई कार्यबल मनी लॉड्रिंग विरोधी मानक निर्धारित करने तथा तदनुसार कार्रवाई करने वाला निकाय है.
II. एफएटीएफ ने केमन द्वीप समूह, पनामा, जॉर्डन तथा अल्बानिया को 'ग्रे' सूची से हटा दिया है.
III. एफएटीएफ ने 27 अक्टूबर, 2023 को प्रकाशित पुनर्समीक्षा में बुल्गारिया को 'ग्रे' सूची में शामिल कर दिया है.
उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) सभी 3
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
11. फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक का विलय निम्नलिखित में से किस बैंक में किए जाने का निर्णय लिया गया है ?
(A) भारतीय स्टेट बैंक
(B) एक्सिस बैंक
(C) ए यू स्मॉल फाइनेंस बैंक
(D) किसी में भी नहीं
12. बिक्री तथा सड़कों पर चल रही इलेक्ट्रिक कारों की संख्या विश्व में किस देश में सर्वाधिक है ?
(A) चीन
(B) सं. रा. अमरीका
(C) नॉर्वे
(D) न्यूजीलैण्ड
13. अपार (APAAR) के बारे में निम्न-लिखित कथनों पर विचार कीजिए—
I. शिक्षा मंत्रालय द्वारा 'एक राष्ट्र एक विद्यार्थी पहचान-पत्र' पहल है.
II. भारत सरकार ने एकेडेमिक क्रेडिट बैंक (ABC) लॉन्च किया है जिसमें प्रत्येक विद्यार्थी का

ऑटोमेटेड पर्मानेंट एकेडेमिक एकाउण्ट रजिस्ट्री (APAAR) जनरेट होता है।

III. इसके पोर्टल पर पंजीकरण कराने वाले विद्यार्थी को स्थायी पहचान-पत्र प्राप्त हो जाता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?

- (A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) सभी 3
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

14. द्रवीकृत प्राकृतिक गैस के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?

- (A) भारत ने अपनी प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण में वर्ष 2030 तक प्राकृतिक गैस के हिस्से को 25% के स्तर तक लाने का लक्ष्य रखा है
(B) सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनी पेट्रोनेट एलएनजी देश में द्रवीकृत प्राकृतिक गैस का सबसे बड़ा आयातक है
(C) कतर भारत को द्रवीकृत गैस की सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता देश है
(D) पेट्रोनेट ने कतर के साथ प्रतिवर्ष 8-5 मिलियन टन द्रवीकृत प्राकृतिक गैस आयात करने का समझौता किया है

15. कतिपय वस्तुओं के अभिलक्षणों के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

- I. इन वस्तुओं की औसत लागत लगातार घटती जाती है।
II. इनके उपभोग से किसी को भी वंचित नहीं किया जा सकता।
III. ये बाजार विफलताओं को जन्म देती हैं।
IV. ये 'मुफ्तखोरी की समस्या' का सामना करती हैं।

उपर्युक्त अभिलक्षण किस प्रकार की वस्तुओं के उदाहरण हैं ?

- (A) सार्वजनिक वस्तुएं
(B) निजी वस्तुएं
(C) गिफिन वस्तुएं
(D) उच्च कोटि की वस्तुएं

16. मैत्री सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट निम्नलिखित में से किस देश में है ?

- (A) नेपाल (B) भूटान
(C) बांग्लादेश (D) श्रीलंका

17. 1000 दिवसीय आजादी का अमृत महोत्सव की अवधि में भारत की निम्नलिखित उपलब्धियों पर विचार कीजिए—

- I. कोविड-19 वैश्विक महामारी पर सफलतापूर्वक नियंत्रण।
II. विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा प्राप्त करना।

III. चन्द्रयान-3 की चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग।

IV. 19वें एशियाई खेलों (2023) में 107 पदक प्राप्त करना।

V. चौथे एशियाई पैरा खेलों (2023) में 111 पदक प्राप्त करना।

उपर्युक्त में से कितनी उपलब्धियाँ सही हैं ?

- (A) केवल 2 (B) केवल 3
(C) केवल 4 (D) सभी 5

18. नीति आयोग द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए तैयार किए जा रहे 25 वर्षीय विजन के अनुसार आने वाले वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार निम्नलिखित में से कौनसा होने का अनुमान लगाया गया है ?

- I. वर्ष 2030 तक 6-69 ट्रिलियन डॉलर।
II. वर्ष 2040 तक 16-13 ट्रिलियन डॉलर।
III. वर्ष 2047 तक 29-02 ट्रिलियन डॉलर।

उपर्युक्त में से सही हैं—

- (A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) सभी 3
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

19. भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के सन्दर्भ में भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (SEBI) के हालिया निर्देशों के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

- I. किसी एकल भारतीय कॉर्पोरेट समूह की आस्तियों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की धारिता 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए।
II. भारतीय इक्विटी में प्रत्येक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक का समग्र निवेश ₹ 25000 करोड़ से अधिक नहीं होना चाहिए।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?

- (A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) I एवं II दोनों
(D) न I और न II

20. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा कथन सही नहीं है ?

- (A) वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमाओं में कासा (चालू खाता एवं बचत बैंक खाता) में जमा धनराशि का हिस्सा लगभग 20 प्रतिशत के स्तर पर स्थिर है
(B) कासा जमाओं का उपयोग दीर्घावधिक परिसम्पत्ति—देनदारियों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है

(C) कासा बैंकों के बही खातों में ब्याज से जुड़े जोखिमों (IRRRBB) को कम करता है

(D) कासा जमाओं से बैंकों की पूँजी की आवश्यकता कम हो जाती है

21. भारत की न्यायिक प्रणाली में पंचायतों के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा कथन सही है ?

I. भारतीय संविधान (42वाँ संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा संविधान में शामिल किए गए अनुच्छेद 323A तथा 323B संसद को यह अधिकार देते हैं कि वह कराधान जैसे मामलों पर निर्णय लेने के लिए अधिकरणों (Tribunals) का गठन करें।

II. अधिकरणों में कार्यपालिका का हस्तक्षेप होता है या हस्तक्षेप की आशंका बनी रहती है।

उपर्युक्त में से सही हैं—

- (A) केवल I
(B) केवल II
(C) I एवं II दोनों
(D) न I और न II

22. राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति (SLBC) के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन गलत है ?

- (A) एसएलबीसी की अवधारणा वर्ष 1977 में भारतीय रिजर्व बैंक के अधीन प्रस्तुत की गई थी
(B) राज्य स्तर पर गठित और कार्यरत उच्चस्तरीय एसएलबीसी सांविधिक अन्तर-सांस्थानिक निकाय है
(C) एसएलबीसी की बैठक हर तिमाही होती है जिसकी अध्यक्षता नामित प्रमुख बैंक के अध्यक्ष या कार्यकारी निदेशक द्वारा की जाती है
(D) एसएलबीसी ने प्रधानमंत्री जनधन योजना के विस्तार में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है

23. बैंकिंग प्रणाली में तरलता को विनियमित और नियंत्रित करने के लिए निम्नलिखित में से किसका प्रयोग आम तौर पर नहीं किया जाता है ?

- (A) एमसीएलआर
(B) रेपो रेट
(C) रिवर्स रेपो रेट
(D) नकदी प्रारक्षित अनुपात

24. भारत में वित्तीय समावेशन सूचकांक किसके द्वारा जारी किया जाता है ?

- (A) नीति आयोग
(B) नाबार्ड
(C) भारतीय रिजर्व बैंक
(D) विश्व बैंक

25. निम्नलिखित में से कौनसा नवीन लॉजिस्टिक नीति का एक तत्व नहीं है ?
 (A) एकीकृत डिजिटल प्रणाली
 (B) यूनीफाइड लॉजिस्टिक इण्टरफेस प्लेटफॉर्म
 (C) लॉजिस्टिक सुगमता
 (D) टोल प्लाजा मुक्त राजमार्ग
26. निम्नलिखित में से किस प्रकार की कम्पनियों पर 'ग्लोबल टैक्स' लगाए जाने पर सहमति बनी है ?
 (A) प्रदूषण फैलाने वाली
 (B) अपने मूल देश से हटकर अन्य देशों में कार्यरत बहुराष्ट्रीय कम्पनियों
 (C) कॉर्पोरेट सोशल रिसपॉन्सिबिलिटी का पालन न करने वाली बहुराष्ट्रीय कम्पनियों
 (D) हथियार विनिर्माणी कम्पनियों
27. विश्व में चावल का सर्वाधिक निर्यात करने वाला देश कौनसा है ?
 (A) चीन (B) भारत
 (C) फिलीपीन्स (D) थाइलैण्ड
28. विश्व व्यापार संगठन में दो देशों के बीच चल रहे चीनी सम्बन्धी एक विवाद को सुलझाने के लिए एथेनॉल उत्पादन की तकनीक को भारत के साथ साझा करने का प्रस्ताव किया है—
 (A) दक्षिण अफ्रीका ने
 (B) अर्जेन्टाइना ने
 (C) ब्राजील ने
 (D) सं. रा. अमरीका ने
29. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
 I. रमीश – लेबनॉन
 II. नुबेरिया – मिस्र
 III. जाजारकोट – नेपाल
 IV. अखौरा – बांग्लादेश
 उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
 (A) केवल 1 (B) केवल 2
 (C) केवल 3 (D) सभी 4
30. निम्नलिखित अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों पर विचार कीजिए—
 I. अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन
 II. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
 III. आर्थिक सहयोग एवं विकास हेतु संगठन
 IV. विश्व बैंक
 उपर्युक्त में से कितने संगठनों ने आपास में मिलकर 'ग्लोबल स्किल्स गैप्स मेजरमेंट एण्ड मॉनीटरिंग : टुवार्ड्स ए कोलैबोरेटिव फ्रेमवर्क' जारी किया है ?
 (A) केवल I
 (B) केवल I एवं III
 (C) केवल I एवं IV
 (D) केवल I एवं II
31. जल दीवाली 'महिलाओं के लिए पानी, पानी के लिए महिलाएं' अभियान के सन्दर्भ में निम्नलिखित पर विचार कीजिए—
 I. अटल मिशन फॉर रिजुवनेशन एण्ड ट्रांसफार्मेशन (AMRUT).
 II. राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (NUML).
 III. ओडिशा अर्बन एकेडेमी.
 इस अभियान में शामिल हैं—
 (A) केवल 1
 (B) केवल 2
 (C) सभी 3
 (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
32. विश्व बैंक के आँकड़ों के अनुसार 2022 में भारत के वस्तु एवं सेवाओं का निर्यात प्रचलित कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद का कितने प्रतिशत रहा है ?
 (A) 19.9% (B) 18.7%
 (C) 21.5% (D) 22.4%
33. केन्द्र सरकार ने भारत आटा की बिक्री 6 नवम्बर, 2023 से ₹ 27-50 प्रति किग्रा की दर से प्रारम्भ की. यह निम्नलिखित में से किस पटल पर उपलब्ध है ?
 I. सस्ते गल्ले की दुकानें (सार्वजनिक वितरण प्रणाली).
 II. केन्द्रीय भण्डार
 III. नेफेड
 IV. एनसीसीएफ
 उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
 (A) केवल I
 (B) केवल II एवं III
 (C) केवल I, II एवं III
 (D) केवल I, II, III एवं IV सभी
34. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा जारी एशिया प्रशान्त मानव विकास रिपोर्ट के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
 I. भारत में सन् 2000 से 2022 के बीच प्रति व्यक्ति आय 442 अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2389 अमरीकी डॉलर हो गई.
 II. भारत में सन् 2004 और 2019 के बीच गरीबी दर 40 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक गिर गई.
 उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
 (A) केवल I (B) केवल II
 (C) I एवं II दोनों (D) न I और न II
35. विश्व बैंक के अनुसार गरीबी के मापन हेतु अग्रलिखित में से किसे प्रयुक्त किया जाता है ?
 (A) 1-90 अमरीकी डॉलर प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति
 (B) 2-15 अमरीकी डॉलर प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति
 (C) 3-65 अमरीकी डॉलर प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति
 (D) 6-85 अमरीकी डॉलर प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति
36. विश्व बैंक द्वारा 2022 में अन्तर्राष्ट्रीय निर्धनता रेखा को अद्यतन किया है और विभिन्न राष्ट्र समूहों के लिए अलग-अलग निर्धनता रेखाएं निर्धारित की हैं. इस बारे में निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है ?
 (A) विश्व के निर्धनतम देश—1-90 अमरीकी डॉलर प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति
 (B) नीची आय वाले देश—2-15 अमरीकी डॉलर प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति
 (C) नीची-मध्य आय वाले देश—3-65 अमरीकी डॉलर प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति
 (D) उच्च-मध्य आय वाले देश—6-85 अमरीकी डॉलर प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति
37. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा असत्य है ?
 (A) 2011-2021 के दशक में केरल में विकास दर भारत में सर्वाधिक रही है
 (B) मानव विकास सूचकांक 0-75 के साथ केरल भारत में शीर्ष पर है
 (C) निर्धनता निवारण तथा पौष्टिक वंचितता को कम करने के मामले में केरल की उपलब्धियाँ पूरे देश में उल्लेखनीय हैं
 (D) 2015-16 (एनएफएचएस 4) तथा 2019-20 (एनएफएचएस 5) के बीच केरल में कुल प्रजनन दर में वृद्धि हुई है
38. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
 I. गेहूँ एवं चावल को खरीदने की आर्थिक लागत क्रमशः ₹ 27 प्रति किग्रा तथा ₹ 39 प्रति किग्रा भारतीय खाद्य निगम को वहन करनी पड़ती है.
 II. आर्थिक लागत में गेहूँ एवं धान की खरीद हेतु किसानों को भुगतान किया गया न्यूनतम समर्थन मूल्य, भण्डारण एवं परिवहन लागतें शामिल हैं.
 उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
 (A) केवल I (B) केवल II
 (C) I एवं II दोनों (D) न I और न II
39. भारतीय रेल निम्नलिखित में से कौनसी यात्री रेलगाड़ी नियमित रूप से संचालित नहीं करती ?
 (A) गति शक्ति सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन्स
 (B) वन्दे भारत एक्सप्रेस

- (C) गतिमान एक्सप्रेस
(D) दूरन्तो एक्सप्रेस
40. निम्नलिखित कृषि जिंसों (उत्पादों) पर विचार कीजिए—
I. अरहर दाल II. चना दाल
III. चीनी IV. राजमा
V. बासमती चावल
VI. सोना मसूरी चावल
उपर्युक्त में से कितने उत्पादों को 'भारत-ऑर्गेनिक्स' ब्रांड के तहत बाजार में उतारा गया है ?
(A) केवल 3 (B) केवल 4
(C) केवल 5 (D) सभी 6

उत्तर व्याख्या सहित

- (A) इस नियम के अनुसार किसी व्यक्ति को अपनी कुल आय का 50% भोजन एवं घरेलू खर्चों पर, 30 प्रतिशत घूमने-फिरने, मनोरंजन एवं पर्यटन पर तथा 20% हिस्सा अल्पकालीन, मध्यकालीन तथा दीर्घकालीन लक्ष्यों की पूर्ति हेतु बचत के रूप में होना चाहिए.
- (B) 3. (C)
- (C) इस योजनान्तर्गत कटाई पश्च प्रबन्धन अधोरचना तथा सामुदायिक फार्मिंग आस्तियों के लिए मध्यावधिक एवं दीर्घ-काल के लिए वित्तीयन सुविधा उपलब्ध कराई जाती है.
- (C) 6. (C)
- (B) चीन ने 2013 में अति महत्वाकांक्षी योजना बेल्ट एण्ड रोड शुरू की थी; चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 2023 में यूरेशियन लॉजिस्टिक कोरिडोर (ULC) की घोषणा की पार्टनरशिप फॉर ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड डेवलपमेंट G-7 देशों द्वारा 2021 में घोषित बिल्ड बैक बेटर वर्ड इनीशिएटिव का परिवर्तित रूप है, यूरोपीय संघ ने अक्टूबर 2023 में ग्लोबल गेटवे प्रोग्राम की घोषणा की है.
- (C)
- (A) 29 मई, 2014 को हस्ताक्षरित ट्रीटी ऑन यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के अन्तर्गत स्थापित EAEU 1 जनवरी, 2015 को अस्तित्व में आया. कजाखस्तान, किर्गिजस्तान, आर्मेनिया, बेलारूस तथा रूस इसके सदस्य हैं. ये सभी देश पूर्ववर्ती सोवियत संघ का हिस्सा थे.
- (C) देशों को आतंकवाद को धन मुहैया कराने से रोकने (CFT) और वित्तीय प्रसार प्रणाली को मजबूत करने के लिए FATF द्वारा ऐसे कदम उठाए जाते हैं.
- (C) फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक तथा एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 29 अक्टूबर, 2023 को ऑल स्टाफ मर्जर को मंजूरी दे दी. बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, 1949 की धारा 44A के तहत विलय योजना पर दोनों बैंकों के शेयर धारकों, भारतीय रिजर्व बैंक तथा

- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के अनुमोदन की आवश्यकता होगी.
- (A) 13. (C) 14. (A) 15. (A)
 - (B) 1320 MW (2 × 600 MW) आकार की मैत्री सुपर थर्मल पॉवर परियोजना बांग्लादेश के खुलना मण्डल में रामपल में स्थित है. इसका निर्माण भारत द्वारा प्रदत्त 1-6 बिलियन डॉलर की रियायती वित्तीयन योजना के तहत बांग्लादेश भारत मैत्री पॉवर कम्पनी लि. (BIFPCL) द्वारा किया जा रहा है, जो राष्ट्रीय तापीय विद्युत् निगम लि. (NTPC) तथा बांग्लादेश पॉवर डेवलपमेंट बोर्ड का 50 : 50 संयुक्त उपक्रम है.
 - (D) 18. (C) 19. (C)
 - (A) वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमाओं में CASA जमाओं का अनुपात लगभग 30% के स्तर पर स्थिर है.
 - (C) 22. (B)
 - (A) एमसीएलआर-निधियों की सीमान्त लागत आधारित उधारी दर है. बैंकों के लिए यह उधार देने के लिए ब्याज की न्यूनतम दर है.
 - (C) 25. (D) 26. (B)
 - (B) संयुक्त राज्य अमरीका के कृषि विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में भारत द्वारा 56 मिलियन टन चावल का निर्यात किया गया, जो विश्व के कुल निर्यात का लगभग 40 प्रतिशत था.
 - (C) चीनी से एथेनॉल उत्पादन की तकनीक अपनाकर भारत अपनी अधिशेष चीनी से एथेनॉल उत्पादित कर सकता है. भारत सरकार ने पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने की अति महत्वाकांक्षी योजना चला रखी है.
 - (D)
 - (B) 12 बुनियादी एवं 14 विस्तारित सूचकों को प्रयुक्त करके आईएलओ तथा ओईसीडी ने वैश्विक स्तर पर कौशल अन्तरालों का मापन किया है.
 - (C)
 - (D) वर्ष 2022 में भारत के वस्तु एवं सेवाओं के निर्यात का कुल मूल्य 759-9 अरब डॉलर था, जो इसके सकल घरेलू उत्पाद का 22-4%.
 - (C)
 - (C) गरीबी दर का मापन विश्व बैंक द्वारा निर्धारित 2-15 अमरीकी डॉलर प्रतिदिन प्रति व्यक्ति के आधार पर किया जाता है.
 - (B) विश्व बैंक द्वारा निर्धारित 2-15 अमरीकी डॉलर प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति 2017 में क्रयशक्ति समता के आधार पर विश्व के 28 निर्धनतम देशों की राष्ट्रीय निर्धनता रेखाओं का मीडियन (मध्यिका) का मान है.
 - (A)
 - (A) भारत में उच्च विकास दर दर्ज करने वाले गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब तथा कर्नाटक की तुलना में केरल की 5 से 6 प्रतिशत की विकास दर कम प्रतीत होती है.
 - (C)

- (A) भारतीय रेल राजधानी एक्सप्रेस, शताब्दी एक्सप्रेस, जनशताब्दी एक्सप्रेस, वन्देभारत एक्सप्रेस, गतिमान एक्सप्रेस, हमसफर एक्सप्रेस, तेजस एक्सप्रेस, दूरन्तो एक्सप्रेस, अन्त्योदय एक्सप्रेस, गरीब रथ एक्सप्रेस, सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस, युवा एक्सप्रेस, उदय एक्सप्रेस आदि जैसी 3240 मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों का परिचालन करती है.
- (D) केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 8 नवम्बर, 2023 को नवसृजित नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लि. (NCOL) के 'भारत ऑर्गेनिक्स' ब्रांड के तहत 6 उत्पादों—अरहर दाल, चना दाल, चीनी, राजमा, बासमती चावल तथा सोना मसूरी चावल को लॉन्च किया. शुरुआत में इनकी बिक्री मद्र डेयरी के 150 'सफल' आउटलेटों और ऑनलाइन की जाएगी.

शेष पृष्ठ 110 का

- एक ही समय पर दोनों दिशाओं में कम्प्यूटर से डाटा भेजने के लिए कौनसी डाटा संचार विधि प्रयुक्त की जाता है ?
— फुलडुप्लेक्स
- 1024 किलोबाइट बराबर होता है
— 1 मेगाबाइट

विविध

- भारत के सन्दर्भ में, 'थिलाना' किसका एक रूप है ?
— थिलाना, भरतनाट्यम का एक रूप है
- चापचर कुट, मीम कुट, पावल कुट आदि त्यौहार हैं
— मिजोरम के
- ब्लैक पैगोडा के नाम से प्रसिद्ध सूर्य मन्दिर कहाँ स्थित है ?
— कोणार्क (ओडिशा) में
- भरतनाट्यम कहाँ का प्रमुख शास्त्रीय नृत्य है ?
— तमिलनाडु का
- चंडीगढ़ का वास्तुविद् ले. कोर्बुजियर किस देश का नागरिक था ?
— फ्रांस का
- आकाशवाणी (एआईआर) ने अपने मूल नाम 'इण्डियन ब्रॉडकास्टिंग कम्पनी' से काम करना कब प्रारम्भ किया था ?
— 1927 में
- यक्षगान कहाँ का लोकप्रिय नृत्य है ?
— कर्नाटक का
- झाल, विणाई, दमामा, मुरयो हैं
— कुमायूँ के वाद्य यंत्र
- गुसाई दत्त किस रचनाकार का मूल नाम है ?
— सुमित्रानन्दन पंत का
- चित्राचार्य उपेन्द्र महारथी की पुस्तक 'वेणुशिल्प का सम्बन्ध किस कला से है ?
— वाँस कला से



वर्ष 2022 के दौरान मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय उपलब्धियाँ

राष्ट्रीय गोकुल मिशन

राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम (Nationwide Artificial Insemination Programme-NAIP) सितम्बर 2019 में शुरू किया गया था और इस कार्यक्रम के तहत एआई सेवाएं किसानों के घरों पर मुफ्त में उपलब्ध कराई जाती हैं। इसका चौथा चरण 1 अगस्त, 2022 से शुरू किया गया है जिसमें 50 प्रतिशत से कम एआई कवरेज वाले 604 जिलों में कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से 3.3 करोड़ पशुओं का गर्भाधान किया गया है इसके तहत, 2 दिसम्बर, 2022 तक, 4.20 करोड़ पशुओं को कवर किया गया है, एनएआईपी के तहत 5.19 करोड़ कृत्रिम गर्भाधान किए गए तथा इससे 2.78 करोड़ किसान लाभान्वित हुए हैं।

आईवीएफ तकनीक

डेयरी किसानों के लिए मादा बछड़ों का प्रजनन करने के उद्देश्य से आईवीएफ तकनीक तथा सेक्स सॉर्टेड सीमेन के साथ कृत्रिम गर्भाधान का लाभ उठाया जा रहा है। आईवीएफ तेजी से गोवंश आबादी के आनुवंशिक उन्नतीकरण के लिए महत्वपूर्ण तकनीक है, इसके माध्यम से 7 पीढ़ियों (मवेशियों और भैंसों के मामले में 21 वर्ष) की क्षमताओं को अगली एक पीढ़ी (मवेशियों और भैंसों के मामले में 3 वर्ष) में स्थानांतरित किया जा सकता है। इस तकनीक में प्रति स्तनपान 4000 किग्रा दूध उत्पादन की आनुवंशिक क्षमता वाली केवल मादा बछड़ों के प्रजनन के माध्यम से इस प्रकार किसानों की आय कई गुना बढ़ जाती है। चुने गए मिल्क पॉकेट्स में 2 लाख आईवीएफ गर्भधारण स्थापित करने के लिए त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम शुरू किया गया है।

इस कार्यक्रम के तहत देश में 2 लाख आईवीएफ गर्भधारण किए जाएंगे, किसानों को ₹ 5,000 प्रति सुनिश्चित गर्भवस्था की दर से सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी। यह कार्यक्रम देश में पहले ही शुरू हो चुका है और इस परियोजना के तहत अब तक कुल 402 आईवीएफ भ्रूण स्थानांतरित किए गए तथा 30 गर्भधारण स्थापित किए गए, इसके अलावा 19 भ्रूण स्थानांतरण प्रौद्योगिकी (ईटीटी)/इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) प्रयोगशालाओं को क्रियाशील बनाया गया है। इन

प्रयोगशालाओं से 15,375 बेहतर क्षमताओं वाले भ्रूणों का उत्पादन किया गया है और भ्रूण स्थानांतरण के माध्यम से 1,178 बछड़ों का जन्म हुआ है।

लिंग क्रमबद्ध शुक्राणु

90 प्रतिशत सटीकता के साथ मादा बछड़ों का उत्पादन करने के लिए लिंग क्रमबद्ध शुक्राणु का उपयोग करके त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम लागू किया गया है। सेक्स सॉर्टेड सीमेन के साथ एआई लेने वाले किसानों को प्रति गर्भवस्था ₹ 750 की दर से प्रोत्साहन दिया जाता है और शेष राशि का भुगतान सेक्स सॉर्टेड सीमेन के माध्यम से गर्भधारण कराने वाले किसान द्वारा पूरा किया जाएगा। अब तक, राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत सहायता प्राप्त सरकारी शुक्राणु केन्द्रों में 27.86 लाख लिंग क्रमबद्ध शुक्राणु और दुग्ध संघ, गैर-सरकारी संगठन तथा निजी शुक्राणु केन्द्रों से 31.12 लाख शुक्राणु डोज तैयार किए गए हैं।

राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन (एनडीएलएम)

- भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ 'राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन' (एनडीएलएम) नाम से एक डिजिटल कार्यक्रम शुरू किया है। इससे पशुओं की उत्पादकता में सुधार करने, पशुओं एवं मनुष्यों दोनों को प्रभावित करने वाली बीमारियों को नियंत्रित करने, घरेलू व निर्यात दोनों तरह के बाजारों के लिए गुणवत्तापूर्ण पशुधन सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। एनडीएलएम पशुधन क्षेत्र के लिए एक एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र के गठन से सम्बन्धित है। इसकी अवधारणा पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा प्रधानमंत्री के पीएसए कार्यालय के मार्गदर्शन में की गई थी।
- उत्तराखण्ड के हरिद्वार और देहरादून जिलों में एक प्रायोगिक परियोजना शुरू की गई है। इनकी शुरुआत 1 अप्रैल, 2021 से की गई थी। प्रायोगिक तौर पर इसके आरम्भिक क्रियान्वयन के दौरान सभी कर्मचारियों को आईटी उपकरणों के उपयोग के लिए प्रशिक्षित किया गया है और नियमित गतिविधियों के अलावा अग्रलिखित कार्यक्रमों को चालू वर्ष के दौरान क्षेत्र में सफलतापूर्वक लागू किया गया है—

(i) पशुओं के इलाज के लिए ई-पंच का उपयोग।

(ii) आईएनएपीएच प्रणाली के साथ एकीकृत कॉल सेंटर एप्लिकेशन का किसानों से अनुरोध प्राप्त करने और उनके द्वारा अनुरोध की गई सेवा पूरी होने के बाद आईएनएपीएच प्रणाली के माध्यम से उन्हें बंद करने के लिए सफलतापूर्वक उपयोग किया गया है।

(iii) उत्तराखण्ड पायलट में सीरो सर्विलांस और सीरो मॉनिटरिंग (एसएसएण्ड एसएम) मॉड्यूल लॉन्च किया गया।

(iv) कर्नाटक में एनसीडीईएक्स ई-मार्केट लिमिटेड (एनईएमएल) के साथ तालमेल के साथ भेड़ और बकरी जैसे छोटे जुगाली करने वाले पशुओं को शामिल करते हुए एक प्रायोगिक कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य डिजिटल ई-बाजारों के माध्यम से सभी गतिविधियों को संचालित करना है। छोटे जुगाली करने वाले पशुओं से सम्बन्धित मॉड्यूल को डिजाइन करने के लिए इस आरम्भिक अभ्यास का परिणाम बहुत महत्वपूर्ण है।

पुरस्कार और नई शुरुआत

राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार 2022

राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार पशुधन और डेयरी क्षेत्र के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कारों में से एक है। पुरस्कार 3 श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैं, अर्थात् (i) स्वदेशी मवेशी/भैंस की नस्लों का पालन-पोषण करने वाला सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसान; (ii) सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (एआईटी) और (iii) सर्वश्रेष्ठ डेयरी सहकारी पुरस्कार में योग्यता का प्रमाण-पत्र, एक स्मृति चिह्न और प्रत्येक श्रेणी में इस तरह से नकद राशि शामिल है—प्रथम श्रेणी वाले के लिए ₹ 5,00,000; द्वितीय श्रेणी धारक को ₹ 3,00,000 और फिर तीसरी श्रेणी वाले के लिए ₹ 2,00,000. देश के 3 सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसानों, 3 सर्वश्रेष्ठ एआई तकनीशियनों तथा 3 सर्वश्रेष्ठ डेयरी सहकारी समितियों को 26 नवम्बर, 2022 को बेंगलूरु में राष्ट्रीय दुग्ध दिवस की पूर्व संध्या पर सम्मानित किया गया।

पशुपालन स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज 2.0

विभाग द्वारा 2021-22 के दौरान पशुपालन स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज 2.0 के आयोजन के उद्देश्य से पशुपालन और डेयरी क्षेत्र की समस्याओं के

समाधान हेतु अभिनव एवं व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य समाधानों की खोज के लिए समस्या विवरण तैयार किया गया है. मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री द्वारा 26 नवम्बर, 2021 को स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज लॉन्च किया गया था और स्टार्टअप द्वारा आवेदन जमा करने की अन्तिम तिथि 31 जनवरी, 2022 थी. स्टार्टअप इंडिया द्वारा विकसित पोर्टल पर स्टार्टअप से 250 आवेदन ऑनलाइन प्राप्त हुए थे. पहली जून 2022 को विश्व दुग्ध दिवस के दौरान स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज 2.0 के विजेताओं को सम्मानित किया गया. प्रत्येक समस्यात्मक क्षेत्र के लिए विजेता को ₹ 10 लाख और उपविजेता को ₹ 7 लाख नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया. पशुपालन ग्रैंड चैलेंज 2.0 के सभी विजेताओं को स्टार्टअप इंडिया के माध्यम से मास्टर क्लास, मेंटरशिप और इन्क्यूबेशन भी उपलब्ध कराया जाता है.

केन्द्रीय पशु प्रजनन फार्म (सीसीबीएफ) हेसरघट्टा में आईवीएफ तकनीक का प्रदर्शन

केन्द्रीय पशु प्रजनन फार्म हेसरघट्टा में राष्ट्रीय दुग्ध दिवस 1 नवम्बर, 2022 को आईवीएफ प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया गया. निविदा प्रक्रिया के माध्यम से विभाग द्वारा तैयार की गई दरों के अनुसार सेवा प्रदाताओं के माध्यम से सीसीबीएफ हेसरघट्टा से सभी इच्छुक किसानों को उनके घर पर ही आईवीएफ सुविधाएं उपलब्ध होंगी.

पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना के लिए आधारशिला रखना

पेशेवरों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं वाले प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना के उद्देश्य से राष्ट्रीय दुग्ध दिवस 26 नवम्बर, 2022 को इसकी आधारशिला रखी गई है. इस प्रशिक्षण संस्थान को मार्च 2023 तक कार्यान्वित कर दिया जाएगा.

डेयरी विकास योजनाएं

डेयरी विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीडीडी)

एनपीडीडी योजना के तहत जनवरी 2022 से नवम्बर 2022 (21 नवम्बर, 22 तक) के दौरान 7 राज्यों में 14 नई परियोजनाओं को ₹ 355.25 करोड़ (केन्द्रीय हिस्सा ₹ 244.14 करोड़) के कुल परिव्यय पर मंजूरी दी गई थी. इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य 638 बल्क मिल्क कूलर (1491.00 हजार लीटर की क्षमता के साथ), 2,990 स्वचालित दूध संग्रह इकाइयों और 1,419 इलेक्ट्रॉनिक दूध मिलावट परीक्षण मशीनों की स्थापना करके ग्राम स्तर के दूध को ठंडा करने, संग्रह व परीक्षण के बुनियादी ढाँचे को मजबूत करना है.

पशुपालन और डेयरी किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने सभी पात्र पशुपालन एवं मत्स्य किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड सुविधा प्रदान करने के लिए वित्तीय सेवा विभाग के साथ मिलकर 15 नवम्बर, 2021 से 15 फरवरी, 2022 तक 'राष्ट्रव्यापी एएचडीएफ केसीसी अभियान' शुरू किया है. इसके बाद अभियान को 31 जुलाई, 2022 तक और आगे 31 मार्च, 2023 तक बढ़ाया गया था. इस अभियान के दौरान, एकत्रित किए गए आवेदनों की मौके पर जाँच के लिए अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) द्वारा समन्वित किसान क्रेडिट कार्ड समन्वय समिति के सहयोग से हर सप्ताह जिला स्तरीय केसीसी शिविर आयोजित किए जा रहे हैं. इस अभियान के तहत 4 नवम्बर, 2022 तक, कुल 19,97,541 आवेदन प्राप्त हुए और इनमें से 19,28,548 आवेदन बैंकों द्वारा स्वीकार किए गए तथा 9,53,963 किसान क्रेडिट कार्ड को स्वीकृत किया गया.

अब तक, देश में कृषि एवं पशुपालक किसानों के लिए कुल 23.70 लाख नए किसान क्रेडिट कार्ड मंजूर किए गए हैं.

राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी)

इस कार्यक्रम में पात्र पशु आबादी के लिए 100 प्रतिशत कानों में टैगिंग तथा आईएनएपीएच (पशु उत्पादकता और स्वास्थ्य पोर्टल के लिए सूचना नेटवर्क) पर उनके पंजीकरण की परिकल्पना की गई है, ताकि पशुओं की बीमारियों का पता लगाने, निगरानी और नियंत्रण कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जा सके. अब तक, लगभग 24.83 करोड़ मवेशियों एवं भैंसों को टैग किया जा चुका है; एफएमडी राउंड-1 में 16.91 करोड़ मवेशियों तथा भैंसों का टीकाकरण किया गया है; चालू एफएमडी चरण-2 में 13.84 करोड़ मवेशियों व भैंसों का टीकाकरण किया गया है (2022 के दौरान, कुल 9.11 करोड़ टीके लगाए गए हैं) और 1.32 करोड़ (2022 के दौरान, कुल 1.05 करोड़ टीके 4-8 महीने की उम्र के बीच गोवंश बछड़ों को लगाए गए हैं) मौजूदा बुसेलोसिस टीकाकरण चरण में लगाए गए हैं.

पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण (एलएचएण्डडीसी) योजना

पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी) में बजट आवंटन (बीई ₹ 1,470 करोड़ और आरई ₹ 886 करोड़) के साथ एनएडीसीपी और एलएचडीसी दोनों को शामिल किया गया है. इसमें से एलएच और डीसीपी के विभिन्न घटकों के तहत चालू वित्त वर्ष के दौरान एलएच तथा डीसीपी के तहत राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों को ₹ 159 करोड़ जारी किए गए हैं.

एकीकृत नमूना सर्वेक्षण (आईएसएस)

आईएसएस सर्वेक्षण के तहत सभी गतिविधियों को डिजिटाइज करने के लिए आईसीएआर-आईएसएसआरआई के सहयोग से एक सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है, जिसमें घरों से एमएलपी डेटा एकत्र करने के लिए एक वेब पोर्टल तथा एक एंड्रॉइड एप्लिकेशन 'ईएलआईएसएस' शामिल है. यह विकास एकत्रित डेटा की समयबद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करेगा. 2021-22 के दौरान, आईएसएस योजना के तहत एंड्रॉइड एप्लिकेशन के माध्यम से डेटा एकत्र किया गया था.

पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (एएचआईडीएफ)

प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत अभियान प्रोत्साहन पैकेज में ₹ 15,000 करोड़ के पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (एएचआईडीएफ)

उत्कृष्ट उपलब्धि

- दुनिया में पहली बार भैंसों के डीएनए आधारित चयन के लिए सम्पूर्ण जीनोम अनुक्रमण और जीनोमिक चिप को राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत वित्त पोषण की सहायता से तैयार किया गया है. इससे स्थायी रूप से भैंसों की आबादी में 2.5 प्रतिशत अधिक आनुवंशिक लाभ हुआ है. इस अनूठी पहल को इंटरनेशनल डेयरी फेडरेशन द्वारा 'इनोवेशन इन रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट-फार्मिंग' श्रेणी में डेयरी इनोवेशन अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया है.
- उच्च आनुवंशिक योग्यता (एचजीएम) वाले शुक्राणु वितरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल प्रारम्भ किया गया है. इसके माध्यम से शुक्राणु केन्द्र रोगमुक्त एचजीएम शुक्राणुओं की माँग पूरी कर सकते हैं. एचजीएम शुक्राणुओं को देश के सभी शुक्राणु केन्द्रों में ऑनलाइन वितरित किया जाता है.
- कोपेनहेगन (डेनमार्क) में 2 मई, 2022 को भारत सरकार के मत्स्य पालन पशुपालन और डेयरी मंत्रालय तथा डेनमार्क के खाद्य, कृषि और मत्स्य पालन मंत्रालय के बीच संयुक्त घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं.

की स्थापना की गई थी. इसके तहत, सभी पात्र संस्थाओं को 3 प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान प्रदान किया जाता है. अब तक बैंकों द्वारा 171 परियोजनाओं के लिए एएचआईडीएफ के तहत ₹ 3,280.37 करोड़ के सावधि ऋण के साथ ₹ 4,770.09 करोड़ मूल्य की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है.

राष्ट्रीय पशुधन मिशन

यह पहली बार है, जब केन्द्र सरकार पात्र संस्थाओं जैसे व्यक्तिगत, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), किसान सहकारी संगठनों (एफसीओ), संयुक्त देयता समूहों (जेएलजी), स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) एवं धारा 8 कम्पनियों को उद्यमिता विकास के उद्देश्य से ग्रामीण पोल्ट्री हैचरी, भेड़, बकरी और शूकर के लिए निजी प्रजनन फार्म तथा चारा एवं चारा प्रतिष्ठान स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन दे रही है. यह योजना भेड़, बकरी और शूकर तथा चारा बीज गुणन मृखला के लिए केन्द्रित नस्ल सुधार की भी परिकल्पना तैयार कर रही है.

मत्स्य विभाग की योजनाएं और कार्यक्रम

मत्स्य पालन क्षेत्र वित्त वर्ष 2021-22 में 162.48 लाख टन के रिकॉर्ड मछली उत्पादन तक पहुँच गया है और इसमें अभी भी विकास की अपार सम्भावनाएं हैं. भारत, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है, जिसकी वैश्विक उत्पादन में 8% हिस्सेदारी है और और देश के सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) में लगभग 1.09 प्रतिशत तथा और कृषि जीवीए में 6.724% से अधिक का योगदान है.

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमएमएसवाई)

पीएमएमएसवाई की शुरुआत वित्त वर्ष 2019-20 के केन्द्रीय बजट में की गई थी और बाद में भारत सरकार के कोविड-19 राहत पैकेज (आत्मनिर्भर भारत पैकेज) के हिस्से के रूप में इसकी घोषणा की गई. पीएमएमएसवाई को प्रधानमंत्री द्वारा 10 सितम्बर, 2020 को लॉन्च किया गया था.

पीएमएमएसवाई के तहत प्राप्त की गई उपलब्धियाँ

- अन्तर्देशीय मत्स्य पालन—अन्तर्देशीय मत्स्य पालन के लिए 14,417.83 हेक्टेयर तालाब क्षेत्र, 2,795 बायोफ्लॉक इकाइयाँ और 5,000 री-सर्कुलेटरी एक्वा. कल्चर सिस्टम (आरएएस), 24,294 पिंजरे एवं जलाशय तथा अन्य जल निकायों में 394.7 हेक्टेयर घेराव; 509 मछली और 4 स्कैम्पी हैचरी, अन्तर्देशीय सेलाइन-एल्कलाइन कल्चर के लिए 1,815 हेक्टेयर तालाब क्षेत्र व 12 बीज बैंक.

- समुद्री मत्स्य पालन—426 गहरे समुद्र में मछली पकड़ने की नौकाएं, 1,027 मौजूदा मछली पकड़ने के जहाजों का उन्नतीकरण, 4,250 यांत्रिक मछली पकड़ने वाले जहाजों में बायो-टॉयलेट; 1,556 मत्स्य पालन के लिए खुले समुद्री पिंजरे; 5 छोटे समुद्री फिनफिश हैचरी, खारे पानी की जलीय कृषि के लिए 325 हेक्टेयर तालाब क्षेत्र और 13 खारे पानी की हैचरी.

मत्स्य अवसंरचना विकास निधि

- मत्स्य विभाग एफआईडीएफ के तहत एनएलई द्वारा 5 प्रतिशत प्रति वर्ष से कम ब्याज दर पर रियायती धनराशि प्रदान करने के लिए 3 प्रतिशत प्रति वर्ष तक ब्याज अनुदान प्रदान करता है. एफआईडीएफ के तहत ऋण देने की अवधि 2018-19 से 2022-23 तक 5 वर्ष है और ऋण चुकाने की अधिकतम अवधि 12 वर्ष है, जिसमें मूलधन के पुनर्भुगतान पर 2 वर्ष का विलम्ब काल भी शामिल है.

किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी)

- इस अभियान के दौरान, इकट्ठा किए गए आवेदनों की मौके पर जाँच के लिए अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) द्वारा समन्वित किसान क्रेडिट कार्ड समन्वय समिति के सहयोग से हर सप्ताह जिला स्तरीय केसीसी शिविर आयोजित किए जा रहे हैं. 9 दिसम्बर, 2022 तक कुल 1,21,450 किसान क्रेडिट कार्ड मछुआरों एवं मत्स्य पालकों को जारी किए जा चुके हैं

शेष पृष्ठ 174 का

- 22. खाद्य क्षेत्र के विभिन्न उत्पादकों, निर्माताओं प्रसंस्करणकर्ताओं, निवेशकों

व नीति निर्माताओं के वृहद् सम्मेलन वर्ल्ड फूड इण्डिया 2023 का आयोजन नवम्बर 2023 में कहाँ हुआ था ?

- (A) नई दिल्ली (B) मोहाली
(C) पंचकुला (D) लुधियाना

23. भारतीय नौसेना के लिए निर्माणाधीन माहे श्रेणी के तीन एटी सबमरीन युद्धपोतों का जलावतरण दिसम्बर 2023 में किया गया है. निम्नलिखित में से किसके द्वारा इनका निर्माण किया जा रहा है ?

- (A) कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
(B) गार्डनरीच शिपबिल्डर्स लिमिटेड
(C) लार्सन एवं टुब्रो
(D) गोवा शिपयार्ड्स लिमिटेड

24. क्रिस्टीन लगाई, जिनकी गणना विश्व की सबसे शक्तिशाली महिलाओं से की जाती है, निम्नलिखित में से किसकी अध्यक्ष/प्रबन्ध निदेशक हैं ?

- (A) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)
(B) विश्व बैंक
(C) विश्व व्यापार संगठन
(D) यूरोपीय केन्द्रीय बैंक

25. फोर्ब्स पत्रिका के वर्ष 2023 के आकलन में विश्व की सबसे शक्तिशाली 100 महिलाओं की सूची में स्थान पाने वाली भारत की रोशनी नडार किस कम्पनी की चेयरपर्सन हैं ?

- (A) बायोकोन (B) एचसीएल
(C) इफोसिस (D) वीडियोकोन

उत्तरमाला

1. (C) 2. (C) 3. (D) 4. (A) 5. (C)
6. (B) 7. (B) 8. (D) 9. (D) 10. (C)
11. (A) 12. (B) 13. (A) 14. (C) 15. (D)
16. (A) 17. (B) 18. (C) 19. (D) 20. (D)
21. (C) 22. (A) 23. (A) 24. (D) 25. (B)

●●●

नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित

उपकार

उत्तर प्रदेश सब-इंस्पेक्टर पुलिस

सीधी भर्ती परीक्षा

(गत वर्षों के हल प्रश्न-पत्र सहित)

(नागरिक पुलिस, प्लाटून कमाण्डर (पीएसी),
अग्निशमन द्वितीय अधिकारी के पदों के लिए)

डॉ. लाल, जैन एवं मिश्र

Just Released



Code 2389 ₹ 525.00

उपकार प्रकाशन, आगरा-5

• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in



कि ऑपरेशन पोलो क्या है?

ऑपरेशन पोलो भारत के नव स्वतंत्र गणराज्य द्वारा 13 सितम्बर, 1948 में हैदराबाद रियासत के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का 'कोड नेम' था।

भारतीय सेना ने हैदराबाद में मार्च किया और हैदराबाद को भारतीय संघ में मिला लिया।

यह उस समय की बात है, जब 1947 में भारत के विभाजन के दौरान, रियासतें अपने क्षेत्र पर स्वयं शासन करती थीं, लेकिन वे अभी भी सहायक गठबंधन प्रणाली के अधीन थीं, जिससे ब्रिटिशों को उनके बाहरी मामलों पर नियंत्रण मिल जाता था।

किन्तु जब भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 के साथ, सहायक गठबंधन की नीति को छोड़ दिया गया और रियासतों को अपना भविष्य तय करने के लिए तीन विकल्प दिए गए कि—

1. भारत में शामिल हो जाओ।
2. पाकिस्तान में शामिल हो जाओ।
3. दोनों में से किसी में शामिल न होकर स्वतंत्र रहो।

इसके बाद 1948 तक अधिकांश रियासतें भारत में शामिल हो गई थीं, लेकिन हैदराबाद के निजाम मीर उस्मान अली शाह ने न तो पाकिस्तान और न ही भारत में शामिल होने का विकल्प चुना। हैदराबाद के निजाम, कश्मीर संघर्ष पर भारत सरकार की चिंताओं का फायदा उठाते हुए, आजादी के बाद भारत या पाकिस्तान में शामिल होने के लिए अनिच्छुक थे।

नवम्बर 1947 में हस्ताक्षरित संघर्ष विराम समझौते ने हैदराबाद और भारत के बीच एक वर्ष के लिए यथास्थिति बनाए रखी और निजामों को स्वतंत्र रूप से शासन करने की अनुमति दी। हालाँकि; बढ़ते तनाव, सीमा पार से हमले और एक स्वतंत्र राज्य स्थापित करने की इच्छा ने भारत सरकार को हैदराबाद निजाम के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए प्रेरित किया। इस ऑपरेशन में कई दिशाओं से एक सुनियोजित सैन्य अभियान शामिल थी और अंततः निजाम सेना को भारत सरकार के आगे आत्मसमर्पण करना पड़ा।

सरदार वल्लभभाई पटेल की कड़ी निगरानी में चलाया गया यह महत्वपूर्ण ऑपरेशन 17 सितम्बर, 1948 को युद्धविराम की घोषणा और 18 सितम्बर, 1948 को

प्रतियोगिता दर्पण/फरवरी/2024/186

भारत में हैदराबाद के प्रभावी नियंत्रण के रूप में समाप्त हुआ।

कि ब्रोकली, स्वास्थ्य के लिए किस प्रकार लाभदायक है ?

नए अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि ब्रोकली पेट-सम्बन्धी रोगों को दूर रखने में सहायक है। अमरीका के पेंसिलवानिया यूनिवर्सिटी के शोध दल द्वारा किए अन्वेषण के अनुसार, ब्रोकली छोटी आँत की परत की सुरक्षा में मदद करती है।

यह शोध इस बात पर आधारित था कि क्यों ब्रोकली, पत्ता गोभी और अंकुरित ब्रसेल्स जैसी सब्जियाँ सामान्य सेहतमंद भोजन का हिस्सा होने चाहिए।

शोधकर्ताओं ने पाया कि ब्रोकली में, जो अणु होते हैं उन्हें 'एरिल हाइड्रोकार्बन रिसेप्टर लिगेण्ड्स' कहते हैं और ये अणु प्रोटीन के एक किस्म एरिल हाइड्रोकार्बन रिसेप्टर (एएचआर) को छोटी आँत की परत पर जोड़ते हैं। यह आँत की कोशिकाओं की कार्य प्रणाली को प्रभावित करती है। आँतों की परत पर मौजूद कुछ निश्चित कोशिकाएं फायदेमंद जल और पोषक तत्वों को शरीर के अन्दर जाने देने में मदद करती हैं और बैक्टीरिया को उसमें प्रवेश से रोकती हैं जिससे सन्तुलन बना रहता है। इन कोशिकाओं में एंटोसाइट्स होते हैं, जो जल एवं पोषक तत्वों को अवशोषित करते हैं।

अनुसंधानकर्ताओं ने चूहों के समूह पर प्रयोग किया। सभी को 15 प्रतिशत ब्रोकली

खिलाई। वहीं दूसरे समूह वाले चूहों को ब्रोकली रहित सामान्य भोजन दिया। शोध के दौरान पाया कि जिन चूहों को ब्रोकली नहीं दी गई थी उनमें एएचआर की गतिविधि कम पाई गई थी।

कि दुनिया का 8वाँ अजूबा क्या है ?

आपने दुनिया के 7 अजूबों के बारे में तो जरूर सुना होगा, लेकिन क्या आप दुनिया के 8वें अजूबा के बारे में जानते हैं?

हाल ही में कम्बोडिया का अंकोरवाट मन्दिर, इटली के पोम्पेई को पछाड़कर दुनिया का 8वाँ अजूबा बन गया है। अंकोरवाट कम्बोडिया में एक मन्दिर परिसर है और दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक स्मारकों में से एक है। इसका निर्माण मूल रूप से खमेर साम्राज्य के लिए भगवान विष्णु को समर्पित एक हिन्दू मन्दिर के रूप में किया गया था, इसे खमेर राजा सूर्यवर्मन द्वितीय ने 12वीं सदी की शुरुआत में खमेर साम्राज्य की राजधानी यशोधरापुरा (वर्तमान अंगकोर) में अपने राज्य मन्दिर के रूप में बनवाया था। यद्यपि 12वीं शताब्दी के अंत तक यह एक बौद्ध विहार में बदल दिया गया।

एक अद्भुत इमारत होने के अलावा, अंकोरवाट कई लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। लोग आज भी इसका उपयोग धार्मिक उद्देश्यों के लिए करते हैं। बौद्ध भिक्षु और अनुयायी इस स्थान के प्रति अपना सम्मान दर्शाते हुए प्रार्थना और ध्यान करने के लिए आते हैं। ●●●

दुनिया के 8 अजूबों की सूची

| 8 अजूबे | उनकी अवस्थिति | विवरण |
|----------------------|------------------------|--|
| 1. कोलोजियम | रोम, इटली | गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार यह दुनिया का सबसे बड़ा एम्फीथिएटर भी है। |
| 2. माचू पिचू | कुज्को क्षेत्र, पेरू | इसे 15वीं शताब्दी में सम्राट पचकुटी के लिए इंकान एस्टेट के रूप में बनाया गया था। |
| 3. पेट्रा | मान, जॉर्डन | चट्टान को काटकर बनाया गया एक चमत्कारिक शहर 312 ईसा पूर्व में बनाया गया था। |
| 4. ताज महल | आगरा, भारत | मुगल बादशाह शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज महल की मृत्यु की याद में एक आश्चर्यजनक मकबरा बनवाया। |
| 5. क्रिस्टो रेडेंटोर | रियो डी जनेरो, ब्राजील | इसकी भुजाएं 92 फीट (28 मीटर) चौड़ी और 98 फीट (30 मीटर) लम्बी हैं। |
| 6. चीन की महान दीवार | चीन | इसकी लम्बाई 6,259 किमी (3,889 मील) है। |
| 7. विचेन इत्जा | युकाटन, मेक्सिको | यह माया पिरामिड क्रिस्टोफर कोलम्बस से कई 100 वर्ष पहले बनाया गया था। |
| 8. अंकोरवाट मन्दिर | कम्बोडिया | राजा सूर्यवर्मन द्वितीय द्वारा 12वीं शताब्दी में निर्मित, मूल रूप से हिन्दू देवता भगवान विष्णु को समर्पित। |

●●●



प्रश्न—सिम्यूटर क्या है और इसकी क्या उपयोगिता है?

उत्तर—गाँवों तक कम्प्यूटर पहुँचाने में क्रान्तिकारी भूमिका निभाने हेतु इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस ने 'सिम्यूटर' नामक छोटे आकार का कम्प्यूटर विकसित किया है।

हथेली के आकार का यह कम्प्यूटर मौजूदा 'पामटॉप' की तुलना में सस्ता होने के साथ-साथ कई गुना मेमोरी और क्षमताएं रखता है। सिम्यूटर की विशेषताएं, भारतीय ग्रामीण जरूरतों के ठीक अनुरूप हैं। यह बहुभाषी भी है। यह न केवल अंग्रेजी, हिन्दी, कन्नड़ और तमिल में लिखित सामग्री प्रस्तुत कर देता है, बल्कि उसे पढ़ भी देता है यह टचस्क्रीन कम्प्यूटर है यानी इसमें कुंजीपटल की जरूरत नहीं होती है।

प्रश्न—महासागरीय धारा क्या है?

उत्तर—महासागरीय जल के मध्य से होकर धारा उसी प्रकार प्रवाहित होती है जैसे स्थलीय भागों में नदियाँ। किसी धारा के दोनों किनारों पर अपेक्षाकृत स्थिर तथा भिन्न तापमान वाली जलराशियाँ होती हैं। समुद्री धाराएं उष्ण या गर्म (warm) अथवा शीतल या ठंडी (cold) दो प्रकार की होती हैं। उष्ण धारा वह होती है जिसके जल का तापमान उसके किनारे के सागरीय जल के तापमान से अधिक होता है। इसके विपरीत शीतल धारा में जल का तापमान किनारे के सागरीय जल के तापमान से कम होता है। सामान्यतः निम्न अक्षांशों से उच्च अक्षांशों की ओर गर्म धाराएं और उच्च अक्षांशों से निम्न अक्षांशों की ओर शीतल धाराएं प्रवाहित होती हैं। गल्फस्ट्रीम, क्यूरोशिओ, ब्राजील धारा आदि उष्ण धाराएं हैं, जबकि लैब्राडोर धारा, कनारी धारा, क्यूराइल धारा, पीरू धारा आदि शीतल धारा के उदाहरण हैं।

प्रश्न—क्या रामपत्री कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करती है?

उत्तर—रामपत्री भारत के पश्चिमी तटीय क्षेत्र में पाया जाने वाला पौधा है। इसे पुलाव में सुगंध के लिए, मसाले के रूप में, मिलाया जाता है। भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बार्क) द्वारा रामपत्री से बनाई गई कैंसर की दवा का परीक्षण हो चुका है। यह दवा कैंसर के निदान में प्रभावी है।

'रामपत्री' में कैंसर कोशिकाएं नष्ट करने की क्षमता : 'न्यूरोब्लास्टोमा' एक ऐसा

कैंसर है जिसमें वृक्क ग्रंथियों, गर्दन, सीने और रीढ़ की नर्व कोशिकाओं में कैंसर कोशिकाएं बढ़ने लगती हैं। इस दवा को ईजाद करने वाले बार्क के विकिरण एवं स्वास्थ्य विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. बिरिजा शंकर पात्रो ने बताया कि 'रामपत्री' फल के अणुओं में कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने की क्षमता होती है। यह विकिरण के चलते बेकार हुई कोशिकाओं को भी दुरुस्त करने में मदद करते हैं।

'रेडियो मॉडिफाइर' नाम से दवाएं बनाई : बार्क कई वर्षों से औषधीय एवं मसालों के लिए इस्तेमाल होने वाले पौधों के अणुओं से कैंसर की दवा बनाने के काम में लगा था। कैंसर की दवाओं की खोज की कड़ी में मुम्बई के अणुशक्ति नगर स्थित केन्द्र ने 'रेडियो प्रोटेक्टर' और 'रेडियो मॉडिफाइर' नाम से दवाएं बनाई हैं।

यह दवा रेडिएशन थेरेपी में सामान्य कोशिकाओं की रक्षा करती है : बार्क के विकिरण एवं स्वास्थ्य विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक संतोष कुमार संदूर ने बताया कि यह औषधि रेडिएशन थेरेपी के दौरान शरीर की सामान्य कोशिकाओं की रक्षा करने में मदद करती है। उन्होंने बताया कि यदि परमाणु दुर्घटना की चपेट में आए किसी व्यक्ति को चार घण्टे के भीतर यह दवा दे दी जाए, तो उसके जीवन की रक्षा की सकती है।

प्रश्न—स्केलेटेक्स क्या है और इसकी क्या उपयोगिता है?

उत्तर—लंदन स्थित शैफील्ड विश्व-विद्यालय के अणु जैविकीविद डॉ. ब्रेडले स्टिंगर ने विश्व में पहली बार मानव कोशिकाओं से स्केलेटेक्स नामक मसाला तैयार किया है, जो हड्डियों की मरम्मत में अधिक सुरक्षित व टिकाऊ भी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि जब क्षतिग्रस्त हड्डियों के चारों ओर यह कोशिकीय मसाला भरा जाता है, तो हड्डियों में फिर से वृद्धि और मरम्मत का काम अपने आप होने लगता है। स्केलेटेक्स को बनाने में कोशिकाओं का प्रयोग केवल शुरू में किया जाता है। इन कोशिकाओं को परखनली में पनपाया जाता है और फिर इसमें से एक विशेष पदार्थ अलग किया जाता है। पदार्थ बहुत ही जटिल होता है और इसमें प्रोटीन तथा अस्थिवर्धक सामग्री का मिश्रण होता है।

प्रश्न—वोलप्लेक्स क्या है?

उत्तर—यह एक प्रकार का कृत्रिम प्लाज्मा है, जो जीवाणु और किसी अन्य रोगाणु से मुक्त है। इसे गाय के कोलाजेन ऊतक से प्राप्त जिलेटिन से बनाया गया है। इसे रासायनिक दृष्टि से रूपांतरित करके तरल स्वरूप प्रदान कर मरीजों में आसानी से चढ़ाया जा सकता है। यह प्लाज्मा विशेष रूप से उन विकासशील देशों के लिए बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगा, जहाँ अस्पतालों, दुर्घटना के शिकार मरीजों, आपातकालीन विभागों, गहन परिचर्चा कक्षां,

एम्बुलेंसों और क्लिनिकों वगैरह में खून की काफी जरूरत पड़ती है और इतना खून मिलता नहीं है।

प्रश्न—लाल वर्षा का कारण क्या है?

उत्तर—अनेक भौतिक, रासायनिक एवं जैविक परीक्षणों से पता चला है कि लाल वर्षा, जल में बढ़ी संख्या में जैव कोशिकाओं तथा अन्य विभिन्न तत्वों, जैसे—कार्बन सिलिकॉन, एल्युमीनियम, कैल्सियम, क्रोमियम, फॉस्फोरस तथा कार्बनिक पदार्थ पाए जाते हैं, जबकि साधारण वर्षा जल ये सभी तत्व नहीं होते हैं।

नई खोज के अनुसार, प्राकृतिक आपदाओं के कारण पृथ्वी के क्रस्ट से बहुत सारे बायोगैस मुक्त होकर वायुमण्डल में मिल जाते हैं। हैक्सावैलेंट क्रोमियम, इन बायोगैसों से मिलकर वायुमण्डल में आवेश रहित हो जाता है। लाल वर्षा जल में उपस्थित क्रोमियम जैव कोशिकाओं में विलीन हो जाती है। यही परिवर्तन जल व जैव कोशिकाओं को लाल कर देता है। लाल वर्षा जल के नमूने में जल तथा जैव कोशिकाएं धीरे-धीरे अपना रंग परिवर्तित करती हैं। यदि प्राकृतिक जैव कोशिकाएं लाल जल का कारण होता, तो जल तथा जैव कोशिकाओं का लाल रंग कम न हो पाता, जबकि हैक्सावैलेंट क्रोमियम से प्रदर्शित रासायनिक रंग के कम होने का कारण फोटोकेमिकल प्रतिक्रिया है।

हेक्सावैलेंट क्रोमियम फेफड़ों में कैंसर पैदा करके स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक बना देता है। जल में विलेय हेक्सावैलेंट क्रोमियम का लवण उसकी कम प्रभाविकता के कारण कैंसर के निर्माण में वृद्धि कर सकता है।

प्रश्न—चैटबॉट्स (Chatbot) क्या है?

उत्तर—चैटबॉट्स कम्प्यूटर प्रोग्राम हैं जिन्हें आमतौर पर टेक्स्ट आधारित इंटरफेस जैसे—मैसेजिंग एप या वेबसाइट्स के माध्यम से मानव उपयोगकर्ताओं के साथ बातचीत का अनुकरण करने के लिये डिजाइन किया गया है। एक तरीके से कहा जा सकता है कि चैटबॉट एक सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन है जिसका उपयोग लाइव मानव एजेंट (Live Human Agents) के साथ सीधे सम्पर्क प्रदान करने के बदले टेक्स्ट या टेक्स्ट-टू-स्पीच के माध्यम से ऑन-लाइन चैट वार्तालाप करने के लिए किया जाता है। चैटबॉट्स प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (Natural Language Processing—NLP) और मशीन लर्निंग एल्गोरिदम के उपयोग के माध्यम से उपयोगकर्ता इनपुट को समझकर मानव संचार प्रक्रिया की नकल करते हैं।

ग्राहक सेवा में सुधार और दोहराव वाले कार्यों को स्वचालित करने के लिये खुदरा व्यापार, स्वास्थ्य देखभाल, वित्त और मनोरंजन सहित विभिन्न प्रकार के उद्योगों में उनका उपयोग किया जाता है। चैटबॉट्स दो प्रकार के होते हैं—(i) Rule-Based Chatbot, (ii) AI-Based Chatbot. ●●●

गलतियाँ खोज का स्रोत

डॉ. राजीव कुमार सिंह

मनुष्य जीवन-पर्यंत अपने किसी-न-किसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रयासरत रहता है। मनुष्य द्वारा किए जाने वाले प्रयासों के दौरान उसके इच्छित फल की प्राप्ति न होकर कई बार कोई भिन्न कार्य हो जाते हैं, तथा मनुष्य अपने इच्छित फल की प्राप्ति से वंचित रह जाता है। साधारणतया, इसे ही उस व्यक्ति द्वारा की गई गलती की संज्ञा दी जाती है। मनुष्य द्वारा यह गलती जाने या अनजाने में हो जाती है, जिसका प्रतिफल उसकी इच्छा के अनुरूप नहीं हो पाता है। किन्तु यह भी सच है कि अपनी प्रत्येक गलती के कारण इंसान चोट खाता है और उससे कुछ-न-कुछ नया सीखता भी है। इस संसार में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जिसने अपने जीवनकाल में कोई-न-कोई गलती न की हो। पर सच पूछा जाए, तो इंसान द्वारा की गई गलती तथा उस गलती के परिणामस्वरूप उसे लगने वाली ठोकर उसे अपने भावी जीवन के लिए एक ऐसे रास्ते की तलाश की ओर उन्मुख कर देती है, जो उसे इच्छित मंजिल तक पहुँचा देता है। गलतियों से सबक लेकर इंसान एक ऐसी युक्ति की खोज में लग जाता है जो भविष्य में उसकी सफलता का स्रोत बन जाता है। अतः यह कहना उचित है कि गलतियाँ ही वे माध्यम हैं, जो समस्या-समाधान की खोज का स्रोत बन जाती हैं।

प्रायः प्रत्येक गलती के पश्चात् मनुष्य का खोजी स्वभाव उसे अपनी समस्या-समाधान के लिए नए तरीकब की तलाश करने हेतु उसकी इच्छा को कई गुना बढ़ा देता है और वह अपनी इसी इच्छा-शक्ति के कारण अपने द्वारा की गई गलतियों को समस्या-निवारण रूपी स्रोत की खोज के रूप में तब्दील करना शुरू कर देता है, किन्तु यह भी सच है कि कुछ ऐसे लोग भी आपको मिल जाएंगे जो स्वयं द्वारा की गई किसी गलती को जीवन में बार-बार दोहराते रहते हैं। फलस्वरूप, ऐसे लोग अपनी गलतियों की पुनरावृत्ति के कारण अपनी मंजिल से दूर हो जाते हैं। आइए, अब चंद शब्दों में समझते हैं कि गलतियाँ हमारे लिए खोज का स्रोत कैसे बन जाती हैं ?

मनुष्य का जिज्ञासु स्वभाव एवं उसकी दृढ़ इच्छा-शक्ति

इस पृथ्वी पर विद्यमान समस्त प्राणियों में मनुष्य एक विशिष्ट प्राणी है। मनुष्य के

अन्दर सोचने, समझने, विश्लेषण करने एवं निर्णय लेने सम्बन्धी अनेक भावनात्मक गुण मौजूद हैं। इस भौतिक जगत् में प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता और योग्यता के अनुरूप लक्ष्य का निर्धारण कर अपने कर्म के माध्यम से इच्छित फल प्राप्त करना चाहता है। इसके लिए मनुष्य कठिन-से-कठिन परिश्रम करता है। हालाँकि, मनुष्य की जिदगी में ऐसे पड़ाव भी आते हैं, जब वह किसी-न-किसी गलती का शिकार हो जाने के कारण वांछित सफलता से दूर हो जाता है। किन्तु, विवेकशील मनुष्य अपनी जिज्ञासा का परित्याग नहीं करते, और वे अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति के सहारे अपने सपने को साकार करने के लिए पूर्ववर्ती गलती या कमी में सुधार कर एक नए मार्ग का सृजन करना शुरू कर देते हैं, और यही नया मार्ग उन्हें सफलता की मंजिल तक पहुँचा देता है। दूसरे शब्दों में, गलतियाँ हमें अनुभव देती हैं। मनुष्य अपनी गलतियों से सीख लेकर अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति के आलंबन के सहारे, अपनी विफलता को सफलता में बदलने के लिए नए स्रोत का अनुसंधान शुरू करता है। मनुष्य अपने अन्दर समाहित असीम प्राकृतिक शक्तियों का उपयोग, उस स्रोत की खोज के लिए करना शुरू कर देता है, जो निश्चय ही एक दिन उसे शिखर तक पहुँचा देती है।

हमारा इतिहास ऐसे अनेक महापुरुषों के वृत्तांतों से भरा पड़ा है, जिन्होंने अपनी गलतियों से सबक लेते हुए, उन्हें खोज के स्रोत के रूप में तब्दील कर अपनी सफलता की नई कहानी गढ़ी है। वास्तव में, ये गलतियाँ ही तो हैं, जिसमें सफलता के नए स्रोत छुपे होते हैं। ये गलतियाँ ही हैं, जिसमें सफलता के नवीन एवं अनुपम स्रोत अदृश्य रूप में अंतर्निहित होते हैं। विवेकशील मनुष्य अपनी अन्तर-दृष्टि, दृढ़ इच्छा शक्ति एवं लगनशीलता के सहारे उस स्रोत की खोज कर उसे अपनी सफलता की सीढ़ी के तौर पर उपयोग करता है।

मेवाड़ के वीर योद्धा महाराणा प्रताप को कौन नहीं जानता है, जिन्हें 1576 ई. में हल्दीघाटी की लड़ाई में मुगल बादशाह अकबर के साथ लड़ते हुए काफी नुकसान उठाना पड़ा। एक गलती के कारण महाराणा प्रताप के अनेक वीर सैनिक शहीद हो गए, क्योंकि महाराणा प्रताप ने मेवाड़ के मैदानी

भागों में तोपों से लैस अकबर की विशाल सेना का सामना किया, परन्तु महाराणा प्रताप अपनी गलती को तुरन्त समझ गए। उन्हें इस तथ्य का एहसास हो गया कि युद्ध का समतल मैदानी क्षेत्र उनकी सफलता में सबसे बड़ा बाधक है। इसके बाद, महाराणा प्रताप ने दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों की ओर अपना रुख किया और अपनी नई युद्ध नीति का संचालन पहाड़ी क्षेत्रों से ही प्रारम्भ किया। उन्होंने अकबर के साथ युद्ध करने के लिए दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों को इसलिए खोजा, क्योंकि उन्हें मालूम हो गया कि दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र उनकी सफलता की ताकत बन सकते हैं। यह महाराणा प्रताप की 'गलती' ही तो थी, जोकि उन्हें मैदानी क्षेत्र को छोड़कर दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में अकबर की विशाल सेना के साथ युद्ध करने के लिए 'छापामार युद्ध पद्धति' नामक युद्ध कौशल विकसित करने के लिए उन्हें अंतर्दृष्टि प्रदान की इतना ही नहीं, महाराणा प्रताप को अपनी 'गलती' से मिली सबक के फलस्वरूप, यह उनकी 'खोज' ही तो थी, जिसके कारण अगले 10 वर्षों तक वे मुगल बादशाह की विशाल सेना से लड़ते रहे और निरन्तर सफलता प्राप्त करते रहे।

दुनिया को रोशनी का तोहफा देने वाले महान वैज्ञानिक थॉमस एल्वा एडिसन को कौन नहीं जानता है ? बल्ब के आविष्कार की प्रक्रिया के दौरान एडिसन ने अपनी तमाम गलतियों एवं विफलताओं को एक सकारात्मक तरीका समझा और उन गलतियों को अपनी नई खोज के स्रोत के रूप में स्वीकार किया। एडिसन की यह महान् उपलब्धि आज पूरी दुनिया के लिए एक अनुपम उपहार है।

इतना ही नहीं, एक समय की घटना है जब महान् वैज्ञानिक और नोबल पुरस्कार विजेता लुई पाश्चर ने गलती से सीख लेकर अपने अनुसंधान की दिशा को बदल दी और अपनी इस गलती को खोज का स्रोत बनाते हुए अपनी नई प्राथमिकताएं स्थापित कर आधुनिक जीव विज्ञान में अति महत्वपूर्ण योगदान दिया।

महान् टेक्नोक्रेट स्टीव जॉब्स के साथ घटित हुई वह घटना भी उल्लेखनीय है जब उन्हें उनकी पूर्व मैनेजमेंट कम्पनी एप्पल ने उनकी एक गलती के कारण उन्हें बाहर की रास्ता दिखा दिया था, किन्तु स्टीव जॉब्स ने अपनी गलती को खोज का स्रोत बना दिया और 'मैकिटोश' नामक विशिष्ट कम्प्यूटर बना दिया। वे अपनी पूर्ववर्ती गलती को अवसर में बदलते हुए पुनः एप्पल जैसी कम्पनी में वापस आकर 'मैकिटोश' की एक नई पीढ़ी तैयार कर दी।

इस प्रकार उपर्युक्त दृष्टांतों से हम पाते हैं कि कर्मण्य लोगों ने अपनी-अपनी गलतियों को अपने खोज के लिए एक मंच के रूप में उपयोग किया और सफलता की

नई लकीर खींचकर मिसाल स्थापित की। यह उनकी जिज्ञासा और दृढ़ इच्छा शक्ति का ही परिणाम रहा कि वे अपनी गलतियों को खोज का स्रोत बनाकर नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर सके। ये तो सिर्फ कुछ ही उदाहरण हैं, वास्तव में गलतियों को अपनी खोज का स्रोत बनाने वाले कर्मठ विभूतियों की बृहत संख्या मौजूद है, जो हमें प्रेरणा देती है कि गलतियों का प्रभाव हमारी मनोदशा एवं हमारी सोच पर निर्भर करता है। हमारे भीतर ऐसी प्रतिभा-शक्ति निहित है जिसके बल पर हम नकारात्मक प्रभाव को नई खोज का स्रोत बनाकर अनूठा सृजन कर सकते हैं।

गलतियों से लेकर खोज तक का सफर

जैसा कि हमने देखा, महाराणा प्रताप से लेकर एडिसन, लुई पाश्चर और स्टीव जॉब्स जैसे महान् व्यक्तियों को सफलता अकस्मात् नहीं मिली। इन्होंने अपनी-अपनी गलतियों को खोज का स्रोत बनाकर इन्हें अवसर में बदल दिया। इन्होंने अपने प्रयासों के दौरान हुई गलतियों से अनुभव एवं सीख प्राप्त कर, अपनी असफलताओं की दुर्गम घाटियों को पार करते हुए अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया। वास्तव में, 'गलती' शब्द में ही 'नवीन खोज' रूपी शक्ति अंतर्निहित होती है। जब हमारा इरादा नेक एवं उद्देश्य स्पष्ट होता है तो हमारी गलती भी हमारे लिए ताकत बन जाती है। हम इस बात पर गम्भीरतापूर्वक विचार करके देखें कि यदि कोई व्यक्ति कभी कोई गलती न करे, तो क्या वह कभी नई चीज सीख सकता है? इतना ही नहीं, वह व्यक्ति जीवन के अनेक अनुभवों से वंचित भी रह जाएगा। किसी कार्य के दौरान हुई गलती से लेकर उस गलती को खोज का स्रोत बनाने से सफर तक मनुष्य को विनम्रता, धैर्यशीलता, सहनशीलता एवं प्रतिकूल परिस्थितियों में सामंजस्य के साथ कार्य निष्पादन करने की कला में निर्पुण होना अत्यावश्यक है। भविष्य की विकट चुनौतियों का सामना करने के लिए भी गलतियों से शिक्षा लेकर उन्हें खोज का साधन बनाना आवश्यक होता है। कहा भी गया है कि—

“गलतियाँ हमें निराशा जरूर करती हैं, किन्तु हमारे अनुभव को कई गुना बढ़ा देती हैं।”

दार्शनिकों ने मानव जीवन को संघर्ष कहा है और परिश्रम को ही समस्त सफलताओं का साधन माना है। श्रीमद्भगवद् गीता में भी कर्म को प्रधानता दी गई है और कर्म के अनुसार ही फल की प्राप्ति सुनिश्चित की गई है। जो व्यक्ति अपने कर्म से विमुख हो जाता है, उसके लिए सफलता मृग-मरीचिका के समान हो जाती है। आज जो लोग सफलता के पायदान पर खड़े हैं, सम्भव है

उन्होंने अनेक गलतियों की होंगी और अनेक विफलताओं का सामना किया होगा। बावजूद इसके, ऐसे लोग अपनी गलतियों को अपने राह का रोड़ा नहीं बनने देते और इन्हें एक नई खोज का स्रोत के रूप में स्वीकार कर अपने मुकाम को हासिल करते हैं। ऐसे महान् लोगों के लिए इनकी गलतियाँ इन्हें पथ प्रदर्शन करती हैं।

गलतियाँ हमारे अहंकार को समाप्त भी करती हैं और हमें विनम्रता के साथ नई शुरुआत करने की प्रेरणा भी देती हैं। इसलिए, विवेकी मानव गलतियों को कभी भी अभिशाप नहीं मानते, वे इन्हें सफलता प्राप्ति के स्रोत के रूप में सहर्ष स्वीकार करते हैं। ऐसे व्यक्ति अपनी गलतियों के पश्चात् अपने दृष्टिकोण एवं अपनी कार्य-शैली में परिवर्तन कर लक्ष्य प्राप्ति के लिए नई युक्ति की खोज आरम्भ कर देते हैं। यह वही समय होता है जब आमतौर पर साधारण लोग अपनी गलतियों से घबराकर अपने भाग्य को कोसना शुरू कर देते हैं। और विषादग्रस्त होकर निष्क्रिय होने लगते हैं। ऐसे लोग अपनी गलतियों से सबक लेकर कुछ नया करने की बजाए अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं। किन्तु ठीक इसके विपरीत, कर्मशील व्यक्ति अपनी गलतियों को सम्यक् सहारा मानते हुए बड़ी-से-बड़ी बाधा को पार कर लेने का हौसला प्राप्त कर लेते हैं। उनके लिए लक्ष्य की साधना में ये गलतियाँ समस्या-समाधान के लिए नई तकनीक की खोज का स्रोत बन जाती हैं।

गलतियों से शिक्षा प्राप्त करने के लिए आत्मावलोकन एवं आत्म-विश्लेषण अत्यावश्यक है। हमें अपनी कमियों एवं खामियों को जानकार उनका यथोचित निराकरण शुरू कर देना चाहिए। हमें सदैव इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि गलतियाँ होना और अपने प्रयासों में विफल रहना कोई बुरी बात नहीं है, बुरी बात तो यह है कि हम एक ही गलती को बार-बार दोहराते रहते हैं। इस संदर्भ में मिसाइल मैन एवं भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम कि पंक्तियाँ हमारे लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने कहा था कि “हमें अपनी प्रत्येक गलती से सबक लेनी चाहिए, अपनी मुश्किलों से सीखकर अपने भविष्य के लिए हमें अपने आप को तैयार करना चाहिए। हमें अपनी असफलताओं से कभी घबराना नहीं चाहिए, बल्कि हमेशा याद रखना चाहिए कि हमारे द्वारा की गई प्रत्येक गलती हमें आत्म निरीक्षण का अवसर प्रदान करती है।”

प्रत्येक व्यक्ति अपनी गलतियों एवं कमियों से भली-भाँति अवगत होता है। अतः उसे अपनी कमियों और गलतियों को सुधारने के लिए भरपूर प्रयास करने चाहिए, लेकिन अमूमन होता इसके विपरीत है। कोई गलती हो जाने या किसी कार्य में विफल हो जाने पर प्रायः हम अपनी गलती सुधार

करने की जगह दोषारोपण एवं बाह्य कारणों को जिम्मेदार ठहराना शुरू कर देते हैं और इस प्रकार गलतियों से मिलने वाली शिक्षा से हम अपने आप को वंचित कर लेते हैं। फलतः, भविष्य में भी हम उसी गलती की पुरावृत्ति करते रहते हैं उसे पुनः अपने निर्धारित लक्ष्य से विमुख हो जाते हैं। हमारे पौराणिक ग्रंथों में भी गलती सुधार पर लक्ष्य प्राप्ति हेतु सतत् रूप से प्रयत्नशील रहने के लिए उपदेशित किया गया है। कुरुक्षेत्र के धर्म-युद्ध में भी भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दुविधा एवं गलत निर्णय को त्याग कर सतत् कर्म करने की शिक्षा दी थी। हमारे ग्रंथों में निहित 'अभ्यासात् सिद्धि' जैसे श्लोक सतत् रूप से कर्मठ बने रहने एवं गलतियों को सुधार कर सिद्धि प्राप्त करने हेतु प्रेरित करते हैं।

निष्कर्ष

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि गलती चाहे जाने या अंजाने में हुई हो, वे हमेशा नई राह की खोज का स्रोत होती हैं। हमें अपनी पूर्ववर्ती अनुभवों को आगामी जीवन की रूपरेखा तैयार करने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए। अपनी गलतियों का बारीक विश्लेषण करते हुए उन्हें अपनी तरक्की एवं वांछित उद्देश्य की पूर्ति के लिए साधन की खोज के रूप में उपयोग करना चाहिए, क्योंकि गलतियाँ हमारे नए दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायक होती हैं। हमें अपनी जटिल जीवन यात्रा को सुगम बनाने के लिए अपनी गलतियों को खोज का स्रोत बनाना ही होगा, अन्यथा हमारी गलतियाँ हमें लक्ष्य से दूर कर देगी, हमारा मन अनंत शक्तियों का स्रोत है, उसे कभी भी हीन भावना का शिकार न होने दें। हमें अपने मन की अपरिमित शक्ति को पहचान कर अपनी क्षमताओं के प्रति आशान्वित रहना चाहिए, तभी हम अपनी गलतियों को भी अवसर में तब्दील कर पाएंगे, कहा भी गया है कि “नाभिषेको न संस्कारो सिंहस्य क्रियते मृगे, विक्रमार्जित राजस्य स्वमेव मृगेंद्रता”, अर्थात् वन में जीवों द्वारा सिंह का न तो अभिषेक किया जाता है और न ही कोई संस्कार सम्पन्न होता है, बल्कि वह अपने पराक्रम से स्वयं राजा बनता है। मनुष्य को भी अपनी गलतियों एवं विफलताओं से हार न मानते हुए इन्हीं में अपनी सफलता एवं उन्नति के स्रोतों की खोज करनी चाहिए। हमें यह दृढ़तापूर्वक स्वीकार करना ही होगा कि हमारी गलतियों में ही सफलता के बीज अंतर्निहित हैं। निराशावादी, उदासीनता एवं निष्क्रियता जैसी व्याधि हमें हमेशा लक्ष्य से भटका देती है। इस दुनिया में जितने भी महान् लोग हुए हैं, सभी ने इन व्याधियों पर विजय प्राप्त की है और अपनी 'गलतियों' को खोज का स्रोत बनाने में सफलता प्राप्त किए हैं। इसलिए निःसन्देह 'गलतियाँ खोज का स्रोत हैं।' ●●●



प्रतियोगिता दर्पण

हिन्दी मासिक



निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक-533 का परिणाम

विषय : "गलतियों खोज का स्रोत"

प्रथम डॉ. राजीव कुमार सिंह
क्वार्टर नं. 10, ब्लॉक-19
पुष्प विहार, सेक्टर-1
नई दिल्ली-110017

द्वितीय प्रभाष पाठक
सांख्यिकी पदाधिकारी
नीलकंठ नगर, तिलकामाझी
भागलपुर (बिहार)
पिन-812001

तृतीय महेंद्र किरार (पटवारी)
ग्राम-बरोड़िया
पो.-परौठ
जिला-गुना (म.प्र.)
पिन-473105

अन्य प्रशंसनीय प्रयास

1. आशीष अम्बर
C/o सुरेश कुमार प्रसाद
ग्राम+पोस्ट-रमनीरामपुर
(छतवन)
जिला-दरभंगा (बिहार)
पिन-847337
2. जितेन्द्र कुमार सिंह रावत
C/o धर्मकाँटा, अनाज मंडी
सुन्देरा रोड, सबलगढ़,
जिला-मुरैना (म. प्र.)
पिन-476 229
3. संजय प्रसाद
S/o स्व. जगदेव प्रसाद
पोस्ट-चाकंद बाजार
जिला-गया, (बिहार)
पिन-804404

4. पूर्ति गुप्ता
बदायूँ (उ. प्र.)
5. सूर्य कुमार
कैटोनमेंट
अहमदनगर (महाराष्ट्र)
पिन-414002



प्रथम



द्वितीय



तृतीय

उपर्युक्त प्रशंसित निबन्ध प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की ₹ 300 मूल्य तक की वांछित पुस्तक/पुस्तकें भेंटस्वरूप प्रदान की जाएगी. कृपया अपनी पसंद की पुस्तक अलग से प्रकाशक के नाम पत्र द्वारा सूचित करें. यदि ₹ 300 से अधिक मूल्य की पुस्तक की माँग की गई, तो उसके मूल्य में से ₹ 300 पुरस्कारस्वरूप कम कर दिए जाएंगे.

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक-217 का सर्वशुद्ध हल एवं पुरस्कार विजेता

प्रतियोगिता के नियमानुसार प्रवेश प्रारूप-पत्र पर प्राप्त हलों के परीक्षण के उपरान्त निम्नलिखित प्रतियोगी पुरस्कार प्राप्त करने में सफल हुए हैं. 'प्रतियोगिता दर्पण' उनकी सफलता पर शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है तथा उनकी खोजपूर्ण प्रवृत्ति के प्रति आभार व्यक्त करती है.

पुरस्कृत विजेता

- प्रथम पुरस्कार** अब्दुल जब्बार अंसारी
C/o मो. जाहिद हुसैन
मोहल्ला-धरमपुर
पोस्ट+जिला-समस्तीपुर (बिहार) पिन-848 101
- द्वितीय पुरस्कार** अरविन्द कुमार चौधरी S/o श्री श्यामलाल
सुधा कलेक्शन के पास,
गाँव+पोस्ट-फुलवारियाँ, कैण्ट
वाराणसी (उ. प्र.) पिन-221 106
- तृतीय पुरस्कार** संजय प्रसाद (शिक्षक)
S/o स्व. जगदेव प्रसाद
गाँव-रिसौद, पोस्ट-चाकंद बाजार
जिला-गया (बिहार) पिन-804 404

सर्वशुद्ध हल

1. (D) 2. (D) 3. (A) 4. (A) 5. (A) 6. (B) 7. (D)
8. (D) 9. (B) 10. (A) 11. (C) 12. (A) 13. (D) 14. (A)
15. (C) 16. (B) 17. (C) 18. (D) 19. (B) 20. (C) 21. (B)
22. (A) 23. (A) 24. (A) 25. (A) 26. (B) 27. (B) 28. (C)

उपकार

प्रेक्टिस सैट एवं सॉल्व्ड पेपर्स



उत्तर प्रदेश सब-इंस्पेक्टर पुलिस सीधी भर्ती परीक्षा

(पुरुष/महिला)

- नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित
- परीक्षा सम्बन्धी सभी खण्डों पर वस्तुनिष्ठ प्रश्न
- अभ्यास के लिए 16 प्रैक्टिस सैट
- वर्ष 2021 व 2017 के हल प्रश्न-पत्र (नागरिक पुलिस, प्लाटून कमाण्डर (पीएसी), अग्निशमन द्वितीय अधिकारी के पदों के लिए)



कोड : 2669

मूल्य : ₹ 299.00

उपकार प्रकाशन, आगरा-5

• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

TEST
RANGE

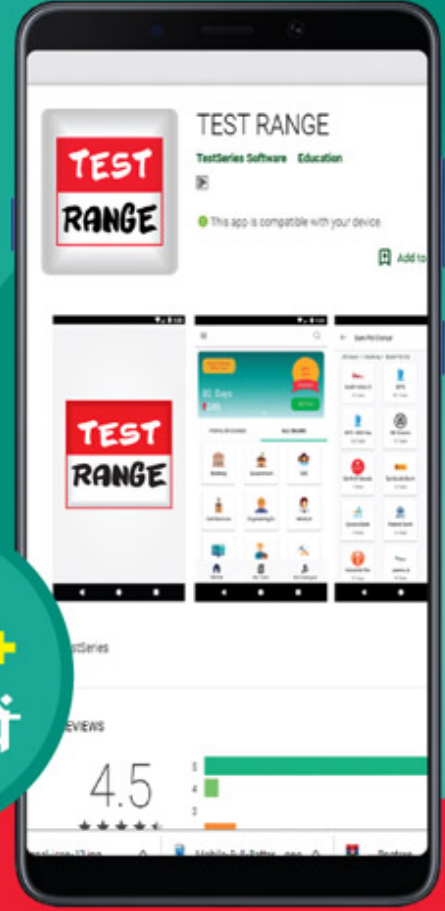
TEST RANGE

अभ्यास | विश्लेषण | सुधार

नवीनतम पैटर्न पर आधारित
भारत का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट
सीरीज एप

टेस्ट अंग्रेजी व हिन्दी
भाषा में उपलब्ध

800+
परीक्षायें



Test Range

ऑनलाइन टेस्ट सीरीज के परीक्षार्थियों के लिए उपयोगिता



नवीनतम
पाठ्यक्रम

- वास्तविक परीक्षा के अनुरूप अनुभव
- मूल परीक्षा के पैटर्न व नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित
- चैप्टर एवं खण्ड के अनुरूप टेस्ट



बेहतर
अभ्यास

- बेहतर अभ्यास के लिए पूर्व वर्षों के प्रश्न-पत्रों का संकलन
- ग्राफिकीय ढंग से अभ्यर्थी के किसी टेस्ट में सबल व निर्बल पक्ष का विश्लेषण कर उसे अवगत कराना



तथ्यपरक
विश्लेषण

- शॉर्टकट एवं व्याख्यात्मक तरीकों से सभी प्रश्नों के हल
- अभ्यर्थियों के प्रदर्शन की अखिल भारतीय स्तर पर रैंकिंग
- प्रत्येक परीक्षा के लिए फ्री टेस्ट उपलब्ध

BANK

SSC

TET

RAILWAY

IAS



Scan The QR Code
To Download The App

Feel free to contact us : testrange@upkar.in

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

- “अवस्था और यौवन प्रति पल बीता जा रहा है”
उपर्युक्त कथन निम्नलिखित में से किस महापुरुष का है ?
(A) खलील जीब्रान
(B) महावीर स्वामी
(C) प्रेमचन्द
(D) रबीन्द्रनाथ टैगोर
- असम के निम्नलिखित शासक को 'पूर्व की रोशनी' कहा जाता था—
(A) देवपाल (B) धर्मपाल
(C) इन्द्रपाल (D) रामपाल
- लिंगायत आराधना करते थे—
(A) विष्णु की
(B) ब्रह्मा की
(C) शिव की
(D) इंद्र की
- औसत आगम वक्र का दूसरा नाम है—
(A) लाभ वक्र
(B) माँग वक्र
(C) फिलिप्स वक्र
(D) तटस्थता वक्र
- कार्यात्मक वित्त के विचार को सर्वप्रथम निम्नलिखित में से किसने विकसित किया ?
(A) जॉन डाल्टन
(B) हॉकिन्स
(C) ए.पी. लर्नर
(D) रॉबिन्सन
- जैकब विनर के अनुसार निम्नलिखित में से कौनसा विकास का एक सूचक है ?
(A) समग्र बचत
(B) समग्र निवेश
(C) राष्ट्रीय आय
(D) प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय
- वैदिक काल में 'वैराज्य' कहा जाता था—
(A) उत्तरी साम्राज्य
(B) पश्चिमी साम्राज्य
(C) पूर्वी साम्राज्य
(D) दक्षिणी साम्राज्य
- निम्नलिखित में से किसने 'किन्नरी वीणा' का आविष्कार किया था ?
(A) भरत (B) नारद
(C) मतंग (D) कुबेर
- भरत काल में मृदंग वाद्य को क्या कहा जाता था ?
(A) चाचपुर
(B) त्रिपुष्कर
(C) कुतुप
(D) तुर्य
- सम्राट अकबर किस वाद्य यंत्र को बजाने में निपुण था ?
(A) सितार
(B) वीणा
(C) नक्कास
(D) बीन
- तानपुरा किस लकड़ी से बनता है ?
(A) सागौन
(B) आम
(C) चन्दन
(D) पीपल
- कोलाइडी कणों को आणविक कणों से निम्नलिखित विधि द्वारा पृथक् किया जाता है—
(A) अपोहन
(B) स्कन्दन
(C) जीव द्रव्य कुंचन
(D) अवसादन
- निम्नलिखित में से कौनसा जल में विलेय है ?
(A) CS₂
(B) CCl₄
(C) C₂H₅OH
(D) CHCl₃
- उद्योग संगठन में कर्मचारियों और उच्चाधिकारियों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान निम्नलिखित के द्वारा होता है—
(A) इंजीनियर
(B) चपरासी
(C) पर्यवेक्षक
(D) उपर्युक्त सभी
- कर्मचारी-विश्लेषण की सबसे सरल विधि है—
(A) आवेदन-पत्र
(B) शैक्षिक आलेख
(C) शारीरिक परीक्षण
(D) साक्षात्कार
- नेतृत्व का कौनसा सिद्धान्त शील गुणों और परिस्थितियों—दोनों पर बल देता है ?
(A) विनिमय सिद्धान्त
(B) परिस्थिति सिद्धान्त
(C) व्यवहार सिद्धान्त
(D) अंतःक्रिया सिद्धान्त
- “एक वृक्ष दस पुत्रों के समान है.” यह वाक्य निम्नलिखित ग्रंथ से लिया गया है—
(A) वायु पुराण
(B) अग्नि पुराण
(C) स्कन्द पुराण
(D) दुर्गा सप्तसती
- बर्च, सिल्वरफर तथा जूनीफर आदि किस्में निम्न प्रकार के वन में पाई जाती हैं—
(A) सदापर्णी वन
(B) पर्णपाती वन
(C) ज्वारीय वन
(D) अल्पाइन वन
- हमारे देश में प्रमुख वनस्पति कौनसी है ?
(A) पतझड़ वन
(B) वर्षा वन
(C) काँटेदार झाड़ियाँ
(D) सवाना वनस्पति
- सर्वाधिक विनाशकारी ज्वालामुखी है—
(A) विसुवियस तुल्य
(B) पीलियन तुल्य
(C) स्ट्राम्बोली तुल्य
(D) हवाई तुल्य
- अपरदन चक्र सिद्धान्त का जनक कौन था ?
(A) न्यूटन
(B) वी. एम. डेविस
(C) रॉबिन्सन
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- जूट का रेशा होता है—
(A) वानस्पतिक रेशा
(B) प्रोटीन रेशा
(C) कृत्रिम रेशा
(D) संश्लेषित रेशा
- ढाका की मलमल का निर्माण होता था—
(A) कपास के रेशों से
(B) सिल्क के रेशों से
(C) लिनेन के रेशों से
(D) नायलॉन के रेशों से

24. जो व्यक्ति नवीन विचारों को, अपने समुदाय के सदस्यों से पहले अंगीकार करता है, उसे कहते हैं—
 (A) नव-प्रवर्तक (B) शीघ्र अंगीकारक
 (C) प्रबुद्ध (D) पिछड़ा हुआ
25. रेडियल ड्रिल मशीन में कौनसा भाग रेडियल घूमता है ?
 (A) मशीन का आर्म
 (B) मशीन का जॉब
 (C) मशीन की शैंक
 (D) मशीन की फीड
26. अपने सिद्धान्त को सिद्ध करने के लिए 'ट्वीन पैराडॉक्स' का उदाहरण किस महान् वैज्ञानिक ने दिया था ?
 (A) डाल्टन
 (B) आइन्सटाइन
 (C) न्यूटन
 (D) मैडम क्यूरी
27. पार्श्व में दिए गए चित्र को पहचानिए—
 (A) गुंडप्पा विश्वनाथ
 (B) रोहन बोपन्ना
 (C) अशुमान गायकवाड़
 (D) चन्दगीराम
28. संलग्न चित्र किनका है ?
 (A) रामकृष्ण वेंकटरमण
 (B) जयंत नार्लीकर
 (C) विधानचन्द्र राय
 (D) सतीश धवन



सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के नियम

- इसमें सभी विद्यार्थी अथवा किसी प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होने वाले प्रत्याशी भाग ले सकेंगे.
- प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्याशियों को निर्धारित तिथि तक अपने उत्तर भेजना आवश्यक है. प्रविष्टियाँ सामान्य डाक से ही भेजी जाएं तथा लिफाफे पर बाईं ओर 'सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता' अवश्य लिखें.
- प्रतियोगिता के उत्तर पत्रिका में दिए गए प्रपत्र पर ही मान्य होंगे.
- उत्तर-पत्र में प्रश्न के क्रमांक के आगे चार खाने बने हैं. प्रतियोगी जिस उत्तर को ठीक समझे उस कॉलम में केवल गुणा (X) का चिह्न लगाएं. एक प्रश्न का एक से अधिक उत्तर देने पर वह प्रश्न निरस्त कर दिया जाएगा.
- प्रतियोगी जितने प्रश्न हल करें उनकी संख्या स्वयं अवश्य लिखें.
- अशुद्ध उत्तर देने पर अंक काटे जाएंगे.
- सर्वाधिक शुद्ध हल भेजने वाले प्रतियोगी को प्रथम पुरस्कारस्वरूप ₹ 900 दिए जाएंगे. उससे कम शुद्ध हल भेजने वाले प्रतियोगियों को क्रमशः द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिया जाएगा, जो क्रमशः ₹ 700 व ₹ 500 का होगा. यदि किसी पुरस्कार को प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों की संख्या एक से अधिक होगी, तो पुरस्कार राशि उनमें समान रूप से विभक्त कर दी जाएगी.
- पुरस्कार के विषय में सम्पादक का निर्णय सर्वमान्य होगा. किसी भी दशा में वह न्यायालय का विषय नहीं होगा.

प्रतियोगिता प्रवेश प्रारूप

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक-218 का हल भेजने की अन्तिम तिथि 10 फरवरी, 2024

नाम श्री/कु./श्रीमती _____

पूरा पता _____

राज्य पिन कोड नं. □□□□□□

मो. नं. _____

आयु शैक्षणिक योग्यता

प्रतियोगिता परीक्षा जिसकी तैयारी कर रहे/रही हैं _____

मैंने प्रतियोगिता दर्पण द्वारा आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के नियमों का अध्ययन कर लिया है और मैं उनसे सहमत हूँ।

(हस्ताक्षर)

परिणाम

कुल हल किए प्रश्नों की संख्या _____

शुद्ध हल प्रश्नों की संख्या _____

अशुद्ध हल प्रश्नों की संख्या _____

अर्जित अंक _____

उत्तर-पत्र

| प्रश्न संख्या | A | B | C | D | प्रश्न संख्या | A | B | C | D |
|---------------|---|---|---|---|---------------|---|---|---|---|
| 1. | □ | □ | □ | □ | 15. | □ | □ | □ | □ |
| 2. | □ | □ | □ | □ | 16. | □ | □ | □ | □ |
| 3. | □ | □ | □ | □ | 17. | □ | □ | □ | □ |
| 4. | □ | □ | □ | □ | 18. | □ | □ | □ | □ |
| 5. | □ | □ | □ | □ | 19. | □ | □ | □ | □ |
| 6. | □ | □ | □ | □ | 20. | □ | □ | □ | □ |
| 7. | □ | □ | □ | □ | 21. | □ | □ | □ | □ |
| 8. | □ | □ | □ | □ | 22. | □ | □ | □ | □ |
| 9. | □ | □ | □ | □ | 23. | □ | □ | □ | □ |
| 10. | □ | □ | □ | □ | 24. | □ | □ | □ | □ |
| 11. | □ | □ | □ | □ | 25. | □ | □ | □ | □ |
| 12. | □ | □ | □ | □ | 26. | □ | □ | □ | □ |
| 13. | □ | □ | □ | □ | 27. | □ | □ | □ | □ |
| 14. | □ | □ | □ | □ | 28. | □ | □ | □ | □ |